जीवट के शिखर

(The High and the Mighty—by Ernest K. Gann)

मूल लेखक
अर्नेस्ट के. गैन

अनुवादक
श्री श्याम

पर्ल पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड,

बम्बई—१

मूल्य—१ रुपया

संकट का क्षण...

यात्रियों के तने हुए, भय से सफेद पड़ गये चेहरों को देखना तथा उन्हें वह समाचार सुनाना, जिसे कोई व्यक्ति कभी नही सुनना चाहता, सह-विमान-चालक डैन रोमन का कार्य था।

न्यूयार्क का नाटक-निर्माता गुस्ताव पार्डी, जिसकी कोई इच्छा कभी अपूर्ण नहीं रहती थी; उसकी अत्यन्त सुन्दरी पत्नी; काफी-गृह-समाज के ह्रासोन्मुख जगत् के प्रतीक लिडिया और हावर्ड राइस; विशालकाय, चंचल और रक्ताभ चेहरे वाली मे होल्स्ट; अपने भूतकालीन जीवन से पलायन करने का तीव्र प्रयास करने वाली सैली मैकी; नव-विवाहित दम्पति; ऐगन्यू, जो हत्या करने के विचार से विमान पर सवार हुआ था– उन सभी के समक्ष संकट का वह आकस्मिक और आघातकारी क्षण उपस्थित होने वाला था, जब आडम्बर और दर्प का नग्न स्वरूप प्रकट हो जाता है, जब मृत्यु के निकट आ जाने पर लोगों का मानवीय–अथवा पाशविक–रूप प्रकट होता है...

"यह उपन्यास विमान-यात्रा के विषय में है, जिसमें उत्तेजना की वही असाधारण विशेषता विद्यमान है, जिसने 'कैन म्युटिनी' को इतना अधिक लोकप्रिय बना दिया था।"

जान. पी. मारक्वैण्ड

'दि हाई ऐण्ड दि माइटी' सर्वप्रथम विलियम स्लोन एसोशियेट्स, इन्क. द्वारा प्रकाशित किया गया था।

"मनुष्य अपने प्रेम की भाँति ही अपने साहस को अन्धकाराच्छन्न रखता है।"

क्विण्टन

"मृत्यु का भय निश्चित रूप से वास्तविक बुद्धिमत्ता नहीं, प्रत्युत बुद्धिमत्ता का आडम्बर है, क्योंकि वह अज्ञात को जानने का ढोंग है .... और कोई भी व्यक्ति नही जानता कि मृत्यु, जिसे मनुष्य अपने भय के कारण सबसे बुरी वस्तु मानता है, सर्वोत्तम वस्तु भी सिद्ध हो सकती है अथवा नहीं..."

सुकरात

१

ऋतु-विशेषज्ञ ने अपने गजे सिर को सहलाया और तत्पश्चात् अपनी अस्थि-शेष अंगुलियो को होनूलुलू से सान फ्रांसिस्को तक के मार्ग के एक छोर से दूसरे छोर तक घुमाया। उसकी इस घृणा-मिश्रित भावाभिव्यक्ति ने दो हजार मील से अधिक के जल एव आकाश-मार्ग को समेट लिया। उसके हाथ के नीचे रखे हुए कागज पर समान वायुमडलीय दबाव के क्षेत्रों को मिलाने वाली बारीक रेखाएँ खिची हुई थीं। कागज के एक ओर से दूसरी ओर तक खीची गयी इन टेढी-मेढी रेखाओं की आकृति मे विचित्र एकरूपता थी, मानो प्रशान्त सागर की हवाओं ने उड़ा-उड़ा कर उन्हें आकृति प्रदान कर दी हो। इन रेखाओं की ओर सन्देह की दृष्टि से देखते हुए ऋतु-विशेषज्ञ ने अपनी लम्बी नाक मली।

उसने कहना प्रारम्भ किया—"कुछ समय तक हवाई द्वीप के पूर्व में आपको नीची घटाओं की एक तह मिलेगी तथा मार्ग के सीधे उत्तर में इसका संकेत मात्र मिलेगा। इससे आपको तनिक भी परेशान नहीं होना चाहिए.... सम्भवत: हल्की-सी वर्षा होगी.... इससे अधिक कुछ भी नहीं।"

उसने महत्वपूर्ण ढंग से अपना गला साफ किया और यह देखने के लिए प्रतीक्षा करने लगा कि काउण्टर के दूसरी ओर खड़ा नवयुवक मेरी बातों को सुन रहा है अथवा नहीं। किसी विमान-चालक के ध्यान को पूर्ण रूप से आकृष्ट कर सकना उसके लिए सदा आसान नहीं था। उनमें से बहुत अधिक ऋतु-भविष्यवाणी को तनिक भी महत्व नहीं देते थे, चाहे उसे तैयार करने मे जितनी भी अधिक सावधानी से काम लिया गया हो। ऋतु-विशेषज्ञ ने सोचा कि विमान-चालक सभी जगह कृतघ्न होते हैं। उसे कोई भी ऐसा अवसर याद नहीं आ सका, जब किसी विमान-चालक ने मौसम का सही-सही विश्लेषण करने पर उसकी सराहना की हो, यद्यपि ऐसे अनेक अवसर आये, जब उसे गलती के लिए निर्ममतापूर्वक डाँट बतायी गयी थी। निश्चय ही, स्वयं विमान-चालक अपने मत को कभी गलत नहीं समझते। इस बात के अपवाद वे अवसर होते हैं, जब वे अपनी ही मूर्खता से मृत्यु के शिकार हो जातें हैं; किन्तु तब उनकी

उपेक्षा का बदला चुकाने का समय ही नही रह जाता।

ऋतु-विशेषज्ञ का मन एक क्षण के लिए समस्त विमान-चालकों की अहम्मन्यता के प्रति घृणा की भावना से भर गया। इसमे उसे बड़ा सुख मिलता था और ज्यों-ज्यों वर्ष व्यतीत होते गये त्यों-त्यों उसकी इस सुखानुभूति में अधिकाधिक वृद्धि होती गयी। उसने सोचा कि विमान-चालकों को बिना किसी योग्यता के ही अत्यधिक वेतन मिलता है, जिससे वे सुखमय जीवन व्यतीत करते हैं। एक प्राचीन दन्त-कथा ने, किसी प्रकार, विमान-चालकों को अन्य श्रमिक विमान-कर्मचारियों से पृथक् वर्ग में रख दिया था और किसी प्रकार वे अपनी स्थिति को कायम रखने में सफल हो गये थे, हालाँकि प्रत्येक विचारवान व्यक्ति जानता है कि वे केवल बटन दबाने का ही काम तो करते हैं, इससे अधिक कुछ नहीं। यहाँ प्रत्येक व्यक्ति से तात्पर्य स्वयं विमान-चालकों तथा उन स्त्रियों के अतिरिक्त प्रत्येक व्यक्ति से है, जो मानसिक दृष्टि से अविकसित होती है और जो अब भी समझती है कि कोई व्यक्ति अपनी छाती पर पंखों का एक जोड़ा मात्र लगा लेने से एक प्रकार का अतिमानव बन जाता है; अतः वह सहवास के लिए एक वांछनीय व्यक्ति होता है।

यह अन्तिम विचार ऋतु-विशेषज्ञ के दिमाग में अत्यन्त अचानक आ गया था, किन्तु उसने अकेले ही उसके मन में असह्य पीड़ा और झुंझलाहट भर दी। वह विज्ञान का स्नातक था। फिर भी न जाने कितनी बार वह मुँह बना कर मुस्कराने वाले ऐसे मूर्खों से परास्त हो चुका था, जिन्होंने सरकार के कुचक्रों से अथवा संयोग-मात्र से वायुयान चलाना सीख लिया था। ऋतु-विशेषज्ञ अपनी नाक मलता रहा और चश्मे को ठीक करता रहा, किन्तु वह याद नहीं कर सका कि कितनी बार उसे इस प्रकार परास्त होना पड़ा था। और चूंकि नारी का विचार, किसी भी ऐसी नारी का जो उसके साथ उन रातों को गुजारने के लिए तैयार हो, जब वह हवा के दबावों के स्वरूप तथा प्रशान्त महासागर के ऊपर आकाश की स्थिति पर विचार करने में तल्लीन न हो, आते ही उसकी पेंसिल कांपने लगती थी और साथ ही साथ उसका निचला होठ भी थरथराने लगता था; इसलिए अपने दिमाग को पुनः उसने मौसम के चार्ट की ओर मोड़ दिया। उसने अलास्का के क्षेत्र के आसपास खींचे गये कई वृत्तों की ओर इंगित किया —

"दक्षिण-पूर्वी अलास्का के निकट यह तूफान काफी तेजी के साथ तट की ओर बढ़ रहा है। लगभग आधे रास्ते में आपको तूफानी हवाएँ मिलने

लगेंगी। सामने की ओर उनकी गति चालीस मील प्रति घण्टा होगी....
शायद अधिक भी हो।"

"मेरी तबीयत ठीक नहीं रही है।"—विमान-चालक ने कहा; उसकी आवाज दूरमुद्रक यंत्रों की खटखट के ऊपर मुश्किल से सुनायी देती थी।

"जहां तक आपके गन्तव्य स्थान का प्रश्न है, सान फ्रांसिस्को साधारण ही रहेगा.. वहाँ की स्थिति के बिगड़ जाने की भी सम्भावना है।" ऋतु-विशेषज्ञ अपने अन्तिम शब्द कहते-कहते रुक गया, मानो उन शब्दों के महत्व ने उसे असीम आनन्द से ओतप्रोत कर दिया हो। उसने अपने पीले, पतले होठों से अपनी पेंसिल को एक छोर से दूसरे छोर तक स्पर्श किया और देखने लगा कि विमान-चालक उसकी बातों पर ध्यान दे रहा है अथवा नहीं। उसकी ओर देखते हुए उसे एक बार पुनः क्रोध की एक विशेष पीडा की तीव्र अनुभूति हुई। जब कभी उसे विमान-चालकों से बात करनी पड़ती थी, तभी यह पीड़ा उसे दबोच लिया करती थी। उसने इस पीड़ा को उसी प्रकार ग्रहण कर लिया था जिस प्रकार कोई व्यक्ति एक विशेष-प्रकार की अभिवादन-प्रणाली को स्वीकार कर लेता है; उसे इसमें सुख मिलता था और इसे वह केवल विमान-चालकों के लिए सुरक्षित रखता था।

उसने सोचा कि यह व्यक्ति, सलीवन, जो उसके सामने अपनी वर्दी की आस्तीन पर पँखों तथा चार पट्टियों के चिह्न से पूर्णतः सुसज्जित होकर खड़ा हुआ है, विमान-चालकों की जाति का एक प्रधान नमूना है। परमात्मा नें दूसरे व्यक्तियों से सुन्दर स्वास्थ्य छीन कर उसे इस जड़ और स्थूल मांस-पिण्ड को प्रदान कर दिया था, जिसकी त्वचा की चमक ईश्वर के भयंकर अन्याय का ठोस प्रमाण थी। उसकी आँखे स्वच्छ थी और ऐसा क्यों न हो, जब उन्हें दीर्घकालीन अध्ययन की पीड़ा का कभी अनुभव ही नहीं हुआ था। ऋतु-विशेषज्ञ के सुदृढ़ होठ थोड़े-से भिचे हुए थे, मानो वे इस सब के प्रति असहमति प्रकट कर रहे हों और उसकी जबड़े की हड्डियों के सिरे पर, कानों के ठीक नीचे, दो स्पष्ट उभड़े हुए पिण्ड थे, जो लगभग अस्पष्ट प्रकार से हिल उठते थे, जब वह मौसम के विवरण-पत्र का निरीक्षण करने लगता था। उसके कन्धे चौड़े तथा उसकी भुजाएँ विशाल एवं शक्तिशालिनी थीं। ऋतु-विशेषज्ञ ने सोचा कि वह यान-चालक अपने कालेज के खेलों के अन्तिम क्षण में अशक्त पड़ जाने वाला खिलाड़ी रहा होगा—बशर्त्ते उसे कभी कालेज के स्तर तक शिक्षा पाने का अवसर प्राप्त हुआ हो। वह अपने पैरों पर जम कर खड़ा था और थोड़ा-

सा झुका हुआ था, मानो सारे ससार के सूत्र उसकी मुट्ठी में हों। ऋतु-विशेषज्ञ को पूर्ण विश्वास था कि वह उसकी बातों को केवल आधे मन से ही सुन रहा था। उसका शेष ध्यान, प्रत्यक्षत:, खुली खिडकियो के बाहर इंजिनों की आवाज सुनने में लगा हुआ था—शानदार एवं भव्य इजिन, जिनका निर्माण उसे महासागरों के पार ले जाने के लिए किया गया था। उनकी प्रचण्ड ध्वनि के साथ वह अपने अहम् का विस्तार कर सकता था, यद्यपि इस प्रकार के यंत्रों का आविष्कार करने की प्रतिभा उसमे कभी नहीं आ पायेगी। वह इस बात को कभी स्वीकार नही करेगा कि इंजिन उसकी मुक्ति के एकमात्र साधन है अथवा अकेले उनके द्वारा वह प्रति महीने एक हजार डालर कमाते हुए वीरता के अपने बाह्याडम्बर को कायम रख सकता है।

एक हजार डालरों के साथ स्वयं अपने वेतन की तुलना करते ही ऋतु-विशेषज्ञ के हाथ अचानक गीले हो गये और वह परेशान हो उठा। उसने पेंसिल को जल्दी-जल्दी अपनी हथेलियों के बीच आगे-पीछे घुमाया, मानो वह आर्द्रता को जज्ब करने का प्रयास कर रहा हो।

"आखिरी स्थानों के मौसम मे कितनी अधिक खराबी आने वाली है? मैंने इस शब्द की ध्वनि को कभी पसन्द नहीं किया।" —सलीवन ने ईषत् मुस्कान के साथ कहा।

ऋतु-विशेषज्ञ को अपना चित्त स्थिर करने में एक क्षण लगा। वह चाहता था कि उसका उत्तर बिल्कुल ठीक हो, प्राविधिक दृष्टि से संदिग्ध हो, फिर भी इतना व्यंगात्मक अवश्य हो कि सलीवन को मालूम हो जाय कि वह किसी साधारण ज्योतिषी से बात नही कर रहा है।

"भविष्यवाणी का विवरण-पत्र बताता है कि ...."

"तुम लोग सदा बड़े-बड़े शब्दों का प्रयोग क्यों करते हो? मुझे सीधी-सादी अंग्रेजी में बताओ कि तट पर मौसम अच्छा रहेगा या खराब।"

"कप्तान सलीवन!" —ऋतु-विशेषज्ञ ने अपने होठों को पूरी तरह से नम करते हुए कहा—"यह निर्णय करना आपका काम है कि मौसम अच्छा है अथवा बुरा। हम तो केवल वास्तविक तथ्य बता देते है, जो इस समय हैं... और जो भविष्य में होंगे।"

"तब हमे, सिद्धान्तों को छोड़ कर, कुछ तथ्य ही बताइये।"

"सान फ्रांसिस्को एक मील और तीन सौ फुट तक.... सम्भवत: डेढ़ मील की ऊँचाई तक ठीक रह सकता है। ओक लैण्ड की स्थिति भी यही रहेगी।

फेयरफील्ड में कुहरा रहेगा।"

"यह तो अच्छा नही है, लेकिन शर्त बद लीजिये—पॉच के बदले आपको दस मिलेगे। सान फ्रांसिस्को में बादल छंट जायँगे।"

"क्या आपको सचमुच यह मालूम है ?"

"मै खाक नही जानता। मै तो केवल आशा कर रहा हूँ। दूसरा रास्ता ही कौन-सा है ?"

"रेनो ! वहॉ आकाश बिल्कुल साफ होना चाहिए।"

"रेनो पहाड़ों पर है।"

"अमरीका के इस प्रकार के प्रारम्भिक भूगोल से मै भली भॉति परिचित हूँ, कप्तान।"

"और कुछ ?"

"नहीं, बशर्ते आप पामडेल न जाना चाहते हों।"

"सैक्रामेण्टों के सम्बन्ध में आपकी क्या राय है ?"

"भरोसा नही किया जा सकता ! वह कुहरे मे ढका होगा।"

"शायद आप ठीक कहते हैं।"

ऋतु-विशेषज्ञ ने रुखाई के साथ कहा—"धन्यवाद। हम ऐसी भविष्यवाणी नहीं करते, जो सूर्यग्रहण की भविष्यवाणी के समान शुद्ध हो; किन्तु हमारी सूचना सर्वोत्तम होती है।"

ऋतु-विशेषज्ञ ने निर्णय किया कि उसे इसी प्रकार उत्तर दिया जाना चाहिए। यदि दुर्बल मन के व्यक्ति अपनी दुर्बलता का परित्याग कर दें, तो वे आकाश और पृथ्वी, दोनों, पर अधिकार कर लें। वह 'काउण्टर' से पीछे हट आया, सलीवन की नकल करते हुए अपने पैरों को फैला दिया और तत्पश्चात् अपने हाथ जेबों में डाल दिये।

"रास्ते के निकट कोई जहाज हैं क्या ?"—सलीवन ने पूछा।

ऋतु-विशेषज्ञ ने अपने शरीर को हिलाये बिना ही सिर घुमाया, ताकि वह प्रशान्त महासागर के मौसम के मुख्य विवरण-पत्र को देख सके। " 'अंकिल' और 'नान' के अतिरिक्त, १३१ पश्चिमी देशान्तर के निकट 'प्रेसिडेण्ट क्लीव लैण्ड' और १४१ पश्चिमी देशान्तर के निकट 'हवाइयन ट्रैवलर' है। हम केवल इतना ही जानते है। कप्तान, क्या सागर की लहरों पर छुट्टी मनाने की योजना बना रहे है ?"

"नही। मैं उनके बारे में जानना भर चाहता हूँ— ताकि—" सलीवन ने

अपने मौसम विवरण-पत्र मे स्थानो को दर्ज किया और तत्पश्चात् कहा—"धन्यवाद— और अलविदा।"

"आपकी यात्रा शुभ हो, कप्तान।"

दरवाजे की ओर मुड़ते हुए सलीवन यह नहीं देख सका कि ऋतु-विशेषज्ञ की ऑखो में शीघ्रतापूर्वक विजय की एक आभा आ गयी थी। अब उसके पास ऋतु-विशेषज्ञों के विचित्र व्यवहार पर सोचने के अतिरिक्त विचार करने के लिए और भी विषय थे। वे सभी थोड़े पागल-से होते हैं। यदि वे एक क्षण के लिए भी अपना चित्त अपने औजारों से हटाकर खिड़की से बाहर देखें, तो वे मौसम का अधिक सही अनुमान लगा सकते है।

हवाई अड्डे की दूसरी ओर हल्के हवाइयन संगीत की ध्वनि के परे डैन रोमन खुली धूप और कोमल पूर्वी वायु में उड़ान से पहले की जाँच का कार्य सम्भल कर सम्पन्न कर रहा था। वह एक दुबला-पतला व्यक्ति था, उसकी मुखाकृति कठोर थी और उसके तन कर चलने के ढंग से उसकी वास्तविक लम्बाई और अधिक दिखायी देती थी। सह-विमानचालक की हैसियत से यह निश्चय कर लेना उसका कर्त्तव्य था कि विमान उड़ान के लिए तैयार है। मिस्त्रियों ने विमान में तेल भर दिया था और चारों इंजिनों को चला कर देख लिया था। अब पचास से अधिक पुर्जे ऐसे रह गये थे, जिनका निरीक्षण डैन रोमन को व्यक्तिगत रूप से करना था। उसे इस बात का अच्छी तरह से पता था कि इनमे से कई पुर्जे, जिनका पूरे विमान की दृष्टि से देखने पर कोई महत्व नहीं था, हत्या के कारण बन सकते हैं। वे डैन रोमन की हत्या कर सकते थे तथा उसके साथ के अन्य अनेक व्यक्तियों की भी हत्या कर सकने की क्षमता रखते थे। अतः वह प्रत्येक पुर्जे को संशय के साथ देखता था, जैसे कोई कुशल जासूस सुबह की परेड में जाते हुए कैदियों को देखता है। वर्षों के अनुभव से डैन रोमन को मशीनों के विभिन्न पुर्जों के अपराधपूर्ण इतिहासों का ज्ञान हो गया था। वह बहुत अच्छी तरह जानता था कि निरपराध से निरपराध दिखायी देनेवाले पुर्जे भी परिस्थितियों के साथ मिल कर हत्यारे सिद्ध हो सकते हैं। उसे तिथियों अथवा महीनों की भी याद बहुत कम रहती थी, किन्तु क्षण मात्र सोचने पर ही उसे किसी ऐसी विशेष दुर्घटना की याद आ जाती थी, जिसमें उसके किसी मित्र अथवा मित्र के किसी मित्र की मृत्यु हो गयी थी। ऐसी दुर्घटनाएँ केवल समाचार-पत्रों के लिए ही रहस्यपूर्ण थी। सामान्यतः हत्यारों और उनके सहयोगियों

को, यदि कोई सहयोगी हों, पहचान लिया जाता था, भले ही उनकी तलाश करने मे महीनों लग जाते हों। जब उनका पता चल जाता था, तब उनका समाचार उड़ाकों के समाज में तुरन्त फैल जाता था।

इस कारण डैन रोमन न केवल विमान के बड़े और महत्वपूर्ण पुर्जो का ही निरीक्षण अत्यन्त सावधानी के साथ करता था, प्रत्युत छोटे और अपेक्षाकृत कम महत्व के पुर्जों की देख-भाल करने मे भी उतनी ही सावधानी से काम लेता था। डैन रोमन के अनेक समकालीन उड़ाके अब जीवित नही रह गये थे, क्योंकि उन्हें इस वात की याद नहीं रह गयी थी कि किस प्रकार सफलता छोटी-छोटी चीजों पर ही निर्भर करती है। उन मित्रों का प्रतिनिधित्व "क्वायट बर्डमैन" की बैठको की, जिनमें डैन महीने में एक बार भाग लेता था, खाली कुर्सियों से होता था। १९१७ के बाद से डैन अनेक बार इसी प्रकार की खाली कुर्सी का उम्मीदवार रह चुका था। अब वह बिस्तर पर पड़े-पड़े मरने के लिए कृत-संकल्प था।

डैन अपने पैरों को फैलाये खड़ा था, उसके हाथ उसके वक्षस्थल पर फैले हुए थे तथा वह विशालकाय विमान की ओर देखता हुआ सूर्य के प्रकाश में उसकी चमक की सराहना कर रहा था। उसने बिना किसी लय की परवाह किये धीरे-धीरे सीटी बजायी। वह इस समय केवल अपने सामने के जहाज के ही विचार में डूबा हुआ था, जैसे किनारे पर खड़ा कोई नाविक समुद्र की ओर देख रहा हो। वास्तव में यह एक मशीन मात्र नहीं थी – मशीन से कही अधिक महत्वपूर्ण चीज थी – यह एक पूरा युग था, जिसका निर्माण करने में उसने सहायता पहुँचायी थी। उसने यह कार्य बहुत पहले प्रारम्भ किया था, जब मानव-जीवन अत्यन्त सीमित था। अब वह पुनः एक बार इसका अंग बन गया था—और एक प्रकार से यह हास्यास्पद बात थी। पैंतीस वर्षों तक उड़ानें करने के बाद, डैन रोमन अब भी जमीन से ऊपर जाता था और जीवित लौट आता था। विचार-निमग्न होकर उसने अपनी ठोड़ी मली और उसके दिमाग में यह बात आयी कि ऐसे व्यक्ति बहुत कम रह गये हैं, जो यही बात कह सकते हैं।

और डैन रोमन में अनिवार्य स्थगित दृष्टि के अतिरिक्त पुराने डैन रोमन की कितनी बातें शेष रह गयी थीं? इस दृष्टि से यह भासित होता था कि वह वास्तव में कहीं का नहीं है। यह एक अस्पष्ट, अस्थिर दृष्टि थी, जो आगे-पीछे सभी पेशेवर विमान-चालकों की हो जाती है। यद्यपि पैंतीस वर्षों

में उसे निश्चय ही कुछ मूल्य चुकाना पड़ा था, तथापि उसमें अपने पुराने व्यक्तित्व का काफी बड़ा भाग बचा रह गया था। वह थोड़ा-थोड़ा लगड़ा कर चलता था, जो दुर्घटना का परिणाम था और इस कारण उसे ठीक-ठीक एक खराबी भी नहीं कहा जा सकता था। चश्मे से पढ़ने मे आसानी होती थी, किन्तु इतने अधिक अभ्यास के फलस्वरूप गहराई में देखने की शक्ति पहले के ही समान बनी हुई थी। अन्तिम शारीरिक परीक्षा के अनुसार हृदय की स्थिति बहुत ही अच्छी थी। रक्तचाप जैसा होना चाहिए था, वैसा ही था। ऐसा प्रतीत होता था कि अधिकांश ह्रास बाहरी है। अपने चेहरे पर हाथ फिराते हुए डैन ने अपने मुँह और आँखों के चारों ओर की रेखाओं का अनुभव किया.......हे परमात्मा! ये रेखाएँ चाकू से कटे घावों जितनी गहरी थीं! किन्तु कुछ भी हो, वे त्वचा के अनुरूप ही थीं और त्वचा उस पुराने थैले के फटे हुए चमड़े के समान थी, जो सम्प्रति नीचे पड़ा हुआ था। यह थैला बीस हजार मील अथवा इससे भी अधिक की यात्रा में साथ रह चुका था। वह जगह-जगह पर थोड़ा सिकुड़ा और लटका हुआ था, उस पर मोसम के प्रहारों के चिह्न अंकित थे, किन्तु उसका मूल्य और टिकाऊपन अभी तक बने हुए थे। उसे उसी प्रकार अभी फेंका नहीं जा सकता था, जिस प्रकार डैन रोमन को भी अभी फेंका नहीं जा सकता था और डैन रोमन अभी तक केवल एक अवशेष मात्र नहीं बन सका था।

परिचारिका स्पालिंडग उन ५३ वर्षों पर विश्वास नहीं करती थी, यद्यपि निश्चय ही यह विनम्र और शिष्टतापूर्ण मूर्खता थी। फिर भी स्पालिडग को इस बात का पता नही था कि किसी प्रिय चीज को दोबारा पाना कैसा होता है—क्योंकि अभी तक उसने कोई प्रिय वस्तु नही खोयी थी। न वह इस बात को ही समझ सकती थी कि किस प्रकार कोई व्यक्ति निष्क्रियता के प्रवास से निकल कर पुनः जीने का कारण प्राप्त कर सकता है।

डैन के पीछे से एक भारी आवाज आयी, जिससे उसकी विचार-श्रृंखला भंग हो गयी।

"क्यों यार. . . क्या तुम डैन रोमन नही हो?" जब वह मुड़ा, तब उसे एक गोलमटोल और मांसल आदमी दिखायी दिया, जो सफेद लबादा पहने हुए था। वह अनिश्चित रूप से एक बुझे हुए सिगार के सिरे को चबा रहा था और उसकी चमकहीन नीली आँखें आधी बन्द थीं, मानो वह बहुत दिनों से भूले हुए किसी स्वप्न को पुनः याद करने का प्रयत्न कर रहा हो। वह लगभग

उपेक्षात्मक ढंग से अपने प्रश्न के उत्तर की प्रतीक्षा करने लगा और उसकी मोटी काली भौंहें ऊपर की ओर उठ गयीं। उस व्यक्ति ने डैन की छाती में एक अंगुली गड़ा दी।

"मैंने तुम्हें सीटी बजाते हुए सुना और अपने-आप से कहा कि केवल एक ही व्यक्ति इस तरह से सीटी बजाता है। मै तुम्हारे इस कुरूप चेहरे को कही भी पहचान लूंगा, किन्तु मै बाजी लगाकर कह सकता हूँ कि तुमने मुझे नही पहचाना।"

डैन अपनी सांस को रोके रहा क्योंकि वह निश्चय ही उस व्यक्ति को पहचानता था, किन्तु इससे भी अधिक इसका कारण यह था कि उसे देख कर एक बार फिर एक घूमते हुए हरे पिंजड़े मे बन्द चूहे की याद आयी। पिंजड़ा दक्षिण अमरीका में एक विमान-कार्यालय की छत से लटक रहा था। क्या यह सौ वर्ष पहले की बात हो सकती है? उस समय वास्तविक, सजीव हँसी थी और जीवन का ऐसा पागलपन और आलस्यपूर्ण ढंग, जिसका विस्मरण कभी नहीं किया जा सकता। बोगोटा और चूहे के हरे पिंजड़े के समय और होनोलुलू के समय के मध्य बहुत अधिक अन्तर था, किन्तु अन्त में यह घटित हो ही गया। एलिस और टोनी की याद पुनः आ गयी थी ..... और अब वह याद फिर से सताना प्रारम्भ कर देगी। डैन मुस्कराया और उसने अपने हाथ को बाहर निकाला, हालाँकि वह दूर चला जाना चाहता था।

"जरूर पहचानता हूँ.... तुम बेन स्नीड हो।" जब वह घटना हुई थी— जब कुछ मिनटों के भीतर ही जीने का कारण नष्ट हो गया था— बेन उस समय 'एयरो कोलम्बिया' मे मुख्य मिस्त्री था।

बेन ने बेचैनी के साथ कहा—"मैंने सोचा था कि अब तक तुम कहीं ... स्वयं अपने ही खेत में गायें दूह रहे होगे।" उसने विमान की ओर इस दृष्टि से देखा, मानो उसने अकस्मात् उसको पहली बार ही देखा हो। डैन जानता था कि वह इस बातचीत को प्रारम्भ करने के कारण दुखी था।

"क्या तुम इन चीजों से दूर नहीं रह सकते? वे धातु का एक समूह मात्र हैं और उनसे कोई विशेष लाभ नहीं प्राप्त होता।" यह एक पुराना मजाक था, किन्तु इस बार जब उनकी नजरें मिलीं, तब यह बहुत ही अरुचिकर प्रतीत हुआ।

"बेन, मेरा अनुमान है कि मुझ में अधिक इच्छा—शक्ति नहीं रह गयी है। तुम क्या कर रहे हो?"

"मैं 'फार ईस्ट' कम्पनी में मुख्य मिस्त्री हूं। अच्छा काम है..."

"मैं बहुत खुश हूँ, बेन. . ." उन्होंने एक साथ आकाश की ओर देखा, क्योंकि यही सरलतम कार्य था।

"अच्छा डैन, अब मुझे जाना है। मैंने सोचा कि तुमसे तनिक मिल लूं।"

"जरूर. . . . . मेरी शुभ कामनाएँ।"

"तुमसे मुलाकात होती रहेगी . . . ."

"कुछ समय के लिए, किसी भी हालत में। हम किसी दिन बातें करेंगे। घबराओ मत, बेन।"

"हाँ-हाँ, जरूर–कोई कष्ट नहीं है।"

जब डैन सीढ़ी पर चढ़ कर जहाज पर पहुँचा, तब दो मिस्त्री मरम्मत-घर से बाहर आये। जब 'इन बोर्ड' मोटरें चलायी जा रही थीं, तब वे अग्नि-शमन के लिए खड़े थे। तत्पश्चात् उन्होंने हाथ हिला कर उसे विदा दी। जब तक विमान हवाई अड्डे की आधी दूरी नहीं पार कर गया, तब तक बेन उसे देखता रहा। उसने अपने कदम पीछे हटाये और मिस्त्रियों से बात करने लगा। वह उन्हें डैन रोमन के विषय मे बताना चाहता था।

उसने पूछा–"क्या तुममें से कोई उस आदमी के बारे में जानता है?"

"वह निश्चय ही सह-विमानचालक के पद के लिए काफी बूढ़ा है। मुझे नहीं मालूम था कि हमारे पास आदमियों की इतनी कमी है।"

"मुझे याद आ रहा है कि मैंने कहीं उसका नाम सुना है।"

"यह नाम सदा के लिए याद रखो"– बेन ने शांतिपूर्वक कहा; उसने अपने होंठों से सिगार का टुकड़ा हटाया और विचार-मग्न होकर उसका निरीक्षण करने लगा – "क्योंकि वह एक ऐसा सर्वोत्तम व्यक्ति है, जैसा तुम्हें कभी नहीं मिलेगा. . . . . . . और बड़ा अभागा भी। हम उसे 'दुखी डैन' अथवा सीटी बजाने वाला कहा करते थे। मैंने सोचा था कि अब तक उसका दिमाग खराब हो गया होगा, किन्तु उसमें इतना अधिक साहस है कि ऐसा नहीं हो सकता। युद्ध के ठीक बाद जब मैं 'एयरो-कोलम्बिया' का मुख्य मिस्त्री था, उन्हीं दिनों वह उसमें विमान-चालक था। एक दिन वह कैलिफोर्निया से पूरी सवारी के साथ रवाना हुआ और उसी समय एक दक्षिणी अमरीकी विमान ने हवाई अड्डे पर टूट पड़ने का निश्चय किया। हवा के दिशा-परिवर्त्तन में इतना अधिक विलम्ब हो गया कि वह विमान को रोक नहीं सका और न विमान को हवाई अड्डे से लगभग आधा मील दूर, एक टीले पर उतार सका। उसने विमान को सीधे नीचे उतारा, किन्तु वह दो टुकड़े हो गया और दस सेकण्ड

में आग ही आग दिखायी देने लगी। डैन 'काकपिट' की खिड़की से लुढ़क कर बाहर जा गिरा। उसे केवल थोड़ी-सी खरोंचें ही लगीं, जिससे वह अपने आप को कोसने के लिए जीवित बच गया। सह-विमानचालक की मृत्यु हो गयी। डैन के अतिरिक्त प्रत्येक व्यक्ति काल-कवलित हो गया। एक स्थूलकाय जर्मन भी बच गया।"

"वह बहुत ही भाग्यशाली प्रतीत होता है।"

"नहीं, बात बिल्कुल ऐसी नही है। मैं दो यात्रियों को जानता था। वे छुट्टी मनाने के लिए समुद्र-तट पर जा रहे थे। उनमें से एक एलिस नाम की सुन्दर लड़की थी और एक टोनी नाम का लड़का था। मै उन्हें आश्चर्यजनक व्यक्ति समझता था तथा डैन और अन्य व्यक्ति भी उन्हें ऐसा ही समझते थे. . ." बेन अपने सिगार की ओर देखता हुआ रुक गया और उसने सावधानीपूर्वक पुनः सिगार को दाँतों के बीच दबा लिया। उसने पुनः कहा—"एलिस डैन की पत्नी थी और टोनी उसका एक मात्र पुत्र।"

एक मिस्त्री ने छोटी-सी सिसकारी भरी और अपने हाथ पर लगे एक धब्बे को रगड़ने लगा।

"अतः जब डैन दूसरी बार इधर से होकर गुजरे. . .... . तब इतना अवश्य याद रखना कि वह सदा सह-विमानचालक ही नहीं था।"

२

ऋतु-कक्ष से निकलने के बाद सलीवन सीढ़ियों की एक लम्बी पंक्ति से उतर कर नीचे आया। अन्तिम सीढ़ी पर वह अपने 'नेविगेटर' लियोनार्ड विल्बी से लगभग टकरा गया।

"माफ कीजिये, कप्तान, मुझे देर हो गयी। मै सूसी के लिए एक उपहार खरीदने में फँस गया था।"

निश्चय ही लियोनार्ड सूसी के लिए उपहार खरीदता रहा होगा। वह हमेशा ऐसा करता था। लियोनार्ड विल्बी के साथ थोड़ी दूर तक उड़ान करने के

बाद ही सूसी विमान के कर्मचारी-वर्ग की एक प्रकार की अतिरिक्त सदस्या बन जाती थी। अदृश्य होते हुए भी उसकी चर्चा का खतरा सदा बना रहता था। तीन पतियों का परित्याग करने के बाद उसने अन्त मे लियोनार्ड को पकड़ा था, जो उम्र मे उसका दूना होते हुए भी बेनेडिक्ट सम्प्रदाय के एक साधु के समान निष्पाप था। सलीवन लियोनार्ड की सूसी से अनेक बार मिल चुका था, जब-जब वह उसे मोटर में बैठा कर सान फ्रांसिस्को हवाई अड्डे तक लाती थी। उसके पति के क्षितिज मे अदृश्य होते ही सलीवन उसके क्रिया-कलापो के सम्बन्ध में सोचना पसन्द नहीं करता था। एक बार उसने सलीवन की उपस्थिति में ही लियोनार्ड विल्बी को निकम्मा बूढ़ा कहा था। उस समय वह हर क्षण मार्टिनिस की ही चर्चा किया करती थी और बाद में वह उसे नपुसक दोगला कहने लगी। अतः सलीवन उससे घृणा करता था। इसी प्रकार लियोनार्ड विल्बी के साथ काम करने वाला प्रत्येक कर्मचारी सूसी से घृणा करता था, क्योंकि वह जानता था कि लियोनार्ड इस पेशे के सर्वश्रेष्ठ व्यक्तियों मे से एक है। वह इतना भला था कि सूसी उसके उपयुक्त नहीं थी।

"कोई हर्ज नही, लेनी। मुझे मौसम का विवरण मिल गया है।" उसने कागज का परिवेष्टन विल्बी के हाथ में थमा दिया और वे दोनों साथ-साथ लम्बे गलियारे को पार करने लगे।

"आप कितनी ऊँचाई पर उड़ना चाहते है ?"

"परिवर्त्तन के लिए नौ हजार की ऊँचाई पर उड़ने की कोशिश करेंगे। मौसम वालों ने थोडे-से बादलों और कुहरे की सूचना दी है, किन्तु मै सोचता हूँ कि हम लोग बिना किसी खतरे के उतनी ऊँचाई पर उड़ सकते है।"

"मैंने सूसी के लिए हार्डवुड की एक तश्तरी खरीदी है।"

"बहुत सुन्दर। वह उसे पसन्द करेगी।" सलीवन इस बात की कल्पना कर सकता था कि वह उसे कितना पसन्द करेगी। वह उसे एक आल्मारी में डाल देगी और उस समय तक के लिए सुरक्षित रखेगी, जब तक वह उसे लियोनार्ड के सिर पर न तोड़ दे। बेचारा लियोनार्ड ! बीस वर्षों तक नौसेना में तथा उसके बाद और दस वर्षो तक स्टीमरों पर काम करने के बाद भी वह इसके अतिरिक्त कुछ नही सीख पाया कि किस प्रकार पोतों और विमानों का मार्ग-निर्देशन असाधारण कुशलता के साथ किया जाता है। केवल आने के समय पर कुछ मिनट का विलम्ब करने के अतिरिक्त वह सागर पार की दो हजार मील लम्बी यात्रा में बहुत कम अपने स्थान से हटता था। लियोनार्ड

विल्बी के साथ रहने पर सलीवन ने व्योम-मंडल में अपने विमान की स्थिति के सम्बन्ध में कभी तनिक भी चिन्ता नहीं की। वह एक अनाड़ी पति भले ही हो, किन्तु एक 'नेविगेटर' के रूप में वह अत्यन्त दक्ष था।

वे अनेक प्रशान्त महासागरीय विमान-कम्पनियों के कार्यालयों को पार कर अन्त मे अपनी कम्पनी के कार्यालय में पहुँचे। सलीवन ने पुनः सोचा कि इस कार्यालय मे और अन्य विमान कम्पनियों के कार्यालयों मे कितनी समानता दिखायी देती है, चाहे वे विश्व के किसी भी स्थान पर हों। वहाँ एक कष्टदायक बेंच थी, जिस पर कभी कोई बैठता नहीं था, किन्तु जो कोट, उपस्थिति-पुस्तकों, कोण-मापक औजारों तथा आधुनिक वैमानिकों के लिए उनके जूतों के समान ही आवश्यक चमड़े के फटे-पुराने थैलों को रखने के काम आती थी। स्वयं सलीवन का भी अपना एक थैला वहाँ पर था। वह गन्दा हो गया था, मानो उसे पानी और धूल में घसीटा गया हो और इस बात का प्रमाण प्रस्तुत कर रहा था कि दस लाख मील के हवाई सफर में मूल्यवान चमड़े को कितनी अधिक क्षति पहुँच सकती है। थैले में उसकी उड्डयन-विषयक नियम-पुस्तक थी। इस मोटी पुस्तक मे कम्पनी की उड्डयन नीतियाँ इतने नीरस गद्य में लिखी हुई थी कि सलीवन उनको पूर्ण रूप से पढ़ सकने मे कभी समर्थ नहीं हो पाया था।

पुस्तक मे लिखा हुआ था कि अप्रत्यावर्त्तन-स्थान (Point of no return) का अर्थ वह स्थान है जिसके आगे, वर्त्तमान परिस्थितियों मे, जाने के लिए, प्रस्थान के स्थान अथवा अन्य किसी भी स्थान पर लौटने के लिए विमान में पर्याप्त ईंधन नही होता। अपने पेशे के नियमों से पहले से ही सुपरिचित लियोनार्ड विल्बी अप्रत्यावर्त्तन-स्थान की गणना और परिभाषा पुस्तक की अपेक्षा कहीं अधिक सही ढंग से कर सकता था। यह वह स्थान था, जिसके आगे कोई गड़बड़ी हो जाने पर अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

नियम-पुस्तक में इंजिन चालू करने से लेकर विमान मे आग लगने की स्थिति में क्या किया जाना चाहिए, इस विषय तक का उल्लेख था। उसमें ऐसी प्रत्येक स्थिति का उल्लेख था, जिसकी कल्पना की जा सकती है। उदाहरणार्थ, उसमे परामर्श दिया गया था कि आग लगने पर "यथासम्भव शीघ्रातिशीघ्र नीचे उतर जाओ।" सलीवन इस बात को स्वीकार करने के लिए तैयार था कि पुस्तक में दिया गया यह परामर्श पूर्णतया सही है यद्यपि वह अत्यन्त स्पष्ट भी है। वह पुस्तक को केवल इसलिए साथ रखता था कि कानून के अनुसार ऐसा करना आवश्यक था।

काउण्टर के आगे, जो अब लियोनार्ड विल्बी की गणनाओं के लिए डेस्क का काम दे रहा था, एक बिशाल श्यामपट था, जिस पर विमान-कम्पनी के विमानों से सम्बन्धित सूचनाएँ तथा उनके आने और जाने का समय लिखा हुआ था। सलीवन ने स्वयं अपना नाम ४२० की संख्या के बाद खड़िया से लिखा हुआ देखा। यह उस विमान का नम्बर था, जिसे वह सागर-पार ले जाने वाला था। उसके बाद एच. एन. एल. एस. एफ. ओ. (होनोलुलू से सान फ्रांसिस्को) और ई. टी. डी-(प्रस्थान करने का अनुमानित समय)—२२:०० जेड. लिखा हुआ था। इसका अर्थ है होनोलुलू समय के अनुसार १२ बजे—अब से एक घण्टे बाद।

श्यामपट के नीचे दो दूर-मुद्रण यंत्र रह-रह कर खटखटा रहे थे। जिस प्रकार वार्तालाप किया जाता है, उसी प्रकार एक दूर-मुद्रण यंत्र खटखटा कर मौन हो जाता था और तब दूसरा अपना सम्वाद बोलता था। उनकी ओर कोई लेश मात्र भी ध्यान नहीं दे रहा था। दूर-मुद्रण यंत्रों के आगे लाल चेहरे वाला एक नवयुवक उड़ान के लिए भार और सन्तुलन के आंकड़े तैयार कर रहा था। वह अक्सर एक वृहदाकार 'स्लाइड-रूल' की ओर देखता था और अपने निष्कर्षों को एक बड़े सफेद कागज पर सफाई के साथ लिख लिया करता था। जब उसने अपने काम से सिर उठाया, तब उसकी नजर सलीवन की नजर से मिल गयी।

उसने कहा—"रवानगी के लिए तीन हजार और पचास ठीक होंगे, कप्तान ?" सलीवन ने इस परिमाण पर विचार किया। दो सौ गैलन प्रति घण्टे की सामान्य खपत के हिसाब से तीन हजार और पचास गैलन गैसोलीन लगभग पन्द्रह घण्टों तक मनुष्यों और गुरुत्वाकर्षण के सामान्य सम्बन्ध को रोकने के लिए पर्याप्त होगी। इतने से काम चल जाना चाहिए, किन्तु यदि तट पर मौसम वास्तव में खराब हुआ और उसे विवश हो कर रेनो तक जाना पड़ा, तो अतिरिक्त दूरी को तै करने में एक घण्टा और लग जायगा। पहाड़ों पर बर्फ हो सकती है और ट्राफिक के लिए रुकने में भी कुछ विलम्ब हो सकता है, अथवा सम्भवतः किसी पुर्जे के बिगड़ जाने से भी कुछ विलम्ब हो सकता है— इसका अर्थ यह होगा कि दो सौ गैलन और समाप्त हो जायंगे।

कानून के अनुसार गन्तव्य स्थान पर पहुँचने तथा वैकल्पिक हवाई अड्डे तक की दूरी तै करने के लिए पर्याप्त ईंधन होना चाहिए। इसके अतिरिक्त डेढ़ घण्टे की उड़ान के लिए सुरक्षित ईंधन रहना चाहिए। सलीवन जितना ईंधन ले जा सकता था, उतना ले जाना चाहता था, किन्तु अर्थशास्त्रीय पहलू

पर भी विचार करना आवश्यक था। प्रत्येक अतिरिक्त गैलन के लिए ६ पौण्ड ऐसा सामान छोड़ देना पड़ता, जिसके लिए भाड़ा मिलता। किसी भी हालत में सौ गैलन अतिरिक्त गैसोलीन तो विमान पर रहती ही। यह व्यवस्था एक ऐसे प्रच्छन्न समझौते द्वारा की जाती थी, जिसके अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति जानता था कि अतिरिक्त गैसोलीन विमान में है, किन्तु अधिकृत आंकड़ों से सम्बन्ध रखने वाला कोई भी व्यक्ति इसे स्वीकार नहीं करता था। इस अतिरिक्त मात्रा को "मामा की गैस" कहा जाता था। अनेक अवसरों पर अतिरिक्त गैसोलीन की इस थोड़ी-सी मात्रा के फलस्वरूप विमान की रक्षा हो जाती थी और नियमों के विरुद्ध उसकी उपस्थिति उसी व्यावहारिकता पर आधारित होती थी, जिस व्यावहारिकता के आधार पर प्रत्येक यात्री का वजन १६० पौण्ड लिख दिया जाता था, चाहे उसका वास्तविक वजन कुछ भी हो। औसत यही निकलता था।

"आपका क्या विचार है, कप्तान?"

"ठीक तो लगता है, लेकिन तनिक लियोनार्ड से भी पूछ लें।" सलीवन लियोनार्ड विल्बी के कन्धे पर झुक कर उसे अपनी उड्डयन-योजना के आंकड़ों को तीव्र गति से जोड़ते हुए देखने लगा। निश्चय ही, इस बात का निर्णय हवाओं की अनुकूलता अथवा प्रतिकूलता से होगा कि कितनी गैस की आवश्यकता होगी, किन्तु अभी तक किसी ऋतु-विशेषज्ञ ने हवाओं के सम्बन्ध में ठीक-ठीक भविष्यवाणी नहीं की है।

लियोनार्ड ने लिखते हुए ही कहा—"ऐसा मालूम होता है कि बारह घण्टे सोलह मिनट लगेंगे, बशर्ते ये हवाएँ कुछ भी ठीक रहें।" सलीवन ने काउण्टर के पार लाल चेहरे वाले नवयुवक को पुकार कर कहा—"ठीक है। रवानगी के लिए तीस—पचास।"

नवयुवक ने अपने सिर के ऊपर रखी हुई एक ध्वनि-पेटिका का ढक्कन उठाया और उसमें चिल्ला कर बोला—"विमानालय (Hangar)!"

एक क्षण के बाद एक क्लान्त, शुष्क स्वर में पेटिका में से उत्तर मिला—"कहते जाओ।"

"४२० के लिए रवानगी के लिए तीस – पचास।"

"राजर!"

सलीवन ने बीच में टोकते हुए कहा—"जरा पूछना, रोमन है वहाँ?"

"क्या रोमन वहाँ है, बिमानालय?"

"कौन है वह ?"

"रोमन ! एक सह-विमानचालक !"

पेटिका से एक मात्र उत्तर के रूप मे सूखी हुई टहनियों के चटखने की लगातार आवाजें निकल रही थीं।

तत्पश्चात् पुनः वही क्लान्त स्वर सुनायी दिया—"हाँ, वह यही है।"

"उससे विमान को लाने के लिए कहो"—सलीवन ने कहा—"हम उसके लिए वहाँ तक नही जायेंगे।"

"उससे विमान को लाने के लिए बोलो।"

"राजर !" पेटिका शान्त हो गयी, मानो उसका अपमान कर दिया गया हो।

सामानों से भरी हुई बेंच के सामने एक बुलेटिन-बोर्ड था। उसकी ओर चहलकदमी करते हुए सलीवन ने डैन रोमन के विषय में विचार किया। ईश्वर के लिए एक भूतपूर्व व्यक्ति को उसके साथ क्यों चिपका दिया गया था ? आजकल पर्याप्त शिक्षा और उड़ान का पर्याप्त अनुभव रखने वाले अच्छे सह-विमानचालकों का मिलना मुश्किल है, किन्तु इन पुराने घोड़ों को उनके चरागाह में ही चरने के लिए क्यों नहीं छोड़ दिया जाता ? विशेषत ऐसे व्यक्तियों को अलग ही क्यों नही रखा जाता, जो सीटी बजाते-बजाते लोगों को पागल बना देते है। सलीवन ने पुनः डैन रोमन की आयु का अनुमान लगाने का प्रयास किया, जैसा कि उसने पश्चिम की दिशा में की गयी उड़ान के समय किया था। उसकी उम्र कम से कम पचास वर्ष तो होनी ही चाहिए। यह एक ऐसा व्यक्ति था, जो ऐतिहासिक अतीत के बाद अब भी जीवित था। इससे पहले कि सलीवन ने भूमि से ऊपर उठने की कल्पना तक की हो, उड्डयन-जगत् में उसका नाम प्रसिद्ध हो चुका था। अधिकतम समय तक की परीक्षणात्मक उड़ानें होती थीं, उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने का भीषण प्रयास किया गया था, जिसने एक दुर्घटना का रूप धारण कर लिया था; किन्तु फिर भी डैन रोमन थोड़ा-सा लंगड़ा कर ही रह गया था.. . यह घटना लगभग १९२६ की होगी. . . . . . और क्लीव लैण्ड में आधा दर्जन हवाई दौड़ें हुई थीं, जहाँ डैन रोमन और उसके भीषण, तेज और खतरनाक छोटे विमान "मिटिआर" पर सदा दाँव लगते रहते थे। डैन रोमन ने विमान की डिजाइन स्वयं बनायी थी और स्वयं ही उसका निर्माण भी किया था। उन दिनों बिमान-चालक ऐसे ही कार्य किया करते थे। उसके बाद खुली 'काकपिट' के दिनों में हवाई

डाक का समय आया, जब प्रतिद्वन्द्वी विमान-कम्पनियॉं केवल प्रतिस्पर्धा के लिए ही एक दूसरे को आकाश से बहिष्कृत कर देने का प्रयास किया करती थीं। और अन्त में उसने कम से कम दस अथवा पन्द्रह वर्ष ट्रान्सवर्ल्ड कम्पनी के साथ अवश्य बिताये होंगे, जिसके बाद युद्ध आ गया। रोमन के जो अनेक उड़ाके मित्र पहले से ही वायुसेना में थे, उनका उपयोग कर के उसने युद्ध-काल में मेजर का पद प्राप्त कर लिया, यद्यपि उसने अपने जीवन मे कभी एक घण्टे तक भी सैनिक प्रशिक्षण नहीं प्राप्त किया था। वह वायुसेना में कोई साधारण कोटि का विमान चलाने के लिए सम्मिलित नही हुआ था। उसने प्लोएस्ती तैल-क्षेत्र पर हुए आक्रमण में एक बम-वर्षक विमान चलाया था . . .उसने बी–१७ विमानों के चालक के रूप मे जर्मनी पर हुए आक्रमणों मे भाग लिया और अन्त में ओकीनावा में बी–२९ विमानों के एक स्क्वाड्रन में शामिल हो गया। उसके वायु-सेना से निवृत्त हो जाने के पश्चात् यह अफवाह उड़ी थी कि वह मियामी में एक अनियमित विमान-कम्पनी का विमान-संचालन-व्यवस्थापक हो गया है और इसके बाद वह अचानक लापता हो गया था। उसने बताया कि वह फलो के के एक फार्म का संचालन कर रहा था और इस कार्य मे वह अत्यन्त असफल हुआ था।

एक महीने से कम ही हुआ होगा, जब डैन रोमन सलीवन की कम्पनी के कार्यालय मे आया था। विमान-संचालन-व्यवस्थापक गारफील्ड ने, जो रोमन को उस समय से जानता था, जब गुब्बारे उड़ाने वाले अभी तक लाल तंग वर्दियॉं पहना करते थे, उसे सह-विमानचालक का काम दे दिया। निश्चय ही गारफील्ड का दिमाग ठिकाने नही रहा होगा। यदि उसने रोमन को किसी प्रबन्धक सहायक का पद दिया होता अथवा कोई निरीक्षणात्मक काम दिया होता, तो यह बात समझ में आने योग्य थी, किन्तु सह-विमान-चालक का काम तो बच्चों का काम था–हाबी व्हीलर की तरह २३ अथवा २४ वर्ष की उम्र के युवकों के लिए। सामान्यतः उन्हें दो या तीन हजार घण्टों की उड़ान का अनुभव होता था– कभी कुछ अधिक का और कभी कुछ कम का। उन्हें उनके अनुभव के अनुसार प्रति महीने वेतन के रूप में पॉंच अथवा छः सौ डालर दिये जाते थे और वे कुछ वर्षों तक, जब तक उन्हें कप्तान बनने का अवसर नहीं उपलब्ध हो जाता था, प्रतीक्षा करने और सीखने में ही सन्तोष मानते थे। इस प्रकार जब वे लगभग तीस वर्ष की आयु के हो जाते थे, तब वे

किसी विमान के इनचार्ज बनते थे।

अब यह डैन रोमन है, जिसके सम्बन्ध में कहा जाता है कि वह बीस हजार से अधिक घण्टों की उड़ान कर चुका है। यह समय उससे लगभग दूना था, जितना सलीवन अपनी विवरण-पुस्तिका में अब तक दर्ज कर सकता था। और वही डैन रोमन अब सह-विमानचालक है। इस अन्तर ने सलीवन को संत्रस्त कर दिया। उसकी वरिष्ठता का क्या होगा? यद्यपि निर्बलतम विमान-चालकों के अतिरिक्त समस्त विमान-चालकों की प्रतिभा के लिए यह अपमान-जनक बात थी, तथापि उनका जीवन अब भी इससे शासित था और दुर्भाग्यवश, उसको विकसित होते जाने दिया गया था, जिसका परिणाम यह हुआ था कि उनकी जीविका उसी पर आश्रित हो गयी थी। कप्तान के पद तक उन्नति चुनाव की इस उपहासास्पद पद्धति पर निर्भर करती थी। अतः रोमन के तब तक कप्तान बनाये जाने की कोई सम्भावना ही नहीं थी, जब तक वह इतना वृद्ध न हो जाय कि उसमें विमान चलाने की क्षमता ही न रहे। सलीवन ने सोचा कि यह एक दुखद और संतापकारी बात है। गिरजाघर का भजनीक छोकरा बड़े पादरी को यह नहीं बताया करता है कि सामूहिक प्रार्थना का संचालन किस प्रकार किया जाता है। गारफील्ड को इस बात का अधिक अच्छा ज्ञान होना चाहिए था।

सलीवन ने यह जानने के लिए बुलेटिन बोर्ड पर दृष्टिपात किया कि उस पर कहीं कोई ऐसी बात तो नहीं लिखी हुई है, जिसे उसने पहले नही पढ़ा था। उस पर उसे कोई नयी बात नहीं मिली। सदा की भाँति होनोलुलू नगर के उपर नीचे उड़ने के विरुद्ध चेतावनी लिखी हुई थी, इसी प्रकार की बासी सूचनाएँ थी, जिनके द्वारा वैमानिको को बताया गया था कि किन क्षेत्रों में विमान-वेधी तोपों द्वारा गोलाबारी होने की आशंका है तथा कृषि-विभाग का एक पत्र चिपका हुआ था, जिसके द्वारा विमान-कर्मचारियों को धमकी दी गयी थी कि यदि उन्होने विमान के जमीन पर उतरने के बाद 'काकपिट' की खिड़कियों को बन्द नही रखा, तो उन पर भारी जुर्माना किया जायगा।

किसी पत्रिका में से काटी हुई एक फोटो बोर्ड पर चिपका दी गयी थी, जिसमें जलाशय में अनमने भाव से बैठे हुए एक विस्मित बन्दर को चित्रित किया गया था। पानी बन्दर के लगभग कन्धे तक था और उसकी आँखों में गहन निराशा का भाव व्यक्त हो रहा था। बन्दर के ठीक नीचे किसी व्यक्ति ने पेंसिल से लिख दिया था—"गैस की टंकियों की जाँच करना भूल जाने वाला

सह-विमानचालक।"

सलीवन के होठों पर एक आंकाक्षापूर्ण मुस्कराहट दौड़ गयी। उसने अपनी कल्पना में गारफील्ड के लिए इस आशय का एक स्मरणपत्र लिखा.... "सुझाव है कि होनोलुलू के बुलेटिन बोर्ड पर लगाये गये बन्दर के चित्र की प्रतिलिपि तैयार की जाय, उसे बढ़ाया जाय और हमारे सभी विमानों के काकपिट मे रख दिया जाय।" किन्तु वह जानता था कि वह कभी स्मरणपत्र नहीं लिखेगा। जब तक वास्तव में आवश्यकता न हो, तब तक विमान-चालक बहुत ही कम कुछ लिखते थे। इसका कारण क्या था, इसे कभी कोई व्यक्ति सन्तोषजनक रीति से नहीं बता सका था। इसका सम्बन्ध कुछ-कुछ उस तन्द्रिल पृथकता से था, जिसका अनुभव मनुष्य उस समय करता है, जब वह जीविकोपार्जन के लिए भूमि का परित्याग करता है।

तीसरा विमान-चालक, हाबी व्हीलर, निदर्शन-कार्यालय में प्रविष्ट हुआ। वह एक श्याम-वर्ण, छरहरा, बलिष्ठ नवयुवक था और इस प्रकार तिरछा देखता था कि उसे किसी पूर्वीय देश का निवासी समझा जा सकता था। वह विचार-मग्न-सा होकर आइसक्रीम चाट रहा था और बुलेटिन बोर्ड के पास आकर खड़ा हो गया। "क्या तुम्हें कोई अवसर मिला?"— सलीवन ने पूछा।

"ऊँ-हुँ।" वह आइसक्रीम खाने मे पूर्णतया तल्लीन प्रतीत हो रहा था, जिससे एक बूंद भी बचने न पाये।

"तुम्हारे ए. टी. आर. का क्या हाल है?" सलीवन ने यह प्रश्न इसलिए किया कि वह अपने सहयोगी कर्मचारियों के व्यक्तिगत जीवन में रुचि लेने का विशेष रूप से ध्यान रखता था। अच्छा कप्तान बनने के लिए यह आवश्यक था और अच्छा कप्तान बनना सलीवन के जीवन का लक्ष्य था। उसे अपने सहयोगियों की समस्याओं को समझने का ध्यान अवश्य रखना चाहिए, चाहे वे समस्याएँ कितनी भी निजी रूप की हों। उसका प्रशिक्षण पुरानी परम्परा के अनुसार हुआ था और उसे सर्वगुण-सम्पन्न हवाई कप्तानों के अनेक उत्कृष्ट उदाहरण याद थे। उसकी आकांक्षा उनके समान बनने की थी। अच्छे कप्तानों के प्रति उनके सहयोगी वफादार रहते हैं, जैसा कि समुद्री जहाजों की परम्परा में हजारों वर्ष से होता आ रहा था। आकाश में वह वफादारी अधिक कठोर हो गयी है, सम्भवतः अधिक सीमित भी है, किन्तु अस्तित्व-रक्षा के लिए वह अनेक प्रकार से सदा की अपेक्षा अधिक आवश्यक है। व्हीलर के लिए उसके 'एयरलाइन ट्रान्सपोर्ट रेटिंग' का प्रश्न एक महत्वपूर्ण प्रश्न था, क्योंकि उसके

कप्तान बनाये जाने मे इससे बहुत अधिक सहायता मिलती। व्यावहारिक अनुभव और एक कठोर उड्डयन-परीक्षा के अतिरिक्त हाबी व्हीलर को एक लम्बी लिखित परीक्षा का भी सामना करना था। इस लिखित परीक्षा मे उसके पेशे से सम्बन्धित प्रत्येक बात पूछी जाती थी। पूरी तरह से तैयारी किये बिना सलीवन स्वयं लिखित परीक्षा मे बैठने का साहस जल्दी नहीं करता।

"मै ऋतु-विज्ञान में अनुत्तीर्ण हो गया।"—हाबी व्हीलर ने कहा। वह अपनी आइसक्रीम खाता जा रहा था और उसकी विचार-मग्न ऑखे बुलेटिन-बोर्ड पर लगी हुई थीं, मानो संसार मे उसे अन्य किसी बात की चिन्ता न हो।

"यह तो बहुत बुरा हुआ।"

"अगले महीने मै पुनः परीक्षा दे रहा हूँ।"—हाबी ने निष्प्रयास विश्वास के साथ कहा—"किसी भी प्रकार, यह बहुत कुछ बकवास ही है। अगली बार मैं उत्तीर्ण हो जाऊँगा।"

उसके चेहरे पर पूर्ण निश्चिन्तता के भाव को देख कर सलीवन ने अपनी ३५ वर्ष की उम्र मे अचानक प्रथम बार अनुभव किया, जैसे वह बूढ़ा हो गया है। हाबी इतना निश्चिन्त किस प्रकार प्रतीत हो सकता है ? नही, वास्तव में इसका कारण आसान था और इस स्पष्टीकरण के पीछे इस बात का कारण निहित था कि व्यावसायिक विमान-चालकों को क्यो प्रति महीने पचासी घण्टों से अधिक उड़ने की अनुमति नहीं दी जाती। वर्षो पहले किसी व्यक्ति ने इस बात का अनुसंधान किया था कि उड्डयन के नेतृत्व का उत्तरदायित्व किसी व्यक्ति को समाप्त कर सकता है, भीतर से उसे जला डाल सकता है, भले ही वह बाहर से देखने पर स्वस्थ ही लगता रहे। मनुष्य को समाप्त कर डालने वाली यह वस्तु चाहे कुछ भी हो—चाहे यह अनेक प्राणो का उत्तरदायित्व हो या एक अदृश्य संत्रस्तता हो—यह निश्चित रूप से विद्यमान रहती है तथा युवक से युवक व्यक्ति को भी कुछ समय बाद वृद्ध बना देती है। बहुत समय बीत जाने पर वह मनुष्य को डैन रोमन के समान बना देती है। यद्यपि वह निश्चिन्त भाव से और सरलतापूर्वक विमान के नियंत्रण-यंत्रों से खेल सकता है, तथापि हाबी व्हीलर के लिए अभी यह सीखना बाकी ही है कि उड़ने के समय किस प्रकार का अनुभव होता है।

"क्या आप इस पर हस्ताक्षर करना चाहते हैं, कप्तान ?"—लियोनार्ड विल्बी ने पूछा। उसके हाथ में उड़ान की पूरी की गयी योजना थी। सलीवन ने जल्दी-जल्दी आंकड़ों की पंक्तियों पर दृष्टिपात किया और हस्ताक्षर कर

दिये। जमीन छोड़ने से पहले उसे कम से कम दस बार और हस्ताक्षर करने पड़ेंगे।

"मैं भी हूँ!"—लाल चेहरे वाले नवयुवक ने कहा। उसने जोर की आवाज के साथ काउण्टर पर से वजन और सन्तुलन का विवरण उठाया। सलीवन ने इसका निरीक्षण अधिक बारीकी के साथ किया। विमान पर बीस यात्री जाने वाले थे। शेष सामान और ईंधन था। इन सभी का विवरण साफ-साफ आँकड़ों में लिखा हुआ था और गुरुत्वाकर्षण का केन्द्र २६·८ प्रतिशत दिखाया गया था। यहाँ लिखा हुआ था कि सलीवन, अपनी बाहों पर बिना किसी स्पष्ट और विशेष जोर डाले, ७३ हजार पौंड वजन को भूमि के धरातल से ऊपर उठा सकता है और तीव्र गति से दो हजार मील से अधिक दूर तक ले जा सकता है।

लाल चेहरे वाला नवयुवक बोला, मानो वह किसी प्रार्थना का पाठ कर रहा हो—"मैंने आरविल से कहा, मैंने विल्बर से कहा और मैं आप से भी कहता हूँ......यह चीज कभी जमीन से ऊपर नही उठेगी।"

सलीवन स्वतः मुस्करा पड़ा, क्योंकि इस वाक्य को वह पहले सैकड़ो बार सुन चुका था। उसने फार्म पर हस्ताक्षर कर दिये।

टिकट-काउण्टर के सामने यात्रियों का एकत्र होना प्रारम्भ हो गया था। टिकट-एजेण्ट, एल्साप जो किसी समय नेवादा के एक होटल मे रात्रिकालीन क्लर्क रह चुका था, अपने को आदमियों को पहचानने में बड़ा कुशल मानता था। वह एक-एक करके यात्रियों की जाँच करने लगा। वह अपना काम एक सर्जन के समान बहुत ही सफाई के साथ करता था, अपने फार्म पर प्रत्येक यात्री का नाम ठीक-ठीक लिखता था और जब कभी सामान के वजन में परिवर्त्तन करना आवश्यक होता था, तब रबड़ के मिटाने से जो धूल-जैसा पदार्थ रह जाता था, उसे फूँक कर उड़ा देता था। वह प्रत्येक यात्री के नाम का उच्चारण अत्यधिक सावधानी के साथ करता था और ऐसा करते समय अपने ऊँचे ललाट पर आडम्बर के साथ हाथ फेरता था।

"डोनाल्ड फ्लाहर्टी?"

साफ-सुथरे कपड़े पहने हुए, भूरी मूंछ वाले एक व्यक्ति ने अपनी आँखों के नीचे से पसीना पोंछा।

"हाँ।"

इस एक शब्द से ही व्हिस्की की गन्ध आ रही थी। एल्साप ने अपने दिमाग

में इस बात को दर्ज किया कि यह व्हिस्की उम्दा थी।

"श्री फ्लाहर्टी, हमें प्रसन्नता है कि आप हमारे विमान से यात्रा कर रहे हैं। कृपया देशान्तरवास-विभाग वालों से मिल लीजिये। आप लगभग तीस मिनट मे विमान पर सवार होगे।" एल्साप ने अपने बगल मे खड़ी सुन्दर लड़की की ओर अपना सिर झुकाया और कहा—"ये कुमारी स्पाल्डिग है, आपकी स्टीवार्डेस।"

फ्लाहर्टी ने एक ही दृष्टि में लड़की की पूरी परीक्षा कर ली। उसकी गीली आँखों में स्वीकृति की भावना व्यक्त हुई और फिर लुप्त हो गयी, मानो वह किसी खिड़की मे से झांकते हुए पकड़ लिया गया हो।

"मदिरालय कहाँ है ?"

"प्रकोष्ठ के ठीक उस पार, श्री फ्लाहर्टी। आप की उड़ान के समय की घोषणा की जायगी।"

"धन्यवाद।"

"श्री और श्रीमती जोसेफ।"

"ठीक है। वाइकिकी छोकरो!" ऐसा प्रतीत हुआ मानो एडविन जोसेफ धक्का देकर काउण्टर तक पहुँचना चाहता हो, यद्यपि कोई वस्तु उसके मार्ग में बाधक नहीं थी।

एल्साप ने जब अपने सामने लगभग दयनीय उत्सुकता के साथ खड़े पुरुष और स्त्री पर निगाह डाली, तब उसकी भौहें थोड़ी टेढ़ी हो गयीं। वे उसे दो बहुत ही छोटे और फूलों की मालाओं से लगभग पूर्णतया ढंके हुए व्यक्तियों के समान प्रतीत हुए। केवल उनके बुरी तरह से सूर्य-तप्त चेहरे पुष्प-प्रदर्शनी से बाहर दिखायी दे रहे थे।

"हमारे बारे में केवल इतना लिख लीजिये कि हम रोज बाउल परेड में भाग लेने के लिए जा रहे है।"—एडविन जोसेफ ने कहा। श्रीमती जोसफ खिल-खिला कर हँस पड़ीं और अपने पतले, नाटे शरीर से एक संकेत किया। एल्साप को यह संकेत 'हुला' नामक हवाइयन नृत्य की एक मुद्रा के समान प्रतीत हुआ। उसने शीघ्रतापूर्वक कुमारी स्पाल्डिग पर निगाह दौड़ायी और तत्पश्चात् देशान्तर-वास के कागज की ओर देखने लगा।

"आपकी उम्र, श्री जोसेफ ?"

"आज ?"

श्रीमती जोसेफ पुनः खिलखिला पड़ी और एल्साप मुस्कराया।

"....यदि आप कृपा करें, श्री जोसेफ।"

"इस वर्त्तमान जीवित और साँस लेती हुई अवस्था में ३८ वर्ष"

एल्साप ने सोचा कि यदि श्रीमती जोसेफ खिलखिलायीं, तो वह अपने वर्षों के प्रशिक्षण की परवाह न करते हुए काउण्टर के पार जा कर उन्हें थप्पड़ मारे बिना न रह सकेगा।

"कृपया जन्म-स्थान भी बताइये।"

"पैसाइक, न्यू जर्सी।"

"और श्रीमती जोसेफ ?"

"क्यों प्यारे, क्या मै इसे बता दूं ?" एल्साप ने श्रीमती जोसेफ को खिल-खिलाते हुए सुना और अपने अनुशासन के बावजूद वह विचलित हो गया।

"मै ... २७ वर्ष की हूँ..... और मै ओगडेन, ऊटा, में पैदा हुई थी।"

"अनेकानेक धन्यवाद।" एल्साप जोसेफ दम्पति को और उनके पार इस प्रकार देखा, मानो वे किसी अदृश्य तार द्वारा अकस्मात् छत तक ऊपर उठा दिये गये हों। उसने एक सुन्दर महिला की ओर सिर हिलाकर संकेत किया। वह महिला विचित्र रूप से आकर्षक दिखायी दे रही थी।

"मेरा नाम सैली मैकी है।" जब वह और अधिक निकट आयी, तब एल्साप का ध्यान इस बात की ओर आकृष्ट हुआ कि उसकी भौंहें पूर्णतया रंगी हुई थीं और उसके चेहरे का शृंगार उसके तिनके-जैसे बालों के साथ पूरी तौर पर मेल नहीं रहा खा था। कुल मिला कर ऐसा लगता था, जैसे उसने आड़े-तिरछे ढंग से नकाब पहन रखा हो।

"आपकी उम्र और जन्म-स्थान, कुमारी मैकी ?"

वह सिटपिटायी। उसके मुंह से शब्द निकलते ही उसके मन्द स्वर की सुन्दरता से एल्साप आश्चर्य-चकित हो गया।

"तीस वर्ष। मेरा जन्म रिवरसाइड, कैलिफोर्निया में हुआ था और उसके बाद मै—"

एल्साप मुस्कराया। "मुझे और अधिक बताने की आवश्यकता नही है, कुमारी मैकी। आपके देशान्तरवास विभाग के पास जाने से पहले यह जाँच करने के लिए हम विवश हैं। आप अभी तक अमरीकी नागरिक हैं ?"

"हाँ। अवश्य।"

"धन्यवाद, कुमारी मैकी। आपकी उड़ान का समय घोषित कर दिया जायगा।" उसके मुड़ने पर एल्साप उसकी आकर्षकता पर आश्चर्य करने लगा।

"स्पाल्डिंग"– उसने कोमल स्वर में कहा– "उसने भले ही रंग और आटा पोत रखा हो, फिर भी उस औरत में कुछ है। तुम्हारी राय में वह क्या था ?"

स्पाल्डिंग की सर्द नीली आँखों में थोड़ी गर्मी आ गयी।

"अभ्यास . . . . . अत्यधिक अभ्यास।"

एल्साप ने सराहना की दृष्टि से उसका अभिवादन किया और पुनः अपने कागजों की ओर देखने लगा।

"श्री गुस्ताव पार्डी और उनकी पत्नी लिलियन ?"

"हम यहाँ है।" यह आवाज एक भारी-भरकम और अस्त-व्यस्त कपड़े पहने हुए व्यक्ति की थी। उसकी आँखे उभरी हुई थीं। जब उसने अपने कन्धे से लटकते हुए विशाल कैमरे को पुनः ठीक किया और अनिश्चित रूप से अपने टिकटों की तलाश करने लगा, तब घबड़ाहट में उसका छोटा मुह गहरी साँस लेने के लिए बहुत अधिक खुल गया।

"क्या आप ....?"

"हाँ। मै गुस्ताव पार्डी हूँ।"

"मैं आपके खेलो को देखकर अत्यन्त आनन्दित हुआ हूँ।"

"धन्यवाद, मुझे प्रसन्नता हुई। ये रहे हमारे टिकट । मेरी उम्र ४७ वर्ष की है और मैं न्यूयार्क नगर मे पैदा हुआ था।" उसके नाम के सामने जाँच का निशान लगाते हुए एल्साप ने सोचा कि वह किसी चट्टान पर खड़े एक थके हुए दरियाई घोड़े (Walrus) के समान दिखायी देता है। उसे अपने को भी कम से कम उसका आधा ही चुस्त बना लेना चाहिए, जितना वह न्यूयार्क में अपने खेलों को चुस्त और सुन्दर बनाता है।

"और श्रीमती पार्डी ?"

"मै इकतीस वर्ष की हूँ और ओवोसो, मिचिगन में पैदा हुई थी।" इकतीस वर्ष की आयु में इससे अधिक सुन्दर दिखायी देने वाली स्त्री मैंने पहले कभी नही देखी थी, एल्साप ने अपने-आप से कहा। यदि वह वास्तव में गुस्ताव पार्डी की पत्नी थी, तो उसने पुनः एक बार अपनी सौन्दर्य-भावना का परिचय दिया था। उसे देख कर एल्साप को पोर्सिलेन के एक पात्र की याद आ गयी, जिसे उसने एक बार टोकियो में देखा था। वह पात्र चिकना और चमकदार था तथा जगह-जगह पर उस पर रंग के बारीक बिन्दु थे–इस रंग की एकरूपता ने श्रीमती पार्डी की सौम्यता और उनकी आभा को स्पष्ट कर दिया था, जैसा कि उसने

उस पात्र की सुन्दरता को भी स्पष्ट किया था। एल्साप उसे यह बताना चाहता था कि वह ओवोसो की एक तन्वंगी श्यामा के अनुरूप ही थी, किन्तु बजाय ऐसा करने के वह स्पाल्डिंग से उसका परिचय कराने लगा।

"मौसम कैसा रहेगा?"—गुस्ताव पार्डी ने चिन्ता के साथ पूछा। उसकी व्यथित, अस्वाभाविक रूप से उभरी हुई आँखों की ओर देख कर एल्साप जान गया था कि वह उड़ने से डरता है। उसने उत्तर दिया—"बहुत बढ़िया, श्री पार्डी। आपकी यात्रा अत्यन्त सुखकर होगी।"

एक गहरे काले रंग के व्यक्ति ने, जिसके सफेद बाल ब्रश करके पीछे की ओर कढ़े हुए थे, अपने टिकटों को एल्साप की ओर बढ़ाया। उसके चेहरे पर रेखाएँ उभरी हुई थीं और वह मांसल था। ह्विस्की की गन्ध पुनः अल्साप के कागजों के पार पहुँची।

"केन चाइल्ड्स....आयु ५३ वर्ष...जन्म फिलाडेल्फिया।" प्रत्येक शब्द एक तीखे आदेश के समान था।

"ओह, हाँ, श्री चाइल्ड्स!" एल्साप थोड़ा सीधा हो गया। केनेथ चाइल्ड्स, जो उड्डयन-जगत् मे "केन" के नाम से अधिक प्रसिद्ध था, एक बहुत ही महत्व-पूर्ण व्यक्ति था। अनेक विमान-कम्पनियों में वह हिस्सेदार था और वह सभी विमान-कम्पनियों के अध्यक्षों को जानता था। वह संसार के उन थोड़े-से व्यक्तियों में से था, जिन्होंने उड्डयन से धन कमाया था और इसी कारण उसका बहुत अधिक सम्मान किया जाता था।

"न मालूम कमबख्त मेरा सामान कहाँ रह गया है। रायल कम्पनी उसे भेजने वाली थी।"

"हम उस पर नजर रखेंगे, महोदय। क्या मै कुमारी स्पाल्डिंग से आपका परिचय करा सकता हूँ। ये आपके विमान की स्टीवार्डेस है।"

"हलो, बहन!" चाइल्ड्स ने स्पाल्डिंग की सर से पांव तक जॉच की और इस बात को छिपाने का उसने कोई प्रयत्न नहीं किया। उसने पूछा—"आप नयी-नयी आयी हैं, क्यों?"

"इस कम्पनी मे मुझे काम करते हुए अब चार महीने हो रहे हैं, श्री चाइल्ड्स।"

"बहुत अच्छा...बहुत अच्छा। समझ मे नही आता कि ऐसी लड़कियॉ इन्हें मिल कहॉ से जाती है। हालात सुधर रहे हैं।" अचानक उसका हाथ अपने गले मे पड़ी हुई फूलों की माला की ओर गया और उसने माला स्पालिंडग को दे दी। "यह लीजिये। यह चीज मेरी अपेक्षा आपको अधिक शोभा देगी।"

अभी स्पालिंडग उसे धन्यवाद भी नहीं दे पायी थी कि वह अचानक मुड़ा और और चला गया।

एल्साप ने पुनः अपनी सूची की ओर देखा। वह नामों की जॉच-पड़ताल ऐसे ढंग से कर रहा था, मानो उस लड़की के नाम का अनुमान लगाना असम्भव हो, जो चुपचाप अब तक काउण्टर के पास पहुँच चुकी थी। उसने उसे दूसरे लोगों के पीछे लगभग निश्चल रूप से खड़ी देखा था। वह अपने काले रेशमी वस्त्रों और दस्तानों में विचित्र रूप से अजनबी लग रही थी। एल्साप को उसके धैर्य और गम्भीरता से इतना अधिक आनन्द प्राप्त हुआ कि उसने उसे अपने सामने और एक क्षण तक प्रतीक्षा करने दी। उसके चेहरे पर विराजमान शांति को भंग करने की उसको इच्छा नहीं हो रही थी।

"जरा कृपा कीजियेगा?"—उसने अपने टिकट के लिफाफे को काउण्टर पर रखते हुए कहा और एल्साप को इस बात का पता लग गया कि उसके स्वर में उलाहनापूर्ण निवेदन का भाव निहित है। उसने बिना देखे हुए ही टिकटों को ले लिया।

"डोरोथी चेन....?"

"जी हाँ..." उसके कोमल होठों पर एक हल्की मुस्कराहट खेल गयी। इसके पहले कि वह अपना दिमाग पुनः अपने कागजों की ओर ले जा सके, एल्साप की कल्पना में एक चॉद और एक कोमल वृक्ष उभर आये। "आनतुंग, मंचूरिया में पैदा हुई है?"

"हाँ....किन्तु मै कोरियाई हूँ।"

"निश्चय ही आपका पासपोर्ट आपके पास होगा?"

"ओह, हाँ।"

"कृपया उसे प्रकोष्ठ के पार देशान्तरवास-विभाग में ले जाइये। हमें इस बात की प्रसन्नता है, कुमारी चेन, कि आप हमारे साथ हैं।" स्वीकृति के लिए उसने अपना सिर थोड़ा-सा झुकाया और फिर दूर चली गयी। एल्साप उसके पीछे देखता रहा। उसके चलने में एक प्रकार का लालित्य था तथा उसका निरीक्षण करने में उसे जो आनन्द प्राप्त हो रहा था, उस पर उसे आश्चर्य हो रहा था। उसे इस बात की प्रसन्नता थी कि कम से कम सम्प्रति जॉच-पड़ताल के लिए और यात्री नहीं थे।

प्रारम्भ मे प्रशान्त महासागर के ऊपर आकाश लगभग खाली था। केवल कुछ चिड़ियाँ निम्नतर स्तरों पर उड़ रही थीं।

जिन लोगों को विवश होकर आकाश की कृपा प्राप्त करने का प्रयास करना पड़ता है, जो लोग उसकी इस निर्जनता के प्रेम-पात्र होते हैं, उनकी अपने चारों ओर के वातावरण पर विचार करने की एक पद्धति होती है। प्रशान्त महासागर के आकाश में नारीत्व होता है, जब कि अतलान्तक महासागर के ऊपर के आकाश में पुरुषत्व का आभास होता है। इस लिंग-भेद का कारण अज्ञात है। यह यों ही हो गया।

वैमानिकों की मनोदशा जिस प्रकार की होती है, उसका कारण, सम्भवतः महासागरों के व्यवहार में पाया जाने वाला अन्तर है। अतलान्तक महासागर की मनःस्थितियों और व्यवहार में कोमलता नहीं होती। उसकी कठोरता सीधी होती है और उसके सम्बन्ध में भविष्यवाणी की जा सकती है। अतलान्तक महासागर का आकाश शोर-गुल और गर्जन करता रहता है, फिर भी शांति की अपनी अल्पकालीन अवधियों में वह वैमानिक का भली भाँति आलिंगन करता है– वह उसे एक मूल्यवान सहसैनिक बना देता है, जो प्रेम करने योग्य होता है। अतलान्तक आकाश में तनिक भी रसपूर्ण मादकता नहीं है।

प्रशान्त सागरीय आकाश सभी बातों में भिन्न है, मानो वह एक दूसरे ग्रह का भाग हो। प्रशान्त सागरीय आकाश में मनुष्य पागल हो सकता है, वह शुष्कतम वैमानिकों में प्रेम और गहरी घृणा, दोनों के भाव उत्पन्न कर सकता है। प्रशान्त सागरीय आकाश उत्तेजनापूर्ण है। वह मनुष्य की इन्द्रियों को लुब्ध कर सकता है, उसके मन को उबा सकता है तथा उसे महान अथवा महत्वहीन होने की अनुभूति प्रदान कर सकता है। या वह अत्यन्त नारी-सुलभ सम्मोहन के साथ उसे सुरक्षा की भावना प्रदान कर शांत बना सकता है। जिस प्रकार नक्षत्र-मंडल में आनन्द की प्राप्ति सम्भव नहीं है, उसी प्रकार प्रशान्त सागरीय आकाश के साथ हँसा नहीं जा सकता अथवा उसका उपहास नहीं किया जा सकता।

फिर भी, प्रशान्त सागरीय आकाश के सौन्दर्य में कोई रुक्षता, कोई वर्जन नहीं है। वैमानिकों को उसमें बहुत अधिक हार्दिकता और तल्लीनता मिलती है। मनुष्य जब प्रशान्त आकाश की विशालता, उसके अनन्त विस्तार पर विचार करता है, तब वह मुग्ध और पूर्णतया शान्त हो जाता है।

सलीवन जैसे वैमानिक आकाश के इन दोनों क्षेत्रों के अन्तर को सरलता-पूर्वक पहचान जाते थे। यद्यपि प्रशान्त सागर के मौसम की अनुकूलता और उदारता के कारण, उससे होकर की जाने वाली उड़ान को "रसमय दौड़" की

अन्तरराष्ट्रीय संज्ञा प्रदान की गयी थी, [illegible] और अन्य सभी वैमानिक एक बात को सदा ध्यान में रखते थे।

प्रशान्त सागर के आकाश पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

३

अन्तिम यात्रियों ने एल्साप को चारों ओर से घेर लिया। चूकि उन्हें थोड़ा-सा विलम्ब हो गया था, इसलिए वे अन्य व्यक्तियों की अपेक्षा अधिक उत्सुक थे, जैसे उन्हें आशंका हो कि विमान उन्हें लिये बिना ही चला जायगा। वे गर्म और उत्तेजित थे, वे रह-रह कर पंखा झलते आगे सरकते जाते थे और धक्का देकर एक-दूसरे से आगे निकल जाने की कोशिश कर रहे थे। एल्साप फ्रैंक ब्रिस्को नामक एक बीमार की जॉच करने के लिए क्षण भर को अपने काउण्टर पर से चला गया था। फ्रैंक ब्रिस्को 'सावनेर स्टैण्ड' के पास धैर्य-पूर्वक प्रतीक्षा कर रहा था और विमान पर चढ़ने के लिए उसे सहायता की आवश्यकता थी। एल्साप ने बक-दम्पति, मिलो और नेल, को भी निपटा दिया था– वे नव-विवाहित थे और प्यार के साथ कानाफूसी करते हुए उसके सामने आये तथा जब वे काउण्टर से रवाना हुए, तब वे पुरवा हवा के समान कोमलता के साथ एक-दूसरे से बात-चीत कर रहे थे।

स्पालिंडग ने उन्हें दरवाजे से बाहर जाते हुए देखा। उसके मन में नयी-नवेली श्रीमती बक के प्रति ईर्ष्या का भाव था। उसने अपने मस्तिष्क में उनके लिए एक भविष्य का निर्माण किया, ठीक उसी प्रकार के भविष्य का, जिस प्रकार का भविष्य वह स्वयं अपने लिए चाहती थी। जब वे भीड़ में गुम हो गये, तब उसे दुख हुआ।

एल्साप मे होल्स्ट नामक एक महिला से बात कर रहा था। उसने अपनी उम्र पचास वर्ष और अपना जन्मस्थान राकलैण्ड, ओहियो, बताया था। स्पालिंडग ने सोचा कि उसकी पचास वर्ष की आयु को देखते हुए उसका शरीर और स्वास्थ्य बहुत ही सुन्दर है। केवल उसकी आँखें इतनी अधिक धँसी हुई

हुई थी कि वे उसके चेहरे मे मात्र छेदों के समान प्रतीत हो रही थीं; किन्तु उसकी आँखों का जितना भाग दिखायी देता था, वह सुन्दर था और उसकी आवाज ऐसी थी, जिसे केवल शयन-कक्ष के द्वार में से ही सुना जाना चाहिए। वह आवाज कामोद्दीपक, कोमल, प्रेम-पूर्ण, जानकारी से भरी हुई और स्पालिंडग के लिए गुप्त हर्ष प्रदान करने वाली थी।

"क्या मुझे उस विमान पर चढ़ने से प्रसन्नता होगी।"

"हमे प्रसन्नता है कि आप इस विमान से यात्रा कर रही है, कुमारी होल्स्ट।" —एल्साप ने यांत्रिक ढंग से कहा।

स्पालिंडग की ओर आँख मटकाते हुए वह काउण्टर पर इतना अधिक आगे झुकी कि केवल एल्साप ही उसकी बातों को सुन सके। "आप सारे हवाई द्वीपों से गुजर सकते है और आप जानते है कि आप क्या कर सकते....."

"आपको कोई आनन्द नहीं मिला, कुमारी होल्स्ट?"

"मै सदा आनन्द करती हूँ, प्रिय; किन्तु नारियल और समुद्र-तट पर विचरण करने वाले छोकरे कभी 'टोलेडो' (स्पेन मे निर्मित एक प्रकार की तलवार) का स्थान नहीं ग्रहण करेंगे।" वह दबे हुए ढंग से खिलखिलाती हुई चली गयी और स्पालिंडग ने विमान पर उसके साथ अधिक समय व्यतीत करने का निश्चय किया। मे होल्स्ट जैसी महिला से सदा कुछ-न-कुछ सीखा जा सकता था।

हावर्ड और लीडिया राइस काउण्टर के पास पहुँचे। हावर्ड लम्बा था और उसका चेहरा बहुत ही पीला था। स्पालिंडग सोच रही थी कि क्या वह अपनी टाई के कारण अथवा पतले किनारे के हैट को पहनने के विशेष ढंग के कारण विचित्र रूप से एक अधिक उम्र के उपस्नातक के समान दिखायी दे रहा है। जब वह अपने टिकटों की तलाश करने लगा, तब उसकी कलाइयों पर जवाहरात-जड़े बटनों की चमक दिखायी दी। नाटी लिडिया राइस लगभग अपने पति के साथ-साथ ही आगे बढी। उसका सिर गुड़िया की तरह था और मुश्किल से उसके पति की कमर तक पहुँचता था। स्पालिंडग ने सोचा कि वे सम्भवत: उसके ककणों की ध्वनि पर नृत्य कर रहे थे।

"हम न्यूयार्क में दूसरे विमान पर सवार होंगे।"—हावर्ड राइस ने एल्साप से कहा—"हमारा सफर केवल एक घण्टे का है... यह बिल्कुल ठीक रहेगा न?"

"निश्चित रूप से, श्री राइस।"

"मै तार कहाँ से भेज सकता हूँ?"

"प्रकोष्ठ के ठीक उस पार 'सावनेर स्टैण्ड के सामने से।"

उनके चले जाने पर एल्साप और स्पाल्डिग एक क्षण तक एक-दूसरे को देखते रहे।

स्पाल्डिग ने धीरे से कहा—"वह ऐसे महकती है, मानो इत्र से भरी हुई एक नाव हो और ऐसे आवाज करती है, मानो लोहे का गोदाम हो।"

"तुम्हारे जीवन में बहुत जल्दी कटुता आती जा रही है, स्पाल्डिग। वह नाटी महिला ऐसा करने की क्षमता रख सकती है। कृपया उसके नाम के बीच के अक्षर 'एस.' पर ध्यान दो। जब तक तुम इस धन्धे में रहने जा रही हो, तब तक तुम्हें इन बातों को समझना चाहिए। उसके नाम के साथ जो 'एस.' अक्षर जुड़ा हुआ है, वह स्टैनली के लिए है। यह श्रीमती राइस के पितामह का नाम था, जो उनके लिए सम्पत्ति और बुद्धि, दोनों छोड़ गये हैं। बहुत दिन नहीं हुए, उसने अपने पति के लिए एक विज्ञापन एजेंसी खरीदी, क्योंकि वह एक नया खिलौना चाहता था और काम करना हारवर्ड के स्नातकों के लिए भी एक फैशन बन गया है। फर्म का नाम 'राइस एण्ड लैरेबी' है।

"आपको इन सब बातों का पता कैसे लगा?"

"यह सब जानना मेरा काम है.... और, स्पाल्डिग, यह तुम्हारा काम भी होना चाहिए।"

इस समय एक नाटा काला आदमी धैर्यपूर्वक काउण्टर पर खड़ा था। उसकी भूरी आँखों में क्षमा-याचना का भाव व्यक्त हो रहा था। उसने एक टोपी और एक सस्ता हरा सूट पहन रखा था और यद्यपि उसकी कमीज ताजा धुली हुई थी, फिर भी उसके कालर की नोकें ऊपर की ओर उठी हुई थीं, मानो उनकी डिजाइन उसकी भौंहों की रेखाओं की पुनरावृत्ति करने के लिए तैयार की गयी हो। जब उसने अपना टिकट सावधानीपूर्वक काउण्टर पर रखा, तब स्पाल्डिग ने देखा कि उसके दाहिने हाथ की दो अंगुलियाँ गायब थीं। वह इतना शांत होकर खड़ा था, मानो वह अनधिकृत रूप से आ जाने के लिए एल्साप से क्षमा-याचना कर रहा हो। उसकी इस स्थिति को देखकर स्पाल्डिग को उसके प्रति दया हो आयी।

"आप श्री लोकोटा हैं?"

"जी हाँ.... जोस लोकोटा... बिल्कुल ठीक... मैं हीं हूँ। मैं अब सान फ्रांसिस्को वापस जा रहा हूँ।"

"आपकी उम्र, श्री लोकोटा?"

"मैं नहीं जानता। ५२. . . ५१, ५३ भी हो सकती है. . . मैं नहीं जानता, समझे ?"

"देशान्तरवास के कागज पर आपने अपनी आयु ५१ वर्ष बतायी है, श्री लोकोटा–"

"ठीक, ठीक ! जब तक वे प्रश्न पूछना बन्द नहीं कर देते, तब तक वे जो कुछ सुनना चाहते हैं, वह सब मैं उन्हें बताता हूँ। जब तक मैं एक अमरीकी नागरिक हूँ, तब तक इससे क्या अन्तर पड़ता है ? पूरा नागरिक. . . हर प्रकार से !"

"श्री लोकोटा, क्या मैं यह सुझाव दे सकता हूँ कि भविष्य में आप अपनी एक ही उम्र बताया करें। इससे उन लोगों का काम बहुत आसान हो जाता है, जिन्हें बातों को लिखना पडता है।"

"ठीक. . . बिल्कुल ठीक। मैं किसी व्यक्ति को कोई तकलीफ नहीं देना चाहता।"

"धन्यवाद, श्री लोकोटा। कुछ मिनटों में ही आपके विमान के उड़ने की घोषणा की जायगी।"

"धन्यवाद. . . .हाँ, बहुत अधिक धन्यवाद !" श्री लोकोटा झुके और क्षण भर के लिए काउण्टर के नीचे लापता हो गये। जब वे मुड़े, तब एल्साप ने देखा कि वे एक बड़ा बण्डल लिये जा रहे थे।

"श्री लोकोटा ! आप का यह बण्डल। क्या आप इस बात को पसन्द नहीं करेंगे कि हम आप के इस बण्डल को पहुँचवा दें ?"

"पहुँचवा दे ?"

"हाँ। यह सान फ्रांसिस्को में आपके अन्य सामान के साथ आपको मिल जायगा। हमारे नियमों के अनुसार केबिन में ले जाये जाने वाले पैकेजों का आकार सीमित होता है—"

"किन्तु. . ." श्री लोकोटा ने अपनी बाँह के नीचे रखे हुए बण्डल की ओर देखा। अन्त में उनकी भूरी आँखें स्पाल्डिग की आँखों से मिलीं और उसने देखा कि वे घबड़ाहट से पूर्ण थीं। "किन्तु. . ."

"आपका पैकेज हमारे पास सुरक्षित रहेगा, श्री लोकोटा।"–स्पाल्डिग ने शीघ्रतापूर्वक कहा।

"ओह, हाँ, निश्चितरूप से. . . किन्तु. . ." वे अनिश्चितरूप से काउण्टर की ओर पीछे मुड़े। उनकी आँखें अभी तक स्पाल्डिग से निवेदन कर रही थीं।

"इसमे केवल. . . . मेरे खाने की चीजे है. . . यात्रा के लिए !"

स्पार्लिंडग लगभग हँस पड़ी और तुरन्त ही शर्मिन्दा हो गयी। "आपने मेरी भावनाओं को चोट पहुँचायी है, श्री लोकोटा, यह सोचकर कि आप हमारा भोजन नही करेगे अथवा रात के भोजन के लिए हम जो भुना हुआ गोश्त पकाने जा रहे है, उसे आप नही खायेगे। यदि आप चाहें, तो शराब भी मिल सकती है।"

श्री लोकोटा कटी हुई अंगुलियो वाला हाथ अपने माथे पर ले गये।

"श्रीमती. . . कुमारी ? मै इन बातों के बारे मे कुछ नही जानता, समझी ? न इससे पहले मैंने कभी विमान द्वारा यात्रा की थी और न ही मै किसी को कोई तकलीफ देना चाहता हूँ।"

"आपकी सेवा करना हमारे लिए प्रसन्नता की बात होगी, श्री लोकोटा। कृपया मुझे अवसर दीजिये।"

"निश्चित रूप से, श्रीमती जी ! बिल्कुल निश्चित रूप से ! मैं नही जानता, समझी ? कृपया क्षमा कीजिए।"

"मै आपके पैकेज का ध्यान रखूंगा।"—एल्साप ने कहा—"सान फ्रांसिस्को पहुँचने पर उन्हें यह रसीद दे दीजियेगा।"

जोस लोकोटा काउण्टर पर से हट गये। वे अभी स्पार्लिंडग पर से अपनी नजर हटा भी नही पाये थे और यह भी नहीं देख पाये थे कि मै कहाँ जा रहा हूँ कि वे दो सैनिको से टकरा गये।

"और मै समझती हूँ कि आप उस छोटे आदमी के बारे में भी सब कुछ जानते है।"—स्पार्लिंडग ने अन्त में एल्साप से कहा।

"नहीं. . . टिकट के कागज पर आंकड़ों के अतिरिक्त उसके सम्बन्ध में कुछ भी नही कहा गया है। मुझे आशंका है कि वह महत्वहीन व्यक्ति की श्रेणी मे आता है।"

"मेरे लिए वह एक आंकड़े से अधिक है। मै उसे पसन्द करती हूँ।" एल्साप ने यात्रियों से सम्बन्धित विवरण की प्रतियों को एक साथ नत्थी किया और स्पार्लिंडग से कहा कि तुम भाग्यवती हो कि आज मंगलवार है और फलस्वरूप तुम्हें अपेक्षाकृत कम यात्रियों की देख-भाल करनी पड़ेगी। अधिकांश या तो सप्ताहान्त से ठीक पहले या बाद में मुख्य भूमि को जा चुके थे।

"तुम पढ़ और सो भी सकती हो।"

वह एक क्षण तक उसके रूप की लगभग गणितात्मक पूर्णता का पुनः मूल्यांकन

करता रहा। 'केक' के ठीक ऊपरी भाग जैसी सुन्दर है वह, उसने सोचा। उसके छोटे सुनहरे बाल का कोई भी भाग अस्त-व्यस्त नहीं था और उसके रूप में जो निखार था, वह बनाव-सिंगार से कभी नही आ सकता था। बहुत अधिक मात्रा मे साबुन और पानी और उसके साथ ऐसी क्षुधा, जो संकोच करना नही जानती थी। यह स्त्री-सुलभ जटिलता के लिए एक प्रकार की गम्भीर चुनौती थी।

"मै तुमसे एक व्यक्तिगत प्रश्न पूछना चाहता हूँ।"—एल्साप ने कहा।

"क्यो नहीं ?" निश्चय ही क्यों नहीं—जब ईश्वर अपने कक्ष मे था और स्पाल्डिग जैसी लड़की के लिए छिपाने के लिए कोई बात नहीं थी।

"तुम, सामान्यतः, नाश्ते के समय क्या खाती हो ?"

"अजीब-सा सवाल है !"

"मेरा दिमाग भी अजीब-सा ही है. . . और मैं किसी बात को स्वयं अपने समक्ष सिद्ध करना चाहता हूँ।"

"ठीक है। एक नारंगी, अथवा केले. . . और यदि मिल सके, तो सुअर के गोश्त के साथ दो अण्डे, टोस्ट—"

"कितने टुकड़े ?"

"दो या तीन. . . यह निर्भर करता है।"

"क्या तुम्हें कभी चिन्ता नहीं होती—"

"कि . . मोटी हो जाऊँगी ?"—वह कोमलतापूर्वक हँसी—"इसमें बुराई क्या है ?"

एल्साप ने प्रशंसा करने के भाव से अपना सिर हिलाया। "कुछ भी नहीं . . . .बिल्कुल नही, स्पाल्डिग। मुझे मालूम होना चाहिए था कि तुम केवल एक प्याला चाय नहीं पीती होगी।"

उसकी ऑखें उसके चुस्त बेदाग सफेद ब्लाउज की रेखा पर से होकर गुजरीं और केवल एक क्षण के लिए ब्लाउज के नीचे पूर्ण विकसित उरोजों का पुनः अनुभव करने के लिए रुकी। यद्यपि वह उसकी मजबूत टांगो के पिछले भाग को नहीं देख सका था, फिर भी एल्साप को पूर्ण विश्वास था कि उसके मोजे के जोड़ बिल्कुल सीधे होंगे। उसने सोचा कि वह उसका नाश्ता—लगातार अनेक बार—खरीदना पसन्द करेगा और यदि उसमें कुल इतनी ही चीजें होती है, तो इससे बहुत अधिक अन्तर नहीं पड़ेगा। क्योंकि यदि एक रात पहले कुछ चीज होती, तो स्पाल्डिग एक युवा, स्वस्थ पशु के समान बिना किसी विशेष

गरज से आत्म-समर्पण कर देती और जो व्यक्ति उसे पाता, उसे अत्यधिक शांति मिलती। वहाँ कोई खतरा नहीं होता, कोई बुद्धि-कौशल नहीं होता, कोई आघात अथवा मामूली क्रोध अथवा जटिलताएँ नहीं होतीं—वहाँ होती केवल स्पाल्डिग और कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति उससे सन्तुष्ट हो जायगा।

एल्साप अपने विचारों मे जो गुप्त आनन्द ले रहा था, वह एक व्यक्ति के कारण भंग हो गया। वह लगभग दौड़ता हुआ काउण्टर की ओर आ रहा था। एक पुराने ढंग का, यात्रा के समय काम आनेवाला, काले रंग का थैला उसके पैरों से टकरा रहा था। वह काउण्टर के सामने जा कर झटके से रुक गया और अपनी जेबों को अधीरता के साथ तलाश करने लगा। "क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूँ, महोदय?"— एल्साप ने पूछा। अभी तक वह स्पार्लिंडग के विषय में ही सोच रहा था और उसके स्वर में तटस्थता थी।

"सान फ्रांसिस्को! मुझे सान फ्रांसिस्को जाना है। आपका विमान अभी तक रवाना तो नही हो गया है?"

"हम पॉच मिनट में रवाना होने जा रहे हैं. . . . .किन्तु हमारी सूची में. . ."

"श्री केनेथ चाइल्ड्स आपके विमान से यात्रा कर रहे है, है न?"

"हॉ! श्री चाइल्ड्स—"

"आपके पास जगह तो होगी ही। मुझे उस विमान से जाना ही होगा।"

"बहुत अच्छा, महोदय। सौभाग्यवश आज हमारे पास जगह है। यदि आप एक अमरीकी नागरिक हैं, तो इतना समय काफी है।"

"हॉ. . . .हॉ. . . निश्चित रूप से. . . मैं एक अमरीकी नागरिक हूँ!" उसने अपने चेहरे से नीचे बहती हुई पसीने की धार को तेजी से पोंछा। उसकी लम्बी नाक झुक कर उसकी मूँछों के गुच्छे तक पहुँच रही थी, मानो श्रम और गर्मी ने उसे पिघला दिया हो। उसकी आँखें बाहर निकली पड़ रही थीं और पुतलियाँ पीली थीं। केवल उसके लम्बे कान उसके गालों को पूर्णत: धँसने से रोके हुए-से प्रतीत हो रहे थे। एल्साप की नजरों में वह बीमार-सा दिखायी दिया और वह बिना कारण ही उसे नापसन्द करने लगा।

"आपका नाम क्या है, महोदय?"

"हम्फ्रे ऐग्न्यू।"

"जन्म-स्थान और आयु?"

"मारिस टाउन, पेन्सिलवानिया। मैं ४५ वर्ष का हूँ।"

"क्या आपके पास यात्रा का टिकट है, श्री ऐग्न्यू?"

"नहीं। मैं नकद दूँगा।" उसकी अंगुलियों पर तम्बाकू के दाग थे। उसने उन अगुलियों से अपने बटुए में से दो सौ डालर के नोट निकाले और कांपते हुए हाथों से रकम काउण्टर पर रखी।

"आप जरा प्रकोष्ठ के उस पार देशान्तरवास-विभाग में चले जाइये और फिर सीधे यहाँ चले आइये। मैं आपका टिकट तैयार रखूँगा।"

समय इतना कम शेष रह गया था कि एल्साप को लगभग अपना सारा ध्यान अपने कागजी काम पर केन्द्रित कर देना पड़ा। फिर भी, स्पार्लिडग अभी तक उसके बगल में थी और उसको छोड़ने की बात सोचने से भी उसे नफरत थी। अतः उसने लिखते-लिखते ही कहा—"स्पार्लिडग कभी-कभी मैं यह अनुभव करने लगता हूँ कि मेरी स्थिति भी शेरान की दशा के ही समान है। यह अनुभव लोगों के नाम और उनके विषय में आंकड़ें लिखने के कारण मुझे होता है। मैं यह देखने के लिए उनके मुँह में देखने लगता हूँ कि किसी ने अपनी जीभ पर मेरे लिए कोई सिक्का तो नहीं रखा है।"

स्पार्लिडग के होठ संशय में हिले। उसने उसकी ओर अनिश्चितता के भाव से देखा और बोली—"पता नहीं, तुम किस चीज के बारे में बात कर रहे हो?"

"वह एक नाविक है.... मेरे ख्याल से परम्परा के अनुसार नाव खेनेवाला।" निश्चय ही, स्पार्लिडग को शेरान के सम्बन्ध में कोई जानकारी नहीं होगी। "स्पार्लिडग, जहाँ हो, वहीं बनी रहो और इन बातों से अपनी शान्त आत्मा को परेशान मत करो। वह स्टाइक्स नदी के आर-पार नाव खेता रहता है।" उसने व्यर्थ-से ढंग में आगे बताया

"क्या यह नदी जर्मनी में है?"

"मुझे ठीक-ठीक पता नही है कि वह कहाँ पर है। भूल जाओ कि मैंने तुमसे कभी इसकी चर्चा भी की थी। भूल जाओगी न?"

"जरूर, जरूर!" स्पार्लिडग मेज पर से नीचे उतर आयी। उसने अपनी घाघरी को बारीकी के साथ ठीक किया और अपनी कलाई की घड़ी को दीवार-घड़ी से मिलाया।

"अच्छा, अब मै चली, एल्साप। खुश रहो।"

"अभी तो तुम को जाना नहीं है।"

"समय हो गया है। अलविदा।"

एल्साप ने क्षण भर के लिए अपने काम से नजर हटा कर ऊपर की ओर देखा। उसकी आँखें स्पार्लिडग की मैत्रीपूर्ण आँखों से मिलीं और वह पुनः इस

बात पर आश्चर्य करने लगा कि वह कामोत्तेजक और कठोर, दोनों किस प्रकार हो सकती हैं। उसका हाथ विदा की अभिव्यक्ति करने के लिए उठ गया।

"तुम्हारी शादी होने पर मैं रोऊँगा, स्पाल्डिंग।"

डैन रोमन ने 'पार्किंग ब्रेकों' को ठीक किया और जिन दो 'इनबोर्ड' इंजिनों का उपयोग उसने वायुयान को विमान-स्थल पर दौड़ा कर लाने के लिए किया था, उन्हें बन्द कर दिया। उसने अपने 'हेडफोन' को उतार दिया और बगल की खिड़की को खोल दिया। एक क्षण तक वह बिल्कुल निश्चल होकर बैठा रहा। उसने अकस्मात् थकावट का अनुभव किया, अभी से थके होने का, और इस अनुभूति से वह सत्रस्त हो उठा कि उसकी थकावट शारीरिक की अपेक्षा मानसिक अधिक थी।

कितने हजार बार उसने ऐसा किया था? जब से उसे याद था, तभी से वह विमानों को जगह पर ला रहा था और किसी दूसरे स्थान पर जाने की इच्छा रखने वाले व्यक्तियों से उनके भरे जाने की प्रतीक्षा करता आ रहा था। पुराने समय में कभी आदमियों की संख्या अधिक नहीं होती थी और प्रतीक्षा का स्थान बहुत कम किसी खुले मैदान के बगल में बना ली गयी किसी झोंपड़ी से थोड़ा ही अधिक अच्छा होता था।

वह इस याद पर मुस्करा पड़ा और फिर लगभग तुरन्त ही गम्भीर हो गया, क्योंकि उसने पुनः अपने को ऐसा करते हुए– वर्त्तमान की अपेक्षा स्मृतियों में अधिक आनन्द लेते हुए–पकड़ लिया था। यह उम्र की एक चाल थी और विशेषतः अब एक ऐसी आदत बन गयी थी, जिससे यथासम्भव बचने का प्रयत्न करना चाहिए। फिर भी, 'काकपिट' की खिड़की से बाहर विस्तृत मैदान और लम्बे, समतल और लगभग दृष्टि के अन्त तक विस्तृत कंकरीट के बने विमान स्थल को घूर कर देखने पर सन् १९२० के समय के शिकागो के विचार का न आना असम्भव था। उस समय यह केवल एक खाली भूखण्ड था और न्यूयार्क के एक मनोरंजन पार्क के बगल में जमीन का एक सपाट टुकड़ा था, जिसे अब लागार्डिया विमान-स्थल कहा जाता है। और नेवार्क की क्या स्थिति थी–उस समय वहाँ काली भूमि के एक टुकड़े के आसपास बने हुए टीन के थोड़े-से मकान मात्र थे। सेराक्यूज चमकती हुई हरी घास का एक सुन्दर छोटा-सा चरागाह था। उस समय सेराक्यूज में वायुयान को पेड़ों के ऊपर से होकर उड़ाया जा सकता था और जहाज को इतने हल्केपन के साथ घास पर उतारा जा सकता था कि वास्तविक उड़ान की सनसनी सुखद रूप

से बनी रहती थी और वह इंजनों के शांत हो जाने पर ही बन्द होती थी। और यदि एक जीवन-काल मे ही इन सारी बातों मे परिवर्त्तन हो गया है, तो भीतर, गहराई में थकावट का होना कोई आश्चर्य की बात नही है – क्योंकि अब वे सभी चीजें नहीं रही।

उसने सोचा कि अब विमान-स्थल अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित हो गये है, किन्तु उनमें बहुत अधिक समानता दिखायी देती है। उन्होंने विशालता के लिए विशिष्टता का बलिदान कर दिया है। यह ठीक उसी प्रकार की बात थी, जैसे किसी अत्यन्त सीधी-सादी ग्राम्य बाला से प्रेम किया जाय और एक दिन जगने पर पता चले कि वह एक अत्यन्त अहंकारी महिला बन गयी है, जो सरलता से हँसना भी भूल गयी है। वह दूर देखता हुआ और इस विचार का आनन्द लेता हुआ निश्चल बना रहा। डैन रोमन–दुखी डैन–के लिए, जो यह नहीं जानता था कि उसे कब काम से अलग हो जाना चाहिए, यह एक सुखद विचार था।

विचार-मग्नता के साथ मुस्कराता हुआ वह अग्रिम भाग को नियंत्रित करने वाले 'लिवर' (गति देने वाले यंत्र) और अपने बैठने के स्थान के पास पहुँचा। उसकी कुर्सी जितनी पीछे सरक सकती थी, उसे उसने उतना पीछे सरकाया। उसने कठिनाई के साथ मुठिया और 'लिवर' का प्रयोग न करते हुए नियंत्रण-यंत्र (Control Pedestal) को चारों ओर घुमाया। उसके बाद वह उड़ान की अगली डेक (Forward flight deck) से एक कदम नीचे आया और वायुयान-निर्देशक (Navigator) के स्थान और रेडियो के बगल से होता हुआ पीछे की ओर विमान कर्मचारियों की केबिन तक चला गया।

कमरा छोटा और बिल्कुल कारोबारी था। एक ओर भोजन पकाने के लिए एक विद्युत्-चालित चूल्हा था, जिसके ऊपर हवा और रोशनी के लिए एक सूराख बना हुआ था। कर्मचारियों के स्नानागार का द्वार सामने की ओर था और चूल्हे के सामने पुलमैन पद्धति के दो बिस्तर पड़े हुए थे। कमरे की दूसरी ओर एक दरवाजा था, जिससे होकर यात्रियों की केबिन में जाया जाता था और उसके बगल में हाथ-मुँह धोने का एक पात्र और आइना था।

महासागरों के पार दीर्घकालीन उड़ानों के समय यह कमरा विमान-कर्मचारियों के लिए शरणागार का काम देता था। इस कमरे में विमान चालक विश्राम कर सकते थे, जिससे वे अपने गन्तव्य स्थान के निकट पहुँचने पर, जब सामान्यतः उनसे अत्यधिक सजगता एवं सतर्कता की अपेक्षा की जाती

है, ताजा रह सकें। लियोनार्ड विल्बी अपने चार्टों को छोड़ कर इस कमरे में आकर कोई पत्रिका पढ़ सकता था। स्पाल्डिंग काफी समय तक यात्रियों की माँगों से बचकर सिगरेट पी सकती थी अथवा कर्मचारियों के लिए 'काफी' गर्म कर सकती थी।

जब वे यात्रियों की केबिन से गुजरते हुए आगे आये, तब डैन को उनकी आवाजें सुनायी दीं। वह सलीवन की आवाज को सबसे ऊपर सुन सकता था। वह एक ऐसे शक्ति-सम्पन्न नवयुवक की दृढ और लगभग दम्भपूर्ण आवाज थी, जिसे अपने-आप में पूर्ण विश्वास था। डैन को उस समय की याद आयी जब स्वयं उसकी आवाज भी उसी तरह की होती थी। वह समय वास्तव में बहुत अधिक पहले नहीं व्यतीत हुआ था। वह समय एलिस और टोनी से पहले था, उससे पहले था, जब उसने उड़ने का स्वप्न देखना प्रारम्भ किया था और स्वप्नों ने कभी-कभी भयंकर दुस्स्वप्नों का रूप धारण कर लिया था। सलीवन इस बात को नहीं समझेगा; यदि वह कभी समझेगा भी, तो कम-से-कम अभी नहीं। वह अधिकांश पेशेवर विमान-चालकों की भाँति एक बालक की तरह सोता होगा और फिर से इस सारे नरक में जीवन व्यतीत करने से जो कटु एवं प्रत्यक्ष कल्पनाएँ उत्पन्न होती हैं, उससे वह कभी पीड़ित और संत्रस्त नहीं होता होगा। सम्भवतः उसके लिए कभी ऐसा अवसर नहीं आयगा, जब वह चीखता-चिल्लाता हुआ जागेगा और कुछ क्षण पूर्व ही जीते-जागते हुए व्यक्तियों को गठरियों, सुलगती हुई गठरियों, के रूप में और पूर्णतया शान्त होने से पहले पीड़ा से अन्तिम बार कराहते हुए नहीं देखेगा। उसके लिए सम्भवतः ऐसा अवसर कभी नहीं आयेगा, जब उसे लोगों के शरीर के अवयव, जिन्हें पुनः एकत्र नहीं किया जा सकता, भूमि पर कांपते हुए, बिखरे हुए दिखायी देंगे। और उसके बाद उनके बीच विस्मित होकर, आशा करते हुए, किसी ऐसी वस्तु की खोज करते हुए घूमना,जो स्वयं आपके समान हो और यह जानते हुए– यह सबसे बुरा होता है– कि उन सभी ने आपके ऊपर विश्वास किया था। यदि कभी सलीवन के साथ ऐसी घटना घटित हुई, तो उसकी आवाज भी मद्धिम हो जायगी और अन्त में वह एक छोटी, विचारपूर्ण, संकोचपूर्ण और सदा थोड़ी भय-मिश्रित आवाज बन जायगी, मानो केवल विनम्रता ही उसके पाप का प्रक्षालन कर देगी। तब सलीवन डैन रोमन की तरह दिखायी देगा और वह बहुधा स्वयं अपनी ही आवाज से भयभीत हो जाया करेगा।

सलीवन सबसे पहले दरवाजें में से होकर आया।

"सब चीजें ठीक हैं, डैन ?" उसने अपना थैला नीचे की चौकी पर फेंक दिया, अपना कोट उतारा और टाई को ढीली किया। लियोनार्ड विल्बी और हाबी व्हीलर ने भी लगभग वैसा ही किया।

"तीन हजार पचास गैल्न पेट्रोल है। नम्बर एक 'एक्सहास्ट स्टैक' में एक दरार है, किन्तु यह कोई बहुत बुरी नही है।"

"वे उसे तब बन्द करेंगे, जब हम बूढ़े हो जायेंगे और हमारे बाल सफेद हो जायंगे।"—सलीवन ने कहा और तत्पश्चात अकस्मात् छत की ओर देखने लगा, क्योंकि जब डैन रोमन उसके सामने खड़ा था, तब आयु और सफेद बालों की किसी भी प्रकार की चर्चा स्पष्टतः उचित नहीं थी।

"कितना समय लगने की सम्भावना प्रतीत होती है ?" — डैन ने पूछा।

"लेनी कहता है कि बारह घण्टे पन्द्रह मिनट लगेंगे. . . लगभग।"

लियोनार्ड विल्बी हँसा और अपने स्थान की ओर आगे बढ़ा। उसने सावधान करते हुए अंगुली उठायी और कहा—"बारह घटे और सोलह मिनट. . .ठीक-ठीक।"

जब वे लगभग एक साथ उड़ान के डेक की ओर आगे बढ़े, तब हाबी व्हीलर थोड़ा पीछे रुक गया। दूसरों के विपरीत, वह अभी तक अपनी वर्दी की टोपी पहने हुआ था। उसने तेजी के साथ बगल की ओर एक कदम बढ़ाया, जिससे वह अपने को आइने में देख सके और एक क्षण तक अध्ययन करने के बाद उसने नजाकत के साथ अपनी टोपी को ठीक किया। उसने थोड़े भिन्न कोण पर टोपी पहनने का प्रयत्न किया और फिर उसे उतार कर दूसरों की टोपियों के बगल में चौकी पर फेंक दिया। उसने अपने घने बालों में कंघी की और आइने पर अन्तिम बार मुस्कराते हुए उड़ान के डेक की ओर बढ़ गया।

जिस प्रकार किसी संगीत-समारोह में भाग लेने वाले संगीतज्ञ स्वयं अपने-अपने स्थान पर बैठ जाते हैं, उसी प्रकार वे अपने-अपने स्थानों पर चले गये। सलीवन बायीं ओर के स्थान पर बैठ गया और अपनी सुरक्षा-पेटी को बॉध लिया। उसने अपने 'ईयरफोन' लगा लिये और धीरे-धीरे उन औजारो और नियंत्रण-यंत्रों का सर्वेक्षण करना प्रारम्भ कर दिया, जिनसे वह लगभग चारों ओर से घिरा हुआ था। डैन दाहिनी ओर के स्थान पर बैठा। उसने अपनी टाई उतार दी। ठीक उसके पीछे लियोनार्ड ने अपने थैले से एक चार्ट निकाला और सावधानी के साथ उसे अपनी 'नेविगेशन' टेबल पर रख दिया। उसने अपनी टेबल पर हवा-विषयक भविष्यवाणी, ऋतु-विश्लेषण तथा अन्य कागजों को भी सफाई के साथ फैला दिया। उसने अपनी भिन्न-भिन्न पेंसिलों, विभाजकों

(Dividers) और गणना करने के औजारों (Computers) को एक पंक्ति में ठीक किया और तत्पश्चात् अपने थैले को मेज के नीचे रख कर स्टूल पर बैठ गया। हाबी डैन के बैठने के स्थान के ठीक पीछे छत तक जाने वाले धातु के छड़ से लग कर झुक गया। फिलहाल उसके लिए कोई काम नही था। बाद में, जब उड़ान पूरी तरह प्रारम्भ हो चुकी होगी और सलीवन को इस बात का पूर्ण सन्तोष हो जायगा कि सब कुछ ठीक है, तब वह कुछ घण्टों के लिए दूसरों के साथ बारी-बारी से नियंत्रण-यन्त्रों पर बैठेगा।

"आओ, अब हम सूची के अनुसार जॉच का कार्य प्रारम्भ कर दें।"—सलीवन ने कहा। डैन आगे की ओर झुका और विमान के कल-पुर्जो के एक छोटे-से सूची-पत्र को, जिस पर रोशनी पड़ रही थी, उलटने लगा। वह सूची-पत्र मे मुद्रित नामों को पढ़ता जाता था, और सलीवन उनमे से प्रत्येक को छूता जाता था।

"बेटरी कार्ट ?"

"चालू।"

"सीट बेल्ट, धूम्र-पान निषेध ?"

"चालू।"

"हाइड्रोलिक हैण्ड पंप ?"

"बंद।"

"तेल की टंकियाँ ?"

"खुली हैं।"

"मिक्स्चर्स ?"

"आइडल कटआफ्स !"

"गेएर हेण्डल डाउन, फ्लेप्स अप ?"

"जॉच लो।"

"सुपरचार्जर्स 'लो' ? ओटोपाइलेट बंद ?"

"जाँच लो।"

"ट्रिम टेब्स ठीक है ? पार्किंग ब्रेक्स चालू ? जल का दबाव ?"

"एक हजार पाउंड।"

"प्राप्स हाई आर पी एम ? क्रास फीड वाल्व बंद ?"

"जॉच लो।"

"करब्युरेटर की गरमी ?"

"ठंडा है।"

"मेन टैंक्स आन? इंधन मैंने माप लिया है। एअर-स्पीड स्टेटिक सिलेक्टर्स ठीक से बंधे हैं?"

"जाँच लो।"

"पाइलट हीटर्स? एण्टी-आइसर फ्ल्युइड?"

"पैंतीस गैलन।"

"जनेरेटर्स?"

"बंद।"

"फायर वार्निंग.... टेस्ट?"

सलीवन ने एक बटन दबाया। उसके सिर के पीछे खतरे की एक घण्टी बजी और पुर्जों की पटरी पर चार लाल बत्तियाँ जल गयी। एक क्षण बाद घण्टियों का बजना बन्द हो गया और बत्तियाँ बन्द हो गयीं।

"यह तो लगभग हो गया"—सलीवन ने कहा—"क्या तुमने रेडियो की जाँच कर ली है, डैन?"

"हाँ।"

"हाबी, मुझे एक क्षण के लिए विवरण-पुस्तिका तो देना।" हाबी ने जल्दी से उठ कर उसे एक बड़ी धातु की जिल्द की पुस्तक दी। पुस्तक को अपनी गोद पर खोलते हुए सलीवन ने प्रत्येक इंजिन पर लिखे गये समय पर ध्यान दिया और तत्पश्चात् कप्तान के रूप में अपना नाम दर्ज कर दिया। उसने, बिना मुड़े हुए ही, अपने कन्धे से पीछे हाबी को पुस्तक लौटा दी। अब उनके मध्य एक विलक्षण उत्तेजना, जिसे लगभग देखा जा सकता था, व्याप्त हो गयी, मानो कर्मचारी स्वयं उत्सुक यात्री हों और एक लम्बी, पूर्वकल्पित यात्रा पर जा रहे हों।

"अपनी हार्डवुड की तश्तरी ले ली है, लेनी?"

"हाँ, महोदय, उसे देना है!"

सलीवन ने पुर्जों की पटरी पर लगी हुई घड़ी की ओर, जिसका सामने का भाग काला था, देखा। ग्रीनविच समय के अनुसार रात के ठीक दस बजे थे।

"कोई व्यक्ति बाहर है क्या डैन?" डैन ने अपनी खिड़की से बाहर देखा। एक मिस्त्री आग की एक बोतल (मशाल) लिए हुए प्रतीक्षा में खड़ा था। मिस्त्री तीन अंगुलियाँ दिखा रहा था।

"संख्या तीन पर रवाना।" सलीवन ने 'मास्टर मैगनेटो स्विच' को बन्द कर दिया, जब डैन स्टार्टर को और संख्या तीन के इंजिन को चालू करने

के लिए छत में लगे हुए एक स्विच को दबाने के लिए उठा। उसने बीस मिनट तक प्रतीक्षा की और तत्पश्चात् स्विच को दबा दिया। सलीवन ने तीन नम्बर के 'थ्राटल' को थोड़ा-सा आगे की ओर खीचा और ईंधन के दबाव के माप-यंत्रों का निरीक्षण करने लगा।

"स्विच दबाओ और ऊपर उठाओ!"

उनके हाथों ने एक दम एक साथ ही काम किया और अकस्मात् सारे विमान में जान आ गयी। तीन नम्बर के इजिन ने एक बार फड़फड़ाहट की आवाज की और उसके बाद उसकी आवाज एकरूप हो गयी। जलीय प्रणाली के यत्रो से भी आवाज निकलने लगी और उनके पॉवो मे एक सुखद प्रकम्पन प्रवाहित होने लगा। विचित्र बात यह थी कि इससे स्वयं उनके उत्साह मे भी वृद्धि प्रतीत होने लगी और वे तीन अन्य इंजिनो के जरिये अधिक तेजी से कार्य करने लगे। चारो व्यक्तियों के स्थिर हो जाने पर स्पाल्डिग तेज चाल से चलती हुई आगे आयी।

"सोलह यात्री हैं, कप्तान।"

सलीवन उसकी ओर देख कर मुस्कराने के लिए मुड़ा। "केवल सोलह? तुम छुट्टी मना रही हो!"

"अच्छे लोग भी हैं —" वह हाबी को इस बात का निश्चय होने के पहले ही चली गयी कि उसने उसकी इस बात को सुन लिया है कि यात्रियों की संख्या इतनी कम होने के कारण वह विमान-कर्मचारियो को बहुत अधिक समय दे सकती है।

"मेरा आशय स्वय अपने से है।"— उसने केवल इतने जोर से कहा, जिससे वह यह आशा कर सके कि उसकी बात को केवल स्पाल्डिग ही सुनेगी।

डैन रोमन ने एक ध्वनि-विस्तारक यंत्र को अपने होठों से लगाया। "चार-दो-सिफर से होनोलुलू टावर। उड़ने के लिए तैयार है।" उसके 'हेडफोन' उसकी कनपटियों तक पहुँच रहे थे। उत्तर में उनसे आवाज आयी—"राजर, चार-दो-सिफर। 'रन वे' संख्या चार पर गया। बारह मील की रफ्तार से पूरब की ओर मुड़ो। ऊँचाई. . . . तीस—सिफर—एक।" सलीवन ने ब्रेकों को छोड़ दिया और धीरे-धीरे 'थ्राटलों' को आगे खींचा; उस समय विमान में एक कम्पन व्याप्त हो गया। यात्रियों के फाटक पर एल्साप ने विदाई में स्वतः हाथ हिला दिये, यद्यपि कोई भी व्यक्ति पीछे मुड़कर उसकी ओर नहीं देख रहा था। तत्पश्चात् उसने 'प्रापेलर' की आवाज से बचने के लिए पीठ घुमा ली।

४

यद्यपि दोपहर बीते हुए दो मिनट हो गये थे और इस प्रकार उसके भोजन में दो मिनट का विलम्ब हो गया था, फिर भी वह दुबला व्यक्ति, जिसे अन्य कंट्रोलर "ब्रीजी" कहकर पुकारा करते थे, प्रशासन-भवन के ऊपर के कमरे में अपने स्थान को तब तक नहीं छोड़ सकता था, जब तक उसका मददगार न आ जाय। उसके सामने एक शीर्षात्मक पटल पर कागज के टुकड़े पड़े हुए थे"। कागज के ये टुकड़े होनोलुलू नियंत्रण-क्षेत्र के अन्तर्गत समस्त वायुयानों की स्थिति और ऊँचाई के सूचक थे। फिलिपाइन एयर लाइन्स का विमान वेक आइलैण्ड से आ रहा था और चौदह हजार फुट की ऊँचाई पर था। १२ बज कर ५६ मिनट पर उसके होनोलुलू पहुँचने का अनुमान था। ब्रिटिश कामनवेल्थ पैसिफिक का विमान पहले ही उसके नीचे बारह हजार फुट की ऊँचाई पर आ गया था और वह पश्चिम की ओर जा रहा था; नौसेना के "पैन्थर" नामक ६ विमानों का समूह "बी" क्षेत्र में बमवर्षा का अभ्यास करके आ रहा था। 'पैन अमेरिकन' और 'यूनाइटेड' के विमान माई के ठीक पूर्व में नौ हजार फुट की ऊँचाई पर दस मिनट की दूरी के अन्तर पर थे। वायुमण्डल की बातें ब्रीजी की अंगुलियों की पोरों पर रहती थीं, किन्तु उसे मीलों तक के जिस विस्तृत क्षेत्र और करोड़ों एकड़ों का जो निरीक्षण करना पड़ना था, उसे पौष्टिक भोजन नहीं माना जा सकता था। ब्रीजी ने सोचा कि यदि मुझे पाँच मिनट के अन्दर मुक्त नहीं कर दिया गया, तो मैं इस टेलिफोन को ही चबाना प्रारम्भ कर दूँगा। उसने अपने होठों को आगे बढ़ाया और प्रयोग के तौर पर सीने पर लगे हुए फोन को, जो उसके मुँह की ओर उठा हुआ था, काट लिया। जब कोई आदमी भूख से मर रहा हो, तब वह विमानों को एक-दूसरे से टकराने से कैसे रोक सकता है ? पेट के खाली होने पर विमानों की ऊँचाई और स्थिति पर ध्यान केन्द्रित कर सकना असम्भव है, किन्तु 'यूनाइटेड' का विमान नीचे आना चाहता था, 'पैन अमेरिकन' का विमान और अधिक स्थान खाली करने के लिए शोर मचा रहा था और चार-दो-सिफर 'रन वे' के सिरे पर बैठ कर सदा प्रतीक्षा नहीं करता रहेगा। ब्रीजी ने अपने सामने के डेस्क पर लगे

हुए स्विच को दबाया।

"टावर ?"

"राजर।"

"सलीवन—चार-दो-सिफर—के लिए स्थान चाहिए।"

"आने दो।"

"ग्रीन एयरवेज नार्थ डाग लाइन होते हुए सान फ्रासिस्को विमान-स्थल तक. . . . सात हजार फुट की ऊँचाई कायम रखे. . . . मोकोपू प्वाइण्ट तक दृश्य उड्डयन नियमों का पालन करे और जब तक उत्तर माई को पार न कर ले, तब तक मार्ग के दायीं ओर उडे।"

"वह नौ हजार फुट की ऊँचाई चाहता है।"

"वह उसे नही मिल सकती। 'पैन अमेरिकन' का विमान नीचे आ रहा है। यदि वह चाहता है, तो और अधिक स्थान के लिए दो बजे तक प्रतीक्षा कर सकता है।"

"राजर। बतायेंगे, इतने क्रुद्ध क्यो हो ?"

"मै भूखा हूँ। वह सूअर का बच्चा, मेरा मददगार सो रहा होगा।"

स्पाल्डिग अपने यात्रियों की सुरक्षा-पेटियों की जॉच करते हुए गलियारे मे धीरे-धीरे घूम रही थी। स्थान के लिए कोई छीना-झपटी नही हुई थी। जिस किसी को भी खिड़की चाहिए थी, उसे वह मिल गयी थी और उसके यात्री सारे केबिन में फैले हुए थे। स्पाल्डिग ने सोचा कि वे इतने दूर-दूर है कि आपस में आनन्द नही मना सकते। बाद मे वे ब्रिज के कुछ खेल खेलने के लिए एकत्र हो जायेगे। नव-विवाहित बक-दम्पति आगे की ओर, दूर, एक-दूसरे से सट कर मौन आनन्द ले रहे थे। श्री फ्लैहार्टी भी एक अन्धे की भाँति सतर्कतापूर्वक सीटों के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे चले गये थे। यद्यपि उनके चेहरे पर मद्यपान का प्रभाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर हो रहा था; फिर भी वे उसके बावजूद अभी तक विशिष्ट दिखायी दे रहे थे। वे बक-दम्पति के सामने बैठ गये और आँखें मूद लीं। नीद से उन्हें लाभ होगा। इसके बाद केनेथ चाइल्ड्स थे, जो पहले ही चारों ओर से समाचार-पत्रों से घिरे हुए थे। चश्मा लगाकर वे काफी बूढ़े दिखायी देते थे।

"भविष्यवाणी के अनुसार हमारी उड़ान का समय बारह घण्टे सोलह मिनट है, श्री चाइल्ड्स।"

"धन्यवाद।" उन्होंने ऊपर देखा, यंत्रवत् मुस्कराये और पुनः समाचार-

पत्र पढ़ने लगे।

याद रखो, श्री चाइल्ड्स पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। फिर, उनके सामने खिड़की के बाहर देखती हुई कुमारी होल्स्ट थीं। यदि वे केन चाइल्ड्स के ठीक बगल मे नहीं बैठ सकती थी, तो भी उन्होने शुरुआत अच्छी की थी। उनके बीच में केवल दो खाली सीटें थी। जब स्पाल्डिग गलियारे में होकर गुजरी, तब उन्होने अपना हाथ ऊपर उठाया। "कुमारी ? हम सान फ्रासिस्को किस समय पहुँचेंगे ?"

"प्रातःकाल लगभग ढाई बजे। आप जानती है, वहाँ का समय हमारे समय से दो घण्टे आगे होता है।"

"किसी भी स्थान पर पहुँचने के लिए कितना बुरा समय है यह !" उन्होंने यह देखने के लिए गलियारे के पार नजर दौड़ायी कि केन चाइल्ड्स ने मेरी बात को सुना है अथवा नहीं, किन्तु यदि उन्होंने सुना भी होगा, तो भी उनका ध्यान उनके पत्र पर ही जमा हुआ था।

पार्डी-दम्पति मे होल्स्ट के पीछे बैठे हुए थे। स्पाल्डिग को याद हो आया, ब्राडवे के गुस्ताव पार्डी। वे पहले से ही ऐसे दिखायी दे रहे थे, मानो उन्होंने सारी रात विमान-यात्रा की हो।

"क्या मैं आप का कोट ले सकती हूँ, श्रीमती पार्डी ?"

"हाँ कृपया।"

उस बहुमूल्य रोयेंदार कोट को स्पर्श करते ही स्पाल्डिग ने एक गहरी सांस ली। उसने सोचा कि इस प्रकार का कोट अनेक दोषों को छिपा सकता है। वह स्त्री के दोषों को तो छिपा ही सकता है, उससे भी अधिक उसे खरीदने वाले पुरुष के दोषों को भी छिपा सकता है। वह असुन्दर और वेदनामय आँखों वाले गुस्ताव पार्डी के दोषों को भी छिपा सकता है।

इसके बाद कुमारी मैकी थीं। वे सामने और पार्डी-दम्पति से एक कतार पीछे बैठीं हुई थी। वे कुमारी है अथवा श्रीमती ? कोई बात नही, किसी श्रीमती को कुमारी कह कर सम्बोधित करना कभी अपमानजनक नही होता। विमान मुड़ा और गर्म धूप से खिड़की की आकृति उनके चेहरे पर प्रतिबिम्बित होने लगी। स्पालिंडग ने सोचा कि यदि उन्होंने तनिक भी तिरछे देखा, तो उनका बनाव-सिंगार लाखों टुकड़े हो कर छिन्न-भिन्न हो जायगा। उनके हाथ गोद में जुड़े हुए रखे थे।

"सीट की पेटी बाँध ली है, कुमारी मैकी ?" स्पालिंडग उनके ऊपर झुकी

और उनकी मुस्कान के पीछे जो वास्तविक हार्दिकता थी, उसे देख कर आश्चर्य-चकित हो गयी।

"हाँ।"

"यदि आपको किसी चीज की जरूरत हो,तो मुझे बताइयेगा। मेरा नाम कुमारी स्पाल्डिग है।"

"धन्यवाद।"

कटी हुई अंगुलियों वाला व्यक्ति ठीक उनके पीछे बैठा हुआ था। क्या नाम है उसका? लोकोटा? लोकोटा? वह एक बढ़िया छोटा आदमी था और उसके गंजे सिर के किनारे बालों का एक गुच्छा ऊपर की ओर उठा हुआ था, मानो बालों का वह गुच्छा विस्मित होकर ऊपर की ओर उठ गया हो। एल्साप ने कहा था कि वह एक महत्वहीन व्यक्ति है—उन गहरी, दयालु भूरी आँखों के होते हुए भी।

"सब ठीक है, श्री लोकोटा?"

"हाँ, हाँ!" उसने सिर हिलाया और उसका सारा चेहरा चमक उठा। उसकी हल्की हँसी से पता लगा कि उसके सामने के दो दाँत गायब हैं। श्री लोकोटा के शरीर के अनेक अवयव गायब हो सकते हैं – उस नाम के उच्चारण की जाँच कर लो—किन्तु भीतर से वे भावनता से ओतप्रोत हैं। "क्या हम लोग बहुत ऊँचाई पर उड़ेंगे?"– उन्होंने विनीत स्वर में पूछा, मानो उन्हें इस प्रकार का प्रश्न पूछने का कोई अधिकार ही नहीं था।

"सात या नौ हजार फुट की ऊँचाई पर, श्रीमान्। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हमें कब स्थान मिलता है।" "श्रीमान्" के सम्बोधन से उन्हें जितना आश्चर्य हुआ, वह स्पाल्डिग की कल्पना से भी अधिक था। वह उन्हें चकित और मुस्कराता हुआ छोड़कर आगे बढ़ गयी।

श्री ब्रिस्को गलियारे के ठीक उस पार थे। वे खिड़की से दूर बैठे हुए थे, यद्यपि खिड़की के पास की कुर्सी खाली ही थी। श्री ब्रिस्को अत्यन्त बीमार दिखायी देते थे। जब स्पाल्डिग उनके पास पहुँची, तब वे अपने जूतों की ओर, जिन पर सतर्कतापूर्वक पालिश की गयी थी, घूर-घूर कर देख रहे थे।

"क्या आप खिड़की के पास नहीं बैठना चाहते, श्री ब्रिस्को? आज जगह की बहुतायत है।" उन्होंने तुरन्त नजर ऊपर उठायी। निराशा की भावना उनकी आँखों से लुप्त हो गयी—स्पाल्डिग को आश्चर्य हो रहा था कि क्या उसने इस सम्बन्ध में भूल तो नहीं की। उसे वे आँखें शांत विनोद से परिपूर्ण

दिखायी दी।

"आप को मालूम है कुमारी जी ? यह बूढ़ी लाश यहीं तक जा सकती थी। किसी भी हालत मे मै बाहर देखने की अपेक्षा आप की ओर देखना अधिक पसन्द करूँगा।" उसके इस कथन में लेशमात्र भी कुटिलता नही थी और स्पाल्डिग जानती थी कि वह श्री ब्रिस्को को पसन्द करेगी।

"आपकी पट्टी बंधी हुई नहीं है। शर्म आनी चाहिए आपको।" वह अपने स्थान पर घूमा और पट्टी तक पहुँचने का प्रयत्न किया, किन्तु उसके चेहरे पर पीड़ा का भाव झलक उठा। वह मुस्कराते हुए पुनः कुर्सी पर झुक गया और स्पाल्डिग को पूरा निश्चय था कि यह मुस्कराहट कष्ट-हीन नही थी। उसने पट्टी बॉधने के लिए उसकी गोद के पार हाथ बढ़ाया।

"मेरी बॉह!" –उसने अभी तक मुस्कराहट को कायम रखते हुए कहा– "इसे जिस तरह से झुकना चाहिए, उस तरह से झुकती नहीं। वे बताते हैं कि मेरी हड्डियों में छेद हो गये है या ऐसी ही कुछ बात हो गयी है।"

"मै तो कोई छेद नहीं देख पाती, श्री ब्रिस्को।"

वह हँसा और उसके स्वर की शक्ति पुनः लौट आयी। "आप जानती हैं कुमारी जी ? मै भी नहीं देख सकता।"

श्री ब्रिस्को के पीछेवाला आदमी दूर एक कुर्सी में धँसा हुआ था। वह सामने दूर किसी चीज की ओर देख रहा था और स्पाल्डिग इस बात पर गौर करने लगी कि वह किस चीज की ओर घूर रहा है। उसे कोई ऐसी वस्तु नहीं दिखायी दी, जिस पर इतना अधिक ध्यान केन्द्रित किया जा सके। यह वही आदमी था, जो सबसे अन्त में दौड़ता हुआ आया था। .... एण्ड्रूज ? ... नहीं, ऐगन्यू। हम्फ्रे ऐगन्यू, जिसकी अंगुलियाँ हिल रही थीं और जिस पर तम्बाकू के दाग थे। अब उसने देखा कि उसने अपनी 'टाई' में मोती की एक 'स्टिकपिन' लगा रखी थी तथा जिस समय वह काउण्टर पर आया था, उस समय से भी अधिक उसकी आँखे आगे की ओर निकली हुई प्रतीत होती थीं। श्री ऐगन्यू में कुछ ऐसी बात थी कि स्पाल्डिग भयभीत हो गयी। उसने इस प्रकार देखा, मानो वह अपने स्थान से उछल पड़ेगा। प्रथम बार विमान-यात्रा करने वाले यात्री कभी-कभी विमान के प्रस्थान करने से पूर्व इस प्रकार का व्यवहार करते है, किन्तु श्री ऐगन्यू को कुछ दूसरी ही बात परेशान कर रही थी। स्पाल्डिग ने स्वयं अपने एक नियम का उल्लंघन किया और उनसे बोले बिना ही आगे बढ़ गयी।

राइस-दम्पति और जोसेफ-दम्पति विमान के आर-पार चार स्थानों की एक पंक्ति मे बैठे हुए थे। श्री जोसेफ गलियारे के पार हावर्ड राइस से बात कर रहे थे। उनका सिर फूल-मालाओ के गोल घेरे से असम्बद्ध रूप से बाहर निकला हुआ था और बात करते समय वे महत्त्वपूर्ण ढग से अपने हाथो को हिलाते जा रहे थे। स्पाल्डिग ने सोचा कि मै किसी निर्जन स्थान मे भी श्री जोसेफ के साथ रहना पसन्द नही करूँगी। भूखो मरने की तो समस्या ही नहीं रहेगी क्योंकि उनकी बातों से तग आ कर मै पहले ही मर जाऊँगी। जब स्पाल्डिग की नजर पहले-पहल उन पर पड़ी थी, तभी से उनका मुँह चल रहा था और अब उन्होने श्री राइस को पूर्णतः विवश बना दिया था। यह प्रत्यक्ष दिखायी दे रहा था कि श्री राइस मे इतनी प्रत्युत्पन्न मति नही थी कि वे उनसे और दूर बैठते और उन्हें इसका फल भुगतना पड़ रहा था।

"क्या मै आपका कोट ले सकती हूँ, श्रीमती राइस?" उस छोटी-नाटी औरत ने उसे इस तरह से कोट थमा दिया, मानो वह उसे फेंक रही हो। यह एक दूसरा रोयेदार कोट था, जो श्रीमती पार्डी के कोट से अधिक अच्छा न सही, तो उतना ही अच्छा अवश्य था। स्पाल्डिग ने दोनों कोटों को अपनी बाँह के नीचे दबा कर रख लिया, किन्तु इस बार ऐसा करने मे उसे किसी आनन्द की अनुभूति नहीं हुई। वह आश्चर्य करने लगी कि अकस्मात् रोयेदार कोट के प्रति उसके मन मे घृणा की जो भावना उत्पन्न हो गयी है, वह कहीं ईर्ष्या मात्र तो नही है।

"क्या मै आपकी फूल-मालाओं को ले सकती हूँ, श्री जोसेफ? मै उन्हें एक ठण्डी जगह पर रख दूगी और वे अधिक अच्छे रहेंगे।"

"क्या खूब, इससे अधिक उपयुक्त और सुन्दर विचार कभी किसी के मस्तिष्क में नहीं उत्पन्न हुआ होगा।"– एड जोसेफ ने विस्तारपूर्वक कहा।

"आप जानती हैं, जब तक उन्हें अच्छी स्थिति में रख सकें, तब तक उन्हें अच्छी स्थिति में रखना ही है. . . . कल नमक की पुरानी खानों में पहुँच ही जाना है।" उन्होंने पुष्पहारों को अपनी गरदन से निकालना प्रारम्भ किया और उनकी पत्नी भी आज्ञाकारिणी की भाँति वैसा ही करने लगीं। उन्होंने अपनी मालाएँ स्पाल्डिग को दे दीं और खिलखिला पड़ीं।

"माहालो नुई. . . .हवाइयन भाषा में इसका अर्थ है, धन्यवाद।"

एड जोसेफ ने पिकाकी फूलों की एक माला को हाथ में लेते हुए कहा– "यह मुझे व्यवस्थापकों के सम्मान के प्रतीक स्वरूप दिया गया था।"

तत्पश्चात् वे इतने ऊँचे स्वर में बोले कि वह सारे केबिन में सुनायी पड़ गया। "हम रायल हवाइयन मे ठहरे थे।"

"मुझे इस बात की बहुत अधिक प्रसन्नता है कि आप का समय आनन्द के साथ बीता।" –स्पाल्डिंग ने कहा।

"जरूर, जरूर। सुनो. . . एक मिनट के लिए इधर आओ।" उन्होंने स्पाल्डिंग की कलाई पकड़ ली और उसे खीच कर उसके चेहरे को अपने चेहरे के पास लाये। वे एक षड्यंत्रकारी की तरह, इतने धीमे स्वर में कि केवल उनकी पत्नी और श्री हावर्ड राइस ही सुन सकें, बोले रहे थे।

"सुनो, मै तुम्हें एक बात बताता हूँ। यदि हम किसी संकट में फॅस जायँ . . . तुम जानती हो, किसी ऐसे गम्भीर संकट में, जिसका सामना विमान-चालक न कर सके, तो तुम उससे एड जोसेफ को बुलाने के लिए कह देना। यदि उसे सचमुच मेरी आवश्यकता हुई, तो मैं प्रसन्नतापूर्वक वहॉ जाकर उसकी सहायता करूँगा। समझीं ?"

उन्होंने विश्वासपूर्वक स्पाल्डिंग की पीठ थपथपाते हुए उसका हाथ छोड दिया और क्लारा जोसेफ इस तरह हँसने लगीं कि स्पाल्डिग ने सोचा कि उनका दम ही घुट जायगा। हवार्ड राइस फीकी मुस्कराहट मुस्कराने लगे।

"मै समझ गयी, श्री जोसेफ। यदि आपकी आवश्यकता हुई, तो मैं आप को बता दूँगी।" उसने मुक्ति की सास ली और चली गयी। कम-से-कम अपनी पत्नी के इतने निकट रहने पर श्री जोसेफ के लिए भेड़िये के समान व्यवहार करना कठिन होगा।

स्पालिंडग ने विमान के पिछले भाग में कोटो को सतर्कतापूर्वक टाँग दिया और उसके बाद महिलाओं के विश्राम-कक्ष में फूलमालाओं को एक विशेष कम्पार्टमेण्ट में रख दिया। जिस समय विमान रुका, उसी समय वह केबिन में लौट आयी और कुमारी चेन की बगल मे बैठ गयी।

"यदि मैं विमान के रवाना होने समय आपके पास बैठूं, तो आपको कोई आपत्ति तो नहीं होगी ?"

"बिल्कुल नहीं, मुझे बल्कि बहुत अधिक खुशी होगी।"।

उन्होंने एक क्षण तक खुल कर एक-दूसरे का अध्ययन किया। स्पालिंडग ने सोचा कि हमारी उम्र बराबर है, फिर भी, वह मुझ से इतनी अधिक उम्र की, इतनी अधिक सुन्दर लगती है।

"मुझे प्रसन्नता है कि आप मेरी बगल में बैठना चाहती हैं" – कुमारी चेन

ने शालीनतापूर्वक कहा– "क्योंकि मैं आपको गलियारे में जाती हुई देखती रही हूँ और आपसे कुछ बात करना चाहती हूँ।"

"मै आपका कोट लेना भूल गयी। ओह, मुझे खेद है– दीजिये मुझे–"

"नही, नही। यह मेरे पास ही बिल्कुल ठीक है। मै केवल इतना जानना चाहती हूँ कि क्या सभी अमरीकी लड़कियाँ आपके ही समान होती है। क्योंकि आप पहली अमरीकी लड़की है, जिससे मैंने व्यक्तिगत रूप से बातचीत की है।" स्पाल्डिग ने सोचा कि उसके स्वर मे जो इतनी अधिक मोहकता है, उसका कारण उच्चारण का अत्यधिक धीमापन उतना नही है, जितना कि उसकी वाणी की लय और तान। वह यह नहीं जान पायी कि उसे क्या उत्तर देना चाहिए और मुस्करा पड़ी।

"आप इतनी अधिक सुन्दर है"–कुमारी चेन ने इस प्रकार कहा, मानो इस अनुसन्धान से उन्हें अपार प्रसन्नता हुई हो–"कि मै डर रही हूँ कि यदि अमरीका मे सभी लड़कियाँ आप जितनी ही सुन्दर और उदार हुई, तो मैं भयंकर रूप से कुरूप दिखायी दूँगी।"

स्पाल्डिग कुछ नही बोली और उसने अनुभव किया कि लाज से उसका चेहरा बुरी तरह लाल हो रहा था। लड़कियों के बारे में यह कैसी बातचीत-थी ?

"मै नहीं सोचती कि आपको किसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ेगा।" उसने खिडकियों के बाहर इंजिन को चालू होते सुना और कृतज्ञता का अनुभव किया, क्योंकि कुमारी चेन की प्रत्यक्ष ईमानदारी ने उसे पूर्णतः निःशस्त्र कर दिया था।

विमान को पहियों पर चलाकर 'रन वे' के अन्त तक ले जाते हुए डैन रोमन ने पंखों की निर्विघ्न गतिविधि की जाँच की। अब वह पुनः स्थिर हो जाने पर सलीवन के साथ मिल कर कार्य कर रहा था और उन दोनों के हाथ शल्य-चिकित्सकों के कौशल से चारों इंजिनों के 'मैगनेटों' तथा फिर अन्य यंत्रों की परीक्षा कर रहे थे।

जब उन्हें इस बात का पूरा सन्तोष हो गया कि प्रत्येक इंजिन अपनी निश्चित शक्ति के साथ काम करेगा, जब उन्होंने संचालन-चक्रों (Gyros) और उच्चता-मापक यंत्रों को ठीक कर लिया और उनके कृत्रिम क्षितिजों को खोल लिया, जब उन्हें इस बात का पूर्ण विश्वास हो गया कि समस्त तापमान और दबाव ठीक उसी प्रकार के है, जैसा कि उन्हें होना चाहिए, तब उन्होंने एक बार फिर

मुद्रित सूची को पढ़ा। इस क्रम को उन्होंने न जाने कितनी बार दुहराया था। वर्षों की पुनरावृत्ति से यह सूची उनकी स्मृति पर अंकित हो गयी थी; फिर भी वे अपनी स्मरणशक्ति पर विश्वास न करना ही अधिक अच्छा समझते थे। यह कोई खिलवाड़ नहीं था और यह खिलवाड़ का समय नहीं था। यह एक ऐसे व्यवसाय का प्रारम्भ था, जिसमें विफलता का दण्ड दिवालियेपन से अधिक भयानक और अन्तिम होगा। पेशेवर विमान-चालक होने के कारण वे मानते थे कि प्रायः पूर्ण यांत्रिक कौशल के बावजूद गमनागमन के लिए कतिपय दण्ड विद्यमान हैं और सदा विद्यमान रहेंगे। उनके प्रशिक्षण और अनुभव का सारा उद्देश्य ही इन संयोगों और आकस्मिक घटनाओं को समाप्त करना और, यदि वे घटित ही हो जायँ, तो उन पर शीघ्रातिशीघ्र विजय प्राप्त कर लेना था। वे जिस विमान में बैठे हुए थे, उसकी परिकल्पना ऐसे व्यक्तियों द्वारा की गयी थी, जिनमें गुरुत्वाकर्षण पर विजय प्राप्त करने की लगन थी; वे चतुर, प्रतिभाशाली व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने स्वप्नों को चमत्कारिक कार्यक्षमता वाले यथार्थ यंत्रों के रूप मे साकार किया। और फिर भी, अपना कार्य पूर्ण हो जाने पर भी वे अन्तिम परिणाम के सम्बन्ध में निश्चयपूर्वक कुछ भी कह सकने मे प्रायः असहाय-से थे, क्योंकि उनकी प्रतिभा भी विमान-चालक के मस्तिष्क की गति पर नियंत्रण नहीं रख सकती थी। सारा भार, अन्त में, बड़े और सुदक्ष हाथों वाले सलीवन तथा सदा अत्यन्त व्यग्र दिखायी देने वाली आँखों वाले डैन जैसे व्यक्तियों पर पड़ता था। इस प्रयास में अपने भाग पर उनका गर्व, उड़ान से पहले के इस थोड़े-से समय में उनकी पूर्ण तल्लीनता, भावना और सांख्यिक तथ्यों के प्रति चिन्ता का एक असम्भाव्य सम्मिश्रण था। उनकी मनः-स्थिति के आनन्द अथवा गम्भीरता को हाबी व्हीलर अभी-तक पूर्णतया नहीं समझ सकता था। वह उनकी प्रतिक्रियाओं को मन्द और आवश्यकता से अधिक सतर्कतापूर्ण सोचता था। आखिर यह एक और उड्डयन-यंत्र ही तो था। यदि उसे नायकत्व का अवसर मिला होता, तो वह दो मिनट पहले ही जमीन से ऊपर उठ गया होता। अब प्रतीक्षा करते हुए, अपनी निर्दो-षता में दूसरों के विचारों के साथ अपने विचारों का सामंजस्य करने में असमर्थ उसने 'एस्ट्रोडोम' में से देखा और सूरज की ओर देख कर जम्हाई ली।

"टावर, हम चार-दो-सिफर से बोल रहे हैं। हम रवाना होने के लिए तैयार हैं।"

"राजर, चार-दो-सिफर। प्रस्थान के लिए मार्ग साफ है।"

सलीवन ने 'थ्राटलों' को धीरे-धीरे आगे की ओर खींचा। वह अपनी कलाई को थोड़ा मोड़ कर चारो इंजिनों में विद्युत-शक्ति को बराबर रखे हुआ था। पुर्जो की पटरी सजीव हो उठी और तेल का दबाव, ईंधन का प्रवाह, आर. पी. एम. तथा अनेकात्मक दबाव को दिखाने वाली सुइयाँ अपने 'डायलों' के चारों ओर हिलने लगी।

सलीवन पुर्जो की ओर एकटक देख रहा था, आगे 'रन वे' की ओर देखने की उसे तनिक भी चिन्ता नहीं थी और डैन भी सावधानी के साथ पुर्जों की ओर देख रहा था, क्योकि सकट का एक भी संकेत मिलने पर 'थ्राटलों' को पीछे ढकेल देने और ब्रेक लगा देने के लिए अब भी समय था। किन्तु सुइयॉ स्थिर थीं और ज़ब सलीवन को पूर्ण सन्तोष हो गया, तब उसने 'थ्राटलों' को डैन के जिम्मे कर दिया। स्वयं उसके हाथ नियंत्रण-चक्र पर चले गये। जब वायु-गति-मापक यंत्र मे अस्सी मील प्रति घण्टा गति दिखायी देने लगी, तब उसने नियंत्रण-दंड (Control yoke) को धीमे से खींचा—इतने धीमे से कि विमान का आगे का पहिया जमीन से ऊपर उठ जाय। 'रन वे', खिड़कियों के नीचे, तीव्र गति से पीछे सरकने लगा, उसका महान् विस्तार इस प्रकार समाप्त होने लगा, मानो उसे तेजी से घूमने वाले किसी रोलर पर लपेट दिया गया हो। वायु-गति मे तीव्र वृद्धि हो रही थी। एक सौ बीस मील प्रति घण्टा की गति होने पर सलीवन ने दण्ड को और अधिक पीछे खींचा और अकस्मात् उड़ान प्रारम्भ हो गयी। 'रन वे' सिकुड़ गया और सलीवन ने अपने हाथ की हथेली आगे बढ़ायी। उसने आदेश की निश्चित मुद्रा में उसे ऊपर उठाया।

"'बढ़ाओ!"

हाबी व्हीलर उसके ठीक बगल में खड़ा था। वह उतरने के 'गियर' का लिवर खीचने के लिए आगे बढ़ा। औजारों के पटल पर तीन हरी बत्तियाँ जल उठी। जैसे-जैसे वायु-गति में तीव्र वृद्धि होने लगी, जलीय यंत्र-पद्धति (Hydraulic System)- भारी पहियों और दबाव रोकने वाले छड़ों को खींचने लगी। सलीवन अग्रभाग को नीचे रखे हुआ था, क्योंकि गति सुरक्षा थी। एक सौ तीस मील प्रति घण्टा की गति पर एक इंजिन बेकाम हो सकता है और इस क्षति को अपेक्षाकृत सरलता के साथ सहन किया जा सकता है—एक सौ पैंतालीस मील प्रति घण्टा की गति पर दो इंजिनों के बेकाम हो जाने पर भी वे सुरक्षित रूप से जमीन पर उतर सकते हैं। न तो सलीवन को और न डैन को ही इन संकटों के उत्पन्न होने की आशंका थी, किन्तु वे तैयार और

सावधान थे।

"पैंतीस इंच और बाईस-पचास आर. पी. एम.।" सलीवन स्पष्ट और साफ आवाज में बोला, ताकि किसी प्रकार की गलती न हो। इसका कारण यह नही था कि उसे लेश मात्र भी आशंका थी कि डैन उसकी बात को गलत समझ सकता है, बल्कि यह कि आदेश सदा इस प्रकार दिये जाने चाहिए कि किसी भी व्यक्ति को उनके विषय में गलतफहमी न हो। यह एक अच्छा सिद्धान्त है। वायु-गति बढ़ कर एक सौ पचास मील प्रति घण्टा तक पहुँच गयी। उच्चता-मापक यत्र एक सौ फुट की ऊँचाई दिखाने लगा।

"फ्लैप्स् अप!.... एक साथ पाँच अंश।" सलीवन ने अपनी आवाज को ऊँची कर के कहा, जिससे वह इजिनों की आवाज और रोशनदानों से होकर आने वाली हवा की आवाज के, जो धीरे-धीरे बढ़ती जा रही थी, ऊपर सुनायी दे सके। "'पावर' अधिक करो!"

डैन ने 'थ्राटलों' को और अधिक पीछे खींचा। फिर उसने 'प्रापेलर कण्ट्रोलरों' को खीचा और उन्हे अपनी चौकन्नी अगुलियो से तब तक ठीक करता रहा, जब तक चारों इजिन इस तरह आवाज नहीं करने लगे, मानो एक ही इंजिन से आवाज निकल रही हो।

"ग्यारह बजे जमीन से ऊपर उठे!" उड़ान के ठीक समय पर ध्यान देता हुआ लियोनार्ड अपने स्थान से बोला।

पेशेवर व्यक्ति अब कामकाज के लिए स्वतंत्र हो गये थे। जब अलोहा टावर बायें पंख के नीचे सरक गया और सलीवन समुद्रतट से डायमेंड हेड की ओर मुड़ा, तब डैन ने अपना माइक्रोफोन उठा लिया।

"होनोलुलू टावर, हम चार-दो-सिफर से बोल रहे हैं, हम जा रहे है और जगह खाली कर रहे हैं।"

"राजर, चार-दो सिफर। यात्रा सुखद हो—अलविदा।"

डैन रेडियो-यंत्र की ओर झुका और बोला—"हम चार-दो सिफर से होनोलुलू ओवरसीज रेडियो को बुला रहे हैं। आप को कैसा सुनायी दे रहा है?"

उसे टावर की अपेक्षा अधिक साफ और अधिक जोरदार आवाज में उत्तर मिला—"राजर, चार-दो-सिफर। आपकी आवाज जोरदार और साफ सुनायी दे रही है। आपका रिपोर्टिंग समय घण्टे के बीस मिनट बाद है।"

"हम ग्यारह बजे होनोलुलू से रवाना हो गये। सात हजार फुट की ऊँचाई पर जा रहे हैं।"

नीचे सूर्य के प्रकाश में किसी स्थान पर एक आदमी ने, जिसे डैन ने कभी नहीं देखा था और जिसका पेट भूख के मारे शिकायतें कर रहा था, क्रोध-पूर्वक कागज के एक टुकड़े पर कुछ लिखा और उसे यथास्थान रख दिया। स्वीकृति में एक ही शब्द सुनायी दिया और उसके बाद केवल मौन व्याप्त हो गया।

"होनोलुलू......"

जिस क्षण धूम्रपान-निषेध का संकेत समाप्त हुआ, उसी क्षण हम्फ्रे ऐगन्यू ने अपनी 'स्टिकपिन' को चूमना बन्द कर दिया और सिगरेट निकालने के लिए पाकेट में हाथ डाला। सिगरेट को होठों के बीच रखते समय उसकी पीली अंगुलियाँ काप रही थीं। कई बार प्रयत्न करने के बाद उसने अपना लाइटर जलाया— ऐसा प्रतीत होता था कि उसकी अंगुलियों में तनिक भी शक्ति नहीं रह गयी थी और अन्त में 'लाइटर' के छोटे पहिये को घुमाना भी कठिन कार्य हो गया। वह सिगरेट पर जोर से कश लगा रहा था और धुआँ बाहर निकालने के साथ गहरी साँस लेने की ध्वनि स्पष्ट सुनायी देती थी। वह लाइटर को जेब मे रख ही रहा था कि उसका हाथ वापस लौट कर फिर उसकी गोद में आ गया। वह अपने अंगूठे से लाइटर पर खुदे अक्षरों को धीरे-धीरे सहलाने लगा और उन शब्दों का अनुभव करने लगा, जिन्हें वह भली भाँति जानता था। वे शब्द थे —"मेरे प्रिय पति के लए—मार्था।" और फिर इन शब्दों के आधा इंच नीचे तारीख— १९५०। यह अपने विवाह के प्रथम वार्षिकोत्सव पर श्रीमती ऐगन्यू द्वारा श्री ऐगन्यू को दिया गया उपहार था—निष्कलंकता का दावा करने वाली एक तीस वर्षीय महिला द्वारा ४५ वर्षीय एक ऐसे व्यक्ति को दिया गया उपहार, जिसने अपने समस्त जागृत क्षणों को सुरक्षा का निर्माण करने, षड्यंत्र करने और दूसरे व्यक्तियों द्वारा किये गये अपमानों को भुला देने का प्रयत्न करने में व्यतीत किया था, ताकि एक दिन वह उनके ऊपर थूक सकने मे समर्थ हो सके।

उसने लाइटर को कस कर मुठ्ठी में दबा लिया और तब तक दबाये रहा जब तक उसकी अंगुलियों के पोर सफेद नहीं हो गये। फिर उसने अचानक उसे फर्श पर फेंक दिया! यदि कुछ व्यक्तियों ने हम्फ्रे ऐगन्यू को कुटिल कहा था, तो वर्तमान श्रीमती ऐगन्यू अब देखेगी कि उसका पति वास्तव में कितना चतुर हो सकता है। वह कुलटा स्त्री अपनी पीड़ा से तड़पेगी — वह अपने शेष जीवन भर किसी दूसरे को बता सकने से लाचार, इस बात को जानेगी कि केनेथ चाइल्डस् की मृत्यु किस प्रकार हुई। यह एक सुन्दर दृश्य बनता था— मृत प्रेमी और जीवित कुलटा। मार्था इस प्रेमी की अन्तिम विजय होगी।

हम्फ्रे ऐगन्यू हँसेगा और उसके लिए केवल रोना शेष होगा। वह हँसेगा और उसे सदा के लिए रखेगा। संसार का कोई भी वकील उसे उससे छीन नहीं सकता। मार्था ऐगन्यू को श्रीमती ऐगन्यू बनाने रखने के लिए हम्फ्रे ऐगन्यू जो धन देने के लिए तत्पर था, उसे कोई भी न्यायाधीश अस्वीकृत नहीं कर सकेगा। एक ऐसे व्यक्ति की उपेक्षित, घृणित पत्नी, जिसकी प्रतिभा ने उन्हें धनी बना दिया था। प्रत्येक व्यक्ति इस बात को जान जायगा.... ओह हाँ ! और वे अनुमान से, ठीक प्रकार से कहे गये शब्दों से, जान जायेंगे कि मार्था ऐगन्यू विश्वासघातिनी रही थी और सम्भवतः फिर भी होगी। लोग उसकी ओर देखेंगे और सोचेंगे और हम्फ्रे ऐगन्यू उनके सोचने में सहायता देगा।

सिगरेट को मुँह से लटकाये हुए उसने अपनी कुर्सी की बाहों को पकड़ा तथा एक क्षण के लिए आँखों को बन्द कर लिया ताकि वह दृश्य को अधिक अच्छी तरह से देख सके। उदाहरण के लिए, उसके कार्यालय-भवन की सीढ़ियाँ; तीव्र गति से विकास करने वाली "ऐगन्यूज एड्स टु बेटर लाइफ" नाम की संस्था का प्रधान कार्यालय– जहाँ से धन-विषयक गमन्त-लाभ प्राप्त होते हैं। जोड़ों में दर्द ? –मलेरिया ?–दमा?– मूत्राशय मे पीड़ा ?– पित्त प्रकोप ? –कैंसर ?–अंतड़ियों में अव्यवस्था ?– मधुमेह ?– ऐगन्यू की संस्था के पास इन समस्त रोगों की औषधियाँ उपलब्ध थीं और वह भी केवल एक डालर प्रति बोतल के मूल्य पर। यदि सन्तोष न हो, तो आप का दाम वापस मिल जायगा और जो थोड़े-से व्यक्ति अपना दाम वापस माँगते थे, उनको प्रसन्न करने के लिए हम्फ्रे ऐगन्यू ने सदा सावधानी से काम लिया था। क्यों नहीं ? रेडियो तथा द्वीप के समाचार-पत्रों में उदारतापूर्वक प्रकाशित किये गये विज्ञापनों पर विश्वास करने वाले हजारों नये व्यक्ति सदा निकल आते थे। अज्ञान, शोषण के लिए प्रतीक्षारत अज्ञान, एकमात्र ऐसी वस्तु थी, जिस पर व्यक्ति भरोसा कर सकता है।

आइये, अब हम देखें... आप वहाँ सीढ़ियों पर खड़े होंगे और एक दूसरा जोड़ा, सम्भवतः लिस्टर दम्पति, दोपहर के आसपास, संयोगवश उधर से गुजरेगा; और चूंकि अमोस लिस्टर बोतलें बनाता था और वह ऐगन्यू से व्यापारिक सम्बन्ध स्थापित करना चाहता था, इसलिए वह ऐगन्यू-दम्पति को अपने साथ दोपहर का भोजन करने के लिए निमंत्रित करेगा। मार्था कहने वाली ही होगी– "कितनी अच्छी बात है !", कि आप बीच में ही कुछ इस प्रकार की बात कह उठेंगे –"...... बड़ी ही अच्छी बात है, किन्तु

मुझे आशंका है कि मार्था ने एक दूसरी जगह जाने का वचन दिया है. . . आप जानते है कि वह बहुत ही लोकप्रिय है।" मार्था घबड़ा कर आपकी ओर देखेगी क्योंकि, सब कुछ समाप्त हो जाने के बाद, होनोलुलू मे आपके आने का सम्भवत: यह प्रथम अवसर होगा।

बाद में, लिस्टर-दम्पति के चले जाने पर, सम्भवत: वह कहेगी –"हम्फ्रे. . . मुझे कही नही जाना है।" और आप उत्तर दे सकते है–"सच ? मैंने सोचा था कि तुम सदा केन चाइल्ड्स के साथ दोपहर का भोजन करती हो, अथवा क्या वह हारता जा रहा है ?"

तत्पश्चात् व्यग की बात, वास्तविक पेच की बात, जो तब तक चलती रहेगी, जब तक वह प्रत्येक बात को स्वीकार न कर ले। मार्था सीधे और साफ शब्दो मे कह सकती है कि केन चाइल्ड्स मर गया है, अथवा वह एक अर्द्ध सत्य से बात को छिपाने का प्रयत्न कर सकती है। ऐसी स्थिति में वह कह सकती है–"यदि इससे आपको इतना दुख होता है, तो अब मै केन चाइल्ड्स से कभी नहीं मिलूगी।" निश्चय ही, अब वह उससे कभी नही मिल पायगी। वह आदमी वहॉ केवल कुछ ही सीटों की दूरी पर बैठा था और यहॉ हम्फ्रे ऐगन्यू बैठा हुआ था–प्रतीक्षा करता हुआ।

यह एक आश्चर्यजनक बात थी कि किस प्रकार किसी चीज को करने के संकल्प से मिचली दूर हो सकती थी। सम्भवत: यह एक बहुत ही अच्छी बात थी कि बहुत कम लोग जानते थे कि किसी की हत्या करने का विचार कितना सुखदायक हो सकता है। आपको अचानक प्रतीत होगा कि आप खिड़की के बाहर के उन बादलों से भी अधिक हल्के है, जो इतने दिनो की घुटन के बाद समान रूप से तैर रहे हैं। असली मजा तो उस समय आयेगा, जब आप कहेंगे –"हॉ, मार्था तुमने एक बार तो अवश्य ही सच कहा। केन चाइल्ड्स मर चुका है। मैंने उसकी हत्या कर डाली और तुम जानती हो कि क्यों।" ओह, उस समय उसका चेहरा कैसा दिखायी देगा ! आह. . . . उसकी ऑंखें ! "मैंने सान फ्रांसिस्को में उसकी हत्या कर डाली और यदि तुम दो मृत्युओं का कारण बनना चाहती हो, तो पुलिस को क्यों नहीं बुला लाती।"

उसकी अंगुलियॉ पुन: उसकी 'स्टिकपिन' पर चली गयी। तत्पश्चात् उसने खिड़की से झॉका और नीचे पानी की ओर देखा। कुछ घण्टो बाद ही, मुश्किल से एक दिन और रात के बाद, वह होनोलुलू वापस लौट जायगा। कार्यालय में उसकी अनुपस्थिति खटकेगी नही– इसके लिए फोन द्वारा उसके

ज्वरग्रस्त होने की सूचना दे दी गयी थी। केवल मार्था जानेगी कि वह द्वीप से बाहर गया था। और मार्था—सुन्दर, बेवफा मार्था आखिर यह जान जायगी कि उसने किसी पुरुष से विवाह किया है, न कि किसी ऐसे व्यक्ति से, जो अपनी पत्नी के विश्वासघात को सरलतापूर्वक सहन कर सकता है। वह चुप रहेगी।

सम्प्रति आराम करने और विवरण की प्रत्येक बात को पूरा करने के लिए समय था, क्योंकि केन चाइल्ड्स अब बच नही सकता। वह मार्था के पति के साथ एक तैरते हुए कमरे मे बन्द था; वह अपने जीवन के अन्तिम क्षण व्यतीत कर रहा था, किन्तु उसे इसका पता नहीं था। इसका मजेदार किन्तु सीधा-सादा कारण यह था कि मार्था ने दोनों का परिचय कराने का कष्ट करना कभी आवश्यक नहीं समझा था। स्पष्टतः वह अपने पति पर लज्जित थी। पिस्तौल तुम्हारा परिचय होगी, तुम्हारे कोट की जेब में रखी हुई पिस्तौल. . .वहाँ इतनी शांति से पड़ी हुई, तुम्हारे सीने से लगी हुई, कठोर और प्रायः सजीव-सी पिस्तौल।

स्पाल्डिग की आवाज ने उसकी विचार-तन्द्रा को भंग कर दिया।

"आपने अपना 'लाइटर' गिरा दिया है, श्री ऐगन्यू।" वह लाइटर को अपने हाथ मे लेकर उसकी ओर बढ़ाये हुए थी।

चौंक कर उसने रूखेपन के साथ उत्तर दिया—" यह. . . यह मेरा नहीं है। मेरा विवाह नहीं हुआ है।"

"ओह. . . ."

"मेरे लिए दियासलाई ला दो।"

"अवश्य, श्री ऐगन्यू।"

दियासलाई लाने के लिए विमान के पृष्ठ भाग में जाने से पहले स्पाल्डिग फ्रैंक ब्रिस्को के ऊपर, जो एक सीट आगे बैठे हुए थे, झुकी।

"क्या यह लाइटर आपने गिराया है, श्री ब्रिस्को ?"

"मैंने नहीं गिराया, प्रिये। मै सिगरेट नहीं पीता।"

"ओह, मुझे खेद है। मैंने सोचा कि वह आपकी सीट के नीचे से फर्श पर सरक गया होगा।"

"खैर, मेरी पत्नी का नाम हेलेन था।"

स्पाल्डिग दियासलाई लायी और ऐगन्यू ने मुस्कराते हुए ले लिया। उसने अपने-आपको मूर्ख कहा। संसार में कितनी मार्थाएँ है ? यदि इस लड़की ने कल समाचार-पत्रो में केन चाइल्ड्स की मृत्यु के विषय में पढ़ा, तो यह मूर्ख लड़की

भी सम्भवतः आश्चर्य करने लगेगी। सम्भवतः उसे लाइटर पर लिखा हुआ नाम याद रहेगा। हम्फ्रे ऐगन्यू, इन छोटी-छोटी बातों पर नजर रखो। तुम अपने काम में इस प्रकार की कोई भूल तो नहीं होने दोगे। अत्यन्त सावधानी-पूर्वक विचार करने के लिए समय न होने के कारण की गयी इस प्रकार की छोटी-छोटी गलतियाँ जाँच-पड़ताल की एक पूरी श्रृंखला को ही प्रारम्भ कर सकती हैं। इससे कठिनाइयाँ उत्पन्न हो सकती हैं। लाइटर को केवल इस कारण इनकार कर देना गलत था कि तुम उससे नफरत करते हो। अबसे आगे आने वाले कुछ घण्टों तक केवल बैठने और सोचने के अलावा कुछ भी मत करो। प्रत्येक बात पर अत्यन्त सावधानी के साथ सोचो। अभी बहुत समय है।

"ये रही आपकी दियासलाई, श्री ऐगन्यू।"

"ओह, अनेकानेक धन्यवाद।"

"यदि आपको और किसी चीज की जरूरत हो, तो अपने सिर के ऊपर लगा हुआ बटन दबा दीजिये।"

"मुझे बताइये कि...... जब ऐसा कीमती लाइटर पड़ा मिल जाता है, जैसा आपको अभी मिला है, तो क्या होता है?"

"क्या होता है?"

"हाँ, वह विमान के यात्रियों में से तो किसी का नहीं मालूम होता।"

"मैं उसे खोयी और मिली हुई चीजों के कार्यालय में दे देती हूँ। सामान्यतः उसका मालिक उसके बारे में पूछ-ताछ करेगा।"

"हाँ..."—वह स्पाल्डिंग की ओर देख कर उसी तरह मुस्कराया, जिस तरह वह अपने विज्ञापनों में मुस्कराता था—"हाँ.. मैं समझता हूँ कि मालिक उसके बारे में पूछेगा।"

मे होल्स्ट केनेथ चाइल्ड्स की सीट के ठीक सामने की सीट पर बैठी हुई थी, जहाँ से वह उसकी प्रत्येक गतिविधि को देख सकती थी। यह प्रथम अवसर नहीं था, जब वह उसकी निगरानी कर रही थी; वे एक ही होटल में ठहरे हुए थे और उसने उसे दिन मे समुद्र-तट पर तथा रात में मदिरालय में देखा था। अब उसे उसका चेहरा उस समय से भी अधिक पसन्द आने लगा था, जब उसने उसे पहली बार देखा था। व्हिस्की ने उसकी हड्डियों की बनवाट को यत्र-तत्र चिकना बना दिया था और कुछ वर्षों बाद सम्भवतः उसके जबड़े बहुत भारी हो जायँगे, किन्तु उस मुँह और उस जबड़े में अब भी बहुत अधिक शक्ति थी। उसकी भौंहें भूरी थीं और उसके अनुशासनहीन बाल उद्दंडता से उसके

ललाट के बाहर निकले हुए थे और उनके नीचे उसकी आँखों के चारों ओर त्वचा पर रेखाएँ उभरी हुई थीं, मानो वे सजीव होने के लिए जोरदार, पेट फुला देनेवाली हँसी की प्रतीक्षा कर रही हों। मे होल्स्ट ने निर्णय किया कि उसकी नीली आँखों से लेकर समाचार-पत्र पढ़ने के उसके ढंग तक, उसकी प्रत्येक बात से एक पौरुष का परिचय मिलता है और उसने निर्णय किया कि आजकल पुरुषों मे यह गुण दिन-प्रति-दिन कम होता जा रहा है। और, स्पष्टतः, यह व्यक्ति बहुत पैसे वाला है। जो आदमी पैसेवाला नहीं होगा, वह अपने सिगरेट-होल्डर को हवा में उस तरह उछालने का साहस कभी नहीं करेगा, जिस तरह केन चाइल्ड्स ने उछाला अथवा उस प्रकार समाचार-पत्र एक ऐसे घृणापूर्ण ढंग से पटक कर अपने स्थान पर नहीं रखेगा, मानो उसे पहले से ही इस बात का पता हो कि उसमें क्या लिखा है। किन्तु जब वह शेयर बाजार के पृष्ठ पर पहुँचता, तब उसकी गति धीमी हो जाती और वह यह देखने लगता कि उसके धन का क्या हाल है, ठीक उसी तरह, जैसा स्टर्लिंग किया करता था।

एक क्षण के लिए उसने केन चाइल्ड्स की ओर से ध्यान हटा लिया और स्टर्लिंग का स्मरण करते समय उसे पूर्णतया भूल गयी। वह पुनः उसके साथ हाथ में हाथ डाल कर प्रातःकालीन वर्षा में टहल रही थी, जैसा कि उन्होंने पन्द्रह आश्चर्यजनक वर्षों तक प्रति दिन प्रातःकाल किया था।

"मेरा अनुमान है कि तुम्हारी जैसी आश्चर्यजनक प्रेयसी किसी पुरुष को कभी नहीं मिली होगी. . ." वह उसकी शक्तिशाली, स्पष्ट आवाज को प्रायः सुन सकती थी।

"तुमने मुझे नहीं पाया। मैंने तुम्हें पाया. . . . तुम नशे में थोड़ा चूर थे, किन्तु थे तुम्हीं।"

"मैं नशे में बिल्कुल बेहोश था।"

"तुम्हें होना ही चाहिए था।" बाद में स्टर्लिंग से इस प्रकार की बातें करना सम्भव हो गया था, किन्तु प्रारम्भ के कुछ वर्षों में वह शराब पीने के व्यक्तिगत कारणों के सम्बन्ध में भावुक था। वह उसी प्रकार भावुक और लड़ाकू था, जिस प्रकार वह एक अड्डे में आने की पहली रात को था, जब उसने आते ही किसी लड़की के लिए शोरगुल मचाना प्रारम्भ कर दिया था। उसे जो लड़की मिली, वह मे लादजेनी थी– वह अभी बच्ची ही थी, जो तोलेदो के सबसे गरीब परिवार से भाग जाने का प्रयत्न कर रही थी। जब अड्डे के संचालक,

सैम, ने तुम्हारा परिचय नयी होस्टेस (परिचारिका) में के रूप मे कराया, तब स्टर्लिंग ने सोचा कि उसने 'होल्स्ट' कहा है— अथवा शैम्पेन के नशे में उसे ऐसा ही सुनायी दिया। इस प्रकार उस प्रथम रात से, जब तुम उसे लगभग घसीट कर अपने छोटे-से फ्लैट मे ले गयी थी और उसे बिस्तर पर लिटाया था, यह मे होल्स्ट नाम पड़ गया था। अभी तक यही मे होल्स्ट नाम चला आ रहा है; और अब सदा के लिए कानूनी रूप से ठीक हो गया है। वह सैम की सराय में काम करने की तुम्हारी अन्तिम रात भी थी। स्टर्लिंग ने अपने ढग से अधिकार जमा लिया। प्रेम तो बहुत दिनो बाद हुआ। पहले उसने कमरा ठीक किया और कपड़े खरीदे। उसने सभी चीजें सर्वोत्तम किस्म की ली और धीरे-धीरे तुम एक ऐसी महिला बन गयीं, जिसके साथ सड़क पर चलने अथवा अन्यत्र कही जाने में उसे लज्जित होने की आवश्यकता नहीं थी। तुम्हें उसकी पत्नी के बारे में पता लगा। वह उन स्त्रियों मे से थी, जो बिस्तर पर पड़े-पड़े ही अपना जीवन व्यतीत करती हैं —उचित कारण को छोड़ कर शेष हर बात के लिए।

"वह एक पेशेवर बीमार है।"—स्टर्लिंग ने कहा और इससे अधिक उसने उसके बारे में कभी कुछ नही कहा। तुम इससे अधिक सुनना भी नहीं चाहती थी। आश्चर्य है कि कैसे यह जारी रहा और वे पन्द्रह वर्ष कितनी शीघ्रता के साथ व्यतीत हो गये। उन्होंने कभी साथ-साथ सफर नही किया, प्रथम रात को छोड़कर वास्तव मे कभी सारी रात एक साथ नही बितायी; किन्तु वह प्रति दिन कमरे मे आता था अथवा कम से कम दिन मे एक बार मिल अवश्य जाता था और प्रातःकाल टहलना तो सदा होता ही था। जब वह तुमसे विशेष कोने में मिलता था, तब उसके चेहरे पर एक आनन्द झलकता था, और केवल उस आनन्द को देखने के लिए ही प्रात.काल सात बजे उठना खलता नही था, चाहे रात में कुछ भी क्यों न हुआ हो। उसका कारखाना दो मील दूर था, कभी-कभी वहाँ बर्फ में से होकर जाना पड़ता था और कभी-कभी सूरज की रोशनी में सरलतापूर्वक हँसते हुए; किन्तु अधिकांशत· ऐसा प्रतीत होता था कि बारिश हो रही है और कमरे तक अकेले लौटने का समय यह सोचने के लिए अच्छा होता था कि तुम उस आदमी को कितना प्यार करती हो।

और फिर वह सुबह आयी जब कोने में कोई स्टर्लिंग प्रतीक्षा करता हुआ नही मिला और समाचार-पत्र ने बताया कि अब वह कभी प्रतीक्षा नही करेगा, क्योंकि मध्यरात्रि में आदमी के जितने बड़े एक हृदय की गति अवरुद्ध हो गयी

थी। स्टर्लिंग ने इस यात्रा का मूल्य चुकाया, जैसा कि उसने मे होल्स्ट के शेष जीवन के लिए मूल्य चुकाया था।

"मैं चाहता हूँ कि तुम आराम से रहो।"–उसने कहा–" इससे मुझे प्रसन्नता होती है।"

बहुत अच्छा स्टर्लिंग.....तुम्हारी प्रेमिका आराम से है। पोलिश लड़की के नितम्बों का उभरना प्रारम्भ हो गया है और एक दूसरी ठोड़ी की भी शुरूआत हो रही है, जो तुम्हें अच्छी नही लगती... किन्तु तुमने मेरे लिए चिन्ता की कोई बात नही छोड़ी। अतः मै उतने ही आराम से हूँ, जितने आराम से मै तुम्हारे बिना रह सकती थी।

विमान मुड़ा और पंख पर चमकती हुई धूप ने उसे प्रायः अन्धी बना दिया। वह शीघ्रतापूर्वक खिड़की से हट गयी और प्रायः तत्काल ही उसे इस बात का ज्ञान हो गया कि केन चाइल्ड्स उसकी ओर देख रहा है।

५

विमान के मार्ग पर मुड़ने पर मोकोपू प्वाइण्ट बायें पंख के नीचे दूर सरक गया। इसके बाद दो हजार से अधिक मील की दूरी तक उन्हें कोई भूमि नहीं दिखायी देने वाली थी। ऊपर उठने में इंजिन प्रति घण्टा साढ़े तीन सौ गैलन पेट्रोल खपा रहे थे और समान गति से आवाज कर रहे थे। जब लियोनार्ड विल्बी ने हाबी से क्षमा माँग कर और उसकी बगल से धक्का देकर निकलता हुआ सलीवन के 'गायरो-कम्पास' के ठीक बगल में औजारों के पटल पर कागज का एक छोटा-सा टुकड़ा लगा दिया, उस समय उच्चता-मापक यंत्र तीन हजार फुट से अधिक की ऊँचाई बता रहा था। कागज पर उसने ५१ की संख्या लिखी थी– यह संख्या सान फ्रांसिस्को की दिशा में प्रारम्भिक कम्पास-मार्ग की सूचक थी।

"आइये, हम लोग आकार के लिए इसकी आजमाइश करें।" – उसने कहा। सलीवन ने गरदन घुमाकर देखा और मुस्करा पड़ा। "क्या तुम्हें यह पूर्ण

निश्चय है, लेनी, कि यह ठीक पचास नहीं है ? क्या हमें इसे बिल्कुल ५१ ही रखना होगा ?"

लियोनार्ड मान जाने के लिए तैयार था क्योंकि कुल मिलाकर सम्बन्धित एक अंश से सारी उड़ान में तनिक भी अन्तर नहीं पड़ने वाला था। उसने कोई टिप्पणी उकसाने के लिए जान-बूझ कर यह संख्या चुनी थी।

"आप जानते ही हैं, कप्तान, कि विमान-उड्डयन एक शुद्ध और निश्चित विज्ञान है। जब विल्बी कहता है कि मार्ग ५१ होना चाहिए, तब इसका अर्थ यह है कि यदि आप उड़ान को पूर्णतया त्रुटिहीन बनाना चाहते है, तो आपको केवल पचास से कोई सरोकार नहीं रखना चाहिए।" डैन ने अपनी खिड़की के बाहर देखा और एक क्षण के लिए नीचे समुद्र का अध्ययन करने के पश्चात् पुनः 'काकपिट' में पीछे घूम गया और गम्भीरतापूर्वक सिर हिलाया।

"मै नहीं जानता , लेनी. . . धरातलीय वायु उत्तर की ओर से बह रही है। क्या तुम नहीं सोचते कि, उदाहरणार्थ, ४९ का मार्ग अधिक अच्छा होगा ? अरे, अभी तो बहुत जल्दी है. . . . वास्तव में तुम्हारे पास आगे बढ़ने के लिए क्या है ?"

लियोनार्ड ने फर्श पर और तत्पश्चात् सावधानीपूर्वक निर्मित औजार-पटल पर देखा, मानो उसे उसका उत्तर वहाँ मिल सकता है। ये उडान के ऐसे क्षण होते थे, जिन्हें पकड़ कर वह घर अपनी पत्नी सूसी के पास ले जाना तथा उसे उनके सम्बन्ध में बताना चाहता था, जिससे उसे इस बात का किंचित दूरस्थ संकेत मिल जाय कि उड्डयन-संचालक (Navigator) के अतिरिक्त और कुछ बनने की महत्वाकांक्षा वह क्यों नहीं रखता था। वे अनेक प्रकार से प्रत्येक उड़ान के सर्वोत्तम भाग होते थे, चाहे विमान विश्व के किसी भी भाग में जा रहा हो, क्योंकि ऐसा प्रतीत होता था कि उड़ान के समय विमान के कर्मचारी विचित्र रूप से प्रफुल्लित हो जाते हैं, उनके स्वर सामान्य की अपेक्षा कुछ अधिक ऊँचे हो जाते हैं तथा उनके अंग-संचालन में तीव्रता आ जाती है। प्रत्येक व्यक्ति ताजा और विश्रान्त था। यदि कोई मानसिक कुण्ठा होती, तो सामान्यतः, वह इस समय समाप्त हो जाती। हो सकता है कि ऊपर उठने की सनसनी, जो यहाँ उड्डयन-डेक पर इतनी स्पष्ट प्रतीत होती थी, विमान-कर्मचारियों को न केवल शारीरिक दृष्टि से प्रत्युत आत्मिक दृष्टि से भी पृथ्वी की प्रत्येक वस्तु से पृथक् कर देने की क्षमता रखती है। लियोनार्ड ने अनेक बार इस व्यवहार की विवेचना करने का प्रयत्न

किया था। वह जानता था कि उसके अन्दर ऐसा होता था और वह दूसरों के अन्दर ऐसा होता सदा देख सकता था– किन्तु इसका विश्लेषण करने में उसे कभी विशेष सफलता नहीं प्राप्त हुई थी। उसने विचार-मग्न होकर अपनी नाक मली, मानो डैन के प्रश्न पर अत्यन्त गम्भीरतापूर्वक विचार कर रहा हो।

"मैं तुम्हें बताता हूँ, डैन। हम नौसिखिए वास्तव मे सान फ्रासिस्को का मार्ग नहीं जानते। अब कुछ विशेषज्ञ ४९ अंश के मार्ग पर चल कर भी अन्ततोगत्वा वहाँ पहुँच सकते हैं, किन्तु बात ऐसी है कि इस महीने मेरी आयु ५१ वर्ष की हो गयी है और मैं अन्य किसी संख्या की बात नही सोच सकता।"

"तब ५१ ही तय रहा।"– सलीवन ने कहा– "मुझे यह एक बहुत ही ठोस कारण प्रतीत होता है।"

पाँच हजार फुट की ऊँचाई पर विमान छिन्न-भिन्न बादलों की एक तह से होकर गुजरा। विमान ने कुछ बार ऊपर जाने का प्रयास किया और हवा पर आर्द्रता की नन्हीं-नन्हीं असंख्य बूदें दिखायी देने लगी। तत्पश्चात् वे अकस्मात् एकदम ऊपर चले गये और वहाँ हवा पूर्णतया विघ्नरहित थी। समुद्र की गहराई से ऊपर उठने वाली चाँदी के समान सफेद व्हेल मछली की भाँति विमान बिना किसी प्रत्यक्ष पथ-प्रदर्शन अथवा प्रयास के ऊपर की ओर बढ़ने लगा। उड़ान के डेक में सूर्य का प्रकाश भर गया और उससे विमान की उपयोगिता के चिह्न तथा उसकी आयु खटकनेवाली स्पष्टता से दिखायी देने लगी। असंख्य विमान-चालकों के पैरों ने संचालन-चक्र के रबर के पायदानों के रंग को घिस कर मिटा दिया था तथा यंत्र-पटल (Instrument panel) को यथास्थान रखने के लिए जहाँ-तहाँ कीलें लगी हुई थीं और उसके चारों ओर के क्षेत्र में अगणित मिस्त्रियों के स्क्रू-ड्राइवरों के कारण धब्बे पड़ गये थे। मोटे लिनेन की गद्दी (Crash Pad) के ऊपर के चमड़े में चीर लग गयी थी और सलीवन के सिर के ऊपर टंगे हुए सूचना-पत्रों का, जिनके ऊपर विमान की जटिल ईंधन-प्रणाली तथा अधिकतम उड़ान को चित्रों एवं आकृतियों द्वारा दिखाया गया था, रंग फीका पड़ गया था। सूर्य का प्रकाश 'ऐस्ट्रोडोम' से होकर उड़ान के डेक के ऊपर पड़ रहा था और मुड़े हुए 'प्लेक्सी ग्लास' पर पड़ी हुई थोड़ी-सी खरोचें दिखायी दे रही थीं। लाल लिनोलियम के फर्श पर पड़ने वाली सूरज की रोशनी की चमक में ठोंक-पीट और स्पर्श के सैकड़ों चिह्न और भी बड़े दिखायी दे रहे थे, जहाँ उड्डयन-कर्मचारी, यांत्रिक, सफाई करनेवाले तथा सामान लाने-ले जानेवाले अपने-

अपने चिह्न छोड़ गये थे। और लियोनार्ड की मेज के ऊपर 'पोर्ट होल' के चारों ओर के रग का छूटना प्रारम्भ हो गया था। "इस डब्बे की आठ हजार घण्टों तक पूरी तौर से मरम्मत करने की आवश्यकता है।"– हाबी ने कहा। उसके घुटनों पर धातु की जिल्द वाली विवरण-पुस्तिका फैली हुई थी और ऊपर उठने के समय मे वह मुद्रित बक्सों के एक लम्बे कालम में यंत्रो द्वारा प्राप्त संकेतों को लिख रहा था।

"अभी तक यह विमान कितने घण्टों तक उड़ चुका है?"– डैन ने पूछा। हाबी ने विवरण-पुस्तिका का अध्ययन कर के उत्तर दिया–"सात हजार चार सौ बीस।"

"तब तो यह किसी कुमारी की तरह अभी बिल्कुल ताजा है। यह विमान तुम्हारे और मेरे बाद भी बहुत दिनों तक उड़ता रहेगा।"

"आप जा सकते हैं. . . किन्तु मैं नही।"– हाबी ने यह बात हँसते हुए कही, किन्तु डैन जानता था कि उसका कहना ठीक है। डैन रोमन के शरीर पर अनेक खरोचें और प्रहार के चिह्न भी थे।

सलीवन ने उच्चता-मापक यंत्र को पुनः प्रतिमानित दबाव के अनुसार ठीक किया, जिससे वह प्रशान्त महासागर के ऊपर उड़ने वाले अन्य समस्त विमानों के समान हो जाय। जब वे सात हजार तीन सौ फुट की ऊँचाई पर पहुँच गये, तब उसने गति को स्थिर करने वाले यंत्र (Stabilizer) को थोड़ा-सा आगे की ओर मोड़ा और धीरे-धीरे ठीक सात हजार फुट की ऊँचाई पर पुनः उतरना प्रारम्भ कर दिया। अपनी निर्धारित ऊँचाई को थोड़ा-सा पार कर और तत्पश्चात् पुनः उसी ऊँचाई पर आकर उसने विमान को 'जीने पर' रखा। किसी भी लम्बी उड़ान के प्रथम घण्टों मे, जब अधिकांश ईंधन अभी तक शेष ही रहता था, यह एक जटिल प्रयास था, जो कभी-कभी निराशाजनक भी सिद्ध हो जाता था। उस स्थान का पता लगाने के लिए जहाँ विमान आकाश में केवल मंडराने के बदले अधिकतम कुशलता के साथ उड़ता है, उसे यंत्रों से तथा अपने बैठने के स्थान से प्राप्त सूचनाओं का मेल बैठाने की आवश्यकता होती थी। विमान एक अदृश्य सहारे पर टिका हुआ था; नियंत्रण-यंत्रों में सूक्ष्मतम हेर-फेर करने से भी वायु-गति में दस मील प्रति घण्टा तक का अन्तर पड़ सकता था। भार और वायुमंडल की विभिन्न स्थितियों के अन्तर्गत जिस ठीक-ठीक संतुलन की आवश्यकता होती है, उस संतुलन को प्राप्त करना अनेक विमान-चालकों के लिए पर्याप्त गर्व की बात थी, क्योंकि इस एक मामले

में ही मानव यंत्रों की अपेक्षा अधिक भाव-प्रबण होते थे और इसलिए विमान-चालक विज्ञान को प्राय: पूर्ण रूप से छोड़ कर पर्याप्त सन्तोष के साथ कला के क्षेत्र मे लौट आते थे।

अब संचालन की गति सरल और निष्प्रयास हो गयी थी। अब सलीवन के सिर हिलाने मात्र से ही डैन को ज्ञात हो जाता था कि वह शक्ति घटाने के लिए तैयार है। ऊँचाई और बाहर की हवा के तापमान, दोनों पर यह निर्भर करता था कि डैन 'प्राप्रेलरों' और 'थ्राटलों' को किस रूप में रखेगा। यद्यपि वह अनुमान लगा सकता था कि उनको ठीक-ठीक किस स्थिति में रखने की आवश्यकता है, तथापि उसने'लीवरों' को धीरे-धीरे पीछे खीचने से पहले हवा के तापमान-मापक यंत्रों और अपने सिर के ऊपर रंगे हुए विवरण, दोनों की ओर देखा। दो हजार आर. पी. एम. पर इजिनों की आवाज धीमी और स्थिर हो गयी। उसने इजिनों को ढंक दिया, क्योकि अब विमान की गति बढ़ जाने से इंजिन काफी ठण्डे रहेगे। तत्पश्चात वह सम्मिश्रण 'लीवरों' को नीचे हटाने के लिए नियत्रण-आसन के पार झुका। ईंधन प्रवाह-सूचक मीटर दो सौ गैलनं प्रति घण्टा के चिह्न तक आ गये थे।

डैन प्रापेलर-नियंत्रण-यंत्रों के साथ खेलता रहा; यद्यपि 'सिनक्रास्कोप" काफी स्थिर थे, तथापि चारों इंजिनों में अभी तक एक ऐसी आवाज हो रही थी, जिससे वह परेशान था। कुछ ऐसे विमान-चालक भी थे, जो इस आवाज की तनिक भी परवाह नहीं करते; इसको समाप्त करने के लिए जो अतिरिक्त ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता थी, उतना ध्यान केन्द्रित करने का कष्ट वे मुश्किल से उठाते, किन्तु डैन उस किस्म का विमान-चालक नहीं था और वह जानता था कि सलीवन भी वैसा नहीं है। यदि बाद में सलीवन वहाँ पहुँच कर 'प्रापेलरों' को ठीक कर दे, तो यह डैन के लिए निन्दा की एक बात होगी। वह कहेगा तो कुछ नहीं, किन्तु वह सोचेगा कि डैन में विवरणों के प्रति लापरवाही दिखाने की प्रवृत्ति है। और लापरवाह विमान-चालक पेशे के लकड़बग्घे होते हैं। वे अपनी तथा अपने यात्रियों की हत्या करने के लिए प्रख्यात हैं।

कुछ मिनट बाद सलीवन को इस बात का सन्तोष हो गया कि अब विमान ऊँचे उठ रहा है। वायु-गति-सूचक यंत्र १७८ मील प्रति घण्टे की रफ्तार बता रहा था। इससे उसे प्रसन्नता हुई। वह नियंत्रण-चक्र को अभी तक कोमलता के साथ पकड़े हुए था। उसने अपनी कमीज की जेब से एक छोटा गोल 'स्लाइड रूल' निकाला और 'डिस्कों' को विमान की ऊँचाई और बाहर की हवा के

तापमान के अनुसार बनाते हुए उसे पता चला कि वास्तविक गति १९५ मील प्रति घण्टा थी। अब वह विमान के कार्यकलाप के सम्बन्ध में ध्यान-मग्न नहीं रह गया था। वह आगे बढ़ा और स्वयं-चालन यंत्र के मुट्ठों को ठीक किया। उसने इसे चालू किया और सिगरेट जलाने के लिए पीछे बैठ गया।

"क्या यहाँ आप लोगों में से कोई काफी का एक प्याला चाहता है?" स्पाल्डिंग अचानक सलीवन और डैन के पीछे आकर खड़ी हो गयी थी। उसका आगमन इतना आकस्मिक और बिना चेतावनी के था कि इसके पहले कि उनमें से कोई भी व्यक्ति अपना ध्यान उड़ान पर से हटा सके, एक क्षण व्यतीत हो गया। उड्डयन-कक्ष (Flight deck) में किसी लडकी का खड़ा होना कुछ-कुछ अस्वाभाविक-सा था क्योंकि उड्डयन कक्ष एक कठोर स्थान होता है, जहाँ केवल धातुएँ, यंत्र और कण्ट्रोल ही होते हैं, जो केवल अत्यन्त तर्कसंगत विचार को ही सहन कर सकता है। इन परिस्थितियों में किसी लड़की में भूमि की अपेक्षा अधिक स्त्रीत्व ही दिखायी दे सकता है; उसकी कोमलता इतनी अधिक स्पष्ट हो गयी कि उससे परेशान करनेवाली व्यग्रता उत्पन्न होने लगी। जहाँ तक स्पाल्डिंग का प्रश्न था, उसके इत्र की सुगंध ने उस स्थान पर पूर्ण रूप से अधिकार कर लिया, जहाँ केवल चमड़े और हाइड्रालिक तेल की ही गन्ध विद्यमान थी। उड्डयन कक्ष में उसकी उपस्थिति का विमान-कर्मचारियों पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा। भूमि पर उन्होंने एक प्रकार से स्पाल्डिंग की उपेक्षा ही की थी, किन्तु अब उनकी भावभंगिमाएँ अतिरंजित तथा उनके स्वर अधिक सजीव हो गये। 'ऐस्ट्रोडोम' से नीचे आनेवाला सूर्य के प्रकाश का स्तम्भ उसके सिर और कन्धों के चारों ओर एक स्वर्णिम पट्टी का निर्माण कर रहा था; यहाँ तक कि सलीवन ने भी इतनी लम्बी आह भरी कि वह सुनायी पड़ गयी। हाबी ने यौवन की अतिशयता के एक क्षण में अपना सिर घुमाया और धातु के छड़ों को दाँत से काटने का बहाना करने लगा।

"स्पाल्डिंग"– डैन रोमन ने गम्भीरतापूर्वक कहा–"तुम्हारी जैसी सुन्दर लड़की इन थकी हुई आँखों ने गृह-युद्ध के बाद से नहीं देखी है।"

"मैं जानती हूँ. . .उस समय आप एक संघीय गुब्बारा उड़ाते थे।"–उसने हँसते हुए कहा।

"नहीं, ऐसी बात नही है। मैं स्पेनिश गृह-युद्ध की बात कर रहा हूँ, प्रिये। इस बूढ़े डैन के लिए एक प्याला बिना दूध की काफी ले आओ।"

"मेरी में क्रीम और शक्कर मिला देना।" –सलीवन ने कहा।

"मै काफी बनाने में तुम्हारी सहायता करूँगा।" – हाबी ने उत्सुकतापूर्वक प्रस्ताव किया। उसने अपने छड़ को छोड़ दिया और कर्मचारियों की केबिन की ओर जाने लगा।

"तुम्हारे विभाग में सब लोगों का क्या हाल है ?" –सलीवन ने पूछा।

"वे सभी प्रसन्न है. . . किन्तु एक व्यक्ति बड़ा विचित्र है।"

"वह फिर आ गया ?"

"विचित्र व्यक्ति ? मेरे साथ कम से कम एक तो सदा ही आ जाता है। यह देखिये।" उसने सुनहला 'लाइटर' सलीवन के हाथ में थमा दिया। उसने जिज्ञासा-पूर्वक उसकी जाँच-पड़ताल की और तत्पश्चात् उसे डैन की ओर बढ़ा दिया। फिर उसने कहा–"कीमती है। कहाँ मिला तुम्हें यह?"

"यह मुझे फर्श पर एक विचित्र छोटे आदमी की बगल में मिला, जो कहता है कि यह उसका नही है।"

"वह एक ऐसा व्यक्ति प्रतीत होता है, जो यदि इस प्रकार की वस्तु को खो दे, तो उसे पुन: पाने में प्रसन्नता का अनुभव करेगा।"

"मै भी यही सोचती हूँ। मैं जब उसके पास पहुँची, तब वह सिगरेट पी रहा था । फिर भी, उसने सबसे पहले मुझसे दियासलाइयाँ माँगीं।"

"हो सकता है कि उसने रगड़ से आग उत्पन्न कर ली हो!"–हाबी ने कहा। उसे इस बात से निराशा हुई कि उसके कथन पर कोई भी व्यक्ति हँसा नहीं।

"उसने कहा कि यह मेरा नहीं हो सकता, क्योंकि मै विवाहित ही नहीं हूँ।"

"हो सकता है कि वह विवाहित रहा हो।"

"मैंने देशान्तरवास-सम्बन्धी कागज-पत्रों को देखा और वहाँ उसने अपने को विवाहित बताया था।"

सलीवन ने विचार-मग्न होकर थोड़े समय तक यंत्र-पटल (Instrument Panel) की जाँच की। उसने स्वयं-चालन यंत्र की रडर की मुठिया को घुमाया और उस समय तक घुमाता रहा, जब तक चुम्बकीय कम्पास ठीक ५१ अंश का संकेत नही देने लगा।

"मुझे ऐसा लगता है कि वह कोई विचित्र व्यक्ति न होकर एक भेड़िया है। वह किसी चीज के पीछे पड़ा है। सम्भवत: वह चीज तुम्हीं हो।"

"यह नहीं है। अपने अल्पकाल में ही मुझे अनेक भेड़ियों का सामना करना

काफी दे चुकने के बाद स्पाल्डिग ने एक सिगरेट सुलगाया। आधा पी चुकने के बाद उसन उसे कागज के उस प्याले में मसल दिया, जो लियोनार्ड के लिए राख झाड़ने की तश्तरी का काम देता था। धूम्रपान करना उसने अभी हाल में ही प्रारम्भ किया था और इसके लिए वह पहले से ही दुख प्रकट करने लगी थी। उसने सोचा कि यह एक झंझट का काम और एक गन्दी आदत है — इससे दांत गन्दे हो जाते है और जी ऊब जाता है। उसने अपने सिगरेटों के पैकेट को जान-बूझ कर उड़ान-कक्ष में छोड़ दिया और संकल्प किया कि यात्रा के शेष भाग में वह उसके बारे में नही सोचेगी।

अपने यात्रियों के पास लौटने से पूर्व वह कर्मचारियों के कमरे में लगे हुए आइने के सामने रुकी और जल्दी-जल्दी अपनी सूरत का उसने निरीक्षण किया। उसने एक बिखरे हुए बाल को ठीक किया और तत्पश्चात् अपने दाँतों की जाँच करने के लिए होठों को खोला। हाँ, धूम्रपान के कारण दाँत गन्दे होने लगे थे। यह एक घृणित बात थी। वह दृढ़ता से काम लेगी और कभी सिगरेट छुएगी नहीं।

वह अपने होठों को बन्द ही कर रही थी कि शीशा कांप उठा। उसका चेहरा पूर्णतः अस्त-व्यस्त हो गया, मानो वह स्वच्छ जल के किसी सरोवर में झुक कर अपना चेहरा देख रही हो और किसी ने उसमें पत्थर फेंक दिया हो। यह विमान के सामान्य प्रकम्पन से भिन्न एक तीव्र थरथराहट थी। फिर भी, यह इतनी शीघ्रता से समाप्त हो गयी कि वह यह निश्चय नहीं कर सकी कि वास्तव मे उसने इस प्रकम्पन का अनुभव किया था। उसने धीरे-धीरे कहा— "शीशा भी विरोध कर रहा है।" वह इतने मन्द स्वर में बोली कि उसकी आवाज की वास्तविक ध्वनि इंजिनों द्वारा निरन्तर की जाने वाली आवाज मे डूब गयी।

वह केबिन के मुख्य द्वार की ओर मुड़ी। वह अभी तक आइने की ही बात सोच रही थी। यह एक मूर्खतापूर्ण विचार था। वह पहले सैकड़ों बार शीशे में देख चुकी थी. . . . और शीशे ने कभी आपत्ति नही की थी। और क्या उसके तलवों के नीचे निश्चित रूप से धक्का नही लगा था, मानो किसी ने नीचे से उन पर थप्पड़ मारा हो ? यदि वास्तव में ऐसी बात हुई थी, तो क्या उसे सलीवन को इस विषय में बता देना चाहिए ? किन्तु इसका विमान के साथ क्या सम्बन्ध हो सकता है ? सलीवन को जब शीशे के सामने उसके खड़े होने के कारण का पता लगेगा, तब वह हँसे बिना नहीं रहेगा।

स्पाल्डिग ने अपने कन्धों को हिलाया और मुख्य केबिन में प्रविष्ट हुई।

उसके लिए इस बात का कोई अर्थ नहीं था कि आइना विमान के 'प्रोपेलरों' की ठीक सीध मे था।

"वह कौन-सी ऐसी बात है, जिसके लिए तुम चिल्ला रही हो, नेल?" मिलो बक ने अपनी पत्नी से पूछा— "कसम से. . .मुझे तो इन आँसुओं के लिए कोई कारण नहीं दिखायी देता।" वे केबिन में पहली सीटों पर बैठे हुए थे और इस प्रकार सबसे अलग थे। केवल वह कड़ी भूरी मूछों वाला व्यक्ति ही उनके समीप था, जो विमान के दूसरी ओर अकेले बैठा हुआ था। "कसम से, नेल. . . . . . .क्या मैंने कोई ऐसी बात कही है या कोई ऐसा काम किया है, जिसके कारण तुम्हारी आँखें छलक उठी है ?" उसका एकमात्र उत्तर एक हल्की साँस थी जिसके पश्चात उसने जल्दी से अपनी साँस रोक ली। उसने सोचा कि वह (नेल) उसके उन पुराने गर्म छड़ो के समान है, जो सिरों के ठीक हुए बिना ही चालू हो जाने का प्रयत्न करते है, किन्तु उसने इस बात का उल्लेख न करने का निर्णय किया। आप इस बात को कभी नहीं जान सकते कि नेल की प्रतिक्रिया क्या होगी, क्योंकि वह संसार की अन्य किसी भी महिला से पूर्णतया भिन्न थी! वह किसी पुरुष की भाँति बर्फ पर फिसल सकती थी और तैर सकती थी तथा अपनी माँ के समान भोजन पका सकती थी। इस सब से बढ़ कर वह चतुर भी थी। फिर, केश-विन्यास करने वाले की थोड़ी-सी सहायता से ही उसके केश सुनहले हो जाते थे और उन तिलों के अतिरिक्त, जो नेल के चेहरे पर नितान्त आकर्षक लगते थे, उसका चेहरा पुरुष के चेहरे के समान था। उसका स्वभाव भयंकर था और कभी-कभी वह क्रोधाभिभूत होकर सभी दिशाओं में दौड़ने लगती थी, हाँ—किन्तु उस समय उसे शांत करने का तरीका यह था कि उसकी कमर को पकड़ कर एक अच्छी खासी कुश्ती के लिए उसे फर्श पर गिरा दिया जाय। कभी-कभी इसमें बड़ा जोर लगाना पड़ता था, क्योंकि उसके उन कन्धों के साथ उसे पछाड़ना कोई सरल कार्य नहीं था; किन्तु परिणाम सदा ही उल्लेखनीय होता था। कुछ मिनटों के इधर-उधर के बाद वह सदा हँसना प्रारम्भ कर देती थी और अन्त में दया की भीख माँगने लगती थी। उस समय आप हाँफते होते तथा उत्तेजित भी होते और यदि आस-पास कोई दूसरा व्यक्ति नहीं होता, तो अन्तिम दृश्य सदा एक ही प्रकार का होता। नेल रूखेपन से बहुत दूर थी और यदि आप उसकी पकड़ में हों, तो वह इस पकड़ को जाने देना पसन्द नहीं करती थी, किन्तु अभी वह ऐसे रो रही थी, मानो 'शास्ता' बांध ही टूट गया हो।

मिलो ने अपनी सारी स्मरणशक्ति से गत दो सप्ताहों की घटनाओं पर विचार किया। उनका विवाह सान फ्रांसिस्को में हुआ, जिसकी स्मृति पहले ही धुँधली पड़ चुकी थी। विवाहोपहार के रूप में होनोलुलू की यात्रा का आश्चर्यजनक उपहार परिवारों की ओर से अन्तिम क्षण प्राप्त हुआ था और और नेल के लिए ठीक-ठीक कपड़े प्राप्त करने मे इतनी अधिक दौड़-धूप की आवश्यकता पड़ी थी कि समारोह का एक प्रकार से सामञ्जस्य ही स्थापित करना पड़ा था, किन्तु नेल की माँ के अतिरिक्त अन्य किसी भी व्यक्ति के लिए इसका कोई बहुत अधिक महत्व नहीं था, क्योंकि नेल यदि अन्त में श्रीमती बक न बन गयी होती, तो प्रत्येक व्यक्ति को आश्चर्य होता, इससे अधिक कुछ नहीं। अब यह सब हो चुका था और नेल प्रथम बार रो रही थी और यह बहुत ही परेशानी में डालने वाली बात थी। इससे आदमी में निस्सहाय होने की भावना आ जाती है, क्योंकि इसके लिए कोई कारण ही नहीं था।

"जरा सुनो, नेल... समझ से काम लो। हमने एक-दूसरे को वचन दिया था कि हम कोई बात छिपायेंगे नहीं, याद है ? यदि मैंने कोई गलत काम किया हो, तो बताओ और मैं सफाई देने की कोशिश करूँगा।" यह बड़ी परेशानी में डालने वाली बात थी। मान लीजिये कि गलियारे की दूसरी ओर सोया हुआ आदमी जग जाय और नेल को इस तरह से रोता हुए देख ले, अथवा स्टीवार्डेस या विमान-चालक ही आ जायं—वे सोचेंगे कि तुम अपनी पत्नी को गालियाँ दे रहे हो। पत्नी ! इस शब्द का अभ्यास करना पड़ेगा ! "इसे बन्द करो, नेल।"
"मै ... मैं कोशिश कर रही हूँ। मै कर नहीं पाती... बस।" उसकी सांस पुनः अटक गयी और मिलो ने अपना रूमाल उसके हाथ में दे दिया। उसने बड़ी नजाकत से नाक साफ की और अपनी आँखों को पोंछने का प्रयत्न किया।

"थोड़ा पानी लोगी क्या नेल ?"

"नहीं.... नहीं धन्यवाद। समाप्त हो गया... बस समाप्त हो गया ... बस और कुछ नहीं।"

"क्या समाप्त हो गया ?"

"हमारी मधु-यामिनी... क्या तुम्हारे लिए इसका कोई महत्व नहीं है ?"

"निश्चय ही मेरे लिए इसका महत्व है... किन्तु अगले बारह घण्टों के लिए यह वास्तव में समाप्त नहीं हुई है... और जहाँ तक मेरा सम्बन्ध है, वह कभी समाप्त नहीं होगी।"

"ओह, मिलो —"

उसने निर्णय किया कि उसे मौन ही रहना चाहिए। उसने कुछ अच्छी बात कही थी और वह पुनः ठीक हो गयी थी। बहुत अच्छा, नेल ! यह मौन उपचार है।

"मिलो. . . मैं डर गयी हूँ। बिल्कुल डर गयी हूं, और कोई बात नहीं है। यह पहला अवसर हैं, जब मैंने इसके बारे मे काफी देर तक सोचा है।"

उसने मौन उपचार का परित्याग कर देने का निर्णय किया और बोला–"अच्छा सोचना बन्द करो। तुम डर किस बात से गयी हो ? सारा संसार हमारे सामने हैं !"

"बिल्कुल यही बात है..." उसे पूरी सांस लेने में पुनः कष्ट का अनुभव होने लगा था।

"क्या बिल्कुल यही बात है ? जहाँ तक मैं जानता हूँ, तुम किसी भी महिला की अपेक्षा अधिक क्षेत्रों में बात कर सकती हो।" यह सोचने के प्रयत्न में कि अन्य महिलाओं ने किस प्रकार बात की थी, मिलो को यह जानकर विस्मय हुआ कि उसे केवल दो महिलाओं की याद थी और उनकी बातों में नेल की बातों की अपेक्षा बुद्धि का समावेश बहुत कम था। एक नैन्सी थी, जब वह सत्रह वर्ष का था और दूसरी जिजर थी, जब वह अठारह वर्ष का था– शेष समय, पूरे साढ़े चार वर्षों तक नेल के अतिरिक्त और किसी स्त्री से उसने बात नहीं की। उसने कहा–"कसम से. . . . आंशिक रूप से हमारे विवाह की सर्वोत्तम बात यह थी कि हमें एक-दूसरे से परिचित होने की आवश्यकता नहीं थी। एक-दूसरे के विषय में सभी बातों को जानने के कारण सभी बातें ढंग की बन गयीं, बस. . . . कम से कम हमने ऐसा ही सोचा था, है न यही बात ?"

"ओह मिलो. . . . . बात इतनी ही है कि हम इतने जवान है और. . जैसा कि तुम कहते हो, हमारे सामने सारा संसार है और इससे मुझे डर लगता है, क्योंकि हमें उसका सामना करना ही पड़ेगा।"

"हे भगवान ! क्या इसी के लिए तुम जोर-जोर से रो रही हो ?"

"यह पर्याप्त है. . .."

"मैं २२ वर्ष का हूँ ! हमारे पास रहने के लिए कमरा है और बैंक में पचास डालर बचे हुए हैं।. . . कसम खुदा की, हमें किस बात के लिए रोने की आवश्यकता है ?"

"तुम्हारे पास कोई काम भी तो नहीं है. . . .. !"

मिलो ने कृत्रिम निराशा से अपने हाथ पसार दिये। "काम ! काम क्या

होता है ? क्यों, मुझे लाखों काम मिल सकते है।"

"कैसे.... ?"

"बस जाओ और काम के लिए कहो, और कुछ नहीं। बस किसी दिन प्रातः-काल सचमुच सवेरे उठो, किसी मसखरे से जाकर मिलो और कहो कि देखो, तुम्हें अपने संगठन में मिलो बक की आवश्यकता है, बस इतना ही।"

"ओह, सच......"

"बात क्या है ? क्या तुम्हें मुझ में विश्वास नहीं है ? मै सोचता हूँ कि हम लोग लाखों बार इस विषय पर बात कर चुके है।"

"निश्चय ही मुझे तुम पर विश्वास है। मुझे केवल बाहर के लोगों के बारे में चिन्ता है, और कुछ नहीं।"

"कौन से बाहर के लोग ? तुम फिर चक्कर में फँस रही हो।"

"संसार के लोग। वे तुम्हें उतना नहीं जानते, जितना मैं जानती हूँ। मान लो कि मै गर्भवती हो जाऊँ और तुम्हारे पास कोई काम न हो ?"

"तुमसे गर्भवती होने की आशा नहीं की जाती।" मिलो की आवाज मे चिन्ता की झलक थी।

"किन्तु मान लो कि मै हो जाऊँ—"

"बहुत अच्छा ; बहुत अच्छा ! तुम गर्भवती हो और घर में खाने के लिए कुछ भी नहीं है.... और मेरे पास कोई काम नहीं है... और बाहर बर्फ गिर रही है ... और शेरिफ द्वार खटखटा रहा है..."

"ओह, मिलो... मेरे कहने का मतलब यह नहीं था।" उसने उसके हाथ को अपने हाथ में लेकर अपने वक्ष पर रखा और दबाया, मानो वह इससे शक्ति ग्रहण करेगी। उसने शीघ्रतापूर्वक अपना सिर झुकाया और उसके हाथ को चूम लिया। उन्होंने अपने शरीरों को एक-दूसरे के और अधिक निकट कर लिया और खिड़की के बाहर देखने का बहाना करने लगे। उसने रोना बन्द कर दिया था और उसकी आँखे सूख गयी थीं, जब मिलो ने अन्त में लगभग कानाफूसी के-से मन्द स्वर में पूछा।

"क्या तुम.... ?"

"मैं क्या हूँ ?"

"गर्भवती ?"

"मैं...? हा-हा !" वह चहचहाने लगी, मानो उसके हर्ष के रहस्य का पता कभी नहीं लगेगा। "नहीं.. नहीं ! तुम्हें यह विचार कहाँ से सूझ गया ?"

मिलो कराह उठा। गर्दन मोड़कर देखा और यह देख कर कि गलियारे के पार का व्यक्ति अभी तक सोया हुआ था, उसने अपनी दूल्हन के मुँह को जल्दी से अपने मुँह से ढँक दिया।

जिस शीशे के सामने स्पाल्डिग ने धूम्रपान करने के लिए अपने आप को कोसा था, उससे दस फुट छः इंच आगे की ओर डैन रोमन को अपने बैठने के स्थान पर एक आकस्मिक धक्के का अनुभव हुआ। वर्षों के अभ्यास से उसके शरीर का यह भाग किसी भी विमान में अल्पतम कम्पन का भी अनुभव कर लेने का अभ्यस्त हो गया था। अन्तः प्रेरणा से उसका सिर उसकी पार्श्ववर्त्ती खिड़की की ओर अनायास मुड़ गया और कई सेकंडों तक उसका सारा शरीर जड़वत्, पूर्णतया निस्पन्द बना रहा, जिस प्रकार कोई अत्यन्त प्रशिक्षित शिकारी कुत्ता किसी गन्ध के सम्बन्ध में निश्चय न कर पाने पर खड़ा रहता है। किन्तु केवल एक ही प्रकम्प हुआ था – अथवा क्या वास्तव में कोई कम्पन हुआ भी था या नहीं ? अपने सामाजिक दायित्वों के समक्ष नतमस्तक हो कर सलीवन अनिच्छापूर्वक यात्री-केबिन मे चला गया था। अब हाबी उसके स्थान पर बैठा था और यदि उसने किसी कम्पन का अनुभव किया था, तो भी उसने इसका कोई संकेत नही दिया। वह नवयुवक था और उस उड़ान में पूर्णतः तल्लीन होकर वहाँ अत्यन्त विश्वासपूर्वक बैठा था। डैन अपने पीछे लियोनार्ड की ओर देखने के लिए मुड़ा। उसने अपनी गणनाओं से ऊपर नजर उठा कर देखा भी नहीं था।

डैन ने सोचा कि मै बूढ़ा और डरपोक बनता जा रहा हूँ। गारफील्ड का यह कहना ठीक ही था– बहुत अच्छा, डैन, आगे बढ़ो तथा और किसी बात के लिए नहीं, तो अपने को विश्वास दिलाने के लिए ही कुछ यात्राओं पर जा कर आजमाइश कर लो। इससे तुम्हें अथवा हमें कोई हानि नहीं हो सकती, बल्कि इससे तुम्हें बहुत अधिक लाभ होगा. . . . किन्तु मैं बाजी लगाकर कहूँगा कि वास्तव में तुम इसे पसन्द नहीं करोगे। नहीं, मित्र, तुम नहीं पसन्द करोगे क्योंकि यद्यपि मैं इस बात को ज़बान पर लाने से नफरत करता हूँ, तथापि तथ्य यह है कि तुम पुराने होते जा रहे हो और तुम देखोगे कि अनेक चीजें तुम्हें छोड़कर आगे बढ़ चुकी हैं और मैं दूसरी बार बाजी लगा कर कहता हूँ कि तुम दो महीनों के ही भीतर मेरे पास आओगे और कहोगे, धन्यवाद, मैं भर पाया। जहन्नुम में जाय यह सब !

हाँ। तुम्हारे विश्वास की धार कुण्ठित होती जा रही है। डैन रोमन अब

सलीवन अथवा हाबी व्हीलर अथवा दूसरों में से किसी के भी समान नहीं रह गया था। इसका केवल एक कारण था। ५३ वर्ष फिर भी ५३ वर्ष होते हैं। और इसलिए अब कोई जोश नही रह गया था। यह वृद्धावस्था की कल्पना मात्र थी। वे इसे कायरता कहते है। हे मरियल पुराने टट्टू, अब किसी चरागाह की ओर देखना प्रारम्भ कर।

उसके शरीर मे जो तनाव आ गया था, वह धीरे-धीरे शान्त और समाप्त हो गया। उसने विचारमग्न होकर सीटी बजाना प्रारम्भ कर दिया।

६

डोनाल्ड फ्लैहार्टी ने जब अपनी अंगुलियों के बीच से देखा कि बक-दम्पति के सिर एक-दूसरे से सटे हुए हैं, तब उसे राहत मिली। अब नींद का बहाना करना आवश्यक नहीं रह गया था। नींद ? यह क्या चीज होती है ? अनाका के विस्फोट के बाद से ही वास्तव में उसने नींद का अनुभव नहीं किया था। उसे वास्तविक नींद का अनुभव अब दोबारा कभी नहीं होगा। रहस्य का निरीक्षण करने के बाद तो कभी नही। रहस्य, रहस्य.... प्रत्येक वस्तु इतनी रहस्यमयी है। शीघ्र ही, रहस्य के बावजूद, जीना ही एक रहस्य बन जायगा। भाड़ में जाय प्रत्येक व्यक्ति और भाड़ में जाय उसकी आत्मा। और सबसे अधिक भाड़ में जायँ वे प्रतिभाशाली व्यक्ति, जिन्होंने रहस्य का निर्माण किया था। उन्हें उन्हीं के नरक में भून डालो, जला डालो। रक्षा ! जहन्नुम में जाय रक्षा। मनुष्य की रक्षा स्वयं मनुष्य से करने का कोई मार्ग ढूंढ़ निकालना एक चमत्कार होगा। और आप केवल इतने ही समय तक शराब के नशे में डूबे हुए रह सकते हैं—यदि आप को रहस्य का ज्ञान हो। हे भगवान, जगत के साथ खेलने के कारण तारे मितव्ययिता के साथ जलने लगे और इस कारण वे अरबों वर्षों तक कायम रहते हैं; किन्तु मनुष्य इस प्रकार की छोटी भट्ठियों से सन्तुष्ट नहीं है। उसे अणु-भंजन करना है और प्रक्रिया को उलटने के मार्ग में ठोकर खा कर गिर पड़ना है। हीलियम को अब उदजन में परिणत किया जा सकता है, बुरा हो

इसका, और विज्ञान उन्मत्त होकर वास्तव मे खुशियाँ मना रहा है। और डोनाल्ड फ्लैहार्टी, जो अन्य किसी भी व्यक्ति के समान गर्भ से बाहर निकला था, शेष व्यक्तियो के समान ही अपराधी था। शोकाभिभूत ईसा मसीह! विज्ञान ने अब एक नया प्रतीक चिह्न (Coat of Arms) अर्जित कर लिया है और डोनाल्ड फ्लैहार्टी उसकी डिजाइन तैयार करेगा। रक्त मे सने हुए दैत्यों से पटे हुए क्षेत्र पर उमड़ कर फैलते हुए और कल-कल करते हुए एक सोते का चित्र बनाना कैसा रहेगा? नहीं. . . . भूल जाओ कि तुमने कभी नियंत्रित प्रक्षेपास्त्र (Guided Missile) के विषय मे सुना था और पुनः कुहरे से आच्छादित पर्वतों, संध्या-समय टहलते हुए किसानो और जंगलों में चरागाहों का चित्र बनाना प्रारम्भ कर दो। कसम खाओ कि तुम ऐसा करोगे और प्रक्षेपास्त्र के सम्बन्ध में भूल जाओगे।

एक आदमी ने अपने जीवन के अधिकांश भाग में काम किया तथा भौतिक विज्ञान एवं 'एलेक्ट्रानिक्स' में अपना दिमाग खपाया, शोध-निबन्ध लिखे और सम्मानित हुआ। जब आपको 'एलेक्ट्रानिक्स' के विषय मे कुछ कहना होता, तब अनेक व्यक्ति, जिनके नामों के साथ अनेक अक्षर जुड़े होते, आपकी बातों को सम्मान के साथ सुनते थे। अभी कुछ ही वर्ष पहले इतनी योग्यता होने पर किसी अच्छे विश्वविद्यालय में स्थान मिल जाया करता था, वर्ष मे पांच हजार वेतन मिलता था, शिष्ट निर्धनता रहती थी और अन्त में मन्द गति से जीवन चलता रहता था। यह एक सुन्दर, सुखद चित्र था; किन्तु अब इसे प्राप्त करना उतना सरल कार्य नही रह गया था।

आयोग ने आपको भोजन के लिए निमंत्रित किया और अकस्मात् ऐसे वेतन का उल्लेख किया, जिसे सुन कर कोई भी प्राध्यापक आश्चर्य से मुह बाये बिना नही रह सकता। और यात्रा? ओह, व्यय सहित यात्रा, निश्चय ही, सब कुछ प्रथम श्रेणी का, जब तक आप थोड़ा-सा समन्वय का काम करते रहें। अन्त में इस संसार में एक समृद्ध प्राध्यापक जैसा एक विचित्र और असम्भव पशु पैदा हो गया था—ऐसे बहुत से—और उसका अधिकांश भाग करों का भुगतान करने में चला जाता था। निश्चय ही, कहने के लिए आकाश सीमा थी– निश्चय ही सीमा। लक्ष्य था आकाश को, अथवा उसके कुछ भागों को उड़ा देना। और रहस्य! श-श-श। एक भी दयालु, सुन्दर मानव प्राणी को रहस्य का पता नहीं लगना चाहिए। एक विशेष गुप्त बिल्ला लीजिये और लुक-छिप कर एक गुप्त स्नानागार में चले जाइये, जहाँ कुछ लोगों के कथनानुसार

अनुचित दृष्टिकोण के सकेतो के लिए अभागे विद्वानों के मल का अध्ययन किया जाता था। अब उन्हें आपके दृष्टिकोण का पता चल गया था।

"हम महसूस करते है कि आप बहुत अधिक परेशान रहे हैं, प्रोफेसर फ्लैहार्टी, और हमें इस बात का अत्यन्त दुख है कि आपकी कोटि के एक व्यक्ति के लिए हमारे प्रयासों के साथ सहानुभूति प्रकट करना, प्रत्यक्षतः, असम्भव सिद्ध हो रहा है.......इन परिस्थितियों में आपके लिए अमरीका लौट जाना ही वांछनीय प्रतीत होता है... और आपको सावधान करने की आवश्यकता मुश्किल से है।" प्रशान्त महासागर के मध्य में मूगे के एक सुन्दर चित्ताकर्षक द्वीप मे बैठ कर बांझ मस्तिष्कों वाले वे व्यक्ति इसी प्रकार बोले थे। वे नील सरोवर की ओर कभी नहीं देखते थे, वे सांध्यकालीन वायु का सेवन करने के लिए बैठे हुए मार्शल द्वीप के निवासियो की गपशप मे निहित कोमल रागिनी को कभी नहीं सुनते थे, रात्रिकाल मे दिशा की खोज करते हुए पक्षी की करुण पुकार को वे कभी नही सुनते थे। बे इन सबको उड़ा डालने की योजनाएँ बनाने में अत्यधिक व्यस्त थे। वे इन्हे तोपों से उड़ाने की योजनाएँ नहीं बना रहे थे, विमानों से उड़ाने की योजनाएँ भी नहीं बना रहे थे, जिससे प्रेम का अथवा मानवीय साहस कहे जाने वाले गुण का कोई चिह्न अवशिष्ट रहे। यह नियत्रित प्रक्षेपास्त्र था, जो विनाश का सर्वाधिक अवैयक्तिक और अमानवीय अस्त्र था। यह एक ऐसा अस्त्र था, जिसकी कल्पना इससे पूर्व मानव प्राणियों ने कभी नही की थी। और उनके कार्य में कोई त्रुटि नही थी, लेश मात्र भी त्रुटि नहीं— धन्यवाद है डोनाल्ड फ्लैहार्टी को।

हाँ, उन्होने एक गलत आदमी को चुन लिया है। अब से एक रंग का डिब्बा और चित्रपट ही उसके जीवन की एकमात्र अभिरुचि होगी।

जब सलीवन लम्बे गलियारे में से होकर गुजर रहा था, तब उसे इस बात का पता था कि अधिकांश यात्री उसकी ओर देख रहे हैं। इससे उसे परेशानी का अनुभव हो रहा था। सदा ऐसा ही होता था, किन्तु वह इस बात का विश्लेषण करने में असमर्थ था कि यात्री अपने विमान-चालक के प्रति सदा इतनी अधिक उत्सुकता का प्रदर्शन क्यों करते हैं और उसकी ओर इस प्रकार घूर कर क्यों देखते है, जैसे वह करतब दिखाने वाला कोई भालू हो। वे पढना बन्द कर अथवा बातचीत को बीच मे ही बन्द कर उसकी ओर देखने लगते और तब तक देखते रहते, जब तक वह चला नहीं जाता; मंजे हुए विमान-यात्रियों में भी उस व्यक्ति की उपेक्षा करने की क्षमता नहीं प्रतीत होती, जो उनके

विमान को चलाता था। वह जानता था कि बहुत कम विमान-चालक इस छोटे दृश्य से आनन्द का अनुभव करते हैं। सलीवन का विश्वास था कि वे उत्सुकता को गलती से प्रशंसा की भावना मान बैठते हैं और धीरे-धीरे अपनी कल्पना सामाजिक व्यक्तित्वों— विक्रय-विभाग की एक पंखयुक्त शाखा— के रूप मे करने लगते हैं। उनमें से कुछ किसी विमान की उड़ान से सम्बन्धित अत्यन्त जटिल बातों को समझाते हुए केबिन में काफी समय व्यतीत कर देते हैं। सलीवन जानता था कि यह कार्य उसके लिए अथवा अधिकांश विमान-चालकों के लिए नहीं था। वह केबिन मे केवल इसलिए जाता था कि कम्पनी ने इसके लिए अत्यन्त तर्क-संगत ढंग से अनुरोध किया था। यदि उन्होंने अभियान का नेतृत्व किया होता, तो वह उन्हें जहन्नुम मे चले जाने के लिए कह देता। उड्डयन-जीवन के सम्बन्ध में जो अच्छी चीजें थीं, उनमें से यह एक थी। जब तक वह उड़ान-विषयक अपने वास्तविक कर्त्तव्य के पालन से विमुख न हो जाय अथवा प्रत्येक छः महीने बाद होनेवाली शारीरिक परीक्षा मे अनुत्तीर्ण न हो जाय, तब तक उसे काम से हटाना कम्पनी के लिए बहुत ही कठिन कार्य होगा। एक पुरानी कहावत थी— "परमात्मा तुम्हारा एक मात्र मालिक है।" दुर्भाग्यवश ऐसे अवसर आते ही रहते थे, जब यह कहावत अत्यधिक सत्य प्रमाणित होती थी और निश्चय ही जीने के लिए उड्डयन का पेशा अपनाने की तृटियों मे से एक तृटि थी— अथवा क्या यह उड्डयन के लिए जीना था ?

सलीवन कभी निश्चयपूर्वक नहीं जान सका था कि अपने चुने हुए कार्य को क्या समझा जाय। उसे इस बात का धुधला-सा ज्ञान था कि यदि उसे किसी कार्यालय मे काम करना पड़ता, जैसा कि उसका भाई उतने ही वर्षों से कर रहा था जितने वर्षो से वह विमान उड़ा रहा था, तो उसे बहुत ही कष्ट का अनुभव होता; किन्तु जिन थोड़े-से व्यक्तियों ने सलीवन से कहा था कि तुम उड़ान से प्रेम करते हो अथवा अपने ठोस व्यवहार के बावजूद तुम बहुत ही बेचैन व्यक्ति हो, उन्हें वह सामान्यतः अपना यह प्रिय उत्तर देता—"मैं इस बात की परवाह नही करता कि मुझे फिर जमीन छोड़नी पड़ेगी।" कभी-कभी ऐसे अवसर आते थे, जब वह केवल एक ओर की उड़ान करने के विषय में सोचने लगता, जिससे उसकी पत्नी वेण्डी और उसकी पुत्री के लिए पर्याप्त जीविका की व्यवस्था हो सके। अब एक दूसरा बच्चा आनेवाला था और थोड़ी-सी सावधानी से काम लेने पर विमान-चालन से उसके पालन-पोषण

की भी व्यवस्था हो सकती थी। फिर भी, यहाँ भी कतिपय दण्डों की व्यवस्था थी। अनेक विमान-चालकों के परिवारों की भाँति सलीवन-परिवार भी बीमे के कारण निर्धन था। बीमा की पालिसियों का भुगतान करने के कारण सलीवन-परिवार के लिए अपनी आमदनी के अनुरूप जीवन-यापन करना असम्भव था, बीमा-कम्पनियाँ उचित दर पर यात्रियों का बीमा करने के लिए पूर्णतया तैयार रहती थीं, किन्तु बीमा-गणित-विभागों द्वारा विमान-चालन का पेशा कोयले की खान में काम करने के पेशे से भी अधिक खतरनाक समझा जाता था। यह तुलना एक एजेण्ट ने की थी, जिसने हाल में ही सलीवन को एक नयी पालिसी बेचने का प्रयास किया था। इस तुलना से सलीवन क्रुद्ध हो गया था। फिर भी, उसने एक बार दोबारा अपने न्यून-से बैंक खाते को लगभग समाप्त कर दिया था और पालिसी को खरीद लिया था। ऐसा हो ही जाता था।

अपने जीवन में सलीवन को दो बार एक 'मित्र' के रूप में किसी की पत्नी के पास जाकर विमान-स्थल की ओर से यह बताना पड़ा था कि वह विधवा हो गयी है...... "श्रीमती– हमारे पास आपके लिए एक बहुत ही बुरा समाचार है।" वेण्डी को भी इसी प्रकार का एक समाचार प्राप्त होने की तथा विमान कम्पनी के अधिकारियों एवं पत्रकारों की अनिवार्य प्रतिद्वन्द्विता की कल्पना सलीवन सदा किया करता था। घर पर इस विषय की चर्चा को सावधानीपूर्वक सदा टाल दिया जाया करता था, किन्तु वह जानता था कि जब-जब वह यात्रा के लिए प्रस्थान करता था, तब-तब वेण्डी के मन में इसी प्रकार के भय उत्पन्न होते थे।

वह पार्डी-दम्पत्ति की बगल में खड़ा हो गया। स्पालिंडग ने जो वर्णन किया था, उसके बाद गुस्ताव पार्डी के शिकारी कुत्ते के समान चेहरे के सम्बन्ध में कोई भूल नहीं हो सकती थी। वह ठीक उनके सामने कुर्सी की बाँह पर बैठ गया और अपनी वर्दी वाली टोपी को अपने सिर पर थोड़ी-सी पीछे की ओर सरकाया। उसने अपने एक पाँव को दूसरे पाँव पर रख लिया और बोला, "कहिये...."

"हलो!"– लिलियन पार्डी ने कहा, जब कि उसका पति दुखपूर्ण ढंग से मुस्कराया और अपनी कुर्सी में मुड़ गया। सलीवन सोचने लगा कि यदि वह गुस्ताव पार्डी के न्यूयार्क-स्थित कार्यालय में गया, तो उसका स्वागत किस प्रकार किया जायगा। उसने इस व्यक्ति तथा इसके अत्यधिक व्ययमूलक उत्पादनों के सम्बन्ध में वर्षों तक पढ़ा था। यदि उन समाचारों में सत्य का

लेश मात्र भी विद्यमान था, तो वह एक असाधारण दूरदर्शी निर्माता था और सम्भवतः एक सप्ताह में ही उससे अधिक धन कमा लेता था, जितना धन सलीवन एक वर्ष में कमाता था, किन्तु अब उसकी आँखों में भ्रान्ति व्याप्त थी। सलीवन ने सोचा कि वह एक ऐसा व्यक्ति है, जो वास्तव में अपने वास्तविक स्वरूप में इस समय नही है। उसने स्वयं को इस बात का स्मरण दिलाया कि यदि उसे टाइम्स स्क्वेयर के मध्य मे छोड़ दिया जाय, तो इसमें सन्देह नहीं कि वह भी इसी प्रकार अनुभव करेगा।

"आपका हाल-चाल कैसा है ?"

गुस्ताव पार्डी को उक्त प्रश्न को ग्रहण करने में कठिनाई का अनुभव हुआ। उसे बोलने मे एक क्षण लगा और जब वह बोला, तब सलीवन को उसके स्वर एवं उसके अस्त-व्यस्त बाह्य स्वरूप के बीच विरोधाभास को देख कर आश्चर्य हुआ। स्वर सशक्त और मोटा था। वह ऐसी तेजी के साथ और लड़खड़ाते हुए बोल रहा था, मानो उसके जबड़े और मुँह की मांसलता के लिए उसके मस्तिष्क की प्रखर ज्वाला के साथ-साथ चल सकना असम्भव सिद्ध हो रहा हो।

"धन्यवाद, कप्तान...हम बिल्कुल ठीक हैं, किन्तु साफ बात यह है कि मैं सोचता हूँ कि यदि हमने नाव से यात्रा की होती, तो अधिक अच्छा होता। एक बार मैंने पेरिस से मेड्रिड तक वायुयान द्वारा यात्रा की थी और उस समय मैंने शपथ खायी थी कि फिर ऐसा नहीं करूँगा। अब मैं सोचता हूँ कि यदि मुझे अपनी वह शपथ याद रहती, तो अधिक अच्छा होता; किन्तु मेरे ख्याल से अब तो पीछे लौटने के लिए बहुत विलम्ब हो गया है।"

"मुझे दुख है, श्री पार्डी, कि आप ऐसा अनुभव कर रहे हैं। आप को किस बात का कष्ट प्रतीत होता है ?"

"यह ऊँचाई पहाड़ी बकरों के लिए है।"

"मैं निश्चयपूर्वक कह सकती हूँ कि मेरे पति का आशय किसी प्रकार का व्यक्तिगत आक्षेप करना नहीं है, कप्तान!"—लिलियन पार्डी ने हल्के-से हास्य के साथ कहा। सलीवन ने कल्पना की कि पार्डी की पत्नी नाटक-जगत् में भी अत्यन्त सुन्दर समझी जाती होगी, किन्तु उसके केशों के रंग की उत्तेजक श्यामलता उसे अस्वच्छ-सी प्रतीत हुई। वह ऐसी नारी को अधिक पसन्द करता था, जो सूर्य के प्रकाश में सर्वाधिक सुन्दर दिखायी दे।

"मै आप से कुछ पूछना चाहता हूँ, कप्तान"—गुस्ताव ने कहा और अब यह

स्पष्ट था कि वह वार्तालाप को यथासम्भव अधिक से अधिक मैत्रीपूर्ण बनाने के लिए लालायित था– "अन्य मानव-प्राणियों की भावनात्मक प्रतिक्रियाओं में रुचि रखना मेरा व्यवसाय है। मै कल्पना करता हूँ कि आपने पहले भी यह यात्रा की है। क्या आप कभी-कभी तनिक भय का अनुभव नहीं करते?"

गुस्ताव की पीली आँखे सलीवन की आँखों की तलाश करने लगीं और इस कारण सलीवन हिचकिचा गया। यह एक बहुत ही चतुर व्यक्ति था; सलीवन की आशा से भी अधिक चतुर। उसे मूर्ख नहीं बनाया जा सकता अथवा उसके सामने झूठ नही बोला जा सकता।

"मैंने इस प्रकार की लगभग दो सौ यात्राएँ की है और मैं अपनी कार चलाने की अपेक्षा यहाँ बहुत अधिक सुरक्षित होने का अनुभव करता हूँ। किसी भी उड़ान का सब से खतरनाक भाग विमानस्थल तक और विमानस्थल से यात्रा का होता है।"

"आप बात टाल गये, कप्तान। आपने मेरे प्रश्न का उत्तर नही दिया।" गुस्ताव ने एक भौंह को सीधा किया और अपनी अंगुलियों के सिरों को एक दूसरे से पुटकाया, मानो वह सलीवन के अपने मानसिक अनुसंधान में अन्ततोगत्वा आनन्द प्राप्त करने लगा हो। "क्या आप मुझे बताइयेगा कि यहाँ ऊपर हवा में आपने वास्तव में कभी भय का अनुभव नही किया?"

"...नहीं। सम्भवत: मैने किया है...एक या दो बार।"

"किसी चीज से? अब आइये..ईमानदारी से काम लीजिये और मुझे ठीक-ठीक बताइये कि आप को किस चीज ने भयभीत किया।" सलीवन ने खिड़की से बाहर देखा और कुर्सी की बाँह पर उद्विग्नता में मुड़ गया। उसने अपनी टोपी को और पीछे सरकाया और कामना करने लगा कि उसे उड्डयन-कक्ष में ही रह जाना चाहिए था। यह परिस्थिति तो डैन रोमन को सीटी बजाते हुए सुनने से भी अधिक बुरी थीं। वह निश्चय ही गुस्ताव पार्डी को उस समय की बात नहीं बताने जा रहा था, जब वायुयान मे 'हाइड्रालिक' आग लग गयी थी और सारा विमान धुएँ से इतना अधिक भर गया था कि उड्डयन-कक्ष के दूसरे ओर मुश्किल से कुछ दिखायी देता था। जब कम्पनी ने यह अनुरोध किया था कि कप्तानों को यात्रियों के साथ अच्छे सम्बन्ध स्थापित करने चाहिए, तब उसके ध्यान में ठीक-ठीक यही बात नहीं रही होगी। न वह उसे गत वर्ष के उस भयंकर तूफान के बारे में ही बतायेगा, जिसने ठीक इसी प्रकार के एक विमान को इतनी बुरी तरह से झकझोर डाला था कि उसकी एक मुख्य धुरी

ही टूट गयी थी, किन्तु पार्डी अभी तक अपनी अंगुलियो को पुटका रहा था और आशा के साथ उत्तर की प्रतीक्षा कर रहा था।

"वे यांत्रिक घटनाएँ थी. . . . मै नही सोचता कि यदि मैं समझाऊँ, तो आप उन्हें ठीक-ठीक समझ सकेंगे।"

"मै पूर्ण रूप से समझता हूँ, कप्तान। आप भयभीत तो हो ही गये थे—इसके ठीक-ठीक कारणों का वास्तव मे कोई महत्व नहीं है. . . . आप इस बात से भयभीत थे कि आप अपने जीवन की सम्पूर्ण अवधि तक नहीं पहुँच पायेगे और इस समय मै ठीक इसी विचार से संत्रस्त हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं यहाँ से निकटतम किनारे तक तैर कर नहीं जा सकता।"

"आपको तैरना नहीं पड़ेगा, श्री पार्डी।"

"मुझे इस बात का विश्वास किस प्रकार हो सकता है ? मान लीजिये कि आपकी मोटरो मे से एक काम करना बन्द कर दे ?"

"यदि आगामी कुछ घण्टों के भीतर ऐसा हुआ, तो हम पीछे मुड़ पड़ेगे और पुनः होनोलुलू लौट जायेंगे। ये विमान तीन इंजिनों से भी बहुत ही अच्छी तरह से चलते है। मुझे सन्देह है कि आपको इस बात का पता लग भी पायेगा कि हम ने एक इंजिन को बन्द कर दिया है। यदि ऐसा हमारे अप्रत्यावर्त्तन-विन्दु के बाद हुआ, तो भी हम सान फ्रासिस्को की ओर जाना जारी रखेगे। ऐसी स्थिति में हमारी गति मे कमी हो जाने के कारण हमारे आगमन मे एक घण्टे का या उससे कुछ अधिक का विलम्ब हो सकता है।"

"मान लीजिये कि आपकी दो मोटरे और अधिक श्रम करने से इनकार कर दे ?"

इस प्रकार के प्रश्न से सलीवन अपेक्षाकृत अधिक परिचित था और उसका उत्तर तैयार था। "प्रत्येक इंजिन दूसरे से स्वतंत्र है, श्री पार्डी। एक ही उड़ान मे दो इंजिनो के खराब हो जाने की आशंका इतनी कम होती है कि हम उस पर मुश्किल से सोच-विचार करते हैं, किन्तु यदि लाखों बार में एक बार होने वाली यह बात हो भी जाय, तो भी हम उड़ान को जारी रख सकते हैं. . .हम बहुत नीचे और बहुत मन्द गति से उड़ेंगे, किन्तु अपने गन्तव्य स्थान पर तो पहुँच ही जायेंगे।"

"आप बहुत ही सान्त्वनादायक हैं, कप्तान. . . किन्तु मुझे इतनी अधिक विमान-दुर्घटनाओं के समाचार पढ़ने को क्यों मिलते हैं ?"

"मेरा अनुमान है कि समाचार-पत्रों की यह धारणा है कि पाठक ऐसे समा-

चारों को पढ़ना अधिक पसन्द करते हैं। वे किसी विमान-दुर्घटना के महत्व के सम्बन्ध में सदा अतिशयोक्ति से काम लेते हैं।"

"यदि मैं किसी विमान-दुर्घटना मे फँसा, तो मेरे लिए तो उसका अत्यधिक ही महत्व होगा।"

"आप नहीं फँसेंगे, श्री पार्डी। निश्चिन्त होकर अपनी उड़ान का आनन्द लीजिये।" सलीवन खड़ा हो गया। मध्यमार्ग के उस पार बैठी हुई गोरी महिला ने उसे नयनों के इंगित से बुलाया था और यद्यपि यात्रियों के साथ और अधिक वार्तालाप करने की उसे अब तनिक भी इच्छा नहीं रह गयी थी तथापि कम से कम उसके साथ निपटना गुस्ताव पार्डी से मोर्चा लेने की अपेक्षा अधिक सरल होगा।

"जाने से पहले केवल एक बात और सुन लीजिये, कप्तान!"—गुस्ताव पार्डी ने शीघ्रतापूर्वक कहा— "अब हम तट से कितनी दूर हैं?"

"लगभग तीन सौ मील।"

"तो हमे दो हजार मील जल को और पार करना है?"

"यदि इस बात से आप की तबीयत कुछ अधिक अच्छी हो सके तो. . ." सलीवन ने इच्छा से अधिक तीखेपन से उत्तर दिया और इसके लिए वह तत्काल दुखी हुआ। उसने बात को सम्हालते हुए कहा—"यदि इस बात से आपकी तबीयंत कुछ अधिक अच्छी हो सके, तो जान लीजिये कि हमारे मार्ग में दो तटवर्ती रक्षक-केन्द्र हैं। जब हम उनके पास से होकर गुजरते हैं, तब वे हमें मौसम का नवीनतम विवरण तथा हमारी स्थिति के सम्बन्ध में निरीक्षण कर के हमे बताते हैं।"

"क्या वे सदा वहाँ रहते हैं?"

"दिन मे चौबीस घण्टे. . . वर्ष में प्रत्येक दिन।"

"यदि हमें उतरने के लिए विवश होना पड़ा, तो क्या हम उनके पास उतर सकते हैं?"

"हाँ।" सलीवन के स्वर में पुनः आक्रोश की झलक आ गयी। जहन्नुम में जाय पार्डी और उसके निराशा-भरे प्रश्न। वह अभी तक विमान को पानी में डुबा देने की कामना किये जा रहा था। स्पाल्डिग को उसे नींद की टिकिया देनी चाहिए अथवा उसके सिर पर प्रहार करना चाहिए। "हाँ, हम उनमें से किसी की भी बगल में उतर सकते हैं. . . . किन्तु मैं ऐसी कोशिश नहीं करने वाला हूँ। मैं विमानस्थलों को अधिक पसन्द करता हूँ, श्री पार्डी।"

सलीवन ज्यों ही पार्डी-दम्पति से दूर हटा, त्यों ही उसे अपने व्यवहार पर दुख होने लगा। उसे कोंच-कोंच कर एक ऐसी स्थिति मे डाल दिया गया था, जिसमें उसने एक यात्री को उड़ान के विषय मे प्रायः पूर्ण सत्य बता दिया था। यह आत्म-नियंत्रण को तिलांजलि दे देने के तुल्य था और इससे कोई भी लाभ नहीं होने वाला था। निश्चिय ही एक इजिन के खराब हो जाने पर विमान उड़ता रहेगा, किन्तु यदि केवल दो इजिन काम कर रहे हो, तो उसका उड़ना किसी काम का नही होगा। भार को कम करने के लिए उसे पेट्रोल गिराना पड़ेगा और विमान को, अन्ततोगत्वा, समुद्र से कुछ सौ फुट ऊपर ही उड़ना पड़ेगा और शेष दो इंजिनों को इतनी ऊँचाई पर उड़ने का प्रयत्न करने के लिए भी अपनी सारी शक्ति लगा देनी पड़ेगी। वे प्रायः अधिकतम शक्ति से उड़ेगे और इस प्रकार उन पर जो अतिरिक्त दबाव पड़ेगा, उसकी सहायता से शायद वे सम्भवतः तट के निकट पहुँच जायँगे, बशर्ते कोई पुर्जा खराब न हो जाय—किन्तु उनके तट के निकट पहुँचने से पूर्व सलीवन पसीने से सराबोर हो जायगा। अथवा अतिरिक्त दबाव के कारण तीसरा इंजिन भी जवाब दे सकता है और तब पार्डी को निश्चय ही तैरने का अवसर मिल जायगा। यदि कोई भी व्यक्ति बहुत देर तक बेकाम बैठा रहे और किसी विमान के साथ होने वाली समस्त दुर्घटनाओ के सम्बन्ध मे, चाहे उनकी आशंका कितनी भी कम क्यों न हो, सोचता रहे, तो उसे संकट में फँसना पड़ सकता है।

सामान्यतः सलीवन ने प्रत्यक्षतः अकेली यात्रा करने वाली किसी महिला यात्री की बगल में बैठने के निमंत्रण को स्वीकार नही किया होता। इससे अनेक प्रकार से संकट में फँसने का खतरा रहता था और यदि आप वास्तव मे बैठ जायँ, तो वार्तालाप को समाप्त करना सदा ही कठिनतर कार्य होता था, किन्तु इस महिला के आग्रह में एक भिन्न ही प्रकार की बात थी। जिस समय उसने कहा—"क्षमा कीजियेगा, कप्तान . . . मैं केवल कुछ मिनटों के लिए आप से बात करना चाहती हूँ", उस समय उसके स्वर के दीनतापूर्वक भाव के कारण वह अपना ही नियम भंग करने के लिए बाध्य हो गया।

उसने बेचैनी के साथ कहा—"मैं केवल कुछ मिनट ही दे सकता हूँ.. उसके बाद मुझे काम पर जाना होगा।" उसने उसकी आँखों में देखने की कोशिश की और फिर दूर देखने लगा। इस सुन्दर महिला मे कुछ गड़बडी थी, उसके गहरे बनाव-सिंगार के पीछे ऐसी कोई चीज छिपी हुई थी जिसके कारण प्रायः तत्काल ही उसके ऊपर एक भारी और निराशापूर्ण प्रभाव पड़ा। वह पुनः उसकी

ओर नही देखना चाहता था। अतः उसने अपने हाथों का अध्ययन किया। उसकी आयु सम्भवतः पैंतीस वर्ष से अधिक नहीं थी – सलीवन जानता था कि वह ऐसी बातो का जानकार नहीं है–फिर भी, उसका चेहरा बहुत अधिक आयु वाली किसी महिला के चेहरे की भाँति भारी और लटका हुआ था। वह अत्यधिक व्यग्र थी और वह आशा कर रहा था कि उसे उड़ान की सुरक्षा के विषय पर एक दूसरा व्याख्यान नहीं देना पड़ेगा।

"मुझे भय है कि मै आपको परेशान करने जा रही हूँ, कप्तान!"–उसने कहा।

"मेरा ख्याल है कि... मेरे लिए आज का दिन ही ऐसा है।"

"मेरा नाम सैली मैकी है। मै 'पैन अमेरिकन' कम्पनी के लिए रिजर्वेशनों मे काम किया करती थी।"

"बहुत सुन्दर। मुझे प्रसन्नता है कि आपने हमारे साथ यात्रा करने का प्रयत्न करने का निर्णय किया।" कम से कम, उड्डयन-सम्बन्धी व्याख्यान करने की तो अब कोई सम्भावना नहीं थी। यदि वह 'पैन अमेरिकन' के लिए काम किया करती थी, तो उसे इन बातों के बारे में ज्ञान होना ही चाहिए।

"क्या इस विमान से बाहर निकलने के दो मार्ग नहीं है... एक उधर आगे से, जिधर से आप तथा विमान के शेष कर्मचारी बाहर निकलते हैं?"

"हाँ... जब हम सान फ्रांसिस्को पहुँचते हैं, तब हम सामान्यतः उसी मार्ग से बाहर निकलते हैं। अपने सामान के साथ इस मार्ग से बाहर निकलने में थोड़ी आसानी होती है।"

"क्या मैं उस मार्ग से विमान से बाहर निकल सकती हूँ.. आपके तथा विमान-कर्मचारियों के साथ?"

"अच्छा... लेकिन यह तो बताइये कि आप ऐसा क्यों करना चाहती हैं?"

"कृपा कीजिये... यह मेरे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है....."

सलीवन किसी निश्चित उत्तर की तलाश में भटकता रहा। उसने अनेक विचित्र प्रार्थनाएँ सुनी थीं, किन्तु यह एक नयी ही प्रार्थना थी। वह अपने हाथों की रेखाओं में दिलचस्पी लेने का बहाना और अधिक समय तक नहीं कर सकता था और इसलिए वह उससे आँखें मिलाने के लिए बाध्य हो गया। उसे यह देख कर विस्मय हुआ कि वे आँखें अश्रु-पूरित हो चली थीं।

"मैं... मैं नहीं सोचता कि यह आपके लिए व्यावहारिक होगा। वे हमारे लिए जो सीढ़ी देते है, वह यात्रियों की सीढ़ी की भाँति नहीं होती... वह बहुत ही ढालुवाँ होती है। आप को चोट लग सकती है और कम्पनी–"

"मैं जानती हूँ कि आप क्या सोच रहे हैं और आपका सोचना केवल आंशिक रूप से सही हैं। हाँ. . .सान फ्रांसिस्को में कोई मुझसे हवाई-अड्डे पर मिलने आ रहा है और मैं इस मुलाकात से बचना चाहती हूँ. . किन्तु यह मुलाकात पुलिस से नहीं होने वाली है. . . न किसी ऐसे व्यक्ति से ही होने वाली है, जिसके कारण आप संकट में फँस जायें।" उसने अपनी आँखों को मुँह पोछने के कागज के एक टुकड़े से पोंछा और सलीवन ने इस बात के लिए कृतज्ञता व्यक्त की कि आँसू जिस आकस्मिकता के साथ आये थे, उसी आकस्मिकता के साथ वे सूख भी गये प्रतीत होते थे।

"ऐसा. . . ऐसा हो ही नहीं सकता।" उसे इस यात्रा में केबिन में कभी आना ही नहीं चाहिए था। कोई व्यक्ति विमान चलाने और यात्रियों के झुण्ड की सेवा-शुश्रुषा करने के दोनों कार्यों को नहीं सम्पन्न कर सकता। यह स्पाल्डिंग का काम था।

"देखिये कप्तान. . ." वह अपने ठसाठस भरे हुए बटुए को जल्दी-जल्दी तलाश करने लगी और एक क्षण की खोज के बाद, किसी पत्रिका से फाड़े गये एक पृष्ठ को निकाला। जहाँ उसे मोड़ा गया था, वहाँ वह इतना अधिक घिस गया था कि सलीवन के हाथों में आते ही वह प्रायः दो टुकड़े हो गया। उसने इस पृष्ठ को पहचान लिया। यह 'पैन अमेरिकन एयरवेज' की गृह पत्रिका का एक पृष्ठ था। लड़कियों के अनेक चित्र थे उसमें। वे सभी नवयुवतियां थीं और काफी आकर्षक। सबसे ऊपर एक अति मोहक गोरी लड़की का चित्र था। चित्र के नीचे जो परिचय लिखा हुआ था, उसमें लड़की को सैली मैकी–१९४१ के लिए प्रशांत सागर विभाग गोल यात्रा पुरस्कार को जीतने वाली–बताया गया था। सलीवन को चित्र और अपनी बगल में बैठी हुई महिला के मध्य तनिक भी समानता नहीं दिखायी दी।

"भ्रम में पड़ गये, कप्तान. . . . ?"

"हाँ. . . . नहीं, यह आप हैं।"

"इतनी पैनी दृष्टि रखने के लिए आप को धन्यवाद। यह मैं ही थी. . . . बारह वर्ष पूर्व।"

"वाह. . . बहुत सुन्दर।" सलीवन ने महसूस किया कि उसकी गरदन लाल हो रही है। उसने पृष्ठ को इस प्रकार लौटाने का प्रयत्न किया, जिससे यह न प्रतीत हो कि वह उसे दूर हटा रहा है।

"मुझ में साहस नहीं रह गया है, कप्तान।" उसका स्वर अकस्मात् मन्द

एवं कोमल हो गया। "दो वर्ष पूर्व अमरीका में एक व्यक्ति ने उस चित्र को देखा। उसने कम्पनी की मार्फत मेरे पास पत्र भेजा और चूंकि वह एक बहुत ही बढ़िया पत्र था और चूंकि मैं भयंकर रूप से अकेली थी, इसलिए मैंने उस पत्र का उत्तर दे दिया। यह शुरूआत थी। हमने दो वर्षों तक पत्र-व्यवहार किया...और पिछले महीने मैंने उससे विवाह करना स्वीकार कर लिया। मैं उसे यह बताने का अवसर कभी नहीं पा सकी कि जिस समय वह चित्र प्रकाशित हुआ, उस समय वह आठ वर्ष पुराना हो चुका था। मैं उसे बता नहीं सकी। जिस समय हम लोग होनोलुलू से रवाना हुए, उस समय तक मैं अपने को यह कह कर सान्त्वना देती रही कि सब कुछ ठीक हो जायगा। अब मैं जानती हूँ कि ऐसा नहीं होगा। कृपया, समझिये, कप्तान... मैं अपने कष्टों से आपका मन नहीं उबाना चाहती, किन्तु इस स्वप्न ने मुझे दो वर्षों से अधिक समय तक होश-हवाश में रखा है। मैं जानती हूँ कि मैं एक झंझट में फँस गयी हूँ और वह जितना सोचता है, उसकी अपेक्षा मेरी आयु बहुत अधिक है।"

"तो आप उससे कभी मिले बिना ही रवाना हो जाना चाहती हैं...?"

"हाँ..। हम लोगों के स्वप्न को मैं नष्ट नहीं करना चाहती।" उसने अपना हाथ सलीवन के हाथ पर रख दिया। "कृपया समझिये..."

"क्या आपके पास उसका कोई चित्र है?"

उसने अपने बटुए से एक नवयुवक का चित्र निकाला। वह एक लम्बरजैक कमीज, बूट और ब्रीचेज पहने हुए था। यद्यपि उसने चश्मा पहन रखा था और उसके केश काफी पतले थे, फिर भी सलीवन को निश्चय था कि उसकी आयु तीस वर्ष से अधिक नहीं हो सकती।

"उसका नाम लारसिन है और वह 'पैसिफिक गेस एण्ड इलेक्ट्रिक' कम्पनी के लिए जंगल में गश्त लगाने का काम करता है।" — उसने कहा।

"मेरा अनुमान है कि उसके पास पत्र लिखने के लिए बहुत अधिक समय है....क्योंकि उसके पत्र सदा ही बहुत सुन्दर होते थे।"

सलीवन ने फोटो लौटा दिया और अपने स्थान से उठ गया। "आप जिस बात की माँग कर रही हैं, वह ठीक-ठीक मेरे अधिकार-क्षेत्र में नहीं है, कुमारी मैकी। मुझे इस प्रश्न पर कुछ समय तक सोचने का अवसर दीजिये। मैं आपको सूचित करूँगा।" अभिवादन में उसने अपनी टोपी का स्पर्श किया और शीघ्रता-पूर्वक गलियारे से होता हुआ उड्डयन-कक्ष की ओर चला गया।

सलीवन ने सोचा कि वह सुरक्षित रूप से उड्डयन कक्ष के द्वार पर पहुँच

गया है कि इतने मे ही उसने सुना कि एक व्यक्ति उसको पुकार रहा है। वह पीछे मुड़ा और केन चाइल्ड्स के पास पहुँच गया।

"हलो, श्री चाइल्ड्स। मुझे खेद है कि मैंने पहले आपको नही देखा। आपको पुन: विमान पर देख कर प्रसन्नता हुई।"

"धन्यवाद।" उसने सतर्कतापूर्वक एक सिगरेट अपने लम्बे 'होल्डर' में रखी। "मेरी दृष्टि किसी चीज पर पड़ी है और जब तक मुझे उसके सम्बन्ध में पता नहीं चल जायगा, तब तक मुझे सन्तोष नहीं होगा... वहाँ दरवाजे पर लगी हुई विमान-कर्मचारियों की सूची...क्या आपका प्रथम अफसर बूढ़े डैन रोमन का पुत्र है? डैन आपके समय से कुछ पहले था, किन्तु आपने उसके विषय मे सुना तो होगा ही।"

"नहीं महाशय, वह असली डैन रोमन है।"

"क्या वह अभी तक इस पेशे में है?" केन चाइल्ड्स को थोड़ा अविश्वास हुआ।

"बिल्कुल।"

"मुझे विश्वास नहीं होता।"

"अधिकांश व्यक्ति जीवन भर में जितना सीख पायेंगे, उससे अधिक वह उड्डयन के सम्बन्ध में भूल चुका है।" सलीवन को अपने स्वर में निहित असन्दिग्ध गर्व की भावना पर आश्चर्य हुआ। "क्या आप उसे जानते हैं, श्री चाइल्ड्स?"

"जानता हूँ...?" केन चाइल्ड्स ने खिड़की के बाहर देखा। उसने अपनी सिगरेट पर एक लम्बी कश ली। फिर उसने अपनी ऑंखे प्राय: बन्द कर ली और बाहर निकला हुआ धुआँ बादल की भाँति उसके सिर के चारों ओर एकत्र हो गया। "हाँ...हम एक दूसरे को काफी अच्छी तरह से जानते थे। यदि बाद में उसे समय मिले, तो आप उससे कह दीजियेगा कि वह आकर मुझसे मिल ले।"

"जरूर। मै उससे कह दूंगा।"

"अच्छा..हमारी यात्रा कैसी चल रही है?"

"मैं अभी जाँच करने ही जा रहा था। हमने लगभग चार सौ मील की दूरी तै कर ली होगी।"

"काफी अच्छा है। तट पर मौसम कैसा है?"

"स्पष्ट बात यह है कि उतना गर्म नहीं है।" केन चाइल्ड्स जैसे यात्रियों को

सूचना देना प्रसन्नता की बात थी। आप सत्य बात बता सकते हैं।

"मैं आपके कल्याण के लिए कामना करता रहूँगा।"

उन्होंने एक-दूसरे की ओर दृष्टि-निक्षेप किया और सलीवन दरवाजे की ओर बढ़ गया। केन चाइल्ड्स तब तक अपने स्थान से नही हिला, जब तक उसकी उपेक्षित सिगरेट की राख झड़कर उसके पतलून पर नही गिर पड़ी। उसने राख को झाड़ा और पुनः खिड़की के पार बादलों की ओर घूर-घूर कर देखने लगा। वह एक विफलता के बारे में सोच रहा था। वह सोच रहा था कि किस प्रकार कभी-कभी एक छोटी-सी पराजय किसी मनुष्य की प्रसन्नता को समाप्त कर सकती है—जब कि वह मनुष्य, असतर्कता से, दूसरे कामों मे फँसा होता है।

वास्तव मे यह कोई विफलता नही थी। 'दी चाइल्ड्स हाक' नामक विमान अपने समय को देखते हुए— १९३४ की दृष्टि से—वास्तव में एक बढ़िया विमान था। वह एक अच्छा नौसेनिक युद्धक विमान बन सकता था, किन्तु १९३४ का समय ऐसा नहीं था, जब नकद रकम से भरी हुई तिजोरी के बिना किसी भी बात में सफलता मिल जाती। चाइल्ड्स एयरक्राफ्ट, ओहियो का एक कारपोरेशन, जिसका प्रधान कार्यालय और फैक्टरी क्लीवलैण्ड में हो . . . यह एक मजाक था. . . वहाँ केवल एक कार्यालय था, जो एक भूतपूर्व केशकर्त्तनालय के पीछे २१ फुट लम्बा और २१ फुट चौड़ा एक कमरा था. . और फैक्टरी मजाक की एक दूसरी बात थी क्योंकि उसमे विमानों की जगह भाड़े की थी. . . चाइल्ड्स एयरक्राफ्टस कभी एक स्वस्थ अध्यवसाय नहीं रहा। उसके पीछे उत्साह और आशाएँ तो बहुत थीं—धन बहुत कम। दो इंजीनियरों, चार मिस्त्रियों और एक सेक्रेटरी को यदि आधा वेतन भी मिल जाता था, तो वे अपने को सौभाग्यशाली समझते थे। चाइल्ड्स एयर-क्राफ्ट का अध्यक्ष भाड़े के एक सजे हुए कमरे मे रहता था और अपने कपड़े स्वयं धोता था. . . . इस कार्य में उसे मार्था की सहायता और परामर्श प्राप्त होते थे। उन दिनों मार्था सब कुछ थी—प्रायः सब कुछ; सेक्रेटरी, विश्वास-पात्री, अपने नवयुवक स्वामी के वस्त्रो की निरीक्षिका और जब चाइल्ड्स की व्यवस्था निराशाजनक रूप से बिगड़ जाती थी, तब उसे ठीक करने वाली और उत्साह दिलाने वाली। उस समय वह केवल उन्नीस वर्ष की थी और चाइल्ड्स एयरक्राफ्ट से सम्बन्धित किसी भी व्यक्ति की अपेक्षा अधिक बुद्धि रखती थी। जब उसका अल्प वेतन कम पड़ता था, तब वह सीधे और साफ-

साफ कह देती थी कि मैं अध्यक्ष से प्रेम करती हूँ और मेरे लिए यही पर्याप्त है—केवल अध्यक्ष में उससे प्रेम करने की पर्याप्त बुद्धि नहीं थी। नहीं, केन चाइल्ड्स को बड़ा आदमी बनना था। उस समय छोटा मार्था-परिवार काफी अच्छा नहीं था, यद्यपि वे अब इतने अच्छे है कि तुम उनके योग्य नहीं हो। अतः देखिये कि आखिर यह सब हुआ किस प्रकार। बहुत ही थोड़े सप्ताहों के भीतर केन चाइल्ड्स विपित्ति की स्थिति से निकल कर सुख की स्थिति में पहुँच गया— अथवा क्या बात इसके विपरीत थी ? घटनाएँ इतनी तीव्र गति से घटित होती थीं. . .और जब विनोना पास रहती है, तब भी वे कितनी तीव्र गति से घटित होती हैं। विनोना को उसी विमान मे डैन रोमन के साथ उड़ान के विषय में बताना होता था, यदि सुनने के लिए काफी धैर्य उसमें होता।

विनोना मिलहासेन—जिसके पिता सीमेण्ट, एस्फाल्ट, कंक्रीट, खपरैल और अन्य अनेक वस्तुओं का व्यवसाय करते थे। ये सभी भारी वस्तुएँ थीं, विमानों की अपेक्षा बहुत भारी और डन तथा ब्रैडस्ट्रीट में जिनका अत्यधिक महत्त्व था। विनोना मुख्यतः अतिरिक्त शक्ति से मुक्ति पाने के लिए उड्डयन की शिक्षा ग्रहण कर रही थी। एक दिन उसने विमानालय में 'चाइल्ड्स हाक' को देखा और कहा कि यह सुन्दर है। उसने 'चाइल्ड्स एयरक्राफ्ट' कम्पनी के अध्यक्ष से मुलाकात की और सोचा कि वह आकर्षक है। अब मन संसार से कुछ ऊब चला है। बहुत दिनों से उसने किसी विमान की ओर कभी नहीं देखा था। उसका अधिकांश समय श्वान-प्रदर्शनियों, रेड क्रास और चन्दा एकत्र करने में ही व्यतीत हो जाता था, किन्तु क्लीवलैण्ड प्रवास के उन दिनों में वह विमानों, विशेषतः 'चाइल्ड्स हाक' की ओर अकस्मात् आकृष्ट हो गयी। उसने एक सप्ताह से भी कम समय के भीतर आपके चारों ओर जो कंक्रीट की दीवार खड़ी कर दी, उसे मार्था भी नहीं लांघ सकी।

विमान परीक्षण के लिए प्रस्तुत था। नौसेना द्वारा उसका निरीक्षण किये जाने से पूर्व परीक्षण का किया जाना अन्तिम एवं सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात थी। आप किसी बूढ़े विमान-चालक को नियुक्त कर कम्पनी की समस्त पूंजी और आशाओं के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते थे। आपको एक ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना था, जो अपने काम के बारे में पूर्ण ज्ञान रखता हो और जिसकी प्रतिष्ठा इतनी अधिक हो कि उसकी सहमति उद्योग में कुछ महत्व रखती हो। इस प्रकार के व्यक्ति केवल गुजारे की रकम लेकर परीक्षण कार्यक्रम नहीं प्रारम्भ करते। 'चाइल्ड्स एयरक्राफ्ट्स' कम्पनी जितना वेतन दे सकती

थी, उतने वेतन पर काम करने की उन्हें कोई आवश्यकता नहीं थी। अतः विनोना की बातों को सुनना सरल था।

"केन. . . तुम्हें सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति को ही नियुक्त करना है। वेतन के दिन उसे मेरे पास भेज देना और वेतन का मामला हम उस दिन ठीक कर लेंगे जब तुम्हें नौसेना का ठेका मिलेगा।" कारखाने को समाप्त कर देने अथवा सारे स्वप्न को ही चकनाचूर कर देने की स्थिति आ गयी थी। डैन रोमन से अच्छा व्यक्ति दूसरा कोई नहीं था। उसका मूल्य था चार हजार डालर प्रति मास. . . . और वह भी अग्रिम। विनोना ने उसे उतनी रकम दे दी और परीक्षण प्रारम्भ हो गया।

उन दिनों डैन एक बहुत ही विकट प्राणी था। वह सदा सीटी बजाया करता था। उसके तौर-तरीके ऐसे थे, जिनके कारण वह समाज में तथा विमान-चालक के रूप में भी ख्याति प्राप्त कर चुका था। वह प्रचार चित्र खिंचवाने के लिए उसी प्रकार सरलतापूर्वक खड़ा होता था, जिस प्रकार वह किसी विमान को सरलतापूर्वक चलाता था और ऐसा प्रतीत होता था कि उसके क्षीण एवं अनुभवी चेहरे का निर्माण फौलाद का टोप और काले चश्मे पहनने के लिए ही किया गया है। वह किसी महाराजा की भाँति धन व्यय करता था और लाल बालों वाली सुन्दरियाँ उसे औरों से अधिक प्रिय थीं। कुछ ऐसी युवतियाँ थीं, जिनके सम्बन्ध में कहा जाता था कि उन्होंने केवल डैन का साहचर्य प्राप्त करने के लिए अपने बालों को लाल रंगा लिया है। वह बढ़िया किस्म की व्हिस्की भी इतनी अधिक मात्रा में पीता था कि कोई छोटा-मोटा पियक्कड़ उसे देखकर आश्चर्य-चकित हो जाय। फिर भी, किसी ने डैन रोमन को कभी नशे में चूर नहीं देखा था। वह शराब पीकर केवल अधिक सजीव और शरारती हो जाता था। उदाहरणार्थ, एक रात उसने हठपूर्वक कहा था कि लाल बालों वाली सुन्दरी की घड़ी गलत है– क्या नाम था उसका ? ट्रेसी ! . . . हाँ ट्रेसी. . वह डैन से तीन इंच लम्बी थी और उसकी आकृति रूबेन्स की नग्न नारी-आकृतियों के समान थी।

लाल बालों वाली अन्य सुन्दरियों की अपेक्षा उसके ऊपर डैन की कृपा काफी अधिक दिनों तक बनी रही। ट्रेसी की घड़ी डैन द्वारा उपहार में दी गयी थी, किन्तु डैन के कथनानुसार वह आधे घण्टे से अधिक गलत समय बताती थी। ट्रेसी का दावा था कि घड़ी ठीक है और वह जितनी ही अधिक व्हिस्की पीती थी, उतना ही अधिक वह अपनी बात पर अटल होती जाती थी। इस विवाद

ने एक ऐसा रूप धारण कर लिया, जिसे कोई भी व्यक्ति नहीं रोक सकता था। अन्त मे डैन रोमन ने सोचा कि मुझे सिद्ध करना पड़ेगा कि किस की बात सही है।

उसने गम्भीरतापूर्वक कहा—"सुनो प्रिये. . . यह निकम्मी घड़ी गलत है और मैं तुम्हारे सामने इस बात को सिद्ध कर दूँगा !" बीस वर्ष बाद भी उसके शब्दों मे इतनी सजीवता थी कि आप को यही प्रतीत होगा कि वह घटना अभी कल रात की है । और याद रखिये कि उन दिनों किस प्रकार डैन रोमन के लिए प्रत्येक व्यक्ति, स्त्री हो या, पुरुष, 'प्यारा' होता था ?

"तुम्हारे दिमाग में गोबर भरा है।"—ट्रेसी ने कहा। ट्रेसी की जैसी प्रकृति थी, उसको देखते हुए कहा जा सकता है कि उस रात को वह बहुत ही मधुर व्यवहार कर रही थी।

"अगले महीने मैं जब-जब तुम्हें देखूँ, तब-तब तुम यदि कहो कि 'कहिये मालिक, मैं आपके आदेश की प्रतीक्षा कर रही हूँ', तो मैं बाजी लगा कर कहता हूँ कि मै तुम्हें एक सप्ताह का वेतन दे दूँगा।"

"शर्त्त स्वीकार"— ट्रेसी ने कहा।

पार्टी विमानस्थल के पार एक छोटे-से उपाहार-गृह में हो रही थी। अभी ट्रेसी यह जान भी नहीं पायी थी कि वह किस जाल मे फँस रही है कि डैन उसे एक विमानालय में ले गया और खुले 'काकपिट' वाले एक विमान में ढकेल दिया— ईश्वर की कृपा से वह विमान 'हाक' नहीं था। वह एक सर्द, अंधेरी और बरसाती रात थी, किन्तु डैन ने विमान को उड़ा ही दिया। वह यूक्लिड एवेन्यू के समीप मकानों के ऊपर तब तक विमान को उड़ाता रहा, जब तक वह टर्मिनल टावर की प्रकाश से चमकती हुई घड़ी के पास नहीं पहुँच गया। उसने अनेक बार घड़ी का चक्कर लगाया और उसकी सुइयों को तोड़ते-तोड़ते बचा। बाद में जब ट्रेसी होश में आयी, तब उसने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि वह घड़ी को 'काकपिट' में लाने का प्रयत्न कर रहा है।

"अब बताओ !" डैन ने चिल्ला कर कहा— "क्या समय है ?"

"हाँ, स्वामी ! मेरी घड़ी आधा घण्टा धीमी है।" ट्रेसी के बारे में, जिसने अन्त में ऐरी में एक नम्र, छोटे पुष्प-विक्रेता के साथ विवाह कर लिया, यह बात सदा कही जा सकती है कि वह परिस्थिति को सदैव निभाती थी। डैन ज्यों ही अंगुली से संकेत करता, त्यों ही दौड़ती हुई आती और कहती "हाँ, स्वामी"। वह दृश्य देखने योग्य होता था।

दिन में डैन केवल अपने काम से ही सम्बन्ध रखता था। उसने 'हाक' को खूब उड़ाया और उसने अपनी कुशलता तथा ज्ञान से चाइल्ड्स एयर क्राफ्ट को लाभ पहुँचाने के लिए यथाशक्ति प्रयत्न किया। तत्पश्चात् वह भयंकर दिन आया, जिस दिन वह तीसरे पहर बादलों की सैर कर नीचे आया। वे बादल भी इस समय खिड़की के बाहर दिखायी देने वाले बादलों के ही समान थे। वह धीरे-धीरे चल कर आफिस में आया और मार्था की डेस्क के किनारे पर बैठ कर सीटी बजाने लगा। उसकी आँखे कमरे को पार कर के बराबर आपकी ओर देख रही थीं।

उसने ऐसे स्वर में बोलना प्रारम्भ किया, जिससे प्रतीत होता था कि वह जो कुछ कहना चाहता है, उसे कहना वह घृणित समझता है। उसने कहा—"देखो मित्र, 'हाक' एक अच्छा विमान है... अथवा यों कहा जा सकता है कि अच्छे विमान की शुरुआत है। आपके पास कितनी पूँजी है?"

आपको उसे सत्य बात बतानी ही थी, क्योंकि मार्था भी आपकी ओर देख रही थी।

"तब मैं आपको एक परामर्श देता हूँ क्योंकि इसी के लिए आपने मुझे वेतन दिया है। गोते लगाते समय 'हाक' के पृष्ठ भाग म फड़फड़ाहट होने लगती है। यह एक बुरी बात है और इसके लिए कोई कारण नहीं होना चाहिए और दस हजार फुट से अधिक की ऊँचाई पर तो वह ऐसे चलता है, मानो मेरी परदादी चल रही हो। अनुमान है कि उसकी डिजाइन पुनः बनवाने के लिए कम-से-कम पचास हजार डालर की आवश्यकता होगी। अभी उसकी जो हालत है, उसमें तो नौसेना, यहाँ तक कि बोहेमियन नौसेना भी, उसकी ओर दूसरी बार देखना नहीं पसन्द करेगी।"

आप बहुत समय तक कोई बात नहीं कह सके। इसका आंशिक कारण यह था कि आप विनोना मिलहासेन के विषय में सोच रहे थे। सीमेण्ट के व्यवसाय में कुछ अच्छा और ठोस आकर्षण था भी।

"मेरी कामना है कि मैं आपकी और अधिक सहायता कर पाता, मित्र। अपनी हार्दिक भावना को प्रमाणित करने के लिए मैं आप से मिली हुई रकम का आधा भाग आपको लौटा दूँगा।"

आपने डैन से इस बात को भूल जाने के लिए कहा, किन्तु चाइल्ड्स एयर-क्राफ्ट का यहीं अन्त हो गया।

दो सप्ताह से कम समय के भीतर ही वह छोटी-सी कम्पनी विघटित हो

गयी और विनोना मिलहासेन विनोना चाइल्ड्स बन गयी। डैन रोमन क्षितिज मे विलुप्त हो गया। उसी प्रकार मार्था भी लापता हो गयी। उड्डयन-व्यवसाय में पुनः प्रवेश करने मे आपको प्रायः दस वर्ष लग गये। कुछ महीने पहले मार्था के साफ-सुथरे अक्षरो में लिखा हुआ एक छोटा-सा पत्र आपके कार्यालय में पहुँच गया था। यह एक उचित और अच्छा पत्र था, जिसमे आपके स्वास्थ्य के सम्बन्ध में पूछा गया था और बताया गया था कि वह अब श्रीमती ऐगन्यू बन गयी है और होनोलुलू में रहती है। अतः आपने पत्र को आधा भूलते हुए उसे दूर सरका दिया था। यह मात्र संयोग की ही बात थी कि यात्रा के लिए प्रस्थान करने के ठीक पूर्व आपकी दृष्टि पुनः उस पत्र पर पड़ गयी थी। मार्था को पुनः देख कर जितना आनन्द प्राप्त हुआ, उतना आनन्द वर्षो में नही प्राप्त हुआ था। निश्चय ही, अब वह एक लड़की नहीं रह गयी थी, किन्तु यदि समय का उस पर कोई प्रभाव पड़ा था, तो वह यह था कि उसमे और अधिक सुधार हो गया था। मार्था के साथ दो बार भोजन करने का सुख पूरी यात्रा के सुख की तुलना मे कही अधिक था। क्लीवलैण्ड-प्रवास के पुराने दिनो के विषय में चर्चा करते हुए आप अनेक बार उसके साथ दिल खोल कर हँसे थे। यह भी स्पष्ट था कि मार्था अभी तक आपके सम्बन्ध में बहुत अधिक सोचा करती है, किन्तु आप दोनों में इतनी सद्बुद्धि थी कि आपने इस बात पर कोई विचार-विमर्श नही किया कि यदि बीच में विनोना न आ गयी होती, तो क्या होता। भोजन के वे अवसर अत्यन्त सुखदायक थे और आप एक प्रकार से भोजन समाप्त होते ही उसके चले जाने को पसन्द नहीं करते थे। वह ऐगन्यू भी एक सौभाग्यशाली व्यक्ति था— केन चाइल्ड्स की अपेक्षा बहुत अधिक सौभाग्यशाली।

उसने पुनः खिड़की से बाहर देखा, क्योंकि ऊँचे बादलों की ओर देखते हुए अतीत के विचार में खो जाना अपेक्षाकृत सरल प्रतीत होता था। उसकी दृष्टि-विस्तार के कुछ भाग को इंजिनों के पंखों की लम्बाई ने अवरुद्ध कर दिया था और वह कुछ समय तक अनन्त प्रकार के बादलों के साथ-साथ निर्विघ्न रूप से चलने वाले पंखो की आकृति की प्रशंसा करता रहा। अचानक उसे इस बात का ध्यान हुआ कि एक नम्बर का इंजिन कुछ अनियमितता के साथ काम कर रहा है। पार्श्ववर्ती तेल टंकियों (Cowl flaps) के पीछे एक विभाजन-रेखा थी, जहाँ स्वयं इंजिन को झाड़ने के कक्ष (Sweeping nacelle) के साथ जोड़ा गया था। उसने इस रेखा का निरीक्षण किया और उसे इस बात का

प्रायः निश्चय हो गया कि मैंने अनेक बार इस रेखा की स्थिति में शीघ्रतापूर्वक परिवर्त्तन होते देखा है।

उसने दो नम्बर के इंजिन की ओर ध्यान दिया और नम्बर एक के साथ उसकी तुलना करने का प्रयत्न करने लगा। नम्बर दो इंजिन की रेखा बिल्कुल एक ही स्थान पर बनी रहती थी। उसने पुनः नम्बर एक इंजिन का निरीक्षण किया। अब वह भी ठीक हो गया था — नहीं ! वह देखो. . . उसमें एक प्रकम्पन आया। यह प्रकम्पन इतना सूक्ष्म था कि यदि आप उसकी ओर निरन्तर न देखते होते, तो वह आपको नहीं दिखायी देता. . . किन्तु पुन. वह प्रकम्पन आया। अब इसके बारे में कोई सन्देह नहीं रह गया। सम्भवतः उड्डयन-कक्ष में कोई व्यक्ति 'मैगनेटो' यंत्रों की जाँच कर रहा था अथवा कुछ और ही गड़बड़ी थी। कुछ भी हो, उन्हें भी इंजिनों के सम्बन्ध में ज्ञात हो ही जायगा। इंजिन-यंत्र इसी के लिए तो थे। उन्होंने सम्भवतः बहुत पहले इसकी जॉच कर ली थी और यह सोच लिया था कि चिन्ता करने की कोई बात नही है। यदि डैन आया तो आप बात-बात में उससे इसकी चर्चा कर सकते है, किन्तु निश्चय ही यह कोई ऐसी बात नहीं थी कि व्यवस्थापिका को बुलाया जाय अथवा भयभीत हुआ जाय। यात्रियों के कक्ष से विमान उड़ाना एक सार्वदेशिक आदत है, जिससे आप अभी तक अपनी यात्राओं मे सावधानीपूर्वक बचते रहे है। फिर अब क्यों इस आदत को अपनाया जाय ?

वह देखो. . . नम्बर एक इंजिन पुनः बिल्कुल ठीक हो गया था। सम्भवतः उन्होंने मिश्रण में थोड़ी-सी वृद्धि कर दी थी।

वह पुनः बादलों की ओर देखने लगा और एक बार फिर उसके सामने डैन और उसकी लाल बालों वाली हठी सुन्दरियों का चित्र उपस्थित हो गया। उसने हँसना प्रारम्भ कर दिया। पहले वह बहुत धीरे-धीरे हँसता रहा और फिर जैसे-जैसे प्रत्येक घटना का विवरण उसे याद आने लगा, वैसे-वैसे वह अधिक जोर से खिलखिलाने लगा।

"यदि बात इतनी मजेदार है, तो आप कम-से-कम किसी सहयात्री को उसमे सम्मिलित कर सकते है. . . . " वह मध्य मार्ग के पार बैठी हुई महिला को देखने के लिए मुड़ा। वह उसकी ओर मुड़ी हुई थी। उस महिला ने कहा— "मेरी तबीयत ऊब गयी है।" उसे उसकी आँखें पसन्द आ गयीं। वे आनन्द से ओतप्रोत थीं।

"कुछ नहीं. . . ." उसने असहाय होकर अपनी बाहों को पसार दिया

और कहा –"यह एक ऐसी बात है, जिसे मै किसी दूसरे को नही बता सकता। मै एक ऐसे समय के बारे मे सोच रहा था, जब हँसी बड़ी सरलतापूर्वक आया करती थी।"

"क्या अब नहीं आती ?"

"... बिल्कुल उस तरह से नहीं।"

वे अपने-अपने स्थानों से हट कर एक-दूसरे के इतने निकट आ गये कि उनके बीच में केवल मध्यमार्ग का गलियारा ही रह गया, मानो वे पारस्परिक मतैक्य द्वारा एक-दूसरे की ओर आकृष्ट हो गये हों।

"मेरा नाम मे होल्स्ट है। मै आशा करती हूँ कि आप यह नहीं सोचेंगे कि मैं छिप कर आप को देख रही थी, किन्तु यदि कोई पुरुष अपने आप हँसने लगे, तो उसे देख कर किसी भी स्त्री की उत्सुकता का जागृत हो जाना स्वाभाविक ही है।"

"मेरा नाम केन चाइल्ड्स है–मुझे तनिक भी आपत्ति नहीं है।"

स्पार्लिडग ने उन्हें एक-दूसरे की ओर अपने सिरों को झुकाये हुए देखा और कुछ समय बाद, जब केन चाइल्ड्स अपने स्थान से उठ कर मे होल्स्ट की बगल में जाकर बैठ गया, तब उसे प्रसन्नता हुई। जब यात्री अपने मनोरजन का साधन स्वयं ढूंढ लेते थे, तब उसका कार्य अधिक आसान हो जाता था।

स्पार्लिडग के ठीक आगे हम्फ्री ऐगन्यू ने भी इस स्थान-परिवर्त्तन को देख लिया। उसे इससे आश्चर्य नही हुआ। तो अब केन चाइल्ड्स सोचता है कि वह किसी दूसरे व्यक्ति की पत्नी को फँसायेगा। सम्भवतः आज रात को सान फ्रांसिस्को मे? केवल इस बार उसे सफलता नहीं मिलेगी। उसमें किसी भी प्रकार की विजय प्राप्त करने की क्षमता नहीं रह जायगी। हम्फ्री ऐगन्यू, जो मूर्ख नहीं है, इस बात का ध्यान रखेगा।

७

लियोनार्ड विल्बी ने हवाइयन द्वीप समूह और सान फ्रांसिस्को के बीच जिस मार्ग को चुना था, उससे उड़ान की असीमित क्षमता रखने वाला अनुभवी समुद्री पक्षी भी परेशान हो जाता। उसने विस्तृत प्रशान्त महासागर के पार जाने के उद्देश्य से एक ऐसा पथ निर्धारित किया था, जिसका निर्देश उसके चार्ट में प्रस्थान-स्थल और गन्तव्य स्थान के बीच एक सीधी रेखा के उत्तर में किया गया था। फिर भी, किसी पुराने कप्तान ने भी लियोनार्ड द्वारा निर्धारित मार्ग को स्वीकार कर लिया होता, क्योंकि वह यात्रा को यथासम्भव कम-से-कम समय में पूर्ण करने के उद्देश्य से निर्धारित किया गया था। उस मार्ग को "नार्थ डाग" कहा जाता था। उसने इस मार्ग से यात्रा करने में उत्तर-पश्चिमी हवाओं का लाभ उठाने की आशा की थी, क्योकि उड़ान के उत्तरार्द्ध में इन हवाओं के चलने की भविष्यवाणी की गयी थी। जिस प्रकार लियोनार्ड के चमकती हुई पालिश वाले काले जूतों के नीचे हजारों मील तक फैले हुए महासागर में अन्य किसी स्थान पर कोई संकेत-स्थल नहीं था, उसी प्रकार न तो "नार्थ डाग" कहे जाने वाले मार्ग पर और न सीधी रेखा वाले मार्ग पर कोई संकेत-स्थल था।

दैत्याकार बादलों के निर्माण की सराहना में अपने मस्तिष्क और आंखों को विश्राम देने के अतिरिक्त उड्डयन-कक्ष की खिड़कियों से दिखायी देनेवाले दृश्य में उसकी तनिक भी रुचि नहीं थी। विमान-निर्देशन की दृष्टि से समुद्र उत्तरी सागर अथवा तस्मान सागर हो सकता था और जो बादल दिखायी दे रहे थे, वे मौसम की मौज के अनुसार ग्रीनलैण्ड के ऊपर अथवा अफ्रीका के गोल्ड कोस्ट के ऊपर हो सकते थे। अतः उसने अपने को क्षितिज के पार बहुत दूर से प्राप्त समाचारों का विश्लेषण करने तक ही पूर्ण रूप से सीमित रखा। लियोनार्ड ने बाद में जो अनुसन्धान किये, उनके फलस्वरूप वह विमान की घण्टे-घण्टे की स्थिति को चार्ट में सूक्ष्म त्रिभुजों की श्रृंखला में अंकित करने लगा। ये त्रिभुज "नार्थ डाग" के मार्ग पर कदम रखने के लिए रखे गये पत्थरों के समान प्रतीत होते थे। विमान यद्यपि विशाल था, तथापि उसे जिन तत्वों का

सामना करना पड़ा रहा था, उनके साथ उसका अनुपात किसी गगनचुम्बी अट्टालिका में प्रयुक्त समस्त लोहे के मुकाबिले मे एक अल्पतम लौह-खण्ड के अनुपात से भी कम था। फिर भी, लियोनार्ड अपनी मेज पर शांत होकर बैठा था और जिन तथ्यों एवं आंकड़ों पर उसका जीवन अवलम्बित था, उन्हें पूर्ण विश्वास के साथ अंकित करता जाता था।

जिस सूचना के फलस्वरूप लियोनार्ड को आराम करने तथा हार्डवुड की तश्तरी को विचारमग्न होकर चूमने का अवकाश मिला, वह सूचना उसे अनेक प्रकार से प्राप्त हुई। उसने सूर्य का निरीक्षण किया, जिसका रंग पहले से ही पीला होने लगा था और जो विमान की पूंछ के पीछे नीचे खिसकता जा रहा था। अपनी तिपाई पर चढ़ कर लियोनार्ड ने अपने सिर को इतना ऊपर उठाया था कि वह उड्डयन कक्ष की छत मे लगे हुए 'प्लेक्सीग्लास' के गुम्बज को स्पर्श करने लगा था। वहाँ उसने अपने कोण-मापक यंत्र (Octant) से सूर्य की ठीक-ठीक स्थिति का निरीक्षण किया और अपनी मेज पर रखी हुई पुस्तको में पहले से ही अंकित स्थितियों के साथ उसकी तुलना की। इस प्रकार उसे एक "सूर्य रेखा" का ज्ञान प्राप्त हो गया। इस "सूर्य रेखा" का ज्ञान प्राप्त हो जाने के फलस्वरूप उसने "नार्थ डाग" मार्ग पर एक चिह्न अंकित किया तथा उसे गन्तव्य स्थान की दिशा मे विमान की वास्तविक गति की गणना करने में सफलता मिल गयी। बाद में तारे दिखायी देने लगेंगे और वह बहुत कुछ इसी प्रकार उनका उपयोग करेगा। यह स्वर्गीय पर्यवेक्षण थे और उनका उपयोग करने की पद्धति उतनी ही प्राचीन थी, जितने प्राचीन प्रथम मार्ग-निर्देशक। यद्यपि लियोनार्ड की कार्य-पद्धति से पुराने कप्तानों द्वारा प्रयुक्त पद्धति की अपेक्षा अधिक शीघ्रतापूर्वक समाधान प्राप्त किया जा सकता था, तथापि वे उसकी कार्यपद्धति को सरलतापूर्वक समझ जाते।

वह अपने आकाशीय पर्यवेक्षणों की पूर्ति के लिए समय-समय पर अपने 'ड्रिफ्ट मीटर' के द्वारा देखा करता था। वह अन्य किसी बात की अपेक्षा अदृश्य हवाओं के वर्त्तमान प्रभाव के सम्बन्ध में अपनी उत्सुकता को सन्तुष्ट करने के लिए ऐसा अधिक किया करता था। यह काले रंग का एक यंत्र था, जो डैन रोमन के बैठने के स्थान के ठीक पीछे था। उसके ऊपर झुक कर लियोनार्ड सागर के तल पर गुजरती हुई सफेद लहरों का निरीक्षण करने लगा। एक मुठिया घुमा कर वह पंक्तियों को ठीक कर सकता था, जिससे लहरें उनके समानान्तर चलने लगें और तब वह इस बात का अध्ययन कर सके कि विमान के मार्ग के

एक ओर अथवा दूसरे ओर के अंशों में कितना परिवर्त्तन हुआ है। लियोनार्ड एक 'स्टाप वाच', अपने विद्युत् उच्चतामापक यंत्र और नियमित उच्चतामापक यंत्र (Altimeter) की सहायता से वायु की गति और दिशा की भी गणना कर सकता था। इन रिपोर्टों को रेडियो द्वारा तटवर्ती केन्द्रों को भेजने से ऋतु-विशेषज्ञों को सहायता मिलती है, जो अभी तक प्रशान्त सागरीय क्षेत्र का एक ऋतु-विषयक मानचित्र तैयार कर रहे हैं, किन्तु धाराओं को देखने की प्रथा उड्डयन के प्रारम्भिक दिनों से ही चली आ रही थी और जब बादलों से समुद्र तल ढंक जाता है, तब वह पूर्णतया निरर्थक हो जाती है। यदि लियोनार्ड को पूर्ण रूप से इसी पर निर्भर करना पड़ता, तो उसे दुख होता।

उसका सर्वोत्तम मित्र 'लोरान' नामक एक यंत्र था, जिसका आविष्कार अभी हाल में ही हुआ था। वह एक काले बक्स के समान था, जो लियोनार्ड के ठीक ऊपर लटका हुआ था। बक्स के ऊपरी भाग पर एक छोटा गोल पर्दा था और उसके चारों ओर जो मुठियाँ थी, उनको घुमाने से पर्दो पर अनेक हरी-हरी रेखाएँ कांपती हुई नृत्य करने लगती थीं। ये विश्व की तट-रेखाओं पर स्थित 'स्वामी' एवं 'दास' केन्द्रों द्वारा प्रेषित संकेत-चिह्न होते थे। जब उन्हें अंकों और समय के रूप में परिणत कर दिया जाता था, तब वह चार्ट पर एक त्रिभुज का निर्माण कर सकता था और इस प्रकार बहुत थोड़े मीलों के अन्तर्गत विमान की स्थिति का पता लगा सकता था। पृथ्वी पर ऐसे बहुत कम स्थान थे, जहाँ 'लोरान' निरुपयोगी सिद्ध होता था और सब से बड़ी बात तो यह थी कि लगभग किसी भी प्रकार के मौसम में उसका उपयोग किया जा सकता था।

लियोनार्ड ने जब ग्रीनविच समय के अनुसार प्रातःकाल तीन बजे 'लोरान' का प्रयोग किया और उसे पता चला कि विमान समय से चौदह मिनट पीछे हो गया है, तब उसे आश्चर्य नही हुआ। वह गत दो घण्टों से बड़ी सतर्कतापूर्वक वायु का निरीक्षण कर रहा था और एक बार उसने देखा था कि हवा विमान के ठीक अग्रिम भाग की दिशा में चालीस 'नाट' की गति से बह रही थी। इससे वायु को भविष्यवाणी मे बतायी गयी शक्ति की अपेक्षा बहुत अधिक शक्ति प्राप्त हो गयी थी, किन्तु अभी हाल में निरीक्षण करने पर पता चला था कि वायु की गति केवल अठारह 'नाट' रह गयी थी। अब उसे विश्वास हो गया था कि वायु धीरे-धीरे उत्तर की ओर बढ़ेगी और कुछ समय बाद अनुकूल हो जायगी। उसने स्थलीय केन्द्रों के लिए अपना प्रतिवेदन निश्चित समय से दो मिनट पहले ही समाप्त कर दिया। उसने प्रतिवेदन को हाबी के हाथ में थमा दिया, जो

ध्यानपूर्वक उसका अध्ययन करने लगा।

"हे भगवान्, लेनी... हम समय से इतने पीछे कैसे रह गये ?"

"चौदह मिनट... और वास्तव मे हम अभी उड़ना प्रारम्भ ही कर रहे हैं !"

"धीरज रखो, बेटे। तुम जितने समय तक उड़ान करने जा रहे हो, जरा उस पर भी तो विचार करो।"

लियोनार्ड ने डैन की ओर आँख से इशारा किया और फिर अपनी मेज की ओर चला गया। हाबी ने अपना माइक्रोफोन उठाया और होनोलुलू से बात करने लगा।

"हम होनोलुलू से बात कर रहे हैं, चार-दो-सिफर, कहते जाओ।"

अब आवाज दूर से आ रही थी और साफ-साफ नही सुनायी देती थी, मानो कोई व्यक्ति एक लम्बी नलिका के छोर से बोल रहा हो ।

"स्थिति का विवरण... प्रातःकाल तीन बजे.. २८ अंश तीस मिनट उत्तर... १४८ अंश पश्चिम।" हाबी ने कागज देख कर अंकों को पढ़ना जारी रखा। ये अंक विमान की स्थिति के अतिरिक्त अन्य अनेक बातों से भी सम्बन्धित थे; जैसे हवा, विमान का मार्ग, प्रवाह, शेष बचा हुआ ईधन, वायु-गति, स्थलीय गति, मौसम और उड्डयन-कक्ष की खिड़कियों से दिखायी देने वाले बादलों की स्थिति। जब हाबी आंकड़ों के कालम के अन्त में पहुँचा, तब उसने 'हेडसेट' अपने कानों से सटा लिया और होनोलुलू द्वारा अपने सन्देश का दुहराया जाना सुनने लगा।

"सब कुछ ठीक है। चार-दो-सिफर।"

"राजर। होनोलुलू।" हाबी के 'हेडफोन' में एक बार फिर केवल कर्कश आवाज सुनायी दी। यद्यपि वह अपने कानों को विश्राम देने के लिए चिन्तित था, तथापि 'हेडफोन' को अधिक आरामदेह स्थिति में रखते हुए उसने इस बात की सावधानी बरती कि उसके बाल कहीं अस्त-व्यस्त न हो जायँ।

लियोनार्ड अब कम-से-कम चालीस मिनट बाद ही स्थिति-विषयक दूसरा प्रतिवेदन तैयार करने का कार्य प्रारम्भ करेगा। वह अपनी मेज छोड़ कर उठा और कर्मचारियों के कक्ष में पहुँच गया। उसने शीशे के नीचे रखे हुए बक्स में से कागज का एक प्याला निकाला। जिस बक्स में कागज के प्याले थे, उसकी उसने और अधिक तलाश की और उसे सूअर के गोश्त का एक 'सैण्डविच' मिल गया। उसने मन ही मन कहा—"हमेशा सूअर के गोश्त का ही सैण्डविच

मिलता है, बुरा हो इसका। क्या किसी विमान में कभी वास्तव में दूसरे प्रकार का सैण्डविच भी मिलता है ?" उसने मोम के कागज के खोल को अलग कर दिया और सैण्डविच की ओर असन्तोष के साथ देखते हुए उसमें से एक कौर काट लिया। तत्पश्चात् वह विचित्र प्रकार से स्वादहीन रोटी के सम्बन्ध में विचार करता हुआ और लगभग उतनी ही स्वादहीन काफी के साथ उसे गले के नीचे उतारता हुआ काफी देर तक खड़ा रहा। उसने 'पोर्ट होल' की ओर देखा। अब सूर्य उसके पीछे चला गया था और नीले-भूरे आकाश का एक वृत्त मात्र छोड़ गया था। वह परेशानी के साथ यह सोचने लगा कि क्या ऊँचाई पर पहुँच कर किसी भी प्रकार के भोजन का स्वाद नष्ट हो सकता है। तत्पश्चात्, वह अकस्मात् अपने आप धीरे-धीरे हँसने लगा। उस समय उसके गालों के भीतर सैण्डविच का एक टुकड़ा छोटी गेंद की भाँति भरा हुआ था। वह अपने आप से कहने लगा—"क्यों बूढ़े घोंघे ! ईश्वर के लिए तुम्हारे लिए शिकायत करने की बात ही क्या है ? तुम्हारी जिन्दगी आजकल जितनी अच्छी तरह से गुजर रही है, उतनी अच्छी तरह से पचास वर्षों में कभी नहीं गुजरी। तुम्हें न केवल एक ऐसा काम मिला है, जिसमें कोई कष्ट नहीं है, बल्कि एक बढ़िया पत्नी भी मिली है. . . सूसी से बढ़ कर दूसरी कोई लड़की है ही नहीं। यदि वह कभी-कभी अधिक शराब पी जाती है, तो उससे क्या होता है ? यह तो केवल जवानी की बात है. . . आखिर अभी उसकी उम्र भी तो केवल बत्तीस वर्ष की ही है। जहाँ तक उसके समय-समय पर झगड़ा करने का प्रश्न है, वह आवेश की अधिकता नहीं है. . .वह उत्साह है। और कौन ऐसा व्यक्ति होगा, जो उत्साहहीन लड़की को चाहेगा ? आप अपने से काफी कम उम्र वाली लड़की से विवाह कर यह आशा नहीं कर सकते कि कभी संघर्ष नहीं होगा। यह तो स्वाभाविक बात है। मान लीजिये कि कुछ लोग सोचते ही हैं कि यह एक विचित्र बात है कि आप भोजन पकाने का अधिकांश कार्य स्वयं ही करते हैं और बर्त्तन भी धोते हैं, तो इसमें अनुचित बात क्या है ? सूसी विल्बी कमरे को जितना साफ और बेदाग रखती है, उतना साफ और बेदाग और किसी व्यक्ति का कमरा नहीं है और वह किसी व्यक्ति की नौकरानी भी नहीं मालूम होती। देखना है कि वह हार्डवुड की उस तश्तरी का क्या करती है। वह उसे कमरे में किसी स्थान पर रख देगी. . . और वह उसे चमकती हुई रखेगी तथा अपने सभी मित्रों को दिखायेगी. . . उन पुरुषों और युवतियो को दिखायेगी, जो आपके बाहर रहने पर सदा आते रहते हैं।"

वह उनसे कहेगी— "इस असाधारण तश्तरी को देखो, जो लियोनार्ड मेरे लिए लाया है।" तत्पश्चात् वह उसे ऊपर उठा कर उन्हे दिखायेगी और वे उसकी प्रशंसा करेंगे। आप सूसी के लिए जो भी चीज खरीदते है, उसके साथ वह ऐसा ही करती है और यही कारण है कि उसके लिए कोई भी वस्तु खरीदने में बड़ा आनन्द आता है। कार खरीदने में भी वैसा ही आनन्द आया था। अपना अधिकांश समय वह कार में बैठ कर इधर-उधर चक्कर लगाने में ही व्यतीत करती थी। वह अपने को अत्यन्त व्यस्त रखती थी, जिससे, उसीके कथनानुसार, उसे अकेलेपन का अनुभव न हो। और जो वह इतनी अधिक तेजी से कार दौड़ाती थी, उसका कारण भी केवल उत्साह ही था... छोटी लड़कियों की शरारत मात्र। यदि कार का रंग पीला न होता, तो उसे इतनी अधिक चेतावनियाँ नहीं मिलती। पुलिस के सिपाही पीले रंग की कारों पर सदा नजर रखते थे... वे वास्तव में जितनी तेज रफ्तार से जाती थी, उससे कहीं अधिक तेज रफ्तार से जाती हुई प्रतीत होती थीं। और गत दिसम्बर महीने में जब सूसी को सान माटियो जेल में रात व्यतीत करनी पड़ी थी, तब वह शराब के नशे में चूर नही थी। हो सकता है कि कुछ दूसरी रातों को उसे थोड़ा-सा नशा रहा हो और हो सकता है कि उस रात को उसने थोड़ी-सी शराब पी ली हो, किन्तु यह निश्चित है कि वह नशे में उन्मत्त नही हो गयी थी। मदिरालय के मालिक के कथनानुसार तो वह नशे में उन्मत्त नही ही थी। सूसी ने बताया था कि वह मदिरालय में चलचित्र के प्रारम्भ होने की प्रतीक्षा कर रही थी। हो सकता है कि उसने दो या अधिक बार शराब पी हो और मदिरालय के मालिक ने भी तो कहा था कि आप को बड़ी ही अच्छी पत्नी मिली है, श्री विल्बी। बहुत ही मजेदार! उसके विचार सही थे, किन्तु उसने गलत शब्दों का प्रयोग किया था। वह उत्साह से भरी हुई थी। वास्तव में कुलीन।

अब तश्तरी की बात ही लीजिये। करने की बात यह थी कि सान फ्रांसिस्को मे विमान से उतरते ही तश्तरी को उसके हाथ में नही दे देना था। उस समय स्थानीय समय के अनुसार ढाई बजे होंगे अथवा इससे कुछ अधिक समय होगा.... यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आगामी कुछ घण्टों के अन्दर वह उत्तर-पश्चिमी हवा किस प्रकार चलेगी। यदि आप बुरी तरह से थक नहीं गये होंगे, तो भी सूसी को घूमने के लिए कही ले जाने के लिए विलम्ब हो गया होगा। अतः क्यों न सीधे घर पहुँचा जाय और उसके लिए कुछ अण्डे पकाये जायँ। सूसी भखी होगी और हो सकता है कि अण्डों के लिए प्रतीक्षा

करते समय आप को थोड़ी-सी ठण्डी बियर पीने को मिल जाय... और बियर पीते समय आप उसको यात्रा के सम्बन्ध में बता सकते हैं। तत्पश्चात्, सोने से ठीक पहले आप तश्तरी को बाहर निकाल कर उसे आश्चर्य में डाल सकते हैं। हाँ, यह कार्य इसी प्रकार किया जा सकता है....किन्तु तुम कल्पनाएँ करना छोड़ क्यों नहीं देते, लियोनार्ड विल्बी? तुम इस बात को स्वीकार क्यों नही करते कि मनचाही बातें कभी नहीं हुआ करतीं?

यह बिल्कुल ठीक है कि सान फ्रांसिस्को पहुँचने पर ढाई बजे होंगे...यदि हवा ने शीघ्र ही सहयोग करना प्रारम्भ नहीं किया, तो बहुत अधिक देर भी हो सकती है। हो सकता है कि सूसी विमानस्थल पर उपस्थित हो और हो सकता है कि न भी उपस्थित हो। यह इस बात पर निर्भर करता है कि और क्या चल रहा है। यदि वह विमान-स्थल पर उपस्थित होगी, तो नशे में चूर होगी, क्योंकि यदि वह किसी चमत्कार से प्रातःकाल उठ जाती है, तो भी वह सदा थोड़ा-सा नशे में चूर रहती है। जब तुम आओगे, तब वह बहुत अच्छी तरह से बात करेगी, उसके बाल अस्त-व्यस्त होंगे और उसके होठों पर लगा हुआ गुलाबी रंग बिगड़ कर उसके चेहरे की सजावट पर फैला हुआ होगा। वह वह शिकायत करेगी कि उसे बहुत अधिक प्रतीक्षा करनी पड़ी है, मानो आप हवाओं को नियंत्रण में रख सकते हैं...अथवा हो सकता है कि वह एक छोटा-सा पत्र लिख कर चली जाय, जैसा कि उसने पिछली बार तुम्हारे देर से आने पर किया था। "घर आने पर स्वागत फैट्सो। मुझे दुख है कि मुझे नींद आने लगी और मैं प्रतीक्षा नहीं कर सकी; अतः अच्छा होगा कि तुम टैक्सी से चले आओ। घर पहुँचने पर बहुत अधिक शोर-गुल मत करना। प्यार। सूसी।"

किन्तु ये विचार अच्छे नहीं हैं....कम-से-कम सूसी के बारे में, वह चाहे कुछ भी करे, वह बिल्कुल ठीक ही होगा...जो बात बिल्कुल ठीक हो, उसे तुम क्षमा नहीं करते...उसे ऐसा होना ही होगा...क्योंकि तुम उससे प्रेम करते हो। और मेरे तोंदीले मित्र, यह संसार में सबसी बड़ी बात है।

जब वह 'पोर्ट होल' से मुड़ा, तब उसे निचली पटरी पर सलीवन को लेटा हुआ देख कर आश्चर्य हुआ। उसके हाथ उसके सीने पर मुड़े हुए थे और उसका शरीर पूर्णतया शिथिल था, यद्यपि उसकी आँखें खुली हुई थीं। लियोनार्ड सोचने लगा कि सलीवन कितने समय से उसकी ओर देख रहा था।

"हलो, कप्तान। कुछ काफी लीजियेगा?"

"नहीं, धन्यवाद। क्या हाल हैं ?"

"अन्तिम गणना के अनुसार हम समय से चौदह मिनट पीछे हैं।"

"अच्छा ?"

"यदि भविष्यवाणी ठीक हुई, तो हम इस कमी को पूरा कर लेंगे । अब हवा की गति बढ़ती हुई प्रतीत हो रही है।"

"ठीक है। अब हमारे ईंधन की क्या स्थिति है ?"

लियोनार्ड ने अपने स्थिति-विषयक प्रतिवेदनों के साथ-साथ जो विवरण-पत्र तैयार किया था, उसका उसने एक मानसिक चित्र निर्मित किया। यह एक ऐसा मानसिक चित्र था, जिसके द्वारा वह इस बात का निरन्तर पता रखता था कि कितनी दूरी पार की जा चुकी है, कितना ईंधन शेष रह गया है और कितना ईंधन समाप्त हो चुका है। यदि खपत की रेखा खतरे के विन्दु से आगे चली जाती और यदि उसका आगे जाना जारी रहता, तो उन्हें पुनः होनोलुलू को लौट जाना पड़ता। ऐसी बात बहुत कम होती थी ।

"हम बिल्कुल ठीक चल रहे हैं। अभी तक सुरक्षित हैं।" लियोनार्ड कमरे को पार कर पटरे के एक किनारे पर जा कर बैठ गया। उसने अपनी काफी का अन्तिम घूट पिया। उसे इस क्षण एक ऐसे व्यक्ति के साथ बैठ कर आराम करने में आनन्द का अनुभव हो रहा था, जिसको वह इतना अधिक पसन्द करता था। वह सलीवन के साथ स्थलीय मामलों पर, सम्भवतः सलीवन की पत्नी के सम्बन्ध में और तत्पश्चात् सम्भवतः सूसी के विषय में बातचीत करना पसन्द करता, क्योंकि जिस व्यक्ति का जीवन आपके जीवन के ही समान हो, उसके साथ एकान्त में इस प्रकार के विषयों पर विचार-विमर्श करने में सदा आनन्द का अनुभव होता है– किन्तु वह सरलतापूर्वक बात-चीत प्रारम्भ करने का कोई उपाय नहीं सोच सका। अन्य अनेक कप्तानों की भाँति सलीवन अपने ही विचारों में तल्लीन रहता था और लियोनार्ड को इस बात का पता नही था कि उसकी कोई सन्तान है या नहीं, अथवा वह अपने घरेलू जीवन से सन्तुष्ट है अथवा नहीं।

उसने कहा–"साथ में डैन रोमन जैसे व्यक्ति का रहना एक अच्छी बात है। मैं यह अनुभव नहीं करता कि यहाँ पर मैं और लोगों के परदादा के समान हूँ।"

"हाँ। वह निश्चित रूप से मेरे काम को आसान बना देता है। मैं यहाँ आराम के साथ लेटा रह सकता हूँ।"

"मुझे डैन जैसे व्यक्ति को सह विमान-चालक के रूप में देख कर एक प्रकार की घृणा होती है। क्या वह कहीं संकट में पड़ गया था ?"

"नहीं। मेरे ख्याल से नहीं। वह उन व्यक्तियों में से है, जो विमानों से दूर रह ही नहीं सकते और मेरा अनुमान है कि यही उसकी वास्तविक कठिनाई है। यह एक रोग की भाँति है. . . . असाध्य रोग की भाँति।"

"क्या आप को यह रोग कभी नहीं हुआ है ?"

"मुझे यह रोग नही है। पाँच वर्ष बाद मेरी आयु चालीस वर्ष की हो जायगी। पाँच वर्ष बाद यदि कोई विमान मेरे सिर पर से होकर गुजरेगा, तो मैं आँख उठा कर उसकी ओर देखूँगा भी नही।"

"यदि आप मेरे प्रश्न से रुष्ट न हों, तो. . . . . आप क्या करेंगे कप्तान ?"

"मेरे पास दो पार्किंग स्थान है और अब उनसे थोड़ा-थोड़ा लाभ मिलने लगा है। मैं एक गैरेज की और अन्त में एक अच्छी, ठोस कार-एजेंसी की तलाश में हूँ। जब मुझे इस काम में सफलता मिल जायगी, तब मैं नीले आकाश से विदा ले लूँगा।"

लियोनार्ड यह सोच कर मुस्करा पड़ा कि वह इस संकल्प को कितनी बार सुन चुका था। इस बात से कोई फर्क पड़ता हुआ नहीं प्रतीत होता था कि किसी विमान-चालक की आयु कितनी है—यदि वह कुछ वर्षों से कप्तान के पद पर काम करता होता, तो वह उड्डयन से अवकाश ग्रहण कर लेने की कामना करता। और उड्डयन से अवकाश ग्रहण करने की योजनाएँ असंख्य होती थीं, जैसे वास्तविक भूमि-सम्पत्ति का विकास, छोटे-छोटे स्टाक रैंच, चाँदी की खानें और कार्निवल प्रदर्शनियाँ आदि। इन समस्त योजनाओं में दो बातें समान रूप से पायी जाती थीं। पहली बात तो यह थी कि वे व्यक्तिगत अध्यवसाय से सम्बन्धित होती थीं और दूसरी बात यह थी कि उनका उड्डयन के साथ कोई सम्बन्ध नहीं होता था। लियोनार्ड ने सोचा कि उनमें एक और बात समान रूप से पायी जाती है और वह बात यह थी कि वे योजनाएँ प्रायः कभी सफल नहीं होती थीं। यदि पहले के उदाहरणों की कोई सार्थकता हो, तो उनसे यही पता चलता है कि पेशेवर विमान-चालकों की एक अलग ही नस्ल होती है। जहाँ तक प्राकृतिक तत्वों पर विजय प्राप्त करने का सम्बन्ध है, वे औसत से अधिक बुद्धिमान और असाधारण प्रतिभाशाली हो सकते हैं, किन्तु भूमि पर वे बहुधा मूर्खता का ही प्रदर्शन करते हैं। विमान-चालक सदा ठोकरें खाने के बाद ही पुनः पेशे मे लौटता है।

का अध्ययन करने के लिए अपने-अपने स्थानों से उठे और अन्त में उन्होंने टैंको मीटरों, और 'प्रापेलर'— नियंत्रण यंत्रों की सतर्कतापूर्वक जाँच प्रारम्भ कर दी।

"मेरे दो नम्बर के इंजिन से अधिक अच्छा इंजिन आप को नहीं मिल सकता।" —डैन ने कहा। किन्तु अब उसने नियंत्रण-यंत्र के पटल (Control Pedestal) पर अपना हाथ हल्केपन के साथ रखा— लियोनार्ड जानता था कि वह किसी असाधारण प्रकम्पन का पता लगाने का प्रयास कर रहा था।

"आप और कप्तान कल्पना कर रहे हैं।"—हाबी ने व्यग्रता के साथ कहा। "एक और दो नम्बर के प्रापेलर रेशम के समान चिकने हैं। वे सभी ऐसे ही हैं।"

"क्या मैं सलीवन से कह दूँ कि तुम ऐसा कह रहे हो?"

"मैं नहीं जानता कि इसके अतिरिक्त आप उनसे और क्या कह सकते हैं।"

"तो ऐसा ही कह दूँगा।" लियोनार्ड के हाथ अभी तक उसकी जेबों में पड़े हुए थे—वह पुनः कर्मचारियों के कक्ष की ओर चला गया। वह एक राग गुनगुनाने लगा, यद्यपि स्वर इजिनों की जोरदार खड़खड़ाहट के ऊपर सुनायी नहीं देता था। सलीवन जिस स्थिति में पहले लेटा हुआ था, उसी स्थिति में अब भी लेटा था और अभी तक उसकी भौंहें चिन्ता के कारण सिकुड़ी हुई थीं।

"वे लोग कह रहे हैं कि प्रापेलर इससे अधिक अच्छी तरह क्या काम कर सकते हैं।"

"अच्छा।"

उसकी प्रतिक्रिया से लियोनार्ड को थोड़ी-सी निराशा हुई, यद्यपि उसने अपने-आप से कहा कि मुझे अन्य किसी तरह की प्रतिक्रिया की आशा नहीं करनी चाहिए थी। सलीवन उन हठी स्वभाव वाले कप्तानों में से नही था, जो अपनी बात का खण्डन किये जाने पर गरजते हुए उड्डयन-कक्ष में जाते हैं और अपनी बात को सही प्रमाणित करने के लिए सब प्रकार के प्रयत्न करते हैं। जब तक सलीवन ने अपने पाँव फर्श पर रखे, तब तक वह प्रतीक्षा करता रहा और उसके स्वभाव और व्यवहार के लिए लियोनार्ड उसे और अधिक चाहने लगा। उसके जबड़े की हड्डियों के सिरे पर जो गोले थे, केवल उन्हीं से यह सिद्ध हो रहा था कि वह अभी तक 'प्रापेलरों' के विषय में सोच रहा है। लियोनार्ड ने उन गोलों का निरीक्षण करना और उनका महत्व समझना सीख लिया था। वे एक बैरोमीटर के समान थे। सलीवन की सदा नियंत्रित

रहने वाली आन्तरिक भावनाओं को जानने के वे एकमात्र साधन थे।

"कहीं न कहीं गड़बड़ी जरूर है।"—सलीवन ने कहा—"मेरा ख्याल है कि मुझे जाकर थोड़ा देखना चाहिए। वैसे भी मेरे जाने का समय हो ही गया है।"

उसने अपनी पतलून को ऊपर सरकाया और बिना किसी उतावली के उड्डयन-कक्ष की ओर आगे बढ़ गया।

फ्रैंक बिस्को की खोपड़ी मे दर्द प्रारम्भ हुआ और तत्पश्चात् वह उसकी रीढ़ की हड्डियों से गुजरता हुआ उसकी बाँहों मे पहुँच गया और फिर पिघली हुई धातु की तरह उसकी उंगलियों के सिरों के बाहर निकलने लगा। फिर भी, वह पूर्णतया शांत होकर अपने स्थान पर बैठा हुआ था। उसने अपनी शेष समस्त शक्ति से कुर्सी की बाँहों को पकड़ रखा था और आशा कर रहा था कि उसके ललाट पर पसीने की बड़ी-बड़ी बूंदों को कोई भी व्यक्ति नही देख पाये। वह अपनी पीड़ा की उपेक्षा करने का जी-जान से प्रयत्न कर रहा था, जिसके फलस्वरूप उसका चेहरा मलिन पड़ गया था और उसके होंठ कांप रहे थे। किसी को भी फ्रैंक ब्रिस्को की पीड़ा के बारे में ज्ञात नही होना चाहिए, क्योंकि यदि उन्हें पता चल गया, तो सहानुभूति का दायित्व आ जायगा और स्वयं यह भावना ही फ्रैंक ब्रिस्को के सर्वनाश को निकट ला देगी। ऐसी बात नहीं थी कि हड्डियों के उस कैसर के लिए, जिसे डाक्टर 'मल्टीपुल मायेलोमा' (Multiple myeloma) कहते थे, किसी शीघ्रता की आवश्यकता थी। हड्डियां पहले से ही क्षीण हो चुकी थीं, जिनमें किसी धक्के अथवा बहुत जल्दी के साथ मुड़ने से होने वाले कष्ट का प्रतिरोध करने की शक्ति उसी प्रकार नहीं रह गयी थी, जिस प्रकार अण्डे के आवरण में इस तरह के प्रतिरोध की शक्ति नहीं होती। अब उसी फ्रैंक ब्रिस्को की यह हालत हो गयी थी, जो केवल पाँच वर्ष पूर्व चाँदी के डालर को अपनी अंगुलियों से मोड़ देने की शक्ति रखता था।

हे परमात्मा, मुझे केवल एक मिनट की शांति दो .... केवल एक मिनट की शांति। अथवा मुझे अभी उठा लो, जिससे सब कुछ समाप्त हो जाय।

एक मिनट की शांति ? शीघ्र ही वह शाश्वत हो जायगी। एक और महीना, दो और महीने, सम्भवतः छः महीने और तुम्हें पता चलेगा कि शिथिल और निर्जीव होना कैसा होता है। यह एक विचित्र बात है कि किस प्रकार अच्छे स्वास्थ्य वाले व्यक्ति कम-से-कम अस्सी वर्ष की आयु तक जीने की कल्पना

करते है और एक सुदूर स्वप्न के आधार पर अपने जीवन की योजनाएँ बनाते हैं। बीमा कम्पनियाँ इस भ्रान्ति का प्रचार करने में अत्यन्त दक्ष होती हैं।

फिर भी, कतिपय बातों में बूढ़ा फ्रैंक ब्रिस्को एक दूसरे व्यक्ति के रूप में जीवित रहेगा। इन सारी बातों की व्यवस्था हो चुकी थी–हस्तान्तर करने योग्य अन्य सारी चीजों के साथ-साथ सभी कागजों पर हस्ताक्षर हो चुके थे। ये ऑखें स्टैनफोर्ड अस्पताल में चली जायँगी। कुछ घण्टे बाद कोई अजनबी व्यक्ति अपने भयंकर अंधकार से निकल कर देखने लगेगा। इस अजनबी व्यक्ति की बात सोचने से पीड़ा कुछ कम हो गयी। क्या यह कार्य एक दृष्टि-दान मात्र होगा, जिससे वह अजनबी व्यक्ति प्रकाश और छाया को देखने लगेगा अथवा क्या जिन सुन्दर वस्तुओं को तुमने देखा था, उनका प्रतिबिम्ब कायम रह सकेगा? हो सकता है कि वह अजनबी व्यक्ति ऐसे व्यक्तियों को देखे, जो शारीरिक दृष्टि से कुरूपतम होंगे तथा उसके मस्तिष्क एवं तुम्हारी ऑखों के संयोग से उसे पता चलेगा कि किस प्रकार अत्यन्त उपेक्षित व्यक्ति भी सुन्दर बन सकते हैं; जिस प्रकार कि वाणी द्वारा दृष्टि के दूषित होने से पूर्व बालक उपेक्षितों में भी सौन्दर्य का दर्शन करते है। हो सकता है कि वह झूलते हुए हाथों, कुरूप पाँवों और बहुधा भयंकर प्रतीत होने वाली नाकों से परे देख सके। ये मानव-शरीर के ऐसे अंग होते हैं, जिनके आधार पर कुछ मानव-प्राणी दूसरे मानव-प्राणियों के सम्बन्ध में निर्णय करने का साहस करते हैं, हो सकता है कि अजनबी व्यक्ति उनके मूर्खतापूर्ण श्रृंगार के परे देखे, जिसका उपयोग निर्णय के एक आधार के रूप में भी किया जाता है और हो सकता है कि अजनबी व्यक्ति दन्तकथा और पूर्वाग्रह के जाल को छिन्न-भिन्न कर दे और अन्य मानव-प्राणियों को उसी प्रेम से देखने लगे, जो प्रेम वह अपने प्रति रखता है। यह कोई बात होगी।

"क्या आप बिल्कुल ठीक हैं, श्री ब्रिस्को?" स्पाल्डिग उसकी बगल में खड़ी हो कर पूछ रही थी। उसने अपना हाथ उसकी बाँह पर कोमलतापूर्वक रख दिया और वह उससे दूर देखने लगा। वह तब तक उससे दूर देखता रहा, जब तक चेहरे पर सुख का भाव नहीं आ गया।

"बिल्कुल ठीक? मै बिल्कुल ठीक हूँ, बेटी।"

उसने उसकी मुस्कान के उत्तर में मुस्करा दिया, किन्तु अपने हाथ के दबाव को थोड़ा-सा बढ़ा देने से ही उसे ज्ञात हो गया कि वह झूठ बोल रहा था।

"क्या मै आपके लिए कोई चीज ला सकती हूँ, श्री ब्रिस्को? मैं आपका

भोजन लगभग एक घण्टे में लाऊँगी, किन्तु अभी सम्भवतः एक प्याला चाय अथवा काफी आप को अच्छी लगेगी।"

उसने उसकी आँखों में देखा। वहाँ उसे सहानुभूति नहीं, प्रत्युत समझदारी के दर्शन हुए और उसने सोचा कि यह एक उल्लेखनीय बात है कि इतनी कम आयु की नवयुवती अन्तर को समझ सकती है। वह जानती है कि मैं मरने जा रहा हूँ, वह इस बात को उतनी ही अच्छी तरह जानती है, जितनी अच्छी तरह से मै जानता हूँ। फिर भी, यह लड़की जीवित रहने की आशा करने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित कार्यो का सम्पादन कर मृत्यु का अनुभव करने के अपने स्वाभाविक भय को छिपाने का प्रयत्न नहीं कर रही है। हो सकता है कि वह उन अत्यन्त दुर्लभ व्यक्तियों मे से हो, जो इस बात को समझते हैं कि किसी व्यक्ति के आसन्न अवसान पर उसे बधाई देना पूर्णतया सम्भव है।

"इस सम्बन्ध में आपका क्या विचार है, श्री ब्रिस्को ?"

उसने सोचा कि यदि मै उत्तर देने में विलम्ब करता हूँ, तो इसका एकमात्र कारण यही है कि मैं हार्दिकता से ओतप्रोत इस क्षण को बढाना चाहता हूँ। वह मुझे चाय अथवा काफी की अपेक्षा बहुत बड़ी चीज दे रही है—उन स्वच्छ नीली आँखों के पीछे हार्दिकता का एक सागर लहरा रहा है, अपनी ओर से भलाई करने की एक उन्मुक्त इच्छा है और इसलिए वह सुन्दर है।

फ्रैंक ब्रिस्को के उत्तर दे सकने से पूर्व उसकी वास्कट की जेब मे घड़ी की घंटी बजने की हल्की-सी आवाज सुनायी दी। यह आवाज इतनी धीमी थी कि स्पाल्डिग आगे की ओर झुकी और अपना सिर एक ओर को कर दिया मानो उसे विश्वास न हुआ हो। उसने कहा– "वह क्या था?"

जब फ्रैंक ब्रिस्को ने अपनी वास्कट की जेब में हाथ डाला और धीरे-धीरे सोने की एक छोटी-सी घड़ी निकाली, तब उसके होठों पर एक निराशापूर्ण मुस्कान दौड़ गयी। उसने घड़ी को अपनी खुली हथेली पर रख दिया, जिससे स्पाल्डिग उसे देख सके और उसके बालोचित विस्मय को देखने के आनन्द में वह अपनी पीड़ा को भूल गया।

"पाँच बज गये है ?"—उसने कहा।

"आपका मतलब है. . . इसमें घंटी बजती है !"

"तुमने इसकी आवाज सुनी है। कई वर्ष पूर्व मैंने इससे स्विट्जरलैण्ड में खरीदा था। विचित्र वस्तु है. . . यह मेरी अन्तिम सम्पत्ति है, जिसे मैंने

किसी दूसरे को नहीं दिया है।"

स्पाल्डिग गलियारे में उसके स्थान के बगल में घुटने टेक कर बैठ गयी और बोली– "ओह! मैंने इतनी मोहक वस्तु पहले कभी नहीं देखी थी। कृपया, श्री ब्रिस्को। क्या मैं इसका स्पर्श कर सकती हूँ? ओह, मैं चाहती हूँ कि यह फिर से बजने लगे!" उसने अपने पेट पर लटकती हुई सोने की जंजीर से घड़ी को खोला और उसके हाथो में रख दिया। वह घड़ी को चूमने लगी और वास्तविक विस्मय के साथ उसे बार-बार सावधानीपूर्वक उलटने-पुलटने लगी। वह एक क्षण तक उसकी ओर देखता रहा। उसने फुसफुसाहट के-से स्वर मे कहा–"समय का ज्ञान रखने का कितना आश्चर्यजनक साधन है। इससे आपको कितना आनन्द मिलता होगा! यदि मेरे पास ऐसी घड़ी होती, तो मैं अगला घण्टा–या उससे अगला घंटा–आने की प्रतीक्षा नहीं कर पाती।"

"तुम एक बात जानती हो, कुमारी? मैं भी कभी ऐसा ही महसूस किया करता था, किन्तु ठीक अभी मुझे घण्टों के व्यतीत होने की कोई जल्दी नहीं है।" स्पाल्डिग उसे घड़ी लौटाने लगी, किन्तु उसने उसके हाथ को कोमलतापूर्वक दूर हटाते हुए कहा–"नहीं. . . घड़ी तुम्हारी है। मैं चाहता हूँ कि तुम इसे अपने पास रख लो।"

"ओह, श्री ब्रिस्को, आप. . . . ." वह परेशानी के साथ हँसी और उसके गाल लाल हो गये। "वास्तव में. . . आप ऐसा नहीं कर सकते।"

उसने घड़ी उसके हाथ में लौटा दी और उसे उसकी मुट्ठी में कस कर बन्द कर दिया। "मैं इसे स्वीकार करने की बात सोच भी नहीं सकती।"

"ले लो न! मैं तुम्हें आश्वासन देता हूँ कि मुझे घड़ी की कोई आवश्यकता नहीं है। मै सोचता हूँ कि यह घड़ी किसी लड़की के पास ही होनी चाहिए, जिसका समय उत्तेजना और प्रतीक्षा से भरा रहता है। यदि तुमने इसे स्वीकार कर लिया, तो मुझे अत्यधिक प्रसन्नता होगी।"

स्पाल्डिग की आँखें आँसुओं से भर गयीं। उसने अपना सिर यंत्रवत् हिलाया, उसे अपने भाग्य पर विश्वास ही नहीं हो रहा था। उसने उसके हाथ से घड़ी ले ली और अपने गालों से सटा लिया।

"बहुत अच्छा, श्री ब्रिस्को। यदि आप इस तरह कहते हैं, तो मै स्वीकार कर लेती हूँ। मैं आपको धन्यवाद भी नहीं दे सकती. . . . मुझे आप जैसा कोई आदमी कभी नहीं मिला, किन्तु मैं अपने शेष जीवन भर आपको याद

करती रहूँगी।"

"कुमारी जी, मै इस बात को अधिक पसन्द करूँगा कि आप इसे एक वस्तु के रूप मे ही याद करे. . . . और इसलिए इसे बहुत अधिक मूल्यवान न समझें।"

"मै याद करती रहूँगी. . . सदा, श्री ब्रिस्को।" वह अचानक प्रफुल्लित हो उठी और विवश होकर व्यग्रतापूर्वक हँस पड़ी। अपनी आँखों को पोंछते हुए उसने कहा—"हम साथ-साथ इसे टनटनाते हुए सुन सकते है क्योंकि इसे केवल मिलाने की ही आवश्यकता है, है न!"

"वह कैसे?"

"इस समय सान फ्रांसिस्को मे सात बजे हैं। हम इसे तेज कर सकते हैं।"

"अवश्य, मैं तो भूल ही गया था।" जब उसने घड़ी को अपने हाथ में लेकर सुई को छः पर कर दिया, तब वह आनन्द-विभोर हो गयी। वे एक साथ मुस्कराते हुए प्रतीक्षा करते रहे और तब घड़ी ने छः बार टन-टन की। "अब इसे फिर घुमाओ"— उसने कहा और जब घड़ी ने सात बार टन-टन की, तब वे दोनों हँसने लगे।

"क्या वास्तव में सात बज गये हैं, बेटी?"

"जहाँ तक इस विमान का सम्बन्ध है।"

"देखो— मुझे चाय अथवा काफी, कुछ नहीं चाहिए।"

"एक गिलास ठण्डा पानी?"

"पानी नहाने के लिए है, किन्तु यदि तुम उसमे थोड़ी-सी स्काच डाल सको, तो मै अधिक स्वच्छता का अनुभव करूँगा। मेरा 'काकटेल' पीने का समय व्यतीत हो चुका है।"

स्पाल्डिग शीघ्रता के साथ उठ खड़ी हुई और बोली—"अभी लायी, महाशय!"

उसके परे देखने पर उसने देखा कि जोस लोकोटा गलियारे के पार से उनकी ओर देख रहा था। वह मित्रतापूर्वक मुस्कराया, जिससे उसके गालों में गड्ढे पड़ गये और उसके टूटे हुए अगले दाँतों की खाली जगह दिखायी देने लगी।

"वहाँ बैठे हुए मेरे मित्र का क्या विचार है? क्या आप मेरे साथ मद्य-पान में सम्मिलित होंगे महाशय?"

"आह. . . ."जोस लोकोटा ने बहुत जल्दी-जल्दी अपना सिर ऊपर नीचे हिलाया।. . . "हाँ. . . हाँ. . . आपको अनेक धन्यवाद।" जब स्पाल्डिग

ने उन दोनो का परिचय कराया, तब उसकी मुस्कराहट और फैल गयी। उसने संकोच के साथ अपना तीन अंगुलियों वाला हाथ आगे बढ़ाया।

"आप सोडा लेंगे या पानी, श्री लोकोटा ?"– स्पाल्डिग ने पूछा।

"ओह, कोई भी चीज, कुमारी जी. . . . जो भी चीज आपके पास हो।"

"तब मैं आप की शराब भी श्री ब्रिस्को के ही समान बनाऊँगी।"

स्पाल्डिग प्रफुल्ल होकर भोजन-सामग्री कक्ष में गयी। उसे याद नहीं आ रहा था कि यात्रियों की सेवा करने मे उसे इतना अधिक आनन्द कब प्राप्त हुआ था। जब वह दोनों पेय पदार्थों को मिला कर तश्तरी निकालने के लिए झुकी, तब उसने देखा कि किस प्रकार गिलास अपने आप हिलते हुए-से प्रतीत हो रहे थे। वे धातु के काउण्टर पर रखे हुए थे और इसलिए उसकी नजर की प्रायः सीध में थे। गिलासों में रखी हुई बर्फ हिलती हुई-सी प्रतीत हुई, मानो कोई अदृश्य हाथ उसे हिला रहा हो।

स्पाल्डिग निश्चल भाव से खड़ी हो गयी और पुनः इस प्रकार की बात होने की प्रतीक्षा करने लगी, किन्तु अब बर्फ स्थिर थी। उसने एक तश्तरी खींची और गिलास उठाने जा रही थी कि वे उसके हाथ से सरक कर दूर चले गये। गिलास बड़ी तेजी से सरके और मुश्किल से धातु के काउण्टर पर एक इंच से अधिक दूरी तक गये होंगे, फिर भी वह निश्चयपूर्वक जानती थी कि वे सरके थे। अगली बार जब वह उड्डयन-कक्ष में जायगी, तो सलीवन से पूछेगी कि हवा के पूर्णतया शांत रहने पर गिलास किस प्रकार सरक सकते हैं। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था।

जिस समय स्पाल्डिग तश्तरी लेकर गलियारे में जा रही थी, उसकी मुस्कराहट विचारपूर्ण थी।

८

विमान के गलियारे में बिछी हुई जिस कालीन पर स्पार्लिंडग इतनी आसानी के साथ चल रही थी, उससे सात हजार फुट नीचे अमरीकी तटरक्षक पोत 'ग्रेशेम' सागर पर शान के साथ अकेले विचरण कर रहा था। इस समय उसका नाम सागरीय केन्द्र "अकिल" था और उसका यह नाम उसकी पाँच सप्ताह की यात्रा में से चार सप्ताह के लिए रखा गया था। अट्ठाईस दिनों तक वह मौसम के अनुसार अत्यन्त मन्द गति से चलता रहा था और प्रशान्त महासागर के उसी छोटे-से क्षेत्र में अपना निरीक्षण-स्थान बनाये हुए 'ग्रेशेम' स्थलीय केन्द्रों को मौसम का विवरण बताया करता था, उस मार्ग से जाने वाले विमानों के लिए समाचार-उत्प्रेषण केन्द्र (Transmission Station) का काम करता था और, इसके अतिरिक्त, ऊपर से होकर गुजरने वाले विमानों के लिए 'राडार' द्वारा सूचनाएँ दिया करता था। यह एक महत्वपूर्ण कार्य था, यद्यपि इसमें कोई आनन्द नहीं था। ऊब और मौसम, केवल ये ही दो शत्रु थे और 'ग्रेशम' पर काम करने वाले कर्मचारियों को इन दोनों में से मौसम पर विजय प्राप्त करना अधिक सरल प्रतीत होता था। इस शाम को उन्होंने निराशा के साथ एक चल-चित्र को हटा दिया, क्योंकि वे उसे अनेक बार देख चुके थे और एक दूसरे चल-चित्र के साथ प्रयोग किया, जिसके संवाद उन्हें कण्ठस्थ हो गये थे। उन्होंने ध्वनि-यंत्र को बन्द कर दिया और संवाद बोलने के लिए कतिपय कर्मचारियों को चुन कर चित्र को मूक रूप से चलाया। संवाद को अत्यधिक कल्पनाशीलता से आकर्षक बनाया गया था और उसका अधिकांश भाग अत्यन्त दोषपूर्ण था। चित्र बहुत ही अधिक सफल हुआ था। द्वितीय श्रेणी के 'राडार' चालक हर्लचिस्की की, जिसने प्रेम के अधिक मार्मिक दृश्यों में बेट्टी ग्रेबल के स्थान पर संवाद बोले थे और जिसका स्वर कोमल था, विशेष रूप से प्रशंसा की गयी थी। अब, जब वह 'ग्रेशेम' के यंत्रों से भरे हुए 'राडार'—कक्ष में रखी हुई लम्बी मेज पर झुक कर चौथी बार काफी पी रहा था, तब वह तृतीय श्रेणी के आपरेटर फिनियन और 'स्ट्राइकर' गोल्डिंग द्वारा की गयी भूरि-भूरि प्रशंसा के बावजूद असन्तुष्ट था।

फिनियन ने दसवीं बार कहा—"मैं तुमसे सच कहता हूँ... इस समस्त तट-रक्षक पोत पर इस कमबख्त हर्लचिस्की जैसा कामोत्तेजक स्वर किसी का भी नही है। यह सच बात है।" अपने सामने 'राडार' के पर्दे के नीचे रखी हुई मेज पर उसने जोर के साथ घूसा मारा और कहा—"हर्लचिस्की, यदि तुम खूब अच्छी तरह से दाढ़ी बना लो और उन मोटी डुगरियों के बदले कोई बढ़िया कपड़ा पहन लो, ऐसा महीन कपड़ा, जैसा किसी सुल्तान के हरम में बेगमे पहनती है, और थोड़ा-सा इत्र लगालो, तो... खुदा की कसम, मै तुम्हें दबा दूं।"

"तुम लोग भी कैसी बातें करते हो!"—हर्लचिस्की ने उसी स्वर में कहा, जिस स्वर मे वह चल-चित्र के संवाद बोला था—"अच्छी वस्तुओं को चाहने वाला कोई अच्छा व्यक्ति इस जहाज पर सुरक्षित नहीं है।"

फिनियन उस क्षण आनन्द के कारण अपने वश मे नहीं रह गया था। वह झुककर दोहरा हो गया और उदासी से उसने अपना सिर हिलाया।

"देखो, मेरा आशय क्या है, गोल्डिग? क्या तुम उसके आगे कुछ बोल सकते हो? यह नालायक हर्लचिस्की कभी चूकता नहीं है। मै कप्तान से एक भिन्न पहरा माँगने के लिए जा रहा हूँ। मै इस दढ़ियल को अब और अधिक सहन नहीं कर सकता। मुझ में अप्राकृतिक काम-वासना छा जायगी और यदि किसी छोकरे के ठीक हर्लचिस्की की भाँति दाढ़ी और भटकने वाले पाँव न हों, तो पुनः किनारे पर पहुँच कर नपुंसक हो जाऊँगा।"

यंत्र-सज्जित मेज के ऊपर लाउडस्पीकर से एक जोरदार और स्पष्ट आवाज आयी, जिससे उसकी असहाय हँसी का क्रम भंग हो गया।

"यह चार-दो-सिफर नम्बर का विमान है और सागरीय केन्द्र 'अंकिल' से बात कर रहा है। हम आप से उत्तर में लगभग २५ मील की दूरी पर हैं। ऊँचाई सात हजार फुट है। मार्ग ४० अंश चुम्बकीय है। क्या आप कृपा करके हमें राडार द्वारा सूचना देंगे और स्थलीय गति बतायेंगे? समाप्त।"

हर्लचिस्की शीघ्रतापूर्वक यंत्र-सज्जित मेज के पास पहुँच गया और माइक्रोफोन को उठा लिया।

"राजर, चार-दो-सिफर। यह सागरीय केन्द्र 'अंकिल' है। रुके रहिये।"

हर्लचिस्की के बोलना समाप्त करने से पूर्व गोल्डिग का सारा ध्यान 'राडार'-यंत्र पर केन्द्रित था। पर्दे से निकलने वाले हरे प्रकाश में उसका चेहरा बीमार जैसा प्रतीत हो रहा था, किन्तु जिस समय वह पर्दे के किनारे के समीप एक

छोटे सफेद स्थल की मन्द गतिविधि का निरीक्षण कर रहा था, तब उसकी आँखें सतर्क थीं।

गोल्डिंग ने अपनी आँखों को पर्दे से हटाये बिना ही कहा—

"कोआर्डिनेट्स...... "

"हाँ, हाँ।"—हलचिस्की ने उत्तर दिया। प्रकाश-युक्त यंत्र-सज्जित मेज के ऊपर वह एक काली पेंसिल लेकर लिखने के लिए तैयार बैठा था।

"सत्ताईस और शून्य पाँच।"

"हाँ, हाँ।"

"सत्ताईस और शून्य पाँच।"

"हाँ, हाँ।" जब-जब वह सूचना की प्राप्ति स्वीकार करता था, तब-तब हलचिस्की अपनी पेंसिल से रेखांकित कागज पर एक चिह्न लगाता जाता था।

"सत्ताईस और एक एक।"

"हाँ, हाँ।"

गोल्डिंग स्थितियों का विवरण तब तक बोलता गया, जब तक कागज पर सात चिह्न नहीं अंकित हो गये।

"इतना पर्याप्त है।"—हलचिस्की ने कहा और गोल्डिंग सिगरेट सुलगाने के लिए बैठ गया। हलचिस्की ने, अपने गति-विभाजक यंत्रों को प्रथम और अन्तिम चिह्न पर रखा, परिणाम को पढ़ा और माइक्रोफोन को उठा लिया।

"विमान नम्बर चार-दो सिफर यह सागरीय केन्द्र 'अंकिल' है। 'राडार' यंत्र से से पता चलता है कि आप हमारी स्थिति से २७ मील उत्तर में हैं। मार्ग चालीस अंश चुम्बकीय, स्थलीय गति एक सौ बावन 'नाट' है। आपके विवरण के साथ यह कैसा मेल खाता है? समाप्त।"

"चार-दो सिफर से हम सागरीय केन्द्र "अंकिल" से बात कर रहे हैं। सूचना हमारे विवरण से बिलकुल ठीक मिलती है। बहुत-बहुत धन्यवाद। हमारे यहाँ ग्रीनविच के अनुसार सान फ्रांसिस्को में दस बज कर पन्द्रह मिनट हुए हैं। समाप्त।"

"राजर, चार-दो-सिफर। यात्रा सुखद हो। सागरीय केन्द्र 'अंकिल' जा रहा है।" हलचिस्की ने माइक्रोफोन को लटका दिया और अपना काफी-पात्र उठा लिया। वह एक क्षण तक गोल्डिंग की बगल में खड़ा होकर छोटी लहर (Pip) को पर्दे को पार करते हुए देखता रहा और जब वह किनारे

के उस पार जा कर लुप्त हो गया, तब उसने जोर की साँस ली।

"परमात्मा की कसम, मेरी इच्छा है कि मै उस विमान पर होता।"–उसने कहा।

"प्रिये . . . हृदयेश्वरी !"–गोल्डिंग ने निराशा-भरे स्वर में उत्तर दिया। "तुम मुझे छोड़ कर तो नहीं जाओगी ?"

उड्डयन-कक्ष की खिड़कियों के पार दिन का ढलना पहले ही प्रारम्भ हो चुका था। पूर्व की दिशा में विमान की गति के कारण सूर्यास्त की सामान्य गति बढ़ने लगी और अब क्षितिज पर एक गहरा फिरोजी रंग छा गया था। सघन बादलों का स्थान अपेक्षाकृत कम प्रभावोत्पादक, बिखरे हुए बादलों ने ले लिया था और सम्भवतः पचास मील आगे की ओर उच्चतर स्तरों पर पुराने सोने का रंग फैल गया था। प्रशान्त सागरीय आकाश पर संध्या का आगमन बड़ी तीव्र गति से हो गया था।

डैन रोमन और हाबी व्हीलर ने अपने-अपने स्थान बदल लिये। डैन बायें ओर था और समय-समय पर झुक कर स्वयं-चालित विमान-चालक यंत्र को ठीक करता जाता था, जब कि हाबी विवरण-पुस्तिका में लिखता जाता था।

सलीवन उन दोनों के बीच में खड़ा था। उसके हाथ उसकी जेबों में थे और उसके जबड़ों की हड्डियों के सिरों पर के गोले समान गति से हिल रहे थे। वह खिड़कियों के पार विस्तृत आकाश की ओर नहीं देख रहा था। उसका सारा ध्यान विमान के अग्रभाग के अन्तिम छोर पर एक ओर से दूसरी ओर तक फैले हुए यंत्रों पर केन्द्रित था। ये यंत्र विमान के शरीर के स्नायुओं की भाँति थे और उनके द्वारा सलीवन न केवल उड़ान की ऊँचाई और मार्ग का, बल्कि चारों इंजिनों की स्थिति का भी पता लगा सकता था।

सामान्यतः, हाँ, सामान्यतः, किसी भी भावी संकट का ज्ञान इन यंत्रों द्वारा प्राप्त हो जाता था। ये यंत्र त्रुटियों को तत्काल पकड़ लेते थे और उनकी सूचना आश्चर्यजनक रूप से ठीक होती थी। अतः अन्य समस्त कप्तानों की भाँति सलीवन भी उन पर भीतर-ही-भीतर भरोसा करने लगा था। फिर भी, उसने उसी प्रकार सावधानीपूर्वक यंत्रों का सर्वेक्षण किया, जिस प्रकार कोई चतुर दलाल स्टाक बोर्ड पर खुले भावों की जाँच करता है। अन्तर्ध्वनि जैसी भावना अब भी पायी जाती है। बाह्य रूप के पीछे चीजें ठीक वैसी ही नहीं, जैसा उन्हें होना चाहिए और जब उसे अपने सन्देहों की पुष्टि करने के लिए कोई बात नहीं मिली, तब उसे तनिक निराशा हुई। 'प्रापेलरों' में पूर्ण

सामंजस्य था। 'साइनक्रास्कोप' पूर्णतया स्थिर थे और उसके कानों में जो आवाज आ रही थी, वह भी बिल्कुल सन्तोषजनक थी। फिर, जब वह कर्मचारियों के कक्ष में पुनः लौटा, तब उसे इतना अधिक विश्वास क्यों था कि कम से कम एक 'प्रापेलर' अपने स्थान से इधर-उधर हटता रहता है ?

अपने विमान की गति के कारण सलीवन को सदा उसकी प्रगति से बहुत आगे सोचने के लिए विवश होना पड़ता था। यह एक स्वयंसिद्ध बात थी कि तत्काल जो कुछ घटित हो रहा है, उसमें उसे इतना अधिक तल्लीन नहीं हो जाना चाहिए, विशेषतः उस समय, जब सब कुछ ठीक चल रहा हो; इसकी अपेक्षा उसे घण्टों आगे की, क्षितिज के पार एक हजार मील की बातें सोचनी चाहिए, उसे उन बातों की कल्पना करनी चाहिए, जो उस समय उसकी विचार-प्रणाली मे असावधानी आ जाने के कारण हो सकती है। केवल इस प्रकार की लम्बी पूर्व कल्पना के द्वारा ही वह ऐसी परिस्थिति को रोक सकता है, जिसमे उड़ान की एक छोटी-सी त्रुटि अन्ततोगत्वा उन त्रुटियों के साथ मिल सकती है, जिनको पहले से ही देख सकना असम्भव होता है और इन सभी त्रुटियों के संयोग से अनेक कठिनाइयाँ प्रारम्भ हो सकती हैं। सलीवन अथवा डैन रोमन अथवा अपेक्षाकृत अधकचरे हाबी को भी यह बताने की आवश्यकता नहीं थी कि अनेक विमान-दुर्घटनाओं का मूल कारण उड़ान के प्रारम्भ में की गयी एक छोटी और महत्त्वहीन भूल ही होती है। यह चरम जटिलता का एक स्वाभाविक परिणाम था और किसी कप्तान के लिए यह निर्णय करना, अनिवार्यतः, बहुत कठिन कार्य होता है कि वास्तव में क्या महत्वपूर्ण है और क्या महत्वपूर्ण नहीं है।

सलीवन की तात्कालिक विचार-धारा में एक भावना से और अधिक जटिलता आ गयी। यह भावना उसके लिए नयी थी। यह एक ऐसा रहस्य था, जिसे उसने अपने आप तक ही सीमित रखने का विचार किया था, यद्यपि वह जानता था कि अन्य कप्तान भी इसका अनुभव कर चुके हैं और कभी-कभी वे अपने रोग को स्वीकार करने में पूर्ण स्पष्टवादिता से काम लेते हैं। गुस्ताव पार्डी ने इस नये घाव को कुरेदा था और यदि वह सलीवन के अन्तर में और अधिक प्रवेश कर पाता, तो सम्भवतः उसे पेशे विषयक इस रोग का पता चल जाता। कुछ विमान-चालक अन्य विमान-चालकों की अपेक्षा अधिक धीरे-धीरे ग्रस्त होते हैं, किन्तु अन्त में यह सभी को पकड़ लेता है। कभी-कभी यह रोग उनके अवकाश-ग्रहण करने के समय तक रहता है अथवा अवकाश-

ग्रहण का कारण भी बन जाता है— कभी-कभी वे इस पर पूर्ण विजय प्राप्त कर लेते हैं और कभी-कभी यह मृत्यु-पर्यन्त उनका साथ नहीं छोड़ता। वर्ष में दो बार विमान-चालक की शारीरिक परीक्षा करने वाला कोई भी 'फ्लाइट सर्जन' निश्चयपूर्वक यह नहीं बता सकता कि विमान-चालक अपने जीवन की इस अवस्था में कब प्रवेश करेगा, अर्थात् उसके जीवन में वह समय कब आयेगा, जब वह अक्सर इस भय का अनुभव करने लगेगा। विमान-चालक के भय की मात्रा निश्चय ही उसके मूल व्यक्तित्व और उसकी मानसिक अनुशासन की क्षमता पर निर्भर करती है, किन्तु जिस प्रकार उसके उड़ान के घण्टों में निश्चित रूप से वृद्धि होती है, उसी प्रकार वह इस भय का शिकार भी निश्चित रूप से होता है। सलीवन इसे अच्छी बात भी मानता था और बुरी बात भी, किन्तु वह इसे एक दुर्बलता समझता था और उन क्षणों से घृणा करता था, जब वह स्वयं को अन्य समस्त व्यक्तियों की भाँति ही व्यवहार करता हुआ पाता था।

एक सिगरेट खत्म होते ही दूसरी सिगरेट की आवश्यकता, वास्तव में इच्छा न रहते हुए भी काफी की माँग करना —ऐसे लक्षण इस भावना के अस्तित्व को प्रकट करते हैं। यह भावना सतर्कता को जन्म देती है, जो एक अच्छी बात है, किन्तु इसके कारण छोटी-छोटी बातें भी अत्यधिक महत्वपूर्ण बन जाती हैं और उसने महसूस किया कि यह अन्त का आरम्भ हो सकता है। किसी भी उड़ान में अनिवार्य रूप से घटित होने वाली उन छोटी-छोटी बातों को थोड़ा-थोड़ा अतिरंजित करते जाने से विमान-चालक की निर्णय-बुद्धि समाप्त हो सकती है और अन्त मे उसकी विचार-शक्ति अस्थिर हो जाती है। इसके प्रभाव सर्वप्रथम विमान-स्थल पर जाने की अनिच्छा अथवा उड्डयन के सम्बन्ध मे बात करने से इनकार अथवा विशेष उड़ान का काम सौंपे जाने पर बीमारी का बहाना करने की प्रवृत्ति के रूप में भी परिलक्षित होते हैं। अन्त में, यदि विमान-चालक रोग पर विजय प्राप्त करने में असमर्थ हुआ, तो उसके विश्वास का नाश अधिक स्पष्ट हो जायगा—ऐसी स्थिति में प्रस्थान के स्थान तक लौटने के लिए कोई ठोस यांत्रिक कारण न होने पर भी लौटने का विफल प्रयास किया जाता है, मौसम की खराबी के समय विमान-स्थलों तक पहुँचने के अवसर खो दिये जाते हैं और कभी-कभी वास्तविक आवश्यकता न रहने पर भी खतरे के सिगनल भेजे जाते हैं।

सलीवन अपने वैमानिक जीवन की प्रौढ़ता की इस व्यग्रताजनक अवस्था

के विरुद्ध संघर्ष करने के लिए कृत-संकल्प था। यह बीमारी बिस्तर पर पेशाब कर देने के तुल्य थी। वह अपने मुख्य विमान-चालक, अपनी पत्नी अथवा अन्य किसी व्यक्ति द्वारा इसका सन्देह किये जाने से पहले ही इसका उपचार कर डालेगा। और इसी लिए वह काफी देर तक पूर्ण रूप से मौन हो कर यंत्रो का निरीक्षण करता रहा। कोई गड़बड़ी नहीं थी। प्रत्येक तापमान, प्रत्येक दबाव ठीक वैसा ही था, जैसा उसे होना चाहिए। और यदि डैन को कोई गड़बड़ी दिखायी पड़ी होती, तो उसने निश्चय ही कुछ कहा होता। चिट्ठियाँ और किसी नगर विशेष तक पहुँचाये जाने की आशा में अपना किराया देने वाले यात्रियों को ले जाने वाले किसी विमान को केवल इसीलिए वापस नहीं लौटाया जा सकता था कि उसके कप्तान के मन में कोई रहस्य छिपा हुआ था। कहीं कोई गड़बड़ी नहीं थी।

कुछ समय बाद सलीवन यंत्र-पटल से दूर हट गया और पीछे की ओर जाने लगा। वह लियोनार्ड के पास पहुँचा और उसे सागरीय केन्द्र 'अंकिल' द्वारा प्रेषित राडार-सूचना का विवरण लिखते हुए देखने लगा। लियोनार्ड तथ्यों को नही, बल्कि इतिहास को अंकित कर रहा था, क्योंकि उसके लिखते रहने के समय में ही विमान उनकी विगत स्थिति के प्रतीक 'एक्स' अक्षर से दस मील पूर्व चला गया। प्रत्येक साठ सेकण्ड के बाद तीन मील से अधिक की दूरी पार हो जाती थी। एक घण्टे में अथवा उसके आसपास वे अप्रत्यावर्त्तन बिन्दु को, जिसे लियोनार्ड ने एक दूसरे 'एक्स' से अंकित किया था, पार कर जायँगे।

लियोनार्ड ने कहा—"'ऐसा प्रतीत होता है कि हमने लगभग चार मिनट की कमी पूरी कर ली है। अन्ततोगत्वा हवा का जोरदार होना प्रारम्भ हो गया है।"

"बहुत अच्छा।"

"मेरी इन थकी हुई बूढ़ी आँखों को यह स्थिति अच्छी दिखायी दे रही है। हो सकता है कि एक चमत्कार हो जाय और हम ठीक समय पर सान फ्रांसिस्को पहुँच जायँ।" लियोनार्ड ने स्नेहपूर्वक चार्ट को थपथपाया, मानो वह कोई जीवित पदार्थ हो और सलीवन ने सोचा कि किसी बात के सम्बन्ध में इतने पूर्ण विश्वास का अनुभव करना कितना आश्चर्यजनक होता होगा। लियोनार्ड ने पेपरमिण्ट का एक पैकेट निकाला और कहा—"एक गोली लीजियेगा कप्तान?"

"नहीं धन्यवाद. खाना खाने के बाद ले सकता हूँ। क्या तुम मुझे एक

बात बताओगे...हम अप्रत्यावर्त्तन-बिन्दु को कब पार करेंगे?"

"स्वभावतः......."

सलीवन ने सोचा कि लियोनार्ड को अपनी दृष्टि में किंचित् आश्चर्य का भाव लाने का पूर्ण अधिकार है। समय आने पर अप्रत्यावर्त्तन-बिन्दु की घोषणा करना उसी प्रकार उसका नियमित कार्य है, जिस प्रकार कि घड़ी में चाभी देना। यह उसी प्रकार का एक मूर्खतापूर्ण अनुरोध था, जिस प्रकार यह पूछना कि क्या खिड़कियों के बाहर दिखायी देने वाली संध्या शीघ्र ही रात के रूप में परिणत हो जायगी। यह इस बात की स्वीकारोक्ति थी कि वह अप्रत्यावर्त्तन-बिन्दु के सम्बन्ध में चिन्तित है और इस प्रकार यह भय की मनःस्थिति को भी स्वीकार करना था। इस भय में सारे समय सीटी बजाते रहने वाले व्यक्तियों से कोई सहायता नहीं मिलती।

सलीवन के मन में स्वयं अपने प्रति जो घृणा उत्पन्न हो गयी, उसके शांत हो जाने पर उसने डैन का कन्धा थपथपाया और कहा—"थोड़ा आराम कर लो, डैन। कुछ समय तक मैं मुठियों को सम्हाल लूँगा।"

डैन ने अपनी बाँहो को ऊपर फैलाया, अंगुलियों को चटकाया और जम्हाई ली।

"बहुत अच्छा। सोचता हूँ, थोड़ा सो लूं।" उसने अपनी पेटी खोल दी और जब सलीवन ने देखा कि नियंत्रण-पट (Control pedestal) तक पहुँचने के लिए उसे कितने अस्वाभाविक रूप से अपने शरीर को मोडना पड़ता है, तब उसे डैन के लिए दुख का अनुभव हुआ। डैन का वह लंगड़ाता हुआ पाँव! निश्चय ही वह एक भयंकर दुर्घटना रही होगी। जब डैन होनोलुलू में स्नान कर रहा था, तब सलीवन ने उस पाँव को देखा था और उसे इसके सम्बन्ध में पूछने की इच्छा हुई थी, किन्तु दो पैरों वाले विमान-चालक ऐसे प्रश्न कभी नहीं पूछते। डैन को पुनः इस पेशे में आने का साहस कहाँ से प्राप्त हो गया था? क्या वह भी रोग के बारे मे जानता था, अथवा क्या वह इस पेशे में इतने समय तक रह चुका था कि वह अब इसकी परवाह ही नही करता था? डैन ने मुस्कराते हुए कहा—"विचित्र बात है कि किस प्रकार कोई व्यक्ति अपने कानों से केवल कुछ फुट की दूरी पर ही चार बड़े-बड़े इंजिनों के गर्जन के बावजूद निर्विघ्न रूप से सो सकता है और जब इंजिनों का गर्जन बन्द हो जाता है, तभी वह जल्दी में हड़बड़ा कर उठता है। घर पर नीरवता के कारण अपनी नींद भंग होने की कल्पना तो कीजिये। किसी भी मानव-प्राणी

को इस प्रकार की व्यवस्था सह्य नही होनी चाहिए।" उसकी आँखों में जो नयी हार्दिकता थी, उससे सलीवन अवगत था। यह सौमनस्य की एक ऐसी दृष्टि थी, जो प्रायः व्यग्र कर देने वाली थी। कर्मचारियों के कक्ष की ओर मुड़ते हुए डैन ने अपना हाथ सलीवन की ओर बढ़ाया और उसकी पीठ को कोमलतापूर्वक थपथपाया।

सलीवन ने सोचा कि वह जानता है. . . . वह मेरे बारे में जानता है।

उसने एक सिगरेट सुलगायी और भाव-निमग्न होकर यंत्र-पटल की घड़ी की ओर, जिस पर सेकण्ड की सुई निरन्तर चारों ओर चक्कर लगाती जा रही थी, देखने लगा।

लिडिया राइस ने पुनः एक बार निश्चय किया कि हावर्ड मुझ से चाहे कुछ भी कहे, मै उसे उत्तर नहीं दूँगी। किसी बालक से, एक मूर्ख और अयोग्य बालक से, जिसे एक विज्ञापन प्रतिष्ठान का संचालन करने का प्रयत्न करने के बदले सड़कों पर नेकटाइयाँ बेचनी चाहिए, तर्क-वितर्क करने का प्रयत्न करने से कोई लाभ नही है। मैं उससे घृणा करती हूँ। काश, मैंने १९४४ में चाची हेलेन की बात सुनी होती ? उस समय उसने कहा था– "देखो लिडिया, हावर्ड राइस एक बहुत ही दर्शनीय और सुन्दर पुरुष है, विशेषतः उस समय उसकी सुन्दरता बहुत बढ़ जाती है, जब वह वर्दी मे होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि एक सामाजिक सहायक के रूप में वह एडमिरल के लिए अत्यन्त मूल्यवान सिद्ध होगा . . . . . किन्तु वास्तव में, मेरी प्यारी बेटी, क्या तुम्हें कोई ऐसा नवयुवक नही मिल सकता जो हमारे रहन-सहन के ढंग के विचार से अधिक उपयुक्त हो ? मेरा सदा से यह विचार रहा है कि हावर्ड का मस्तिष्क बहुत छोटा है और वह काफी के काले प्याले में बहुत अच्छी तरह से समा सकता है। ओह, चाची हेलन, तुमने कितना ठीक कहा था। हावर्ड अभी तक सुन्दर है, बिना वर्दी के भी सुन्दर लगता है और याद रखो कि १९४४ में पतियों का मिलना कठिन था, किन्तु उन भूरी आँखों के पीछे पूर्ण रिक्तता है। मै उससे घृणा करती हूँ।

वह अपने स्थान पर हिली, और उसने अपनी छोटी-छोटी टांगों को इस प्रकार सावधानी से हिला कर ठीक किया कि उनमें और उसके पति के पाँवों के बीच की दूरी, इन परिस्थितियों में, अधिक से अधिक रहे। उसने खिड़की के बाहर इस प्रकार देखने का प्रयत्न किया, जिससे प्रतीत हो कि वह कई दिनों से ऐसा कर रही है, किन्तु अब आकाश का रंग मद्धिम फिरोजी हो

गया था और नीचे सागर का रंग काला। उसने सोचा कि आकाश और सागर, दोनों, मेरे पति के चेहरे के समान ही मन को उबा देने वाले हैं।

असम्भव को प्राप्त करने के अतिरिक्त मैंने इस व्यक्ति के लिए सब कुछ किया। एक डालर अट्ठानवे सेण्ट पर हावर्ड ने चाँद को भी बेच दिया। अपने आपको महत्वपूर्ण—एक बड़ा व्यापारी – समझ सकने की चेष्टा में उसने क्या कुछ नहीं किया। उसने मेरे धन से, जो अब सब समाप्त हो गया है, व्यापार किया। यह सब मैंने उसकी सुन्दर भूरी आँखों से आकृष्ट होकर किया। ओह, अब मैं क्या करूँ? मुझे चाहिए था कि मैं हावर्ड के साथ अभिसार करती, मौज उड़ाती और बात को वहीं समाप्त कर देती। बिस्तर ही एक मात्र ऐसा स्थान है, जहाँ वह अपनी प्रतिभा सिद्ध कर सकता है और वहाँ उसे निश्चय ही ओलिम्पिक प्रतियोगिताओं में अमरीका का प्रतिनिधित्व करना चाहिए। क्या सहवास के लिए अच्छा होने के लिए यह आवश्यक है कि कोई व्यक्ति मूर्ख हो? प्रतिभाशाली व्यक्तियों के सम्बन्ध में क्या कहा जाय? ज्यों ही मै श्रीमती राइस नहीं रह जाऊँगी, त्यों ही मै इसका पता लगा लूँगी. . यदि वकीलों ने सभी कागजों को तैयार करने में बहुत अधिक समय लिया, तो हो सकता है कि इसके पहले भी। मन को चाहे कितना स्वच्छ क्यों न कर लूँ, लेकिन जिस व्यक्ति से मैंने विवाह किया है, उससे जब मैं घृणा करती हूँ, तब मैं उसके सम्बन्ध में और कुछ सोच ही कैसे सकती हूँ?

किसी ऐसी कनाडियन खान की एजेन्सी में स्टाक का व्यापार करने की कल्पना तो कीजिये, जिसे किसी जिम्मेदार व्यक्ति ने कभी नहीं देखा था। और इसके सम्बन्ध में उसने किसी को उस समय तक नही बताया, जब तक इतना अधिक विलम्ब नही हो गया कि कुछ भी नहीं किया जा सकता था. . . यह सब कुछ उसने इसलिए किया कि वह स्वयं कुछ कर दिखाना चाहता था और नगर से बाहर एक विशाल भवन मे रहना चाहता था। किसी निर्जन कनाडियन खान के एक शिविर में, जो सभ्यता की सीमाओं से करोड़ों मील दूर हो, लिडिया राइस के अस्तित्व की कल्पना! तुम्हें हावर्ड को किसी मानसिक चिकित्सक के पास भेज देना चाहिए था. . . उसके जरा से परीक्षण से यह दुर्घटना बच जाती। चीड़ के वृक्ष और मछलियाँ, क्यों न हो! लिडिया उस समय क्या करती, जब उसका पति बूट और 'लम्बर जैक' कमीज पहन कर इधर-उधर घूमता होता? क्या वह उत्तरी अमरीका की गिलहरियों के साथ शराब पीती? या एस्किमो लोगों के साथ ताश खेलती? मेरे ख्याल

से एस्किमो जाति के लोग तो वहाँ होंगे ही ! वहाँ कोई न कोई तो अवश्य होगा... विलार्ड अथवा डेप्यू अथवा कूली अथवा साल्टन अथवा मार्टिन रेन अथवा जूल्स हीली अथवा ब्रेसलर परिवार के व्यक्ति या उन्हीं जैसे आकर्षक, महत्वपूर्ण परिवारों के व्यक्ति, जो मैनहट्टन से बहुत दूर जाना बुद्धिमानी की बात नही मानते, तो वहाँ नहीं होंगे, किन्तु वहाँ कोई न कोई व्यक्ति तो अवश्य होगा। निस्सन्देह जाल डाल कर जानवरों को पकड़ने वाला फ्रान्सू, जिसके ६६ लड़के होंगे और उगउग एस्किमो, जिसके पास उतनी ही पत्नियाँ होंगी, तो निस्सन्देह वहाँ होंगे। क्या अच्छे साथी होंगे यह लोग लिडिया राइस के लिए! मै उससे घृणा करती हूँ। मैं हावर्ड से घृणा करती हूँ. . . अपने मानस-पटल पर इस बात को एक सौ बार लिख लो और जब तक न्यूयार्क न पहुँच जाओ, तब तक, यदि अत्यन्त आवश्यक न हो, तो उससे एक शब्द भी मत बोलो। "सामान कहाँ है. . . . ? क्या तुम्हारे पास इस टैक्सी के लिए काफी पैसे रह गये है ?" केवल इसी तरह की आवश्यक बातें ही उससे बोलो।

उसने अपने बटुए से चेहरे पर लगाने के पाउडर का छोटा-सा बक्स निकाला और यह देखने लगी कि उसकी नाक चमक रही है अथवा नहीं। उसके अन्य अंगों की भाँति उसकी नाक भी बहुत ही छोटी और नाजुक थी। यद्यपि उसमें एक खराबी यह थी कि यदि उसे बहुधा साफ न रखा जाय, तो वह गीली हो जाती थी। निश्चय ही कनाडा के जनहीन प्रदेश में इस प्रकार की स्थिति से कोई अन्तर नहीं पड़ने वाला था. . . उत्तर की लिडिया राइस! निर्जन आर्कटिक प्रदेश की बहादुर लड़की ! यह सारी योजना मूर्खतापूर्ण थी, जिसका निर्माण ध्रुव प्रदेश के रीछ के समान भाव-प्रवणता रखने वाले एक व्यक्ति ने किया था।

"लिडिया. . . यदि तुम्हारी अप्रसन्नता समाप्त हो गयी हो, तो हम सारी बातों पर तर्क-संगत ढंग से विचार करने का प्रयत्न कर सकते है।"

"हमें कुछ भी बात नहीं करनी है।" उसने अपने पाउडर-बक्स को बन्द कर के क्रोधपूर्वक उसे अपने थैले में रख दिया। तत्पश्चात् उसने अपना मुँह खिड़की की ओर मोड़ लिया।

"मैं तो कहूँगा कि हमें बहुत कुछ विचार-विमर्श करना है . . .बशर्ते तुम इस बात पर तर्क-संगत ढंग से विचार करने के लिए तैयार हो।"

"तर्क-संगत ढंग से ? जरा देखो तो कौन बात कर रहा है !"

"सम्भवतः मैंने तुम्हारे सामने यह बात अचानक पेश कर दी, जैसा कि

मुझे नहीं करना चाहिए था, किन्तु मैं इस पुराने विचार का आदमी हूँ कि पत्नी यदि अपने पति के सभी प्रयत्नों में पूर्ण हृदय से सहयोग प्रदान करे, तो वह अधिक सुखी रह सकती है।"

"भले ही पति अपने को एक गधा बना ले ?"

"हाँ. . .उस समय भी, किन्तु जहाँ तक हमारा सम्बन्ध है, अभी तक ऐसी बात नहीं हुई है।"

"किसी अज्ञात कनाडियन खान के लिए न्यूयार्क की एक विज्ञापन एजेंसी को बेच देने वाला कोई भी व्यक्ति गधा ही माना जायगा और मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे सभी मित्र मेरी इस बात से सहमत होंगे।"

"मुझे इस बात में तनिक भी दिलचस्पी नहीं है कि हमारे तथाकथित मित्र क्या सोचेगे। वास्तविक बात तो यह है कि कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि वे कभी कुछ सोचते भी है अथवा नहीं।"

"इसमें तनिक भी सन्देह नही है कि वे तुम्हारे सम्बन्ध में यही निर्णय करेंगे।"

"उन्हें करने दो ऐसा निर्णय। लिडिया. . . मै यह विश्वास ही नहीं कर सकता कि तुम वास्तव में उस वातारण में सुखी रही हो। रोमन युग के बाद से इतना बुरा सामाजिक चक्र कभी नहीं उत्पन्न हुआ था। तुम्हें प्रति दिन और प्रति रात एक ही चेहरे दिखायी देते है. . . . केवल रात को वे जरा अधिक चमकीले दिखायी देने लगते हैं। वे गप्प छोड़ कर और किसी वस्तु का उत्पादन नहीं करते। उनमें से अधिकांश बच्चे पैदा करने से भी डरते है। वे एक ऐसे संसार में निवास करते हैं, जिसमें देर से नाश्ता किया जाता है, किसी भी क्षणिक चहल-पहल वाले स्थान पर बैठ कर बड़ी देर तक भोजन किया जाता है, डिजेल बस के धुएँ और बड़ी-बड़ी कामोत्तेजक काकटेल पार्टियाँ होती हैं और वार्तालाप के नाम पर अर्द्धज्ञानपूर्ण 'हाँ, हाँ,' की जाती है। मैं इस संसार से बाहर निकलना चाहता हूँ।"

"तुम इससे बाहर निकल गये हो और मै आशा करती हूँ कि तुम संतुष्ट हो।"

"मैं तनिक भी सन्तुष्ट नहीं हूँ। मै बहुत-सी चीजें करना चाहता हूँ। पहले-पहले, मैंने तुम्हारी विज्ञापन-एजेन्सी का संचालन करना केवल इसलिए स्वीकार किया कि युद्ध समाप्त हो गया था और मैं सोच नहीं पा रहा था कि मुझे क्या करना चाहिए। यह काम मेरे लिए नहीं है, लिडिया, और मैं इसे कभी नहीं कर सकता। मैं प्रातःकाल यह भावना लेकर उठना चाहता हूँ कि

मैं उस दिन जो भी सफलता प्राप्त करूँगा, वह स्वयं अपने प्रयासों से करूँगा ...इस विचार से नहीं कि मेरी पत्नी को उत्तराधिकार में कोई व्यवसाय मिला है।"

"जब तुमने उसे बेचने का निर्णय किया...और वह भी मुझसे पूछे बिना ही– तब तुमने इस तथ्य पर तनिक भी विचार नहीं किया कि यह व्यवसाय मूलतः तुम्हारी पत्नी का है।"

"इसके लिए समय नहीं रह गया था। मैं तुम्हें दो दिनों से समझाता आ रहा हूँ। ज्यो ही खान चल निकलेगी, त्यों ही मैं तुम्हारा धन वापस लौटा दूंगा।"

"क्या खूब!"

"तीन वर्षों में तुम्हारी पाई-पाई मिल जायगी।"

"वाह-वा!" लिडिया ने सोचा कि तीन वर्षों में मैं अमरीका में दी गयी तीस सर्वोत्तम पार्टियो, तीस से अधिक बढ़िया प्रदर्शनों तथा न जाने और किन-किन वस्तुओं से वंचित हो जाऊँगी। ऐसा समझा जाता है कि तीन वर्षों में मैं कनाडा के निर्जन प्रदेश से आकर मैनहट्टन में तहलका मचा दूँगी। तीन वर्षों में मै एक बिल्कुल देहाती फूहड़ औरत बन जाऊँगी, मेरी 'स्कर्ट' पावों तक लम्बी होगी, जब कि उसे घुटनों तक होनी चाहिए। भूतपूर्व आकर्षक श्रीमती हावर्ड राइस को जो कुछ मिल जायगा, वही वस्त्र के नाम पर पहनना पड़ेगा... बेचारी, प्यारी लिडिया.... तुम कहाँ थीं? पागल।

"लिडिया....मैं अन्तिम बार तुमसे अपने साथ चलने के लिए कह रहा हूँ।"

"मुझे प्रसन्नता है कि तुम अन्तिम बार यह मूर्खतापूर्ण अनुरोध कर रहे हो और मुझे अब पुनः 'नहीं' नही कहना पड़ेगा। मै शीघ्रातिशीघ्र तुमसे विवाह-विच्छेद करने जा रही हूँ।"

"तुम्हारा सिर फिर गया है।"

"मैंने कभी इतनी स्पष्टतापूर्वक विचार नहीं किया। मैने एक पुरुष का कार्य करने के लिए एक लड़के को चुन लिया था।"

"न्यूयार्क में एक विज्ञापन एजेन्सी का संचालन करने के कार्य को पुरुषोचित कार्यों की श्रेणी में रखना कठिन है।"

"मेरे पिता का ऐसा ही विचार था।"

"तुम्हारे पिता एक अग्रणी थे। जिस समय उन्होंने कार्यारम्भ किया, उस

समय कोई विज्ञापन-व्यवसाय नहीं था।"

वह उसको पूर्ण रूप से देखने के लिए मुड़ी। जब से वे विमान पर सवार हुए थे, तब से प्रथम बार उसने उसकी ओर इस तरह से देखा था। उसका छोटा-सा मुँह लाल हो गया और उसकी छोटी-छोटी मुट्ठियाँ मजबूती के साथ बध गयीं।

"बहुत अच्छा। सहर्ष चले जाओ तुम अपने आदियुगीन जंगल में। कबूतरों के साथ अथवा जो भी पक्षी वहाँ हों, उनके साथ जागो। अपने दिमाग को वस्त्र-रक्षक गोलियों में दबा दो, ठेठ गबरैले जवान बनो, पत्थर रगड़-रगड़ कर आग बनाओ और हँाडियों से निकाल-निकाल कर भोजन करो, एक महीने में एक बार चिट्ठियाँ आने की प्रतीक्षा करो और कुछ भी पढ़ने के लिए इतने भूखे रहो कि 'नेशनल ज्याग्राफिक' पत्रिका तुम्हें 'न्यूयार्कर' के नवीनतम अक से भी अधिक उत्तेजक लगे, प्रत्येक शनिवार की रात को स्नान करो, किसी एस्किमो की झोंपड़ी में जाओ और उन लोगों को आधुनिक नृत्य सिखाओ. . . .तुम्हारे मन मे जो आये वह करो, जिससे तुम्हें यह अनुभव हो कि तुम एक पुरुष हो, किन्तु अपने लड़कपन से भरे दुस्साहिक कार्यों मे सम्मिलित होने के लिए मुझसे मत कहो। इन मूर्खतापूर्ण योजनाओं के लिए मूल्य चुकाना ही क्या कम है।" उसने अपने पतले छोटे शरीर को घुमाया और खिड़की की ओर मुँह कर लिया। उसके कन्धे पीछे की ओर तने हुए थे, जिससे उसका अवज्ञा-भाव प्रकट हो रहा था। हावर्ड ने उन कन्धों को छूने के लिए हाथ बढ़ाया और फिर धीरे-धीरे अपना हाथ पीछे खींच लिया। "क्या यह तुम्हारा अन्तिम उत्तर है, लिडिया ?"

उसका एकमात्र उत्तर मौन था। वह जानता था कि वह चिल्लायेगी नहीं। लीडिया स्टैनली राइस, जो प्रत्येक व्यक्ति के सम्बन्ध मे उसके कपड़ों और उसके बटुए को देख कर निर्णय करती थी, ऐसा नहीं कर सकती। यह बेचारी मूर्ख, जो 'अपर ईस्ट फिफ्टीज' के अभिजात्य वातावरण के कारावास से बाहर निकलने में डरती थी।

वह उसके पास से दूर हट गया और बहुत धीरे-धीरे अपनी आँखों को मलने लगा। स्वयं अपने हाथों की मन्द, तालपूर्ण गतिविधि से उसे सुख मिल रहा थां। एक क्षण बाद उसने महसूस किया कि कोई व्यक्ति उसकी कोहनियों पर धक्का दे रहा है। यह गलियारे के पास बैठा हुआ विचित्र और मूर्ख व्यक्ति था, मूर्ख श्री जोसफ अथवा जो भी नाम हो उसका।

"बन्धु. . . तुम संकट में पड़े हो, ठीक बात है न ?" एड जोसफ जिज्ञासापूर्ण मन्द स्वर मे, जो सारे विमान मे सुनायी देता था, बोलता गया और हावर्ड केवल उसकी ओर स्थिर दृष्टि से देखता रहा और अपने चेहरे पर विस्मय का भाव न आने देने का प्रयत्न करता रहा। एड जोसेफ ने कहा-"अब सुनो, मित्र. . . . मै जानता हूँ कि तुम सोच रहे होगे कि तुम्हारे मामलों में दखल देने का मुझे कोई अधिकार नही है। मै इस बात को अच्छी तरह से देख सकता हूँ. . . . किन्तु बात ऐसी है कि हमारे नगर मे एक क्लब है, जो 'किवानियों' अथवा 'आशावादियों' के क्लब जैसा ही है। प्रत्येक गुरुवार को भोजन के लिए इस क्लब की बैठक होती है। इस गोष्ठी में इतने लोग आते है कि तुम उन्हें जानने की इच्छा कभी नही करोगे। इस क्लब का नाम 'अच्छे पड़ोसियों का क्लब' है और हमारे कार्यक्रम को देखकर तुम्हें आश्चर्य होगा. . ग्रीष्म ऋतु में बच्चों के लिए शिविर का आयोजन, अस्पताल की सुविधाएँ तथा इसी प्रकार के अन्य कार्यक्रम। हमारा एक मूल मंत्र है और एक गीत है, जिसे हमारे क्लब के सदस्यों मे से एक ने लिखा था। गीत का शीर्षक है, "अपने पड़ोसी की सहायता करो।" तुम्हें कभी विश्वास नहीं होगा कि यह सभी क्षेत्रो में काम करने वाली कितनी अच्छी संस्था है. . . . . विशेषत: आजकल, जब कि कोई भी व्यक्ति अपने पड़ोसी की ओर ध्यान देता हुआ नहीं प्रतीत होता- "

"मैं आपको आश्वासन दे सकता हूँ, श्री—"

"ओह, मै जानता हूँ कि तुम क्या कहने जा रहे हो. . . .यही कि तुम्हारे सब काम ठीक है और तुम्हें किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता नही है, विशेषत: अजनबी व्यक्तियों की सहायता तुम्हें नहीं चाहिए। संकट में पड़ा हुआ व्यक्ति सदा पहले यही कहता है। संयोग, देखो, ऐसा है कि प्रत्येक व्यक्ति संकट में पड़ता है और संसार ऐसे व्यक्तियों से भरा पड़ा है, जो सब बातों को अपने मन में ही रखते है, क्योंकि या तो वे सच्ची बात बताने से डरते है और सोचते है कि इससे वे मूर्ख बन जायेंगे या वे सोचते हैं कि उनकी कठिनाइयों को अन्य कोई भी व्यक्ति नहीं समझ सकता। है न ठीक बात ? तुम कहोगे कि यह तो मानव-प्रकृति है और तुम इस पर विजय नही प्राप्त कर सकते। 'अच्छे पड़ोसी क्लब' का विश्वास है कि ऐसी बात नही है और हमने अनेक बार इस बात को प्रमाणित कर दिखाया है।"

एड जोसेफ ने तेजी के साथ साँस ली और कहना जारी रखा-"अभी-अभी तुम्हारी पत्नी के साथ तुम्हारा थोड़ा-सा झगड़ा हो गया था. . . . ओह,

कृपा कर के अप्रसन्न न हो.... मैं चोरी-चोरी तुम्हारी बातों को नहीं सुन रहा था, किन्तु जहाँ मैं बैठा हुआ हूँ, वहाँ से तुम्हारी बातें किसी को भी सुनायी दे सकती थी और मै यदि इस बात को स्वीकार न करूँ कि कभी-कभी श्रीमतीजी और मै हॅसने के लिए एक-दूसरे की ओर देख लिया करते हैं, तो मै झूठा कहा जाऊँगा...'' वह पुनः सांस लेने और अपनी नाक से खाल की पर्त्त उखाड़ने के लिए रुका। तत्पश्चात् उसने कहा—''क्या आपने कभी 'गुमनाम मद्यप' संस्था के बारे मे सुना है ?

''हमारा 'अच्छे पड़ोसी क्लब' एक प्रकार से उसी संस्था के समान है। ईश्वर की कृपा से मुझे 'गुमनाम मद्यप' नामक संस्था में कभी नहीं जाना पड़ा, किन्तु मुझे बताया गया है कि जब कोई व्यक्ति अत्यधिक मद्यपान कर लेने के कारण संकट में फॅस जाता है, तब दूसरे व्यक्ति, जो उसी प्रकार की समस्या का सामना कर चुके होते है, उसे एक प्रकार से हाथ में में ले लेते है और कठिनाइयों से उसे बचाते है। 'अच्छे पड़ोसी क्लब' इसी ढंग से काम करता है और कभी-कभी हमारी दावतें बड़ी विचित्र होती हैं। जब आप कमरे में प्रवेश करते है (बी. पी. ओ. ई. अपने निचले हाल का प्रयोग करने की अनुमति दे देता है) तब प्रत्येक व्यक्ति को एक तौलिया दी जाती है और वह उसे अपने साथ घर ले जाता है। फिर, वक्ता की मेज के ऊपर एक दूसरी बड़ी तौलिया टंगी होती है, जिस पर लिखा होता है 'जोर से रोने के लिए।' इस प्रकार प्रत्येक व्यक्ति को रोने के लिए तौलिया मिलती है, समझ रहे है ?.... यदि वह बहुत अधिक कठिनाइयों में फॅसा हो, तो वह और अधिक सहन नहीं कर सकता और कभी-कभी जब कोई ऐसा व्यक्ति आता है, जो वास्तव में बुरी तरह से संकट में फॅस गया होता है, तो दो अच्छे पड़ोसी उस व्यक्ति के लिए तौलिया पकड़ कर रखेंगे, जिससे वह रोने पर ही अपना ध्यान केन्द्रित कर सके तथा अन्य किसी बात के लिए उसे अपनी शक्ति का प्रयोग न करना पड़े। मै आपको बता रहा हूँ, जब हमारे सदस्यों में से कोई खडा हो कर शेष समुदाय के समक्ष अपने कष्टों का वर्णन करने लगता है, तब ऐसा विचित्र दृश्य उपस्थित हो जाता है, जिसे आपने कभी नहीं देखा होगा, और न जिसके सम्बन्ध में आपने कभी सुना होगा। ......यह पुराने ढंग की एक नियमित सभा का रूप धारण कर लेता है और उस समय जो व्यक्ति किसी विशेष संकट मे नहीं होता, वह वास्तव में महसूस करता है कि वह अकेला पड़ गया है।........''

हावर्ड राइस ने अविश्वास के साथ अपना सिर हिलाया। उसने गलियारे के पार बैठे हुए व्यक्ति का बोलना रोकने के लिए जिन शब्दों को चुना था, उन शब्दों को वह भूल गय। । उसने सुनना प्रारम्भ कर दिया ।

"...निश्चय ही लोग अपने वास्तविक कष्टों का पूरा विवरण नही बताते और उन्हें जानने की किसी को परवाह भी नहीं रहती...यदि कोई आर्थिक सकट हुआ, तो वे केवल सामान्य ढंग से अपनी कठिनाइयों को छिपा देते है और यदि कोई व्यक्तिगत संकट हुआ, तो कह देते है कि मै एक मित्र के लिए रो रहा हूँ.....किन्तु प्रभाव एक ही पड़ता है...सदा एक ही । यदि वह व्यक्ति अन्त में, वास्तव में, अपने ही ऊपर नही हँसने लगता, तो कम से कम वह अधिक अच्छा महसूस करने लगता है और मुख्य बात यह है कि अन्य प्रत्येक व्यक्ति भी ऐसा ही महसूस करने लगता है क्योकि दस में से नौ बार वे यह सोचते है कि दूसरे व्यक्ति की हालत हम से बहुत बुरी है.."

"आप अपनी सभा के अन्त में क्या गाते हैं ? अपनी कठिनाइयो को अपने पुराने थैले में बन्द कर लो ?"

"आपको कैसे मालूम ? किन्तु मै आपको बताना भूल गया । जब कोई व्यक्ति वास्तव मे संकट में फँस जाता है ..जैसे कि वह अपना आय-कर नहीं चुका सकता है, अथवा उसकी पत्नी ने कार को चकनाचूर कर दिया है अथवा उसके नये मकान की नीव में चारों ओर दरारें पड़ गयी है, उस समय के लिए हमारे पास एक ऐसा वाद्य-यंत्र है, जिससे वास्तव मे शोकपूर्ण संगीत की ध्वनि निकलती है । मेरे ऊपर विश्वास कीजिये, इससे बड़ी प्रेरणा मिलती है ।"

"मै सोचने लगा हूँ कि ऐसा हो सकता है ।"

"यह न समझिये कि लोग अपने वास्तविक संकटों का वर्णन करते है, जैसे कि किसी की पत्नी मरणासन्न है अथवा व्यवसाय में सचमुच घाटा हो रहा है... वे केवल छोटी-मोटी कठिनाइयों को ही स्वीकार करते है, जैसे किसी को अपने 'लान' की घास काटने के लिए कोई आदमी नहीं मिलता अथवा कोई व्यक्ति गोल्फ के मैदान मे जीत नहीं पाता...यह सब कुछ सापेक्षिक है, समझते हैं, और यदि कोई व्यक्ति छोटी-छोटी तकलीफो पर हँसने की आदत डाल लेता है और उसे पता चल जाता है कि बहुत अधिक चिन्ता करने से कोई लाभ नहीं होता, तो उसके लिए वास्तविक रूप से गम्भीर संकटों के बारे में, जिन्हें वह किसी से भी नहीं बताना चाहता, अत्यधिक चिन्ता न करना सरल हो जाता है । आप मेरी बात को समझ रहे हैं न ?"

"मैं आपकी बात को अब समझने लगा हूँ, श्री—?"

"एड जोसेफ। मैं फर्नीचर का व्यापारी हूँ। अब जहाँ तक आपका सम्बन्ध है, मित्र...... हो सकता है कि यदि आप मुझे थोड़ा-सा रोता हुआ सुनें, तो आप अधिक अच्छा महसूस करने लगेंगे। मैं चाहता हूँ कि आप समझ जायें कि 'अच्छे पड़ोसी क्लब' किस प्रकार काम करता है। अतः कल्पना कीजिये कि मैं एक तौलिया लेकर रो रहा हूँ और इसे सुनिये।"

एड जोसेफ ने एक गहरी साँस ली, अपनी पत्नी की ओर देख कर जल्दी से मुस्कराया और गलियारे के पास बहुत दूर तक झुक गया। "मैं नहीं जानता कि श्रीमतीजी ने तथा मैंने इस यात्रा के लिए कितने दिनों तक पैसा बचाया है, हमारी आमदनी बहुत अधिक नहीं है, समझते है, और हमें अपने अतिरिक्त दो बच्चों की देख-भाल भी करनी पड़ती है.....किसी भी तरह हमने कम से कम तीन या चार वर्षों तक बहुत-सी चीजों मे बचत की, जिससे हम किसी दिन हवाई द्वीप समूह की यात्रा कर सकें। आप जानते हैं, नारियल के वृक्ष, सूर्य का प्रकाश, बालुका-राशि और इसी प्रकार की चीजें, जो हमें घर पर नहीं दिखायी देतीं। हम सारा समय, साथ-साथ, इसी का स्वप्न देखते थे और हमने कभी कोई दूसरी छुट्टी नही ली, जिससे इस यात्रा के लिए हमारे पास काफी पैसे हों।

कभी-कभी हम पस्त-हिम्मत हो जाते थे और जी हल्का करने के लिए और स्वप्न को तनिक सजीव करने के लिए कोई हवाई रिकार्ड खरीद लेते थे, किन्तु अधिकांश समय हम यात्रा-विषयक फोल्डरों को ही देखते रहते थे और पैसों को गिनते रहते थे। फिर क्या हुआ कि अन्त में एक दिन हमने निर्णय किया कि हम जिस ढंग से यात्रा करना चाहते थे, उस ढंग से यात्रा करने के लिए हमारे पास काफी धन जमा हो गया है और हमारे सभी स्वप्न साकार होने जा रहे है। अतः मैंने तीन सप्ताहों तक स्टोर से बाहर रहने के लिए प्रत्येक व्यवस्था कर दी और श्रीमतीजी ने दस डालर प्रति दिन के अल्प वेतन पर, हालांकि विवाहित होने के बाद प्रथम पाँच वर्षो तक मै इससे कम ही कमा पाता था, बच्चो की देख-भाल करने के लिए एक औरत को राजी कर लिया। किसी तरह हम सान फ्रांसिस्को पहुँच गये और जहाज में एक बढ़िया-से कमरे में हमे जगह मिल गयी। हमने अपना सामान खोला और मित्रों द्वारा शुभ कामना के साथ भेजे गये पैकेटों को खोला। इनमें एक पैकेट 'अच्छे पड़ोसी क्लब' द्वारा भी भेजा गया था, किन्तु जहाज रवाना नहीं हुआ।

भूमि से मिलाने वाले तख्ते के हटने से पहले ही जहाज के कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी और हम वहीं के वहीं रह गये।

"अतः हमें एक विमान पर सवार होना पड़ा, जो हमारे यात्रा-विषयक स्वप्न का अंग नहीं था। हम अपना सारा सामान नहीं ले सके, जिसमें कुछ वे नये कपड़े भी सम्मिलित थे, जिन्हें श्रीमतीजी ने केवल उस यात्रा के लिए ही खरीदा था। इन कपड़ों के लिए उन्होंने अन्य अनेक वस्तुओं का त्याग किया था। सामान बाद में आने वाला था, किन्तु गड़बड़ी में वह खो गया और मैं नहीं जानता कि हम फिर कभी उसे देख पायेंगे अथवा नहीं। खैर, हम सौभाग्यशाली है। हमें विमान पर अन्तिम दो सीटें मिल जाती हैं और बहुत शीघ्र हम उस प्रदेश में पहुँच जाते है, जिसका हम स्वप्न देखा करते थे.....

"फिर हम 'आइलैण्डर' नामक होटल में पहुँचते हैं। यह होटल छोटा है और हमारे बजट के अनुकूल पड़ता है...किन्तु हमारे स्थान को सुरक्षित कराने में कुछ गड़बड़ी हो गयी। प्रतीत होता है कि मिलवाकी के एक दूसरे जोसेफ-दम्पति हमसे पहले ही वहाँ पहुँच गये थे और ईस लिए हमें वहाँ स्थान नहीं मिला। यदि हम झगड़ा करते और उन लोगों को अपने कमरे से निकालने पर उतारू हो जाते तो हमें स्थान मिल सकता था, किन्तु बाद में जब हमने इस विषय पर विचार किया, तब हमने सोचा कि हो सकता है कि हम लोगों की ही तरह उनका भी कोई स्वप्न रहा हो। अतः हम सारे नगर में चक्कर लगाते रहे और अन्त में हमें 'रायल हवाइयन' नामक होटल में जगह मिली। यह होटल बहुत ही शानदार था, किन्तु वह इतना कीमती था कि अपनी स्वप्न-यात्रा में तीन दिन की कटौती किये बिना हम उसमें नहीं रह सकते थे। इससे अन्य द्वीपों में जाने की कोई सम्भावना नहीं रह जाती थी, समझते है......?

"...फिर इसके बाद क्या होता है? पहले दिन कुछ नहीं होता। हम मुर्दों के समान हो गये थे। हम समुद्र-तट पर लेट कर सागर की ओर देखते रहे और सोचते रहे कि यही वास्तविकता है। हम इस विषय में बात करते रहे कि हम किस प्रकार एक दूसरे से मिला करते थे तथा सितारों के नीचे नृत्य करने में कितना आनन्द मिलने वाला है। हम इसी प्रकार सितारों के नीचे नाचा करते थे, किन्तु इतना रोमांचक वातावरण हमें कभी नहीं प्राप्त हुआ था। ठीक है? फिर संध्या आयी। श्रीमतीजी जो एक मात्र संध्याकालीन

वस्त्र ला पायी थीं, उसे उन्होने पहन लिया और मैंने अपना भोजन के समय पहना जाने वाला फैशनेबेल जैकेट पहन लिया, जिसे मैंने दस वर्षों से नहीं पहना था. . . . किन्तु मेरे पास कमीज के 'स्टड' अथवा 'कफ' बटन नहीं थे, क्योंकि मै भूल गया था कि वे सामान के साथ पीछे ही छूट गये हैं। अतः मैंने उन्हें बाजार से मंगवाया और ये चीजे होनोलुलू में सस्ती नहीं मिलतीं. . . .

". . . .किन्तु अन्त मे हम लोग इस तरह से बन-ठन कर तैयार हो गये, मानो हम राष्ट्रपति-भवन मे भोजन करने के लिए जा रहे हो और हम भोजन-कक्ष में पहुँच गये। वहाँ मुझे एक सुरक्षित मेज मिल जाती है और हम कुछ आनन्द करने का निश्चय करते है। अब इस चित्र की कल्पना कीजिये. . . .

". . . होटल में प्रकोष्ठ-कक्ष से भोजन-कक्ष तक जाने के लिए संगमरमर की सीढ़ियाँ है और श्रीमतीजी नये जूते पहने हुए है। इन जूतो को उन्होंने पचीस डालर देकर अपने नये ड्रेस के साथ पहनने के लिए खरीदा था। वे जितनी ऊँची एड़ी के जूते पहनती है, उसकी अपेक्षा उन जूतों की एड़ियॉ कुछ अधिक ऊँची है। वे इस प्रकार चल रही है, मानो कोई गुड़िया हवा मे उड़ रही हो। सीढ़ियॉ कठिन है। वे घुटनों के बल गिर पड़ीं और कमरे से निकलने के दस मिनट बाद ही हम पुनः उसमें पहुॅच गये। श्रीमतीजी बिस्तर में चित्त लेटी हुई है और डाक्टर कह रहा है कि उनकी हड्डी टूट गयी है। इस प्रकार यात्रा में नृत्य की सारी सम्भावनाएँ समाप्त हो गयीं और दो दिनों तक हम खिड़की से ही हवाई के सूर्य के प्रकाश को देखते रहे ... तीस डालर प्रतिदिन का मूल्य चुका कर।

"ठीक है ? हर एक चीज गुजर जाती है। अन्त में वह इतनी ठीक हो जाती है कि लंगड़ाती हुई समुद्र-तट पर जा सके। डाक्टर भी कहता है कि थोड़ा-सा सूर्य का प्रकाश उसके लिए लाभदायक सिद्ध होगा, किन्तु सूर्य इस बात को नही समझता और लगातार तीन दिनों तक मूसलाधार वर्षा होती रहती है। क्या आपको याद है कि गत सप्ताह कितने जोर की वर्षा हुई थी ? हम पुनः कमरे मे वापस आ गये और यह कामना करने लगे कि यदि हमने कभी घर छोड़ा ही नही होता, तो अच्छा होता। हम केवल घर पर चिट्ठियॉ लिख-लिख कर बताते रहे कि हमारा समय कितने आनन्द के साथ व्यतीत हो रहा है।"

एक क्षण के लिए हावर्ड राइस को उसकी आँखों में एक खेदपूर्ण झलक दिखायी पड़ी, किन्तु वह बहुत शीघ्रता से विलुप्त हो गयी। उसके चेहरे

पर एक शरारत-भरी मुस्कान दौड़ गयी।

"अब, मित्र, लोगों से मिलना-जुलना किसी भी यात्रा का एक अंग होता है, ठीक बात है न ? किसी दूसरे दम्पति के साथ हो लीजिये और एक साथ मिलकर आनन्द मनाइये ? अत: हम एक दिन मिन्नीपोलिस से आये हुए एक दम्पति के साथ बातचीत करने लगे। मै उनका नाम नहीं बताऊँगा। कुछ भी हो, वे बहुत ही अच्छे थे और दिन में खूब मौज रही, किन्तु वे गिरगिटों के समान थे, समझ रहे है न ? मेरा अनुमान है कि वे दूसरे व्यक्तियो के समान नही रहते थे। कुछ भी हो, रात मे दो बार पीने के बाद वे पूरे जोश में आ गये। पति महोदय मेरी श्रीमतीजी के पीछे हाथ धोकर पड़ गये और उसकी पत्नी समझती थी कि मैं क्लार्क गेबल हूँ। यह एक खासी लम्बी दौड़ थी और मेरी श्रीमतीजी, पाँव में चोट होने के कारण बहुत तेजी के साथ नहीं दौड़ सकती थीं और मेरे मित्र, आप जीवन के आनन्द का अनुभव तब तक नही कर सकते, जब तक आप यह नही जानते कि उस व्यक्ति की पत्नी द्वारा नारियल के वृक्षों के चारों ओर पीछा किया जाने मे कितना आनन्द है। उनमें से कोई भी इस बात की परवाह नही करता था कि कौन देख रहा है। वे पूरे दीवाने थे। अतः हमने अपनी स्वप्न-यात्रा के शेष भाग को कोनों मे लुक-छिप कर और होटल से दूर खाना खा कर व्यतीत किया, जिससे सारे समय हमारा सामना उन लोगो से ही न होता रहे।

"हमारी यात्रा के अन्तिम दो दिनों में सूरज निकला और निश्चय ही हमने उससे अधिक से अधिक आनन्द लेने का निर्णय किया। क्या कभी किसी ने धूप मे तपे बिना यात्रा से घर लौटने की बात सुनी है ? हम निराश हो गये थे, समझे ? अतः हमने तेल लगाया और समुद्र-तट पर लेट गये, जिस तरह प्रचार-पुस्तिकाओं में दिखाया गया था। श्रीमतीजी के कन्धे जल गये और मुझे अपनी पीठ पर तनिक भी भार डालने का साहस नहीं हुआ। रंग भूरा होने की तो बात ही जाने दीजिये, यदि घर पहुँचने पर हमारे शरीर पर कुछ भी चमड़ा शेष रह जाय, तो हमें अपने को सौभाग्यशाली समझना चाहिए। यदि हम कभी घर पहुँच भी सके, तो अगले महीने के भोजन का बिल चुकाने के लिए मुझे बैंक से उधर लेना पड़ेगा। . . . "

एड जोसेफ के मुंह से एक गहरी साँस निकली। उसने गम्भीरतापूर्वक अपना सिर हिलाया और फिर हँसने लगा।

". . यदि आप अब भी सोचते हैं, जनाब, कि आप संकट में हैं, तो मैं प्रसन्नता-

पूर्वक आपको अपनी तौलिया उधार दे दूंगा।"

हावर्ड ने अपनी पत्नी लिडिया को देखने के लिए एक क्षण के लिए अपना सिर घुमाया। वह अभी तक खिड़की से बाहर देख रही थी, हालांकि बाहर इतना अधिक अंधेरा था कि वह जानता था कि वह सम्भवतः कुछ भी नही देख सकती। वह अपने बावजूद मुस्करा पड़ा और पुनः एड जोसेफ की ओर मुह कर लिया।

उसने शांतिपूर्वक कहा—"क्या आप और श्रीमती जोसेफ मेरे साथ मद्यपान करेंगे? आप अपनी तौलिया अब वापस ले सकते हैं।"

९

'क्रिस्टोबल ट्रेडर' नामक एक पुराना, जीर्ण-शीर्ण पनामियन मालवाहक पोत काले प्रशान्त महासागर मे भोंडे तरीके से पानी उछालता हुआ जा रहा था। वह उत्तर की ओर से आने वाले लम्बे भयावने भूमि-खण्डों के समानान्तर पूर्व की दिशा में बढ़ रहा था। पोत की दस 'नाट' की मन्द गति के विरुद्ध उन भूमि-खण्डों की सम्मिलित शक्ति के कारण उसकी दशा दयनीय हो गयी थी और वह ऐसे चल रहा था, मानो वह अत्यन्त दयनीय ढंग से अपने आप को कीचड़ में लथेड़ रहा हो। चूंकि रात्रिकालीन अंधकार में क्षितिज विलीन हो गया था, इसलिए यह अनुमान लगाना असम्भव था कि उसकी गति की अधिकतम सीमा क्या है और कभी-कभी ऐसा समय आता था, जब द्वितीय रेडियो आपरेटर मैनुअल अबोईतिज गालियाँ देकर कहता था कि पोत जहन्नुम मे चला जायगा और गोलाई में ही चक्कर लगाता रहेगा।

वह रेडियो-कक्ष में लकड़ी की विभाजक दीवार से अपने दोनों पैर सटाकर बैठा हुआ था और उसकी पीठ उसके पुराने ट्रान्समिटर के पटरे से सटी हुई थी। केवल इसी प्रकार बैठकर मैनुअल पूरे कमरे में लुढ़कने से बच सकता था। वह बहुत ही शांति के साथ बैठा था और अपनी पेटी की चरमराहट को सुन रहा था तथा अपने निकले हुए पेट को इधर-उधर होते हुए देख रहा था।

प्रत्येक धक्के के समय उसका सारा शरीर हिल उठता था।

वह बहुत देर तक अपनी ऑखें बन्द कर लेता था और बारी-बारी से अपने भाग्य को कोसता रहता था तथा उन दिनों का स्वप्न देखा करता था जब वह संयुक्त राज्य अमरीका की नौसेना मे प्रथम श्रेणी का रेडियोमैन था–वह भी एक विमानवाहक पोत का रेडियोमैन। अब सब कुछ समाप्त हो गया है। अब केवल ज्ञान बचा रह गया है और उसका भी अधिकांश अब निरुपयोगी तथा विस्मृत हो चुका है। केवल एक चीज शेष रह गयी है–उसने स्वयं अपने हाथों से जो विमान बैण्ड-रिसीवर बनाया था। अतिरिक्त पुर्जो को जोड़ कर बनाये गये किसी यंत्र ने कभी इससे अच्छा काम नहीं किया था।

मैनुअल के उच्चाधिकारी, 'क्रिस्टोबल ट्रेडर' के मुख्य रेडियोमैन को रिसीवर पर आपत्ति थी और एक बार उसने, जब वह शराब पिये हुए था, क्रोध में आकर उसे प्रायः फेंक ही दिया था। उसे ऐसा प्रयत्न नही करना चाहिए था। मैनुअल ने उसे प्रायः मार ही डाला था। वह अपने उच्च बारता (High frequency) वाले रिसीवर से प्रेम करता था और जो कोई भी व्यक्ति उसकी बात सुनने के लिए तैयार होता, उसी से वह कहता कि यह रिसीवर एकमात्र ऐसी वस्तु है, जिसके कारण मैं मालवाहक पोत की अनन्त यात्राओ में पागल नहीं हो जाता। रिसीवर पर वह प्रशात महासागर के आर-पार जानेवाले विमानों की ध्वनि को सुन सकता था और वह एक विमान-कर्मचारी था, क्या नहीं था?..... भले ही वह एक भूतपूर्व विमान-कर्मचारी रहा हो? किसी दिन वह पुनः विमानों मे काम करेगा और मन्द गति से चलनेवाले जहाजों को छोड़ देगा तथा वैमानिकों की, जिनके पास बरबाद करने के लिए कोई समय नहीं होता, शीघ्रतापूर्ण कार्य-पद्धति के अनुसार अपने मस्तिष्क को पुनः तेज बनायेगा।

जब कभी मैनुअल निरीक्षण-कार्य पर होता, तब वह उच्च बारता वाले रिसीवर को खोल देता। कभी-कभी उससे कोई ध्वनि नहीं निकलती थी और कभी-कभी उसके सिर के ऊपर से होकर गुजरनेवाले विमानों की गतिविधियों से सम्बन्धित पूरे तथ्य और आंकड़े रिसीवर से सुनायी देते थे। मैनुअल सरलतापूर्वक संवाद-वहन-कार्य मे भाग लिया करता था, यद्यपि वह कभी मौन भागीदार से अधिक नहीं रहा। उसे इस बात से पीड़ा होती थी कि उसे वार्तालाप में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रित नहीं किया जाता था, किन्तु वह इसके लिए वैमानिकों को दोष नहीं देता था। इसके लिए बेतार के तार द्वारा संवाद-

वहन के अन्तरराष्ट्रीय नियम ही दोषी थे। उन्हीं के कारण उसका सामाजिक निर्वासन हो गया था।

मैनुअल ने अचानक अपनी आँखे खोली और अपने मूल्यवान रिसीवर से निकलने वाली आवाजों को सुनने लगा। इससे उसका एकाकीपन भंग हो गया।

रिसीवर से आवाज आ रही थी—"हलो, होनोलुलू......यह विमान नम्बर चार-दो–सिफर है और और अपनी स्थिति का विवरण देना चाहता है।"

एक क्षण तक कोई उत्तर नहीं मिला। मैनुअल अधीरतापूर्वक प्रतीक्षा करता रहा। क्या होनोलुलू वाले अपने स्थान पर नही हैं? उसने, मैनुअल अबोईतिज ने, तत्काल उत्तर दे दिया होता। हाँ, वह इससे भी अधिक जल्दी से उत्तर दे देता। वह अपने पेट पर झुका और 'ट्यूनिंग डायल' को थोड़ा-सा घुमा दिया।

"आपको हमारी बातें कैसी सुनायी दे रही हैं, होनोलुलू?"

इस बार भी कोई उत्तर नहीं मिला। मैनुअल ने अपनी अंगुलियों से अपने घने बालों को सहलाया और 'डेक' पर थूक दिया। इस बात से उसके मुख्याधिकारी को क्रोध आ जायगा, किन्तु मैनुअल को इसकी तनिक भी परवाह नही थी। होनोलुलू वालों ने उत्तर क्यों नही दिया? बहुत देर तक मौन बना रहा।

"चार-दो-सिफर, यह सान फ्रांसिस्को है। अपनी रिपोर्ट पढ़ते जाओ।"

"बहुत अच्छा, सान फ्रांसिस्को"—संगीत जैसी आवाज आयी। मैनुअल ने सन्तोष की साँस ली और झुक कर सुनने लगा। "हम चार-दो-सिफर से सान-फ्रांसिस्को से बात कर रहे हैं......होनोलुलू का अनुकरण करो। स्थिति उन्नीस सत्तावन पर......अक्षांश चौंतीस तीस उत्तर......देशान्तर एक सौ चालीस पश्चिम......सात हजार फुट......तेरह सौ गैलन शेष......,,

मैनुअल ने शेष रिपोर्ट की प्रतीक्षा नहीं की। प्रसन्नता के मारे चहचहाता हुआ वह कुर्सी छोड़ कर उठ खड़ा हुआ और तिरछे डेक से होकर दरवाजे तक पहुँच गया। विमान जिस स्थिति का विवरण दे रहा था, वही स्थिति प्रायः 'क्रिस्टोबल ट्रेडर' की भी थी।

जहाज के डेक की 'रेल' से नीचे जाते समय रात्रिकालीन हवा के कारण उसकी ढीली कमीज फरफराने लगी। उसने कमीज को जोर के साथ पकड़ा और चेहरा सीधा करके सुनने लगा, किन्तु आकाश मेघाच्छन्न था तथा समुद्र और हवा के कारण उसकी कमीज से होनेवाली आवाज के अतिरिक्त कोई आवाज नही सुनायी दे रही थी। मैनुअल ने 'रेल' पर अपनी मुट्ठी पटक दी।

इस समय वह विमान को देखने के लिए वास्तव में इतनी बुरी तरह से लालायित था, जितना वह कभी किसी वस्तु के लिए नही रहा होगा।

वह कई मिनटों तक आशान्वित हो कर प्रतीक्षा करता रहा। अन्त मे वह रात्रिकालीन वायु के कारण काँपने लगा और उसकी समस्त आशाएँ विलीन हो गयीं। वह पुनः रेडियो-कक्ष में वापस जाने ही वाला था कि उसे एक अपरिचित आवाज का प्रथम संकेत मिला। यह आवाज किसी पहाड़ के आधार भाग से सुनायी देनेवाली किसी दूरस्थ झरने की आवाज के सामन थी। फिर, तीव्र गति से वह आवाज अधिकाधिक जोरदार होती गयी और अन्त में वह सरलतापूर्वक एक विशालाकाय विमान के गर्जन के रूप में परिणत हो गयी। मैनुअल शीत वायु को भूल गया। वह इस बात का पता लगाने के लिए कि आवाज ठीक-ठीक किस स्थान से आ रही है, अपने ऊपर फैले हुए आकाश में प्रत्येक दिशा में उत्साहपूर्वक देखने लगा। फिर, ज्योंही आवाज का मन्द होना प्रारम्भ हुआ, उसने बादलों के ठोस आकार मे एक दरार देखी। अपने जहाज से ही समतल, यह दक्षिण को थी और जिन तारों के चारो ओर उसने घेरा बना रखा था, उनकी चमक गीली थी, मानों उन्हें सागर के जल में डुबा लिया गया था।

किन्तु मैनुअल ने तारों की ओर कोई ध्यान नही दिया क्योंकि उनके बीच से होकर, ऐसा प्रतीत होता था कि उन्हें प्रायः पुनः जोड़ती हुई, एक वाययान की बत्तियाँ गुजर रही थीं।

एक क्षण मे ही बादलों के कारण कुछ भी देखना असम्भव हो गया, किन्तु उसके पूर्व मैनुअल को इस प्रकार का संकेत करने का समय मिला गया था, मानो वह विमान पर चढ़ने का अनुरोध कर रहा हो। जब विमान की अन्तिम आवाज भी लुप्त हो गयी, तब उसने अपना हाथ हिलाया और फिर वह 'रेल' से हट गया। वह विचित्र रूप से आनन्दित था। अब वह उस विमान की रिपोर्टों को तब तक बहुत ध्यान से सुनेगा, जब तक वह उन्हें सुन सकेगा। विमान को वास्तव में देख लेना बहुत ही अच्छा था। उसे विमान का नम्बर भी ज्ञात हो गया था......चार-दो-सिफर।

और इस प्रकार अब मैनुअल अबोईतिज रात और समुद्र में एकाकी नहीं रह गया था।

"अपनी बगल की खिड़की से मैं तारों को देख सकती हूँ"—डोरोथी चेन ने अपनी सावधानीपूर्ण अंग्रेजी लिपि में लिखा। वह अपने भाई को पत्र लिख रही थी, जो कोरिया में रह गया था और वह इस नये अमरीकी संसार में

दिखायी देने वाली सभी वस्तुओं के सम्बन्ध मे उसे बतायेगी।

जिस दिन वह सिऊल के निकट पहाड़ियों पर स्थित अपने घर से रवाना हुई थी, उस दिन प्रातः काल उसने उससे धीरे से कहा था—"जब तक मैं स्वयं यात्रा न कर सकूं, तब तक तुम कृपया मेरी आँखों का काम करोगी।" और चूँकि उसके लिए इसका इतना अधिक महत्व था, इस लिए डोरोथी चेन उसे तीन दिन में यह तीसरा पत्र लिख रही थी।

प्रिय भाई, ये तारे उन अनेक वस्तुओं के समान हैं, जिनके सम्बन्ध में मुझे अवश्य जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। यह कितनी भयंकर बात है कि यात्रा मैं कर रही हूँ और फिर भी इस भाषा को जितनी अच्छी तरह से तुम बोल अथवा लिख सकते हो, उतनी अच्छी तरहसे मैं कभी बोल या लिख नहीं सकती, किन्तु सीखने का सर्वोत्तम मार्ग? हाँ—वह यह है कि दूसरे व्यक्तियों की हँसी से भयभीत न होकर बोलना और लिखना सदा जारी रखा जाय और इस प्रकार एक दिन हम भूल जाते हैं कि वास्तव मे यह कितनी विचित्र बात है। है न? अतः मै लोगों से अनेक बार बोलती हूँ और इस विमान की परिचारिका लड़की कहती है कि मै बहुत अच्छा बोल लेती हूँ। वह बहुत ही अच्छी लड़की है। उसके बाल सुनहले हैं और दाँत बहुत ही सफेद हैं। वह उन चित्रों की भाँति हैं जिन्हें हम घरपर पत्रिकाओं मे देखते हैं। तुम इस लड़की को अवश्य पसन्द करोगे। उसका काम यात्रियों की देख-भाल करना है, किन्तु यह लड़की अन्य स्थानों की परिचारिका लड़कियों की तरह नही है। नही। वह यात्रियों के ही वर्ग की है और जितनी बार उसकी इच्छा होती है, उतनी बार उनके साथ बात करती है। वह कोलम्बिया विश्वविद्यालय को भी जानती है, जहाँ मैं पढ़ूंगी और उसने मुझे बताया है कि वहाँ बहुत आनन्द आयेगा। ओह, मैं कितनी प्रसन्न हूँ!

आज दोपहर को हम होनोलुलू से रवाना होंगे और मैं पहले से ही इस उलझन में फॅस गयी हूँ कि वास्तव में क्या समय है, किन्तु तुम्हें यह बताना कितना आश्चर्यजनक है कि अमरीका हर तरह से मेरे चारों ओर फैला हुआ है और रात इतनी जल्दी हो जाती है।

इसी विमान में मेरे साथ अनेक अमरीकी महिलाएँ बैठी हुई हैं। वे इतना बढ़िया महकती है और उन्होने इतना बढ़िया कपड़े पहने हैं कि मै अपने को एक बहुत ही निर्धन व्यक्ति महसूस करने लगती हूँ। हाँ, मेरे प्यारे भाई, ऐसा प्रतीत होता है कि वे सभी खूबसूरत हैं, ज्यादा उम्र वाली महिलाएँ भी सुन्दर

प्रतीत होती हैं किन्तु वे बहुत जोर-जोर से बातें अवश्य करती है, मानो प्रत्येक व्यक्ति बहरा हो, और मै समझती हूँ कि यह अच्छी बात नहीं है। मैं जानती हूं कि मुझे अमरीकियों के सम्बन्ध मे, जिन्होंने मुझे अपने देश मे प्रवेश करने की अनुमति दी है, अरुचिकर बाते न कहने की सावधानी बरतनी चाहिए, किन्तु इस बात को तो मै देख ही चुकी हूँ।

विमान सागर के ऊपर बहुत ही निर्विघ्न रूप से उड़ रहा है और मुझे कोई बीमारी नही हुई है। हॉ, मै बहुत अच्छी हूँ, केवल इस बात को छोड़ कर कि मेरे हृदय मे अपने नये जीवन के सम्बन्ध मे एक उत्तेजना है। मुझे इस बात का भी दुख है कि मै दो वर्षो तक तुम्हें अथवा माताजी को अथवा पिताजी को नहीं देख पाऊंगी। फिर भी, जैसा कि तुमने कहा था, पिछली बातों के बारे सोचना बुरा है और मुझे अब सदा इन लोगों की भॅाति भविष्य की बात ही सोचनी चाहिए।

क्या यह विचित्र बात तुम्हारी समझ में आ सकेगी ? होनोलुलू में अमरीकी चुंगी-विभाग तथा अमरीकी देशान्तरवास-विभाग के अधिकारियों द्वारा मेरी जांच आवश्यक थी, लेकिन प्यारे भाई, क्या तुम इस बात पर विश्वास करोगे कि वहॅा पहरा देने के लिए एक भी सैनिक नहीं था ? मैंने चारों ओर बन्दूक-धारी सैनिकों को देखने के लिए नजर दौड़ायी—और—

डोरोथी चेन अनिश्चयपूर्वक रुक गयी। वह जो शब्द लिखना चाहती थी वह उसके ध्यान मे नही आ सका और अब एक ऐसा रिक्त स्थान रह जायगा, जो नहीं होना चाहिए था और उसका भाई लज्जित हो जायगा। उसने अपनी ऑखें बन्द कर ली और अंग्रेजी भाषा के शब्द को याद करने का भरपूर प्रयास करने लगी। तभी एक आवाज को सुन कर वह विस्मित हो गयी।

"क्या आप अभी भोजन करेंगी, कुमारी चेन ?" यह स्पाल्डिग की आवाज थी, जो उसकी बगल की खाली सीट पर झुक कर बोल रही थी।

"ओह, हॉ, यदि आप ला सकें !" स्पाल्डिग के जाने से पहले ही डोरोथी चेन ने उसका हाथ पकड़ लिया और कहा—"क्षमा कीजियेगा......मैं कितनी मूर्ख हूँ। यह एक पत्र है, जो मै अपने भाई को अंग्रेजी मे लिख रही हूँ और यह शब्द मुझे याद नही आ रहा है। यह वह चीज है, जिसे सैनिक अपनी बन्दूकों में लगाये रहते हैं, तलवार की तरह, समझा आपने ?"

"बेयोनेट (संगीन) ?"

डोरोथी चेन ने अपना सिर हिलाया और अपनी पतली उँगलियों को अपने

चिकने गालो पर रख दिया। तत्पश्चात् वह बोली—"ओह, हॉ ! मै बहुत-बहुत मूर्ख हूँ ! धन्यवाद। मै लज्जित हूँ।"

"जो व्यक्ति एक से अधिक भाषा लिख सकता है, उसे कभी लज्जित नहीं होना चाहिए"—स्पाल्डिग ने मुस्कराते हुए कहा—"मूलतः 'डम्ब' बनी होने के कारण मै अपनी भाषा मे भी मुश्किल से ही लिख पाती हूँ।"

" 'डम्ब' बनी ?"

"बोल-चाल में मेरी जैसी मानसिक दृष्टि से अविकसित लड़कियो के लिए इसी शब्द का प्रयोग किया जाता है।"

डोरोथी चेन की हँसने की इच्छा हुई, किन्तु उसने अपना मुह ढॅक लिया जिससे स्पाल्डिग उसे अशिष्ट एवं अनम्र न समझने लगें।

"आपने जिस शब्द का प्रयोग किया, वह कितना मजेदार है ? मैं अपने भाई को उसके सम्बन्ध में अवश्य बताऊँगी।"

"उनसे बताइयेगा कि आप एक प्रथम कोटि की मूर्ख लड़की से मिली थीं। यदि वह किसी अमरीकी लड़की को जानते होंगे, तो वह समझ जायेंगे। अब मैं आपका भोजन लिये आती हूँ।"

स्पाल्डिग पुनः भोजन-कक्ष मे चली गयी और एक तश्तरी में खाने की सामग्रियॉ रखने लगी। उसने सलाद रखा, मक्खन लगा हुआ रोल रखा और बिजली से गर्म एक पेटी से गोश्त का एक टुकड़ा निकाला। उसने बड़े थर्मस में से शोरबा लेकर एक प्याले में भरा और प्याले को तश्तरी में रख दिया। तब अचानक सारी तश्तरी में जैसे जान आ गयी और वह मोनेल के काउण्टर पर कई इंचों तक सरक गयी। तश्तरी इतने जोर से सरकी थी कि वह गर्म शोरबे से टकरा गयी और शोरबा स्पाल्डिग के हाथ पर गिर पड़ा। वह पीड़ा से कराह उठी और उसने तुरन्त ही जले हुए स्थान पर अपनी जीभ लगा दी। फिर वही चीज हुई। वह भयंकर कम्पन। उसने तश्तरी को काउण्टर पर ही छोड़ दिया और केबिन के गलियारे से होती हुई तेजी के साथ उड्डयन-कक्ष में पहुँची। उसका मुँह अभी तक उसके हाथ पर था। ऑसुओं को रोकना कठिन हो रहा था।

वह अंधेरे उड्डयन कम्पार्टमेण्ट से होकर गुजरी और डैन रोमन से, जो पटरे पर से उतर रहा था, टकराते-टकराते बची। वह सीधे उड्डयन-कक्ष में पहुँची, जिसमे प्रकाश मन्द था।

"कप्तान सलीवन......वहॉ कोई बहुत बड़ी खराबी पैदा हो गयी है,

तश्तरियाँ—"

"मै जानता हूँ। मैंने भी इस बात को महसूस किया।" वह खिड़की पर एक 'स्पाट लाइट' रख कर उसकी रोशनी नम्बर एक इंजिन पर डाल रहा था। उसकी आवाज मे तनाव था और वह अस्वाभाविक रूप से पतली थी।

"......प्लेटें, पूरी की पूरी तश्तरी. ....उछल पड़ी। थोड़े समय पहले भी ऐसा ही हुआ था। मैं जल गयी। इससे पीड़ा होती है .....नारकीय पीड़ा।"

विमान के सारे कर्मचारी उड्डयन-कक्ष में एकत्र हो गये। डैन नींद को दूर करने के लिए अपनी आँखें मल रहा था। वह तथा लियोनार्ड स्पाल्डिग के दोनों ओर थे। हाबी चिन्तापूर्वक नियंत्रण-पटल पर झुका हुआ सलीवन द्वारा किये जाने वाले विश्लेषण की प्रतीक्षा कर रहा था।

डैन ने कहा—"हे भगवान्, इसने मुझे जगा दिया .....अभी अभी।"

सलीवन ने कहा—"मै शपथ खा कर कह सकता हूँ कि यह नम्बर एक इंजिन है।" उसने पुनः बाहर झांक कर इंजिन की ओर देखा और फिर यंत्रों की ओर मुड़ गया और बोला—"किन्तु यह बिल्कुल ठीक काम कर रहा है......सभी इंजिन ठीक काम कर रहे हैं।"

"हो सकता ह कि वहाँ पूंछ में कुछ खराबी हो।"—लियोनार्ड ने खिन्न होकर कहा— "यदि हमारी नन्ही स्पाल्डिग जल गयी है, तो हो सकता है कि वहाँ पीछे गड़बड़ी पैदा हो गयी है।"

"डैन, अपनी फ्लैश लाइट ले लो और जा कर पृष्ठ भाग को देखो। हो सकता है कि वही कुछ गड़बड़ी हो। जितनी जल्दी हो सके, उतनी जल्दी मुझे रिपोर्ट दो। लियोनार्ड, अभी मुझे बताओ कि हमारी स्थिति क्या है और जब तक दूसरा आदेश तुम्हें न दिया जाय, तब तक प्रत्येक दस मिनट बाद स्थिति की रिपोर्ट देते रहो। स्पाल्डिग, तुम अपने यात्रियों के पास वापस चली जाओ क्योंकि यदि यह चीज पुनः हुई, तो वे आश्चर्य करना प्रारम्भ कर देंगे। हाबी, तुम रेडियो सम्हाल लो और सान फ्रांसिस्को को सूचित कर दो कि हम कुछ असाधारण कम्पन का अनुभव कर रहे हैं। उनसे कहो कि वे सर्किट को खुला रखें और तब तक खुला रखें, जब तक उनसे कोई दूसरी बात नहीं कही जाती।"

"क्या आप संकटकालीन स्थिति की घोषणा करना चाहते है?"— हाबी के स्वर में भय का समावेश था।

सलीवन की दृष्टि सारे यंत्र-पटल पर दौड़ गयी। उसके जबड़े के सिरे पर स्थित गोल हड्डियाँ चट्टानों की तरह बाहर निकली हुई थीं। उसने अपने

होठो को मजबूती के साथ भीच लिया और अपना सिर हिलाया।

"नहीं......अभी नहीं।"

विमान के एकदम पिछले भाग में भोजन-कक्ष, विश्राम-कक्षों और जिस छोटे-से स्थान पर स्पाल्डिग ने यात्रियों के कोट टांग रखे थे, उसके पीछे एक छोटा-सा दरवाजा था, जो पूंछ के शीर्ष (Tailcone) तक जाता था। डैन रोमन ने उस दरवाजे को खोला, बगल के प्रवेश-मार्ग से हो कर भीतर गया और तीन फुट तक नीचे उतर गया। अब वह उन फ्रेमों पर खड़ा था, जिनके कारण विमान को निर्माणात्मक दृढ़ता प्राप्त हुई थी। उसने अपनी फ्लैश लाइट जला ली। ऐसा उसने किसी खराबी का पता लगाने की आशा से नहीं, बल्कि अपने को आराम देने के लिए किया, क्योकि यह कक्ष, जिसमें विमान के कर्मचारी प्रायः कभी नहीं आते, एक भयंकर स्थान था, जिसमे विमान के अन्य किसी भी भाग की अपेक्षा वास्तविक उडान की भावना बहुत अधिक स्पष्ट हो जाती थी यद्यपि यह कम्पार्टमेण्ट मुश्किल से दस फुट से अधिक लम्बा था तथा उसकी आकृति एक टीप की भाँति थी। उसमें खिड़कियाँ नही थीं, जिससे कोई भी वैमानिक किसी द्रुतगामी प्रक्षेपास्त्र में घिरे होने की भावना से निश्चित रूप से भयभीत हो जाता। यहाँ इंजिनों की कोई ठोस आवाज नहीं सुनायी दे रही थी, केवल एल्यूमिनियम की पतली चादर से हवा के टकराने की ही आवाज सुनायी दे रही थी। डैन के मन में लगभग तत्काल ही विशाल एकाकीपन की भावना व्याप्त हो गयी, मानो वह वायुमंडल मे खड़ा हो और अपने साथियों से पुनः मिलने की आशा उसे नही रह गयी हो। वहाँ भयंकर सर्दी थी और किसी प्रकार का क्षितिज नहीं था। स्वयं विमान-चालक द्वारा मार्ग ठीक किये जाने से पूंछ के इधर-उधर झूलने के कारण डैन का सिर चकराने लगा। उसे अपने को स्थिर बनाने के लिए बीच की दीवार को पकड़ना आवश्यक प्रतीत हुआ।

डैन ने अपनी फ्लैश लाइट से कम्पार्टमेण्ट के प्रत्येक भाग का निरीक्षण किया। वहाँ कोई खराबी नही थी और जब से वह कम्पार्टमेण्ट में उतरा था, तब से लेशमात्र भी प्रकम्पन नही हुआ था।

वह प्रतीक्षा करने लगा और यह सोचने का प्रयत्न करने लगा कि क्या खराबी हो सकती है। विमान की ढाँचे-सम्बन्धी गड़बड़ हो जाना एक पुरानी बात हो चुकी थी—ऐसी बातें अब होती ही नहीं। फिर भी यह विचित्र बात थी कि यह एक मात्र ऐसी वस्तु थी, जिससे अधिकांश विमान-चालक भीतर

रेखा पर उंगली फिराने लगा। उसका मस्तिष्क सही उत्तर की खोज में सारे विमान का चक्कर लगा रहा था और उसकी जटिलताओं पर विचार कर रहा था।

"मेरा अनुमान है कि तुम भोजन परोसना जारी रख सकती हो। कभी-कभी इन बातों का स्पष्टीकरण नही हो पाता।" तत्पश्चात् वह अपने गाल की रेखा को मलते हुए ही उड्डयन-कक्ष की ओर बढ़ा।

"डैन! तुम इतने बड़े और शक्तिशाली हो कि एक पुराने मित्र को देखने के लिए नहीं आ सकते?"

"ओ, केन चाइल्ड्स! अरे यार, तुम कैसे हो?" उन्होंने प्रेमपूर्वक एक दूसरे से हाथ मिलाया।

"एक मिनट के लिए बैठो डैन और हम कुछ बीती बातों पर चर्चा करेंगे। खुदा की कसम, मैं कभी नहीं सोचता था कि तुम अभी तक उड़ानें करते होगे।"

डैन ने केन चाइल्ड्स के सिर के ऊपर पढ़ने के प्रकाश की ओर झपकती आँखों से देखा और मुस्करा पड़ा। इस समय उसका सारा ध्यान विमान पर केन्द्रित था। वह केन से बात करना अथवा उसके बगल में बैठी हुई महिला को आतंकित करना नहीं चाहता था। स्पष्ट था कि वे आनन्दपूर्वक अपना समय व्यतीत कर रहे थे।

"तुम तो जानते ही हो दोस्त कि यह आदत कैसी होती है। इन चीजों को छोड़ देना अफीम छोड़ देने के समान है।"

"ये डैन रोमन हैं. ....कुमारी होल्स्ट।" डैन ने अपनी टोपी के किनारे को स्पर्श किया। केन ने कहा—"आओ, डैन, एक मिनट के लिए रुको और हमें बताओ कि विमान में क्या खराबी है।" वह हँस पड़ा और हल्के से मे होल्स्ट को कोहनी मारी। फलस्वरूप वे भी हँस पड़ीं।

"क्या विमान में कोई खराबी है?"

"छोड़ो भी, डैन। अभी थोड़ी देर पहले कोई चीज इतने जोर से हिली कि मेरी शराब गिर गयी।"

"तो दूसरी शराब मँगा लो। हम लोग कंजूस नहीं है।"

"तो तुम बात नहीं करोगे?"

"तुम शर्त बद लो, केन......सान फ्रांसिस्को पहुँचने पर हम बहुत-सी बातें करेंगे।" डैन यथाशक्ति स्वाभाविक रूप से मुस्कराया और पुनः दरवाजे की ओर मुड़ गया।

"मैं शर्त बद कर कहता हूँ कि हमे विलम्ब हो गया है।"–केन चाइल्ड्स ने उसे पुकार कर कहा।

"यह मुश्किल से सम्भव है।"–डैन ने उत्तर दिया। तत्पश्चात् उसने अपने पीछे दरवाजा बन्द कर दिया।

वह कर्मचारियो की अंधेरी केबिन से होकर जल्दी-जल्दी जाने लगा, किन्तु जब वह उड्डयन-कक्ष तक जाने वाली संकरी गली में पहुँचा, तब वह रुकने के लिए बाध्य हो गया, क्योंकि दो पॉव उसका आगे जाने का मार्ग रोके हुए थे। ये पाँव लियोनार्ड विल्बी के थे। वह अपनी तिपाई पर खड़ा होकर 'एस्ट्रोडोम' द्वारा आकाश का निरीक्षण कर रहा था। लियोनार्ड के पैरों के पार डैन उड्डयन-कक्ष की मन्द-मन्द जलने वाली बत्तियों को देख सकता था। ये बत्तियाँ गुलाबी और हल्की पीली थीं, जैसे किसी आदियुगीन गाँव की बत्तियाँ काफी दूर से दिखायी देती हैं। उन सब के ऊपर, काली खिड़कियों के बीच केन्द्रित, अपने तरल पदार्थ में तैरता हुआ चुम्बकीय कम्पास का मन्द प्रकाश था। मार्ग मे परिवर्तन नहीं किया गया था। सलीवन होनोलुलू की ओर वापस नहीं मुड़ा था।

डैन ने लियोनार्ड के पैरों के बगल से हो कर निकल जाने का प्रयास किया, किन्तु जब उसने देखा कि इस प्रकार निश्चित रूप से लियोनार्ड को धक्का लग जायगा, तब उसने इस प्रयास का परित्याग कर दिया। वह अभी लियोनार्ड के काम में बाधा नहीं डालना चाहता था। वह स्थिति का ठीक-ठीक पता लगाने के लिए तारों का जो सूक्ष्म पर्यवेक्षण कर रहा है, उसे वह पूरा कर ले। यह बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है।

प्रतीक्षा करते समय डैन इंजिनों की गड़गड़ाहट को सुनता रहा। उनका समान स्वर उसके पैरों से हो कर उसके सारे शरीर में व्याप्त हो गया और इससे उसे सुख प्राप्त हुआ। उसने संकीर्ण मार्ग के प्रत्येक ओर असीमित शक्ति का अनुभव किया और जिस प्रकार कोई संगीतज्ञ किसी निर्दोष सुर को सुन कर आनन्दित होता है, उसी प्रकार उसे प्रतीक्षा करना अपेक्षाकृत अधिक सरल प्रतीत हुआ। उसने अपने आप से कहा कि वास्तव में उत्तेजित होने का कोई कारण नहीं है।

'एस्ट्रोडोम' पर एक बत्ती प्रकाशमान हुई, तत्पश्चात् लियोनार्ड अपनी तिपाई से नीचे उतरा। जब उसका चेहरा डैन के चेहरे के सामने आया, तब उसने उसकी ओर प्रश्नभरी दृष्टि से देखा।

"क्या कुछ पता चला?"

"नही।"

"तुम्हारे ख्याल से कौन-सी खराबी हो सकती थी?"

"मेरी समझमे नहीं आता। हम कहाँ है?"

"जब तक मैं पता न लगा लूं, तब तक प्रतीक्षा करो। कुछ मिनटों में ही मै सब को बता दूंगा।"

लियोनार्ड ने विद्युत्-प्रतिरोध को परिवर्तित करने वाले यंत्र से नियंत्रित प्रकाश (Rheostat controlled light) को अपनी विमान-मार्ग-निर्देशन-मेज पर फिराया और चिन्तापूर्वक अपनी गणना-पुस्तकों को खोला। डैन आगे बढ़ा और अन्त में सलीवन और हाबी के बीच जा कर खड़ा हो गया। सलीवन ने अपना काल्लर ढीला कर दिया था और टाई को नीचे खीच लिया था। उसकी भौंहों पर पसीने की पतली परत थी। फिर भी, जब उसने डैन की ओर देखने के लिए सिर घुमाया तब वह केवल अपनी आँखों से ही प्रश्न कर सका।

डैन ने सोचा कि उसने अपने को पूर्ण नियंत्रण के अन्तर्गत रखा है और यह अच्छी बात है, किन्तु वह भयभीत है–मै इसका अनुभव कर सकता हूँ। भय किसी-न-किसी प्रकार प्रकट हो ही जाता हैं; दूसरों मे नियंत्रित भय की पहले से ही कल्पना करने से पूर्व आपको इस बात का ज्ञान होना चाहिए वह वास्तव में आप मे किस प्रकार का होता है।

सलीवन का भय अच्छा नहीं था। संकट-काल में वह दूसरों में व्याप्त हो सकता है।

"पूछ में कोई खराबी नहीं है।"–डैन ने शांतिपूर्वक कहा।

सलीवन ने अपनी कमीज की जेब से एक सिगरेट निकाल कर उसे अपने होठों के बीच दबा लिया। उसकी गतिविधियाँ मन्द और सुविचारित थीं, ऊपर से ऐसा ही प्रतीत होता था, मानो उसे प्रत्येक भावना को पृथक्-पृथक् रूप से नियंत्रित करना आवश्यक प्रतीत होता हो। उसके 'लाइटर' से निकली हुई लपट काली खिड़कियों की पृष्ठभूमि मे विस्फोट की लपट के समान प्रतीत हुई। उसकी आँखें खुल गयीं। उसके जबडों के सिरे पर की हड्डियाँ अभी तक तनी हुई थीं।

. हाबी ने कहा–"पिछले एक घण्टे में नम्बर एक इंजिन का तापमान पाँच अंश बढ़ गया है।" उसका स्वर दबा हुआ था और रोशनदानों से हो कर

आने वाली सायं-सायं की आवाज मे प्रायः सुनायी नही देता था और डैन ने सोचा कि सलीवन जो कुछ भी कहेगा, उसके लिए हाबी के स्वर में सम्मान की एक नयी ध्वनि है; किन्तु सलीवन ने कुछ भी नही कहा। उसने तापमान-मापक-यंत्र की ओर देखा और फिर अपने निजी विचारो मे तल्लीन हो गया। बड़ी देर तक उन तीनों मे से किसी ने कुछ नहीं कहा और वे अपनी समस्त इन्द्रियों से विमान की आवाज सुनते रहे तथा उसका अनुभव करते रहे। अचानक हाबी ने अपने रिसीवरों को कानों से लगा लिया और माइक्रोफोन उठा लिया।

"सान फ्रांसिस्को वाले जानना चाहते है कि हमारे विमान मे किस प्रकार की खराबी है......?"

सलीवन ने शीघ्रता के साथ उसकी ओर देखा। उसका स्वर क्रोधपूर्ण था। "उनसे कह दो कि यदि हम जानते होते, तो हम उन्हे पहले ही बता देते।" फिर उसी क्षण उसका व्यवहार बदल गया। उसने अधिक शाति के साथ कहा—"नही......ऐसा मत कहो। उनसे क्या कहो......? केवल इतना कहो कि हमे नहीं मालूम है......और वे तैयार रहें।"

हाबी अपने माइक्रोफोन मे सलीवन के ही शब्दों को दुहरा रहा था। उसी समय डैन ने अपने कन्धे पर किसी के हाथ के स्पर्श का अनुभव किया। वह थोड़ा-सा हट गया, जिससे लियोनार्ड आगे आ सके। लियोनार्ड ने अपने हाथ के चार्ट पर फ्लैश लाइट की रोशनी डाली।

"मेरे पास तुम लोगों के लिए एक समाचार है, दोस्तो। मेरे तीन तारों के पर्यवेक्षण से पता चला है कि हम अभी-अभी अप्रत्यावर्तन-बिन्दु को पार कर गये।"

१०

डोनाल्ड फ्लैहार्टी अपने आप से केवल एक बात कह रहा था। अकेले होने पर शराब पीने में कोई आनन्द नहीं है, लेशमात्र भी आनन्द नहीं है और तुमने जी भर कर शराब पी है, प्रोफेसर......स्टीवार्डेस जो कुछ लायी और तुम्हारे

पैरों के बीच कागज के थैले से जो कुछ भी मिला, उसे तुमने नाक तक चढा लिया, किन्तु शराब पीना अच्छा है, प्रोफेसर। कोई संतुलन नहीं, आकाश में जाने वाले राकेट नही, किसी को कोई कष्ट नही।

भरपूर शराब पीना और शराब के नशे में मस्त रहना एकमात्र समाधान है, इस व्यापक विश्व मे एकमात्र समाधान। इससे आदमी विस्फोट और प्रक्षेपास्त्रों को भूल जाता है। दूसरा कोई रास्ता नहीं है......क्या अब तुम कोई दूसरा रास्ता निकाल सकते हो?

निश्चय ही केवल थोड़े समय के लिए। जब तुम पुनः स्थिर-चित्त हो जाओगे, तब उन लोगों के बीच पहुँच जाओगे, जो सोचते है (यह अपने आप में एक हँसने की बात है), तब शराब के नशे मे डूब जाने का कोई सवाल ही नहीं रह जायगा। तब तो भोजन के पूर्व विभिन्न शराबों का एक हल्का-सा मिश्रण ही मिलेगा और यह भोजन के अन्त में दिये जाने वाले फलों में बिल्कुल मिल जायगा। ओह, खाक, फ्लैहार्टी। तुम उस स्थिति में कभी वापस नहीं जा सकते। यदि तुम्हें जीवित रहना है, तो तुम्हें भविष्य में ही जीवित रहना होगा। अन्यथा ......तुम स्वयं इसके लिए उत्तरदायी हो, बूढ़े। जो भयंकर कल्पनाएँ तुम्हारे मस्तिष्क में इतनी सरलतापूर्वक उत्पन्न होती रहती है, उनका एक मात्र उपचार भविष्य ही है। भविष्य मे कोई एकाकीपन नहीं होता। वह सदा ही एक पलायन होता है।

और भविष्य ठीक तुम्हारे सामने बैठा हुआ है। वे भी, अपनी युवावस्था के बावजद, एकाकी और परेशान दिखायी दे रहे है—परिचारिका उनके लिए जो गिलास लायी थी, उसे वे अभी तक पकड़े हुए हैं। गिलास अब खाली हो गये हैं। वे एक बार और शराब पी सकते हैं। कोई भी पी सकता है। जाओ और उनसे बातें करो। उन्हें अपने असन्दिग्ध आकर्षण का लाभ प्रदान करो और अपनी परीक्षा करो। देखो कि तुम उन्हें और वे तुम्हें सहन कर सकते हैं अथवा नहीं, जब कि तुम अभी तक उनकी अनिवार्य विपत्ति का रहस्य उनसे छिपाये हुए हो। यदि तुम्हें इस सम्बन्ध में इतना अधिक विश्वास है, तो उनका सीधा सामना करने की कोशिश करो, जब कि उनका भय निरन्तर बना हुआ है। उनके गोल-मटोल बालक (वह गोल-मटोल ही होगा) के, दबाव के विस्फोट से टुकड़े-टुकड़े और चकनाचूर हुए शिशु के सम्बन्ध मे उनकी कल्पना को तुम दूर भगा दो और इस कार्य में तुम उनसे सहायता प्राप्त करो।

फ्लैहार्टी अस्थिरता के साथ उठा तथा मिलो और नेल बक के सामने की

कुर्सी की बाँह पर बैठ गया।

"हलो! क्या आप एक बूढ़े व्यक्ति को यह अवसर देंगे कि वह आपको शराब पिला सके?" उन्होंने उसकी ओर आश्चर्य के साथ देखा, जब कि वह अभिजात सन्तुलन को ठीक रखने का प्रयत्न करने लगा।

कैसा अभिजात सन्तुलन, फ्लैहार्टी? तुम युवावस्था की ईमानदार आँखों में देख रहे हो और उनका मुकाबला करने के लिए तुम्हारे पास कोई ईमानदारी नहीं है।

वह नेल से बात करने लगा, जो उसकी ओर अधिक सहानुभूति के साथ देख रही थी। इसके अतिरिक्त किसी महिला के साथ बात करना अधिक आसान और अधिक सुखदायक भी था।

"मै बिल्कुल स्पष्ट बात कहूँगा। मैने बहुत अधिक शराब पी है... .." क्या तुम कोई दूसरा शब्द नही सोच सकते, प्रोफेसर? सीमित शब्द-ज्ञान, सीमित मस्तिष्क......इससे क्या होता है, क्या परिवर्तन के लिए सीमित मस्तिष्क का होना एक बहुत बड़ी राहत नहीं है? "मैं बिल्कुल अकेला भी हूँ। आजकल मेरी हालत बहुधा ऐसी हो जाया करती है। कृपया मुझे गलत मत समझिये। मेरा अनुमान है कि आप लोग नवविवाहित हैं और आप लोगों पर अपने आप को थोपने का मेरा कोई इरादा नही है। मेरी आँखों में पानी भरा हुआ है और माँस-पेशियाँ सामान्यतः अधिक अच्छी तरह से उनका नियंत्रण करती हैं, वे थक गयी हैं......किन्तु मैंने आशा की थी कि साथी यात्रियों के रूप में हम एक साथ शराब पी सकते है.. ..." खासा भाषण, प्रोफेसर, यद्यपि अन्त में तुम्हारा स्वर मन्द पड़ गया। शक्ति कही समाप्त हो गयी......वह स्वयं तुम्हारी अपनी निराशा में विलीन हो गयी। ओह, तुम कितने मूर्ख, आत्म-श्लाघी, शब्द गढ़ने में निपुण, दम्भी व्यक्ति हो, मेरे प्यारे प्रोफेसर—तुम नाटक की रचना कर रहे हो, मानो इससे इन उच्च कोटि के नवयुवक पशुओं के, जो तुम्हारे आने से पहले बहुत अधिक सुखी थे, आनन्द में विघ्न डालने के तुम्हारे कार्य को क्षमा कर दिया जायगा। तुम्हें एक राजनीतिज्ञ होना चाहिए था, निश्चय ही एक शराबी राजनीतिज्ञ होना चाहिए था और एक दिन टुकड़े-टुकड़े हो जाने वाले छोटे-छोटे बालकों को चूमते इधर-उधर घूमते रहना था।

फ्लैहार्टी ने अपने अन्तर की गहराई तक तलाश की और कुछ शब्दों के लिए उसका स्वर उसे पुनः मिल गया।

"आप लोगों के लिए......व्यवस्था करने से मुझे आनन्द प्राप्त होगा।"

उसने असहाय मुद्रा में कागज के थैले को हिलाया। बक-दम्पति ने उसकी ओर जिज्ञासापूर्वक देखा, किन्तु उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया।

हे परमात्मा......क्या उनमें से कोई कृपा करके कुछ कहेगा नहीं ?

उसने एक बार फिर थैले को ऊपर उठाया। इस बार उसके पतले-पतले हाथ थोड़ा-थोड़ा काँप रहे थे।

"बहुत अच्छा महाशय।" –मिलो बक ने कहा– "यह एक अच्छा विचार मालूम होता है।" उसने अपना गिलास दे दिया और फिर अपनी पत्नी का गिलास भी दे दिया।

फ्लैहार्टी ने अधीरतापूर्वक गिलासों को ले लिया। वह इतना प्रसन्न कभी किसी चीज से नहीं हुआ था–उसके पास जो कुछ था, वह सारा का सारा वह इस क्षण उन्हें दे डालेगा। उस घृणित द्वीप पर उसने जो कुछ हजार डालर एकत्र किये थे, अपने मस्तिष्क की समृद्धि, यद्यपि इस प्रकार की दूषित वस्तु को हस्तान्तरित करना कठोरतम दण्ड के तुल्य होगा, सब-कुछ वह उन्हें दे डालेगा। यदि वह केवल एक घण्टे तक ईमानदारी के साथ उनके साथ रह सके, तो वह उन्हें कोई भी वस्तु दे देगा।

उसने उनके लिए शराब उड़ेली और पूर्व कल्पना में उनका निरीक्षण करने के लिए पीछे की ओर झुक गया। तत्पश्चात्, उनके खुले चेहरों का अध्ययन करने पर उसे ज्ञात हुआ कि उसने अपने आप को फँसा लिया है। उसे उनकी ओर देखना नहीं चाहिए था, क्योंकि उनके चेहरों पर किसी प्रकार के भय का कोई चिन्ह नहीं था। वह पुनः एकाकी हो गया था। वह अपने को उनकी आँखों से छिपाने की, उनका सामना करने के बदले वहाँ से चले जाने की इच्छा करने लगा। वह मात्र एक बूढ़ा व्यक्ति था, एक शराबी बूढ़ा व्यक्ति, जो कुछ समय बाद मूर्खतापूर्ण बातें करने लगेगा और यह आशा करेगा कि उसकी बातों पर ध्यान दिया जायगा यद्यपि उसकी भविष्यवाणियाँ दोषपूर्ण होंगी और उसके संस्मरण अर्द्ध-कल्पित होंगे।

कृपा कीजिये! डोनाल्ड फ्लैहार्टी की ओर इस तरह से मत देखिये। मुझे थोड़े समय तक अपने स्वच्छ श्वासों को भीतर खींचने दीजिये, अपने आसपास के वायु का सेवन करने दीजिये, जिससे मैं पुनः जीना प्रारम्भ कर सकूँ। केवल कुछ क्षण तक इस लाश को अपनी युवावस्था दे दीजिये......और मैं वचन देता हूँ कि मैं प्रक्षेपास्त्र को भूल जाऊँगा–जिसे, ईश्वर ने चाहा, तो आप कभी नहीं देखेंगे।

जब वे तैयार हो गये, तब फ्लैहार्टी ने अपना गिलास उठाया।

"आपके सुखद भविष्य के लिए।"—उसने स्पष्ट और दृढ़ स्वर मे कहा।

हम्फ्री ऐगन्यू के व्यवहार से पहले-पहल जोस लोकोटा को ही चिन्ता होने लगी। वर्षों पहले उसने एक व्यक्ति को इसी प्रकार का आचरण करते हुए देखा था और उस स्मृति की तीव्रता अब विगत आधा घण्टे के दुर्लभ आनन्द को नष्ट करने लगी थी। जोस ने व्हिस्की की अपेक्षा 'वाइन' शराब को अधिक पसन्द किया होता क्योंकि 'वाइन' से उत्तेजना के बदले शाति प्राप्त होने की अधिक सम्भावना थी; किन्तु गलियारे के पार बैठे हुए बीमार व्यक्ति के साथ, जो एक अत्यन्त भद्र पुरुष था और जो इस बात को स्वीकार नही करता था कि वह बीमार है और जिसमे हवाई द्वीप समूह मे व्यापार के लिए मछली पकड़ने के कार्य पर जलीय तापमान के प्रभाव में दिलचस्पी दिखाने का शिष्टाचार भी था, पीना व्हिस्की से पैदा होनेवाले सिरदर्द को भुला देने के लिए काफी था। अब सारा प्रभाव नष्ट हो गया था क्योंकि लम्बी नाकवाला तथा अपनी टाई में फैन्सी 'स्टिकपिन' लगाये हुए वह पतला व्यक्ति सैल वेटरिक्को के ही समान आचरण कर रहा था।

सैल 'सेण्ट एनी' नामक मछलीमार पोत पर अपना संयम खो बैठा था। उसी यात्रा मे तुम्हारी दो अंगुलियाँ समाप्त हो गयी थी। 'सेण्ट एनी' ला पाज में एक सप्ताह तक बन्दरगाह मे ही रुका रह गया था और यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए परेशानी का एक कारण था, क्योकि तीन महीनों तक निरन्तर मछली मारते रहने के बाद भी केवल आधे परिमाण में ही मछली मारी जा सकी थी। सैल एक लम्बा-चौड़ा अजोरियावासी था और वह जाल फेंकने वाले व्यक्ति (Baitman) से, जिसका नाम निकोलस था, घृणा करता था। सैल निकोलस से इसलिए घृणा करता था, कि जब कोई मछली फँसती थी, तब वह उस पर बहुत अधिक चिल्लाया करता था और बार-बार कहा करता था कि दस वर्ष का एक लड़का भी अधिक जोर और अधिक तेजी से जाल खीच सकता है। यह सच बात नहीं थी और निकोलस बार-बार चिल्लाकर जो कुछ कहता था, वह वास्तव में उसका आशय नही होता था; किन्तु जब कभी कोई मछली कॉटे से निकल जाती थी, तब वह कॉटे को सैल के सिर पर घुमा कर कहता था—"जरा देखो, मैं एक अच्छे शिकार को आधे पुरुष और आधी नारी के लिए बरबाद करने की मूर्खता कैसे कर रहा हूँ!" तब जहाज का प्रत्येक व्यक्ति हँस पड़ता और इस प्रकार की बातें कहता कि यदि सैल का आधा

औरत वाला अंग रात को मेरे बिस्तर पर आ जाय, तो मैं अपने हिस्से की मछली का सोलहवाँ भाग दे दूंगा।

इससे पोत के कर्मचारियों में उत्साह उत्पन्न होता था और जब जाल फेंका जाता था, तब वे उसे जोर और तेजी के साथ खींचते थे। सैल को छोड़कर, जो वास्तव मे एक शक्तिशाली पुरुष था और जिसे अपनी शक्ति पर बहुत अधिक गर्व था, प्रत्येक व्यक्ति हँसता था।

तत्पश्चात् लम्बी प्रतीक्षा का वह समय आया। सूर्य की गर्मी के कारण डेक के पटरों को जोड़ने वाला अलकतरा पिघलने लगा और अब कुछ भी करने के लिए शेष नहीं रह गया था। सैल कई दिनों तक ऊपर-नीचे चहलकदमी करता रहा। वह अधिकाधिक अकेले रहने लगा और उसकी आँखों में वही दृष्टि थी, जो अभी इस व्यक्ति की ऑखो में दिखायी दे रही है। यह पागलपन से भरी हुई दृष्टि थी, मानो कोई व्यक्ति उसके कलेजे में कीलें ठोंक रहा हो। एक दिन वह चहलकदमी कर रहा था कि निकोलस उसके सामने आ गया। उसने एक शब्द भी नहीं कहा था। सैल ने कहा—"दोगले कहीं के ! सारे समुद्र में सारे समय मुँह चलाते ही रहते हो। मै तुम्हें मार डालूँगा।" और उसने उसे मार डाला। इसके पूर्व कि कोई उसे रोक सके, उसने एक मोर्चा लगा हुआ चाकू निकाला और उसे सीधे निकोलस के पेट में घुसेड़ दिया। और सान डीगो के मार्ग में तटरक्षक विमान मे निकोलस की मृत्यु हो गयी।

अब यह लम्बी नाक वाला आदमी ठीक सैल की भाँति तीन बार केबिन के गलियारे का चक्कर लगा चुका है। वह जोस लोकोटा के प्रत्येक आनन्द को नष्ट कर रहा था, विशेषत: उस समय जब वह उस आदमी के पास रुक कर घूर-घूर कर देखता था, जो एक बड़े आदमी के समान दिखायी देता था—वह आदमी जो तीन कतार आगे हँसती हुई महिला के साथ बैठा था और जो अपने सिगरेट होल्डर को इस तरह पकड़े हुए था, जिस तरह केवल वास्तविक बड़े आदमी ही पकड़ते है। हो सकता है, जो कुछ हो रहा था, उसे केबिन में और कोई आदमी नहीं देख रहा हो। गलियारे मे काफी अंधेरा था और केवल यात्री के सिर के ऊपर के छोटे-छोटे चौकोर छेदों से ही रोशनी आ रही थी। यह रोशनी पढ़ने के लिए अथवा बीमार आदमी के साथ बैठ कर शराब पीने के लिए अच्छी थी, किन्तु देखनेवाली ऑखों के लिए वह तनिक भी अच्छी नहीं थी......जब तक कि आप सैल वेटरिक्को के बारे में न जानते हों।

ज़ोस ने शराब का गिलास उस हाथ में ले लिया, जिसमें पॉच अंगुलियाँ

थीं और गलियारे के पार दूर तक झुक गया।

"क्या आप कोई विचित्र चीज होती हुई देख रहे हैं, श्री ब्रिस्को?"

"थोड़े समय पूर्व विमान ने जोर का झटका खाया था। हो सकता है कि हम मार्ग-भ्रष्ट हो गये हों।"

"नहीं......मेरा मतलब यह नहीं है, किन्तु वह व्यक्ति, जो गलियारे मे बार-बार चक्कर लगा रहा है—"

"हाँ। वह बहुत अधिक व्यायाम कर रहा है। हो सकता है कि वह सोचता हो कि वह किसी जहाज पर है और भोजन के लिए भूख बढ़ाने का प्रयत्न कर रहा हो। पचास बार चक्कर लगाना लगभग एक मील के बराबर है।

"वह कोई उपद्रव खड़ा करने वाला है।"

"आप ऐसा क्यों सोचते है?"

जोस अपने बालो को रगड़ने लगा।

"मैं ठीक-ठीक नहीं जानता, किन्तु मैंने एक बार एक व्यक्ति को ठीक ऐसा ही आचरण करते हुए देखा है। यह अच्छी बात नही है।"

एगन्यू को देखने के लिए फ्रैंक ब्रिस्को अपने आगे की कुर्सी पर झुक गया।

व्हिस्की ने उसकी पीड़ा को कुछ कम कर दिया था। वह चहक रहा था।

"ऐसा प्रतीत होता है कि कोई बीमा-व्यवसायी किसी ग्राहक को खो बैठा है। ईश्वर की शपथ, वह किसी चीज के लिए पागल हो रहा है।"

एगन्यू केन चाइल्ड्स और मे होल्स्ट की बगल में जाकर खड़ा हो गया था। बह अपने पैरों को काफी फैला कर खड़ा था और वह इस तरह से आगे की ओर झुका हुआ था, मानो वह लड़ाई करने के लिए तैयार हो। उसकी मुट्ठियाँ दोहरी हो गयी थीं और वह जोर-जोर से साँस ले रहा था। उसकी आँखें बाहर निकली हुई प्रतीत हो रही थीं और उसके पतले-पतले होंठ निरन्तर हिल रहे थे।

"आपका नाम केन चाइल्ड्स है.... क्या आप केन चाइल्ड्स नहीं हैं?" उसके स्वर में एक भेदक रुक्षता आ गयी। वह प्रायः नारी स्वर के समान हो गया। उसने पुनः कहा—"बताइये? क्या यही आपका नाम नहीं है?"

केन ने आश्चर्य के साथ उसकी ओर देखा, तत्पश्चात् वह मे होल्स्ट की ओर देख कर मुस्कराने लगा और अन्त में, चूंकि कुछ कहना आवश्यक था, इसलिए, स्वीकृति में सिर हिलाते हुए कहा—"हाँ। क्यों? मैं......मैं नही सोचता कि हम लोग पहले कभी मिल चुके हैं।"

"नहीं, हम लोग पहले कभी नहीं मिले हैं।" एगन्यू का सारा शरीर काँपने लगा था। उसके मुह के कोने में थूक की सफेद झाग एकत्र हो गयी थी। "नहीं। हम लोग नहीं मिले है.. .. क्योंकि... ..कोई व्यक्ति नहीं चाहता था कि हमारी मुलाकात हो।"

"मै निश्चयपूर्वक नहीं कह सकता कि मुझे इस बात से प्रसन्नता है। मैं आपके लिए क्या कर सकता हूँ......श्री......?"

"हम्फ्री एगन्यू। क्या आपके लिए इस नाम का कोई महत्व है?"

केन चाइल्ड्स हिचकिचाया। "आप......मार्था के पति तो नहीं हो सकते?"

"मैं ही मार्था का पति हूँ।"

"बहुत अच्छा......" केन परेशानी के साथ अपने सिगरेट होल्डर की तलाश करने लगा और अन्त में वह उसे उसके वास्कट की जेब में मिल गया। तत्पश्चात् उसने कहा—"बधाइयाँ।"

"क्या आपको केवल इतना ही कहना है, केन चाइल्ड्स? इस प्रकार की कोई बात नहीं कि मुझे आपसे मिल कर प्रसन्नता हुई?"

"हाँ......जरूर......"

"निश्चयपूर्वक नहीं!" —एगन्यू भावावेश में बोला।

"देखिये, श्री एगन्यू। यह महिला और मै शातिपूर्वक एक साथ मद्यपान कर रहे है। आप किसी बात से परेशान प्रतीत होते हैं। अब यदि मैं किसी प्रकार आपकी सहायता कर सकता हूँ, तो सम्भवतः भोजन के बाद बातचीत के लिए अधिक उपयुक्त समय होगा। अतः यदि आप तब तक के लिए क्षमा कर दें, तो—" उसने पुनः मे होल्स्ट की ओर मुंह फेर लिया, जो उसी के समान परेशानी के साथ मुस्करा रही थी।

किन्तु एगन्यू की उपेक्षा नहीं की जा सकती थी। वह उन्माद के साथ जोर-जोर से बोलने लगा। "ओह नहीं, आप ऐसा नही कर सकते। आप मुझे हटा नही सकते क्योकि आपके साथ मुझे बहुत अधिक हिसाब-किताब करना है और मुझे खरीदा भी नही जा सकता। मुझे नहीं खरीदा जा सकता।"

"सुनिये, श्री एगन्यू......यदि वास्तव मे यही आपका नाम है। मैं नहीं जानता कि आप को कौन-सी बात परेशान कर रही है और मुझे इसकी परवाह भी नहीं है। आप जहाँ कहीं से भी आये थे, वहीं वापस जाकर बैठ क्यों नहीं जाते?" केन का चेहरा बहुत अधिक लाल हो गया था और बोलते समय उसके भारी जबड़े हिल रहे थे। केवल मे होल्स्ट ने ही उसे संयम के अन्तर्गत रखा, अन्यथा

वह अपनी कुर्सी छोड कर उठ खड़ा होता।

"च......च, अब सुनो !"— उसने सद्भावना पूर्वक कहा—"इस उम्र मे इतना अधिक क्रोध तुम्हारे हृदय के लिए हानिकारक सिद्ध होगा, प्रिय।"

"यह आदमी एक बीमारी है—"

"तो मै एक बीमारी हूँ ! मुझे इस सम्बन्ध में तनिक भी सन्देह नहीं है और होनोलुलू मे मै अवश्य ही आप और मार्था के लिए एक रोग रहा होऊँगा, जब आप लोग मुझे दूर रखने का षड्यंत्र रचा करते थे, जिससे आप लोग अकेले रह सकें; किन्तु आप मेरे जैसे रोगों के अवश्य अभ्यस्त होंगे और आप सोचते हैं कि आप ऐसे एक दूसरे व्यक्ति के रूप में मेरी उपेक्षा कर सकते हैं, जिसकी पत्नी आपके साथ सोयी हो—"

"आपका दिमाग बिल्कुल खराब हो गया है। मैंने आपकी पत्नी को दो बार भोजन करने के लिए बुलाया था क्योंकि वह एक बहुत अच्छी लड़की है और बहुत समय पहले मेरे यहाँ काम किया करती थी। उसका बड़ा-से-बड़ा अपराध यही है कि उसने मुझसे हाथ मिलाया। अब उसका अपमान करना और अपने को मूर्ख प्रमाणित करना बन्द कर दीजिये। खत्म कीजिये इस बात को।"

"मैं जानता था कि आप कोई-न-कोई झूठा बहाना ढूंढ़ निकालेंगे, किन्तु मैं उतना मूर्ख नहीं हूँ जितना मूर्ख आप और मार्था मुझे समझते हैं। मैं बहुत ही चालाक आदमी हूँ, श्री चाइल्ड्स......इतना चालाक कि कुछ घण्टों तक आपको इसी बात की चिन्ता रहेगी कि मै क्या करने जा रहा हूँ......आप चिन्ता करते रहियेगा और सोचते रहियेगा, जिस प्रकार कि मै चिन्ता करता रहा हूँ और सोचता रहा हूँ......" उसने अचानक हाथ बढ़ाया और केन के कोट की आस्तीनों को पकड़ लिया। वह उन्हें अपनी अंगुलियों के बीच लपेटने लगा। उसकी आवाज और अधिक ऊँची हो गयी।

"मै वर्षों से तुम्हारे बारे में सुनता आ रहा हूँ और मै तुम्हारे नाम से तंग आ गया हूँ ! तुम औरतों के लिए एक वास्तविक राक्षस हो......एक वास्तविक विजेता ! श्रीमतीजी, आप के लिए यह बात दिलचस्प होनी चाहिए......केवल एक बात को छोड़कर और वह यह है कि आपके सुन्दर मित्र ने एक गलती कर दी। उसने मार्था को एक वेश्या बना दिया और यह एक ऐसी बात है—"

"बस, बहुत हो चुका !" केन ने जान-बूझ कर अपनी शराब फर्श पर फेंक दी और तेजी के साथ उठ कर एगन्यू की पकड से मुक्त हो गया। उसने अपने पैरों को तेजी के साथ सीधा किया। उसका घूसा पीछे की ओर गया और उसने

गलियारे में खड़े व्यक्ति पर प्रबल प्रहार किया। एक क्षण तक वे मन्द प्रकाश में नौसिखुओ की भाँति संघर्ष करते रहे। वे हाँफ रहे थे और गुर्रा-गुर्रा कर एक दूसरे को कुर्सियो पर ढकेलते थे, किन्तु एक ही क्षण में वे अलग-अलग हो गये। जोस लोकोटा, जिसका आकार उनके आकार का केवल आधा था, शीघ्रता-पूर्वक उनके बीच में आ गया। उसकी मोटी भुजाओ ने उन्हें गलियारे के दोनों ओर अपने-अपने स्थान पर रोक दिया।

"तुम लोग पागल हो गये हो क्या? खत्म करो इसको!"

अब मिलो बक ने आकर एगन्यू को और हावर्ड राइस ने आकर केन चाइल्ड्स को मजबूती के साथ पकड़ लिया।

"उसके पास पिस्तौल है! मैंने उसे महसूस किया! वह पागल हो गया है!"

स्पाल्डिग गलियारे में दौड़ती हुई आयी।

"यह क्या है! यह सब क्या हो रहा है?"

स्पाल्डिग को अपने प्रश्न का उत्तर नहीं मिला, क्योंकि जिस समय वह भीड़ में सम्मिलित हुई, उसी समय एक जोरदार आवाज तेजी के साथ हुई, मानो किसी ने एक साथ ही हवा के एक दर्जन छेदों को खोल दिया हो। स्पाल्डिग फर्श पर गिर पड़ी। हम्फ्री एगन्यू के चारों ओर एकत्र सारे व्यक्ति अपने-अपने स्थानों पर चले गये, क्योंकि केबिन जोर के साथ दायीं ओर को झुकने लगा था। उसी क्षण एक भयंकर कम्पन हुआ। भोजन-कक्ष में रखे हुए चाँदी के बर्तन और थालियाँ गिर पड़ीं। क्लारा जोसेफ चिल्लाने लगी।

कम्पन जितने आकस्मिक रूप से प्रारम्भ हुआ था, उतने ही आकस्मिक रूप से वह समाप्त भी हो गया। एक क्षण तक भयंकर मौन बना रहा। तत्पश्चात् सैली मैकी अपनी बगल की खिड़की के पास मुँह ले गयी और चिल्ला पड़ी—"वह पंख.....विमान में आग लग गयी है!"

पॉच सेकण्ड के प्रचण्ड कम्पन के अतिरिक्त और कोई चेतावनी नही प्राप्त हुई थी। जिस समय कम्पन हुआ, उस समय सलीवन अपने बगल में रखे हुए राखदान में एक सिगरेट को बुझा रहा था। जिस समय उसने सिगरेट के अन्तिम टुकड़े को फर्श पर फेंका, उसी समय उसने अन्तिम धक्के का अनुभव किया। तत्पश्चात् विमान बायें पंख की ओर झुक गया। स्वयं-विमान-चालक यंत्र इस स्थिति को ठीक करने के लिए भरपूर प्रयास कर रहा था।

"नम्बर एक इंजिन ही है।"—सलीवन ने चिल्ला कर कहा। वह अपने

अन्तर्मन की पुकार सुनकर 'थ्राटल' को बन्द करने ही जा रहा था कि आग की चेतावनी देनेवाली लाल रोशनी जोरों के साथ चमक उठी। खतरे की घण्टी टनटनाने लगी। आवाज जोरो के साथ हो रही थी और सारा यंत्र-पटल अपने रबड़ के ढाँचे पर हिल रहा था। यंत्रो मे भयंकर गड़बड़ी पैदा हो गयी थी। सलीवन की खिड़की के बाहर एक नारंगी रंग का प्रकाश फूटा और शीघ्र ही वह समस्त उड्डयन-कक्ष मे व्याप्त हो गया।

"हे ईसा मसीह! विमान में तो आग लग गयी है!"—हाबी ने निराशापूर्वक चिल्ला कर कहा।

सलीवन ने अविश्वास के स्वर में कहा—"हाँ......हाँ......यह एक नम्बर का इंजिन ही है, बिल्कुल ठीक......।" वह 'थ्राटल',' प्रापेलर कण्ट्रोल' को पीछे खीचता हुआ, नम्बर एक इंजिन की गैस बन्द करता हुआ उसी बात को बार-बार दोहराता जाता था।

"उस दोगले इंजिन पर बोतल गिरा दो!"—डैन ने कहा।

"हाँ......जल्दी करो! हाबी! बोतल गिराओ।"

हाबी उड्डयन-पटल से बहुत दूर ठीक सलीवन के सामने पहुँचा और उसने नम्बर एक इंजिन के 'सिलेक्टर वाल्व' को खींच दिया। वह यह सोचने के लिए नहीं रुका कि स्वयं सलीवन ने ऐसा क्यों नहीं किया। तत्पश्चात् उसने एक दूसरा वाल्व खींचा, जिससे उस क्षेत्र में कार्बन डाईआक्साइड छूटने लगा।

"रेडियो पर जाओ! सान फ्रांसिस्को को सूचित कर दो!"—सलीवन ने आदेश दिया। क्षण भर के लिए उसका स्वर सामान्य हो गया, फिर भी वह शारीरिक दृष्टि से पक्षाघात-ग्रस्त प्रतीत हो रहा था। उसने अपने को पुनः अपनी खिड़की से बाहर देखने के लिए बाध्य किया और डैन उसके पीछे ही आ कर खड़ा हो गया। आग के प्रकाश मे किसी सिस्के पर अंकित दो सिरों की भाँति उनके चेहरे जड़वत् प्रतीत हो रहे थे।

"वह प्रापेलर! सारा का सारा प्रापेलर बिगड़ गया है!" उसका स्वर एक बार फिर मन्द पड़ गया, मानो यह तथ्य उसके लिए बिल्कुल ही बुद्धिगम्य न हो।

"और वह इंजिन कम-से-कम दस अंश नीचे लटक गया है। वह अपने ढाँचे से अलग हो गया है!"

वे मुश्किल से साँस ले रहे थे। उनके शरीर निस्पन्द थे, उनमें भय व्याप्त हो गया था, जब कि वे एक सौ आक्टेन गैसोलीन के विषय में सोच रहे थे। अब

कुछ ही सेकण्डों की देर थी। इंजिन की आग या तो बाहर फैल जायगी, या सारे पंख में विस्फोट हो जायगा।

"दूसरी बोतल भी खींचो डैन! मैं पानी पर उतरना प्रारम्भ करने जा रहा हूँ!"

जब डैन दूसरी बार 'वाल्वों' को खींच रहा था, तब ऐसा प्रतीत हुआ कि सलीवन ने अपनी माँस-पेशियों पर पुनः नियंत्रण स्थापित कर लिया है। उसने स्वयं-विमान-चालक यंत्र को तथा तीनों शेष 'थ्राटलों' को बन्द कर दिया और नियंत्रण-दण्ड (Control yoke) को तब तक आगे की ओर खीचता रहा, जब तक विमान गहरा गोता लगाने की स्थिति में नहीं आ गया। रोशनदानो से होकर आनेवाली हवा की आवाज बढ़कर जोरदार हो गयी। नीचे उतरने की गति लगभग दो हजार फुट प्रति मिनट हो गयी। वायुगति दो सौ बीस थी।

कार्बन डाईआक्साइड के छोड़े जाने के कारण हो, या दिशा-परिवर्त्तन और गति में अत्यधिक वृद्धि के कारण हो, किन्तु आग बुझ गयी। अत्यन्त आकस्मिक रूप से उन्हें इस बात का ज्ञान हो गया कि खिड़कियों के बाहर रात की कालिमा पुनः लौट आयी है और उनकी उड़ान अभी तक समाप्त नही हुई है।

"धन्यवाद......प्यारे भगवान्!"—लियोनार्ड ने धीमे स्वर में प्रार्थना की।

सलीवन स्टेबिलाइजर और नियंत्रण-यंत्र पर पुनः धीरे-धीरे आराम से बैठ गया। उसने पुनः साँस लेना प्रारम्भ कर दिया।

"आग बुझ गयी है"— उसने अनिश्चयपूर्वक कहा—"मैं नही सोचता कि वह पुनः जल उठेगी।"

किन्तु डैन ने, जो सभी यंत्रों का निरीक्षण करता आ रहा था, कुछ नहीं कहा, क्योंकि उसने एक ऐसा यंत्र देखा था, जो उसे बेचैन कर रहा था और अब भी वह यह विश्वास करना चाहता था कि उसकी बेचैनी निराधार है। वह आशा के साथ प्रतीक्षा और निरीक्षण करता रहा और सलीवन ने विमान को पाँच हजार फुट की ऊँचाई पर ला दिया।

"मैं सान फ्रांसिस्को से सम्पर्क नहीं स्थापित कर पाता!"—हाबी ने एक ऐसे स्वर में कहा, जो प्रायः रुदन के स्वर के समान था—"कप्तान......कुछ गड़बड़ी है......वे उत्तर नहीं देते!"

"माध्यमिक ध्वनि-घनत्व (frequency) की आजमाइश कर के देखो।'

"मैंने कोशिश की। मैं उन दोनों पर कोशिश करता आ रहा हूँ।"

"सकटकालीन रेडियो-यंत्र का प्रयोग करो। उन्हें संकटकाल की सूचना दो।"

"बहुत अच्छा।"

"लियोनार्ड, क्या तुम्हारे पास हमारी स्थिति का विवरण है?"

"अच्छा कप्तान! वह पहले से ही तैयार है और मै प्रतीक्षा कर रहा हूँ। क्या हम पानी पर उतरने जा रहे है?"

"नही। उस इंजिन के लटकते रहने के कारण विमान बहुत धीरे-धीरे उड़ रहा है, किन्तु मै सोचता हूँ कि हम आकाश में बने रह सकते हैं। तट तक पहुँचने में कितना समय लगेगा?"

"लगभग ६ घण्टे, किन्तु इतना समय नियमित गति से उड़ने पर लगेगा। मैने हिसाब नही लगाया है कि अब कितना समय लगेगा।"

"तो यह हिसाब लगाओ।"

"मैं कैसे हिसाब लगा सकता हूँ, जबकि मै यही नहीं जानता कि हम किस गति से जायँगे?"

"मुझे खेद है। एक मिनट तक रुको। तब तक विमान की गति स्थिर हो जायगी। मैं सोचता हूँ कि मै १३५ मील की गति से उड़ सकता हूँ......।"

"हे भगवान्! बस इतना ही?"

"इंजिन लड़खड़ा रहा है। इससे हमारी गति मन्द हो गयी है.....मुझे विमान को और नीचे ले जाना होगा।"

"किसी भी हालत में हम दो हजार फुट की ऊँचाई पर अधिक अच्छी स्थिति मे रहेंगे।"—डैन ने शांतिपूर्वक कहा। जो यंत्र उसके मस्तिष्क में अशांति उत्पन्न कर रहा था, उससे दृष्टि हटाये बिना ही उसने एक सिगरेट सुलगायी।

"हाबी! क्या तुमने अभी तक किसी से सम्पर्क स्थापित किया है?"

"नहीं।"

"तो चिल्लाना जारी रखो।"

"मैं......एक मिनट रुकिये......मैं किसी की आवाज सुन रहा हूँ.....कोई जहाज है!"

डैन ने अपने सिगरेट पर जोर की कश लगायी और यंत्र की सुई को देखने लगा। वह यंत्र-पटल पर अपेक्षाकृत एक महत्वहीन स्थान पर अंकित था। वह उन मापक-यंत्रों में से एक था, जिनकी जाँच केवल निर्धारित अवसरों पर ही की जाती है। यह यंत्र मुख्य टंकी में शेष बची रह गयी गैसोलीन को नापता था।

११

'क्रिस्टोबल ट्रेडर' मन्द गति से चला जा रहा था और मैनुअल अबोईतिज पसीने में नहाया हुआ बैठा था। उसकी कमीज की बगल पर पसीने के बड़े-बड़े काले दाग पड़ गये थे और ये दाग लगभग उसकी कमर तक फैले हुए थे। एक दूसरा दाग उसकी पीठ पर था और पसीने की बूंदें उसके ललाट से बह-बह कर नीचे आ रही थी, जिससे कभी-कभी उसके लिए अपने सामने के डायलों को देखना मुश्किल हो जाता था। डायलों को घुमाते समय उसने अपनी आँखों को क्रोधपूर्वक पोछा, क्योंकि आकाश मे उसके ऊपर किसी स्थान से जो भयग्रस्त आवाज आ रही थी, उसमें सम्मिलित होने के लिए वह बुरी तरह से चिन्तित था।

अब उसे आमंत्रित किया गया था। सामाजिक अवरोध समाप्त हो गये थे। संकट-काल की घोषणा कर दी गयी थी और सहायता प्रदान करने वाला कोई स्वर स्वागतार्ह हो गया था। मैनुअल चाहता था कि वह सहायता का स्वर उसी का हो और फिर भी, उसे इस बात की सावधानी तो अवश्य ही बरतनी होगी कि संकट से अपेक्षाकृत अधिक प्रत्यक्ष सम्बन्ध रखने वालों का स्वर अवरुद्ध न हो जाय। इस प्रकार के हस्तक्षेप से स्थिति जटिल ही हो जायगी और सम्भवत. वह और अधिक बिगड़ जायगी। उसने सोचा, आकाश की वह निस्सहाय सुन्दर वस्तु, जो अभी कुछ समय पहले ही सरलतापूर्वक तारों के बीच से होकर गुजर रही थी, अब संकट में पड़ गयी है। मैनुअल को उसके संकट की अनुभूति हो रही थी, मानो वह उसी का एक प्राणवान रूप हो। वह वस्तु आह्वान के बाद आह्वान करती जा रही थी, आकाश के अनन्त एकाकीपन मे चिल्ला रही थी और किसी कारण से अपने आह्वानों के उत्तर नही सुन पा रही थी।

मैनुअल उत्तरों को स्पष्टतापूर्वक सुन सकता था। सान फ्रांसिस्को विमान के प्रत्येक अनुरोधपूर्ण सन्देश का उत्तर देता था, किन्तु ऐसा प्रतीत होता था कि विमान बहरा हो गया है। या तो उसका 'रिसीवर' काम नहीं कर रहा था या रेडियो की विचित्रताओं के कारण वह अब एक ऐसे स्थान पर पहुँच गया

था, जहाँ दूर से भेजे गये किसी सन्देश को सुन सकना असम्भव होता है।

मैनुअल ने निर्णय किया कि अब मेरे मौन को भंग करने का समय आ गया है। फिर भी, निर्णय हो जाने के बाद अब नये सन्देह उसे पीड़ित करने लगे। उसने अतिरिक्त पुर्जों को जोड़ कर इतने प्यार के साथ जिस ट्रान्समिटर का निर्माण किया है, क्या वह काम करेगा? जब उसने पहले-पहल इन पुर्जों को जोड़ा था, तब उसने माइक्रोफोन का बटन दबा कर चोरी-चोरी उसकी कार्यक्षमता की परीक्षा की थी, किन्तु उसने बात करने का साहस कभी नहीं किया था, जहाजों के लिए गैरकानूनी ध्वनि-घनत्व (frequency) पर उत्तर पाने की आशा करने की बात ही दूर रही और इसी कारण जब उसने माइक्रोफोन की ओर हाथ बढ़ाया, तब उसे और अधिक पसीना आने लगा, क्योंकि यदि ऐसे समय में उसका कार्य विफल हो गया, तो वह जानता था कि स्वयं उसके भीतर कोई चीज विफल हो जायगी—वह अपने मुख्याधिकारी के सामने बढ़-बढ कर जो बातें किया करता था, वे सारी गर्वोक्तियाँ खोखली सिद्ध हो जायँगी।

"यह 'क्रिस्टोबल ट्रेडर' है, जो चार-दो-सिफर को बुला रहा हूँ। मैं आपकी बातों को स्पष्ट रूप से सुन सकता हूँ। क्या आपको मेरी बातें सुनायी दे रही है?" जिस समय मैनुअल ने रिसीवर डायल को थोड़ा-सा घुमाया, उस समय उसका हृदय धक्-धक् करने लगा। फिर उसके सामने रखे हुए 'स्पीकर' यंत्र से उत्तर आया।

"राजर! राजर! जहाज का क्या नाम बताया था?"

मैनुअल ने तुरन्त उत्तर दिया—"यह 'क्रिस्टोबल ट्रेडर' है......डब्ल्यू. टी. वाई. एच......मैंने आपके संकट-काल विषयक संदेश को सुना......दस मिनट पहले आप ठीक मेरे ऊपर से होकर गुजरे। मैं बयासी बीस पर सान फ्रांसिस्को को भी सुन सकता हूँ। क्या आप चाहते हैं कि मैं आपके सन्देश वहाँ तक पहुँचा दूँ?"

कुछ क्षणों तक मौन रहा, फिर पुनः आवाज आयी—"राजर......'क्रिस्टोबल ट्रेडर'। हमें आपकी बातें सुनायी देती है, किन्तु सान फ्रांसिस्को अथवा होनोलुलू से सम्पर्क स्थापित कर सकने में हम असमर्थ हैं। कृपया सान फ्रांसिस्को से कहिये कि......एक मिनट तक रुकिये......रुके रहिये......"

मैनुअल ने एक पैड अपनी ओर खींच लिया और लिखने की मुद्रा में बैठ गया।

"......सान फ्रांसिस्को से कहिये कि हमारा नम्बर एक 'प्रापेलर' समाप्त हो गया है। आग शुरू हो गयी थी......किन्तु अब वह बुझ गयी है। इंजिन ढाँचों पर लगभग दस अंश नीचे लटक रहा है। वायुयान की अधिकतम गति इस समय १३५ मील है। अभी हम पाँच हजार फुट की ऊँचाई पर हैं...... किन्तु नीचे जा रहे हैं। अनुरोध है कि वे हमारे नीचे मार्ग बिल्कुल साफ रखें। क्या आपने इन सब बातों को सुन लिया?"

"राजर, चार-दो-सिफर, रुके रहिये।" मैनुअल जानता था कि उसे अपने मुख्याधिकारी को बुलाना चाहिए, किन्तु ऐसा बाद में किया जा सकता है। यदि चार-दो-सिफर नीचे जा रहा है, तो मुख्याधिकारी को बुलाने का समय नहीं रह गया है। उसने पुनः अपने माइक्रोफोन को उठा लिया।

"डब्ल्यू. टी. वाई. एच......'क्रिस्टोबल ट्रेडर' सान फ्रांसिस्को को बुला रहा है। क्या आपने चार-दो-सिफर नम्बर के विमान की रिपोर्ट को सुना?"

उसे तत्काल एक विकृत स्वर में उत्तर प्राप्त हुआ। "राजर डब्ल्यू. टी. वाई. एच.। कृपया उससे आदेश के लिए प्रतीक्षा करने के लिए कहिये। कृपया पता लगाइये कि क्या वह पानी पर उतरने जा रहा है। समाप्त।"

"'क्रिस्टोबल ट्रेडर' चार-दो-सिफर को बुला रहा है। क्या आपने अभी-अभी सान फ्रांसिस्को का सन्देश सूना?"

"नही, ट्रेडर।"

"सन्देश में कहा गया है कि......आदेश के लिए प्रतीक्षा करते रहिये। वे जानना चाहते है कि क्या आप पानी पर उतरने जा रहे हैं। समाप्त।"

"रुके रहिये......"

मैनुअल जहाज के एक भारी पटरे से टिक कर बैठ गया और आश्चर्य करने लगा कि रात में बीच समुद्र मे विमान का उतरना कैसा होगा। अचानक वह 'क्रिस्टोबल ट्रेडर' की सुदृढ़ता के सम्बन्ध में सोचकर अत्यन्त प्रसन्न हो उठा।

"चार-दो-सिफर 'ट्रेडर' को बुला रहा है। अभी पानी पर उतरने का कोई विचार नहीं है। हम दो हजार फुट की ऊँचाई पर बने रहने का प्रयत्न करेंगे। आपके आस-पास समुद्र की क्या स्थिति है......मान लीजिये कि? समाप्त।"

"जोरदार उत्तर-पश्चिमी हवाएँ बह रही हैं। हम लगभग तीस अंश पर चल रहे हैं। समुद्र की स्थिति बहुत खराब है।"

"राजर।"

"डब्ल्यू. टी. वाई. एच., हम सान फ्रांसिस्को से बात कर रहे हैं। कृपया

च।र-दो-सिफर की वर्तम।न स्थिति और वास्तविक मार्ग के सम्बन्ध में पूछिये।"

"रुके रहिये। ट्रेडर से चार-दो-सिफर से बात कर रहे हैं। सान फ्रांसिस्को वाले आपकी वर्तमान स्थिति और मार्ग के सम्बन्ध में जानना चाहते हैं।"

"चुम्बकीय अथवा वास्तविक मार्ग?"

"वास्तविक मार्ग।"

"एक सेकण्ड तक प्रतीक्षा कीजिये. ....हमारी स्थिति लगभग १३७ देशान्तर पश्चिम....३५ अक्षांश उत्तर मे है। मार्ग पचास अंश वास्तविक। यदि हम वापस लौटें और आपकी बगल मे पानी पर उतरें, तो कृपया तैयार रहिये। समाप्त।"

"राजर, चार-दो-सिफर। क्या आपने उन सारी बातों को सुना, सान फ्रांसिस्को?"

"हाँ, क्रिस्टोबल ट्रेडर। कृपया उससे कहिये कि वह हमसे सत्तासी-सौ पर बात करना जारी रखे। हम सभी ध्वनि-घनत्वों (frequencies) पर तैयार रहेंगे। समाप्त।"

"क्रिस्टोबल ट्रेडर चार-दो-सिफर से बात कर रहा है। सान फ्रांसिस्को चाहता है कि आप सत्तासी-सौ पर बात-चीत करने का प्रयत्न करें।"

"ऐसा ही करेंगे।"

अब मैनुअल ने सोचा कि उसकी व्यक्तिगत रुचि को व्यक्त करने का समय आ गया है। वह विमानों के सम्बन्ध में इतनी काफी जानकारी रखता था कि वह जानता था कि रात के समय विमान के समुद्र में उतरने से उसके बचने की तनिक भी आशा नहीं रह जायगी। वह यह निश्चय नहीं कर पा रहा था कि अपने विचारों को किस प्रकार के शब्दों मे व्यक्त किया जाय, किन्तु वह चाहता था कि आकाशचारी मनुष्य जान जायँ कि मैनुअल अबोईतिज उनके दुर्भाग्य से व्यक्तिगत रूप से प्रभावित है।

अन्त मे उसने कहा—"भाइयो, यदि सम्भव हो, तो उस विमान को आकाश में रखो। यहाँ समुद्र की स्थिति ठीक नहीं है।"

उसे जो उत्तर प्राप्त हुआ, उसका स्वर धुँधला था, किन्तु वह विचित्र रूप से निर्भीकतापूर्ण था।

"धन्यवाद, क्रिस्टोबल ट्रेडर। हम प्रयत्न करेंगे। प्रत्येक बात के लिए धन्यवाद।"

पिकरिंग सान फ्रांसिस्को 'एयर इंक' रेडियो पर समुद्रपारीय विभाग की देख-रेख कर रहा था। वह एक शांत और गम्भीर व्यक्ति था. जो अपने पाइप

को इस प्रकार मुँह में रखता था, मानो वह कोई मिष्ठान्न-दण्ड हो। अब जब उसके पीछे के कमरे में 'टेप रिकार्डर' घूमा, तब उसका पाइप प्रायः ठण्डा हो चुका था। जब हाबी व्हीलर की आवाज प्रथम बार पैनल से होकर आयी, तब उसने पाइप को एक ओर रख दिया था और तब से उसे पुनः उठाने का उसे समय नही मिला था। पिकरिंग ने प्रशान्त महासागर के ऊपर से हो कर उड़ने वाले अन्य विमानों से सम्बन्धित अपने नियमित कार्य को अपने साथी आपरेटरों को सौप दिया था और अपना ध्यान चार-दो-सिफर के साथ प्रत्यक्ष सम्पर्क करने पर केन्द्रित कर लिया था। मैनुअल अबोईतिज के माध्यम से काम करना असुविधाजनक था, किन्तु फिलहाल वह उसके प्रति कृतज्ञ था।

पिकरिंग अत्यधिक व्यस्त था। उसे हाबी अथवा मैनुअल द्वारा बोले गये प्रत्येक शब्द को अपने सामने के दूर-मुद्रण-यंत्र पर अंकित करना पड़ता था। दूर-मुद्रक-यत्र 'ओवरसीज एयर ट्राफिक कण्ट्रोल' और विमान-कम्पनी के कार्यालय को, जिसका नाम चार-दो-सिफर नम्बर के विमान पर लिखा हुआ था, अपने आप सन्देश पहुँचा देता था। प्रथम दीर्घकालीन मौन के बाद पिकरिंग अपनी धातु की कुर्सी मे घूमा और शीघ्रतापूर्वक टेलिफोन के दो नम्बर मिलाये। प्रथम नम्बर तट-रक्षक वायु-समुद्र-रक्षक दल का था। उनका स्टेशन केवल कुछ सौ गजों की दूरी पर ही था और उसने अभी टेलिफोन रखा भी नहीं था कि उसे खुली हुई खिड़की से उनके खतरे के सिगनल का शोर सुनायी देने लगा। पिकरिग ने दूसरा टेलिफोन सान फ्रांसिस्को के निचले भाग में स्थित तटरक्षा-रक्षक समन्वय केन्द्र को किया। जब उसने कुछ क्षण बाद फोन को रखा, तब वह जानता था कि अगले आधे घण्टे के भीतर एक हजार से अधिक व्यक्ति चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के भाग्य के साथ प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित हो जायँगे।

प्रशान्त सागर तथा सान फ्रांसिस्को क्षेत्र के लिए वायु-यातायात नियंत्रण-केन्द्र खाड़ी के पार ओकलैण्ड में स्थित था। यहाँ चार-दो-सिफर नम्बर के विमान से सम्बन्धित सूचनाएँ एक धातु-पट पर अंकित थीं। उसकी संख्या के बाद अंकित वर्गों में वायुयान की गति, ऊँचाई और स्थिति को अकित किया गया था और जब-जब लियोनार्ड बिल्वी ने अपना चार्ट तैयार किया था, तब-तब आगमन के अनुमानित समय को दर्ज कर लिया गया था।

अब इन समस्त संख्याओं में परिवर्त्तन हो गया था और एक व्यक्ति को चार-दो-सिफर नम्बर के विमान की प्रगति पर ध्यान रखने के लिए नियुक्त

कर दिया गया था। चार हजार पाँच सौ फुट की ऊँचाई पर उड़ने वाले तथा पश्चिम की दिशा में जाने वाले एक सैनिक विमान को तत्काल एक सन्देश भेजा गया। इस परिवर्त्तन से चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के नीचे सारा आकाश साफ हो जायगा। जिस समय चार-दो सिफर नम्बर के विमान ने अन्तिम बार अपनी स्थिति का विवरण दिया था, उस समय उससे दो सौ मील से भी कम दूरी पर उड़ने वाले एक अमरीकी विमान तथा एक ब्रिटिश विमान को अपने-अपने कप्तानों की इच्छा के अनुसार चार-दो-सिफर के निकट पहुँचने तथा सन्देशों के सम्भाव्य उत्प्रेषण के लिए तैयार रहने का परामर्श दिया गया।

अनेक घण्टों तक, जब तक चार-दो-सिफर नम्बर का विमान कैलिफोर्निया-तट के बहुत निकट न पहुँच जाय, समुद्रपारीय वायु-यातायात-नियंत्रण-केंद्र के कर्मचारी इससे अधिक और कोई सहायता नहीं कर सकते थे। अतः वे आने और जाने वाले विमानों को आकाश में एक-दूसरे से टकराने से बचाने के अपने कठिन कार्य को शांतिपूर्वक करते रहे। चार-दो-सिफर नम्बर के विमान की स्थिति के और अधिक जटिल हो जाने से पूर्व बीस से अधिक विमानों का मार्ग-दर्शन करना आवश्यक था और मौसम खराब होता जा रहा था तथा सान फ्रांसिस्को पहले से ही सूचना दे रहा था कि दृष्टि-स्थिति (Visibility) दो मील से भी कम की रह गयी है। अतः समस्याएँ सामान्य थीं– फिर भी निआन के प्रकाश से प्रकाशित उस बड़े कमरे में एक नयी मनहूसियत व्याप्त हो गयी। दक्षिण, पूर्व और पश्चिम की दिशाओं में नियमित यातायात की देख-रेख करने वाले कर्मचारी टहल-टहल कर अपने लम्बे, लचीले टेलिफोन-तारों की दूरी को तै करने से अपने को रोक नहीं सके। वे चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के लिए 'डिजाइनेटर' में झाँक-झाँक कर देखते थे और उसी की प्रगति के सम्बन्ध में सूचना मिलने की प्रतीक्षा करते थे। उन्होंने जितने नियमित रूप से सूचना मिलने की आशा की थी, उतने नियमित रूप से जब सूचना न मिली, तब वे मन्द स्वरों मे उसकी सन्दिग्ध स्थिति के सम्बन्ध में चर्चा करने लगे।

लेफ्टिनेण्ट माउब्रे अभी टेलिफोन पर पिकरिंग से बात ही कर रहे थे कि उन्होंने तट-रक्षा हवाई सहायता केन्द्र की शांति को पूर्णतया नष्ट कर दिया। फोन को एक हाथ में पकड़े हुए वे बिस्तर पर उठे और दीवार में लगे हुए खतरे के लाल बटन को दबा दिया। तत्काल ही एक विद्युत-चालित मोटर-हार्न की आवाज से अविवाहित अफसरों का क्वार्टर, जहाँ वे सो रहे थे, हिल उठा।

उन्होंने लोगों को हाल में दौड़ते हुए सुना, वे उनका सह बिमान-चालक कीम और उनका नेविगेटर पम्प होंगे। जिस समय लेफ्टिनेण्ट माउब्रे स्वयं अपने पैण्ट और जूते पहन रहे थे, उसी समय उन्होने भर्ती किये गये सैनिकों की बैरकों से लोगों के दौड़ने की आवाज सुनी। ठण्डे पानी से अपने दुबले-पतले चेहरे को धोने से पहले उन्होंने अपने बी.–१७ विमान के एक इंजिन के चालू होने की आवाज सुनी, नींद के अन्तिम अवशेष को दूर करने के लिए उन्होंने अपना सिर हिलाया और हाल के नीचे जाने लगे। बे निचली मंजिल पर जाने वाली दो-दो सीढ़ियो को एक-एक बार में उतरने लगे। वे कीम और पम्प के साथ ही सामने के द्वार पर पहुँचे। उनके चेहरों पर उन नवयुवकों की रिक्त दृष्टि थी, जो अभी तक जागे नहीं थे। कीम क्रोधपूर्वक अपने पैण्ट की पेटी बाँध रहा था।

उसने निराशापूर्वक बड़बड़ाते हुए कहा–"मैं किसी दिन चुस्त बनने जा रहा हूँ।"

पम्प ने मदिरालय के अन्त में रखे हुए नेविगेशन के थैले को उठा लिया और उन्होंने एक साथ ही दरवाजे को धक्का दिया। प्रतीक्षा-रत बी.–१७ विमान की ओर कदम बढ़ाते हुए उन्होंने मेघाच्छन्न आकाश की ओर देखा और रात्रिकालीन आर्द्र वायु की गहरी साँस ली।

"मामला क्या है ?"

"पूर्व दिशा में जाने वाले एक विमान का एक प्रापेलर समाप्त हो गया है। विमान में आग लग गयी थी, किन्तु अब वह बुझ चुकी है। वह अपनी गति को कायम नहीं रख सकता और ऐसा प्रतीत होता है कि वह पानी पर उतरने वाला है।"

"वह कितनी दूर है ?"

"लगभग एक हजार मील।"

"ओह, मेरी आँखें दर्द कर रही हैं !"

"आसमान में वे हमें और कष्ट देंगी।"

"बुरा हो इस पेटी का !"

हाबी व्हीलर का स्वर जब प्रथम बार रात्रिकालीन वायु को भेद कर आया था, उसके ठीक चौदह मिनट बाद तट-रक्षक हवाई सहायता दल का विमान बी.–१७ सान फ्रांसिस्को में जमीन से ऊपर उठा और घने बादलों में उड़ चला।

लिओनार्ड सूसी और हार्डवड की तश्तरी के विषय में, जो पहले धक्के के

समय ही उड्डयन-कक्ष के फर्श पर गिर पड़ी थी, न सोचने का प्रयत्न कर रहा था। तश्तरी सिरों पर टूट गयी थी और अब वह ऐसी दिखायी दे रही थी, जैसे उसने उसे पुरानी वस्तुओं की किसी दुकान से खरीदा हो। फिर भी, लियोनार्ड सूसी और तश्तरी के सम्बन्ध में सोचना चाहता था, क्योंकि उसका विश्वास था कि सूसी के शराब के नशे में चूर होने, उसकी लिपस्टिक के चारों ओर फैले होने तथा उसके बालों के अस्त-व्यस्त होने की कल्पना भी उड्डयन-कक्ष की हृदय-विदारक अस्त-व्यस्तता की अपेक्षा अधिक अच्छी थी।

उड्डयन-कक्ष की दशा मे जो भौतिक परिवर्त्तन हो गया था, वह विमान-कर्मचारियो के अतिरिक्त अन्य किसी व्यक्ति के लिए प्रायः अदृश्य ही था। एक 'थ्राटल' और एक 'प्रापेलर कण्ट्रोल' को पीछे खींच लिया गया था। एक गैस-वाल्व तीन अन्य गैस-वाल्वों से भिन्न स्थिति में था। यंत्रों की भारी संख्या को अथवा नियंत्रण-पटल से फूलो के समान निकले हुए लाल, नीले, काले और सफेद रंग के छब्बीस हैण्डिलों को दृष्टिगत रखते हुए ये छोटे-छोटे परिवर्त्तन महत्वहीन थे और दिखायी नहीं दे रहे थे। चुम्बकीय कम्पास अभी तक अपने छोटे 'अक्वेरियम' में तैर रहा था, यद्यपि ऐसा प्रतीत होता था कि तीन चालू इंजिनों पर जो अतिरिक्त बोझ पड़ गया था, उससे वे कराह रहे थे। उनकी आवाज बढ़ गयी थी और वे निरन्तर आवाज कर रहे थे।

यह भद्दी अव्यवस्था यंत्रों की व्याख्या करने तथा उनके संकेतों के फलस्वरूप कर्मचारियों में, जो अभी थोड़े ही समय पूर्व बिल्कुल भिन्न प्रकार के व्यक्ति थे, हुए भयंकर परिवर्त्तन के कारण उत्पन्न हुई थी। सलीवन में इतना अधिक परिवर्त्तन हो गया था कि ऐसा प्रतीत होता था कि उसका सारा शरीर सिकुड़ गया है। वह नियंत्रक-दण्ड पर झुका हुआ, उसे निराशापूर्वक पकड़े हुआ था, मानो उसकी धातु की कठोरता उसे शक्ति प्रदान करेगी और सामान्यतः सीधी रहने वाली उसकी पीठ मुड़ गयी थी। उसने एक सिगरेट के सिरे से दूसरी सिगरेट जलायी। वह ऐसे स्वर मे आदेश दे रहा था, जिसमे निश्चितता नहीं रह गयी थी। उसकी आँखें वायु-गति-निर्देशक यंत्र से कभी नही हट रही थीं। सुई में होने वाले सूक्ष्मतम परिवर्त्तनों से उसके जबड़े की हड्डियाँ इस तरह से हिलने लगती थीं, जैसा लियोनार्ड ने पहले कभी नही देखा था।

हाबी की समस्त यौवनपूर्ण उछल-कूद चली गयी थी। लियोनार्ड ने सोचा कि वह एक ऐसे बालक की भाँति दिखायी दे रहा था, जो किसी पेड़ पर फँस गया हो और किसी के द्वारा यह बताये जाने की प्रतीक्षा कर रहा हो कि पेड़ पर

से किस प्रकार उतरना चाहिए। उसके सावधानीपूर्वक संवारे गये बाल अब वैसे नहीं रह गये थे। कान में लगाये जाने वाले ध्वनि-यंत्रों (earphones) के कारण उसके बाल अस्त-व्यस्त हो गये थे और वह इन ध्वनि-यंत्रों को निरन्तर विभिन्न स्थिति में ले जा रहा था। जब वह रेडियो-यंत्रों को चला रहा था, तब वह किसी प्रकार समन्वय-बुद्धि को खो बैठा था। जब वह कण्ट्रोल को बदलना चाहता था, तब लियोनार्ड ने उसे चार बार गलत स्विच को दबाते हुए अथवा गलत मुठिया को पकड़ते हुए देखा था।

केवल डैन रोमन, जो उनके बीच में खड़ा था, पूर्ववत दिखायी दे रहा था यद्यपि वह सरल, दुखभरी मुस्कान, जिसे लियोनार्ड बहुत अधिक चाहने लगा था, अब उसके होठों से गायब हो चुकी थी। वह अपने लकड़ी के पाँव पर, जिसे उसने नियंत्रण-पटल के ठीके पीछे सीढ़ी पर रखा था, झुका हुआ था और जब से आग बुझी थी, तब से वह बिना कमानी का चश्मा लगाने के समय को छोड़ कर, एक बार भी हिला नही था। वह पूर्णतया शांत था, लगभग मूर्तिवत। लियोनार्ड कामना करने लगा कि उसका व्यवहार भी डैन के ही समान होता, क्योंकि वह लज्जित था। वह उड्डयन की तात्कालिक समस्याओ में तल्लीन अन्य व्यक्तियों के पीछे अकेले काम कर रहा था और सोच रहा था। उसने सोचा कि इस बात की सम्भावना नहीं है कि वे उसकी तीव्र वेदना को देख सकेंगे, किन्तु वह कोण-मापक यंत्र पकड़े हुए अपने हाथों के अथवा अपने मस्तिष्क के, जो जोड़ और घटाने के अत्यन्त परिचित कामों को जल्दी-जल्दी करने से इनकार कर रहा था, कम्पन को नही रोक सकता था।

लियोनार्ड अपनी तिपाई पर खड़ा था और उसका सिर 'एस्ट्रोडोम' में था। उसके चारों ओर अंधकार था। उसके सिर के ऊपर 'प्लेक्सीग्लास' से थोड़े-से तारे दिखायी दे रहे थे, किन्तु वे आकाश पर द्रुत गति से छाते हुए निराशाजनक बादलों के पीछे पहले से ही लुप्त होते जा रहे थे। 'आल्टेयर' और 'डेनेब' नामक तारे अभी तक दिखायी दे रहे थे—'पोलेरिस' नामक तारा, जिससे शीघ्रतापूर्वक विश्वसनीय रूप से उत्तरी रेखा का पता चल सकता था, पहले ही लुप्त हो चुका था। जब विमान मन्द गति से नीचे उड़ रहा था (सलीवन ने गति को स्थिर रखने के लिए उसके अनुरोधों का उत्तर तक नहीं दिया था), तब ठीक-ठीक स्थिति का पता लगाने का कार्य काफी मुश्किल था; अपेक्षाकृत छोटे आकार वाले तारों द्वारा, ऐसे तारों द्वारा जिनकी ओर अच्छी स्थिति में देखने की परवाह भी लियोनार्ड नही करता,

स्थिति का पता लगाने का प्रयत्न करना तो और भी कठिन कार्य था।

फिर भी, कम्पन सबसे बुरी बात थी। वह न केवल उसका अनुभव कर सकता था, प्रत्युत उसे देख भी सकता था। यह मानो अपने ही भीतर झाँक कर देखने के समान था। उसने कोण-मापक यंत्र के स्पंज रबर के 'सूचक' पर अपनी आँखें रखी और वह अपनी कापती हुई अंगुलियो से शीशे के 'कण्ट्रोल' की मुठिया को तब तक घुमाता रहा, जब तक 'डेनेब' नामक तारा नहीं दिखायी देने लगा। वह रुग्ण और महत्वहीन दिखायी दे रहा था। वह अपने समस्त शरीर को अधिक से अधिक केन्द्रित कर के ही उस तारे को सीध में ला सका, जिससे वह कोण-मापक-यंत्र के केन्द्र मे दिखायी देने लगा। जब तक उसका औसत निकालने वाला यंत्र उसके पर्यवेक्षणों को अंशों के रूप मे अंकित करता रहे, तब तक उसे पूरे दो मिनटों तक कोण-मापक यंत्र को उसी स्थिति में पकड़ कर रखना होगा। 'डेनेब' के बाद वह 'आल्टेयर' नामक तारे का पर्यवेक्षण करेगा और उसके बाद 'जूपिटर' नामक ग्रह का। इस ग्रह का पर्यंवेक्षण वह सब से बाद में करेगा, क्योंकि वह सर्वाधिक प्रकाशवान था और बादलों के और अधिक घना हो जाने के बाद भी दिखायी दे सकता था। इन तीनों सूक्ष्म वस्तुओं को कोण-मापक-यंत्र के अस्थिर केन्द्रवर्ती भाग में, जो चारों दिशाओं में इस प्रकार घूम रहा था, मानो वह कोण-मापक-यंत्र की सीमाओं से निकल भागने का प्रबल प्रयास कर रहा हो, स्थिर कर के रखना था। इस अस्थिरता के लिए आंशिक रूप से यह तथ्य दोषी था कि विमान नीचे जा रहा था, किन्तु लियोनार्ड जानता था कि अधिकांशतः यह अस्थिरता स्वयं उसके कांपने के कारण थी। इस कम्पन को रोकना ही होगा। चार-दो-सिफर नम्बर के विमान पर सवार प्रत्येक व्यक्ति का जीवन अब उसके इन सूक्ष्म पर्यवेक्षणों पर निर्भर कर सकता है। यह काम किसी काँपते रहने वाले व्यक्ति से नहीं हो सकता। यह काम पेन्सिल की नोक पर पारे के 'ग्लोब' को संतुलित करने के समान था।

उसने सूसी के विचार को अपने दिमाग से निकाल दिया और सारा ध्यान 'डेनेब' नामक तारे पर केन्द्रित कर दिया। जब दो मिनट समाप्त हो गये और रिकार्डिंग-यंत्र बन्द हो गया, तब उसने अपनी छोटी-सी बत्ती जलायी और कागज के एक टुकड़े पर कोण और तारे के दिखायी देने का समय लिख लिया। तत्पश्चात् वह अपनी तिपाई पर सावधानीपूर्वक घूमा और अपने कन्धे को रोशनदान से टिकाते हुए आकाश में 'आल्टेयर' नामक तारे की

तलाश करने लगा और उसने दो मिनट से अधिक समय तक कम्पन से संघर्ष किया। उसने अपने-आप से कहा कि ये तारे मित्र हैं, मैं उनसे उसी तरह सुपरिचित हूँ जिस तरह कोई पर्वतारोही पहाड़ो की चोटियों से परिचित रहता है, वे सदा से मेरे मित्र रहे है और उनका कोण नापने के लिए उनकी ओर देखते रहने से मैं इस निर्जनता में अपनी स्थिति का ठीक-ठीक पता लगा सकता हूँ।

उनके कोण का पता लगाना विभिन्न कारणों से नितान्त आवश्यक था। ये समस्त कारण एक-दूसरे से सम्बन्धित थे और अस्तित्व-रक्षा के एक ही तत्त्व की ओर इंगित कर रहे थे।

सलीवन का विश्वास था कि उन्हें पानी पर नहीं उतरना पड़ेगा और उसकी तर्क-पद्धति इस तथ्य पर आधारित थी कि तीन अच्छे इंजिनों द्वारा उड़ान को जारी रखना अभी तक सम्भव था, यद्यपि उनकी प्रगति मन्द हो जायगी। कैलिफोर्निया-तट तक पहुँचने के लिए पर्याप्त गैस सुरक्षित थी और यदि इसमें तनिक भी सन्देह प्रतीत हुआ, तो विमान के बोझ को हल्का करने और शक्ति को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक हटायी जा सकने वाली सामग्री को फेंक दिया जायगा। तब तक तट पहुँचना एक निश्चित बात हो जायगी, किन्तु इस बात की सम्भावना सदा बनी हुई थी कि सलीवन ने लड़खड़ाते हुए नम्बर एक इंजिन के प्रभाव के सम्बन्ध में कम अनुमान लगाया था अथवा स्वयं हवाओं मे परिवर्त्तन हो जायगा अथवा एक और इंजिन काम करना बन्द कर देगा। तब उन्हें 'क्रिस्टोबल ट्रेडर' का अथवा तटरक्षक पोत 'ग्रेशेम' का, जो पहले ही उनसे बहुत पीछे छूट गया था, पता लगाना होगा। इन दोनों जहाजों में से किसी भी जहाज की दिशा मे सही मार्ग ग्रहण करने के लिए पानी पर उतरने का निर्णय किये जाने के समय उन्हें इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि जहाज कहाँ हैं। इतना ही महत्वपूर्ण वह जहाज था, जो मध्य मार्ग में मिलने के लिए पहले ही प्रस्थान कर चुका था। उससे सफलतापूर्वक मिलने का कार्य एक ऐसा कार्य था, जिसके लिए अत्यन्त उच्च कोटि के विमान-मार्ग सम्बन्धी ज्ञान की आवश्यकता थी। सैद्धान्तिक दृष्टि से यह एक सरल, केवल सावधानीपूर्वक गणना करने का कार्य था। वास्तविक दृष्टि से यह एक बहुत ही कठिन कार्य था और इसीलिए जब लियोनार्ड पुनः एक बार अपनी तिपाई पर घूमा और 'जूपिटर' नामक ग्रह की खोज करने लगा, तब उसके मस्तिष्क में ये सारी बातें भरी हुई थी।

अन्ततोगत्वा, जब अन्तिम दो मिनट समाप्त हो गये और उसने 'जूपिटर' के निरीक्षण का काम समाप्त कर लिया, तब लियोनार्ड अपनी तिपाई से नीचे उतर आया। उसने अपनी मेज पर की बत्ती को जला दिया और उत्सुकतापूर्वक झुककर अपनी पुस्तको को देखने लगा। सामान्य स्थिति में वह दस मिनट मे ही तीन तारों का अध्ययन कर सकता था, किन्तु अब चूकि उसे अपने मस्तिष्क की अस्तव्यस्तता का ज्ञान हो गया था, इसलिए वह अधिक धीरे-धीरे सोच रहा था और अपने आंकड़ों की बार-बार जॉच कर रहा था, जिससे किसी प्रकार की गलती की कोई आशंका न रह जाय। और धीरे-धीरे वह अपने कार्य की सुपरिचितता में तल्लीन हो गया। जब उसने चार्ट पर एक छोटा-सा त्रिकोण बनाया, तब उसके शरीर का कम्पन शांत हो गया। उसे अपने दृश्यों के सम्बन्ध मे विश्वास हो गया, क्योंकि वे उसंकी गणनाओं से पूर्णरूप से मिल रहे थे। ज्यों ही त्रिभुज पूरा हो जायगा, वह उसे 'राडर'-यंत्र द्वारा सिद्ध करेगा और निश्चित रूप से जान जायगा कि यदि हवाओं में कोई अविश्वसनीय और अप्रत्याशित परिवर्त्तन नही हुआ, तो चिन्ता करने के लिए और कोई बात न ही रह जायगी। सूसी, मुझे देर होगी, . . . किन्तु मै वहॉ अवश्य पहुँचूंगा। मै सूर्योदय के थोड़े समय बाद आऊँगा और तुम्हें हार्डवुड की तश्तरी दूगा।

"कप्तान! मेरे पास स्थिति का एक विवरण तैयार है!"

"बताओ!"– सलीवन ने विमान की गति बताने वाले यंत्र से अपनी आँखें हटाते हुए घूम कर कहा।

"यदि आप विमान की इसी गति को बनाये रख सके, तो. . . तट तक पहुँचने में पाँच घण्टे सैतालीस मिनट लगेंगे। हवा उत्तर में चालीस मील की गति से बहती हुई प्रतीत हो रही है और हमें दायीं ओर बारह अंश का प्रवाह प्रदान कर रही है—"

"मुक्ति का मधुर देश!"– हाबी ने कहा।

"ईंधन की क्या स्थिति है?"

लियोनार्ड ने अपने 'ग्राफ' पर नजर दौड़ायी।

"अभी पर्याप्त है। हमें केवल लगभग एक हजार गैलन की आवश्यकता है और मेरे ग्राफ के अनुसार हमारे पास साढ़े ग्यारह सौ गैलन ईंधन है।"

"तुम अपने ग्राफ को फेंक सकते हो, लियोनार्ड. . . ."– डैन ने अत्यन्त विनम्रतापूर्वक कहा।

"क्या ?"

"मैंने कहा कि तुम अपने ग्राफ को फेंक सकते हो, दोस्त । हमारे पास ग्यारह सौ गैलन ईंधन नही है।"

"तुम यह बात कैसे कह सकते हो?"– लियोनार्ड ने चुनौती के स्वर में कहा और उसकी चुनौती मे संघर्ष का आभास था।

किन्तु डैन का चेहरा निश्चल बना रहा। ऐसा प्रतीत होता था कि उसके वक्तव्य का जो विमूढ़कारी प्रभाव पड़ा था अथवा दूसरों ने उसको किस रूप मे ग्रहण किया था, इसकी उसे तनिक भी परवाह नहीं थी। वह बहुत देर बाद थोड़ा-सा सीधा हुआ और यंत्र-पटल के निचले भाग की ओर अपनी उगली से इशारा किया।

उसने एक ऐसे स्वर में, जो अभी तक असाधारण रूप से कोमल था, कहा– "नम्बर एक मुख्य टंकी के मापक-यंत्र को देखो। उसको देखते रहो.... क्योंकि मै बहुत देर से उसे देखता आ रहा हूँ। जब हमारा प्रापेलर नष्ट हुआ था, तब ईंधन-मापक-यंत्र दो सौ गैलन ईंधन बता रहा था। अब वह.....एक सौ गैलन बता रहा है.....और हम उसका अधिकाश भाग खो सकते हैं–"

वे मौन हो कर ईंधन मापक-यंत्र की ओर घूर-घूर कर देखने लगे। अन्त में हाबी ने अविश्वासपूर्वक कहा–"यह किस प्रकार हो सकता है?"

"मैं निश्चित रूप से नहीं जानता.....मुझे पीछे जाकर पता लगाने में भय लगता है। मेरा अनुमान है कि नम्बर एक प्रापेलर जब खराब हुआ, तब पख में कुछ छेद हो गये। टंकी फूट गयी है......अतः यदि किसी प्रकार का चमत्कार नहीं हुआ तो....ऐसा प्रतीत होता है कि हमारा अन्त आ गया है।"

एक क्षण तक वे मौन हो कर उस अपराधी ईंधन-मापक-यत्र की ओर घूर-घूर कर देखते रहे। हाबी ने इस आशा के साथ सुई को अपने पाँव से हल्का-सा धक्का दिया कि वह अटक गयी है। तत्पश्चात् उन्होंने प्रायः अभियोगभरी दृष्टि से एक-दूसरे की ओर देखा, मानो ईंधन की कमी के लिए मानवीय त्रुटि को दोषी ठहराया जा सकता है और इस कारण जो दण्ड मिलने वाला था उसे किसी प्रकार अपेक्षाकृत कम कठोर बनाया जा सकता है। लियोनार्ड ने अपना सिर हिलाया और अपने शरीर के कम्पन को, जो पुनः प्रारम्भ हो गया था, छिपाने के लिए वह अपने दोनों हाथों से धीरे-धीरे अपने सफेद बालों को सहलाने लगा।

"हम इस प्रकार इसका पता नहीं लगा सकते. . . . . मैं पुनः हिसाब करके पता लगाऊँगा, किन्तु हवा–" इतना कह कर वह रुक गया—उड्डयन-कक्ष के बाहर रात्रिकालीन वायु की अदृश्य शक्ति ने एक अनुभवगम्य शत्रु का रूप धारण कर लिया था और उसके मस्तिष्क से आंकड़े निराशाजनक रूप से अस्त-व्यस्त होकर बाहर निकलने लगे थे। "हवाएँ. . . . हो सकता है. . . हो सकता है कि उनमें से कुछ में परिवर्त्तन हो जाय।"

हाबी ने आशापूर्ण स्वर में कहा. . . . "ईंधन-मापक-यंत्र गलत हो सकता है।"

किसी ने भी उसकी बात का उत्तर नहीं दिया। यद्यपि यह एक विरोधाभास था कि समस्त यंत्रों में ईंधन-मापक यंत्र सबसे अधिक अविश्वसनीय होते थे, तथापि उनकी त्रुटियाँ इतनी बड़ी कभी नहीं होती थी और न वे इतनी तेजी के साथ ईंधन की कमी ही बताते थे। हाबी उस सुविधाजनक विचार-धारा का शिकार हो रहा था, जिसके कारण अनेक वैमानिको की मृत्यु हो चुकी थी। वह अपने-आप को यह समझाने का प्रयत्न कर रहा था कि यंत्र गलत हैं, सत्य नहीं– क्योकि उनके गलत होने का विश्वास करना अधिक सुखदायक था। सलीवन और डैन रोमन सभी बातों को अधिक अच्छी तरह से जानते थे।

"हम पानी पर उतरने जा रहे हैं।"–सलीवन ने इस प्रकार कहा, मानो वह उनके समस्त विचारों को शब्दों में व्यक्त करने के लिए बाध्य हो गया हो। उसने अपने मजबूत हाथों को नियंत्रण-पहिये के चारों ओर घुमाया–उसे अकस्मात् इस बात का ज्ञान हो गया था कि यह मशीन, जो पहले उसकी अधीनता में एक साधारण मशीन मात्र थी, अब एक मूल्यवान वस्तु बन गयी थी, जिसे क्षति पहुँचाने से वह घृणा करता था ! काश, वह केवल अपने को नियंत्रण के अन्तर्गत रख सकता ! स्वयं उसकी रक्षा का प्रश्न पहले से ही गौण बन गया था और ऐसा होना भी चाहिए था, किन्तु अब उन समस्त सन्देहों और भ्रान्तियों का, जो महीनों से उसके साहस को खाये जा रहे थे, जब विफलता नहीं होनी चाहिए अथवा गलतियाँ नही की जानी चाहिए, तब विफल हो जाने अथवा गलतियाँ करने का भय तथा जिन विचारों और भावनाओं को उसने अपनी पत्नी, अपने मुख्य विमान-चालक और स्वयं अपने तक से सावधानीपूर्वक छिपा रखा था– उन विचारों और भावनाओं का निराकरण हो गया था। वह भयभीत हो गया था, किन्तु अब उसमें कायरता नहीं रह गयी

थी। वह अपनी कुर्सी पर तन कर बैठ गया। वह उड्डयन की कला में प्रौढ़ता प्राप्त करने के बाद से ही इस समय की प्रतीक्षा कर रहा था और वह जानता था कि उसे अपने को इसके लिए किसी न किसी प्रकार अवश्य अनुशासित और तैयार करना चाहिए।

यांत्रिक दृष्टि से समस्याएँ प्रायः अत्यन्त जटिल थी, उनसे पार नहीं पाया जा सकता था। उनके पास तट तक पहुँचने के लिए ईंधन नहीं था। ईंधन के बावजूद नम्बर एक इंजिन का भार ही विमान की उड़ान को दयनीय बना देता। रेडियो-संचार की व्यवस्था बहुत गड़बड़ थी। रात्रिकालीन आकाश में हवा हाहाकार कर रही थी और नीचे सागर, जिसके सम्बन्ध मे वह अंतिम क्षण तक जानकारी नहीं प्राप्त कर सकेगा, पत्थर की दीवारों की भाँति था और अशान्त था, क्योंकि जब पानी की टक्कर उतरते हुए विमान की गति से होती है, तब वह कंकरीट की भाँति कठोर हो जाता है। यदि सलीवन अपने बड़े विमान को अन्त में शीघ्रता-पूर्वक हवा के निम्न दबाव वाले क्षेत्र में उतार सका, तो वह निश्चय ही सौभाग्यशाली होगा। ऐसी स्थिति में भी, विमान के अन्तिम रूप से रुकने से पूर्व, उसे जो क्षति पहुँचेगी, वह बहुत ही भयंकर होगी। जो व्यक्ति जीवित बच रहेंगे, उन्हें पटरों से चिपके रह कर तब तक सागर के ठण्डे जल में इधर-उधर तैरते रहना होगा, जब तक उनके पास किसी प्रकार की सहायता न पहुँच जाय। विमान के अग्रभाग में इतनी दूर बैठा हुआ सलीवन जानता था कि स्वयं उसके जीवित बच रहने की सम्भावनाएँ इतनी कम थीं कि उन पर विचार करने की कोई आवश्यकता ही नही थी। ये सभी बातें उसके मस्तिष्क में अत्यन्त आकस्मिक रूप से और बिना किसी जटिलता के आ गयीं, क्योंकि वह इनके विषय में बहुत लम्बे समय से सोचता आ रहा था। फिर भी, अब जबकि समय आ गया था और उसके उत्तरदायित्व की चरम सीमा पहुँच गयी थी, वह जानता था कि उसके भीतर किसी वस्तु का पुनः जन्म हो गया है। जब तक डैन रोमन उसकी बगल में था, तब तक वह अकेले नहीं था। उसे याद आया कि उसने होनोलुलू में प्रस्थान के समय इस आशय के कागज पर हस्ताक्षर किये थे कि विमान पर इक्कीस व्यक्ति हैं। अब ये सभी व्यक्ति उसके थे; वर्षों के जिस प्रशिक्षण के कारण उसकी गणना प्रथम श्रेणी के वैमानिकों में होती थी, उस प्रशिक्षण की अब परीक्षा होगी। डैन की ओर देखते हुए उसने जोर से सांस ली। अब तक उसने अपने-आप को पूर्ण नियंत्रण के अन्तर्गत कर लिया था।

"हाँ. . . . शीघ्र ही अथवा कुछ समय बाद. . .प्रश्न केवल इतना है कि हम पानी पर उतरने का निर्णय कब करते है। मै सोच रहा हूँ कि अब घूम कर 'अंकिल' नामक पोत के पास उतरना अधिक अच्छा रहेगा अथवा उस 'क्रिस्टोबल ट्रेडर' नामक जहाज के पास। हम उनकी बगल में पानी पर उतर सकते हैं।"

डैन ने विचारमग्न होकर अपने सिर को एक ओर घुमाया और अपने पैर को मलने लगा। "हमारे पास काफी समय है। हमें उत्तेजना में ऐसा कार्य नही करना चाहिए। तट तक सारा समुद्र अशान्त है और पीछे वहाँ भी समुद्र अशान्त है। हो सकता है कि हमें उन दोनों जहाजों मे से एक भी न मिले और तब हम कहाँ होंगे ?"

हाबी ने कहा—"सूखी भूमि से एक हजार मील दूर होने की अपेक्षा अधिक अच्छा है।"

डैन ने शांत स्वर में कहा—"मै कुछ समय तक रुके रहने और यह देखने के पक्ष में हूँ कि हवा क्या करती है। मध्य मार्ग में मिलने वाला विमान रवाना हो चुका है। वह हमारे पीछे-पीछे आ सकता है और यदि आस-पास कोई जहाज हो, तो उसे हमारी दिशा में बढ़ने का निर्देश दे सकता है। उस समय हमारे चारों ओर अनेक जहाज होने चाहिए, क्योंकि हम तट से बहुत दूर नहीं होंगे. . . हो सकता है कि हम तट से लगभग एक सौ मील की ही दूरी पर हों।"

सलीवन ने कहा—"किन्तु तट के निकट पानी अधिक ठण्डा होगा।"

"हाँ, वह अधिक ठण्डा होगा और हो सकता है कि समुद्र अधिक अशान्त भी हो। फिर भी. . . . मैं सोचता हूँ कि हम जितनी दूर तक जा सकें, हमें उतनी दूर जाना चाहिए।"

"बहुत अच्छा। मैं तुम्हारे कहने के अनुसार ही काम करूँगा। इससे हमें अपनी स्थिति को ठीक करने का समय मिल जायगा। अब मैं चाहता हूँ कि जब हम वास्तव मे नीचे जाना प्रारम्भ करें, तब तुम यहाँ मेरे पास रहो, किन्तु इस बीच केबिन मे सब चीजें ठीक-ठाक करवा लो। जब तक तुम्हारी सहायता करने के लिए कोई यात्री नहीं मिल जाता, तब तक तुम्हें अकेले ही काम करना होगा, क्योंकि मुझे यहाँ रेडियो पर हाबी की आवश्यकता होगी और, परमात्मा जानता है, लियोनार्ड को तनिक भी फुर्सत नहीं है। जिस चीज को भी तुम हटा सकते हो, उस प्रत्येक चीज को विमान से बाहर फेंक दो। एक हजार पौण्ड अथवा उसके लगभग वजन को फेंक देने से हमारे विमान की गति में बहुत

अधिक अन्तर आ जायगा। इस बात की पक्की व्यवस्था कर दो कि स्पालिंडग प्रत्येक यात्री को एक जीवन-रक्षक पेटी (Mae West) दे दे और उन्हें उसका उपयोग करने का तरीका बता दे..... और यह भी बता दे कि हमारे पानी पर उतरने के बाद क्या किया जाना चाहिए।"

"मैं सोच रहा हूँ कि क्या सामान को विमान से बाहर फेंक देने से कोई लाभ होगा। इससे यात्री भयंकर रूप से भयभीत हो जायेंगे और उन्हें बहुत देर तक प्रतीक्षा करनी है।"

"उन्हें इतना तो सहन करना ही होगा।"

"क्या आप चाहते हैं कि मैं उन्हें बता दूँ कि हम पानी पर उतरने जा रहे हैं ?"

"नहीं.... एक मिनट तक रुको। हो सकता है कि तुम्हें बता देना चाहिए। मैं नहीं जानता, डैन। वहाँ की स्थिति को देख कर तुम स्वयं अपने विवेक से काम लो।"

डैन सीधा खड़ा हो गया और उसने अपने चश्मे को उतार दिया। उसने उसे एक खोखे मे रखा और फिर अपनी कमीज की जेब मे रख कर सावधानी-पूर्वक बटन बन्द कर दिया। वह स्वत: सीटी बजाने लगा और तब कुछ देर बाद रुक गया।

"मैं थोड़ी देर के लिए जा रहा हूँ। जितनी जल्दी हो सकेगा, मै वापस आ जाऊँगा।"

१२

आग लगने के बाद जो गड़बड़ी पैदा हो गयी थी, उसमें स्पालिंडग की वर्दी की छोटी टोपी, जो उसके सिर के ठीक पिछले भाग पर अटकी हुई थी, कही गुम हो गयी। उसके बाल अस्त-व्यस्त हो गये थे और उसके आइसक्रीम जैसे रंग में एक नयी लाली आ गयी थी। उसके पैर में, जिस स्थान पर कुर्सी का धक्का लगा था, खरोंच लग गयी थी। जब वह झगड़े के समय एगन्यू और

केन चाइल्ड्स के बीच जाकर खड़ी हुई थी, उसके सफेद ब्लाऊज का एक बटन टूट गया था।

अब, जब कि स्थिति में कुछ सुधार हो गया था, उसने महसूस किया कि भय के लिए समय ही नही रह गया था। सैली मैकी की चीख के कारण सर्वत्र काम ही काम हो गया था। वहाँ कोई भय अथवा उत्तेजना नहीं थी– केवल श्रीमती जोसेफ की चीख की एक प्रतिध्वनि रह गयी थी ; तत्पश्चात् वे सभी शीघ्रतापूर्वक खिड़कियों के पास पहुँच कर प्रज्ज्वलित इंजिन को देखने लगे, मानो उनसे उसका कोई सम्बन्ध न हो। यद्यपि वह जलता हुआ इंजिन उनसे मुश्किल से बीस फुट दूर था, फिर भी वह दूर प्रतीत होता था। वह प्रायः उनका मनोरंजन करने वाला एक निर्दोष दृश्य प्रतीत हो रहा था और जब तक आग बुझ नहीं गयी और रात्रि पुनः अन्धकारमय नही हो गयी, तब तक उन्होंने एक दूसरे से कुछ भी नही कहा। उस समय भी उनके मध्य केवल मौन ही बना हुआ था। वे एक गुट बना कर सैली मैकी की कुर्सी के चारों ओर एकत्र हो गये और गलियारे मे फैल कर यथासम्भव अधिक से अधिक एक दूसरे के निकट पहुँचने के लिए धक्का देने लगे। वे एक दूसरे को और तत्पश्चात् स्पाल्डिंग की ओर देखने लगे। उनके तने हुए चेहरे किसी स्पष्टीकरण की माँग कर रहे थे।

गुस्ताव पार्डी उस गुट के ध्यान का केन्द्र बन गया। इसका आंशिक कारण उसका आकार था, किन्तु इससे भी अधिक इसका कारण यह था कि उन्होंने जो कुछ देखा था, उससे वह तनिक भी व्यग्र नहीं दिखायी देता था। उसके विशाल, मांसल, रहस्यमय चेहरे में नये जीवन का संचार हो गया था। उसकी ऊबी हुई आँखें, जिन्हें स्पाल्डिंग ने शिकारी कुत्ते की आँखों के समान सोचा था, उत्फुल्लता से चमक रही थीं। उसकी पत्नी का चेहरा पूर्णतया बेरंग था, जिससे वह और अधिक सुन्दर दिखायी दे रही थी; वह उसे अपने पास सटा कर उसे सान्त्वना दे रहा था। उसका कण्ठ सब से पहले फूटा और जब वह बोला तब कलाकार के गुण का पूर्णतया लोप हो चुका था।

उसने सरल भाव से कहा–"मैं विमानों के सम्बन्ध में कुछ भी नहीं जानता, ... किन्तु यह विमान बहुत खतरनाक मालूम होता है। मैंने श्रीमती पार्डी से कहा था कि हमें पानी के जहाज से यात्रा करनी चाहिए।" फिर वह भयग्रस्त चेहरों को देख कर मुस्करा पड़ा और बोला–"आमीन।"

उसके शब्दों का प्रभाव जादू के समान पड़ा। प्रत्येक व्यक्ति ने तुरन्त बात

करना प्रारम्भ कर दिया।

"मुझे चिल्लाना नहीं चाहिए था..... किन्तु मैं इतना अधिक डर गयी थी कि ...."

"परिस्थिति अब ठीक मालूम हो रही है–"

"जरा सोचिये तो सही कि हमे पुनः होनोलुलू वापस जाना पड़ेगा!"

"मुझे तनिक भी परवाह नहीं है।"– फ्लैहार्टी ने मोटी आवाज में कहा।

"ओह, मेरे हृदय!"– डोरोथी चेन ने मुस्कराने का प्रयत्न करते हुए साँस ली–"इतने उत्तेजित मत रहो।"

"कठिनाइयाँ? जब तक मैं इस सम्बन्ध में 'अच्छे पड़ोसी क्लब' को न बता दूँ, तब तक प्रतीक्षा कीजिये।"

"तुम्हें कुछ मालूम भी है? तुम चाहे जितनी भी चोट करो, लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि उस समय तुम कितने सक्रिय हो सकते हो, जब–"

"हमें देर हो जायगी। अब हमें दूसरा विमान नही मिलेगा –"

"प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि प्रार्थना करे –"

"किन्तु तुम्हें हुआ क्या, मिलो?"

"इसे लीडिया के ऊपर छोड़ दो। जिस समय कोई व्यक्ति शैम्पेन की बोतल का काग खोलेगा, उस समय मैं गहरी नीद में होऊँगा। यह बहुत रोचक बात हो सकती है।"

मे होल्स्ट ने कहा–"प्यारे, यह घटना होने से पहले घटनाएँ बहुत ही रोचक रूप धारण कर रही थीं। ये दोनों बन्दर एक-दूसरे की हत्या करने की कोशिश कर रहे थे।" उसने अपनी उंगली एगन्यू की छाती में धँसा कर कहा–"अब तुम जाओ और एक अच्छे लड़के की तरह बैठ जाओ। आओ, केन। किसी मजेदार बात को बिगाड़ने में कोई बुद्धिमत्ता नहीं है.... ओह! मै क्या कह रही हूँ!"

स्पाल्डिग ने कहा–"कृपा कर के प्रत्येक व्यक्ति बैठ जाय। मुझे विश्वास है कि चिन्ता करने की कोई बात नहीं है। कुछ ही मिनटों मे वे लोग उड्डयन-कक्ष से यहाँ आयेंगे और प्रत्येक बात का स्पष्टीकरण करेंगे। मैं अभी थोड़ी देर तक भोजन को रोक रखूँगी, किन्तु यदि कोई व्यक्ति काफी चाहता है, तो मैं प्रसन्नतापूर्वक ला दूँगी।"

स्पाल्डिग डैन अथवा हाबी व्हीलर की प्रतीक्षा कर रही थी। उन्हें वापस आना चाहिए। यात्रियों को कुछ न कुछ बताया ही जाना चाहिए, किन्तु इस

समय वह उनको छोड़ कर जाने में हिचकिचा रही थी। अपने संकटकालीन कर्त्तव्यों पर विचार करते हुए वह सोचने लगी कि काश उसने स्टीवार्डेस-स्कूल में इन कर्त्तव्यों पर गम्भीरतापूर्वक ध्यान दिया होता। क्या उसे उनको अभी जीवन-रक्षक पेटियाँ दे देनी चाहिए, अथवा प्रतीक्षा करनी चाहिए? द्वार पर रखे हुए जीवन-रक्षक पटरे और पानी मे उतरने की रस्सी के सम्बन्ध में क्या किया जाना चाहिए? वह अपने भोजन-कक्ष से उड्डयन-कक्ष में उनके पास टेलिफोन कर सकती है, किन्तु क्या उन्हें परेशान करने का उपयुक्त समय है? वे नीचे उतर रहे थे– वह अपने कानों में इसका अनुभव कर सकती थी। ओह, कोई आया क्यों नहीं?

धीरे-धीरे एक-दूसरे से सट कर बैठे हुए यात्रियों का गुट बिखर गया, किन्तु वे अपने-अपने मूल स्थानों पर नहीं लौटे। इसके बजाय वे यथासम्भव सैली मैकी के, जिसने सबसे पहले आग को देखा था, अधिक निकट बैठ गये। उसके पास की प्रत्येक कुर्सी पर कोई न कोई यात्री अधिकार जमा बैठा, यद्यपि वास्तव मे कोई भी यात्री स्थिर नहीं था। वे कुर्सियों की बाँहों पर बैठे थे अथवा गलियारे मे खड़े थे अथवा अपने आगे की कुर्सी पर झुके हुए थे और उन्हें अपनी बातचीत मे आराम मिल रहा था। वे एक-दूसरे को सिगरेट देते थे और डोनाल्ड फ्लैहार्टी ने स्पाल्डिग को उन्हें कागज के प्याले देने के लिए राजी कर लिया, जिससे वह सभी को अपनी बोतल में से शराब दे सके। और आधे प्यालों के भरे जा सकने से पहले ही जब उसकी बोतल खाली हो गयी, तब जिनके पास व्हिस्की थी, उन्होंने उसे दूसरों को बाँट दिया।

केवल केन चाइल्ड्स और हम्फ्री एगन्यू एक दूसरे की अवहेलना कर रहे थे और जब-जब उनकी आँखें मिलती थीं, तब-तब वे दूर देखने लगते थे, तथा जब वे सोचते थे कि कोई देख नहीं रहा है तब अपनी टाई और कालर को सीधा कर लेते थे। एगन्यू जोस लोकोटा, जिसने उसकी पिस्तौल ले ली थी, की बगल में अन्तिम कुर्सियों में से एक कुर्सी पर बैठा हुआ था। "जब तक हम सान फ्रांसिस्को नही पहुँच जाते. . . . तब तक मैं इसे तुम्हारे लिए रखूँगा, मित्र। मै नहीं जानता कि तुम्हारा व्यवसाय क्या है और मैं जानना भी नहीं चाहता, किन्तु इन चीजों के कारण तुम बहुत अधिक संकट में पड़ सकते हो।"

स्पाल्डिग के यात्रियों मे, कम से कम ऊपरी तौर पर, एक हार्दिक, प्राय: एक पार्टी का-सा वातावरण था और इसके लिए वह गुस्ताव पार्डी के प्रति हृदय से कृतज्ञ थी, क्योंकि उसने एक ऐसे क्षण में, जो उन्हें पागल एवं उन्मत्त

बना सकता था, समस्त यात्रियों का सही मार्ग-दर्शन किया था। उसने उस विशालकाय, ढीले-पोले दिखायी देने वाले व्यक्ति के सम्बन्ध में कितना गलत अनुमान लगाया था ! जो व्यक्ति इतना अधिक भयभीत था, केवल उड़ान के प्रारम्भ में इतना संत्रस्त हो गया था कि अपनी कुर्सी पर मुश्किल से बैठ सकता था, वही अब शक्ति का केन्द्र बन गया था। वह उस मूर्ख श्री जोसेफ के साथ बातचीत करते समय वास्तव में हँस रहा था। यह एक ऐसी जोड़ी थी, जिसे मिलाने का प्रयत्न स्पाल्डिग ने कभी नहीं किया होता, भले ही वे विमान मे यात्रा करने वाले दो ही यात्री होते।

श्री फ्लैहार्टी नशे मे बुत थे—इतने प्रतिष्ठित दिखायी देने वाले व्यक्ति के लिए यह कितनी लज्जाजनक बात थी, और उन्हें वह बोतल कहाँ से मिल गयी ? वे कोई उत्पात नहीं कर रहे थे, किन्तु उन पर नजर रखना आवश्यक था। कुमारी चेन बिल्कुल ठीक थीं। वे फ्रैंक ब्रिस्को के, भगवान उसका भला करे, बगल में बैठी हुई थी और उसको बात करते हुए सुन रही थीं। उसकी बात दोनों के लिए एक अच्छी चीज थी। वह एगन्यू नामक व्यक्ति—उफ—वह कैसा व्यक्ति था ! बाहर से देखने पर वह शात दिखायी दे रहा था। श्री लोकोटा को उससे निपटने मे कोई परेशानी नहीं हो रही थी। एक छोटा शांत व्यक्ति भी कितना सुदृढ़ हो सकता है ? जब यात्री दरवाजे से गुजर कर आते हैं, तब आप उनके सम्बन्ध में कभी जानकारी नही हासिल कर सकते। बक-दम्पति लगभग बिल्कुल ठीक थे। उनके सिर एक दूसरे से सटे हुए थे तथा अधिक उम्र वाले यात्रियों को देखकर वे एक-दूसरे का हाथ दबा देते थे। वह होल्स्ट नामक महिला केन चाइल्ड्स से सट कर बैठी हुई थी। राइस-दम्पति ने बहुत पहले झगडना बन्द कर दिया था और अब वे अपनी कुर्सियों की पीठ की ओर मुँह कर के सैली मैकी से बात कर रहे थे—यह एक दूसरा असम्भव संयोग था। यदि उनके अन्दर यही भावना बनी रही और उनके संकट की अनुभूति उन्हें धीरे-धीरे हुई, तो सभी बाते ठीक ही रहेंगी।

वह सोच रही थी कि नियम-पुस्तक मे संकट-काल के लिए लिखे गये आदेशों के अनुसार उसे बत्तियों को पूरी तरह जला देना चाहिए अथवा जैसी थीं, वैसी ही रहने देना चाहिए। इसी समय उसने डैन को द्वार-मार्ग में खड़ा देखा। उसने उसकी आँखों की ओर जल्दी से, प्रश्न करने का प्रयत्न करते हुए देखा, यद्यपि वह उससे बहुत दूर, प्रायः केबिन के दूसरे सिरे पर, खड़ा था। उसकी क्लान्त मुस्कान के पीछे जो अभिव्यक्ति छिपी हुई थी, उसे

करे, किन्तु मुझे आशा है कि यह व्यक्तिगत चर्चा आपको पुनः अपना विश्वास प्रप्त करने में तथा मुझे आप लोगों से जो कुछ कहना है, उसमें पूर्ण विश्वास उत्पन्न करने मे सहायता प्रदान करेगी।

"अब. . . . ."

उसने रुक कर अपने गाल की रेखा पर पुनः अंगुली फिरायी। फिर उसने कहना प्रारम्भ किया—"हमारा नम्बर एक प्रापेलर खराब हो गया है। हममे से कोई भी इसका कारण आपकी अपेक्षा अधिक अच्छी तरह से नहीं जानता। यह उन बातों मे से एक है, जो कभी नही होती . . . . किन्तु . . . .एक अरब मील की उड़ान में कभी एक बार ही होती है। सौभाग्यवश यह घटना केबिन में नहीं घटित हुई। सम्भवतः कोई 'मास्टर छड़' टूट गया. . . . . खैर, चाहे जैसे भी हुआ हो, इंजिन अवश्य ही बेकाम हो गया होगा और आग लग गयी। आपने निस्सन्देह उस आग को देखा। हमने कार्बन डाईआक्साइड से आग को बुझा दिया और अब उससे और कोई खतरा नहीं रह गया है। हमारी रफ्तार में बहुत अधिक कमी हो गयी है, क्योंकि किसी प्रापेलर-ब्लेड पर पड़ने वाला बाहरी खिचाव लगभग तीस टन का होता है और जब यह खिचाव समाप्त हो गया, तब उसके परिणामस्वरूप शक्ति में जो शीघ्र परिवर्त्तन हुआ, उससे इंजिन मुड़कर अपने ढाँचो से आशिक रूप से अलग हो गया। अब वह लगभग दस अंश नीचे लटक रहा है और इसके कारण शेष इंजिनों पर भारी बोझ पड़ रहा है—यह कुछ-कुछ उसी प्रकार है, जिस प्रकार आप किसी नाव में अपने पाँव को घसीट रहे हों।"

वह पुनः रुक गया और नकाबों की तरह चेहरों को देखने लगा। अब उनमें और अधिक गम्भीरता आ गयी थी। गुस्ताव पार्डी ने अपनी पत्नी को और अधिक निकट कर लिया था और क्लारा जोसेफ ने एक सिसकी को दबा दिया था, किन्तु अन्यथा वे पूर्णतया शांत थे।

"अब कटुतर बात कहने की बारी है।"—डन ने अनिश्चिततापूर्वक कहा—"क्या आप लोग उसे सह सकेंगे ?"

एक क्षण तक मौन बना रहा। उसके बाद लिडिया ने अपना हाथ डैन के कन्धे पर रख दिया।

"कृपया हमें प्रत्येक बात बताइये। मैं सोचती हूँ कि हम सभी जानना चाहते हैं।"

"क्या विमान गिरने जा रहा है ?"—मिलो बक ने पूछा।

"बताओ, डैन। कहते चलो।"—केन चाइल्ड्स ने जिद के साथ कहा।

"बहुत अच्छा, किन्तु एक मिनट तक रुकिये। मैं सबसे पहले किसी चीज़ की जाँच कर लेना चाहता हूँ। मुझे जब तक कम से कम इस बात का कुछ ज्ञान न हो जाय कि यह सब किस कारण से हुआ है, तब तक मै यह नहीं चाहता कि आप लोग मुझे इधर से उधर भटकते हुए देखें।"

उसने अपनी जाकेट की जेब से एक फ्लैशलाइट निकाली और खड़ा हो गया। फिर उसने गलियारे को पार किया और फ्रैंक बिस्को तथा सैली मैकी के ऊपर झुक कर अपनी फ्लैशलाइट को खिड़की से बाहर पंख के सिरे की दिशा में कर दिया। बाहरी पैनेल में चार तथा मध्य विभाग में दो छोटे-छोटे छेद थे। तीन छेदो में से गैसोलीन की बारीक धाराएँ अभी तक निकल रही थीं। ईंधन-मापक यंत्र सच्ची बात ही बता रहा था। डैन ने अपने दाँत भीच लिये और फ्लैशलाइट को बुझा दिया। वह गलियारे में लौट आया। उसने यात्रियों के चेहरों का पुनः अध्ययन किया और अन्त में एक निर्णय पर पहुँच गया।

उसने अपने आसपास के चेहरों की ओर देखने की अपेक्षा अपने हाथ की फ्लैशलाइट की ओर देखते हुए कहना प्रारम्भ किया, क्योंकि ऐसा करना अपेक्षाकृत बहुत मरल कार्य था—"तो...... यह.... बात है। हम वास्तव मे बड़े ही सौभाग्यशाली है..... क्योंकि उस प्रापेलर ने जितना नुकसान पहुँचाया है, उससे बहुत अधिक नुकसान वह पहुँचा सकता था। अस्तु—" सेकण्डों तक हिचकिचाने के बाद उसने फ्लैशलाइट को फिर अपनी जेब में रख दिया तथा अधिक धीरे-धीरे बोलने लगा—

"अस्तु....हमें कुछ नुकसान अवश्य पहुँचा है। हम इस सम्बन्ध मे कुछ भी नहीं कर सकते। 'प्रोपेलर' जब खराब हुआ, तब उसने 'विंग' में कई छेद कर दिये और ईंधन वहीं संग्रहीत है। उस समय हम उस विन्दु को पार कर चुके थे, जहाँ से हम हवाई को वापस लौट सकते थे। अब....हमारे ईंधन में कमी तथा इंजिन के भार के कारण..... कैलिफोर्निया-तट तक पहुँचने के लिए हमारे पास पर्याप्त ईंधन नही रह गया है। जिसका अर्थ यह है कि..." वह बडे परिश्रम से शब्द को बोलने से रुक गया और किसी सहानुभूतिपूर्ण आँखों को ढूँढने का प्रयत्न करने लगा—"जिसका अर्थ यह है कि हमे सम्भवतः इस विमान को समुद्र में उतारना पड़ेगा।"

क्लारा जोसेफ अपनी सिसकी को और अधिक नहीं रोक सकी। उसके

रूमाल से आने वाली टूटी हुई ध्वनि ने डैन की शांति को भंग कर दिया। वह बार-बार कहने लगी–"हम मर जायेंगे . . . हम सभी मर जायेंगे।"

"यह एक ऐसी सम्भावना है, जिसका हमें सामना करना पड सकता है, किन्तु . . . .यदि आप लोग अभी जितने शांत हैं, उतने ही शात बने रहे, तो सम्भव है कि आप लोगों को केवल कुछ मिनटो तक ही पानी में रहना पड़े।" वह एक ऐसी प्रवंचना प्रारम्भ कर रहा था, जिसका इरादा उसने कभी नहीं किया था, किन्तु क्लारा जोसेफ की सिसकियों ने उसे परेशान कर दिया था। यदि समय रहता, तो एलिस भी इसी प्रकार रोयी होती – अपने लिए नही, बल्कि टोनी के लिए।

"आप को कम से कम चार घण्टों तक, सम्भवतः इससे भी अधिक समय तक प्रतीक्षा करनी पड़ेगी। मैं महसूस करता हूँ कि यह प्रतीक्षा आसान नहीं होगी. . . . . हम में से किसी के लिए भी आसान नहीं होगी, किन्तु यदि आप इस बात के विषय में कम से कम सोचने का प्रयत्न करें, तो वह सहायक सिद्ध हो सकता है। हमसे मार्ग मे ही मिलने के लिए एक रक्षक विमान पहले ही प्रस्थान कर चुका है और यदि आप लगभग दो घण्टे बाद बाहर बायीं ओर देखें, तो वह आपको दिखायी देगा। हमारे वास्तव मे पानी पर उतरने से पहले अन्य अनेक विमान भी पहुँच सकते हैं और उनमें से कुछ ऐसे होंगे, जो समुद्र में उतर सकते है. . . " यह बात भी आशिक रूप से एक प्रवंचना ही थी, क्योंकि समुद्र इतना अधिक अशांत था कि कोई विमान उस पर सफलतापूर्वक नहीं उतर सकता था।

"ये विमान हमारे अत्यधिक निकट उतर कर आप को उठा सकते है। इसके अतिरिक्त पास-पड़ोस का प्रत्येक जलपोत पूरे वेग से हमारी दिशा में बढेगा और चूकि हम कम से कम तट के काफी निकट पहुँच गये होंगे, इसलिए हमारे समीप अनेक जहाजों के होने के आशा की जा सकती है। क्या वह औरत कृपा करके रोना बन्द करेगी !"

"हम पानी पर उतरने के अपने कार्य को एक सम्भाव्य सफलता के रूप में परिणत करने के लिए कतिपय चीजें कर सकते हैं, जिससे जब आप कल किसी समय तट पर पहुँचें, तब आपको अपने मित्रों को टेलिफोन करने के लिए कुछ मसाला मिल जायगा. . . . ." किस समय हम तट पर पहुँचेंगे ? यदि सलीवन लहरों के विरुद्ध विश्व का सबसे अधिक सौभाग्यशाली व्यक्ति न हुआ, तो यह टेलिफोन-वार्ता बहुत, बहुत दूर से –नरक से– करनी पड़ेगी।

"इसके पहले भी वायुयान समुद्र में उतर चुके हैं और थोड़ा-सा भीग जाने के अतिरिक्त किसी को तनिक भी चोट नहीं लगी।" डैन ने हँसने का प्रयत्न किया और जब उसकी मुस्कान के उत्तर मे लिडिया राइस भी मुस्करा पड़ी, तब उसे आश्चर्य हुआ।

"जो लोग हताहत हुए हैं, वे केवल भय के कारण हताहत हुए हैं। आपको जल्दबाजी कभी नहीं करनी चाहिए। कुमारी स्पाल्डिग और तृतीय अधिकारी यहाँ आपके साथ रहेंगे। वे जैसा कहें, ठीक वैसा ही कीजिये और याद रखिये कि उन्हें विमान के पानी पर उतरने के समय के कर्त्तव्यों के सम्बन्ध में पूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।" एक तैरने के तालाब में, हाँ—किन्तु कोई विमान पहले समुद्र में नहीं उतरा था, जिससे उनके होश-हवास गुम हो गये हों। तालाब में चालीस अथवा पचास मील प्रति घण्टे की रफ्तार से हवा नहीं बहती और न तालाब की छोटी-छोटी लहरें ही पाँच हजार मील की शक्ति से उद्वेलित सागर की प्रचंड लहरों के समान थीं, न कोई यात्री ही चीख-चिल्ला रहा था।

"कुमारी स्पाल्डिग, आपको बतायेंगी कि जीवन-रक्षक पेटियों को किस प्रकार बाँधा जाता है और उनको किस प्रकार काम में लाया जाता है। इतनी उत्तम कोटि की जीवन-रक्षक पेटियों का निर्माण इससे पहले कभी नही किया गया था। वहाँ पीछे जो पीले रंग का बड़ा-सा पटरा पड़ा हुआ है, वह एक जीवन-रक्षक पटरा (Life Raft) है, जो हवा से फूल जाता है। यह एक आश्चर्य-जनक यंत्र है और इसमें खाने के लिए गोश्त की बोटियों के अतिरिक्त सब कुछ है। उस पर आप सभी लोग बड़े आराम के साथ सवार हो सकते हैं और हम उड्डयन-कक्ष से एक और ऐसा जीवन-रक्षक पटरा भेज देंगे।" काश, तुम अपने चेहरे से नियंत्रण-यंत्रों और यंत्र-पटल की खतरनाक स्थिति की चिन्ता की बात मिटा सके और यदि इस प्रयत्न में ही तुम्हारा अन्त न हो जाय।

"तृतीय अधिकारी. . . मैं आप लोगों को उसका नाम भी बता दूँ, क्योंकि वह एक अच्छा नवयुवक है. . . . . हाबी व्हीलर है। खैर, तृतीय अधिकारी वास्तव में हमारे उतरने से लगभग दस मिनट पहले वापस आ जायगा। अपने-अपने जूते उतार लीजिये क्योंकि हम नहीं चाहते कि जब आप कूद कर जीवन रक्षक नौका पर चढ़ें, तब उसमें आपके जूतों से छेद हो जाय। वहाँ पीछे जो दरवाजा है, उसे संकट-काल में खोलने का एक यंत्र है बशर्ते वह काम करना बन्द न कर दे, क्योंकि दूसरे धक्के से सारा का सारा विमान अस्त व्यस्त हो जायगा।

"हाबी व्हीलर यंत्र को खींच कर दरवाजा खोल देगा. . . . तत्पश्चात्

वह जीवन-रक्षक नौका को बाहर निकालेगा तथा पानी पर उतरने के लिए प्रयुक्त होनेवाली रस्सी को, जिससे आप दरवाजे के ठीक ऊपर लटकती हुई देख रहे हैं, नीचे लटका देगा। रस्सी को पकड़ कर उतरने के लिए आपको पर्याप्त समय मिलेगा। ये विमान समुद्र में इतनी अधिक देर तक तैरते रहते हैं कि वे जलपोतों के लिए विपत्ति बन जाते हैं और उन्हें तोपों के गोलों से डुबाना पड़ता है।" उनके कुछ मिनटों के भीतर ही डूब जाने की घटनाएँ भी हुई है।

स्पालिंडग ने पूछा—"डैन, क्या तुम चाहते हो कि ये लोग जीवन-रक्षक पेटियों को अभी बाँध लें ?"

"अब से कम से कम तीन घण्टे से पहले उन्हें जीवन-रक्षक पेटियाँ देने का कोई कारण मुझे नहीं दिखायी देता। जब तक आप चिन्ता से मुक्त रह सकते हैं तब तक चिन्तित होना कोई बुद्धिमानी की बात नहीं है, किन्तु जब आप जीवन-रक्षक पेटियाँ बाँधें, तब आप मे से प्रत्येक व्यक्ति को ओवरकोट आदि जितने कपड़े मिल सकें, उतने कपड़े पहन लेने चाहिए, क्योंकि पानी थोड़ा ठण्डा हो सकता है।" पानी तो बर्फ के समान ठण्डा होगा और यदि वे जलपोत जल्दी न पहुँच सके, तो अधिकांश मृत्युएँ शीत के कारण ही होंगी। "जीवन-रक्षक नौका पर सवार हो जाने के बाद आप लोग बैठे ही रहिये अथवा यदि इच्छा हो, तो लेट जाइये। यदि आपको भूख लग जाय, तो व्हीलर आपको संकट-कालीन भोजन-सामग्री दिखा देगा।"

"जब हम नौका पर केवल कुछ मिनटों तक ही रहेंगे, तब हमें भूख किस प्रकार लग सकती है ?"—मे होल्स्ट ने पूछा—"आप हमें जहाजों द्वारा उठा लिये जाने के सम्बन्ध में बहुत अधिक झूठा आश्वासन दे रहे हैं।" उसके सद्भावनापूर्ण चेहरे पर दुर्भावना का कोई चिन्ह नहीं था और यह ईमानदारी के साथ प्रकट किया गया मत मात्र था।

डैन ने तुरन्त उसकी ओर मुँह कर लिया। वह चूक कर गया था और इसके लिए वह अपने-आप को कोसने लगा। और वह दूसरी औरत अब और अधिक जोर से सिसकने लगी थी। वह अपने लड़कों के सम्बन्ध में कुछ कह रही थी।

"झूठा आश्वासन ? सम्भव है. . . . .थोड़ा-सा, किन्तु हम नहीं चाहते कि इस विमान पर प्रदान की जाने वाली सेवा या भोजन के सम्बन्ध में कोई बुरी बात कही जाय—"

"इसमें कोई सन्देह नहीं कि 'कैविआर' (स्वादिट भोजन) तो मिलेगा"– गुस्ताव पार्डी ने तुरन्त कहा–"यदि 'कैविआर' नही मिला, तो बड़ा कष्ट होगा।" डैन ने उसकी ओर कृतज्ञताभरी दृष्टि से देखा। क्या यह वही विशालकाय व्यक्ति नहीं है, जिसके सम्बन्ध में स्पालिंडग ने कहा था कि वह डर के मारे मरा जा रहा है ?

"मैं अपने संकटकालीन रसोइये से इस सम्बन्ध में बोल दूँगा, श्रीमान।"

"मै नहीं सोचता कि इसमें मजाक करने की कोई बात है।"– हम्फ्री एगन्यू ने कटुतापूर्वक कहा।

"आप गलती पर है। जब आप नौका मे पहुँच जायं, तब जितना ही अधिक मजाक होगा, उतना ही अच्छा रहेगा। यदि आपका मन गाने को करे, तो गाइये। यदि आप कुछ पुराने गानों को याद कर ले और उन्हें गाने का अभ्यास करना अभी से प्रारम्भ कर दें, तो इससे समय व्यतीत होने में सहायता मिल सकती है।"

"मै किसी समय काफी अच्छा गाया करता था"– हावर्ड राइस ने कहा। फ्रैंक ब्रिस्को ने कहा–" तानें मेरी जेब में तो नहीं पड़ी रहतीं, किन्तु मै काफी ऊँचे स्वर में गा लेता हूँ।"

उनकी ओर देख कर तथा उनकी आँखों का अध्ययन कर डैन के मस्तिष्क में अचानक यह विचार उत्पन्न हो गया कि यदि मैंने कभी यात्रियों के किसी समूह के जीवित रहने की इच्छा की है, तो मैं इन यात्रियों के जीवित रहने के लिए प्रार्थना करूँगा। वे अजनबी एवं अपरिचित हैं और फिर भी वे अजनबी नहीं हैं; किसी न किसी प्रकार उन्होंने एक साथ बहुत अधिक शक्ति प्राप्त कर ली है और अब वे उस शक्ति का प्रयोग कर रहे हैं। उनके व्यवहार को अज्ञान तो नहीं बताया जा सकता। उसने जिस व्यवहार की आशा-आशंका की थी, उससे यह व्यवहार सर्वथा विपरीत था।

"अब मैं जो बात कहने जा रहा हूँ, वह बहुत महत्वपूर्ण है और मेरा भाषण भी समाप्त ही होने वाला है। जब हम वास्तव में पानी पर उतरेंगे, तब दो धक्के लगेंगे। यदि आप उनके सम्बन्ध में जानते होंगे, तो आप भयभीत नहीं होंगे। प्रथम धक्के का अनुभव मुश्किल से किया जा सकेगा। वह प्राय: उसी प्रकार का होगा, जिस प्रकार का धक्का सामान्यत: विमान के उतरने पर लगा करता है। दूसरा धक्का काफी जोरदार हो सकता है।" सलीवन, वह धक्का कितना जोरदार होगा, यह तुम्हारे ऊपर तथा तुम्हारे भाग्य के ऊपर निर्भर करता है. . ..

"इस धक्के से आप काफी जोर के साथ अपनी कुर्सियों की पेटियों से टकरा सकते हैं।" इसके परिणामस्वरूप आपकी कुर्सियाँ फर्श से उखड़ सकती हैं और आप चकनाचूर हुई कुर्सियों एवं शरीरों के समूह से होकर लुढ़कते हुए आगे की दीवार से जाकर टकरा सकते हैं।

"उस दूसरे धक्के की प्रतीक्षा कीजिये और मजबूती के साथ टिक कर उसके लिए तैयार रहिये। उसके बाद बत्तियाँ सम्भवतः बहुत जल्दी बुझ जायँगी, किन्तु व्हीलर और कुमारी स्पार्लिडग, दोनों के पास फ्लैशलाइट रहेंगी। अब आप अपनी कुर्सियों की पट्टियों को खोल दीजिये और व्हीलर की आवाज के लिए प्रतीक्षा कीजिये तथा शांत बने रहिये। आपके नाव में सवार हो जाने के थोड़े ही समय बाद कप्तान, विमान-मार्ग-निर्देशक और स्वयं मैं सामने से अपनी नाव मे आयेंगे और हम लोग आपके साथ हो जायेंगे।" बशर्ते कमर तक पानी में खड़े रहने के बाद 'एस्ट्रोडोम' से ऊपर नाव को उठाने के लिए हममें पर्याप्त शक्ति शेष बची रही और बशर्ते हवा हमें बहा कर नरक में न पहुँचा दे और हमारे सहारे की रस्सी को काटते ही समाप्त न हो जाय।

"क्या अब भी कोई ऐसी बात रह गयी है जिसे आपने नहीं समझा है अथवा जिसे और अधिक समझाने की मुझे आवश्यकता है ?"

"क्या हम रेडियो द्वारा अपने परिवारों के पास सन्देश भेज सकते हैं?" —नेल बक ने पूछा—"मैं सोचती हूँ कि वे जानना चाहेंगे... वे हम से विमान स्थल पर मिलने वाले थे.... और वे वहाँ खड़े होंगे...."— उसकी आवाज मन्द पड़ गयी—"प्रतीक्षा करना उनके लिए भयंकर बात होगी...."

डैन ने कटुतापूर्वक सोचा कि स्वयं उसकी अपनी प्रतीक्षा इतनी अधिक आसान होगी। और फिर भी यह प्रत्यक्ष था कि उसने इस पर विचार तक नहीं किया था। उसकी आँखों में जो अनुरोध था, उसको निरुत्साहित करना कठिन था।

"मुझे खेद है। हमारा रेडियो हमारी स्थिति का विवरण देने और रक्षक विमानों से सम्पर्क स्थापित करने में अत्यधिक व्यस्त है। ऐसा हो नहीं सकता, देवी।"

फ्लैहार्टी ने कहा—"मेरे थैले में कुछ महत्वपूर्ण कागज-पत्र हैं।" जब वह अपनी कुर्सी पर झुका, तब वह एक लय के साथ इधर-उधर झूल रहा था और उसे स्पष्ट रूप से यह देखना अपेक्षाकृत अधिक सरल प्रतीत हो रहा था कि क्या वह अपनी झुकी हुई भौंहों के नीचे से डैन की ओर झांक सकता है और

क्या वह अपने सिर को झुका सकता है। "ये कागज लगभग एक वर्ष के परिश्रम से तैयार हुए हैं। क्या मैं उन्हें अपने साथ ले जा सकता हूँ।"

"तब तक नही, जब तक आप उन्हें अपनी जेबों मे न भर लें। किसी भी प्रकार का कोई सामान नहीं ले जाया जा सकता। नही।"

फ्लैहार्टी क्षीण मुस्कान मुस्काया और तत्पश्चात् अपने हाथ के पिछले भाग से अपने मुँह को रगड़ने लगा।

"और हाँ... आखिर वे इतने महत्वपूर्ण नही है। उनसे मानव-जाति को तनिक भी सहायता नहीं मिलेगी। समुद्र का तल उनके लिए सर्वोत्तम स्थान है।"

डैन ने कहा—"अब एक बात और कहनी है और उसे जानने का आपको उतना ही अधिकार है, जितना शेष बातों को जानने का। मैं आप को इस बात से अवश्य सावधान करूँगा कि जो मैं कहने जा रहूँ उससे अत्यधिक आशान्वित मत होइये, किन्तु एक प्रति हजार सम्भावना है और इतनी ही सम्भावना इस बात की है कि हम तट पर पहुँच जायँ। मै इस बात पर जोर देना चाहता हूँ कि जब तक हवा की स्थितियों में परिवर्त्तन न हो जाय, तब तक यह सम्भव नही है और हमारी ऋतु-भविष्यवाणी के अनुसार ऐसा परिवर्त्तन नही होने जा रहा है। फिर भी, ऐसा हो सकता है और इसके लिए हम सभी सम्भव उपाय करेंगे, यहाँ तक कि प्रार्थना भी करेंगे।" क्या तुम उन्हें भुलावा दे रहे हो, या अपने-आप को भुलावा दे रहे हो ?

"एक चीज हम अभी तुरन्त कर सकते हैं और वह चीज है विमान को हल्का बनाना। इस प्रकार हमारा ईंधन का खर्च थोड़ा कम हो जायगा, क्योंकि हमारी गति में थोड़ी-सी वृद्धि हो जायगी और इस समय ईंधन के प्रत्येक गैलन का महत्व है। यदि आप में से किसी को कभी किसी चीज को खिड़कियो से बाहर फेंक देने की प्रेरणा हुई हो, तो उसके लिए जीवन में ऐसा अवसर नहीं मिल सकता। मुझे उस भोजन-सामग्री को फेंकने के लिए दो आदमियों की तथा ऊपर मेरी सहायता करने के लिए दो और आदमियों की आवश्यकता होगी।"

"हम औरतें क्या कर सकती हैं ?"—मे होल्स्ट ने कहा— "मुझे सामानों को बाहर फेंकने में आनन्द मिलता है।"

"बहुत सुन्दर। तब आप प्रत्येक थाली और तश्तरी को दरवाजे तक हटाने में कुमारी स्पाल्डिंग की सहायता कीजिये। मैं आप को उन्हें पैरों की ठोकर से बाहर फेंकने की अनुमति भी दे दूँगा।"

एड जोसेफ ने क्षमा-याचना-सी करते हुए कहा—"मैं सोचता हूँ कि मैं अपनी पत्नी के पास ही रहूँगा। वह हमारे बालकों के लिए बहुत ही चिन्तित है।"

"कृपया मुझे सहायता करने दीजिये"—डोरोथी चेन ने कहा।

"मैं इसके लिए विमान-कम्पनी पर मुकदमा चलाऊँगा। मैंने इस प्रकार की यात्रा के लिए भाड़ा नही दिया था"—एगन्यू ने शिकायत की—"किन्तु मेरा ख्याल है कि मुझे भी अवश्य सहायता करनी चाहिए, हालांकि मेरा डाक्टर कहता है कि मुझे किसी भी प्रकार के श्रम से बचना चाहिए। मेरा हृदय—"

"आपको कुछ मालूम है, महाशय ?"—अपने दर्द के बावजूद अपने सिर को आगे-पीछे हिलाते हुए फ्रैंक ब्रिस्को ने कहा—"आपका हृदय. . . . .मेरे हृदय को तोड़े डाल रहा है।"

डैन को काफी से अधिक स्वयंसेवक मिल गये थे। उसने भोजन-सामग्री रखने की पटरी को उखाड़ने के लिए जोस लोकोटा और हावर्ड राइस को नियुक्त किया। "यह बहुत भारी है। इसके कुछ भागों को उखाड़ने के लिए आपको एक पेंचकश की आवश्यकता होगी, किन्तु शेष भागों को ठोकरें मार-मार कर तोड़ना प्रारम्भ कर दीजिये।" उसने मिलो बक तथा केन चाइल्ड्स को अपने साथ कर्मचारियों के कमरे तक जाने के लिए चुना। उसने फ्लैहार्टी को, जिसका नशा प्रत्यक्षतः अविश्वसनीय था, दरवाजे के पास खड़ा कर दिया। वह कम-से-कम चीजो को थमा तो सकता था। विमान को हल्का बनाने का काम निराशापूर्ण मौन के साथ प्रारम्भ हो गया।

कर्मचारियों के कमरे के फर्श में एक छोटी-सी कोठरी थी। वह मुश्किल से इतनी लम्बी थी कि उसमें एक आदमी समा सके। डैन ने, उसमें नीचे उतर कर, मिलो बक और केन चाइल्ड्स को सामान आदि थमाना शुरू कर दिया। विमान के पेट मे सामान रखने के अन्य स्थान भी थे, किन्तु उड़ान के समय उनमें प्रवेश करना असम्भव था। सूटकेस और डिब्बों को डैन मिलो बक को देता था, वह उन्हें केन चाइल्ड्स को देता था और तत्पश्चात् वे विभाजक दीवार के दरवाजे से होकर फ्लैहार्टी के पास पहुँचते थे। उनके पीछे स्त्रियों ने एक पंक्ति बना ली थी। पंक्ति मे सब से पहले नेल बक थी और उसके बाद लिडिया राइस, सैली मैकी, लिलियन पार्डी और डोरोथी चेन थीं। गुस्ताव पार्डी पंक्ति के अन्त में मुँह से सीटी बजाता हुआ खड़ा था और पिछले दरवाजे पर बक्सों तथा थैलों को जमा करता जा रहा था। लिलियन ने एक सुन्दर-सा थैला दिया। उसने पहचान लिया कि यह थैला उसी का था। इसमें कतिपय ऐसे

गहने थे, जिन्हे वह बहुत अधिक चाहती थी ओर एक फ्राक था। वह पीड़ा से कराह उठी और तत्पश्चात् तुरन्त बोली—"जहन्नुम मे जाय यह!" उसने थैले को आगे बढ़ा दिया।

वे कई मिनटों तक कठोर परिश्रम करते रहे। वे इतने अधिक व्यस्त थे कि वे पूर्ण रूप से यह अनुभव नहीं कर सकते थे कि हम क्या कर रहे है और अन्त में डैन ने घोषित किया कि स्थान खाली हो गया है। वह उन्हें पुनः पिछले दरवाजे पर ले गया।

डैन ने सोचा कि उनके प्रयास का परिणाम वास्तव में दयनीय है। दरवाजे पर सात अथवा आठ सौ पौण्ड से अधिक वजन का सामान नहीं इकट्ठा किया जा सकता था, किन्तु दूसरी ओर स्पार्लिडग और मे होल्स्ट ने जो थालियाँ और तश्तरियाँ जमा कर दी थीं तथा पिछली ओर भोजन-सामग्री रखने की जो पटरियाँ एकत्र हो गयी थीं, उन सब का वजन प्रायः डेढ़ हजार पौण्ड था। विमान की गति में एक मील की, सम्भवतः दो मील की, वृद्धि और हो जायगी। यह प्रायः निरर्थक ही था।

"अब मुझको पकड़े रहिये"—उसने पार्डी से कहा। जब उस विशालकाय व्यक्ति ने उसकी कमर पकड़ ली, तब डैन ने उस भारी दरवाजे की मुठिया को घुमाया। उसने बड़ी सतर्कता से उसे धक्का दिया, और 'स्लिप स्ट्रीम' के विरुद्ध उसके धक्के को नापने लगा। जब दरवाजा बहुत धीरे-धीरे खुला तब उन्हें सागर का रात्रिकालीन गर्जन सुनायी देने लगा। केबिन का संरक्षण न रहने तथा प्रथम बार इस गर्जन का सामना होने के कारण उनकी इच्छा-शक्ति नष्ट हो गयी। वे पीछे हट गये और अपनी-अपनी जगहों पर लौट जाने की इच्छा करने लगे। वे गर्जन करते हुए अतल सागर के किनारे पर खड़े होने की अनुभूति से घृणा करने लगे।

"सामान को ठोकर मार कर बाहर गिराना शुरू कर दो!"—डैन ने रात्रि के गर्जन के ऊपर चिल्ला कर कहा—"और सावधान! सदा मेरे पीछे रहना। यह पहली सीढ़ी ही खतरनाक है।"

जब डैन दरवाजे को पकड़े हुए था, तभी उनका साहस पुनः लौटने लगा। पहले तो वे डर-डर कर सामान को ढकलते रहे, किन्तु सामान के संग्रह के अन्त में वे अधिक साहसी हो गये और कुछ ही मिनटों के बाद कोई सामान बाकी नहीं रह गया। डैन ने दरवाजे को बन्द कर दिया और उसमें ताला लगा दिया। गर्जन के विपरीत अब जो मौन व्याप्त हो गया, वह एक गरम मुलायम कम्बल

के समान आनन्ददायक था।

- "चलो, यह काम तो समाप्त हो गया"—डैन ने कहा और आश्चर्य करने लगा कि उसने अपने हाथों को पोंछने का कष्ट क्यों उठाया—"अब हमें केवल . . . प्रतीक्षा करना है।"

१३

आकाश के अपने कुछ नियम अब और अधिक शक्तिशाली हो गये और उनके कारण सलीवन का निर्णय-क्षेत्र बहुत अधिक सीमित हो गया। और जैसे ही डैन उसे छोड़ कर यात्रियों की केबिन में जाने के लिए रवाना हुआ वैसे ही निराशा की वह भावना पुनः लौट आयी, जिस पर कुछ समय के लिए उसने विजय प्राप्त कर ली थी। चार-दो-सिफर नम्बर का विमान अब तक कार्यकुशल उड्डयन-यंत्र नहीं रह गया था और न सलीवन के दक्ष एवं जानकार हाथ ही उसे ऐसा बना सकते थे! नम्बर एक इंजिन का क्षीणकारक प्रभाव अनेक प्रकार से बढता जा रहा था और प्रत्येक प्रकार का प्रभाव ईंधन की कमी को बढ़ा रहा था।

नियम बुरी तरह से अपरिवर्त्तनीय थे। नम्बर एक इंजिन का जो भार पड रहा था, उसके अतिरिक्त चार-दो-सिफर की उपलब्ध शक्ति में पचीस प्रतिशत की कमी हो गयी थी। इस दुर्बलता की पूर्ति करने के लिए सलीवन को शेष तीन इजिनों से अतिरिक्त काम लेना पड़ रहा था और यद्यपि यह अपने आप में कोई गम्भीर बात नहीं थी तथापि उनके बढ़े हुए बोझ को हल्का करने के लिए उसे और अधिक रियायते करनी पड़ रही थी। केवल नियंत्रण-यंत्रों की अनुभूति से ही उसे निरन्तर इस बात की याद आ रही थी कि अत्यधिक दबाव के कारण दूसरे इंजिन के बेकाम हो जाने से किसी भी ऊँचाई पर देर तक उड़ान करना असम्भव सिद्ध हो सकता है।

"हाबी! मुझे बाईस पचास आर. पी. एम. दो!" यह एक ऐसा आदेश था, जिसे देने से सलीवन नियमों के कारण घृणा करता था।

जब हाबी ने तीन अच्छे प्रापेलर-नियंत्रण-यत्रो को धक्का दिया, तब शक्ति और आवाज में उसी के अनुसार वृद्धि हो गयी। शक्ति और आवाज की यह वृद्धि और अधिक समझौतों का संकेत था। ऊष्णता शक्ति के साथ ही साथ उत्पन्न होने लगी और श्रम करने वाले इंजिनों को अतिरिक्त ठण्डक पहुँचाना आवश्यक हो गया अन्यथा वे भी शीघ्र ही बेकाम हो जाते।

"इंजिनों के आवरणों को हटा दो, हाबी!" ये आवरण धातु के थे और प्रत्येक इंजिन के चारों ओर लगे हुए थे। उड्डयन-कक्ष से उन्हें ठीक-ठीक करने से सिलेण्डरों को ठण्डक पहुँचाने वाली हवा का नियमन किया जा सकता था। सामान्य उड़ानों में वे आवरण बन्द रहते थे और इसलिए वायु-गति की दृष्टि से वे साफ रहते थे। थोड़ा-सा खोलने पर भी उन्होंने चार-दो-सिफर नम्बर के बोझ को इतना काफी बढा दिया कि विमान की गति दो मील प्रति घण्टे कम हो गयी; फिर भी, ऐसा करना ही था।

"सिरे वाले भाग का तापमान देखते रहो, हाबी। इजिनों के उन आवरणों को आवश्यक से एक इंच भी अधिक मत खोलना।"

दो हजार पाँच सौ फुट की ऊँचाई पर हवा अधिक अनुकूल हो गयी थी और विमान की उड़ान मे अनियमितताएँ कम हो गयीं। सलीवन को इस बात से सन्तोष प्राप्त हुआ कि किसी उड्डयन-स्थल और किसी छोटे खडे होने के स्थान के बीच फैलाये गये रस्से पर चलने से जिस सनसनी का अनुभव होता है, उससे वह बच गया था। फिर भी, नियम अभी तक कठोर बने हुए थे और वे अनेक प्रकार से उसे कष्ट पहुँचा रहे थे।

उड़ान की मूल ऊँचाई के अनुसार चार-दो-सिफ़र नम्बर का विमान तारों के नीचे, जहाँ उसे होना चाहिए था, स्वच्छ आकाश में और आराम के साथ उड़ सकता था। अधिक ऊँचाई पर हवा शांत एव निर्विघ्न थी और कम से कम प्रयत्न द्वारा अधिक से अधिक ऊँचाई पर उसके नाजुक सन्तुलन को कायम रखा जा सकता था। वहाँ, ऊपर, गति और लालित्य था तथा विमान की उल्लेखनीय क्षमता का पूर्ण रूप से उपयोग किया जा सकता था, किन्तु अब वह अत्यधिक शक्ति के धक्के के बिना इतनी अधिक ऊँचाई पर नही उड़ सकता था और चूंकि शक्ति ईंधन और गर्मी से प्राप्त होती है, इसलिए सलीवन को नीचे आने के लिए विवश हो जाना पड़ा था। वह अधिकतम ऊँचाई पर जाने के बदले सरलतापूर्वक उड़ने की ओर अधिक ध्यान दे रहा था।

कम ऊँचाई पर आना सलीवन के लिए निर्विघ्न नही सिद्ध हुआ। चार हजार

फुट की ऊँचाई पर वह घने बादलों मे फँस गया और तारे तत्काल लुप्त हो गये। वर्षा की बौछारे कई मिनटों तक शीशों पर जोर-जोर से प्रहार करती, थोड़े समय के लिए बन्द हो जाती और पुनः आ जाती। इसकी आवाज उसी प्रकार की थी, जिस प्रकार की विस्फोट के समान आवाज धातु के 'बायलर' से भाप के निकालने पर होती है और यद्यपि सलीवन जानता था कि इससे कोई नुकसान नहीं पहुँचने वाला है, तथापि आवाज से उसकी उत्तेजना के दूर होने में तनिक भी सहायता नही मिलती।

इस अपेक्षाकृत कम ऊँचाई पर उसे जिस अशांति का सामना करना पड़ा वह वर्षा के तूफानों की अपेक्षा अधिक गम्भीर थी। वह उग्र नहीं थी, फिर भी विमान की उड़ान की ऊँचाई में अवांछनीय परिवर्त्तन लाने के लिए पर्याप्त थी। इन परिवर्त्तनों का अनिवार्य परिणाम यह होता था कि सलीवन चाहे जितने भी परिश्रम से उड्डयन-सम्बन्धी यंत्रों की देख-भाल करे, विमान की गति में थोड़ी कमी हो ही जाती थी। इसके परिणामस्वरूप वह केवल एक सौ तीस मील प्रति घण्टे की गति से ही विमान को चला सकता था।

भार से दबे हुए इंजिन बारबार जोरदार आवाज करते हुए प्रतीत हो रहे थे। गति समय थी, समय दूरी था; दूरी ईंधन थी— और ईंधन एक ऐसी सामग्री थी, जिसका निर्माण प्रशान्त महासागर में सलीवन अपनी समस्त इच्छाओं द्वारा भी कभी नहीं कर सकता था।

नियम लियोनार्ड बिल्बी के लिए बहुत ही कष्टदायक सिद्ध हो रहे थे। अब तारे लुप्त हो गये थे जिससे वह उनकी स्थिति को नहीं जान सकता था। उसे पूर्णतः अपने राडार-यंत्र पर ही निर्भर करना पड़ेगा। ईंधन की खपत की नयी मात्रा की तुलना विमान की गति से करने और अपने शुद्ध किये हुए ग्राफ पर परिणाम निकालने के पश्चात् लियोनार्ड को तट तक पहुँचने की विमान की क्षमता में और अधिक सन्देह होने लगा। उसने अपने को एक आशा से प्रोत्साहित किया और वह आशा यह थी कि इस कम ऊँचाई पर विरुद्ध दिशा से बहने वाली हवा की शक्ति अपेक्षाकृत कम हो सकती है।

फिर भी, इस आशा में भी एक समझौता था। लियोनार्ड और सलीवन दोनों को इस बात का विश्वास था कि वे रक्षक-विमान से सफलतापूर्वक मिल जायेंगे, कम से कम वे स्वयं अपनी ज्ञात स्थिति द्वारा और रेडियो-सन्देशों के पारस्परिक आदान-प्रदान द्वारा अपेक्षाकृत कम दूरी पर ही उस रक्षक-विमान से सम्पर्क स्थापित कर लेंगे। फिर भी, रक्षक-विमान का राडार-यंत्र उल्लेख-

नीय रूप से अपर्याप्त था और यदि विमानों के कर्मचारी अपनी आँखो से एक दूसरे की बत्तियों अथवा 'पायेरोटेकनिक्स' को देख सकें, तो दोनों विमानो के सफलतापूर्वक मिलने की सम्भावनाएँ बहुत अधिक बढ जायेंगी। इस प्रकार के सम्पर्क को पूरा करने के लिए घने बादलो के नीचे सम्भवतः काफी स्थान था; किन्तु, यदि वे कभी तट तक पहुँच जाते तो जिस प्रकार सलीवन उस समय के लिए आवश्यक अन्तिम बहुमूल्य ऊँचाई का परित्याग नही कर सकता था, उसी प्रकार वह इस सम्बन्ध मे भी कोई निश्चय नहीं कर सकता था। और इसलिए नियमों मे इस आशय की एक धारा जोड़ दी गयी थी कि यदि रक्षक-विमान को उनके पानी पर उतरने के स्थान को ठीक-ठीक देखना और जलपोतो को उनकी दिशा मे जाने के लिए निर्देश देना है, तो घने बादलो को पूर्णतया छिन्न-भिन्न अथवा साफ हो जाना चाहिए। जब यंत्र-पटल की दूसरी बड़ी सुई सलीवन की थकी हुई आँखों के सामने निर्भयतापूर्वक चारो ओर घूमने लगी, तब ये सभी बातें कठोरतर हो गयीं और समझौतों की कल्पना करना अधिक कठिन हो गया।

सलीवन को मालूम हुआ कि दूसरी बड़ी सुई ने उसको आकृष्ट करना प्रारम्भ कर दिया है। उसकी वृत्ताकार गति इतनी मोहक हो गयी कि उसके लिए अपने उड्डयन-यंत्रों पर ध्यान केन्द्रित करना कठिनतर कार्य हो गया, यद्यपि वे यंत्र उसकी कल्पना से अधिक प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित थे। वह डैन कहाँ चला गया है ? मिनट पर मिनट बीतते चले जा रहे हैं, प्रत्येक मिनट दूसरे मिनट की अपेक्षा विचित्र रूप से अधिक मूल्यवान है और डैन अभी तक नहीं लौटा।

अकस्मात् दो भावनाओं ने सलीवन पर प्रायः पूर्ण अधिकार कर लिया। वह यंत्र-पटल की घड़ी को तोड़ डालने की इच्छा करने लगा और उसमें डैन को जोर-जोर से पुकारने की इच्छा उत्पन्न हो गयी। वह उसको अपनी बगल में—अपने समीप रखना चाहता था। वह चाहता था कि वह उड्डयन के शारीरिक कार्य को सम्हाल ले। यह एक ऐसा उत्तरदायित्व था, जिसे वह हावी को नहीं सौप सकता था, क्योंकि इस काम में तनिक भी गलती नहीं होनी चाहिए। वह इस उत्तेजना में डैन की शान्त, निश्चिन्त आवाज को सुनना चाहता था और वह जानना चाहता था कि क्या डैन उसकी इस प्रायः निराशाजनक स्थिति को समझता है। जल्दी करो डैन। जल्दी . . . . . इसके पूर्व कि मैं टूट जाऊँ अथवा वह दूसरी बड़ी सूई एकदम से समय को ही न समाप्त कर दे ! इसके पूर्व कि मै वेण्डी अथवा बालक अथवा उस आने वाले बालक के

सम्बन्ध में और इस बारे में सोचना प्रारम्भ कर दूं कि यदि हमें सचमुच पानी में डूब जाना पड़ा, तो क्या होगा; तुम जल्दी चले आओ। हमें सारी रात यही नही करते रहना है, डैन–चले आओ!

तत्पश्चात् जिस शीघ्रता से उसे डैन रोमन की आवश्यकता का अनुभव हुआ था, उतनी ही जल्दी उसका दिमाग ठीक भी हो गया। उसने अपने आप से कहा– अब सुनो, डैन रोमन एक टूटा हुआ, पुराना व्यक्ति है– वह जो कुछ कर रहा है और यात्रियों से निबटने तथा उनकी आवश्यकताओं पर ध्यान देने का जो काम कर रहा है, उसके लिए वह सम्भवत: एक अच्छा व्यक्ति है, किन्तु उसकी उड्डयन-बुद्धि में समय के कारण मोरचा लग गया है और महासागर के पार उड़ने का जितना अनुभव तुम्हें प्राप्त है, उसका शतांश अनुभव भी उसे नही है। वह केवल एक ऐसा व्यक्ति है, जिसका बहुत अधिक उपयोग किया गया है। जिस प्रकार तुम नम्बर एक इंजिन को ठीक नही कर सकते अथवा नियमों का उल्लंघन नहीं कर सकते, उसी प्रकार वह भी नहीं कर सकता। यह तुम्हारा विमान है। इसे अकेले उड़ाओ, जैसा कि प्रथा और बुद्धिमत्ता ने सदा बताया है।

"हाबी! गति को जरा और तो तीव्र करो!"

"किन्तु ईधन की ओर तो देखिये, कप्तान। मीटरों की ओर देखिये! हम ईधन उँड़ेलते जा रहे हैं।"

"दूसरा कोई चारा नहीं है। हमारी गति मन्द हो रही है।"

हाबी ने अनिच्छापूर्वक 'थ्राटलों' को एक इंच और आगे खींच दिया। ईंधन के प्रवाह को नापने वाले यंत्र प्रत्येक इंजिन के लिए ईधन की खपत में और पन्द्रह गैलन प्रति घटा की वृद्धि का संकेत करने लगे। सलीवन ने देखा कि गति दो मील बढ़ गयी है। खिड़कियों पर वर्षा की बूंदें प्रहार कर रही थीं; पानी की एक धारा उसके पतलूनों तक पहुँच गयी। लियोनार्ड अपने राडर-यंत्र को कस कर पकड़े हुए था, मानो उसका चमकता हुआ हरा पर्दा प्रत्येक वस्तु के सम्बन्ध में भविष्यवाणी कर सकता हो। सेकण्ड की सुई पर अनिच्छापूर्वक, बराबर नजर गड़ाये रखने के बावजूद सलीवन को वास्तविक समय का ठीक-ठीक ज्ञान नही रह गया। जिस समय घूम कर देखे बिना ही उसे इस बात का पता चला कि डैन पुन: उसकी बगल में खड़ा था, उस समय वह निश्चय-पूर्वक नहीं बता सकता था कि वह कितनी देर से इस प्रकार अकेले संघर्ष कर रहा था।

"मै देखता हूँ कि हम अभी तक आकाश में ही है"— डैन ने कहा।

सलीवन ने कोई उत्तर नही दिया क्योंकि उसे जिस बात की सबसे अधिक चिन्ता थी, उसे वह कहना नहीं चाहता था। वह डैन को यह बताना चाहता था कि अब उसके लौट आने पर वह अपने भीतर और कितनी अधिक शक्ति का अनुभव कर रहा है।

"थोड़ी-सी काफी पी लीजिये"—डैन ने कहा। उसके हाथ मे कागज के दो प्याले थे। एक प्याला उसने हाबी को थमा दिया। "इससे तुम्हें गर्मी मिल जायगी।"

सलीवन ने अपने चेहरे से पसीना पोंछा।

"अभी मुझे बहुत अधिक गर्मी लग रही है।"

"तब इससे आप ठण्डे हो जायँगे।"

एक क्षण बाद सलीवन ने यंत्रों पर से अपनी नजर हटा ली। उसने डैन के हाथ से काफी का प्याला ले लिया। एक प्रकट होती हुई मुस्कान से उसके चेहरे का तनाव दूर हो गया।

"धन्यवाद – डैन।"

लिलियन पार्डी ने अपने दस वर्षो के विवाहित जीवन में जिस सुन्दर आत्म-सन्तोष की भावना का विकास किया था, वह आत्म-सन्तोष पूर्णतया नष्ट हो गया। वह जानती थी कि उसकी क्षति इस विमान के विचित्र व्यवहार का तात्कालिक परिणाम नहीं थी; जब उसने प्रथम बार अनुभव किया था कि संकट उपस्थित हो गया है तब उसने वास्तव में प्रफुल्लता की भावना का अनुभव किया था और डैन रोमन ने जो बातचीत की थी, उससे उन कतिपय भावनाओं के तीव्र होने में ही सहायता मिली, जिन्हें वह स्थायी रूप से सुप्त समझती थी। न रात को समुद्र में तैरने की सम्भावना से ही वह पीड़ित थी। इसके स्थान पर यह समय उसे आत्म-निरीक्षण करने तथा इस नवागन्तुक दृष्टि से उसके अत्यन्त गोपनीय विचारों के सम्बन्ध मे प्रश्न करने का एक समय प्रतीत हुआ। कुछ मिनटों के भीतर ही गुस्ताव पार्डी के सम्बन्ध में, जो एक पति की भूमिका इतनी लापरवाही के साथ अदा किया करता था, उसकी समस्त भावनाओं में इतने पूर्ण रूप से परिवर्तन क्यों हो गया था?

गुस्ताव ने उसे बाजार में उतनी ही चतुरता और निर्भयता से खरीदा था, जितनी चतुरता से वह किसी ऐसे नाटक को खरीदता, जिसकी सफलता के सम्बन्ध में उसे विश्वास होता। उसने उसे एक फैशन-प्रदर्शनी में माडल के

रूप में देखा था। उसने शीघ्रतापूर्वक उससे परिचय किया, उसकी ओर बहुत अधिक ध्यान देने लगा तथा उपहारों से उसे पाट दिया। इन उपहारो मे से एक उपहार था, बेरमूडा की एक यात्रा। उसने इस यात्रा को एक उल्लेखनीय अवकाश-काल बना दिया और यद्यपि वह एक भोगविलास-प्रेमी व्यक्ति के रूप में भी पहले से ही उतना ही प्रसिद्ध हो चुका था, जितना प्रसिद्ध वह एक नाटक-निर्माता के रूप मे था, फिर भी उसने किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ नही की। वह उसे फूल भेंट करता था, उसके साथ बाइसिकिल पर बैठ कर भ्रमण के लिए निकलता था तथा संध्या-समय अधेड़ आयु के एक प्रेस-एजेण्ट और उसकी पत्नी के साथ, जिन्हें वह संरक्षकों के रूप मे लिवा आया था, काकटेल-पार्टियों में भाग लेता था। गुस्ताव पार्डी ने उसके लिए अनेक वस्त्राभरण इत्यादि, जिन्हें वह उसके रंग-रूप के उपयुक्त समझता था, खरीदे। इससे अधिक उसने कुछ नही किया। वे न्यूयार्क वापस लौट आये और उनका आश्चर्यजनक वासना-हीन सम्बन्ध एक नये नाटक की रचना के पूरे समय तक चलता रहा! यह नाटक गुस्ताव पार्डी की एक दुर्लभ विफलता सिद्ध हुआ। वह प्रथम अंक था।

यह बात सन्देहास्पद थी कि नाटक की विफलता गुस्ताव पार्डी के ध्यान के बंट जाने के कारण हुई थी अथवा नहीं, किन्तु निश्चय ही दूसरा अंक उस दिन प्रारम्भ हुआ, जिस दिन उन्होने 'सार्डी' नामक होटल मे बहुत देर तक भोजन किया और उसने विवाह का प्रस्ताव किया। केवल गुस्ताव पार्डी ही इस प्रकार से विवाह का प्रस्ताव कर सकता था। वह आज भी देख सकती थी कि वह 'ओक' की भूरी दीवाल पर अपने ही 'कार्टून' के नीचे शान के साथ बैठा हुआ था, होटल के अन्य ग्राहकों को देख-देख कर सिर हिला रहा था, जब उसकी इच्छा होती थी तब उनकी उपेक्षा करता था और कभी-कभी अपने बर्फ के पानी से भरे गिलास को ऊपर उठा कर उन लोगों को अभिवादन करता था जिन्हें वह अपने समान समझता था। अपने इस अत्यन्त विशेष विश्व में सोच-समझ कर दृश्य-रचना करते हुए गुस्ताव पार्डी ने बिना किसी प्रयास के विवाह पर से पर्दा उठा दिया।

"अब, प्यारी लिलियन"—उसने ऐसे ढंग से कहना प्रारम्भ किया, जो उसके प्रायः रहस्यात्मक आकर्षण और विशुद्ध व्यवसाय का एक असम्बद्ध मिश्रण था— "मै समझता हूँ कि तुम समय-समय पर हमारे इस प्रकार के अरूढ़िवादी सम्बन्ध पर आश्चर्य करती होगी। तुम्हारे लिए ऐसा करना पूर्णतया स्वाभाविक भी है।"

गुस्ताव बहुधा कोई प्रश्न करता था और स्वयं ही उसका उत्तर भी दे देता था। उसके प्रश्न और उत्तर, दोनों सदा इस प्रकार के होते थे कि तर्क करने की कोई गुंजाइश नही रहती थी। वह दूसरों की भावनाओं को, चाहे उन्हें कितनी भी कुशलतापूर्वक छिपाया जाय, तुरन्त समझ लेता था और अपनी इस क्षमता पर उसे बहुत अधिक गर्व था। उसका यह विश्वास करना भी उचित ही था कि वह बहुधा अपने साथी की प्रतिक्रियाओ को बहुत पहले ही बता देने की क्षमता रखता था।

उसने अपना निष्प्रयास कथन जारी रखा– "अब मुझे एक प्रस्ताव करना है और मुझे आशा है कि तुम्हे वह प्रस्ताव रोचक लगेगा। मैं देखता हूँ कि मुझे एक पत्नी की आवश्यकता है। साधारणतः इस समस्या का समाधान करना कोई कठिन कार्य नही होता, क्योंकि ईश्वर जानता है, मैं निरन्तर ऐसी महिलाओं के सम्पर्क में आता रहता हूँ, जो अपने अत्यन्त प्रिय कार्यो को करते हुए भी मेरे नाम से सन्तान उत्पन्न करने से अधिक किसी भी बात को नहीं चाहती। मैं अभिनेत्रियों में इतना अधिक अविश्वास करता हूँ कि मैं उनके वर्ग से बाहर पत्नी की तलाश कर रहा हूँ।"

फिर गुस्ताव रुक गया था। उसकी आँखें तेजी के साथ कमरे में चारों ओर दौड़ गयीं और उसने पुनः अपने विषय की चर्चा छेड़ दी। उसके स्वर से इस प्रकार का संकेत मिलता था कि मामले का निपटारा पहले ही हो चुका है।

"अनेक स्त्रियों मे अपना सार्वजनिक प्रदर्शन करने की जो गुप्त कामना होती है, उस कामना के असन्दिग्ध लक्षण तुममें एक बार भी परिलक्षित नहीं हुए हैं। केवल इसी एक कारण से मैं तुमसे प्यार करता हूँ। तुम एक ऐसी महिला भी हो, जो जानती है कि अपना भद्दा प्रदर्शन किये बिना कपड़े किस प्रकार पहने जाते हैं तथा लोगों से किस प्रकार व्यवहार किया जाता है। मैं तुम्हारी कल्पना उस प्रकार की आतिथेया के रूप में नहीं कर सकता, जो गलत समय पर सरलतापूर्वक झुक जाय अथवा सुनने की अपेक्षा बात करने द्वारा, जो और भी बुरी बात है, अपने आकर्षण को प्रमाणित करने का हठ करे। इस बात की भी कल्पना की जा सकती है कि यदि हम में कभी विवाह-विच्छेद की इच्छा उत्पन्न हुई, तो तुम मेरे पास इतना पर्याप्त धन छोड़ोगी, जिससे एक नाटक की रचना पुनः की जा सके ...... यह सब ठीक है अथवा मैं अपने आपको धोखा दे रहा हूँ?"

"तुम बहुत जल्दी बिबाह के बिषय से सम्बन्ध-बिच्छेद के विषय पर चले

आये, गुस्ताव।"

उसकी आँखें पुन. कमरे में रखी मेजों का निरीक्षण करने लगीं, मानो वह बातचीत को पूर्णतया भूल गया हो। तत्पश्चात् उसने अपने विशाल कंधों को झुकाया और बहुत सावधानी से अपना रूमाल खोला।

"प्रिये .... सम्भाव्य कठिनाइयों को स्वीकार करने का अर्थ आवश्यक रूप से उन कठिनाइयों को निमंत्रित करना ही नहीं होता। मैं विवाह-विच्छेद का उल्लेख केवल इसलिए कर रहा हूँ कि मैं चाहता हूँ कि तुम समझ जाओ कि मेरा यह सारा प्रस्ताव किसी क्षणिक प्रेरणा का परिणाम नहीं है। गत दो महीनों में मैंने इस पर बहुत अधिक विचार किया है।"

"क्या तुम्हारे इस प्रस्ताव में तनिक हार्दिकता भी है ?"

"यदि तुम प्रेम की बात कर रही हो और मेरा विश्वास है कि तुम प्रेम की ही बात कर रही हो, तो क्या मै कह सकता हूँ कि तुम्हारे द्वारा इसका उल्लेख किये जाने का तथ्य ही सिद्ध करता है कि तुम इतनी निश्छल हो कि तुम किसी प्रकार की शरारत नहीं करोगी ...... और मेरा अनुमान है कि तुम सम्भवतः इसी प्रकार निश्छल बनी रहोगी।"

"किन्तु प्रेम का क्या हुआ ? क्या तुम उसके अस्तित्व को भी स्वीकार नही करोगे ?" उस दिन गुस्ताव के साथ गम्भीरतापूर्वक बातचीत करने का कोई प्रश्न नहीं था; यह एक विचित्र व्यक्ति के साथ, जिसका मस्तिष्क विचित्र रूप से निर्लिप्त था, एक विचार-विमर्श मात्र था। उस समय अथवा बाद में गुस्ताव पार्डी के साथ विवाह करने का विचार कल्पनातीत था।

"मै प्रेम के अस्तित्व को अवश्य स्वीकार करता हूँ ....किन्तु केवल एक शब्द के रूप में। तुम्हें यह शब्द वेब्सटर शब्द-कोश में और उससे भी अधिक मूर्खतापूर्ण ग्रन्थों में मिलेगा। यह एक ऐसा शब्द है, जिसके पीछे हमारी अभागी मानव-जाति की असंख्य निराशाएँ और किशोर इच्छाएँ छिपी हुई हैं। सौभाग्यवश मैं मानसिक अपरिपक्वता की आयु को पार कर चुका हूँ और मुझे किसी प्रकार की निराशा का सामना नहीं करना पड़ा है। मैं धनवान हूँ। मेरी पाचन-शक्ति बहुत अच्छी है और मै एक बालक के समान गहरी नींद सोता हूँ। मुझे अपने कार्य में आनन्द मिलता है। अतः मुझे प्रेम की भ्रांति में पड़ने की कोई आवश्यकता नहीं है। यद्यपि मेरा पेशा ऐसा है कि मुझे अपने नाटकों मे प्रेम का पुट देने के लिए विवश होना पड़ता है .... तथापि मुझे व्यक्तिगत रूप से एक पत्नी की ही आवश्यकता है।"

"जब तक तुम किसी ऐसे लेखक को भाड़े पर नहीं रखोगे, जो तुम्हारे लिए अधिक रोमांचकारी संवाद लिख सके, तब तक तुम्हें कोई पत्नी कदापि नहीं मिल सकती।"

"इसके विपरीत, मेरा विश्वास है कि मुझे पत्नी मिल कर रहेगी। विशेषतः तुम। तुम बहुत ही प्रतिभाशालिनी लड़की हो, लिलियन, और मै कुछ ऐसी बातें बताना चाहता हूँ जिनसे तुम्हारा बहुत अधिक सम्बन्ध होना चाहिए। पहली बात तो यह है कि तुम पहले से ही बढ़िया कपड़े पहनने तथा सजीव व्यक्तियों के साथ को पसन्द करने की अभ्यस्त हो। तुम्हारी वास्तविक आय भले ही कम रही हो, किन्तु एक 'माडल' के रूप मे काम करने के कारण तुम्हारा सम्पर्क एक ऐसे ससार से हो गया है, जिसको छोड़ना अब तुम्हारे लिए अत्यन्त कठिन होगा। मुझे विश्वास है कि थोड़ा सोच-विचार करने के बाद तुम किसी ऐसे अनिश्चित आमदनी वाले नवयुवक से विवाह करने की इच्छा नही करोगी जिसकी सीमाएँ तुम्हें अपनी आयु के सर्वाधिक आकर्षक वर्षो मे किसी उपनगर में रहने और ...... उसकी कमीजों पर इस्त्री करने के लिए बाध्य कर देंगी। न तुम्हें शनिवार की रातों को पड़ोसियो के साथ, चाहे वह प्रेम की अभिव्यक्ति जितनी बार और जितने जोर के साथ करे, 'बीयर' पीने से ही सन्तोष प्राप्त होगा। तुम एक प्रकार से..... जाल में फँस गयी हो, प्यारी लिलियन।"

"तुमने किस नाटक से यह दृष्टिकोण प्राप्त किया है ?"

"इस प्रकार का नाटक इब्सन को लिखना चाहिए था यद्यपि उसने नहीं लिखा है। किन्तु मै तुम से इस बात पर विचार करने के लिए कहता हूँ कि या तो तुम इस प्रकार के किसी नवयुवक से विवाह कर सकती हो, अथवा सम्भवतः और दस वर्षों तक अपने वर्त्तमान काम को जारी रख सकती हो....जिसके बाद तुम्हें मिलने वाले काम में अत्यन्त तीव्र गति से कमी होने लगेगी। उस समय किसी भी प्रकार का चुनाव करने के लिए बहुत अधिक विलम्ब हो चुका होगा। फिर एक ऐसी दीवार खड़ी हो जायगी जिसे अनेक अमरीकी महिलाओं ने, जो किसी समय आकर्षक थीं, अपने चारो ओर खड़ा कर लिया है और जिसका पता लगाने से वे बहुत अधिक डरती हैं। मेरा विश्वास है कि तुममे इतनी अधिक बुद्धि है कि तुम इस प्रकार की कोई चीज नहीं होने दोगी। मै विश्वास करता हूँ कि कतिपय उत्तरदायित्वों के, मुख्यतः सामाजिक उत्तरदायित्वों के बदले में, अन्ततोगत्वा, तुम इस निष्कर्ष पर पहुँचोगी कि मै तुम्हें बहुत कुछ दे रहा हूँ।"

"तुम्हारी प्रेमिकाओं का क्या होगा, गुस्ताव ? कोई भी पत्नी इस सम्बन्ध में क्या करेगी ?"

"एक बुद्धिमान पत्नी इसके सम्बन्ध में कुछ भी नहीं करेगी ।"

वह द्वितीय अंक का प्रारम्भ था और वह दस वर्षों तक चलता रहा । गुस्ताव बुद्धिवादी बना रहा और प्रेम के किसी भी संकेत से घृणा करता रहा । यद्यपि वह अपने बाहरी कामों को बिल्कुल खुले रूप से करता था, तथापि अन्यथा एक पति के रूप में उसमे कोई त्रुटि नहीं थी । सारे के सारे द्वितीय अंक में एक बार भी तर्क-वितर्क नहीं हुआ था । और अब प्रत्यक्षतः तीसरी बार पर्दा उठ गया था । गुस्ताव, यथापूर्व, अपने श्रोताओं को आश्चर्य-चकित कर रहा था । कुछ ही मिनटों मे उसके चरित्र में पूर्ण परिवर्त्तन हो गया था । संसार के इस सब से बड़े बालक को क्या हो गया था ? उस बालक-पुरुष को क्या हो गया था, जो अंधेरे से वास्तव मे इतना अधिक डरता था कि बत्ती जला कर सोता था ? वह ढीला-पोला विलासवादी कहां था, जिसने सदा अपने जीवन को एक रोमन सम्राट् के जीवन के समान–जहाँ तक आधुनिक युग में सम्भव हो सकता था–बनाने का प्रयत्न किया था ? वह शिशु, बुद्धि से घिरे हुए किन्तु शारीरिक लिप्सा-ओं मे फँसे रहने वाले मास-पिण्ड का अन्त हो गया था । यह विश्वास करना असम्भव था कि यह वही बिगड़ा हुआ गुस्ताव था, जो लाण्ड्री द्वारा अपनी कमीजों मे कलफ लगा दिये जाने पर अथवा ऐसी ही छोटी-मोटी बातों पर आँसुओं की धारा बहाने लगता था । वह इतना अच्छा अभिनेता नहीं हो सकता था और इसके अतिरिक्त उसने सामान्यतः अपने श्रोताओं को ऐसा समझा होता, जिनमे किसी विशेषता का दुखद अभाव था ।

सर्वप्रथम बात यह थी कि उसने अकेले ही अपने सहयात्रियों में भय को व्याप्त होने से रोक दिया था– और विचार करने से यह पूर्णतया स्पष्ट दिखायी दे रहा था कि भय के व्याप्त होने की सम्भावना विद्यमान थी । बाद में उसने अपने व्यवहार को एक आदर्श व्यवहार बना लिया था और अब भी वह अपनी कुर्सी पर इस प्रकार घुटने मोड़ कर बैठा हुआ था, जिससे वह उसकी पीठ पर झुक कर उस औरत को सन्तोष एवं सान्त्वना प्रदान कर सके, जो रोना बन्द ही नहीं कर रही थी ।

"......अवश्य ही आप चिन्तित हैं, श्रीमती जोसेफ"–वह नम्रतापूर्वक कह रहा था–"किन्तु मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम इस विपत्ति से बिल्कुल सुरक्षित निकल जायँगे । कल तक यह बात हमारे लिए एक रोचक अनुभव मात्र रह

जायगी। ......आपके बच्चों की उम्र कितनी है, श्रीमती जोसेफ ?"

गुस्ताव पार्डी द्वारा किसी के बच्चों के सम्बन्ध में पूछ-ताछ किये जाने की जरा कल्पना तो कीजिये ! उसने सदा बच्चों से नफरत की है--इसका कारण सम्भवतः यह है कि उनको देखना शीशे में देखने के समान रहा होगा।

श्रीमती जोसेफ नाक सिनक कर तथा अपने आँसुओं को रोकने के लिए वीरतापूर्वक प्रयास कर उसकी बातों का उत्तर दे रही थी।

"जेनिफर की उम्र ६ वर्ष की है और एडवर्ड चार वर्ष का है। ओह-!" यदि गुस्ताव ने अपनी दिलचस्पी पर और अधिक बल नहीं दिया होता, तो श्रीमती जोसेफ का रोना पुनः उन पर हावी हो गया होता।

"जेनिफर कितना सुन्दर नाम है, श्रीमती जोसेफ। आप कितनी भाग्य-शालिनी हैं। जेनिफर नाम को सुन कर मुझे सदा उन स्काटिश मैदानों की याद आ जाती है, जहाँ झाड़ियाँ होती है... महान् शांति होती है... तथा पहाड़ों के नीचे छोटे-छोटे गांव बसे होते है..... मुझे इसी प्रकार की वस्तुओं की कल्पना होने लगती है। क्या आपकी जेनिफर इसी प्रकार की है, श्रीमती जोसेफ ?"

"मैं.... मै ठीक-ठीक नहीं जानती कि आप का आशय क्या है। वह सदा से एक शांतिप्रिय लड़की रही है। उसे आसानी के साथ समझाया-बुझाया जा सकता है।"

"बिल्कुल ठीक। मैं किसी तरह जानता था कि यही बात होगी.... जहाँ तक जेनिफर का सम्बन्ध है। और मुझे इस बात में तनिक भी सन्देह नहीं है कि जेनिफर इतनी तेजी के साथ बढ़ रही है कि घर पहुँचने पर आप उसे पहचान भी नहीं पायेंगी।"

घर की चर्चा करना एक भूल के समान था। गुस्ताव की बातचीत के ढंग में जो पूर्ण आश्वासन था केवल उसी के कारण श्रीमती जोसेफ का पुनः रोना प्रारम्भ नहीं हुआ। फिर भी, धीरे-धीरे वे अपने बच्चों के बारे में बात करने लगीं और गुस्ताव यही चाहता भी था।

उसके चेहरे की ओर अविश्वास के साथ देखते हुए लिलियन इस निष्कर्ष पर पहुँची कि या तो उसके पति के समान निर्देशक और अभिनेता कभी पैदा नहीं हुआ था – या उसने पितृत्व की भावनाओं के सम्बन्ध में बहुत ही गलत धारणा बना रखी थी।

वह कुछ समय तक श्रीमती जोसेफ के साथ बातचीत करने में व्यस्त रहा

और जब ऐसा प्रतीत हुआ कि उनका उन्माद समाप्त हो गया है, तभी उसने कहा कि मै किसी भावी मुलाकात के समय आपके बच्चों के सम्बन्ध में और बहुत-सी बाते जानना पसन्द करूँगा। केवल तभी वह अपनी कुर्सी मे घूमा और अपनी पत्नी की बगल मे ठीक से जमकर बैठा। जब उसने शांति के साथ एक सिगरेट जलायी तब उसकी ओर देखते हुए लिलियन जान गयी कि वह खतरे मे थी, क्योंकि जिस भावना को उसने इतने दिनों तक जान-बूझ कर दबा रखा था, जिस शब्द से गुस्ताब इतना अधिक घृणा करता था, वही शब्द प्रायः उसके होठों पर आ गया था। वह बड़ा शानदार लग रहा था। वह उसे यह बात बताना चाहती थी, और वह कहना चाहती थी कि ऐसे पति से प्यार करना बहुत सरल होगा, जिसने किसी प्रकार अपने आप को एक पुरुष के रूप में रूपान्तरित कर लिया है—फिर भी, वह दस वर्षों के प्रशिक्षण को चुनौती देने का साहस किस प्रकार कर सकती थी ?

"ऐसा प्रतीत होता है कि तुम्हारे मन में नन्हें प्राणियों के प्रति एक आश्चर्यजनक रुचि उत्पन्न हो गयी है।"—उसने कहा। 'बालक' शब्द का प्रयोग करने मे भी उसे हिचकिचाहट का अनुभव हो रहा था।

"वह बेचारी औरत! वह भयभीत हो गयी थी, किन्तु मैं सोचता हूँ कि अब वह बिल्कुल ठीक हो जायगी।"

"धन्यवाद है तुमको। उसका पति उसे समझाने में तनिक भी प्रगति नहीं कर सका। गुस्ताव. . . . मै तुमसे कुछ पूछना चाहती हूँ। तुमने उस से कहा कि हम इससे बिल्कुल सुरक्षित बच जायँगे। क्या तुम सचमुच इस बात में विश्वास करते हो ?"

वह हिचकिचाया। सिगरेट की राख उसकी गोद में गिर पड़ी, जिससे उसने बड़ी सतर्कता से झाड़ दिया।

"नहीं, उस विमान-चालक ने जो कुछ कहा, उसके बावजूद मेरा विचार है कि हमारी स्थिति बहुत ही संकटपूर्ण है।"

"और फिर भी तुम भयभीत नही हो ?"

"हां. . . और नहीं। मै निश्चयपूर्वक नहीं कह सकता कि कैसा अनुभव कर रहा हूँ. . . . किन्तु मै जानता हूँ कि इस समय भय अत्यन्त असुविधाजनक होगा। यह अत्यन्त यथार्थ है। यदि मैं अभी खुले रूप से भयभीत हो जाऊँ, तो दूसरे भी भयभीत हो जायंगे। थोड़े से समय पूर्व मैं सस्ती से सस्ती किस्म की नाटकीयता का अपराधी था . . . . . . और अब ऐसा प्रतीत होता है कि मैं

उससे चिपक गया हूँ।"

उसे उसकी आँखों मे अपने प्रति पूर्ण ईमानदारी के वे ही भाव दिखायी दिये जिन्हें उसने सदा देखा था, किन्तु उस उन्माद और घृणा का लोप हो चुका था, जिसके द्वारा उसने प्रत्येक भावना को नग्न रूप में प्रकट कर दिया था।

"गुस्ताव, मै तुम्हें एक बात बताना चाहती हूँ और यदि हम इस संकट से मुक्त नही हुए, तो तुम्हें और भी अधिक इस बात को जानना चाहिए। मैंने पहले कभी यह बात नही कही है और सम्भवतः तुम चाहोगे कि मै फिर कभी इसे नही कहूँ।"

"तुम्हारे दिमाग मे क्या बात है ?"

"मै तुमसे प्रेम करती हूँ, गुस्ताव। मेरा अनुमान है कि मैं सदा तुमसे प्रेम करती रही हूँ।"

जब वह उसकी ओर देखने के लिए मुड़ा तब उसके चेहरे पर आश्चर्य का कोई भाव नहीं था – न उपहास का ही कोई भाव था। उसने उसके हाथ की ओर अपना हाथ बढ़ाया और उसे कस कर पकड़ लिया; इस बात से लिलियन को बहुत अधिक आश्चर्य हुआ।

स्पार्लिंडग उन कुर्सियों के पास आयी, जहाँ फ्लैहार्टी सैली मैकी के साथ बैठा हुआ था। वह केन चाइल्ड्स, मे होल्स्ट और बक-दम्पति को जीवन-रक्षक पेटी बांधने का ढंग पहले ही बता चुकी थी और यद्यपि उन्होंने उसके आदेशों को सराहनीय शांति के साथ स्वीकार कर लिया था तथापि उसे सैली मैकी के सम्बन्ध में, जो सबसे पहले चिल्लायी थी, इतना अधिक विश्वास नही था और वह आश्चर्य कर रही थी कि क्या फ्लैहार्टी, जिसका सिर नीद मे हिल रहा था, कोई बात समझ सकेगा। उसने पीले रंग की पेटियां उन्हें थमा दीं और मुस्करा पड़ी।

उसने कहा–"याद रखिये, यह केवल एक एहतियाती कार्रवाई है और अभी इन पेटियों को बाँधने की कोई आवश्यकता नहीं है .... किन्तु सीखने का समय यही है।" उसने एक जीवन-रक्षक पेटी के प्रत्येक ओर लगे आवरण को हटाया, जिससे धातु का एक छोटा-सा 'कैप्सूल' दिखायी देने लगा।

"ये 'प्रिजर्वर' अभी फूले हुए नहीं हैं। यदि आप दोनों ओर इस नली को हिलायेंगे, तो 'कैप्सूलों' से कार्बन डि आक्साइड निकलेगा और पेटियों में तत्काल हवा भर जायगी।" उसने खोलने के स्थान पर अपना सिर रखा और फीतों को अपने सामने एक साथ बाँध दिया। "इन फीतों को खींचिये और

यहाँ उनको बाँध दीजिये। बस इतनी सी ही बात है।"

"तो कुल इतनी सी ही बात है ?"—फ्लैहार्टी ने कहा—"एक शौकीन आदमी के पहिनने के लिए प्रशान्त महासागर के बीच कौन सी पोशाक उचित होगी ?"

स्पालिंडग ने कहा—"यदि आप एक जीवन-रक्षक जैकेट पहने हुए हों, तो डूबना असम्भव है।" उसे इस कथन की सत्यता के सम्बन्ध मे तनिक भी निश्चितता नही थी, किन्तु उसे आशा थी कि यह कथन उत्साहवर्द्धक लगेगा।

"क्या किसी ने कभी इसकी आजमाइश की है ? मैं तुम से पूछता हूँ . . . . यदि लायड्स बीमा कम्पनी को मालूम हो कि मेरे भाग्य का एकमात्र सहारा इन जैकेटों में से एक जैकेट है, तो क्या वह मेरा बीमा करेगी ?"

स्पालिडग ने उसकी उपेक्षा कर दी। वह सैली मैकी के चेहरे की ओर देख रही थी, जो उसके भारी 'मेक-अप' के नीचे सफेद हो गया था। उसकी आँखे आधी बन्द थीं, मानो वह अचेत ही होनेवाली हो।

"क्या आप बिल्कुल ठीक है, कुमारी मैकी ?"

"हाँ . . . . . मै बिल्कुल ठीक हो जाऊँगी। मैं. . . . .यह विचित्र बात है . . . . वास्तव में मुझे इस बात की तनिक भी परवाह नहीं है कि क्या होगा।"

स्पालिडग आश्चर्य करने लगी कि क्या उसकी अगली बात से, जिसे कहना आवश्यक है, सैली का अपने ऊपर नियंत्रण बिल्कुल नष्ट हो जायगा। उससे दूर देखने का प्रयत्न करते हुए उसने अपने आदेशों का कठिनतम भाग प्रारम्भ किया। "यदि हमें पानी पर उतरना पड़ा तो मैं आपको बहुत पहले चेतावनी दे दूंगी। अपने हाथों को अपने चेहरे के ठीक सामने इस तरह से कर लीजिये और ठीक सामने की कुर्सी से अपने हाथों को टिका लीजिये। अपने सिर को अपनी बाहों के बीच नीचे झुका लीजिये और उन्हें तब तक वहीं रखिये जब तक हम पूर्ण रूप से न रुक जायँ। अपने जूतों को निकालना याद रखिये . . . . . और श्री फ्लैहार्टी, यदि आप अपने कालर और टाई को ढीला कर लें, तो अधिक अच्छा होगा।"

"क्यों ?"

स्पालिंडग को वास्तविक कारण का अनुमान मात्र था। स्कूल मे किसी व्यक्ति ने पानी पर विमान के उतरने के समय धक्के से साँस रुक जाने अथवा गर्दन टूट जाने के सम्बन्ध में कुछ बताया था. . . अब यह स्पष्ट नही था कि उन्होंने क्या कहा था। उसने अत्यन्त आकस्मिक रूप से निर्णय किया कि इस बिषय की छान-बीन जितनी कम की जाय, उतना ही अच्छा होगा।

वह जल्दी-जल्दी कहती गयी—"यहाँ सामने जो छोटे-छोटे पैकेट पड़े हुए हैं, वे समुद्र का संकेत देने वाले हैं। यह एक हरा रंग है, जिससे आपके आस-पास का पानी रग जायगा और विमान पर से आपका पता लगाना आसान हो जायगा।"

"कोई व्यक्ति इसे रात में किस प्रकार देख सकता है ?"

"... वास्तव में यह दिन के समय के ही लिए हैं।"

"किन्तु जिस विमान-चालक ने हमसे बातचीत की थी, उसने तो कहा था कि हमें केवल कुछ मिनटों तक ही पानी में रहना पड़ेगा"—सैली मैकी ने फीकी आवाज मे कहा—"वह हमसे झूठ बोल रहा था।"

"मुझे पूरा विश्वास है कि वह झूठ नहीं बोल रहा था, कुमारी मैकी। मैं सोचती थी कि आप रंग के सम्बन्ध मे जानना पसन्द करेंगी ...." वह हिचकिचायी और उन्हें छोड़ कर फ्रैंक ब्रिस्को के पास, जो गलियारे में और आगे डोरोथी चेन के साथ बैठा हुआ था, जाने की इच्छा करने लगी। उसने पुनः रंग की चर्चा न करने का संकल्प किया। उसने बेमन अपनी बात को समाप्त करते हुए कहा—"वह वहां पड़ा हुआ है..... और मैंने सोचा था कि आप जानना पसन्द करेंगी। अब यदि आपको किसी चीज की आवश्यकता हो तो मुझे बुला लीजियेगा।"

जब वह उनके पास से जाने लगी, तब उसने फ्लैहार्टी को अपनी शराब के सम्बन्ध में कुछ बड़बड़ाते हुए सुना। वह शीघ्रतापूर्वक फ्रैंक ब्रिस्को के पास पहुँच गयी और उसकी बगल में घुटनों के बल बैठ गयी।

"कहिये, श्री ब्रिस्को। सब कुछ ठीक तो है ?"

वह मुस्करा पड़ा और उसके हाथ की ओर अपना हाथ बढ़ा दिया।

"कुमारी जी, मैं नहीं जानता कि गत पाँच वर्षो में मेरी तबीयत कभी इससे अधिक अच्छी रही है।" उसने अपने सिर को डोरोथी चेन की ओर थोड़ा-सा मोड़ लिया। "आप जानती हैं ? यह कहना गलत है कि बूढ़े व्यक्ति उत्तेजना को पसन्द नहीं करते। वे उससे प्यार करते हैं। यदि मुझे निश्चित रूप से मालूम हो जाय कि मुझे उतने ही अच्छे साथी मिलेंगे, जितनी अच्छी यहाँ कुमारी चेन हैं, तो मै अपना शेष जीवन इन विमानों में ही व्यतीत कर दूं। आप प्रथम कोरियाई लड़की हैं, जिससे मैं मिला हूँ और आप प्रथम ऐसी लड़की भी हैं, जिन्होंने फ्रैंक ब्रिस्को को बकवास करने का मौका दिया है .... मानो मेरी बातों में उन्हे वास्तविक रुचि हो।"

"मुझे ईर्ष्या हो रही है"—स्पाल्डिंग ने कहा। इस समय उसकी इच्छा हुई कि वह अपने सिर को उसकी गोदी में रख दे और जिस भय को छिपाना अधिकाधिक कठिन होता जा रहा था, उसे चिल्ला कर व्यक्त कर दे। फ्रैंक ब्रिस्को के समीप रहना तूफान के समय किसी विशाल वृक्ष के नीचे रहने के समान था। उसने, ऊपर उसके चेहरे की ओर देखा तथा वहां उसे चिन्ता का लेशमात्र भी दिखायी नहीं दिया, यद्यपि उसकी पीड़ा के चिन्ह उसके मुँह और उसकी आँखों के चारों ओर दिखायी दे रहे थे।

उसने कहा—"मैंने यह निर्णय किया है कि मैं कुमारी चेन के साथ जीवन-रक्षक नौका में रहना सब से अधिक पसन्द करूँगा, किन्तु निश्चय ही . . . वे किसी नौजवान व्यक्ति को अधिक पसन्द करेंगी।"

"मेरे परिवार में एक बहुत-बहुत पुरानी कहावत है।"—डोरोथी चेन ने अपने कोमल, मधुर स्वर में कहा और उसकी ओर देख कर स्पाल्डिंग जान गयी कि वह भी अपने भय को छिपाने के लिए कृत-संकल्प है—"मैं आपके लिए उस कहावत का अनुवाद करने का प्रयत्न करूँगी।" वह हिचकिचायी और फिर अधिक धीरे-धीरे, उचित शब्दों की तलाश करते हुए बोलने लगी—"किसी व्यक्ति का यौवन कभी नहीं मरता . . . जब तक वह उसकी हत्या न कर दे।"

फ्रैंक ब्रिस्को जोर से हँस पड़ा।

"इस अपराध के सम्बन्ध में मै निर्दोष हूँ!"—उसने कहा। फिर, स्पाल्डिंग की ओर देखते हुए उसका चेहरा अधिक गम्भीर हो गया। "वह सब क्या सामान है जो आप लिये हुए हैं?"

"आपकी जीवनरक्षक जैकेट, श्री ब्रिस्को। मैं आपको और कुमारी चेन को उसे इस्तेमाल करने का ढंग बताना चाहती हूँ।" वह जैकेट को उसके सिर पर रखने के लिए बढ़ी। उसने उसे नम्रता, किन्तु दृढ़ता के साथ दूर हटा दिया।

"इससे मेरा कोई सरोकार नहीं है। यदि आप एक औंस से अधिक वजन वाली कोई भी चीज मेरी गरदन मे लपेटेंगी, तो मेरा सिर लुढ़क कर गिर जायगा। मेरी हड्डियाँ केवल मेरी कल्पना द्वारा ही एक साथ बनी हुई है। यदि हम वास्तव में पानी पर उतरे और टकराये, तो मेरे शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे। डाक्टर मुझे 'हम्पटी डम्पटी' कहा करते हैं।"

"किन्तु इसे आपको अवश्य पहनना होगा, श्री ब्रिस्को। आपको इसके प्रयोग की आवश्यकता पड़ सकती है।"

"समुद्र में जल-समाधि मिल जाने से मेरे उत्तराधिकारियों की बहुत अधिक

बचत हो जायगी। आपको कुछ मालूम है? मृतकों को दफ़नाने पर जो अत्यधिक व्यय होता है, उससे मुक्ति पाने का कोई उपाय ढूँढ निकालने का प्रयत्न मैं गत कई वर्षों से कर रहा हूँ। मै नही चाहता कि मेरे परिवारवालों और सम्बन्धियों को एक छः फुट की कब्र के लिए इधर-उधर धक्के खाने पड़ें... और मै किसी ऐसे स्थान पर मरना चाहता हूँ जहाँ उन्हें पहुँचने का, यदि उनमे तनिक भी बुद्धि हो, समय कभी नही मिले। अब हो सकता है कि मेरी इस छोटी-सी समस्या का समाधान हो जाय।"

"आप के मुँह से ऐसे शब्द सुन कर मै बहुत लज्जित हूँ, श्री ब्रिस्को। यदि ऐसी ही बात है तो मै इसे आपको जबरदस्ती पहनाऊँगी।" उसने पुनः जीवन-रक्षक जैकेट को बढ़ाया।

"देखो, सुनो। यदि इससे तुम्हें प्रसन्नता मिलती हो, तो हम समझौता कर लेगे। तुम वहाँ खड़ी होकर स्वयं उस चीज को पहनो और मुझे पुर्जे दिखा दो और मै उनका निरीक्षण करता रहूँगा। मै शर्त लगा कर कहता हूँ कि हमें उनका प्रयोग करने की आवश्यक नही पड़ेगी।"

स्पालिंडग ने साँस ली, किन्तु वह गलियारे में खड़ी हो गयी और बताने लगी कि जीवन-रक्षक जैकेट को किस तरह पहना जाता है। जब वह बताना समाप्त कर चुकी, तब उसने श्री ब्रिस्को की टाई को ढीला कर दिया।

"ऐसा क्यों कर रही हो?"

"इस प्रकार आपको अधिक आरांम मिलेगा, श्री ब्रिस्को। आपको देख कर मुझे लगता है कि आप उस प्रकार के स्वतन्त्र व्यक्तियों में है जो कालर खुली रखते है।"

"तुम्हारा मतलब है– घुमक्कड़?"

"हां। अब आप अपने व्यवहार को सुधारिये। मैं वापस आकर देखूँगी कि आप कुमारी चेन के साथ बढ़िया व्यवहार कर रहे हैं अथवा नहीं।"

"यह मेरे जैसे व्यक्ति के लिए एक कठिन कार्य है, किन्तु मै अधिक से अधिक प्रयत्न करूँगा।"

उनके एक-दूसरे के इतना अधिक निकट होने पर ईर्ष्या करती हुई वह हम्फ्री एगन्यू के पास पहुँची। वह जोस लोकोटा की बगल में अन्तिम पंक्ति की कुर्सियों में से एक कुर्सी पर बैठा हुआ था। जब वह उसके पास पहुँची, तब उसने अवज्ञा के भाव से ऊपर देखा। उसके पतले होंठ इतने कस कर एक-दूसरे से भिंचे हुए थे कि वे प्रायः अदृश्य-से हो गये थे। उसका मुँह एक छोटे-से,

नये-नये लगे घाव के समान दिखायी दे रहा था; उसके लटके हुए चेहरे के बाहर झाकती हुई उसकी जलती हुई आँखो से स्पाल्डिग डर गयी। उसे इस बात से अत्यधिक प्रसन्नता हुई कि जोस उसकी बगल में बैठा हुआ था।

इसके पूर्व कि स्पाल्डिग उसे जीवन-रक्षक जैकेट दे सके, उसने भारी आवाज मे कहा—"कुमारी जी, मै यह जानना चाहता हूँ कि इस विमान और हमारी सुरक्षा के सम्बन्ध में क्या किया जा रहा है। मैं इसके बारे मे सोचता रहा हूँ और मुझे पूरा विश्वास हो गया है कि हम अयोग्य व्यक्तियों के हाथों में पड़ गये हैं। क्या—"

"आप बिल्कुल गल्ती पर हैं, श्री एगन्यू।"—अपने स्वर से क्रोध का भाव दूर रखने की चेष्टा करते हुए स्पाल्डिग ने शीघ्रतापूर्वक उसकी बात को बीच मे ही काट दिया— "श्री रोमन ने आपको प्रत्येक बात बता दी है और शेष यात्री बहुत सन्तुष्ट है— जहाँ तक कप्तान सलीवन और उनके सहयोगियों का सम्बन्ध है, उनका अनुभव—"

"बकवास है। अन्य विमान-कम्पनियों में इस तरह की बात नहीं होती। जाँच से यह बात असन्दिग्ध रूप से प्रमाणित हो जायगी कि जिस समय हमने टिकट खरीदे थे, उस समय यह विमान कूड़े के ढेर में फेंक देने के योग्य हो गया था। मै अपने पैसे वापस चहता हूँ और मैं माँग करता हूँ कि—"

"आप अपना मुँह बन्द क्यों नही रखते?"—जोस ने कहा – "कुछ समय तक के लिए आपको कोई अधिकार नहीं है और यदि आप अपना मुंह बन्द नहीं रखते, तो कोई भी जीवन-रक्षक जैकेट आपको डूबने से नहीं बचा सकेगी; क्योंकि जब तक आप चुप नही हो जायेंगे, तब तक मैं आपके सिर को पानी में डुबाये रखूंगा। अब बताइये कि आप क्या कहने जा रही थीं, कुमारी जी?"

"मैं केवल यह बताना चाहती थी कि जीवन-रक्षक जैकेटों का इस्तेमाल किस प्रकार किया जाता है और यदि हमें पानी पर उतरना पड़ा, तो आपको किस प्रकार टिके रहना चाहिए।"

"मै उन जैकेटों के बारे में जानता हूँ, कुमारी जी। हमारी नौकाओं पर उसी प्रकार के जैकेट होते हैं, किन्तु हमारे इस मित्र को बता दीजिये, यदि आप अब भी सोचती है कि वह इसके लायक है।"

एगन्यू अपनी कुर्सी की पीठ से सट कर बैठ गया। उसका सारा शरीर अकस्मात् कठोर हो गया और वह घूर-घूर कर स्पाल्डिग की ओर देखने लगा, मानो वह ठीक उसके भीतर देख रहा हो। एक क्षण के बाद वह अपनी तम्बाकू

के दाग से पीली हुई अंगुलियों को अपने सीने पर ले गया और अपने हृदय के आस-पास के भाग को अनुमानात्मक रूप से मलने लगा।

"मेरा हृदय.......''—उसने जोर से सांस ली—"प्रत्येक व्यक्ति... प्रत्येक वस्तु......मेरे विरुद्ध है। तुम्हारे कारण दिल का दौरा शुरू हो गया है। तुम मुझ से घृणा करती हो। तुम सभी मुझ से घृणा करते हो, क्योंकि मैंने सही चीज करने का प्रयत्न किया। मेरी पत्नी मुझसे घृणा करती है—"

"उसे कौन दोष दे सकता है?"—जोस ने कहा—"अब क्या तुम इस अच्छी महिला की बातों को सुनोगे?"

"मुझे छुओ मत! जब मेरी हालत इस तरह की होती है, तब मैं नाममात्र के भी श्रम अथवा क्षोभ को सहन नहीं कर सकता!"

"तुम झूठे हो, एगन्यू। जैसा वे कहती हैं, वैसा ही करो। आगे बढ़िये, कुमारी जी......और उसकी ओर कोई ध्यान मत दीजिये।"

"मै आप को एक औषधि दे सकती हूँ, श्री एगन्यू। उससे आपको शांति मिल जायगी।"

"अपने हाथों को मुझ से दूर ही रखो। मैं कहता हूँ कि मुझे अकेला ही छोड़ दो!"

"आप मुझे बहुत परेशान कर रहे हैं, श्री एगन्यू। मैं तो केवल आपकी मदद करने का प्रयत्न कर रही हूँ।"

"कहती जाइये, कुमारी जी। यदि उसने एक अंग भी हिलाया, तो मैं उसका ध्यान रखूंगा।"

उसे छूने से डरती हुई स्पालिंडग नीचे झुकी और सतर्कतापूर्वक उसने जीवन-रक्षक जैकेट को उसके सिर पर रख दिया। जब वह उसे जैकेट का इस्तेमाल करने का तरीका बता रही थी, तब उसका शरीर कठोर बना हुआ था। और वह उसकी ओर देखने से बच रहा था। जब वह अन्त में बताना समाप्त कर चुकी, तब उसने अपने शरीर को थोड़ा-सा शिथिल किया और धीरे-धीरे अपना हाथ घाव के समान दिखायी देने वाले अपने मुंह के पास ले गया।

"मैं इस विमान-कम्पनी का सत्यानाश करके रहूँगा। आप विश्वास कीजिये।"—वह इतने क्रोध के साथ बोला कि थूक के अनेक कण उसके मुँह से निकल कर स्पाडिंग के चेहरे पर पहुँच गये। वह शीघ्र ही सीधी खड़ी हो गयी और, घृणा-पूर्वक, उसने थूक के उन कणों को पोंछ डाला। उसकी इच्छा हुई कि उस व्यक्ति के थप्पड़ मार दे।

"अपने हृदय को याद रखिये, श्री एगन्यू। कानूनी मुकदमे उसके लिए बुरे सिद्ध हो सकते हैं।"

वह जोस की ओर देख कर कृतज्ञतापूर्वक मुस्करा पड़ी और फिर चली गयी। उसका संयम अभी तक बना हुआ था। वह सीधे विमान की अन्तिम कुर्सी के पास पहुँची। उसके आस-पास सारी जगह खाली थी और वह वहाँ बैठ गयी। वह कुछ मिनट तक अकेले रहना चाहती थी। एक सिगरेट पीने से सन्तोष मिलेगा, किन्तु उसने इस विचार का परित्याग कर दिया, जब उसे याद आया कि उसने अपने सिगरेट के पाकेट को उड्डयन-कक्ष मे क्यों छोड़ दिया था। उसने शीशा. . . यदि उसने कांपते हुए शीशे के सम्बन्ध में सलीवन को बता दिया होता, तो यह सारा काण्ड कभी होता ही नही।

उसने केबिन के पिछले भाग में, जिसे वह इतनी अच्छी तरह से जानती थी, अपने चारों ओर देखा। वह अब केवल खाली और भयानक था और उसमें जाने की इच्छा नहीं हो रही थी। जहाँ भोजन की सामग्रियाँ रखने के पटरे लगे हुए थे, वहाँ दीवारों पर चिह्न बन गये थे और बिना कालीन के फर्श पर ध्वंसो के टुकड़े बिखरे हुए थे। जिन कोटों को उसने होनोलुलू मे सावधानी के साथ टांगा था, वे विमान की नयी गति के साथ इधर-उधर लयपूर्वक झूल रहे थे। उसने दो 'मिंक' कोटों को देखा और सोचने लगी कि उनकी स्वामिनियों से ईर्ष्या करना कितना निरर्थक रहा था। वह आश्चर्य करने लगी कि खारे पानी में डूबने पर कोट कैसे दिखायी देंगे और उसके मस्तिष्क में शीघ्र ही एक 'मिंक' कोट पहनी हुई तथा समुद्र में निर्जीव बहती हुई महिला की भयंकर कल्पना उत्पन्न हो गयी।

आगे की ओर का दृश्य अधिक आश्वासनदायक था। जो यात्री अपनी कुर्सियों पर बैठे हुए थे, उनकी कुहनियों और हाथों को वह देख सकती थी और कुछ यात्री, केन चाइल्ड्स, बक-दम्पति तथा श्री जोसेफ अपनी कुर्सियों को छोड़कर पुनः इधर-उधर टहलने लगे थे। केवल यत्र-तत्र दिखायी देने वाले जीवन-रक्षक जैकेटों के पीले रंग से ही इस बात का संकेत मिलता था कि यह उड़ान एक साधारण उड़ान नहीं थी। अनेक सिगरेटों से निकलने वाले धुएँ के कारण पढ़ने की बत्तियों का प्रकाश मन्द पड़ गया था — केवल इंजिनों की आवाज ही ठीक नहीं थी। अब उनमें तात्कालिकता की एक ध्वनि आ गयी थी। इंजिनों से एक निराशापूर्ण, विषम ध्वनि निकल रही थी। इस प्रकार की ध्वनि स्पाल्डिंग ने कभी नहीं सुनी थी। विमान की गति अधिकाधिक

अस्थिर हो गयी थी। इस अनिश्चित गति तथा आवाज के कारण स्पार्लिंडग बीमार-जैसी अनुभव करने लगी।

वह तारों को देखने की इच्छा से आगे खिड़की की ओर झुकी। उसने देखा कि तारे लुप्त हो चुके थे। उनके बदले 'विंग' का किनारे का पतला भाग केवल थोड़ा-थोड़ा दिखायी दे रहा था। 'विंग' के सिरे पर लगी हुई मार्ग-निर्देशक हरी बत्ती निरन्तर नियमितता के साथ जल रही थी। जब-जब वह जलती थी, तब-तब बादल में फूल के समान प्रकाश की एक भयानक और मन को बेचैन कर देने वाली आकृति निर्मित हो जाती थी। स्पार्लिंडग काँप उठी और प्रार्थना करने का विचार करने लगी। यह एक ऐसी बात थी जिसे उसने विमान में पहले कभी नहीं किया था।

उसके मुलायम होठों पर प्रथम शब्द आ ही रहे थे कि उसे एक धीमी आवाज सुनायी दी, जिसके कारण उसकी विचार-धारा में तत्काल परिवर्त्तन हो गया। वह तेजी के साथ अपना हाथ अपने ब्लाउज की जेब में ले गयी और फ्रैंक ब्रिस्को द्वारा दी गयी घड़ी को उसने बाहर निकाला। घड़ी से गजर का अन्तिम शब्द निकल रहा था—तटवर्ती समय के अनुसार दस बजे। उसने घड़ी को अपनी उंगलियों से कोमलतापूर्वक सहलाते हुए अपने हाथ में रख लिया। यह घड़ी एक ऐसे व्यक्ति की थी, जिसने अपमानजनक रूप से आत्म-समर्पण करने से इनकार कर दिया था। फ्रैंक ब्रिस्को मर रहा था और वह इस बात को बहुत दिनों से जानता था। फिर भी, वह तब तक जीने की इच्छा रखता था, जब तक वह जी सकता था, चाहे यह जीना कितना भी पीड़ामय हो।

वह घड़ी को धीरे-धीरे अपने होठों के पास ले गयी और उसे चूम लिया। फिर उसने पुनः उसे जेब में रख दिया। उसने अपनी प्रार्थना को कृतज्ञता-ज्ञापन के रूप में परिणत कर दिया।

जब दिशा-सूचक यंत्र की लाल सुई एकदम से चारों ओर घूम गयी और उन्हें इस बात का संकेत मिल गया कि उन्होंने फारालोन द्वीपसमूह को पार कर लिया है, तब लेफ्टिनेण्ट माउब्रे ने तट-रक्षक विमान, बी—१७, को दो सौ तीस अंश के मार्ग पर बढ़ा दिया और अपने 'इण्टरफोन' के बटन को दबा दिया।

"मैं विमान-चालक पर्यवेक्षकों से बात कर रहा हूँ। तुम लोग लगभग दो घण्टों तक खड़े रह सकते हो। संकट-ग्रस्त विमान तक हमारे पहुँचने में कम से कम इतना समय लग जायगा.....हो सकता है, अधिक भी। जब मैं

फिर तुम्हें सन्देश दूँ, तब पुनः सजग होकर खड़े हो जाओ और अपने पर्यवेक्षण विभाग पर अधिक से अधिक ध्यान दो। इस हवा को देखते हुए ऐसा लगता है कि यह एक बड़ा ही कठिन काम होगा। 'समुद्री सीमा' के कार्यालय से क्या और कोई संदेश है ?" रेडियोमैन ने तुरन्त उन्हें उत्तर दिया—"केवल हवा का विवरण, श्रीमान्, जिसे मैंने आपको बताया।"

"क्या चार दो-सिफर से कोई सन्देश मिला ?"

"उनके पास से एक शब्द भी नहीं आया, श्रीमान्।"

"जब तुम्हें कोई सन्देश सुनायी दे, तब मुझे तुरन्त सूचित करो।"

"अच्छा, श्रीमान्।"

लेफ्टिनेण्ट माउब्रे ने बटन को छोड़ दिया और और अपने दायें ओर सह-विमान-चालक के स्थान पर बैठे हुए कीम की ओर देखा। वह, इस समय, पिलासो से अपने पैण्टो के बकलसों को खोलने का प्रयत्न कर रहा था। उसने अप्रसन्नता के साथ अपना सिर हिलाया; हवा को रोकने वाले शीशों पर वर्षा की बूदों के पड़ने से जो आवाज उत्पन्न हो रही थी, उसमें उसकी आवाज मुश्किल से सुनायी दे रही थी। एक क्षण के लिए कीम ने अपनी ध्यानावस्था भग की और कटुतापूर्ण दृष्टि से रात की ओर देख कर उसका मूल्यांकन किया।

"वे बेचारे लोग। मै सोच रहा हूँ कि यदि उन्हे आज रात को पानी पर उतरना पड़ा, तो उनके बचने की कोई सम्भावना नहीं है। यदि यह बरसात समाप्त नही हुई तो इस बात की भी सम्भावना नही है कि हम उन्हें पा सके।"

१४

'वेस्टर्न सी फ्रण्टियर' के कमांडर का प्रधान कार्यालय सान फ्रांसिस्को में था। वहाँ एक ही कमरे में, जो एक बड़े आकार वाले कार्यालय से, बहुत बड़ा नहीं था, प्रशान्त महासागर स्थित प्रत्येक तटरक्षक, नौसैनिक और व्यापारी पोत तथा प्रशान्त महासागर के ऊपर से हो कर उड़ने वाले प्रत्येक विमान की गतिविधियों और स्थितियों को एक बड़े मानचित्र पर अंकित किया जाता

था। यह मानचित्र एक दीवार पर टंगा हुआ था। जब चार-दो-सिफर नम्बर का विमान सर्वप्रथम होनोलुलू से रवाना हुआ तब एक छोटे अधिकारी ने एक छोटे-से विमान को चार्ट पर लगा दिया और वह प्रत्येक घण्टे के बाद समुद्र-पारीय यातायात नियंत्रण कार्यालय से मिलने वाले परामर्श के अनुसार पूर्व की ओर सरका देता था।

कमरे में अनेक व्यक्ति थे और संकट के सम्बन्ध में प्रथम सन्देश मिलने से पहले उनमें से अधिकांश व्यक्ति काफी पी रहे थे तथा एक पूरी वर्दी के अत्यधिक मूल्य के सम्बन्ध में शिकायत कर रहे थे। काफी के प्याले अब ठण्डे हो गये थे। प्रत्येक व्यक्ति अब टेलिफोन पर बात कर रहा था तथा समुद्र मे स्थित और सान फ्रांसिस्को की खाड़ी में लंगर डाल कर पड़े हुए जहाजों को सतर्क कर रहा था। सान डीगो से सीटिल जाने वाले नौसेना के तीन विध्वंसक पोतों को अपना मार्ग बदल देने तथा पूरी रफ्तार से फारालोन से दो सौ मील दूर एक स्थान पर पहुँचने के लिए आदेश दिया गया। माण्टेरी, सान फ्रांसिस्को और यूरेका मे स्थित तट-रक्षक 'पिकेट' नौकाओं को भी उसी क्षेत्र में भेज दिया गया। हैमिल्टन फील्ड-स्थित सैनिक आकाश-सागर सहायता दल को अनुरोध-पूर्वक परामर्श दिया गया कि यदि उसे कोई आपत्ति न हो, तो वह खोज करने वाले कुछ अतिरिक्त विमान दे सकता है। चार्ट में उक्त क्षेत्र के निकट दिखाये गये एक यूनानी माल-वाहक पोत और एक डेनिश माल-वाहक पोत से काफी गड़बड़ी के बाद तटरक्षक विभाग के रेडियो स्टेशन 'नैन माइक चार्ली' के जरिये सम्पर्क स्थापित किया गया और उनसे आदेश के लिए प्रतीक्षा करने के लिए कहा गया। उसी स्टेशन से उस क्षेत्र के आसपास के समस्त मछली-मार जहाजों के पास एक सामान्य आह्वान भेजा गया कि वे एक संकट-ग्रस्त विमान की खोज में रहें और उन्हें जो कुछ भी पता चले, उसकी सूचना 'नैन माइक चार्ली' को दे दें। इस आह्वान की प्राप्ति की कोई सूचना नही प्राप्त हुई और यह ख्याल किया गया कि प्रचण्ड वायु और विक्षुब्ध सागर के कारण सभी मछलीमार पोत भाग कर बन्दरगाह में पहुँच गये होंगे। 'चटाऊकुआ' नामक पोत को, जो मामूली मरम्मत के लिए सान फ्रांसिस्को में रुका हुआ था, तत्काल 'गोल्डेन गेट' से होकर जाने का आदेश दिया गया। याकोहामा से आने वाले एक जापानी तेल-वाहक पोत तथा एस्टोरिया से दक्षिण की दिशा में जाने वाली एक बड़ी नौका को सूचित किया गया कि चार-दो-सिफर नम्बर का विमान उनके ऊपर से हो कर गुजर सकता है। उनसे यथाशक्ति सहायता प्रदान करने का

अनुरोध किया गया।

एक घण्टे के भीतर ही इक्कीस जल-पोतों को सतर्क कर दिया गया और वे या तो तैयार खड़े थे या चार-दो-सिफर नम्बर के विमान द्वारा अपनाये गये मार्ग की दिशा में पहले ही रवाना हो चुके थे। 'ग्रेशेम' नामक तट-रक्षक पोत को भी, जो बहुत पश्चिम में था, सागर-केन्द्र 'अकिल' को छोड़कर सान फ्रांसिस्को की दिशा में पूरी रफ्तार से बढ़ने का आदेश दिया गया।

जब दबाव कम हो गया और संकट की सूचना देने वाला बोर्ड एक बार पुनः ठीक स्थिति में हो गया, तब एक छोटे अधिकारी ने कहा—"कर-दाताओं पर इसका बहुत अधिक भार पड़ेगा।"

उसका सफेद बालों वाला बड़ा अधिकारी, जिसने अभी-अभी दो मार्टिन मेरिनर समुद्री विमानों तथा एक हेलिकोप्टर विमान को तीन मिनट तक तैयार रहने का आदेश दिया था और जिसे अन्त में एफ. सी. सी. दिशा-सूचक केन्द्रों से अपने प्राथमिकता वाले सन्देशों के प्राप्त होने की सूचना मिल गयी थी, मजाक की मनःस्थिति में नहीं था।

उसने क्रोध के स्वर में कहा—"तुम क्या चाहते हो कि वे तैर कर घर पहुँचें?"

'क्रिस्टोबल ट्रेडर' पर मैनुअल अबोईतिज तल्लीन हो कर सांड़ों से लड़ने वाले एक ऐसे व्यक्ति के सम्बन्ध में विचार कर रहा था जिसे उसने एक बार ग्वाडालाजारा मे देखा था। वह सोचने लगा कि किस प्रकार सांड़ से युद्ध करने वाला व्यक्ति थोड़े से शानदार क्षणों के लिए, जब वह एक विशेषरूप से हिंस्र सांड़ के साथ युद्ध कर रहा था, अमरत्व के निकट पहुँच गया था। और अकस्मात्, एक भीषण संघर्ष के बीच, सांड़ ने फूलों का एक गुच्छा 'रिंग' के भीतर फेंका जाता हुआ देखा। अपने घावों को भूल कर सांड़ अपने साथ युद्ध करने वाले व्यक्ति में तात्कालिक रुचि को खो बैठा और सन्तोष-पूर्वक फूलों को मसलने लगा। उसे ऐसा करने से रोकने के लिए अनेक प्रयास किये गये, किन्तु कोई भी प्रयास सफल नहीं हुआ। मैनुअल ने सोचा कि सांड़ और सांड़ से युद्ध करने वाला व्यक्ति भी, सम्भवतः अभी तक जीवित थे; किन्तु दोनो को 'रिंग' से भेंडों की भाँति हटा दिया गया था। वे एक चरम उत्कर्ष तक पहुँच गये थे, भाग्य-निर्णायक कार्य की मदिरा का रसास्वादन कर चुके थे और अन्तिम क्षण में उन्होंने अपने को अयोग्य सिद्ध कर दिया था।

मैनुअल को विश्वास था कि वह जानता था कि जब सांड़ से युद्ध करने वाले व्यक्ति को पुनः विस्मत कर दिया गया, तब उसे कैसा लगा होगा, क्योंकि

अब तटीय केन्द्रों और एक संकट-ग्रस्त विमान के साथ स्वयं उसका सन्देशों का आदान-प्रदान समाप्त हो गया था। चार-दो-सिफर नम्बर के विमान ने सान फ्रांसिस्को के साथ प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित कर लिया था और मैनुअल को उपेक्षा-भाव से दूर हटा दिया गया था – उसने सोचा कि उसे पीछे खड़े रहने तथा एक मौन दर्शक बने रहने के लिए विस्मृत कर दिया गया है। वह उनके सन्देशों को अभी तक सुन सकता था, यद्यपि उसे एक दर्शक मात्र बने रहना रुचिकर नहीं लगता था और कार्य-केन्द्र अब बहुत अधिक पूर्व की ओर चला गया था।

"चार-दो-सिफर से सान फ्रांसिस्को। स्थिति का विवरण।"

"आगे बढ़ो.... चार-दो-सिफर।"

"दस बज कर सैंतीस मिनट पर हम १३३ अंश पश्चिम और पैंतीस अंश पचास मिनट उत्तर थे.... मार्ग ४७ अंश चुम्बकीय। हमारी ऊँचाई ढाई हजार फुट.... विमान की संकेतिक गति एक सौ चौंतीस मील प्रति घण्टा। हमारी गणना की हुई स्थलीय गति केवल एक सौ तेरह 'नाट' है। कृपया सान-फ्रांसिस्को से एक सौ तैंतीस अश पर हवा के सम्बन्ध मे नवीनतम भविष्यवाणी की सूचना दीजिये। समुद्र की स्थिति तथा बीच में मिलने वाले विमानों की प्रगति के सम्बन्ध में भी सूचना दीजिये।"

"राजर। रुके रहें, चार-दो-सिफ़र।"

लाउड स्पीकर पर आनेवाली धीमी आवाज को सुनते हुए मैनुअल अपने सीने पर के बाल नोचने लगा तथा सांड़ के साथ युद्ध करने वाले व्यक्ति के सम्बन्ध में और अधिक विचार करने लगा। उसने सोचा कि यह एक दुख की बात है कि अब वह कुछ नहीं कर सकता। उसने मन ही मन कहा, विदा, मित्रो ! एक दिन मैनुअल अबोईतिज इस जंग लगे हुए जहाज को छोड़ कर आकाश में तुमसे पुनः मिलेगा।

"सान फ्रांसिस्को से चार-दो-सिफर। हवा के सम्बन्ध में सूचनाएँ लिखने के लिए तैयार हो जाओ।"

"राजर।"

"एक सौ तैंतीस से एक सौ तीस तक पश्चिम... उत्तर में तीस 'नाट' की गति। एक सौ तीस से एक सौ छब्बीस देशान्तर पश्चिम तक... उत्तर पश्चिम में चौंतीस नाट की गति। एक सौ छब्बीस देशान्तर पश्चिम से सान फ्रांसिस्को तक......पश्चिम उत्तर-पश्चिम में गति अड़तालीस 'नाट' । समुद्र की

स्थिति का विवरण निम्नलिखित है....हल्की से लेकर जोरदार उत्तर-पश्चिमी लहरें.... "

"कहते जाइये।"

"पानी का तापमान, अनुमानतः बयालीस अंश। तट -रक्षक विभाग की सूचना है कि बी–१७ विमान आप से लगभग बारह बज कर चालीस मिनट पर मिलेगा। उनका अनुरोध है कि उस समय के बाद आप प्रत्येक नब्बे सेकण्ड पर सभी बत्तियों को जलाते रहिये और आग वाले 'पायरोटेकनिकों' का प्रदर्शन करते रहिये। क्या आपने सारी बातों को सुना ?"

"हाँ, सान फ्रांसिस्को। आप की आवाज स्पष्ट और जोर के साथ सुनायी दे रही है। धन्यवाद।"

"वेस्टर्न सी फ्रण्टियर के कमान्डर पूछ रहे हैं कि क्या आप पानी पर उतरने का विचार कर रहे हैं और यदि ऐसी बात है तो पानी पर उतरने के ठीक-ठीक स्थान के सम्बन्ध मे सूचना दीजिये।"

"रुके रहो, सान फ्रांसिस्को।"

मैनुअल अबोईतिज कुछ समय तक अपनी ढुड्ढी के बालों को मलता रहा और फिर सीने के बालों को नोचने लगा। यह एक ऐसा समय था जब 'क्रिस्टोबल ट्रेडर' को अपने आप को तेज करना चाहिए उसे लहरों के ऊपर तीव्र गर्जना करते हुए ठीक समय पर विमान के पानी पर उतरने के स्थान पर पहुँच जाना चाहिए और बचे हुए व्यक्तियों को लहरों में से निकाल लेना चाहिए। तब मैनुअल अबोईतिज अपने सम्बन्ध में समाचार-पत्रों में पढ़ सकता है।

"हम चार-दो-सिफर से बात कर रहे हैं, सान फ्रासिस्को।"

"आगे बढ़ो।"

"सी फ्रण्टियर को सूचित कर दीजिये कि हवा की नयी स्थिति के कारण हम सान फ्रांसिस्को में उतरने मे समर्थ हो सकते है। निर्णय डेढ़ बजे किया जायगा। यदि हवा-सम्बन्धी सूचना ठीक नहीं हुई तो हम तट से लगभग दो सौ मील की दूरी पर पानी पर उतरेंगे। समाप्त।"

"राजर, चार-दो-सिफर।"

अब मौन था। मैनुअल की अंगुलियाँ रुक गयीं और उसकी आँखें दीवार पर लगी हुई घड़ी को देखने के लिए ऊपर की ओर उठ गयीं। एक बजकर तीस मिनट........केवल दो घण्टे और रह गये है। इन दो घण्टों में अनेक घटनाएँ घटित हो सकती हैं। फिर भी, जब हवा का विवरण प्राप्त हुआ तब

तीन बातें कह रहे थे। विमान की गति और बादल की बिजली के संयोग से उत्पन्न होने वाली आग सुन्दर थी, वह हानिप्रद नही थी तथा वे उसे पसन्द नही करते थे। गहराई में चलने की अपनी भावना की पुष्टि करने के लिए उन्हे उच्चतामापक यंत्र की ओर देखने की आवश्यकता नहीं पड़ी। ऊँचाई पर, सामान्यत, एक प्रकार की जो शुष्कता विद्यमान रहती है, वह समाप्त हो गयी थी। बुरी तरह से लपेटी गयी पतझड़ की सूखी पत्तियों के स्वाद के बदले पुनः सिगरेटों का वास्तविक स्वाद मिलने लगा। आक्सीजन के अभाव के कारण सात हजार फुट से अधिक की ऊँचाई पर सदा जो आंशिक आलस्य परिलक्षित होता है, उसका स्थान उड्डयन-कक्ष में इधर-उधर घूमते रहने की एक अस्वाभाविक इच्छा ने ले लिया था। इस ऊँचाई पर वे एक-दूसरे की आवाजों को कुछ अधिक अच्छी तरह से सुन सकते थे, किन्तु वे उस परिचित और सुखदायक भावना से वंचित हो गये थे, जो ऊँचाई पर होती है और वे अपने समस्त शरीर में इस भावना का अनुभव करने लगे कि रात्रिकालीन वायुमंडल में उनकी नियमित निजी स्थिति तथा उनके विमान की स्थिति पर भारी प्रहार किया गया है। वे किसी भी पुरस्कार के लोभ से, यहाँ तक कि अपनी सुरक्षा की गारण्टी प्राप्त होने पर भी, एक-दूसरे के समक्ष अपनी भावना का स्पष्टीकरण नहीं कर सकते थे। यह एक एकाकी अनुभव था और बड़ी विचित्र बात यह थी कि जब वे अधिकाधिक एक साथ रहना चाहते थे, तब यह अनुभव उन्हें एक-दूसरे से पृथक् रखने का कार्य कर रहा था। यद्यपि वे एक दूसरे की ओर देख सकते थे, फिर भी वे अकेले थे। वे एक ऐसे परिवार के सदस्यों के समान थे, जो किसी ऐसे निन्दनीय प्रकरण से बुरी तरह से संत्रस्त हो, जिसका उल्लेख नहीं किया जा सकता हो। नम्बर एक इंजिन तथा उनके भविष्य पर उसके प्रभाव के सम्बन्ध में प्रत्येक व्यक्ति का अपना-अपना निजी मत था, फिर भी वे एक-दूसरे से इस सम्बन्ध में बात नहीं कर रहे थे। वे असाधारण गम्भीरता के साथ बोलते थे और बड़ी सतर्कता के साथ अपने शब्दो का चुनाव करते थे, जिससे वे अपनी निराशा को व्यक्त न कर दें।

उनके व्यवहार और चेहरों में वाह्य परिवर्त्तन हो गये थे। ये परिवर्त्तन कम ऊँचाई, उनकी नव-संयमित चिन्ताओं और समय के कारण उत्पन्न हुए थे। लियोनार्ड एक वृद्ध व्यक्ति बन गया था और अनिश्चित रूप से इधर-उधर घूम रहा था। उसका इस प्रकार घूमना किसी रविवार को तीसरे पहर किसी उद्यान में गप-शप के लिए अधिक उपयुक्त था। इस ऊँचाई पर गर्मी

अधिक बढ़ गयी थी, सांस घुटने लगी थी। वह इंजिनों की आवाज के ऊपर भी अपने सॉस लेने की आवाज को सुन सकता था। उसके गले के गड्ढे में पसीना दिखायी देने लगा था तथा उसकी कमीज के कालरों के सिरे ऊपर उठ गये थे। उसकी पेटी उसकी तोंद से नीचे सरक गयी थी और उसकी सिकुड़ी हुई कमीज उसके ऊपर तब तक लटकी रही, जब तक उसका दिखायी देना बन्द नहीं हो गया। उसके चेहरे पर उसकी दाढ़ी के शुद्ध सफेद बाल तेजी के साथ निकल आये थे और उसके पेट में गड़बड़ी पैदा हो गयी थी, जिसके कारण वह अक्सर डकारें ले रहा था। पेट की इस गड़बड़ी के लिए वह उस सैण्डविच को दोषी ठहरा रहा था, जिसे उसने बहुत पहले खाया था।

उड्डयन-कक्ष मे बैठे हुए व्यक्तियो मे से सबसे कम प्रभावित हाबी था, यद्यपि उसके बारीकी से संवारे गये बाल अस्त-व्यस्त हो गये थे और उसकी टाई, जिसे उसने बड़ी सावधानी से एक बड़ी गांठ के रूप में बांधा था, अब ढीली हो गयी थी। रेडियो पर बात करने तथा सलीवन के सदेशों को ठीक-ठीक दोह-राने के कार्य मे व्यस्त रहने के कारण, कम से कम, हाबी अधिक सुरक्षित संसार के साथ सम्पर्क स्थापित किये हुए था और अपने 'ईयरफोनों' से सुनायी देने वाली आवाजों के जरिये वह कुछ सुरक्षा का अनुभव कर रहा था।

सलीवन सबसे अधिक एकाकीपन का अनुभव कर रहा था, हालांकि जब से उसने विमान के वास्तविक उड्डयन का कार्य डैन को सौंप दिया था, तब से उसने निर्लिप्तता का एक भाव ग्रहण कर लिया था। उसे आशा थी कि निर्लिप्तता के इस भाव से उसके संकल्प मे होने वाले उग्र परिवर्त्तन छिप जायँगे। वह अपनी रक्तिम ऑखों को बार-बार मलता था क्योंकि वे बहुत थक गयी थीं। उसकी गरदन कड़ी हो गयी थी और दर्द कर रही थी और वह उसे आराम पहुँचाने के प्रयत्न मे समय-समय पर अपने सिर को इधर-उधर घुमाता रहता था। वह जानता था कि दबाव अभी प्रारम्भ ही हुआ है, उसे शीघ्र ही अनेक तात्कालिक निर्णय करने पड़ेंगे, जिनमे से कोई भी निर्णय जीवन और मृत्यु का परिचायक हो सकता था और फिर भी, इस निश्चित ज्ञान के बावजूद, वह मस्तिष्क को अव्यवस्था से पूर्णतया मुक्त नहीं कर सका। वह स्पष्ट रूप से विचार करना चाहता था, वह जानता था कि उसे अवश्य ही स्पष्ट रूप से विचार करना चाहिए—और फिर भी उसके मस्तिष्क में भय का जो प्रचण्ड साँप प्रविष्ट हो गया था उसे वह मार नहीं पा रहा था। यह भय उसके विचारों को निचोड़े डाल रहा था, यह वही भय था, जिसे उसने अभी तक सफलता-

पूर्वक नियंत्रण के अन्तर्गत रखा था। यदि यह भय अभी विजयी हो गया, उसे उसकी शक्ति के समाप्त हो जाने तक ग्रसित किये रहा, तो सब कुछ समाप्त हो जायगा। उसे अनेक बातों पर अत्यन्त सन्तुलित विचार करना था, उन्हें तौलना था और इस बात का निश्चय करना था कि उसका अन्तिम निष्कर्ष बिल्कुल ठीक था। इसके अतिरिक्त उसे अपने विमान से कई मील आगे की बात सोचनी चाहिए।

सान फ्रांसिस्को से हवा के सम्बन्ध मे जो नयी सूचना प्राप्त हुई थी, उससे वे सभी कुछ क्षणों तक आशापूर्वक अनुमान लगाने लगे थे। वह तो आनन्दित हो ही गया था। उसके अतिरिक्त लियोनार्ड ने हवा के विवरण की तुलना ईंधन के व्यय के सम्बन्ध में अपने नये ग्राफ से की और तुरन्त इस बात का पता लगा लिया कि यदि हवा का विवरण बिल्कुल ठीक प्रमाणित हुआ, तो पृथ्वी के धरातल पर उनके विमान की भावी गति क्या होगी। तत्पश्चात् उसने घोषित किया कि सान फ्रांसिस्को तक पहुँच जाना सम्भव है।

उसने चिल्ला कर कहा—"कप्तान, ईंधन की टंकियाँ सूखने के निकट पहुँच गयी होंगी। हो सकता है कि बीस-तीस गैलन ईंधन ही बाकी बचा हो, हो सकता है कि इससे भी कम; किन्तु यदि हवा के सम्बन्ध में जो सूचना प्राप्त हुई है, वह ठीक है, तो हम सान फ्रांसिस्को तक पहुँच सकते है!"

यदि सच है, तो यह बड़े ही चमत्कार की बात है; किन्तु यदि हवा भविष्य-वाणी के अनुसार न हुई, तो क्या होगा? भविष्यवाणी तो कार्यालय के एक गर्म, स्थिर कमरे मे ऐसे व्यक्तियों द्वारा की गयी थी, जो प्रकृति के रूप के सम्बन्ध मे अपना अनुमान बताने के बाद आज रात को अपनी-अपनी पत्नियों के पास घर चले जायेंगे। उनकी गणना के अनुसार भी सान फ्रांसिस्को विमान-स्थल पर सुरक्षित रूप से पहुँच जाने और सान फ्रांसिस्को न पहुँचने के बीच सम्भवतः केवल पांच मिनट का ही अन्तर था। यह अन्तर बहुत अधिक नही था। अन्तिम पन्द्रह या बीस मिनटों मे, दूर तक निम्न शक्ति द्वारा धीरे-धीरे उड़ने का सुअवसर, जब इंजिन कम से कम ईंधन की खपत करेंगे, बहुत पहले समाप्त हो गया था। पचीस सौ फुट की ऊँचाई से तो काम नहीं चल सकता क्योंकि इतनी ऊँची तो सान फ्रांसिस्को के आस-पास की पहाड़ियाँ ही हैं—वास्तव में इतनी कम ऊँचाई पर उड़ना गैर कानूनी भी था, किन्तु पहाड़ियों से यदि वास्तव में बचा जा सकता था, तो यह कानून की चिन्ता करने का समय नहीं था। समुद्र की ओर से जाने पर यह सम्भव हो सकता था, बशर्ते अन्तिम

मिनटों मे उड़ान के समय अधिक से अधिक सावधानी से काम लिया जाय।

और वे अन्तिम मिनट एक दूसरी ही चीज होंगे। सान फ्रांसिस्को विमान-स्थल पर मौसम बिल्कुल ही अनुकूल नहीं था। सामान्य परिस्थितियों के अन्तर्गत भी सुरक्षित रूप से उतरना सदा एक कठिन कार्य था, किन्तु एक इंजिन के बेकार हो जाने, विमान की गति में कमी हो जाने तथा नीचे उतरने के समय अन्तिम कुछ घण्टों में ईंधन की टंकी के सूख जाने पर सुरक्षित रूप से उतरना वास्तव में एक भयंकर कार्य था। और यदि टंकियाँ वास्तव में सूख गयीं, तो प्रतीक्षा करने और उनके न सूखने की आशा करने का दण्ड तत्काल मिल जायगा। ईंधन के बिल्कुल न रह जाने पर भारी विमान की गति एक एक्सप्रेस ट्रेन की गति के समान हो जायगी। उसे प्रत्येक बात को उड्डयन के नियमों पर छोड़कर विमान को प्राय: सीधे नीचे लाना होगा, और उतरने का क्षेत्र पहाड़ियाँ, नगर की गलियाँ अथवा अधिक से अधिक पुलों और द्वीपों से भरी हुई कोई खाड़ी होगी। सलीवन ने विचार किया कि ऊँचाई कम होने तथा दृष्टि-क्षमता के सीमित होने पर दुर्घटना को बचाने की सम्भावनाएँ पांच सौ मे से केवल एक रह जायँगी।

दूसरा विकल्प तनिक भी आकर्षक नहीं था और चूकि उसकी अधिकांश कठिनाइयों से वैमानिक परिचित नहीं थे, इसलिए उसको चुनना दयनीय प्रतीत होता था। कोई व्यक्ति इस बात का अनुमान भी नही लगा सकता था कि चार-दो-सिफर नम्बर का विमान अन्त में किस प्रकार पानी पर उतरेगा। किसी पंख का सिरा किसी लहर के शिखर से टकरा सकता है और विमान दो सेकण्डों के भीतर ही उलट सकता है। हो सकता ह कि विमान किसी लहर के ऊपरी भाग से टकरा जाय और लुढ़कता हुआ सीधे दूसरी लहर में चला जाय। एक बार पानी पर उतरने का निर्णय कर लेने पर उससे पीछे नहीं हटा जा सकता था। फिर भी, सान फ्रांसिस्को मे अन्तिम क्षण में उतरने का प्रयत्न करने की अपेक्षा पानी पर उतरने में एक अमूल्य लाभ होगा। पानी पर उतरने की तैयारी हर दृष्टि से सावधानीपूर्वक की जा सकती है। उसके लिए काफी समय रहेगा और विमान को पूर्ण नियंत्रण में रखते हुए पानी पर सजग हो कर पहुँचा जा सकता है, क्योंकि तीनों इंजिनों को शक्ति प्रदान करने के लिए अब भी काफी ईंधन बचा रहेगा। सलीवन विमान को रोके रह सकता है और इंजिनों की सहायता से सौ मील प्रति घण्टा की मन्द गति से पानी पर उतर सकता है। यदि आधी कुशलता के साथ भी उतरा जा सका और यदि जलपोतों ने तत्परता

से काम लिया, तो कम से कम थोड़े से व्यक्तियों के जीवित बच रहने की सम्भावना थी। अब दो घण्टे से भी कम समय रह गया था।

"लियोनार्ड। हवा का क्या हाल है।" सलीवन ने यह बात यथाशक्ति अधिक से अधिक लापरवाही के साथ पूछी, क्योंकि वह अपने 'नेविगेटर' पर दबाव नहीं डालना चाहता था।

"अच्छी है, कप्तान। हम पहुँच जायँगे। मै जानता हूँ कि हम पहुँच जायँगे।"

भय का जो साँप उसके साहस को खाये जा रहा था, उसे भूलने का प्रयत्न करते हुए सलीवन लियोनार्ड के ऊपर झुक गया और उसकी संख्याओं पर ध्यान केन्द्रित करने का प्रयत्न करने लगा।

"तुम कैसे जानते हो?"

"मैंने अभी-अभी इस राडार-यंत्र से पर्यवेक्षण किया था। देखिये...?" उसने अपने इस्पात के विभाजकों को अलग किया और उन्हें एक लाल क्रॉस तथा सान फ्रांसिस्को विमान-स्थल के बीच फैला दिया। "गत एक घण्टे के भीतर हमने चार मिनट की बचत की है, कप्तान। हमारे वहाँ पहुँचने के समय तक टंकियाँ सूख गयी होंगी, किन्तु उसके थोड़े ही समय बाद मै 'बीयर' में डूब जाऊँगा। आज रात को मै थोड़ी सी व्हिस्की से जी अच्छा कर सकूगा।"

चार मिनट। चार बेचारे मिनट। इतना समय तो विमान स्थल का एक ही चक्कर लगाने में व्यतीत हो जायगा। लियोनार्ड अपनी स्थिति के सम्बन्ध मे सरलतापूर्वक इतनी गलती कर सकता था। हवा में नाममात्र का भी परिवर्त्तन होने के कारण, उनकी उग्रता में वृद्धि होने के कारण, यहाँ तक कि बहुत जोरदार वर्षा होने के कारण भी चार मिनट के लिए उनकी गति अवरुद्ध हो सकती है।

"हमें अपनी स्थिति को और अच्छी बनाना ही होगा।"

"यदि हम अगले घण्टे में और चार मिनट बचा सके...तो कुल आठ मिनटों की बचत हो जायगी।"

"तुम कल्पना कर रहे हो या गणना कर रहे हो?"

लियोनार्ड ने अपने हाथों की उंगलियों को झुकाया और उनकी ओर देखने लगा। फिर वह बोला— "मेरा.....मेरा अनुमान है कि मै कल्पना कर रहा हूँ।"

"बन्द करो इस कल्पना को। हम कल्पना का आनन्द लेने की स्थिति में नहीं हैं।"

"आप क्या करने जा रहे हैं, कप्तान ?"

"मैं अभी तक नहीं जानता।"

"क्या आप चाहते हैं कि मैं अपनी जीवन-रक्षक नौका को तथा दूसरी चीज को तैयार रखूं ?"

"नही। विमान-मार्ग-निर्देशन के अपने काम में लगे रहो। जब समय आयेगा, तब हम उसको देख लेंगे। फिर भी, अपने संकेतों को तैयार रखो। लगभग एक घंण्टे मे हमें बीच मे मिलनेवाले विमान के लिए उनकी आवश्यकता पड़ेगी।"

"क्या आप कुछ धूम्र-संकेत-चिह्न भी चाहते है ? यदि हमें पानी पर उतरना पड़ा, तो आपको हवा के सम्बन्ध मे निर्णय करने मे उनसे सहायता मिल सकती है।"

"यदि तुम्हारी इच्छा है, तो कुछ धूम्र-संकेत चिह्न भी छोड़ दो।" सलीवन ने अपने कन्धे हिलाये। "मैंने अभी तक कोई ऐसा धूम्र-संकेत नहीं देखा है, जो उपयोगी सिद्ध हुआ हो।"

वायु की निरन्तर अनियमितता डैन को परेशान कर रही थी। यद्यपि वह इसके कारण को समझता था और उसका विश्वास था कि ज्यों-ज्यों कैलिफोर्निया-तट के निकट पहुँचते जायँगे त्यो-त्यों इसमे धीरे-धीरे वृद्धि होती जायगी, फिर भी वह अपनी परेशानियों को वश में रखने मे असमर्थ था, जिससे विमान ऐसे ढंग से उड़ सके, जिससे उसे प्रसन्नता प्राप्त हो सके। वह बहुत-बहुत समय पहले, जब वह 'साउथ अमेरिका' कम्पनी मे था, यंत्रों की सहायता से उड़ा था। क्या इस बात को तीन या चार वर्ष हो गये ? किसी समय जो चीज छोटे बिमानों मे एक पटुता समझी जाती थी, वह अब एक ऐसी पटुता बन गयी थी, जो महान् भार के कारण जटिल हो गयी थी।

और डैन ने सोचा कि भार अर्थ से भरा हुआ है क्योंकि उस भार मे केवल परिष्कृत इस्पात और ईधन ही नहीं, बल्कि उससे भी अधिक चीजें सम्मिलित थीं। उसके पीछे खजाना था; तट पर प्रतीक्षा में खड़े किसी अपरिचित व्यक्ति का खजाना। वे चेहरे उतने ही प्रिय थे, जितने प्रिय किसी समय एलिस और टोनी के चेहरे थे। जमीन पर दृढता के साथ खड़े होकर तथा साथी वैमानिकों के साथ लापरवाही से बातचीत करते हुए बूढे विमान-चालक के इस कथन को दोहराना बिल्कुल आसान था कि मैं विमान के अगलें भाग मे हूँ और यदि मेरा गधा वहॉ पहुँच जाय, तो वे भी वहाँ पहुँच जायँगे, अतः यात्रियों के बारे में दोबारा क्यों सोचा जाय, किन्तु जो विमान-चालक अपने उत्तरदायित्व

को कम करने के लिए उस वाक्यांश पर भरोसा रखते थे, उन्हे किसी एलिस अथवा टोनी से हाथ नही धोना पड़ा था और न उन्होने कभी केबिन में आशा के साथ प्रतीक्षा करने वाले चेहरो के समान चेहरे ही देखे थे। अब वे चेहरे डैन को एक-एक करके और कभी-कभी सामूहिक रूप से दिखायी देने लगे और ऐसा प्रतीत होता था कि वे चेहरे यन्त्रों की गहराइयों से उसकी ओर अनुरोध-पूर्वक देख रहे हैं। वह वहाँ गोरी लड़की और उसका पति थे, वह सफेद चेहरे वाली और काले बालो वाली लड़की थी तथा वह बड़े आकार वाला आदमी था, जो प्रत्यक्षत: अपने आप को संकट मे फँसा हुआ अनुभव कर रहा था, वहाँ वह बीमार-सा दिखायी देने वाला व्यक्ति था, जिसकी आँखो में उत्साह की चमक थी और वह औरत थी, जिसका रोना बन्द ही नही हो रहा था; वहाँ वह गम्भीर स्वभाव वाली पूर्वीय लड़की थी, वह एक शराबी व्यक्ति था, जो इतना अधिक भ्रान्त था कि उसको किसी बात की चिन्ता ही नही थी तथा वहाँ एक पुराना परिचित चेहरा भी था, जिसे देख कर उस समय की स्मृतियाँ हरी हो उठती थीं, जब एलिस जीवित थी और टोनी जीवित था।

अपनी उड़ान मे आधा घण्टे तक सारा ध्यान लगाने के बाद डैन को पता चला कि विमान चलाने की उसकी कुशलता सदा के लिए समाप्त नही हो गयी थी। धीरे-धीरे उसके यंत्र आसानी के साथ काम करने लगे, उसे सुधार करने की आवश्यकता अपेक्षाकृत कम पड़ने लगी– उच्चतामापक यंत्र और 'गायरो कम्पास' ठीक से काम करने लगे। वह जानता था कि हवा की अनियमितता और उग्रता के बावजूद विमान अधिक से अधिक अच्छी तरह से काम कर रहा था और वह अन्य बातों के सम्बन्ध मे सोच सकता था। वह अनिच्छापूर्वक इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि केबिन में बैठे हुए व्यक्तियों को अनुचित रूप से दण्ड दिया गया है। उनका एकमात्र अपराध यह था कि उन्होने एक टिकट खरीदा था, फिर भी टिकट खरीद कर उन्होंने अपने जीवन को बिना किसी आपत्ति के एक ऐसे व्यक्ति के हाथों में दे दिया था, जिसे उन्होंने कभी नही देखा था। उन्हें इस बात का पता कैसे हो सकता था कि सलीवन एक अच्छा, अत्यन्त कुशल और अत्यन्त ईमानदार आदमी है, किन्तु वे कैसे जान सकते थे कि वह ऐसे बुरे समय पर फँस गया था, जब अरक्षा का प्रतिरोध करने की उसकी स्वाभाविक भावना अपने निम्नतम् बिन्दु पर थी? सलीवन उस घुड़सवार के समान था, जिसने बहुत दिनों तक कठिन से कठिन कुदानों को बिना घायल हुए पार किया था और तत्पश्चात् एक दिन वह घुड़दौड के मार्ग को एक भिन्न

ही दृष्टि से देखने लगा – और अचानक यह अनुभव करने लगा कि वह घायल हो जायगा। यह स्थिति बीत जायगी। जो व्यक्ति वास्तव में जानता है कि वह क्या कर रहा है, अन्त में उसका आत्म-विश्वास उसे पुनः प्राप्त हो जाता है। और संशय-काल के लिए वह एक अधिक अच्छा व्यक्ति था क्योंकि वह अपनी स्थिरता पर शौर्य-प्रदर्शन के बदले तर्क द्वारा विजय प्राप्त करता था।

किन्तु अब सलीवन के लिए अपने साहस को पुनः प्राप्त करने और उसके दूसरे पहलू की ओर देखने का समय नहीं रह गया था। उसके साहस को उसका कवच होना चाहिए, किन्तु वह पहले ही भंग हो चुका था और प्रत्येक नये प्रहार से वह और अधिक भंग होता जा रहा था।

इस बात मे सन्देह ही था कि विमान के अन्य कर्मचारियों ने अपने कप्तान के साहस को चकनाचूर होते देखा था। हाबी अत्यधिक व्यस्त था और उससे बहुत अधिक डरता था। लियोनार्ड स्वयं भय से घिरा हुआ था। सलीवन के स्वर में जो परिवर्त्तन हो गया था, उसे उन्होंने नहीं लक्ष्य किया था, उन्होने इस बात को लक्ष्य नही किया था कि किस प्रकार उसका स्वर उसके सीने की गहराइयों से, थक कर रेंगता हुआ निकलता प्रतीत होता था। न उन्होंने उसकी आँखों की ओर देखा था, जो छिपे-छिपे एक यंत्र से दूसरे यंत्र पर दौड़ रही थी और किसी भी यंत्र से कुछ भी ग्रहण नही कर रही थीं। जब उसने अपना स्थान डैन को दिया था, उसके पूर्व उसकी उड़ान एक दुखद प्रदर्शन के रूप में परिणत हो चुकी थी। वह कभी विमान को दो सौ फुट अधिक ऊँचाई पर ले जाता था और कभी दो सौ फुट कम ऊँचाई पर लाता था तथा कभी-कभी उसके मार्ग में दस अंश तक का अन्तर आ जाता था। ये समय को बरबाद करने वाली भूलें थीं। यदि सलीवन पूर्णतया अपने आपे मे होता, तो वह इस प्रकार की भूलें कभी नहीं करता।

सलीवन अपने विमान की रक्षा पर सारा ध्यान केन्द्रित कर सकने में असमर्थ हो गया था और उसकी इस असमर्थता के और भी कई मनस्तापकारी प्रमाण थे। उसने देखने और प्रतीक्षा करने का जो रुख अपनाया था, वह काफी ठोस था–अभी कोई अन्तिम निर्णय कर लेना अत्यन्त असामयिक था – किन्तु दोनों निर्णयों की नींव अभी दृढ़तापूर्वक डाल दी जानी चाहिए, चाहे उन निर्णयो को वास्तव मे क्रियान्वित किया जाय अथवा नही। यदि सलीवन सान फ्रांसिस्को में उतरने का प्रयत्न करने जा रहा था, तो उसे दूरी-विषयक पुस्तिका को बाहर निकाल लेना चाहिए तथा सिगरेट के धुएँ का बादल बनाते हुए इधर-उधर

चहल-कदमी करने के बदले सान फ्रासिस्को पहुँचने के प्रत्येक मार्ग का विवरण जान लेना चाहिए। सान फ्रासिस्को के ऊपर समय, उसका प्रत्येक क्षण, अमूल्य होगा। और तटवर्ती रेडियो-केन्द्रों से लियोनार्ड के पर्यवेक्षणों की पुष्टि करने के लिए निरन्तर अनुरोध करते रहना चाहिए। सान फ्रांसिस्को को परामर्श दिया जाना चाहिए कि वहाँ उतरने का विचार किया जा रहा है तथा 'कण्ट्रोल टावर' को आदेश दिया जाना चाहिए कि वह प्रत्येक बत्ती को पूर्ण क्षमता के साथ अभिमुख कर दे तथा पूरे क्षेत्र को तत्काल खाली करने के लिए तैयार रहे। तट-रेखा पर बादलों के बिखरने की सम्भावना के सम्बन्ध मे सूचना प्राप्त की जानी चाहिए; 'हाफ मून बे' का परित्यक्त विमान-स्थल कुछ मील कम दूरी पर था और कम से कम सकट-काल में उतरने के लिए वह पर्याप्त होगा। सलीवन जानता था कि यह विमान-स्थल बिल्कुल खुला होगा और उस पर तारों का प्रकाश पड़ रहा होगा। ड्रेक की खाड़ी मे मौसम कैसा था ? उत्तर-पश्चिमी हवा होने पर वहाँ का पानी शांत होगा और यदि पानी पर ही उतरना हुआ, तो वहाँ पानी पर उतरना बहुत कम खतरनाक सिद्ध होगा। ऊबड़-खाबड़ और अनुत्साहजनक फारालोन द्वीप-समूह पर भी सूखी भूमि मिल सकती थी। वे तट से अट्ठाईस मील दूर थे, सम्भवतः वहाँ केवल चट्टाने-चट्टाने ही ही थी, किन्तु वहाँ एक छोटी-सी नौका रहती थी। सलीवन इनमे से किसी भी बात पर नही सोच रहा था।

उसके विचार की प्रत्येक अभिव्यक्ति से इस बात का संकेत मिलता था कि उसने उन्मुक्त सागर में पानी पर उतरने की बात को स्वीकार कर लिया था। हवा और समुद्र की स्थिति को देखते हुए यह एक भयकर सम्भावना थी। फिर भी सलीवन ने बीच मे मिलने के लिए रवाना हुए विमान से सम्पर्क स्थापित करने का अभी तक कोई प्रयत्न नही किया था।

"सुनिये, कप्तान ?"

"हाँ, डैन ?"

"जो विमान हम से मार्ग में मिलने के लिए रवाना हुआ है, उसका आवाहन किया जाय, तो कैसा रहेगा ? देखिये तो कि वह क्या कर रहा है. . ."

"बहुत अच्छा।" ऐसा प्रतीत हुआ कि वह एक दृढ़तापूर्ण उत्तर देते-देते रह गया। "मेरा अनुमान है कि इसके लिए समय आ गया है। उससे सम्पर्क स्थापित करने का प्रयत्न करो, हाबी।"

हाबी ने बी–१७ को अत्यन्त उच्च बारता (frequency) पर बुलाया।

लगभग तत्काल ही उत्तर मिलने पर उसका चेहरा खिल उठा।

"राजर, चार-दो-सिफर। हम आपके आवाहन की प्रतीक्षा करते रहे हैं। हमें आपकी आवाज जोर से और साफ सुनायी दे रही है। यदि आप यंत्रो पर हैं, तो हमें सूचित कीजिये। समाप्त।"

"हाँ......बी–१७।"

"क्या बादल तनिक छँटा है?"

"नहीं। बादल सघन है और हल्की-हल्की वर्षा हो रही है।"

"ठीक। हम भी यंत्रों पर है। इससे आपसे मार्ग मे मिलने मे हम को कठिनाई होगी किन्तु इसकी चिन्ता मत कीजिये। हम आपको पकड़ लेंगे। हमारा अनुमान है कि हम आपसे १४५ मील पूरब मे है। लगभग बीस मिनट में हमारे मिलने की आशा कीजिये। अपने दिशा-संकेत-यंत्र को घुमा दीजिये और पॉच सौ किलोसाइकिल पर हमसे बात कीजिये। प्रत्येक तीन मिनट बाद उक्त बारता (frequency) पर हम आपको सन्देश देगे। आप स्वयं अपने दिशा-संकेत-यंत्र पर जो मार्ग पढ़ेगे, उस पर उड़ना आपके लिए आवश्यक नही होगा। आप अपने निर्धारित मार्ग पर चलते रहिये और केवल अपने संकेतो से तत्काल हम को अवगत करा दीजिये। आपकी 'बियरिंग' हमारी 'बियरिंग' की पूरक होगी, किन्तु वह बहुत सहायक होगी। जब आपकी सुई की नोक तेजी के साथ ऊपर-नीचे होने लगे, तब हमे समय की दूरी पर विचार किये बिना सूचित कर दीजिये। तब हम आपके आप बहुत निकट पहुँच रहे होंगे। आप इन सब बातो को समझ तो रहे है, न?"

"राजर...बी–१७।"

"ठीक है...हम आपकी जानकारी के लिए बताये देते है कि आप की मार्ग-रेखा पर अनेक जलपोत है। हमें पानी पर उतरने से कम से कम तीस मिनट पहले सूचना दे दीजिये; जिससे हम उन्हें आपकी ठीक-ठीक स्थिति पर पहुँचने का आदेश दे सकें। यदि आपको नीचे जाना ही पड़ा, तो भी आप का निरन्तर पर्यवेक्षण होता रहेगा। हमारे पास, आवश्यक होने पर, प्रातः-काल तक के लिए पर्याप्त गैस है और जब हमे जाना पड़ेगा, उस समय के लिए दो समुद्री विमान तैयार खड़े है। यह सन्देश साथ ही साथ पाँच सौ-किलो साइकिल पर भी प्रसारित किया जा रहा है, जिससे अब तक आपको प्रथम 'बियरिंग' मिल जाय। यह कैसा रहेगा? समाप्त।"

जब लाल सुई चारो ओर घूम कर दिशा-निर्देशक यंत्र के 'डायल' पर

जा कर रुक गयी, तब डैन, सलीवन और हाबी साँस रोक कर उसे देखने लगे। उनके सिर एक दूसरे से सटे हुए थे। जब सुई चालीस अंश पर आ कर रुकी, तब उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा और जिस तनाव एवं उत्तेजना ने उन्हें एक-दूसरे से अलग कर रखा था, उसे भेद कर उनकी प्रसन्नता अत्यन्त आकस्मिक रूप से व्यक्त हो उठी। वे ऐसे व्यक्तियों के समान थे, जिन्होंने हीरों के ऐसे गुप्त खजाने को पा लिया हो, जिसकी तलाश वे बहुत दिनों से कर रहे थे। वे ऐसे शब्द चिल्लाने लगे, जिनका कोई अर्थ अथवा उस क्षण से कोई सम्बन्ध नही था। वे एक-दूसरे के कन्धे और पीठ थपथपाने लगे। उन्होने लियोनार्ड को बुला लिया, जिससे वह भी प्रोत्साहित हो सके। अन्त में, अब वह स्थिति आ ही गयी, जब वे रात मे अकेले नहीं रह गये थे।

उन्हें साथ मिल गया था—उन्हीं के समान अन्य व्यक्ति तीव्र गति से उनकी ओर आ रहे थे और उस समय उनके लिए इस बात का कोई अर्थ नही था कि वे उन्हें कोई प्रत्यक्ष सहायता नही दे सकेंगे। और जो व्यक्ति बी–१७ से बोल रहा था, उसका स्वर बिल्कुल ठीक, सरल, सहानुभूतिपूर्ण और आश्वासनदायक था; वह एक ऐसे व्यक्ति का स्वर था, जो मीलों दूर से भी किसी प्रकार उनकी स्थिति की विकटता को समझता था।

सलीवन ने हाबी के हाथ से माइक्रोफोन लेकर उसे अपने मुँह से लगा लिया।

"हम चार-दो-सिफर से बी.–१७ से बात कर रहे हैं। हमारी 'बियरिंग' से पता चलता है कि आप चालीस चुम्बकीय अंश पर हैं। इसका अर्थ यह है कि आप हमसे पाँच अंश उत्तर में हैं . . किन्तु हमें इस बात की अत्यधिक प्रसन्नता है कि आप हमारे निकट है।"

"राजर, चार-दो-सिफर। हम जानते है कि आपका आशय क्या है। आप की 'बियरिग' हमारी 'बियरिग' से मेल खा रही है, अतः हम कुछ अंश कम दूर आ जायेंगे। आपकी वर्त्तमान ठीक-ठीक ऊँचाई क्या है ?"

"पच्चीस सौ साठ फुट।"

"क्या आप कुछ अधिक ऊँचाई पर जा सकते है ? यह ऊँचाई कुछ बहुत अधिक नहीं है और यदि हम आपके ऊपर पहुँच सके, तो मिलना बहुत अधिक आसान हो जायगा।"

"नहीं। हम ऊँचाई पर जा सकते है, किन्तु ऐसा करने के लिए ईंधन को खर्च नहीं करना चाहते। प्रत्येक गैलन ईंधन हमे तट के एक मील अधिक

निकट ले जाता है।"

"ठीक है.... जाने दीजिये। हमारे राडर यंत्र को जैसा होना चाहिए, वह वैसा नही है, किन्तु यदि हम इन 'बियरिंग' को चालू रखेंगे, तो हम शीघ्र ही अथवा कुछ बाद मे आपसे मिल जायँगे। आपके विमान पर कुल कितने आदमी है?"

"इक्कीस"।

"आपके विमान की वास्तविक संकेतित गति, बाहरी तापमान, चुम्बकीय मार्ग और गणना के अनुसार स्थल-गति क्या है?"

लियानार्ड ने कागज के छोटे-छोटे टुकडों पर सलीवन को उक्त सूचनाएँ लिख कर दी। उसमें इस बात के ज्ञान से एक चमत्कारपूर्ण परिवर्त्तन आ गया था कि शीघ्र ही एक दूसरा विमान-मार्ग-निर्देशक उसकी स्थिति की पुष्टि करने के लिए उसके निकट आ जायगा। वह प्रकट रूप से सीधा होकर बैठ गया था और उसके शरीर का कम्पन समाप्त हो गया था। वह शीघ्रता-पूर्वक कार्य करने लगा; उसकी उगलियाँ कागज पर तेजी के साथ चल रही थी। लियोनार्ड का ध्यान सब से पहले इस बात की ओर गया कि स्पाल्डिग उनके पास आ गयी है। वह शिथिल थी और रेडियो-यंत्रों वाली दीवार से झुक कर खड़ी थी। वह मुस्कराने का प्रयत्न कर रही थी। लियोनार्ड ने उसे अपनी भुजाओं मे लपेट लिया और एक क्षण के लिए उसने अपना सिर उसके कन्धे पर रख दिया।

उसने कहा—"मुझे आना ही पड़ा। मुझे इसकी आवश्यकता थी... केवल एक मिनट के लिए। मैं अकेली इस स्थिति को और अधिक सहन नही कर सकी।"

"ठीक तो है—" लियोनार्ड ने कहा और उसके स्वर से कोमलता तथा उसकी नव-अर्जित शक्ति, दोनों की अभिव्यक्ति हो रही थी। "हम एक प्रकार से तुम्हें भूल ही गये थे।"

"यात्री बिल्कुल ठीक है—उनका व्यवहार आश्चर्यजनक रूप से अच्छा है।"

"तुम उनसे प्रसन्न रहने के लिए कह सकती हो। हमने अभी बीच मे मिलने वाले विमान से सम्पर्क स्थापित किया था। वह लगभग बीस मिनट में हमारे पास आ जायगा।"

"क्या हम पानी पर उतरने जा रहे हैं?"

लियोनार्ड ने सिर हिला कर सलीवन की ओर, जो अभी तक रेडियो-पटल पर झुककर दिशा-निर्देशक यंत्र का निरीक्षण कर रहा था, इशारा किया।

"वह कह नहीं रहा है.....किन्तु सभी बातें समय पर होंगी, प्यारी। बस अपने बूढ़े चाचा लियोनार्ड की बात मान लो कि आज रात को तुम अपने निजी गर्म बिस्तरे पर सोओगी।"

"क्या आपको कुछ चाहिए.....काफी या और कोई चीज ? मैंने एक थर्मस बचा लिया था और कर्मचारियों के कमरे में कुछ सैण्डविच अब भी पड़े हुए हैं।"

"नही, धन्यवाद। डैन थोड़े समय पहले थोड़ी काफी लाया था। क्या तुम कुछ लोगी ?"

"मै कुछ नही खा सकती। मेरे पेट में गड़बड़ी है। मेरा अनुमान है कि मैं डर गयी हूँ।"

"तुम कुछ मिनटों के लिए तख्ते पर लेट क्यों नही जाती ?"

"नही...मै एक मिनट मे बिल्कुल ठीक हो जाऊँगी। सच ! आप सभी लोग व्यस्त है। अब मैं वापस जाती हूँ।"

"तुम एक बहादुर लड़की हो, प्रिये। बस थोड़ी देर तक और साहस करो। सब कुछ ठीक ही होने जा रहा है।"

उसने लियोनार्ड को अपनी आँखों से धन्यवाद दिया और जब वह अपने राडर यत्र की ओर मुड़ कर उसकी मुठियाँ घुमाने लगा, तब वह एक क्षण तक उसकी ओर देखती रही। वह उड्डयन-कक्ष को सुव्यवस्थित रूप में देखने की अभ्यस्त थी; उसका वह सुव्यस्थित रूप यद्यपि अब नहीं रह गया था, फिर भी वह वहाँ रुकना चाहती थी। उसमें से चमड़े और धातु की और उसके सिर के ऊपर रेडियो-यंत्रों से अत्यधिक गर्म तारों की तीव्र गन्ध आ रही थी। आदमियों की गन्ध भी भिन्न हो गयी थी और वह आश्चर्य करने लगी कि क्या इसका कारण केवल तम्बाकू और पसीना हो सकते है। सलीवन 'एस्ट्रोडोम' की ओर देखने के लिए एक क्षण को पीछे की ओर मुड़ा। उसने ऐसे देखा मानो स्पाल्डिग के आरपार देख रहा हो, उसकी सत्रस्त आँखों से इस बात का कोई संकेत नहीं मिला कि वह उसे पहचानता है। तत्पश्चात्, पुन: केवल पीठें ही दिखायी देने लगीं – लियोनार्ड, सलीवन, हाबी और डैन रोमन की पीठें।

वे व्यस्त थे। स्पाल्डिग ने सोचा कि वे सौभाग्यशाली हैं। इस भयानक प्रतीक्षा काल में अपने हाथों और दिमाग से करने के लिए कुछ काम उनके पास था। तुम्हारे पास भी उसी प्रकार का काम है, लड़की—भले ही तुम्हें जो काम करने

है उनकी इतनी स्पष्ट परिभाषा नही की गयी हो।

पहले किसी भी समय की अपेक्षा उन लोगों के प्रति अधिक पृथकता का अनुभव करते हुए स्पालिंडग ने उनकी पीठों पर अन्तिम बार दृष्टिपात किया और धीरे-धीरे कर्मचारियो के कमरे से होते हुए यात्रियों की केबिन मे चली चली गयी।

१५

प्रथम पंक्ति की कुर्सियो पर बैठे हुए मिलो और नेल बक शरीरतः अन्य यात्रियो से पृथक् थे। उन्हें केवल हावर्ड और लिडिया राइस ही देख सकते थे, जो उनके ठीक पीछे बैठे हुए थे, किन्तु मिलो का कहना था कि वे बिना 'पेरिस्कोप' की सहायता के हमें नही देख सकते। केन चाइल्ड्स और मे होल्स्ट गलियारे के पार एक-दूसरे से सट कर बैठे थे। मिलो का कहना था कि उन्हें किसी भी चीज को देखने के लिए कई शीशों की आवश्यकता होगी; इसके अतिरिक्त वे एक-दूसरे में बहुत अधिक तल्लीन थे। अपने एकान्त को परिपूर्ण बनाने के लिए मिलो ने अपने सिरों के ऊपर जलती हुई छोटी-छोटी बत्तियो को बुझा दिया था और अपने तथा अपनी पत्नी के बीच की कुर्सी की बॉह को हटा दिया था। कुछ समय तक वे अंधेरे में चुपचाप एक साथ बैठे रहे। बाये 'विंग' की दबी हुई लाल बत्ती रह-रह कर खिड़की को प्रकाशित कर देती थी तथा उनके युवा चेहरों को हल्के-से रंग से रंग देती थी। ऐसा तब होता था, जब बत्ती किसी सघन बादल के क्षेत्र मे चमकती थी। अन्यथा वे प्रायः अदृश्य से थे और ज्यो-ज्यों समय बीतता गया, वे सारी सुध-बुध खो बैठे। वे इतने स्वाभाविक रूप से एक-दूसरे से सट गये, मानो वे किसी जंगल में किसी पेड़ के नीचे अकेले हों। उनका स्वर मन्द होकर काना-फूसी में परिणत हो गया और शीघ्र ही उन्होंने, कुर्सियों की सीमाओं के बावजूद, अपने शरीरों को इच्छानुसार इधर-उधर मोड़ने का मार्ग ढूँढ़ निकाला। जिन स्थानों पर उनके शरीर एक-दूसरे से छूते थे, वहॉ बहुत अधिक उष्णता थी और मिलो

अपने गालों पर अपनी पत्नी के होठों की आर्द्र कोमलता का अनुभव कर सकता था। वह अपना हाथ धीरे-धीरे उसके गले से उसके स्तनों तक ले गया और उनके आकार का पता लगाने के लिए रुक गया। स्तनो का स्पर्श किये जाने पर नेल किंचित कांप गयी, जिस प्रकार तूफानी हवा के आगमन का संकेत देने के लिए सरोवर कम्पित हो उठता है। वह अपने होठो को मिलो के कानों के पास ले गयी और मिलो ने उसकी साँस को रुकते हुए सुना।

नेल ने कहा—"मिलो. . . . सुनो. . . . ."

"क्या तुम अब भी भयभीत हो ?"— उसने फुसफुसा कर कहा।

"नहीं. . . , नहीं, मेरे प्रियतम. . . नहीं। अब सब कुछ ठीक हो गया है।"

"मै विमान की बात नही कर रहा हूँ। मेरा मतलब है. . . हम से. . . हमारे भविष्य से।"

"नहीं. . . मै किसी भी बात से भयभीत नहीं हूँ, मिलो।"

"मुझे तुम्हारी बात सुनायी नहीं दे रही है।"

"जब तुम मुझे इस तरह से पकड़े हुए हो. . . तब मैं कभी किसी भी बात से भयभीत नही हो सकती। मैं तुमसे प्रेम करती हूँ, मिलो।"

"बहुत सुन्दर ! कैसा आश्चर्य है ! आओ, हम विवाह कर लें।"

"हम विवाहित तो है, मूर्खराज।"

उसका हाथ नेल के नितम्बो की ओर नीचे सरकने लगा। "मिलो... नहीं"... किन्तु अब वासना अत्यन्त तीव्र गति से उसकी उंगलियों से हो कर उसकी कमर तक पहुँच गयी थी। उसके कानो में होने वाली रक्त की कोमल धड़कनें उसे बहरा बना देने के लिए पर्याप्त थी। उसने उसके होठों को अपने होठों से ढाक दिया और वह एक क्षण तक उसके मुँह की गर्मी का शांत होकर आनन्द लेता रहा।

"मिलो. . . रुक जाओ।"

"क्यों, मेरी नन्हीं-मुन्नी प्रियतमा ?"

"क्यो. . . . . सोचो तो हम कहाँ हैं।"

"मै सोच रहा हूँ कि यह कितनी भयंकर बात होगी, यदि मुझे फिर कभी तुम्हें इस तरह से आलिंगन में लेने का अवसर नहीं मिला।"

"वर्षो तक. . . सारे जीवन भर हमें इस तरह के अवसर मिलते रहेंगे।"

"यदि यह विमान ऐसा होने दे।"

"सावधान, मिलो. . . यदि किसी ने हमें देख लिया, तो मैं अत्यधिक लज्जित

हो जाऊँगी।"

"कोई भी हमें नहीं देख सकता। चुप हो जाओ, मेरी नन्ही प्रियतमा।"

नेल के कंठ से हल्की-सी बुदबुदाहट निकल पड़ी। वह उससे थोड़ी दूर हट गयी; उसे केवल अन्धकार दिखायी दिया। और वह फिर लगभग तत्काल ही उसके पास लौट आयी—इस बार उसमें और अधिक इच्छा और तत्परता थी। वह प्रतीक्षा करती रही—उसके अन्दर कामना का मदिर कम्पन था।

"मिलो. . . . कृपा करो. . . . तुम पागल हो गये हो।"

"चुप. . . ."

उनकी प्रथम गतिविधियाँ पृथक् और सतर्कतापूर्ण थीं और यदि आवाज में तनिक भी परिवर्त्तन से उनके आनन्द में बाधा पड़ती, तो वे एक-दूसरे से दूर हो गये होते, किन्तु इंजिनों की भारी आवाज ने उन्हें वासना के सम्मोहन में डाल दिया और वे शात हो गये। "ओह, मिलो. . ." उसके शब्द मिलो के मुँह में लुप्त हो गये। वह धीरे-धीरे कराह उठी और उसके बाद वे बहुत देर तक मौन बने रहे।

बक-दम्पत्ति के ठीक पीछे लीडिया राइस ने अपने जूते निकाले और अपने छोटे पाँवों के तलवे विचारपूर्ण मुद्रा में रगड़ने लगी। उसे आनंद आ रहा था और उसके मन मे गुप्त रूप से ईर्ष्या की भावना उत्पन्न हो गयी थी। उसने सोचा, परमात्मा उनका भला करे—मुझे आशा है कि वे आनन्द-मग्न है। किसी भी चीज के लिए एक समय और स्थान होता है, किन्तु इन युवक-प्रेमियों को इसकी कोई चिन्ता ही नहीं थी – अथवा वे इतने अनुभवहीन थे कि बत्ती बुझाने से पहले अपनी आँखों से वासना का भाव हटाना भूल गये थे। और वे यदि वास्तव में चाहते हैं कि लोग विश्वास करें कि वे सो गये हैं, तो उन्हें इतने धीरे से भी कुर्सियों को हिलाना नहीं चाहिए; किन्तु मजा करो, बच्चो कौन परवाह करता है, कम से कम मैं तो तनिक भी परवाह नही करती। तुम्हारी मित्र लीडिया हावर्ड से, जो स्वयं किसी समय एक प्रबल और उत्तेजनापूर्ण प्रेमी था, घृणा करने में अत्यधिक व्यस्त है। वह तब तक एक प्रबल प्रेमी बना रहा जब तक—एक मिनट रुको, यह बात ठीक-ठीक किस समय हुई—वह विज्ञापन के व्यवसाय में नहीं फँस गया। सच बात तो कहनी ही पड़ेगी।

हाँ-हाँ! यह कैसे हुआ? तुमने क्या सोचा था, लीडिया? हाँ-हाँ! एक बार फिर सोचो। तुमने कहा था अथवा तुम सोचती हो कि तुमने, जब तुम विचार-मग्न थीं, कहा था कि हावर्ड अब पहले जैसा नहीं रह गया है। नहीं,

नहीं, यह बिल्कुल ठीक बात नहीं है, वह विज्ञापन के व्यवसाय में प्रवेश करने से पहले जैसा प्रबल प्रेमी था, वैसा प्रबल प्रेमी अब वह नही रह गया है। तुमने ऐसा कहा था—अपने आप से कहा था। अब स्मृति पर थोड़ा और जोर डालो और इस बात का निश्चय कर लो कि तुम ऐसी बात इस लिए तो नहीं कर रही हो कि आगे की कुर्सियों से वासना की गन्ध प्रवाहित हो कर इधर आ रही है।

लिडिया ने छिप कर अपने पति की ओर देखा। उसकी आँखें बन्द थीं, किन्तु वह जानती थी कि वह सो नहीं रहा है, अथवा सोने का प्रयत्न भी नहीं कर रहा ह। वह सम्भवतः कनाडा-स्थित अपनी खान के सम्बन्ध में सोच रहा होगा। वह इस प्रकार सोच रहा होगा, जैसे केवल हावर्ड ही किसी विषय पर सोच सकता है। जब हावर्ड किसी विषय पर विचार करता था, तब वह अपना सारा ध्यान उसी पर केन्द्रित कर देता था। उसे किसी निष्कर्ष पर पहुँचने मे बहुत अधिक समय लग जाता था और अन्त मे जब वह किसी निष्कर्ष पर पहुँच जाता था, तब वह तर्क-वितर्क के समस्त द्वारा बन्द कर देता था और उसके निर्णय में परिवर्त्तन करना पूर्णतया असम्भव हो जाता था।

किन्तु वह कितना सुन्दर था! तैंतालीस वर्ष का होने पर भी वह केवल तैंतीस वर्ष का दिखायी देता था। उसके चौकोर जबड़े के नीचे अतिरिक्त मांस का प्रारम्भिक संकेत भी नही था। उसकी नाक पूर्णतया समानुपातिक थी और उसकी भृकुटियों से निश्चयात्मक ढंग से मिलती थी, जैसी कि किसी पुरुष की नाक को होना चाहिए। उसके बालों में तनिक भी कमी नही हुई थी और अभी हाल में ही उसकी कनपटियों के पास जो थोड़े-से बाल सफेद हो गये थे, उनके कारण वह 'कास्मोपोलिटन' पत्रिका में प्रकाशित नायक-डाक्टरों जैसा दिखायी देता था। वह उस सुप्रसिद्ध मस्तिष्क शल्य-चिकित्सक के समान दिखायी देता था, जो बहुत धनी था और जिसकी पत्नी संसार में तीन सुन्दरतम बालक छोड़कर मर गयी थी, जिनके लिए उसे पीले रंग की सुनहरे बालों वाली एक नर्स के रुप में एक नयी माता की व्यवस्था करनी पड़ी थी। यह नर्स पियानो बजाती थी और एक रात को उसने सभी नौकरों को काम से अलग कर दिया था, जिससे वह एक प्रकार के विशेष पक्वान्न द्वारा, जिसे उसने अपनी दादी से, जो हंगरी के एक सरदार घराने की लड़की थी, सीखा था, डाक्टर को आश्चर्य-चकित कर सके।

जरा सोचिये तो कि इन दिनों, उत्तर के प्रदेशों के जंगलों में जाने के अपने मूर्खतापूर्ण विचारों के बावजूद हावर्ड खुले बाजार में कितने समय तक टिक

सकेगा ? प्यारी लीडिया, तुम्हारे पैरों के पास पड़ा हुआ जीवन-रक्षक जैकेट विमान-कम्पनी द्वारा दिया गया कोई उपहार नही है। वह अत्यन्त उपयोगी वस्तु है और जो विमान-चालक आया था, वह स्पष्टतः केवल वार्तालाप नही कर रहा था।

बहुत अच्छा, मान लो कि जीवन-रक्षक जैकेट मे एक छेद हो जाय अथवा इतनी छोटी होने के कारण तुम नौका पर न चढ़ सको। मान लो कि आज रात को तुम प्रशान्त महासागर में डूब गयीं और कभी न्यूयार्क —अथवा नार्थ वुड्स ही सही—नहीं देख सकी ! क्या हावर्ड अपने कोट पर एक काला भुज-पट्ट बॉधकर अच्छा नहीं दिखायी देगा ?

कुछ नही ! उसे केवल इतना ही करने की आवश्यकता होगी। उसकी दृष्टि मे हर समय जो एक गम्भीरता है, उसके कारण वह दो दिनों तक भी नही टिक सकेगा। जब वह प्रथम बार ही किसी स्थान मे भोजन करने जायगा, कोई सुनहरे बालों वाली लड़की उसे ढूंढ़ निकालेगी, थोड़ी-सी जॉच-पडताल करेगी और फिर सारा मामला ठीक हो जायगा। और वह नार्थ वुड्स के बारे मे क्या कहेगी ? क्यों, मेरा विचार है कि मैंने इतना सुन्दर विचार पहले कभी नहीं सुना था. . . सच ! हावर्ड, मुझे तुम्हें बताने का समय नही मिला, किन्तु मैं एक ऐसे वंश की हूँ, जिसमे अनेक बालिका स्काउट हुई है और मै हर दम प्राकृतिक जीवन व्यतीत करने का स्वप्न देखती रहती हूँ। उई ! तत्पश्चात सुनहरे बालो वाली लड़की वास्तव मे बुनियादी बातों पर आ जायगी और जब हावर्ड उसकी सहानुभूति और सौमनस्य को प्रोत्साहित कर रहा होगा, तभी वह लड़की उसे निकटतम 'जस्टिस आफ पीस' के पास लेकर पहुँच जायगी। यदि हावर्ड कभी नार्थ वुड्स तक पहुँच सका, तो उसे एक स्थायी सहचरी मिल जायगी।

और हावर्ड राइस की अत्यन्त आकर्षक पत्नी की सनसनीखेज मृत्यु से उसे जो शोक होगा, उस शोक में उसे सान्त्वना देने के लिए कोई अपरिचित लड़की नहीं आयेगी ! 'लीडिया, स्वयं तुम्हारी अत्यन्त प्रिय सहेलियों के सम्बन्ध में तुम्हारा क्या विचार है ? निश्चय ही वे सब से पहले मैदान में आ जायँगी और कुछ समय तक वे तुम्हारे दुर्भाग्यपूर्ण अवसान से अपने को अत्यन्त शोक-संतप्त प्रकट करेगी। उनमे से कोई, मान लीजिये कि ग्रेस डेप्यू, वेचारी प्यारी लीडिया के लिए, जो सागर के मध्य मे बिल्कुल अकेली तैर रही है, बहुत समझदारी का शोक प्रकट करेगी। और निश्चय ही उस सिलसिले में कुछ

काकटेल पार्टियाँ होंगी, जिससे कभी किसी को लीडिया की याद करने का विचार न आये। और ग्रेस डेप्यू, जो अपने पति से ऊब चुकी है, सीधे हावर्ड की गोद में जा पड़ेगी। लम्बे पैरों वाली और स्वास्थ्य-केन्द्र की कसरती युवती के समान दिखायी देने वाली ग्रेस को उस समय भी सम्हालना मुश्किल ही होता है, जब तुम पास रहती हो। इतनी चंचल है वह !

एल्वीरा कूली भी हावर्ड को फँसाने की कोशिश कर सकती है। वह तीन बार पति-परिवर्त्तन कर चुकी है और यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि वह अपने वर्त्तमान पति के साथ अपना शेष जीवन व्यतीत करने जा रही है।

एल्वीरा ग्रेस की अपेक्षा अधिक चतुरता से काम लेगी। वह हावर्ड के बारे मे 'चिन्ता' करेगी। वह अपने वर्त्तमान पति से कहेगी कि बेचारी प्यारी लीडिया के बिना हावर्ड कितना अकेलापन अनुभव कर रहा होगा और कोई भी व्यक्ति जान सकता है कि वे पहला काम यह करेगे कि वे सभी एक साथ एक छोटी-सी यात्रा करेंगे—वे सम्भवतः मैरीलैण्ड मे शिकार के लिए उनके फार्म पर जायँगे। हावर्ड इस बात को पसन्द करेगा और एल्वीरा बहुत ही चतुराई से काम करेगी। इसके पहले कि हावर्ड उसकी निशानेबाजी देख सके, वह निशाना लगाने का अत्यधिक अभ्यास करेगी। धीरे-धीरे वह उसे वश में कर लेगी और सुहागरात के दिन एल्वीरा यह भी नही कह सकती है कि बेचारी प्यारी लीडिया की याद में समुद्र मे एक पुष्पहार विसर्जित कर दिया जाय।

हो सकता है कि जब हावर्ड ने कहा था कि तुम्हारी सहेलियाँ सब की सब मूर्ख है, तब उसके मन में कोई बात रही हो और जब तुम देख सकती हो कि अनेक व्यक्ति किसी व्यक्ति को तुम से छीन लेने का प्रयत्न कर रहे हैं, तब उस व्यक्ति से घृणा करते जाना कठिन कार्य है।

और मान लो कि तुम नही, बल्कि हावर्ड ही डूब गया ? उस समय क्या होगा ? तुम्हें हावर्ड का अभाव खटकेगा और इसमें कोई अवास्तविकता नही होगी। हावर्ड के समान दूसरा कोई व्यक्ति नही है, भले ही वह प्रचण्ड मूर्ख हो। तुम्हें ऐसा व्यक्ति कहाँ मिलेगा, जिसे प्रत्येक व्यक्ति चाहता हो ? ऐसा व्यक्ति कहाँ मिलेगा, जो हर समय धीरज से काम लेता है और बात को समझने की कोशिश करता है, चाहे तुम जितने भी अधिक भावनात्मक आवेश और उछल-कूद का प्रदर्शन करो ? और ऐसे समय तुम कितने व्यक्तियो पर गर्व कर सकती हो ? जिस समय उस भयंकर छोटे आदमी ने अपनी बन्दूक निकाली थी और जिस

समय आग लगी थी, तब से अब तक एक क्षण के लिए उसकी शांति भंग नही हुई थी। हो सकता है कि उसमे व्यावसायिक प्रतिभा नही हो, हो सकता है कि उसका यह कहना ठीक हो कि विज्ञापन का व्यवसाय उसके लिए नही है। तो क्या वह नार्थ बुडस के लिए है ? क्या इससे उसकी महानता में कमी हो जाती है ? महान् ? तुम्हारे विवाह की समस्त कार्रवाइयो में यह शब्द, हावर्ड के लिए , कभी तुम्हारे विचार में नही आया था।

हॉवर्ड राइस एक महान् व्यक्ति था। सम्प्रति उसकी ओर देखने पर इस बात पर विश्वास करना कोई बहुत कठिन कार्य नहीं था।

उसके आगे की कुर्सी फिर हिली। उसने अपनी आँखे बन्द कर ली और उसकी उपेक्षा करने का प्रयत्न करते हुए अपना सिर पीछे की ओर कर लिया। और इंजिनो से निरन्तर आनेवाली आवाज से उसे इतना सुख मिल रहा था कि वह एक बार पुनः नान टकेट में पत्थरों से भरी हुई सड़क पर हावर्ड के साथ टहलने की बात सोचने लगी।

पत्थर के टुकड़े उसकी एड़ियों में गड़ रहे थे और वह मन ही मन उन्हें गाली दे रही थी क्योंकि उस समय, उनके विवाह के प्रथम सप्ताह मे यदि हावर्ड ने अपनी भोली पत्नी से यह सुना होता कि नान टकेट से बुरी जगह मैंने पहले कभी नही देखी तथा हमने अपनी सुहागरात वाल्डोर्फ टावर्स मे अथवा कम से कम किसी ऐसे स्थान पर क्यों नहीं मनायी, जहाँ रात में देखने के लिए प्रदर्शन होते, तो उसे हार्दिक दुख हुआ होता। हावर्ड अपनी वर्दी में था, पेड़ों के नीचे चहलकदमी कर रहा था और ऐसा दिखायी दे रहा था, मानो वह उन पुराने सफेद खम्भों वाले महलों में से किसी एक महल का निवासी हो, जिनमें एक अविवाहित बुआ रहती है, जो शराब लाकर देती है तथा रविवार को बाइबिल पढ़ कर सुनाया करती है। वह खारी हवा में इस प्रकार साँस लेता था मानो वह कोई अमृत हो; उससे वह प्रायः प्रफुल्लित हो उठता था तथा बन्दरगाह में घूमते हुए छोटी-छोटी नौकाओं को देखते रहना अथवा उनके मालिकों के साथ बात करना ही उसके मतानुसार एक आनन्ददायक दिन का परिचायक था। नौकाओं के मालिक फूहड़-से स्वस्थ देहातियों की भाँति दिखायी देते थे, जो अपनी डुगड़ियों को कभी नही निकालते थे तथा सदा भीगे हुए नमक की तरह महकते रहते थे। वहाँ कोई भी महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं था—ऐसा कोई नहीं, जो लीडिया स्टैनली के नये पति की सराहना करने वाला हो। कमबख्त हवा उबाने वाले संगीत की तरह चलती ही रहती थी। केवल रातों

के सम्बन्ध में यह बात नहीं कही जा सकती।

हावर्ड में पाशविक भावना निश्चित रूप से बहुत अधिक थी। उसका दिमाग जल-घड़ी के समान अत्यन्त मन्द गति से भले ही काम करता हो, किन्तु जब वह शारीरिक रूप से उत्तेजित हो उठता था, तब नरक-सा दृश्य उपस्थित कर देता था।

वह अपनी कुर्सी में और अधिक धँस गयी और अन्तः प्रेरणा से अपनी भुजाओं से अपनी छोटी-सी कमर को लपेट लिया और स्वयं अपने को कस कर आलिंगन-बद्ध कर लिया।

वे रातें! हावर्ड दिन में एक प्रकार का व्यवहार करता था और रात में उस विशाल शैया पर, जिस पर पहले हावर्ड जैसा कोई व्यक्ति निश्चित रूप से नही सोया था, उसका व्यवहार बिल्कुल दूसरा हो जाता था। कोई व्यक्ति कितना कामुक हो सकता है? ओह हावर्ड... क्या तुम फिर कभी उस तरह के बन सकते हो? इसके लिए यदि नार्थ वुड्स में निर्वासित होना पड़े, तो भी कोई हर्ज नहीं।

वह अपनी स्मृतियों के प्रवाह में दूर तक बह गयी थी और यह अनुभव करने के पूर्व कि मै क्या कर रही हूँ, वह अनेक बार हिली तथा अपने पैरों को उसने कई बार बारी-बारी से एक-दूसरे पर रखा। यदि वे रातें पुनः आ जायँ, तो विमान का समुद्र मे गिर जाना, उसमे आग लग जाना और उसमें विस्फोट का हो जाना भी नही अखरेगा।

"हावर्ड?" उसने आँखें खोले विना अथवा अपने सिर को हिलाये बिना ही ही कहा।

"मैंने सोचा था कि तुम मुझ से बात नहीं करोगी।"

"मै सोचती रही हूँ... मै नान टकेट के विषय मे सोच रही थी।"

"ओह...?"

"वह समय काफी उत्तेजनापूर्ण था, क्यों, है न?"

"मै यह नहीं सोचता था कि तुम उस समय के बारे में अधिक परवाह करती हो।"

"मै उन रातों के बारे में सोच रही थी। उनके बारे में सोचने में बड़ा रस मिलता है।"

"ऐसा लगता है, जैसे बहुत पहले की बात है।"

"वास्तव में यह बहुत पहले की बात नहीं है।" उसने अपनी आँखें खोलीं

और अपने सिर को कुर्सी पर घुमा दिया, जिससे उसका चेहरा हावर्ड के चेहरे की ओर हो गया। एक क्षण के लिए उसने यह आशा की कि कही उसकी नाक चमकदार न हो लेकिन फिर उसने कोई चिन्ता नही की। "हावर्ड... क्या विज्ञापन के व्यवसाय को छोड़ देने का पूर्ण रूप से निश्चय कर चुके हो? क्या तुम उसमे कभी सुखी नही हो सकते?"

"मेरा अनुमान है कि प्रसन्नता सापेक्षिक होती है। मै सोच रहा हूँ कि मुझे एक बार और आजमाइश करके देखना चाहिए।"

"क्यो?"

"मै ठीक-ठीक नही जानता। हो सकता है कि इसका कारण इस विमान की सवारी हो। इस यात्रा से जीवित बच रहने से अधिक महत्वपूर्ण चीज कोई भी नही प्रतीत होती। इस प्रकार की यात्रा मे आदमी एक प्रकार से बुनियादी बातो के बारे मे सोचने लगता है। क्या तुम मेरे आशय को समझ रही हो?"

"मै भी बुनियादी बातों के बारे मे ही सोच रही थी, हावर्ड। क्या तुम डर गये हो?"

"निश्चित रूप से। मैंने इस प्रकार की प्रतीक्षा कभी नही की है। एक प्रकार से मै सोचता हूँ कि वे इसे पार कर जायँगे।"

"यदि मै डूब गयी, तो क्या तुम्हें दुख होगा?"

"मजाक मत करो। तुम्हारी कल्पना पुनः सीमा का अतिक्रमण करने लगी है।"

"मै सच कह रही हूँ। क्या तुम्हें दुख होगा? मुझे इस बात को अवश्य जानना ही है।"

"मै केवल दुखी ही नहीं, बल्कि और भी बहुत कुछ होऊँगा।"

"तुम नार्थ वुड्स बिना किसी दिक्कत के जा सकोगे।"

"ओह, बन्द करो इस बात को। मुझे यह विचार आया है कि कहीं मैंने यूं ही अपने को इस बात के बारे में आत्म-विवश तो नही कर लिया है! खान का व्यवसाय बहुत आसानी के साथ एक काफी बुरा स्वप्न सिद्ध हो सकता है।"

"किन्तु यह एक स्वप्न अवश्य है, हावर्ड... और तुम्हारा सारा हृदय इस स्वप्न में रमा हुआ है?"

"रमा हुआ था। सामान्य बुद्धि का तकाजा है कि मुझे विज्ञापन के व्यवसाय में टिके रहना चाहिए। यह सुरक्षित है। मै अब भी पीछे लौट सकता हूँ, कम से कम मुझे विश्वास है कि मैं ऐसा कर सकता हूँ। मैं समझता हूँ कि इससे तुम

प्रसन्न होगी।"

"नही, हावर्ड। मै नही सोचती कि इससे मुझे प्रसन्नता मिलेगी।"

उसने प्रथम बार उसकी ओर सीधी नजर से देखा। अविश्वास के कारण उसकी भौहें ऊपर उठ गयीं।

"क्या तुम्हारे ऊपर इस विमान की ऊँचाई का प्रभाव पड़ रहा है, लीडिया ?"

"नही, किन्तु इस विमान की जो गति होगी, उससे बहुत अधिक अन्तर उपस्थित हो सकता है। मै. . . तुम्हें खोना नहीं चाहूँगी, हावर्ड।"

"अभी कुछ घण्टे पहले ही तुम मुझ से मुक्ति पाने के लिए हठ कर रही थीं।"

"कभी-कभी ऐसा समय आता है, जब मैं एक बहुत ही मूर्ख और स्वार्थी औरत बन जाती हूँ। तुम्हें इसे सहन करना ही होगा। नहीं. . . वास्तव मे तुम्हें ऐसा करने की आवश्यकता नही है, किन्तु मै चाहती हूँ कि तुम ऐसा करो।"

'तुम्हारे कहने का ठीक-ठीक अर्थ क्या है ?"

"मै सोचती हूँ कि तुम्हें अपनी खान पर चले जाना चाहिए। यही तुम्हारे स्वभाव के अनुकूल है। और मै सोचती हूँ कि अच्छा मजाक रहेगा, यदि तुम मुझे अपने साथ ले चलो।"

"मै यह क्या सुन रहा हूँ। तुम्हारी हालत खराब हो जायगी।"

"मै जानती हूँ, किन्तु तुम्हारे बिना वह और अधिक खराब हो जायगी।"

"न्यूयार्क का क्या होगा ? तुम्हारी सहेलियों का क्या होगा ?"

"जहन्नुम मे जायँ वे. . .और न्यूयार्क भी। मै तुम्हें चाहती हूँ. . . उस वास्तविक महान् व्यक्ति को चाहती हूँ, जिससे विवाह करने की बुद्धिमत्ता मैंने दिखायी थी। मैंने उसे नष्टप्राय कर दिया था और मुझे इस बात का खेद है। यदि मै नाश्ते के समय रोने लगूँ, तो तुम्हें केवल धीरज से काम लेना होगा। यदि तुम मुझे आदिवासियों को सांध्यकालीन गाऊन पहनाते हुए अथवा स्लेज मे जोते जाने वाले कुत्तों के साथ शराब पीते हुए देखो, तो तुम्हें धैर्य और समझदारी से काम लेना होगा। मुझे अधिक अथवा कम नियमितता के साथ प्यार करो और मै उसकी अभ्यस्त हो जाऊँगी। हम स्टेनली-परिवार की लडकियाँ हृदय से अग्रणी होती है। 'मश!' स्लेज गाडी मे जोते जाने वाले कुत्ते से तुम यही कहते हो, है न ठीक बात ? मैं अभी से अभ्यास प्रारम्भ कर देना चाहती हूँ।"

उसने उसकी गम्भीर भूरी आँखों में देखा और फिर आश्चर्य के साथ अपना सिर हिला दिया। तत्पश्चात् उसके सुदृढ़ होठों पर बहुत धीरे-धीरे एक मुस्कान

दौड़ गयी। लीडिया ने देखा कि वह पुनः उसी प्रकार से प्रफुल्लित होने लगा था, जिस प्रकार से वह बहुत दिनों से प्रफुल्लित नहीं हुआ था और वह पुनः प्रसन्नतापूर्वक नान टकेट के विषय में सोचने लगी।

"ई ई येह. . . . इससे कुत्ते बायीं ओर मुड़ जाते हैं"– उसने कहा–"यदि तुम काफी जोर के साथ चिल्ला कर कहो।"

"ई. . ई. . ई. . ई. . ई. . . . . येह।"

"बहुत सुन्दर।"

सान फ्रांसिस्को मे विमान-कम्पनी के कार्यालय और विमानालय नये-नये बने थे और उनसे ताजे सीमेण्ट की गंध आती थी। मकान एक छोटी-सी बस्ती के रूप मे थे और उनके चारों ओर विमान स्थल के "दौड़ मार्गों" (Runways) को जाने वाले कंकरीट के विशाल मार्ग थे। रात के मध्य मे विमानालय और मरम्मत की दूकानें, अधिकांशत., खाली रहती थीं। जिस नीचे भवन मे प्रशासनिक कार्यालय था, उसमें भी, केवल एक सिरे को छोड़कर, अधेरा था। उस सिरे पर बत्तियॅा जल रही थी, जिनका प्रकाश प्रसन्नतापूर्वक तिरछा होकर कुहरे को भेद रहा था।

दूसरी महत्त्वपूर्ण बत्ती फाटक पर पहरेदार की कोठरी में जल रही थी। वह एक बूढ़ा आदमी था और सामान्यतः शांति के साथ रात व्यतीत करता था। उसे अनेक बार विवश होकर सारी रात चलने वाले रेडियो कार्यक्रमों को छोड़ कर विभिन्न व्यक्तियों के लिए फाटक खोलना पड़ा था। वह उन सभी व्यक्तियों को कम्पनी के महत्वपूर्ण अधिकारियों के रूप मे जानता था और उसने अपने मन में सोचा कि कोई न कोई बात निश्चित रूप से बिगड़ गयी है।

अधिकारी अधीरता के साथ अपनी गाड़ियाँ फाटक से होकर ले जाते थे और उन्हें प्रशासन-भवन के प्रवेश द्वार के ठीक सामने, जहाँ मन करता था, खड़ा कर देते थे। यह एक असाधारण बात थी। वे तुरन्त सीढ़ियों पर चढ़ कर लापता हो जाते थे। सम्भवतः वे जल्दी-जल्दी उड्डयन-कार्य के कमरे में चले जाते थे।

इस कमरे में बहुत अधिक रोशनी थी और यह कमरा बहुत बड़ा था, किन्तु अन्य दृष्टियों से वह प्रायः होनोलुलू के संचालन-कार्यालय के समान ही था। वहाँ दूर-मुद्रक यंत्रों की खटखट निरन्तर होती रहती थी, दीवारों पर मानचित्र टँगे हुए थे, प्रतिचित्र बनाने की एक मशीन थी और सम्प्रति वहाँ अनेक टेलिफोनों की घंटियाँ बज रही थीं। ड्यूटी पर नियुक्त 'डिस्पेचर' और उसका

सहायक टेलिफोनों की घंटियों को बजती रहने देते थे। मैल्कम ब्वायड नामक लम्बा और पतला व्यक्ति, जो विमान-कम्पनी का जन-सम्पर्क अधिकारी था और जिसके मुँह से अभी तक शाम को पी गयी शराब की तेज गंध आ रही थी, इस प्रकार की उदासीनता से काम नही ले सकता था। उसे पत्रकारों ने घेर लिया था और वह उनसे बचने का जी-जान से प्रयास कर रहा था। उसकी हालत बहुत ही दयनीय हो गयी थी; उसने तेज रोशनी की ओर देखा। पत्रकारों से बचना कठिन कार्य था क्योंकि वे चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के भाग्य के सम्बन्ध में उसकी अपेक्षा अधिक जानकारी रखते थे। इसके अतिरिक्त संचालन-व्यवस्थापक गारफील्ड और कम्पनी के एक उपाध्यक्ष लायल मीकर, जो दोनों समाचारपत्रों से बहुत अधिक चिढ़ रखते थे, बहुत निकट बैठे हुए थे।

ब्वायड टेलिफोन में कह रहा था—"नहीं टामी, नही, हमारा कोई विमान समाप्त नही हुआ है! नहीं, मारो गोली.... विमान समुद्र में नहीं गिरा और जेन रसेल उसमें नहीं थी। मुझे इस बात का पता नहीं था कि वह होनोलुलू में थी और मुझे इसके जानने की तनिक भी चिन्ता नहीं है मैं यहाँ संचालन-कार्यालय में ही बैठा हुआ हूँ और विमान अभी तक हवा मे ही है— पूर्ण रूप से। विमान अभी तक आकाश में है और तुमने यदि इस आधार पर कोई कहानी गढ़ी, तो तुम विपत्ति मे पड़ जाओगे। थोड़ा-सा संकट अवश्य उत्पन्न हो गया था और जैसे ही मुझे स्वयं पता चल जायगा, वैसे ही मैं तुम्हें सारी कहानी बता दूँगा। नही, मारो गोली इसको! मुझे इस बात की तनिक भी परवाह नही है कि नौसेना क्या कहती है! वे केवल अपनी बड़ाई सुनना चाहते हैं। मैं अभी तक नहीं जानता, टामी, कि विमान में कौन-कौन से यात्री हैं। मैं अभी यहाँ आया हूँ! सलीवन ? एक सेकण्ड रुको। हाँ, वही विमान का कप्तान है..... लेकिन इससे क्या ? मुझे क्या मालूम कि वह कहाँ रहता है ? टामी.... एक सेकण्ड तक मेरी बात सुनो और फिर सो जाओ। यदि तुमने रात को इस समय किसी फोटोग्राफर और खुफिया संवाददाता को सलीवन के घर भेजा, जैसा कि तुमने गत बार यूनाइटेड कम्पनी के विमान के दुर्घटना-ग्रस्त होने के समय किया था, तो, भगवान मेरा भला करे, मैं अगले पाँच वर्षों तक तुम्हारे रद्दी समाचार-पत्र को एक भी विज्ञापन नहीं मिलने दूँगा! और जब तुम्हारे आदमी सलीवन के चित्र के लिए उसकी दराजों को उलटे-पलटेंगे, तब मार-मार कर उनका कचूमर निकाल दिया जायगा।

ऐसा करने वाला व्यक्ति सलीवन परिवार का कोई मित्र ही नहीं होगा. . . . आक्रमण और प्रहार के लिए मुझे जेल मे जाना होगा और मुझे इससे प्रसन्नता ही होगी ! अतः तुम उसकी पत्नी को अकेली छोड़ दो। अपने जीवन मे कम से कम एक बार शिष्टाचार से काम लेने का प्रयत्न करो और जब तक मै तथ्यो को लेकर तुम्हें पुनः नही बुलाता, तब तक प्रतीक्षा करो !"

ब्वायड ने फोन को पटक कर रख दिया, काफी के कागज के प्याले से एक बड़ी घूंट काफी पी और एक दूसरे फोन की ओर बढ गया। वह गारफील्ड की सिगार के मनहूस सिरे को देखने लगा क्योंकि 'डिस्पैचर' ने उसके सामने दूर-मुद्रित संदेशो का जो ढेर ला कर रख दिया था, उसकी अपेक्षा उसे गुप्त सन्देशो को पढ़ना अधिक सरल कार्य लगता था !

"हलो, वेन. . . हाँ, मै जानता हूँ कि इस समय कितने बजे है। भले मानुस, तुम उसे छाप नही सकते ! क्योकि ऐसी कोई बात नहीं है और क्यो !. जब तलाश करने के लिए कोई चीज ही नहीं है, तब प्रशान्त महासागर मे आज तक के सब से बड़े खोज-कार्य का संगठन किस प्रकार किया जा सकता है ? किसी न किसी दिन मै नौसेना के उस जन-सम्पर्क-अधिकारी को पकड़ूँगा और उसके दिमाग की जॉच कराऊँगा। वह पी. टी. बारनम को भी मात कर रहा है, केवल उसमे कल्पनाशीलता अधिक है। हालीवुड उसका उपयोग कर सकता है। सलीवन कप्तान है। यह बात ठीक है। डैन रोमन, लियोनार्ड विल्बी और स्पाल्डिग. . . . . हॉ क्या तुम मुझे यह बताने की कृपा करोगे कि तुम्हें यह सूचना कहाँ से मिली ?" ब्वायड ने शीघ्रतापूर्वक टेलिफोन के मुँह को ढंक दिया और 'डिस्पैचर' की ओर घृणापूर्वक घूर-घूर कर देखने लगा।

"अरे भले मानुस ! जब इस तरह की कोई चीज होती है, तब क्या तुम कृपा करके चुप रहोगे। तुम्हें कहीं न कहीं से तो ही जानकारी मिलती होगी ?" वह पुनः टेलिफोन पर बात करने लगा।

"रोमन. . . . . ? मैं नहीं जानता। मै अभी यहाँ आया हूँ। एक मिनट को. . . . . . ."

ब्वायड ने काउण्टर के पार गारफील्ड की ओर देखा।

"श्री गारफील्ड ? क्या यह रोमन नामक व्यक्ति कभी विमानों की दौड़ में भाग लिया करता था ?"

गारफील्ड रिपोर्टों के एक ढेर पर नजरें गड़ाये हुए विचार-मग्न था। उसने अपनी आँखों को उठाये बिना ही कहा—"हाँ, कुछ समय पहले।"

"हाँ. . . . वेन, किन्तु पाठकों की रुचि के साथ इस बात का क्या सम्बन्ध है ? इस कम्पनी के विमान तीन करोड़ यात्रा-मील की यात्रा कर चुके हैं और कभी किसी यात्री को एक खरोंच भी नही लगी। हमे लगातार तीन वर्षो तक सुरक्षा-पुरस्कार मिला और इस वर्ष भी हम वह पुरस्कार प्राप्त करने जा रहे है। हवाई यातायात संघ से पूछ कर पता लगा लो. . .वाशिगटन को भी टेलिफोन करके पता लगा लो। सी. ए. ए. और सी. ए. बी. से पूछ कर पता लगा लो। उन्हें कुछ भी नही मालूम है। हम निश्चित रूप से सहयोग करना चाहते हैं। तुम्हें सीधे यहाँ से सारी बातें मालूम हो जायेंगी, बशर्ते तुम थोड़ा-सा रुको और मुझे सब काम ठीक से करने का समय दो। मै अभी-अभी यहाँ आया हूँ ! नमस्ते !"

ब्वायड ने क्रोध से फुफकारते हुए टेलिफोन को नीचे रख दिया।

"श्री गारफील्ड. . . क्या आप मुझे एक मिनट दे सकते है ?"

"हाँ, हाँ ! तुम्हारी कठिनाई क्या है ?" गारफील्ड भारी भरकम शरीर वाला व्यक्ति था। उसकी गहरी भूरी आँखें इस समय गम्भीर थीं और उसके स्वर मे सतर्कतापूर्ण धैर्य का भाव था। अनेक वर्षों तक दूसरों के जीवन के सम्बन्ध मे चिन्ता करते रहने तथा एक डेस्क पर बैठकर प्रकृति को परास्त करने का प्रयत्न करते रहने से वह समय से पहले ही बूढ़ा हो गया था। वह एक थका हुआ आदमी था। इस रात से बहुत पहले उसने अपने उड्डयन-प्रेम को समाप्त कर दिया था।

"अखबार वाले मेरे गले पर सवार है। मैं उनसे क्या कहूँ ?"

"यदि तुम उनसे कहो कि जहन्नुम में जाओ, तो कैसा रहेगा ?"

"आप जानते है कि मै ऐसा नहीं कह सकता।"

गारफील्ड ने आह भरी। "मै जानता हूँ। तुम उन्हें कितनी देर तक रोक सकते हो ?"

"सम्भवतः एक और घण्टे तक। वे प्रातःकालीन संस्करणों के लिए शोर मचा रहे है।"

"एक घण्टा पर्याप्त हो सकता है। हम वास्तविक संकट में फँस गये है।"

"क्या परिस्थिति इतनी बुरी दिखायी देती है ?"

"हाँ ! अच्छा नही दिखायी देती।" ऐसा प्रतीत हुआ कि गारफील्ड मैल्कम ब्वायड को भूल गया। वह अपनी बगल में खड़े लायल मीकर की ओर मुड़ गया। "हम अभी इसका सामना कर सकते हैं, लायल। यदि ईंधन और हवा

सम्बन्धी ये आंकड़े ठीक है, तो सलीवन के लिए सुरक्षित पहुँचने की कोई सम्भावना नहीं है।"

"यह रात बहुत लम्बी होने जा रही है।"

"हमारे लिए उतनी लम्बी नहीं, जितनी सलीवन के लिए, किन्तु हम सब चीजों को तैयार रख सकते हैं। यदि तुम यात्रियों की पूरी सूची के लिए होनोलुलू से बात कर लो, तो कैसा रहेगा और जिनको सूचना देनी है, उनकी सूची भी तैयार करना प्रारम्भ कर दो क्योंकि हमे बहुत-से लोगों को सूचनाएँ देनी होंगी। समय आने पर मै कर्मचारियों के परिवारों से निपट लूंगा। मैं नही जानता कि क्यों, किन्तु तुम कम्पनी के डाक्टर से भी तैयार रहने के लिए कह सकते हो। शायद कोई चमत्कार ही हो जाय। और हमें देख लेना चाहिए कि" गारफील्ड ने अपनी मोटी-मोटी उंगलियों को अपनी आँखों पर फिराया, "...मेरा अनुमान है कि अभी तो कुल इतना ही काम करना है। तुम बीमा कम्पनियों से भी बात-चीत प्रारम्भ कर सकते हो। उन्हें यहाँ एक व्यक्ति की आवश्यकता होगी और प्रापेलर वालों को बुला लो, जिनका बचाव करने के लिए कोई आदमी होना चाहिए। यदि तुम्हें ये काम करने में कोई आपत्ति न हो, तो वास्तविक संचालन-कार्य पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए मुझे अधिक समय मिल जायगा; मैं सलीवन तक एक सन्देश पहुँचाने का प्रयत्न करना चाहता हूँ। ठीक है?"

"अवश्य। मै अपने दफ्तर में रहूँगा।"

"ओह, पोस्ट आफिस। होनोलुलू से मेल के विषय में पूछो और यह भी पूछो कि क्या कोई रजिस्टर्ड वस्तु या पत्र है? वे इसके बारे में जानना चाहेंगे। सामान वाले कल तक प्रतीक्षा कर सकते हैं।"

गारफील्ड ने अपनी सिगार को दाँतों के बीच और अधिक जोर से दबा लिया और रेडियो सन्देश लिखने का कागज लेने के लिए काउण्टर की ओर हाथ बढ़ाया। उसने बड़े-बड़े अक्षरों में विधिपूर्वक लिखा :—

"सलीवन—४२०

मेरा सुझाव है कि यथासम्भव न्यूनतम आर. पी. एम. के लिए प्रयत्न करो तथा अधिकतम गति के साथ उड़ो। इससे तुम कुछ गैलन ईंधन बचा सकते हो। भाग्य तुम्हारा साथ दे और भगवान करे, तुम आगे बढ़ते रहो—गारफील्ड।"

सन्देश पर उत्साहपूर्वक हस्ताक्षर कर चुकने के बाद उसे वास्तव में भेजने के सम्बन्ध में गारफील्ड संशय में पड़ गया। वह जानता था कि सलीवन वायु-

समुद्र रक्षा-विभाग के साथ बातचीत करने मे व्यस्त होगा और इस बात की सम्भावना नहीं थी कि जब उसका खतरा इतना सन्निकट था, तब वह डेस्क पर बैठ कर दिये गये किसी प्रोत्साहन की सराहना कर सकेगा। इतना होते हुए भी गारफील्ड का यह कर्त्तव्य था कि वह इस बात का निश्चय कर ले कि सलीवन को प्रत्येक प्रकार की सहायता मिल रही है, चाहे वह कितनी भी अल्प हो। वास्तविक प्रति मिनट चक्कर में कमी करके इंजिनों की गति में वृद्धि करने का विचार ईधन बचाने का एक पुराना तरीका था और सलीवन सम्भवतः उसे जानता था—किन्तु यह भी हो सकता है कि वह न जानता हो, अथवा दबाव के अन्तर्गत यह विचार उसके दिमाग में न आया हो। अथवा विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत इसकी आजमाइश करना बिल्कुल गलत बात हो—यदि विमान पहले से ही कम गति से उड़ रहा हो तब! यह एक ऐसी बात थी, जिसके सम्बन्ध मे सलीवन को स्वयं निर्णय करना था, उसने पेंसिल से लिखे हुए सन्देश को "डिस्पैचर" की ओर सरका दिया।

"क्या तुम इसे सलीवन के पास पहुँचा सकते हो?"

"मैं कोशिश करूँगा, श्री गारफील्ड।"

"तब अवश्य कोशिश करो। बाकी सभी चीजे ठीक है?"

"जी हाँ।"

"क्या स्थानीय मौसम मे कोई सुधार हुआ ह?

"मुझे आशंका है कि कोई सुधार नहीं हुआ है।" 'डिस्पैचर' ने रेडियो सन्देश लेकर पीले कागज का एक टुकड़ा गारफील्ड को दे दिया। " दस मिनट बाद मौसम के सम्बन्ध में एक दूसरा विवरण प्राप्त होगा।"

"अब से लगभग एक घण्टे बाद हमें एक विशेष विवरण की आवश्यकता होगी।"

"मै उसके लिए अनुरोध करूँगा, महाशय।"

जब 'डिस्पैचर' रेडियो-सदेन्श को भेजने के लिए चला गया, तब गारफील्ड सान फ्रांसिस्को विमान-स्थल के लिए मौसम के विवरण का अध्ययन करने लगा।

मौसम में उसकी रुचि उस समय से थी, जब सूचना का मुख्य स्रोत खिड़की के बाहर शीघ्रतापूर्वक झांक कर देखना ही था। सम्प्रति पीले कागज पर अंकित किये गये चित्र-लेखों की परीक्षा करते समय उसका मस्तिष्क ऊपर चला गया और उसे ऐसी कोई बात नहीं मिली, जिससे वह प्रोत्साहित हो सके।

बादल के आधार को एक सर्चलाइट द्वारा दिखाया गया था और अधिकतम ऊँचाई पाँच सौ फुट नापी गयी थी। एक घण्टा पहले यह अधिकतम ऊँचाई छः सौ फुट बतायी गयी थी अर्थात् अब एक सौ फुट की कमी हो गयी थी। दृश्यता में भी कमी हो रही थी। वह एक घण्टे के भीतर डेढ मील से कम हो कर एक मील हो गयी थी। कुहरा कम था और ओस-बिन्दु तापमान बहुत अधिक निकट थे, उनमें केवल एक अंश का अन्तर था। यह स्थिति सुखकर नही थी, यह इस बात का निश्चित लक्षण था कि प्रात काल कुहरा घना हो जायगा। केवल हवा से कुछ आशा थी। सम्प्रति वह समुद्र के ऊपर सलीवन की सहायता कर रही होगी और तटीय पर्वतों पर अब भी इतनी अधिक हवा बह रही थी कि सलीवन सम्भवतः जिस विमान-स्थल पर उतर सकता है, उस पर कुहरा भयंकर रूप से नहीं छायेगा।

गारफील्ड ने दीवार पर टंगी हुई विशाल घड़ी की ओर देखा। दो घण्टे बाद सब कुछ समाप्त हो जायगा। ये दो घण्टे नहीं कटेंगे।

१६

तट-रक्षक विमान बी—१७ की 'काकपिट' में लेफ्टिनेण्ट माउब्रे ने बत्तियों को जलाकर ऊपर की ओर कर रखा था क्योंकि देखने के लिए कुछ था ही नहीं। वर्षा अत्यन्त आकस्मिक रूप से समाप्त हो गयी थी, किन्तु यह निश्चित था कि वह पुनः आयेगी और अत्यन्त सघन बादलों के कारण अभी तक खिड़कियों से बाहर कोई भी चीज नहीं दिखायी देती थी।

अब यह बात निश्चित हो गयी कि चार-दो-सिफर नम्बर के विमान से मार्ग में मिलने का कार्य पूरा करने के लिए लेफ्टिनेण्ट माउब्रे को पूर्णतः यंत्रों पर ही भरोसा करना पड़ेगा। जब कि स्वयं विमान बारी-बारी से 'एम' और 'ओ' अक्षरो को सम्प्रेषित करता था, जिससे सलीवन दिशाओं की एक शृंखला को कायम रख सके, माउब्रे ने एक उच्च बारता वाले 'होमिंग अडाप्टर' को चालू कर दिया और कुछ समय के लिए अपने को अन्य समस्त सिगनलों से

अलग कर लिया। जब हाबी व्हीलर तीन मिनट के अन्तर से सन्देश भेजता था, तब आपको उसकी बात नही सुनायीं देती थी, हाबी जो कोई भी महत्वपूर्ण बात कहता था, उसे कीम दुहरा दिया करता था। इसके बजाय माउब्रे को अपने 'ईयरफोन' मे केवल एक गुनगुनाहट की आवाज निरन्तर सुनायी दे रही थी। इस समय उनके विमान का अगला भाग सीधे चार-दो-सिफर की दिशा में था। यदि वे संकीर्ण मार्ग से बायीं ओर घूमते थे, तो उन्हें 'डी' अक्षर सुनायी देता था और यदि वे बायी ओर घमते थे, तो उन्हें 'यू' अक्षर दुहराया जाता हुआ सुनायी देता था। इस प्रकार वे चार-दो-सिफर नम्बर के विमान की दिशा मे एक प्रायः बिल्कुल ठीक मार्ग पर अपने विमान को ले जा रहे थे। वे अपने मार्ग पर उसी प्रकार जा रहे थे जिस प्रकार कोई अन्धा व्यक्ति किसी संकरे गलियारे में दीवाल को टटोल-टटोल कर चलता है।

माउब्रे के ठीक पीछे बैठा हुआ प्रथम श्रेणी का राडरमैन पहले से ही अपने पर्दे पर ध्यान लगाये हुए था। वह खाली था।

"राडर? अभी तक कुछ मालूम हुआ?"

"कोई लक्ष्य नहीं, महाशय।"

"राजर"

वे कई मिनट तक मौन बने रहे। उड्डयन के संकीर्ण मार्ग पर तीव्र गति से विमान को ले जाना माउब्रे के लिए अधिक कठिन कार्य हो गया। उन्होंने "एन्साइन पम्प" को बुलाया।

"विमान-मार्ग निर्देशक? हमारी स्थिति कसी है?"

"ठीक है। मैंने अभी 'लोरान' यंत्र से पता लगाया था। यदि चार-दो सिफर नम्बर के विमान के मार्ग-निर्देशक की बात ठीक हो, तो हमे उस विमान के बिल्कुल समीप होना चाहिए।"

"राडर?"

"अभी तक कोई लक्ष्य नहीं दिखायी देता, महाशय।"

"विमान-मार्ग-निर्देशक? क्या तुम्हें विश्वास है?"

"निश्चित रूप से।" कुछ मिनट बीत गये। वे प्रतीक्षा में अपनी-अपनी कुर्सियों मे मुड़े।

"राडर?"

"कोई लक्ष्य नहीं।"

"मारो गोली.... किसी न किसी की बात गलत अवश्य है!"

कीम लेफ्टिनेण्ट माउब्रे की ओर झुका। वह अब काम में पूर्ण रूप से तल्लीन हो चुका था और उसकी आँखों से चिन्ता का भाव प्रकट हो रहा था।

"चार-दो-सिफर कहता है कि उनकी सुई तेजी के साथ ऊपर-नीचे जा रही है।"

"उनकी ऊँचाई क्या है?"

"अभी तक पचीस सौ फुट ही है।"

"राडर?"

"कोई लक्ष्य नहीं, महाशय।"

"अवश्य होना चाहिए। हम ठीक उसके ऊपर पहुँच गये हैं।"

"पर्दा खाली है, महाशय।"

"कीम, चार-दो-सिफर से कहो कि वह तीस सेकण्ड के अन्तर से सन्देश दिया करे। हम आसानी से इस व्यक्ति की अवहेलना कर सकते हैं।"

"अच्छा।"

कीम अपने माइक्रोफोन में बोलने लगा और मिनटों गुजर गये। वे बहुमूल्य मिनट थे क्योंकि यदि वे समय पर चार-दो-सिफर की स्थिति का ठीक-ठीक पता नहीं लगा पाते, तो दोनों विमान एक-दूसरे की बगल से होकर गुजर जाते और विरोधी दिशाओं में जाने लगते तथा अपनी सम्मिलित गति के कारण वे कुछ ही मिनटों में एक-दूसरे से काफी दूर हो जाते। उस समय मुड़ने और चार-दो-सिफर नम्बर के विमान को पकड़ने का प्रयत्न करने से उससे मिलने में बहुत अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता।

"राडर?"

"कोई लक्ष्य नहीं।"

"मैं सोचता हूँ कि उस 'नेविगेटर' ने जितना सोचा था, उससे वह बहुत अधिक पश्चिम की ओर था। हमें सात मिनट की देर हो गयी है।"

"राडर?"

"कोई लक्ष्य नहीं।" अपनी थकी हुई आँखों को आराम देने के लिए राडर-मैन ने अपनी नंगी बाँहों पर दृष्टिपात किया। उसे अपनी बाँह की ओर देखने का बड़ा शौक था क्योंकि वह सुगठित और सुडौल थी। दो वर्ष पहले उसने गोदना गोदवाया था। वह इस प्रकार की सुन्दर बाँह पर एक मात्र इसी आकृति को सहन कर सकता था। वह गुलाबी लिनेन के वस्त्र पहने हुए सुनहले बालों वाली एक सुन्दरी युवती की आकृति थी और उसके मतानुसार वह एक अभूत-

पूर्व आकृति थी। सुनहले बालों वाली लड़की की आकृति के नीचे उसका नाम था–'बूबू'

"राडर ?"

उसका ध्यान तुरन्त पर्दे की ओर लौट गया।

"राजर, कप्तान! लक्ष्य! चार अंश बायीं ओर एक विशाल विमान ह। आठ मील! ऐसा लगता है कि वह हमसे पाँच सौ फुट नीचे है!"

लेफ्टिनेण्ट माउब्रे के दुबले चेहरे पर एक मन्द मुस्कान दौड़ गयी।

"बहुत सुन्दर! हार्न सम्हालो! 'सी फ्रण्टियर' को सूचित कर दो. . .५६ पर चार-दो-सिफर नम्बर के विमान से बीच में मिलने का कार्य पूरा हो गया।" बी–१७ अन्धकार मे से होकर ऊपर उठा और शीघ्र ही दोनों विमान एक-दूसरे से आधा मील की दूरी के भीतर साथ-साथ उड़ने लगे। वे अदृश्य होते हुए भी एक साथ थे।

लियोनार्ड विल्बी ने फिर से कांपना प्रारम्भ कर दिया था और वह बहुत देर-देर तक हार्डवुड की चमकती हुई तश्तरी की ओर देखने लगा था, मानो इससे उसे कुछ शांति मिल सकेगी। फिर भी, तश्तरी से कोई सुख नहीं मिला। उस पर कोई उत्तर नहीं लिखा हुआ था, उसकी गलती बताने के लिए उस पर साफ-साफ अक्षरों मे कोई आंकड़े नही लिखे हुए थे।

वह एक बार अपनी उड्डयन-पुस्तिका को उलट-पुलट कर उन ग्यारह मिनटों की तलाश करने लगा, जो खो गये थे। वह अपनी दूसरी ठोड़ी को मलने लगा और वायु-सम्बन्धी अपनी अन्तिम दो गणनाओं के सरल अंकगणित पर ध्यान केन्द्रित करने का प्रयत्न करने लगा। उसने स्वयं आकाश मे जिस स्थिति को रिकार्ड किया था, उसमें तथा तट-रक्षक विमान के 'नेविगेटर' द्वारा स्थापित की गयी स्थिति में बहुत अधिक अन्तर था। पश्चिम की ओर ग्यारह मिनट. . . . तट से और ग्यारह मिनट दूर। इन ग्यारह मिनटों के अन्तर मे वह कृतज्ञतापूर्वक सूसी की बगल मे रेंग कर बिस्तर पर पहुँच सकता था अथवा सम्भवत पुन. कभी सूसी को देखने का अवसर नहीं मिल सकता था। सम्भवतः उसके मुँह से शराब की गंध आती होगी, उसके मुँह से सदा शराब की गंध आती रहती थी और हो सकता है कि वह न जागे, किन्तु वह वहाँ होगी–गर्म और मुलायम तथा दिन भर खेलने के बाद थक कर सोयी हुई छोटी लड़की की भाँति, किन्तु वे ग्यारह मिनट ? सलीवन उनके सम्बन्ध में जिद कर के पूछ रहा था और उसे ऐसा करने का प्रत्येक अधिकार था। उसे इस बात की

जानकारी अवश्य होनी चाहिए कि तट-रक्षक विमान के 'नेविगेटर' की बात सही है अथवा लियोनार्ड विल्बी की, जिस पर उसने इतना अधिक विश्वास किया था।

"लियानार्ड ! बोलो, यार ! मामला क्या है ? समय बरबाद हो रहा है !"

"एक मिनट, कप्तान। मै अभी तक जॅाच कर रहा हूँ।"

समय बरबाद हो रहा था ? वह बिल्कुल ही समाप्त होता जा रहा था। पूरे ग्यारह मिनट कहीं चले गये थे, वायुमंडल मे भाप के समान विलीन हो गये थे, जब कि जिस व्यक्ति को उनका पता लगा कर आगामी थोड़े-से समय के क्षीण ढॅाचे में सावधानीपूर्वक उन्हें फिर से ठीक करना था, वह व्यक्ति मृगी के एक रोगी की भॅाति कांप रहा था। यदि तुम उन मिनटों का पता लगा सको, तो कंपकपी बन्द हो जायगी। तुम्हारा विश्वास पुनः लौट आयगा, बच्चे, अतः शीघ्र उनका पता लगाओ। मिनटों के साथ-साथ कंपकपी को रोक दो। मिनटों का पता लगाओ और सूसी को प्राप्त करो। मिनट, मिनट . . .किसके पास है मिनट ? मिनट सूसी के पास हैं और उसने उन्हें अपने मार्टिनी के शीशे में एक दंतखोदनी के सिरे पर लटका रखा है। सूसी, मुझे मिनटों को दे दो . . . . मुझे अभी इसी समय उनकी आवश्यकता है।"

"अरे, लेनी ! देर क्यों हो रही है ?"

"मैं अभी आपके पास आया।"

"जल्दी करो।"

उन विचारों में जल्दी करो, जो पहले से ही मस्तिष्क में इतनी तीव्र गति से दौड़ रहे है कि निष्क्रिय हो कर बैठे रहने तथा उन विचारों को देखते रहने के अतिरिक्त और कुछ भी कर सकना असम्भव है ? तुम पागल होते जा रहे हो, कप्तान, तुम्हारे लिए दबाव बहुत अधिक सिद्ध हो रहा है। विमान-मार्ग-निर्देशन का कार्य एक सूक्ष्म और जटिल कार्य है तथा उसमें जल्दी नहीं की जा सकती। तुम्हें याद रखना चाहिए कि मैंने अनेक वर्षों तक सागरों के ऊपर तारों के बीच बिना किसी त्रुटि के मार्ग बताया है और इसलिए मैं गलती नहीं कर सकता – इस समय तो मुझसे गलती हो ही नहीं सकती, जब ग्यारह मिनटों का हम सभी के लिए इतना अधिक महत्व है। गलती तट-रक्षक विमान के 'नेविगेटर' की है। सम्भवतः वह एक बहुत ही नवयुवक व्यक्ति है, जिसे बहुत कम अनुभव है। सम्भवतः उसने अपनी गणनाओं में बहुत लापरवाही से काम लिया है क्योंकि यदि ग्यारह मिनट की भूल हो भी जाय, तो उसके लिए इसका क्या

महत्व है ? उसकी उम्र मे केवल ग्यारह मिनट की वृद्धि हो जायगी और समय की समाप्ति से उसे कोई पीड़ा नहीं होगी। उसे ग्यारह मिनट ग्यारह वर्षों के समान नहीं प्रतीत होंगे। वह उनके सम्बन्ध मे तनिक भी चिन्ता नहीं करेगा क्योंकि उसे लौट कर किसी सूसी के पास नहीं जाना होगा।

"ओह भगवान ! कृपासिंधु, भगवान् !"

लियोनार्ड ने अपनी आँखे बन्द कर लीं तथा मजबूती के साथ बन्द अपने होठों के बाहर उपर्युक्त शब्दों को धीरे-धीरे उच्चारण करते हुए निकाला, मानो वह कराह रहा हो। उसे अपनी भूल का पता लग गया था और उसकी भयंकरता से वह स्तम्भित हो गया था। उसने ऐसा काम किया था, जो अविश्वसनीय था और जिसका स्पष्टीकरण नही किया जा सकता था। इसके लिए उसकी कंपकपी ही दोषी थी। उसने अवश्य ही उसके मस्तिष्क के ज्ञान-तन्तुओं को नष्ट कर दिया होगा तथा उन्हें इतने पूर्णरूप से एक-दूसरे से पृथक कर दिया होगा कि वे एक अत्यन्त साधारण सन्देश का भी अर्थ नहीं समझ सकें। अब इस बात को ठीक-ठीक देख सकना सरल था कि भूल कब और कहाँ हुई थी ! केवल एक भयभीत व्यक्ति ही आदत का इस प्रकार पूर्ण रूपेण परित्याग कर सकता था। केवल वही व्यक्ति इस प्रकार की भूल कर सकता था, जो हड्डी-पसली तक भयभीत हो चुका हो तथा अपनी मुक्ति के लिए अन्धे की भाँति एक दूसरे व्यक्ति पर आश्रित हो।

अवश्य ही आग के दृश्य से, रात्रिकाल में इंजिन को जलता हुआ देख कर भय का प्रारम्भ हुआ होगा और वह भय उसके मस्तिष्क में समा गया था। और विमान-चालकों का निरीक्षण करने, विमान की उड़ान के सम्बन्ध में चिन्ता प्रकट करने वाली उनकी बातों को सुनने से सर्वनाश पूरा हो गया था। अनुभवी नेविगेटर लियोनार्ड विल्बी ने, जिसे सरकार तथा विमान-कम्पनी ने यह प्रमाणपत्र दिया था कि वह स्फटिक कन्दुक की सहायता के बिना ही मार्ग का पता लगा लेने की क्षमता रखता है, एक अत्यन्त प्रारम्भिक भूल की थी। उसने प्रति-घण्टा-मीलों को 'नाट' में परिणत नहीं किया था।

अनेक वर्षो से वह अपनी काम करने की मेज पर रखे हुए सूचना-यंत्र द्वारा विमान की गति का पता लगाता आ रहा था। उक्त यंत्र वैमानिक मीलों अथवा 'नाट' में गति बताता था, जो समस्त संसार के चार्टों के साथ मेल खाता था; किन्तु विमान-चालक की वायु-गति प्रति घण्टा मीलों में दर्ज की जाती थी और ऐसा ही होना भी चाहिए था क्योंकि विमान-चालक मुख्यतः

मार्गों और गतियों से सम्बन्धित होता था और प्रति घण्टा मीलों मे हिसाब रखना उसके लिए उसी प्रकार परम्परागत पद्धति थी, जिस प्रकार डालर और सेण्ट से कोई व्यवसायी लाभ अथवा हानि का पता लगाता है। विमान-चालक प्रति घण्टा मीलों की दृष्टि से सोचते थे और 'नेविगेटर' 'नाट' की दृष्टि से। दोनों में एक महत्वपूर्ण अन्तर था। एक 'नाट' लगभग एक सही एक बटा पाँच मील के बराबर होता है। इस मामले मे यह अन्तर ग्यारह अमूल्य मिनटों का अन्तर बन गया था। लियोनार्ड अब इस बात को बहुत साफ-साफ याद कर सकता था। उसने वास्तव मे अपने यत्र से विमान की गति का पता लगाने के स्थान पर सलीवन से उसके सम्बन्ध मे पूछा था। उड्डयन-यंत्र का निरीक्षण करते हुए सलीवन ने केवल संख्याएँ बता दी थी– एक सौ बत्तीस और एक सौ छत्तीस। वह प्रति घण्टा मीलों की बात कर रहा था और लियोनार्ड 'नाट' की दृष्टि से सुन रहा था और उसने बिना सोचे-समझे अपनी विवरण पुस्तिका मे संख्याओ को 'नाट' के रूप मे लिख दिया था। बाद मे, जब उसने अन्तिम बार स्थिति का निर्धारण किया था, तब तुलना करने पर आयोजित योग के कारण यह आशा उत्पन्न हो गयी थी कि वे अधिक जल्दी– वास्तविक समय से ग्यारह मिनट पहले–तट पर पहुँच जायँगे।

"कप्तान ?" उसके शरीर का कम्पन अत्यन्त आकस्मिक रूप से समाप्त हो गया था और अब लियोनार्ड पूर्णतया शांत था। उसका मस्तिष्क साफ हो गया था। उसे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि अब वह तनिक भी भयभीत नही रह गया था। वह खड़ा हो गया और पतलून को सरका कर अपनी तोंद के ऊपर कर लिया। "कप्तान, क्या आप एक मिनट के लिए यहाँ आ सकते है ?" वह जानता था कि उसे क्या कहना है– किसी न किसी प्रकार अपने अपराध को स्वीकार कर लेने से सन्तोष ही प्राप्त होगा।

सलीवन शीघ्र ही आ गया और 'नेविगेशन टेबुल' पर झुक कर देखने लगा। उसने कहा–"क्या है ?"

"बहुत बुरा समाचार है।" लियोनार्ड अटक-अटक कर बोला और सलीवन की आँखों मे चिन्ता के भाव को सघन होते हुए देखने लगा। "तट-रक्षक विमान ठीक कहता है। मैने एक बहुत बड़ी गलती की है। हमारे तट पर पहुँचने के अनुमानित समय मे आप और ग्यारह मिनट जोड़ सकते है।"

"ग्यारह मिनट . . ?" सलीवन ने अविश्वासपूर्वक अपना सिर हिलाया। "क्या तुम ठीक कहते हो ?"

"मैं बिल्कुल ठीक कहता हूँ। मेरा दिमाग जरूर फिर गया होगा। मुझे दुख है, कप्तान। मेरा अनुमान है कि मै डर गया था. ..."

सलीवन ने नजर चार्ट से ऊपर नही उठायी। उसके जबड़े की हड्डियाँ धीरे-धीरे आगे-पीछे हिलने लगी और एक क्षण के लिए लियोनार्ड सोचने लगा कि मैने जो कुछ कहा है, क्या मै उसका अर्थ भी समझता हूँ। ऐसा प्रतीत होने लगा कि सलीवन का शरीर सिकुड़ता जा रहा है, जैसा लियोनार्ड ने पहले भी देखा था। वह झुक गया। अकस्मात् वह डैन अथवा स्वय लियोनार्ड मे भी अधिक बूढ़ा दिखायी देने लगा और उस पर तरस खाना आसान था। जब लियोनार्ड प्रतीक्षा मे खडा था, तभी उसे सलीवन पर तब तक तरस खाने का विचार बहुत अच्छा लगा, जब तक वह और किसी बात के बारे मे न सोच सके। सलीवन भी तट, वहाँ के प्रकाश तथा प्रतीक्षा में खड़े प्रियजनो के बारे में सोच रहा होगा। तत्पाश्चात् धीरे-धीरे पुनः सलीवन के चेहरे पर दृढ़ता परिलक्षित होने लगी और जबड़े की हड्डियाँ स्थिर हो गयीं। लियोनार्ड अन्तःप्रेरणा से जान गया कि उसके लिए जो एकमात्र निर्णय शेष रह गया था, उस निर्णय पर वह पहुँच गया है। वास्तव मे वह आरम्भ से ही इस निर्णय के पक्ष मे था। उसने एक सिगरेट सुलगायी। अवश्य ही यह उसकी अन्तिम सिगरेट रही होगी क्योंकि उसने पैकेट को धीरे-धीरे मोड़ा और उसे चार्ट की ओर लुढका दिया। उसने मेज पर हाथ बढ़ाया और हार्डवुड की तश्तरी को उठा लिया। एक क्षण तक उसने विचार-निमग्न होकर तश्तरी का निरीक्षण किया और उसके चमकदार ऊपरी भाग पर अपनी मजबूत अगुलियों को घुमाने लगा। तत्पश्चात् उसने तश्तरी लियोनार्ड को थमा दी और उसकी ओर देखने लगा। उसकी ऑखो मे अभियोग का नही, प्रत्युत एक ऐसे व्यक्ति का-सा भाव था, जो स्वयं अपने को दोष देने के लिए कृत-सकल्प हो।

उसने शान्त होकर कहा—"मै आशा करता हूँ कि यह तश्तरी तैर सकेगी।"

जो व्यक्ति अपने को एक प्रोफेसर बताता था और इतने विचित्र और उत्तेजनापूर्ण ढंग के साथ बात करता था, अन्त में सोता हुआ प्रतीत होने लगा। अतः सैली मैकी ने फर्श पर से अपना बटुआ उठाया और उसमें रखी हुई अनेक चीजों मे पत्र की तलाश करने लगी। यह राय लारसिन का अन्तिम पत्र था—यह एकमात्र ऐसा पत्र था, जिसे उसने कम से कम बीस बार नहीं पढ़ा था, क्योंकि उसमें लिखे हुए शब्दों के अनुसार काम करने से नहीं बल्कि उनकी विवेचना करने से ही सब कुछ समाप्त हो जाता। उसने कागज को सावधानीपूर्वक खोला

इस स्थान को सहन न कर सको, तो मैं किसी ऐसे स्थान पर तबादले के लिए प्रार्थना-पत्र दूंगा, जहाँ पशुओं की संख्या कम और आदमियों की संख्या अधिक होगी।

तुम्हारे लिए यहाँ के वास्ते कपड़े खरीदने के लिए हमें दो दिन [illegible] में रहना होगा। लड़ाई के समय होनोलुलू से गुजरते समय मैंने वहाँ लड़कियो को कोई ऐसी चीज पहने हुए नहीं देखा, जो इस देश के लिए उपयुक्त हो। मैं तुम से मिलने के लिए लॉग बीच से अपनी बहन को यहाँ बुलाने की कोशिश कर रहा हूँ, किन्तु वास्तव में मुझे उसके आने की उम्मीद नहीं है। उसके लड़के उसे अत्यधिक व्यस्त रखते है। अतः उसके आने का भरोसा मत करो।

मैं अभी-अभी सोच रहा था कि मैं कितना भाग्यवान हूँ। मैंने संयोगवश एक पुरानी पत्रिका को, जिसके अस्तित्व का मुझे कोई ज्ञान नहीं था, उठा लिया था और उसमें तुम्हारा चित्र देख कर मुग्ध हो गया था। और कुछ महीने बाद ही एक अत्यन्त आश्चर्यजनक दिखायी देने वाली लड़की मेरी जीवन-सहचरी बनने के लिए आ रही है। कितनी विचित्र बात है! हो सकता था कि तुम्हारा विवाह पहले ही हो चुका होता अथवा मेरे जैसे एक गरीब व्यक्ति में तुम रुचि नहीं लेती, किन्तु ऐसी बात नहीं हुई। मुझे अब विश्वास हो गया है कि किसी महान् शक्ति ने सब बातें पहले से ही निश्चित कर रखी थीं, क्योंकि वह शक्ति जानती थी, कि हम एक-दूसरे के लिए ही बने हैं। मेरे मन में तनिक भी सन्देह नही रह गया है कि यह बात सच है। बड़ी, भूरी आँखों वाला एक छोटा-सा प्यारा हिरण खिड़की के बाहर नाले के किनारे आया। वह चारों ओर इस तरह देखने लगा, मानो कह रहा हो–"सैली कहाँ है? सैली यहाँ कब आ रही है? सैली से कहो कि जल्दी चली आये!" अब वह हिरण तुम्हारे राय से आधा भी चिन्तित नहीं है।

अभी बस इतना ही। मैं नहीं जानता कि मै आने वाली कुछ रातों में कैसे सो पाऊँगा! जल्दी! जल्दी करो, प्रिये! अथवा क्या मुझे कहना चाहिए —जल्दी करो, श्रीमती लार्सिन!

तुम्हारा,
राय।

पुनश्च :—मैंने जो चित्र भेजे हैं, उनसे यदि तुम मुझे विमान-स्थल पर पहचान न सको, तो एक और पहचान यह है कि मैं एक चमकदार हरी टाई पहने रहूँगा। मैं वहाँ सबसे अधिक परेशान दिखायी देनेवाला व्यक्ति होऊँगा, इतना परेशान

व्यक्ति तुमने कभी नहीं देखा होगा।"

उसने पुनः पत्र को मोड़ा और उसे वापस लिफाफे में रख दिया। अब किस बात के कारण अन्तर उपस्थित हो गया है? थोड़े समय पहले तुम इस आदमी से मिलने से डर रही थी क्योंकि तुम यह जानती थी कि अपनी निराशा को छिपा सकना उसके लिए असम्भव होगा। केवल इतनी सी बात होगी—तुम्हारी ओर देखते ही उसकी ऑखों मे निराशा के भाव आ जायेगे। वह तुम्हारी ओर देखेगा, अभी तक उसकी समझ मे कोई बात सम्भवतः नही आयी होगी और वह कहेगा 'क्या बात ह?... .मालूम होता है कि तुम यात्रा में बहुत अधिक थक गयी हो।' अथवा हो सकता है कि वह बिना कुछ कहे ही चला जाय! एक प्रकार से इस स्थिति को सहन करना अधिक आसान होगा। यदि उसने बहाना नही किया तो? यदि उसने अपने सौदे की जाँच करने की कोशिश नहीं की? यदि उसने साफ-साफ कह दिया—"क्या बात है, यदि तुम सचमुच सैली मैकी हो, तो कोई न कोई गलती अवश्य हो गयी है। मैंने जिस लड़की को बुलाया था......अच्छा, यह तो बताओ कि तुम उसकी बड़ी बहन तो नही हो?"

और अब जब कि उससे मिलने की आशा प्रायः समाप्त हो गयी है, तुम उससे मिलना चाहती हो। यह तुम्हारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण बात थी...... और आह!......एक, रास्ता है! बशर्ते विमान-चालक ने जो कुछ कहा था, वह ठीक साबित हो जाय और तुम समुद्र में डूब न जाओ......और यदि उससे मुलाकात करने का, उसके साथ कुछ क्षणों तक रहने का, सम्भवतः उसका स्पर्श कर लेने का अवसर मिल जाय......फिर कोई फरक नहीं पड़ेगा।

हाँ, ऐसा किया जा सकता है। थोड़े से अभिनय और प्रत्येक शब्द के बारे म थोड़ी-सी सावधानी बरतने से काम बन सकता है। उससे कुछ इस प्रकार कहना होगा। "क्या आप श्री लार्सिन हैं? अवश्य, सैली ने जो कुछ बताया था, उससे मुझे जान लेना चाहिए था। क्या आपको उसका समुद्री-तार नही मिला? ओह, मुझे हार्दिक खेद है! उसे मालूम होना चाहिए था कि पहाड़ों पर आपके पास समुद्री-तार कभी नही पहुँच सकता। मैं सैली की बहन हूँ—उसकी बड़ी बहन—जैसा कि आप भी देख सकते हैं"—इसके बाद थोड़ा सा हँस कर—"मैं इधर आ ही रही थी और उसने सोचा कि आप दोनों के लिए अच्छा ही होगा यदि मैं......"

फिर उसे अकेले में ले जाओ। भले कुछ मिनटों का ही समय मिले, किन्तु पत्रों के पीछे वास्तविक व्यक्ति का पता लगाने का अवसर मिल जायगा।

तुम कहोगी:—"राय, मैं नहीं जानती कि तुम्हें किस प्रकार बताऊं......किन्तु सैली ने सोचा कि तुम्हें पत्र लिखने की अपेक्षा, जो तुम्हें कई दिनों तक नहीं मिलता, यदि मैं ही तुम्हें बता दूँ, तो यह कम निर्भयतापूर्ण बात होगी। राय, मुझे आशंका है कि तुम उसे खो चुके हो। वह एक बहुत चपल लड़की है, जैसा कि तुमने अनुमान लगाया ही होगा। चार दिन पहले उसकी मुलाकात एक आदमी से हुई और, क्या बताऊँ......सारी बातें अत्यन्त तीव्र गति से हो गयीं। कल प्रातः काल उनका विवाह हो गया, राय। मैं दुखी हूँ......बहुत दुखी हूँ।"

इस प्रकार बात बन जायगी। उसे बनना ही होगा। और इससे सारी बातें आसानी के साथ समाप्त हो जायंगी। ओह राय, मैं थोड़े समय तक और स्वप्न देखना चाहती हूँ, भले ही कुछ क्षण के लिए ही सही!

उसने अपना बटुआ खोला और पत्र को पुनः उसमें रख दिया। फिर उसने शीशा निकाला। उसे शीशे में देखने का साहस नही हो रहा था। अतः उसने छिपे-छिपे उसे अपने चेहरे के सामने कर लिया।

"बहुत सुन्दर!"—फ्लैहार्टी ने उसकी ओर देखते हुए कहा—"यह मेरे लिए मानवता का एक पाठ है। समस्त मानव-प्राणी आश्चर्यजनक होते है और महिलाएँ तो निश्चित रूप से सर्वाधिक आश्चर्यजनक होती है।"

सैली ने उसकी ओर प्रश्न-भरी दृष्टि से देखा। उसने शीशे को तुरन्त बन्द करके पुनः बटुए मे रख दिया। जब वह उसकी बगल की कुर्सी पर आ कर बैठ गया था, उसे अच्छा नहीं लगा था। उसे इतना अधिक नशा था कि वह कुछ भी कह सकता था और उसे राय के सम्बन्ध में अपने विचारों में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप पसन्द नहीं था, किन्तु अब वह मुस्करा रहा था, सम्भवतः मूर्खतापूर्वक मुस्करा रहा था। फिर भी, उसकी भूरी आँखों में आत्यन्तिक एकाकीपन का भाव था, जिससे उसकी दृष्टि निष्प्राण प्रतीत हो रही थी। वह दृष्टि उसे ठीक अपनी दृष्टि का प्रतिरूप दिखायी दे रही थी, अतः उसके लिए उसकी उपेक्षा करना असम्भव हो गया।

"क्या चीज आश्चर्यजनक है?"

"मैं ठीक-ठीक नहीं जानता कि यह आपकी एक निष्ठा है अथवा आदत मात्र है. . . .लेकिन क्या आप जीवन-रक्षक नौका पर सवार होने से पहले सदा नये सिरे से 'मेक-अप' करती है?" सैली ने सोचा कि नींद से प्रोफेसर को अवश्य ही अत्यधिक लाभ पहुँचा है। उसका मस्तिष्क अभी तक पागलपन से भरा हुआ था, किन्तु कम से कम वह एक ऐसे व्यक्ति की भाँति बात कर रहा था

जो होश-हवाश में हो।

"क्या आप, वास्तव में, आवश्यकता न होने पर भी सदा जीवन-रक्षक नौका पर सवार हो जाते हैं?"

"आपको शायद निश्चित रूप से विश्वास है कि हमें जीवन-रक्षक नौका पर सवार नही होना पड़ेगा?"

"मै बहुत अधिक बातों के सम्बन्ध में निश्चय के साथ नही कह सकती।"

"तब क्या आप इस सम्बन्ध मे भाग्यवादी दृष्टिकोण से काम ले रही है?"

"मै ठीक-ठीक यह भी नहीं जानती कि भाग्यवादी क्या होता है?"

"यू तो मै भी ठीक-ठीक नहीं जानता... यद्यपि आज की रात से पहले मैं सदा उस व्यक्ति को भाग्यवादी कहता था, जो कन्धे हिलाया करता है, चाहे कुछ भी होने वाला हो। अब मैं यह विश्वास करने लगा हूँ कि भाग्यवादी वह व्यक्ति होता है, जो बहुत सम्भवतः निर्बोध होता है और जिसमे आत्म-विश्वास की मात्रा बहुत अधिक होती है। उदाहरणार्थ, आपके समान व्यक्ति......"

"मैं? आपने गलत औरत को चुना है। आप जिस औरत की ओर देख रहे हैं, उसमे तनिक भी आत्म-विश्वास नहीं है और सम्भवतः इस प्रकार की आत्म-विश्वासहीन औरत आपको आगे भी बहुत समय तक नहीं मिलेगी।"

"फिर आप इतनी शांति के साथ कैसे बैठी रह सकती है जब कि थोड़े समय पहले आप डरी हुई थीं– कम से कम मैंने ऐसा ही सोचा था। मैं आपके साथ इसलिए बैठा कि मेरा विचार था कि मैं आपकी सहायता कर सकूँगा, किन्तु मेरी आवश्यकता नहीं है। हो क्या गया। क्या आपको यह बताने मे बहुत अधिक आपत्ति होगी कि क्या हो गया है?"

"हाँ! यह असम्भव होगा"–सैली मैकी ने धीरे से कहा। उसने उसके सम्बन्ध में कितना गलत अनुमान लगाया था। वह शारीरिक दृष्टि से भले ही मदोन्मत्त रहा हो, किन्तु उसका मस्तिष्क हर समय जागरूक था। अपने एकाकीपन की गहराइयो से वह कुछ सुख पहुँचाने का प्रयत्न कर रहा था। उसकी बात न मानने से कोई लाभ नहीं हो सकता। "सम्भवतः मैं आंशिक रूप से स्पष्टीकरण कर सकती हूँ..... क्या आप किसी को अत्यधिक प्यार करते हैं?"

"नहीं।" उसने अपने दोनों हाथों को सटा लिया और अपनी ठोड़ी को हाथ के अंगूठों पर टिका दिया। वह विचार-मग्न हो कर अपनी उंगलियों की गाँठों

को, जो ऊपर की ओर उठी हुई थीं, चबाने लगा और सैली ने एक क्षण के लिए सोचा कि उस पर पुनः नशा सवार हो गया है। "नहीं। मैं किसी भी व्यक्ति से अत्यधिक प्यार नहीं करता और यदि कोई व्यक्ति ऐसी गलतफहमी में पड़ जाय, तो मैं यह भी नहीं जानता कि उसके साथ क्या किया जाना चाहिए। लेकिन आपने मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।"

"मैं कोशिश कर रही हूँ, क्योंकि मेरा विश्वास है कि आप मूलतः एक बहुत डरे हुए व्यक्ति हैं.... आपका यह डर केवल इन कुछ घण्टों के कारण नही है..... मुझे यह जान कर आश्चर्य नही होगा कि आप भी मेरी ही भाँति बहुत दिनों तक स्वप्नों मे भयंकर दैत्यों और प्रेतों को देखते रहे है... और यदि आप मेरी सहायता करने के लिए आये, तो इसका आंशिक कारण यह था कि आपको स्वयं बहुत बुरी तरह से सहायता की आवश्यकता थी।"

"मान लीजिये कि आपकी बात ठीक है ? मेरे प्रश्न का क्या हुआ ?"

"यही तो बात है। थोड़े समय पहले मैंने अपने निजी भयंकर स्वप्नों को समाप्त कर दिया। मैंने उन्हें अपने जीवन से निकाल फेंका। मैंने उन चीजों के बारे में चिन्ता करना बन्द कर दिया, जो मुझे नहीं मिल सकतीं।"

"क्या वे चीजें, सम्भवतः, एक व्यक्ति के रूप में हो सकती हैं ? अथवा क्या मै बहुत अधिक निजी प्रश्न पूछ रहा हूँ ?"

"हाँ, आप निजी प्रश्न ही पूछ रहे हैं, किन्तु अब मुझे कोई परवाह नहीं रह गयी है। वह एक आश्चर्यजनक, उदार, स्वच्छ व्यक्ति है और उसे मेरे विषय में सत्य बात जानने का अधिकार है। मैं उसे बताने जा रही हूँ कि वह मुझे जैसी समझता है, मैं उससे बिल्कुल भिन्न हूँ। मैं चाहती हूँ कि वह समझ जाय कि मै होनेलुलू मे सब से आसानी के साथ प्राप्त हो जाने वाली लड़की के रूप में प्रसिद्ध थी। यात्री 'फायर मैनों' के लिए मैं आनन्द और मनोरंजन की वस्तु थी....दो बार मद्यपान और औसत मूल्य का भोजन सैली मैकी को पाने गारण्टी थी...किसी भी समय, किसी भी स्थान पर...जैसे ही मेरे काम के घण्टे समाप्त हो जायँ। मै उसे बताना चाहती हूँ कि मैं इतने होटलों के कमरों के अन्दर रात बिता चुकी हूँ कि वहाँ की मेहतरानियाँ मुझे मेरा नाम लेकर पुकारती थीं। मैं उसे बताना चाहती हूँ कि पुलिस भी मेरा नाम जानती है– फिर एक रात मोआना में एक छोटी-सी पार्टी, जहाँ बड़ी मनहूसियत छायी हुई थी और तब तक रही थी, जब तक प्रत्येक व्यक्ति ने अपने-अपने कपड़े उतार डालने का निर्णय न कर लिया—संयोगवश चार पुरुषों के साथ मैं अकेली स्त्री थी।

मै उसे बताना चाहती हूँ कि मेरा शरीर इतने अधिक प्रहार सह चुका है कि मै सोचती हूँ कि उसमे फिर कभी जीवन नही आ सकता। मैं उसे बताना चाहती हूँ कि मुझे तीन-तीन बार काम पर से हटाया गया, क्योकि मेरे सुपरवाइजर मेरे साथ सोते-सोते थक गये। आपसे इन बातो का बताना आसान है क्योंकि आप एक अपरिचित व्यक्ति है और फिर कभी आप से मेरी मुलाकात नही होगी, किन्तु उससे बताना कठिनतम कार्य है. . . क्योकि अपने हृदय में मै उसे सदा देखती रहूँगी। मै बूढी हो गयी हूँ। अपनी आयु से मै बहुत अधिक बूढ़ी हो गयी हूँ। मेरे चेहरे की ओर इस तरह गौर से देखिये, जैसे वह देखेगा, और तब आपको पता चल जायगा कि मैं कितनी बूढ़ी हो गयी हूँ। मै अपने आप से कहती रही हूँ कि मै पुन: सब कुछ नये सिरे से प्रारम्भ कर सकती हूँ और बहाना कर सकती हूँ कि उन बातो में से एक भी बात कभी नही हुई। थोड़े समय पहले तक मेरा विश्वास था कि मै बच सकती हूँ. . . किसी प्रकार मैं यह विश्वास करने लगी थी कि मै अब भी चाहने योग्य हूँ; लेकिन थोड़े समय पहले उसका अन्तिम पत्र पढते समय मेरी बुद्धि लौट आयी। मैंने शीशे में अपना चेहरा देखा और मुझे केवल दो बातों के सम्बन्ध मे विश्वास रह गया। मैं प्रेम की भूखी उस औरत की भाँति उससे प्रेम करती हूँ, जो प्रेम के लिए .... तथा अपने एकाकीपन का अन्त करने के लिए अन्तिम अवसर देखती है। और मुझे इस बात का विश्वास हो गया कि ऐसा कभी नही हो सकता। इस बात के ज्ञान ने कि अब क्या होगा, मेरे भय को दूर भगा दिया है। मेरी तमाम भयानक आशंकाएँ मर गयी हैं। मै विचित्र रूप से प्रसन्न हूँ और अब मुझे किसी चीज का भय नही रह गया है। क्या अब आप समझ गये? क्या इससे आपके प्रश्न का उत्तर मिल गया. . . . अथवा क्या आप पर्दे के पीछे छिपे, ऊबे हुए किसी पादरी की भाँति महसूस कर रहे है?

फ्लैहार्टी ने अपने हाथो को अपनी ठोड़ी पर से हटा कर घुटनों पर रख दिया। उसने एक क्षण तक अपने हाथों का निरीक्षण किया और तत्पश्चात् कृतज्ञता-ज्ञापन की मुद्रा में अपनी हथेलियों को ऊपर कर दिया। उसने अपने सिर को एक ओर मोड़ा और सैली मैकी की ओर देखने लगा।

अन्त में उसने कहा—"धन्यवाद। मै गलती पर था। आप भाग्यवादी नहीं है। आप एक बहुत ही साहसी युवती है। अब यदि आप मुझे क्षमा करें, तो मेरा इरादा आँखें बन्द करके स्वयं अपने कुछ भय-राक्षसों की हत्या करने का है।"

हम्फ्रे ऐगन्यू सामूहिक संख्याओं का उच्चारण कर अपने आन्दोलित एवं

अशान्त मस्तिष्क को शात करने का प्रयत्न करने लगा। उसने जो पूजी लगायी थी, उसके सम्बन्ध मे सोचने से भूतकाल मे उसे सदा मानसिक सुख प्राप्त हुआ था और इस बात के लिए कोई कारण नहीं था कि अब उसे ऐसा करने से मानसिक सुख नही मिलेगा। 'डोल पाइनैपल' के एक हजार शेयर, मैटसन नेविगेशन के तेईस शेयर, पैसिफिक फैक्टर्स के पाच सौ बीस शेयर, जनरल इलेक्ट्रिक के दो सौ शेयर... मैकार्मिक डीपरिग, पाच सौ शेयर, कार्निग ग्लास, पचहत्तर, ...यू. एस. पम्प एण्ड सैल्वेज, सत्तर शेयर... ग्लिसरीन असोशियेट्स एण्ड एलाइड केमिकल्स, प्रत्येक के एक हजार शेयर, ईजी वे स्टोर्स, पॉच हजार शेयर– इन शेयरों को खरीदने में कष्ट हुआ था, किन्तु अब उनका मूल्य चार गुना बढ गया है– न्यूमेटिक मशीनरी छः सौ और निश्चय ही ऐगन्यूज एड्स कम्पनी तो थी ही, जिसे प्रत्येक व्यक्ति प्रायः अमूल्य मानता था। इनके अतिरिक्त भी अनेक शेयर थे, जिन्हे चतुरतापूर्वक भिन्न-भिन्न कम्पनियों मे खरीदा गया था। सम्पूर्ण आर्थिक अभाव से ही यह दौलत निकाली गयी थी। पन्द्रह वर्ष पहले वह 'ऐगन्यूज एड्स' की कुछ बोतलें फेरी कर के बेचा करता था और इन पन्द्रह वर्षो मे वह पूर्ण सुरक्षा की स्थिति मे पहुँच गया था। वे पन्द्रह वर्ष गुलामी, कष्ट और अपमानो के वर्ष थे। अब कोई भी व्यक्ति हम्फ्री ऐगन्यू को नफरत की नजर से नहीं देखता था। अब बैंक के कार्यकर्त्ता कहते थे–"नमस्कार, श्री ऐगन्यू।" वे ऐसे स्वर मे नमस्कार करते थे, जो केवल द्वीप के धनी व्यक्तियों के लिए ही सुरक्षित रहा था।

"नमस्कार, श्री ऐगन्यू....."

आज कल प्रत्येक व्यक्ति मुस्कराते हुए हम्फ्री ऐगन्यू का अभिवादन करता था। उससे ईर्ष्या की जाती थी तथा वे तथाकथित सज्जन पुरुष बहुधा उसके पास पहुँचते रहते थे–अपने असफल होते हुए व्यवसायों में भागीदार बन जाने के लिए वह उसके सामने प्रस्ताव रखते थे। वे कभी सफल नही हो सकते। हम्फ्री ऐगन्यू ने कठोर परिश्रम द्वारा जो धन अर्जित किया है, उसकी एक पाई भी उन खूबसूरत विफलताओं की रक्षा करने नही जायगी। इन कमजोर व्यक्तियों को रेंगने दो– जिस प्रकार तुम बहुत दिनों तक रेंगते रहे। पेट के बल रेंगो, नालायको, रेंगो अपनी शान और सौन्दर्य के साथ, अपने मित्रों के साथ और अपनी पार्टियों के साथ, जिनमे तुम मुझे कभी घुसने भी नहीं देते थे –उस आदमी की ठीक बगल से हो कर रेंगो, जो तुम्हारे लिए इस कारण सामाजिक दृष्टि से अस्वीकार्य था कि उसने चतुरतापूर्वक कुछ लाख पोलिने-

शियनों और पुरबियों को ठगा। पेट के बल रेंगो और अनुभव करो कि धनहीन होना कैसा लगता है। तुम्हें शीघ्र ही इस बात का पता चल जायगा कि धन कोई ऐसा रोग नहीं है, जिसका उल्लेख नहीं किया जा सके। धन ससार में सब से अधिक महत्वपूर्ण वस्तु है।

वह और अधिक संख्याओं के सम्बन्ध में सोच-सोच कर गर्व का अनुभव करने लगा और कुछ समय के लिए बैंक की उस तिजोरी की कल्पना मे खो गया, जिसमे उसका सेफ्टी डिपाजिट बाक्स रखा हुआ था। वह धातु के उस बाक्स के भीतर के भाग को देख सकता था और रबड़ के फीतो से बँधे हुए उत्कीर्ण कागजों के उन बण्डलों का अनुभव कर सकता था, जिनके कारण हम्फ्री ऐगन्यू एक मालदार आदमी माना जाता था। यह एक दुख की बात थी कि बाक्स शीशे का नहीं बना हुआ था और सड़क पर नहीं रखा हुआ था, जिससे सारा संसार देख सकता कि हम्फ्री ऐगन्यू ने किस प्रकार अपने को पूर्ण रूप से सुरक्षित बना लिया है।

तत्पश्चात् अत्यन्त आकस्मिक रूप से एक कुरूप दृश्य उपस्थित हो गया, जिसके कारण [illegible] उसके सुखद विचारो मे व्याघात उत्पन्न हो गया। 'सिक्यूरिटियों' के नीचे झाँकने पर उसे दो मुड़े हुए कागज दिखायी पडे। वे कागज उसे इतने साफ-साफ दिखायी दे रहे थे, मानो उसकी उंगलियाँ उनका स्पर्श कर रही हों—बीमा की दो पालिसियाँ, जो एक लाख डालर से अधिक की थीं! और उनका स्वत्वाधिकारी? मार्था ऐगन्यू—हम्फ्री ऐगन्यू की पत्नी! प्रेम के मोह के एक क्षण मे उसने मार्था को उन पालिसियों की स्वत्वाधिकारिणी बना दिया था। यदि यह विमान सान फ्रांसिस्को नहीं पहुँच सका, तो बेशर्म मार्था एक धनी औरत बन जायगी। अपने मृत पति के धन से धनी! क्योकि यदि विमान समुद्र में गिर पड़ा, तो कौन कह सकता है कि हम्फ्री ऐगन्यू बच जायगा? यहाँ 'सिक्यूरिटियाँ' सुरक्षा नहीं प्रदान कर सकती थी। वे दूर रखे हुए एक बाक्स मे केवल कागज के टुकड़ों के समान थीं। वे किसी व्यक्ति के शरीर से पृथक् हो गये जीवन-रक्त के समान थीं, जब कि उस व्यक्ति को शक्ति की सब से अधिक आवश्यकता थी! धन लोगों को हम्फ्री ऐगन्यू से घृणा करने के बदले उसे पसन्द करने के लिए विवश करता था!

इस विचार ने उसके मस्तिष्क को संत्रस्त कर दिया। हम्फ्री ऐगन्यू पुनः शक्तिहीन और निर्धन हो गया, ठीक उस करुणाजनक मूर्ख मजदूर के समान, जो उसकी बगल में बैठा हुआ था! अब उन पन्द्रह वर्षों का क्या होगा? क्या

वे अगले घण्टे में समाप्त होने जा रहे है ?

यह एक योजना थी, हम्फ्री ऐगन्यू को नीचा दिखाने के लिए यह एक भयंकर षड्यंत्र था। इस प्रकार का षड्यत्र किसके मस्तिप्क की उपज हो सकता है ? केवल मार्था के ! मार्था ने केन चाइल्ड्स को एक बहाना बना कर अपने पति को इस विमान पर भेजने का षड्यंत्र किया था ! वह बीमा की उस रकम को चाहती है ! वह धन के लिए पागल हो गयी थी ! मार्था, षड्यंत्रकारिणी वेश्या ! हम्फी, तुम्हारा प्रतिभा-सम्पन्न सिर प्राय. कट गया है और जमीन पर लुढ़क रहा है।

"वह मेरे साथ ऐसा नही कर सकती !" वह अपनी कुर्सी पर आधा उठ गया और जोर के साथ बोला।

"कौन तुम्हारे साथ क्या नहीं कर सकता ?"–जोस ने कहा। उसने ऐगन्यू को संयम में रखने के लिए उसकी बाँह पर अपना हाथ रख दिया।

"मेरा धन ! मेरी पत्नी–"

"तुम धन की बात भूल क्यों नहीं जाते ? उससे तुम्हें यहाँ ऊपर अथवा यदि हमे पानी पर उतरना पड़ा, तो वहाँ नीचे समुद्र में कोई लाभ नहीं मिल सकता।"

"तुम्हारे लिए ऐसा कहना आसान है क्योंकि तुम्हारे पास खोने के लिए कुछ है ही नहीं।"

"मेरे पास खोने के लिए बहुत कुछ है और वह धन नहीं है।"

ऐगन्यू ने उसकी बात नहीं सुनी क्योंकि उसके मस्तिष्क मे अन्तर के द्वन्द्व-चक्रों का चक्कर लगाना बन्द हो गया था और वह ठीक-ठीक जानता था कि उसने किस प्रकार उन्हें बन्द किया था और उसे क्या करना चाहिए। ओह मार्था . . . . . तो तुम वहाँ होनोलुलू मे इस आशा के साथ बैठी हुई थी कि इस विमान को कुछ हो जायगा ? शायद तुमने किसी को इस बात के लिए भी राजी कर लिया था कि वह प्रोपेलर को इस तरह से लगाये कि वह निकल जाय। तुम बड़ी चालाक हो, मार्था। तुममें कितनी तीव्र विवेचना शक्ति है कि तुमने इस बात की कल्पना कर ली थी कि कि यदि मैं केन चाइल्ड्स के बारे में जान गया, तो मैं यहाँ उसका पीछा करूँगा और तुम्हारी बेशर्मी और बदचलनी के दोनों गवाह रास्ते से हट जायेंगे और उधर तुम्हें बीमा की रकम मिल जायगी। मार्था, यह विचार तुम्हारा मौलिक विचार भी नहीं था। कुछ वर्ष पहले हम दोनों ने समाचार-पत्रों में इसके विषय में पढ़ा था। यदि मुझे सही-सही याद है, तो अपनी पत्नी और अपने बच्चों से भी मुक्ति पाने की इच्छा से एक व्यक्ति

ने उन्हें विमान पर सवार करा दिया और साथ ही साथ एक बम भी भेज दिया। वह प्रायः सफल हो गया था—क्या लास एन्जिलीस में ऐसा नही हुआ था, मार्था?"

और तुम्हारे मामले मे बात प्रायः उल्टी हो गयी है, मार्था। यह समझते हुए मुझे कितनी पीड़ा और ग्लानि होगी, तुम जानती थी कि मै यहाँ होऊँगा, अर्द्ध विक्षिप्तावस्था में..... तथा इस बात का विवेचन बिल्कुल नहीं कर पाऊँगा कि तुमने कितनी चालाकी से मुझे फँसा दिया है। तुम इतिहास पढ़ती रही हो, अवांछित साथी की प्राचीन कहानी। पहले इस प्रकार की हजारों घटनाएँ घटित हो चुकी है, किन्तु बेचारी मार्था! असामान्य मनोविज्ञान का तुम्हारा ज्ञान कितना कच्चा है! तुम्हें अपने पति के विश्लेषणात्मक मस्तिष्क के सम्बन्ध मे अधिक जानकारी रखनी चाहिए थी—जिस मस्तिष्क ने मानव-मस्तिष्क की दुर्बलताओं का अध्ययन कर के ही सम्पत्ति अर्जित की। और तुम्हें इस बात को याद रखना चाहिए था कि दृढ़ संकल्प का व्यक्ति होने के कारण मै अपने पास एक पिस्तौल रखूंगा। यदि तुम्हे ये सारी बाते ज्ञात होतीं और तुम उनकी पूर्ण रूप से कल्पना कर लेती, मार्था, तो भी तुम बीमा की पालिसियों के एक अत्यन्त महत्वपूर्ण अनुच्छेद के विषय में अनभिज्ञ ही बनी रहतीं। आत्महत्या करने पर अथवा बीमा कराये हुए व्यक्ति की मृत्यु स्वयं उसके हाथो से होने पर पालिसियाँ रद्द और बेकार हो जायँगी। मार्था, जहाँ तक तुम्हारा सम्बन्ध है, सिक्यूरिटियों के साथ-साथ, जिनकी वसीयत किसी के नाम भी नही की गयी थी, बीमा की वे पालिसियाँ भी कागज के रद्दी टुकड़ों के समान हो जायँगी। सरकार और वकीलों द्वारा अपना-अपना हिस्सा ले लिये जाने पर ऐगन्यू की विधवा पत्नी के लिए जो धन बच रहता, उसे वह अगुलियों पर गिन सकती थी।

अपनी मोती की टाईपिन को सहलाता हुआ वह जोस की ओर मुड़ा।

यह एक दुख की बात थी कि साधारण पशु-तुल्य पुरुष पर एक प्रतिभा-शाली मस्तिष्क की विजय को कोई देख नहीं सका। यह एक लज्जाजनक बात थी कि जब तक वह काला को सफेद मानने के लिए राजी होकर पिस्तौल को वापस नहीं लौटा देगा, तब तक कोई भी व्यक्ति इस चीज को देख और सराह नहीं सकेगा कि हम्फ्री ऐगन्यू ने किस प्रकार इस मूर्ख मजदूर को संशय और लोभ के टेढ़े-मेढे मार्ग पर भटकाया। फिर भी, इस जन्तु के साथ सावधानी-पूर्वक बात की जानी चाहिए, कुछ समय तक उससे छिपा-छिपा कर बात करनी चाहिए, जिससे उसका स्वाभाविक संशय पूर्णरूप से लुप्त हो जाय। उसे यह

सोचने का अवसर कभी नही दिया जाना चाहिए कि हम्फ्री ऐगन्यू अपनी सम्पत्ति को पुनः प्राप्त करने के अतिरिक्त और किसी भी वस्तु की इच्छा कर सकता है। इसमें कुछ विचित्र स्त्री-सुलभ बात होगी, मार्था। मेरा मस्तिष्क ठीक तुम्हारी ही भाँति काम करेगा। पशु और दिमाग, मार्था। सुनो मै तुम्हें भी चक्कर में डाल दूंगा।

"क्या आप सिगरेट पियेंगे ?"—उसने जोस से पूछा।

जोस माला फिरा रहा था; उसने व्यस्त भाव से उत्तर दिया— "नहीं, धन्यवाद। मै सिगरेट नही पीता।"

ऐगन्यू ने केवल अपने लिए एक सिगरेट सुलगायी। ऐसा करते हुए उसने अपने स्वर को नियंत्रण में कर लिया, जिससे वह बिल्कुल भिन्न प्रकार का हो गया। उसने उस मधुर स्वर से काम लिया, जिससे द्वीप-समूह के रेडियो-श्रोता भली भाँति परिचित थे—और उसे इस बात से सन्तोष हुआ कि उसके स्वर में विश्वास उत्पन्न करने का वही गुण विद्यमान था, जिसके कारण इतने अधिक डालर कीमत के 'ऐगन्यू एड्स' की बिक्री हुई थी। उसने कहना जारी रखा—"यह बडी अच्छी बात है कि आप धूम्रपान नही करते। इससे प्रकट होता है कि आपने जीवन को पर्याप्त रूप से सुव्यवस्थित रखा है और इसके लिए मै आप से ईर्ष्या करता हूँ। मुझे आशंका है कि निरन्तर धूम्रपान करना हमारे अशान्त युग का एक लक्षण बन गया है। विश्वास कीजिये, आज कल शांत और सुव्यिवस्थित चित्त से स्थितियों का सामना करने के लिए अत्यधिक चरित्र-बल की आवश्यकता होती है। उदाहरणार्थ, हाल में ही मेरे ऊपर जो दबाव पड़ा है, वह बहुत ही भयकर रहा है। मुझे कभी-कभी आश्चर्य होता है कि मै पागल होने से किस प्रकार बच गया... कभी-कभी ऐसे क्षण भी आते है, जब मुझे सन्देह होने लगता है कि मै पागल हो गया हूँ।"

"मेरा ख्याल है कि आप जैसे व्यक्ति की अपनी व्यक्तिगत समस्याएँ होती हैं।" जोस ने माला फिराना बन्द कर दिया और ऐगन्यू की आँखों की ओर देखने लगा, जिनमें अब साहचर्य के लिए अनुरोध का भाव खुले तौर पर दिखायी दे रहा था। "वास्तव में मै इस सम्बन्धमें अधिक नहीं जान पाऊँगा कि आप जैसे व्यक्ति के मन में क्या-क्या विचार उत्पन्न होते रहते हैं.. मैं तो एक मछुआ मात्र हूँ।'

ऐगन्यू ने तम्बाकू के दाग से पीली हुई अपनी उंगलियों को जोड़ लिया और केबिन की छत की ओर विचारों के सौन्दर्य से मुग्ध व्यक्ति कैसे भाव से देखने

लगा।

"मछुवा...?"–उसने उत्साहपूर्वक कहा –"आह, आप कितने भाग्य-शाली हैं। पौरुष का काम तो यही है। अब मैं आपकी महान् आन्तरिक शांति का कारण समझ गया, यदि आप मेरे इस मत के लिए मुझे क्षमा करें। सागर, आकाश.... प्रकृति की विशाल शक्तियो से अपने आप को एकीकृत कर देने से, जो हमारा वास्तविक उत्तराधिकार है, किसी भी व्यक्ति को अवश्य शांति प्राप्त होगी।"

"मैंने इस दृष्टि से इस बात पर कभी विचार नहीं किया। मेरे परिवार वाले दो सौ वर्षो से मछुवों का काम करते आ रहे थे, हो सकता है और अधिक समय से, मुझे मालूम नहीं..... मै कभी स्कूल मे नहीं गया। अतः मैंने भी वही पेशा अख्तियार कर लिया।"

"सरलता... प्रसन्नता की वास्तविक कुंजी। मैं समझता हूँ कि आपके पास कोई नाव भी होगी ?"

"हाँ, मेरे पास एक बढ़िया नाव है। वह सर्वोत्तम है।"

"आपको इस नाव पर और उससे आप जो काम करते हैं, उस पर गर्व है, यह मै देख सकता हूँ।"

"हाँ...हाँ, मै समझता हूँ कि आप ऐसा कह सकते है, किन्तु द्वीप समूह में मुझे कोई विशेष सफलता नही मिली। हमारे तट पर जिस प्रकार की मछ-लियाँ मिलती हैं, उस प्रकार की वहाँ नहीं मिलतीं।"

"बड़ी रोचक बात है। मुझे आश्चर्य हो रहा है कि ऐसा क्यों हुआ.... और मुझे इस बात पर भी आश्चर्य हो रहा है कि किस प्रकार एक व्यक्ति इस प्रकार का जीवन व्यतीत करता है और मेरे जैसे एक दूसरे व्यक्ति को आधुनिक व्यवसाय के जंगलों मे भटकना पड़ता है। आपने प्रकृति से जो वास्तविक बुद्धि-मत्ता प्राप्त की है, क्या उसके द्वारा आप मुझे इस बात को समझा सकते हैं, महाशय ?"

जोस उदास हो कर अपने तीन उंगलियों वाले हाथ से अपने सिर के बाल सहलाने लगा। ऐगन्यू का बोलने का ढंग कुछ ऐसा था, जैसा उसने पहले कभी नहीं सुना था और वह विचित्र रूप से बेचैन हो गया।

"नहीं, किन्तु मछली के व्यवसाय में अनेक दिक्कतें हैं। मेरी बात मानिये।"

"मैं इस बात से इनकार नहीं करता....किन्तु उसमें वह स्नायविक तनाव नहीं हो सकता। आपका सम्बन्ध अपनी, अपने परिवार की और अपनी

नाव की प्रारम्भिक समस्याओं से हैं....ऐतिहासिक परम्परा के अनुसार आप एक व्यवस्थापक हैं......जब कि मेरे जैसा व्यक्ति....? सोचिये तो सही कि जिस व्यक्ति पर लगभग एक हजार व्यक्तियों की आजीविका और कल्याण का उत्तरदायित्व है, उस पर कितना दबाव पड़ता होगा। मुझे बहुधा इस बात को याद रखना पड़ता है कि मेरे महाद्वीपीय व्यवसाय की निरन्तर सफलता पर इतने अधिक व्यक्ति प्रत्यक्ष रूप से निर्भर करते हैं।"

"यदि अवसर मिले, तब भी मै ऐसा काम नही करूँगा।"

"महाशय, आप पुनः अपनी बुद्धिमत्ता प्रमाणित कर रहे हैं, किन्तु आप समझ सकते है कि किस प्रकार इस प्रकार का उत्तरदायित्व कभी-कभी मनुष्य के होश-हवाश को समाप्त कर सकता है? विपत्ति के दिनों मे कोई राहत नहीं मिलती, कोई ऐसा शान्त स्थान नही मिलता, जहाँ जाकर छिपा जा सके। आप, सम्भवतः, समझ सकते है कि किस प्रकार निरन्तर दबाव के कारण आदमी की विचार-शक्ति पूर्णतया नष्ट हो सकती है, बशर्ते वह अपने कल्पित कष्टों को बहुत बढ़ा-चढ़ा कर न देखने लगे और उनसे संघर्ष करने से तग आ कर उनके समक्ष आत्म-समर्पण न कर दे? मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप समझ सकते हैं कि ऐसे अवसरो पर आदमी अस्थायी रूप से आपे में नही रह जाता....वह ऐसे काम कर सकता है, जिनके लिए बाद में उसे हार्दिक पश्चाताप होगा और फिर वह प्रायश्चित्त के लिए प्रयत्न करता हुआ इधर-उधर दौड़ता फिरेगा?"

"मेरा अनुमान है कि कभी-कभी यह स्थिति बड़ी विकट हो जाती है।" जोस ने विचार-मग्न होकर अपनी भूरी आँखे मटकायी। ऐगन्यू के स्वर में एक सुखद कोमलता थी, इतनी अधिक कि वह भूल गया कि वह एक विमान पर बैठा हुआ है अथवा ऐगन्यू की समस्याओं के अतिरिक्त और कोई बात भी चिन्ता करने के लिए है।

"तो आप समझ गये न। आप मुझ से इस कारण घृणा तो नहीं करते कि थोड़े समय पहले मुझमें दुर्बलता आ गयी थी। उसके बारे में सोच कर मैं लज्जित ......पूर्णतया लज्जित हो जाता हूँ, महाशय। ऐसी बात पहले कभी नहीं हुई थी और मैं आपको आश्वासन देता हूँ कि बाद में कभी नही होगी... बात केवल इतनी है कि इधर हाल में मेरे व्यवसाय का दबाव अत्यन्त भयंकर रूप से बढ़ गया था। मुझे छुट्टी की बुरी तरह से आवश्यकता है और मैं इसी क्षण से छुट्टी मनाने का इरादा कर रहा हूँ। मेरी एक मात्र शेष महत्वाकांक्षा

यह है कि लोग मुझे चाहने लगें।"

"जरूर। आप बिल्कुल ठीक हो जायेंगे। केवल थोड़े समय के लिए इसे, भूल जाइये।"

"मै भूल जाऊँगा, किन्तु सबसे पहले मुझे अपना आत्म-सम्मान पुनः प्राप्त करना होगा और यह कोई आसान काम नहीं होगा। क्या आप सोचते है कि यदि मै केनेथ चाइल्ड्स से क्षमा मॉग लू, तो काम बन जायगा ?"

"वह कौन है ?"

"वहॉ, उस महिला के साथ बैठा हुआ आदमी. . . . जिस आदमी को मैंने.. धमकाया था. . . . ."

"ओह. . . . .हो सकता है कि इससे काम बन जाय। उसने आपको कोई नुकसान नहीं पहुँचाया था।"

"मै उससे कहूँगा कि वह मुझे क्षमा कर दे।"

"अब आप बुद्धिमानी की बात कर रहे हैं।"

"सामान्यतः मैं वहुत बुद्धिमान व्यक्ति हूँ। अपनी वर्त्तमान स्थिति पर विचार करने पर मैंने अनुभव किया कि मैंने कितना बुरा व्यवहार किया है। यदि हमे समुद्र मे उतरना पड़ा, तो मुझे यह सोच कर और भी अधिक पीड़ा होगी कि मैंने क्षमा-याचना नही की। मैं पुनः पूर्णतया सामान्य स्थिति में आ गया हूँ। अव मुझे सारी चीजे बहुत साफ-साफ दिखायी दे रही है।"

"आप उस युवती से भी क्यो नही क्षमा मांग लेते ? आपने उसके साथ अच्छा व्यवहार नही किया था।"

"धन्यवाद। मैं ऐसा ही करूँगा। आप ने सबसे पहले मेरे लिए चीजो को आसान बनाया और इसके लिए मै आपको जितना भी धन्यवाद दूं, थोड़ा ही है।" ऐगन्यू खड़ा हो गया और तत्पश्चात्, मानो उसने बाद में कुछ सोचा हो, आधा मुस्कराते हुए वह पुनः जोस की ओर घूम पड़ा।

"ओह. . . . .एक बात और. . . और कृपया अपनी सहनशीलता को कायम रखिये। वह पिस्तौल। खुल्लम-खुल्ला क्षमा-याचना कर लेने के बाद आप मेरे ऊपर अवश्य विश्वास करने लगेंगे। यह एक विचित्र बात है, किन्तु मैं महसूस करता हूँ कि इसके वापस मिल जाने से मेरा आत्म-विश्वास भी वापस लौट आयेगा। आपकी ओर से यह प्रतीकात्मक सद्भावना मात्र होगी; साथ ही यदि मै इस भावना से मुक्ति पा जाऊँ कि मेरे ऊपर नजर रखी जा रही है, तो मेरे लिए यह एक बहुत वड़ी बात होगी।"

जोस हिचकिचाया। उसने ऐंगन्यू की झुकी हुई आकृति का निरीक्षण इस प्रकार किया, जिस प्रकार वह किसी अज्ञात जाति की मछली के सम्बन्ध में अनुमान लगाता। वह अपने बालों को सहलाने लगा।

"जाइये देखिये कि आप कैसा व्यवहार करते हैं। मैं इस बारे में सोचूंगा।" ऐंगन्यू की आँखें अस्वाभाविक रूप से चमक उठी और उनकी मुस्कान व्यापक एवं हार्दिक हो गयी। वह संकल्पपूर्वक कदम बढा कर गलियारे में जाने लगा।

"श्री चाइल्ड्स?" वह मे होल्स्ट के सामने थोड़ा-सा झुका और अत्यन्त नम्रतापूर्वक प्रतीक्षा करने लगा।

"तुम फिर आ गये ?"

"मै अपने असाधारण व्यवहार के लिए क्षमा मांगने आया हूँ।"

"तो फिर ?" चाइल्ड्स उसकी ओर गौर से और सतर्क होकर देखने लगा। उसके घूंसे बँध गये और वह अपनी कुर्सी पर तन कर बैठ गया।

"मै केवल यही कारण प्रस्तुत कर सकता हूँ कि पिछले कुछ महीनों में मेरे व्यवसाय का दबाव बहुत अधिक बढ़ गया है। उसकी स्थिति निश्चित रूप से बिगड़ती जा रही है और चिन्ता... मुझे आशंका है कि वह मेरे लिए असह्य हो गयी थी। मुझे आशा है कि आप जैसा अनुभवी और भद्र व्यक्ति इस बात को समझ सकता है।"

"मै तो केवल इतना जानता हूँ कि तुमने मेरी हत्या करने का प्रयत्न किया। इस बात को भूल सकना इतना आसान नहीं है।"

"कृपा कीजिये, श्री चाइल्ड्स। अब मै बिल्कुल होश-हवास मे आ गया हूँ। मै इन महिला से भी क्षमा माँगता हूँ।" वह पुनः झुक गया।

"अपनी उस भली पत्नी के बारे में तुम्हारा क्या विचार है ?"

"सान फ्रांसिस्को पहुँचते ही मैं उससे टेलिफोन पर बात करने का विचार कर रहा हूँ।"

"तुम्हें ऐसा ही करना चाहिए। और मेरा सुझाव है कि इसके साथ ही तुम अपने दिमाग को बिल्कुल साफ कर डालो। तुम्हारी पत्नी जैसी भली औरत मैने आज तक नही देखी है। यह तुम्हारा परम सौभाग्य है कि तुम्हें ऐसी पत्नी मिली है। और यदि तुम्हारे कुटिल मस्तिष्क मे अब भी कोई संशय बाकी रह गया हो, तो किसी दूसरे की बात पर विश्वास करने का प्रयत्न करो। मै तुम्हारी पत्नी के साथ दो बार भोजन करने गया.... वे बड़े ही सुखदायक क्षण थे। हम एक सार्वजनिक भोजनालय मे, सम्भवतः, कुल तीन घण्टों तक

साथ-साथ रहे और इस अवधि मे उसने कोई भी ऐसा व्यवहार नही किया, जिसमें कोई भी व्यक्ति, यहाँ तक कि तुम भी, कोई गलती पा सके। मैं तुम्हारे लिए नही बल्कि उसके लिए यह स्पष्टीकरण कर रहा हूँ क्योंकि मैं अब भी तुमको इसका योग्य अधिकारी नही मानता। मार्था तुम्हारे साथ. . अथवा किसी भी व्यक्ति के साथ कभी विश्वासघात नही करेगी। क्या अब तुम पूरी तौर से समझ गये ?"

"हाँ, श्री चाइल्ड्स। मैं पूरी तौर से समझ गया। क्या आप मेरी क्षमा-याचना स्वीकार करेंगे।"

"अवश्य। अब भूल जाओ, इस बात को।"

इस प्रकार घूमते हुए, जिससे जोस उसके चेहरे को देख सके, ऐगन्यू मुस्कराया और उसने पुनः एक बार मे होल्स्ट के सामने सिर झुका दिया।

तत्पश्चात् पश्चाताप के भाव से अपनी उंगलियों को एक साथ बाँधते हुए वह सीधे स्पाल्डिग के पास पहुँचा, जो फ्रैंक ब्रिस्को के पीछे अकेली बैठी हुई थी। उसने अपने शरीर को इस तरह घुमाया, जिससे जोस पुनः उसको देख सके और उसने क्षमा-याचना प्रारम्भ की। पूर्वाभ्यास से उसके कार्य में सुधार हो गया था, वह एक छोटे लड़के के समान था, जो स्वीकृति के लिए याचना कर रहा हो। वहुत थोड़े समय बाद ही स्पाल्डिग मुस्कराने लगी।

गलियारे को पार कर जोस के पास पहुँच कर उसने कहा—"देखा आपने? अब तो आपको विश्वास हो गया कि मेरे ऊपर भरोसा किया जा सकता है ? क्या मैंने इसे सिद्ध नही कर दिया है ?"

"हाँ. . . . . . " जोस की आँखों में अब सन्देह का कोई भाव नहीं रह गया था।

"अपने शब्दों को वापस लेने के लिए सदा ही बड़े साहस की आवश्यकता होती है।"

ऐगन्यू ने अपना हाथ फैला दिया। "मुझे जो शांति प्राप्त हुई है, उसे क्या आप अब पूर्ण कर देंगे ? कृपा कीजिये। स्टीवार्डेस कह रही थी कि अब हमारे पास अधिक समय नहीं रह गया है।"

"यदि आप सचमुच सोचते हैं कि इससे आपके मन की स्थिति अधिक अच्छी हो जायगी. . . . . मेरा अनुमान है कि अब आप ठीक तरह से व्यवहार करेंगे।" जोस ने पिस्तौल को अपने कोट की जेब से निकाला और उसे हम्फी ऐगन्यू के खुले हुए हाथों में रख दिया।

"यह रही आपकी सम्पत्ति, महाशय। मैं तो यही उत्तम समझता हूं कि आगे से आप इसे घर पर ही छोड़ दिया करें।"

देखा, मार्था? देखो कि कम बुद्धि वाले व्यक्तियों को किस प्रकार कोई भी चीज करने के लिए राजी किया जा सकता है। पृथ्वी पर दुर्बल मन वाले व्यक्तियों का नहीं, प्रत्युत प्रतिभाशाली व्यक्तियों का शासन होगा।

"धन्यवाद, मित्र। अब मैं एक क्षण में ताजा हुआ जाता हूं। फिर आपको एक बिल्कुल नया व्यक्ति दिखायी देगा।"

उसने पिस्तौल को जेब में रख लिया और उसे पकड़े हुए ही प्रसन्नतापूर्वक पुरुषों के शौचालय की ओर बढ़ा। वह पुनः मुस्कराता हुआ स्पालिंडग के पास से होकर गुजरा और तत्पश्चात् वह उस स्थान पर गया, जहाँ पहले भोजन-सामग्री रखने का कमरा था। वह एक क्षण के लिए संकरे दरवाजे के सामने रुका और फिर भीतर घुस कर ताला बन्द कर लिया।

यह एक छोटा-सा, रोशनी से खूब जगमगाता हुआ कमरा था और यहाँ इंजिनों की आवाज प्रायः नहीं के बराबर सुनायी देती थी। वहाँ एक रासायनिक साबुन था, जिससे थोड़ी-थोडी कीटाणु-नाशक औषधि की-सी गंध आती थी, एक हाथ धोने का स्टैण्ड था, जिसके ऊपर एक शीशा था और शीशे की बगल में छेद था। वह हाथ धोने के स्टैण्ड के सामने जाकर अपने हाथों को विधिपूर्वक मल-मल कर धोने लगा, मानों वह आपरेशन करने के लिए तैयार कोई सर्जन हो।

यह बहुत ही सुन्दर और पवित्र चीज है, मार्था, और स्वच्छता की आवश्यकता जितना तुम सोचती हो, उससे अधिक महत्वपूर्ण है। जापानी निश्चय ही इस बात को समझते हैं और बड़े समारोहपूर्वक इस कार्य को सम्पन्न करते है। वर्षों तक अध्ययन करने के बाद मुझे विश्वास हो गया है कि जो लोग अनश्वरता के लिए अपना निजी समय और प्रस्थान का साधन चुनते हैं, वे बहुत सफाई के साथ यह काम सम्पन्न करते हैं। उदाहरणार्थ, अपने आपको छुरी अथवा गोलियों को समर्पित करने से पूर्व कोई स्त्री अनिवार्य रूप से स्नान करेगी और इत्र लगायेगी। वह अपना सर्वश्रेष्ठ रात्रिकालीन वस्त्र भी पहनेगी और अपने आसपास की प्रत्येक वस्तु को पूर्ण रूप से सुव्यवस्थित कर देगी और ऐसी मुद्रा ग्रहण करेगी, जिससे जिन लोगों को वह मिले, उनकी स्मृति में वह सदा बनी रहे। मार्था, क्या यह एक विचित्र बात नहीं है कि आत्महत्या सदा अधिक से अधिक नाटकीयता के साथ की जाती है?

अब मुझे रहस्य का पता चल गया है, मार्था। विवेचना करने के बाद मैं अब इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि यह बलिदान की भावना को पुनः स्वाभाविक रूप से अपनाने के समान है क्योकि प्राचीन काल मे केवल नवयुवकतम और सुन्दरतम व्यक्तियों को ही देवताओ के समक्ष अपना बलिदान करने की अनुमति दी जाती थी। अब केवल वे उत्कृष्ट प्राणी ही इन क्रियाओं को करने का प्रयत्न करते हैं, जो जीवन की अत्यन्त प्राकृतिक शक्तियों के साथ मिले-जुले रहते है। जीवन मे कायरता होने पर तुम्हे उसमे कोई वास्तविक सौन्दर्य नही मिल सकता, मार्था—स्वतंत्रता का अनुभव करने से पूर्व तुम्हें अपने आप को पूर्ण रूप से तूफान को समर्पित कर देना होगा।

उसने कागज की एक तौलिये से हाथ पोंछे, तत्पश्चात् जेब में हाथ डाला। उसने एक छोटी-मी-बोतल निकाली, आदत की यन्त्रवत सहजता के साथ दिल की बीमारी की एक गोली को हथेली पर रखा और फिर कुछ सोचते हुए उसे जीभ पर रख लिया। वह गोली को निगल गया। और इसके बाद उसने पानी की एक घूंट पी। वह शीशे के और निकट आगे की ओर झुका और अपने प्रतिबिम्ब को निहारने लगा।

देखा, मार्था? वेश्या कही की, इस महा-परिवर्त्तन को देखो। यह मृत्यु नही, जीवन है! मैंने सभी सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित कर दिया है कि मैं जीना प्रारम्भ करने के लिए प्रस्तुत हूँ तथा परिवर्त्तन पहले से ही प्रत्यक्ष दृष्टिगोचर होने लगे हैं। हाँ, मेरे बाल काले होने लगे है; मेरे गालों पर स्वास्थ्य की लालिमा देखो। और मेरी आँखे, मार्था..... मेरी आँखों को देखो। उनमे यौवन की चमक और सफाई है तथा तुमने जो क्षुद्र पीड़ा उत्पन्न कर दी है, उससे परे के देख रही हैं। लोग मुझे पसन्द करते है। वे देखते है कि मैं एक नवयुवक, उत्साही और बहादुर व्यक्ति हूँ! जब कि लोग, प्रायः इस बात के भय से कांपते है, लाचार हो जाते हैं, अपनी सुध-बुध खो बैठते हैं कि एक यन्त्र उनसे वह वस्तु छीन लेगा, जिसे वे जीवन समझते है, केवल मै अकेला ही प्रसन्न हूँ। मैं अपने रूपान्तर के समय के सम्बन्ध में निर्णय करूँगा ....किस मिनट...किस सेकण्ड पर यह होगा! मैं एक नवयुवक दिखायी देता हूँ, मार्था! सर्वोच्च!

वह शीशे से पीछे हट कर खडा हो गया और जेब से पिस्तौल को निकाल लिया। चिन्तापूर्वक चक्कर काटता हुआ वह दरवाजे के पास पहुँचा और उसने बत्ती बुझा दी। एक क्षण तक वह पूर्ण अन्धकार मे खड़ा रहा और

गहरी सांस लेता रहा।

उसे अब इंजिनों की आवाज नहीं सुनायी देती थी। एक आच्छन्न धकधक के अतिरिक्त, जो किसी दूरस्थ ढोल की प्रकम्पित आवाज के समान थी, उसके चारों ओर मौन ही मौन व्याप्त था। इस धकधक का स्वर प्रत्येक बार मन्द हो जाता था, किन्तु वह बार-बार आ अवश्य रहा था। यह मेरा हृदय है, मार्था, मेरा आनन्दित हृदय—जो मेरे नये युवा रक्त का सन्चार कर रहा है।

वह पिस्तौल उठा ही रहा था कि उसे एक मद्धिम प्रकाशवान वृत्त दिखायी दिया, जो आकाश में लटकता हुआ-सा प्रतीत हो रहा था। वह उसके बढ़ते हुए प्रकाश से आकृष्ट हो कर उसकी ओर बढा। उसने अनिश्चित ढंग से वृत्त की ओर हाथ बढ़ाया और उसे पता लगा कि उसकी उंगलियां 'पोर्ट होल' का स्पर्श कर रही हैं। और शीशे के पार उस असाधारण तीव्रता से चमकते हुए करोड़ों सितारे थे और ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वह उसकी पीड़ा पर आँसू बहा रहे है। उसकी उंगलियाँ 'पोर्ट होल' पर रुक गयी, मानो वह शीशे को पार कर तारों को अपने हाथ में बटोर लेगा। वह चिल्ला कर तारों को पुकारना चाहता था। वह यह घोषित करना चाहता था कि मैं शीघ्र ही तुम्हारे पास आने वाला हूँ और ठोकर मार कर तुम्हें अपने स्थान से हटा देने वाला हूँ।

फिर अत्यन्त धीरे-धीरे उसका हाथ उसके चेहरे पर आ गया और शीशे का स्पर्श करने के कारण उसमें जो शीतलता आ गयी थी, उसके फलस्वरूप वह काँपने लगा। जिस हाथ में पिस्तौल थी, वह उसकी बगल में लटक गया।

"मार्था!" वह पीड़ा के मारे चिल्ला उठा, फिर भी उसे अपनी आवाज नहीं सुनायी दी। वह केवल धकधक की आवाज को सुन सकता था। उसके विचार रुक गये। अचानक झटके के साथ तीव्र पर्यवेक्षण शक्ति जाग्रत हो जाने के कारण उसका मस्तिष्क उसके सिर में कांपता हुआ-सा प्रतीत होने लगा। वह दीवार पकड़ कर खड़ा हो गया और अचानक उसे बहुत अधिक सर्दी का अनुभव होने लगा। उसे यह जानकर महान् विस्मय हुआ कि उसे केवल तारों से ही प्रकाश मिल रहा था। और यह स्थान—वह यहाँ कैसे आ गया था?

धीरे-धीरे उसके विचारों में स्थिरता आ गयी। जिस प्रकार कोई व्यक्ति किसी टोकरी के बिखरे हुए सामान को पुनः उठा कर टोकरी में रखता है, उसी प्रकार वह अपने विचारों को एक-एक कर के एक सूत्र में पिरोने लगा। केन चाइल्ड्स ने क्या कहा था? "उनके बीच कोई. . . कोई सम्बन्ध नहीं था. . .

मार्था कभी किसी के साथ विश्वासघात नही करेगी ?" तुम सौभाग्यशाली हो। वह एक भली लड़की है। उसके व्यवहार की आलोचना कभी कोई व्यक्ति नहीं कर सकता.... तुम गलती पर हो.... तुम्हारा दिमाग फिर गया है .... ईर्ष्यालु मूर्ख।

धकधक। अब वह बहुत अधिक निकट सुनायी दे रही थी। वह धकधक के बन्द हो जाने की कामना करने लगा।

मुश्किल से इस बात का अनुभव करते हुए कि वह हिला भी है, उसने पिस्तौल दूसरे हाथ मे ले ली। वह एक क्षण तक उसे पकड़े रहा और उसके चिकने ऊपरी भाग पर उंगलियाँ फेरता रहा। उसे पिस्तौल से घृणा हो गयी थी। तत्पश्चात् उसकी उंगलियों ने अपना अनुसंधान-कार्य बन्द कर दिया। गोलियाँ रखने के खाने में केवल खाली सुराख थे ! उस मछुवे ने, उस मूर्ख मछुवे ने, जो हम्फ्री ऐगन्यू की अपेक्षा बहुत अधिक जानकारी रखता था, प्रत्येक गोली निकाल ली थी ! ओह मार्था !

उसने पिस्तौल को फर्श पर फेंक दिया और आँखों को अपने हाथों से बन्द कर लिया। वह तारों की ओर नहीं देख सका। मैं इसे तुम्हें दे दूँगा, मार्था। मुझे जीने का अवसर प्रदान करो और मैं अपना जीवन तुम्हें अर्पित कर दूँगा, मार्था !

तत्पश्चात् अपने कष्ट से मुक्ति पाने पर उसे पता चला कि धकधक दरवाजे से आ रही थी। हाबी व्हीलर कड़े स्वर में उसे पुकार रहा था।

"सुनिये ! आप अन्दर है ! क्या आप मेरी आवाज नहीं सुन सकते ? बाहर निकलिये, महाशय ! हम पानी पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं !"
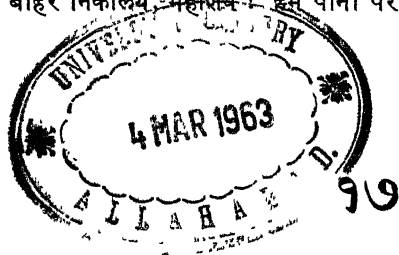
उन बादलों में अब एक विशाल दरार पड़ गयी थी, जिनके कारण दोनों विमान एक-दूसरे को दिखायी नहीं देते थे। विमान अत्यन्त आकस्मिक रूप से बादलों के बन्धन से मुक्त हो गये। कुछ समय तक वे बिना किसी विघ्न-

वसुधा के गर्भाशय के समान एक अनन्त खाईं में तैरते रहे। उनके चारों ओर बादल एक ऊँचे, वाष्पमय दुर्गों का निर्माण कर रहे थे। ठीक नीचे काला समुद्र इन भित्तियों की नींव के समान दिखायी दे रहा था और उन्हें केवल तारों से मन्द प्रकाश प्राप्त हो रहा था।

इस विवर के पार विमानों का मार्ग केवल उनकी मार्ग-निर्देशक बत्तियों के प्रकाश से आलोकित हो रहा था। चार-दो-सिफर नम्बर के विमान वाले कम्पनी-विमानों की विशेष पद्धति से बारी-बारी से लाल, सफेद और हरी बत्तियाँ जलाते थे। तट-रक्षक विमान वाले एक ही रंग की बत्ती जला रहे थे। वे लगभग एक ही समय बादल के पश्चिमी छोर से बाहर निकले और उन्होंने पूर्व की दिशा में उड़ना जारी रखा, मानो उन्हें अदृश्य तारों से सहारा मिल रहा हो।

अनेक मिनटों तक वे बिना किसी विघ्न-बाधा के एक साथ इस मार्ग पर उड़ते रहे और अपनी उतरने की बत्तियों से एक-दूसरे को सिगनल देते रहे। पूर्व दिशा के खुले आकाश के निकट पहुँचने पर, उस धीमी गति के कारण उन विमानों की न्यूनता और भी स्पष्ट हो गयी, जिससे वह बादलों की ओर बढ़ रहे थे। वास्तविक गति के बावजूद ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वे पूर्व की दिशा में रेंग रहे हैं और अन्त में एक बार फिर जब वे बादलों में समा गये, तब आकाश में उनका मार्ग अदृश्य हो गया।

आकाश के प्रति चार-दो-सिफर नम्बर के विमान की लड़खड़ाती हुई प्रगति का नियंत्रण करने वाले व्यक्तियों की आशाएँ बहुत पहले समाप्त हो चुकी थी। फिर भी बादल के छंट जाने से उन्हें थोड़ा सा आराम मिला था और अपने विमान जैसे ही एक विमान को देखकर वे विश्वास करने लगे थे कि उनके निजी संसार ने उनका परित्याग नहीं कर दिया था। बी–१७ को वास्तविक रूप से देखने का, उसकी सुन्दर रेखाओं का–जो तारों के प्रकाश में मुश्किल से ही दृष्टिगोचर होती थीं–नैतिक मूल्य उन समस्त रेडियो-वार्तालापों से अधिक था, जिनकी आवाजें निर्लिप्त होती थीं और क्षितिज के पार से आती थीं। यद्यपि उन्हें इस बात का भलीभाँति ज्ञान था कि बी–१७ विमान वाले उन्हें तत्काल कोई सहायता नहीं प्रदान कर सकते थे, फिर भी निराशा की वर्त्तमान भावना समाप्त हो गयी थी। इस बात के तथा वायु की अस्थायी निर्विघ्नता एवं वर्षा के समाप्त हो जाने के फलस्वरूप उनका उत्साह बढ़ गया गया और उन्हें पुनः एक बार इस प्रकार कार्य करने की प्रेरणा मिल गयी, मानो वे अपने भविष्य पर नियंत्रण कर सकते हैं। और इस कारण वे उत्सुकता-

पूर्वक बायीं खिड़की के बाहर देखने लगे। वे आँखों पर हाथ रख कर एक दूसरे सिरे के ऊपर झुक-झुक कर वी—१७ की ओर एक टक देखने तथा उसकी उपस्थिति के मधुर सत्य को धीरे-धीरे हृदयंगम करने लगे।

बादलो की पूर्वी दीवार मे प्रवेश करने से ठीक पहले सलीवन ने उनके तल्लीनतापूर्ण पर्यवेक्षण को भंग कर दिया। उसके स्वर मे पुनः अधिकार की भावना काफी हद तक आ गयी थी।

उसने दृढ़तापूर्वक कहा—"तुम अब पीछे चले जाओ। तुम्हारे स्थान पर डैन आयेगा। 'गिब्सन गर्ल' नामक रेडियो सम्प्रेषण-यत्र को साथ लेते जाओ और यात्रियो को पानी पर उतरने के लिए तैयार रखो। तुम्हें पर्याप्त समय मिलेगा .. अतः इसका उपयोग करो। पानी पर उतरना प्रारम्भ करने से दस मिनट पहले मै इशारा करूँगा। तब तक प्रत्येक व्यक्ति को तैयार रखो। जब मै धूम्रपान बन्द करने का सकेत दूं, तब तुम और स्पार्लिडग सम्हल जाना और मजबूती के साथ खड़े हो जाना।"

"पिछले दरवाजे के विषय मे आप का क्या कहना है?" हाबी ने अपने 'ईयरफोन' को उतार कर उन्हें सावधानीपूर्वक अपनी बगल मे एक खूंटी पर टाँग दिया। उसने अपने बालो को स्वयचालित रूप से संवारा और खड़ा हो गया। उसका जवान चेहरा पसीने की बूदो से ढका हुआ था तथा उसकी आँखें सूजी हुई थीं, मानो वह अभी-अभी सोकर उठा हो। वह ठीक उसी प्रकार अपनी बाईस वर्ष की आयु की अपेक्षा भी अधिक नवयुवक दिखायी दे रहा था, जिस प्रकार वास्तव मे थका हुआ कोई नवयुवक, जो अकस्मात् यह अनुभव करता है कि वह अत्यधिक साहस पर ही निर्भर करता है, शारीरिक दृष्टिकोण से अपने बीते हुए शैशव को पुनः वापस पाते हुए दिखायी देता है "पिछले दरवाजे को मैं कब खोलूंगा?"

"ज्यों ही तुम्हे विश्वास हो जाय कि हम रुक गये है। जल्दी मत करना... याद रखो। अपने यात्रियों को नौका पर सवार करा देना और हमारे लिए तब तक प्रतीक्षा करते रहना, जब तक कर सको। यदि हम सभी एक साथ हो सके, तो ...... यह बहुत अच्छा होगा।"

"ठीक है।" वह नियंत्रण-पटल के चारों ओर घूम कर सलीवन की बगल में नीचे उतर गया। उसने विचार-मग्न होकर लियोनार्ड और फिर डैन की ओर देखा। यह एक ऐसा विछोह, प्रयत्नों का एक ऐसा विभाजन था, जिसे वह स्पष्टतः पसन्द नहीं करता था। अब उसे अपने आप अनेक निर्णय करने

के लिए विवश होना पड़ेगा और वे निर्णय चाहे जितने भी क्षुद्र हों, वह जानता था कि उनका सही होना नितान्त आवश्यक था।

"भाग्य तुम्हारा साथ दे, बंधुओ!"—उसने कातर भाव से कहा।

उसने मुस्कराने का प्रयत्न किया और तत्पश्चात् वह अनिच्छापूर्वक यात्रियो की केबिन की ओर बढ़ गया। कर्मचारियों के कक्ष से होकर गुजरते समय, उसने पटरे के ऊपर के ताख से 'गिब्सन गर्ल' नामक यंत्र को नीचे उतार लिया। यह एक छोटा-सा, आश्चर्यजनक रूप से निर्मित रेडियो-सम्प्रेषण यत्र था तथा उसके वाटरप्रूफ ढक्कन की बनावट के कारण उसका यह नाम पड़ा था। हाबी, जो इस नाम की व्युत्पत्ति को निश्चित रूप से बिल्कुल नहीं जानता था क्योंकि उसे चलचित्रों में गिब्सन नाम की किसी लड़की को देखने की याद बिल्कुल नही आ रही थी, यंत्र की बारीकियो में तल्लीन था। उसने मन ही मन उसकी कार्यक्षमता पर विचार किया और उसे इस बात की याद हो आयी कि यद्यपि यह यंत्र सरलतापूर्वक उसकी कांखों के नीचे समा जाता था, तथापि उसने अनेक संकटग्रस्त व्यक्तियों की रक्षा की थी। एक चाभी को घुमाने से ही वह सकट की जो सूचना देता था, वह एक सौ मील से अधिक दूर तक सुनायी दे सकती थी तथा कोई भी विमान अथवा जलपोत उसके आधार पर दिशा ग्रहण कर सकता था। वह जानता था कि यह नवीनतम प्रकार का यंत्र था, जिसमें एक ऐसी व्यवस्था थी, जिससे व्यापक क्षेत्र में फैले हुए जहाजो पर संकटकालीन स्थिति की सूचना देनेवाली घण्टी अपने-आप बजाने लगती थी। यदि धरातल पर हवा हो, तो 'एरियल' को ऊपर रखने के लिए उसमे एक पतंग की व्यवस्था थी और यदि शांति हो, तो उस समय के लिए उसमें उदजन का एक गुब्बारा उपलब्ध था। यह एक बहुत ही आश्चर्यजनक छोटी-सी मशीन थी, जो कठिन से कठिन स्थिति का भी सामना करने की क्षमता रखती थी—फिर भी, हाबी उसे अत्यन्त कोमलता के साथ अपनी बगल में दबा कर केबिन के दरवाजे से बाहर निकला।

"बहुत अच्छा डैन"—सलीवन ने कहा—"अब मैं चलाऊँगा।" वह आगे की ओर झुका और उसने नियंत्रण-चक्र को पकड़ लिया और डैन बायीं ओर की कुर्सी पर से उतर गया। स्थान-परिवर्त्तन करते समय उनकी नजरे मिलीं, किन्तु उन्होंने कहा कुछ भी नही। जब विमान पुनः घने बादलों में प्रविष्ट हुआ और वर्षा फिर से क्रोधपूर्वक, शोर मचाती हुई आ गयी, तब उड्डयन-कक्ष डगमग होने लगा। डैन हाबी की कुर्सी पर तत्काल जा कर नहीं बैठ गया।

सलीवन ने अपना 'हेडफोन' लगा लिया था और यदि आगामी कुछ मिनटों के अन्तर्गत और अधिक संदेशों के आदान-प्रदान की आवश्यकता होती, तो वह स्वयं यह कार्य कर लेता।

डैन ने ईंधन-मापक यंत्रो का अध्ययन किया। उसने अपने-आप को निराशाजनक दृष्टिकोण से उनका अध्ययन करने के लिए बाध्य किया। तत्पश्चात् उसने कुछ सरल अंकगणित से काम लिया। अब सभी टंकियों मे कुल मिला कर दो सौ बीस गैलन ईंधन था। जो विमान प्रति घण्टे लगभग दो सौ गैलन ईंधन की खपत कर रहा था, उसमें दो सौ बीस गैलन ईंधन का होना एक अत्यन्त सीधा-सादा हिसाब था। बात बहुत ही सरल थी। कोई न कोई पुर्जा बहुत शीघ्र ही जवाब दे जायगा।

लियोनार्ड अपने बिजली के उच्चता-मापक-यंत्र और 'स्टाप घड़ी' पर झुका हुआ निरुत्साहित होकर वायु के सम्बन्ध में, जिसे वह पहले विश्वासघाती की संज्ञा प्रदान कर चुका था, अपनी गणना की पुष्टि करने का प्रयत्न कर रहा था। डैन पीछे हट कर उसकी बगल मे जाकर खड़ा हो गया।

"हवा के सम्बन्ध मे कोई नयी बात है क्या, लेनी ?"

"नही।"

"तब तो हमारे बचने की सम्भावनाएँ कोई बहुत अधिक नही है ?"

"नहीं। मै चाहता हूँ... हे परमात्मा, मै चाहता हूँ कि हमारे पास और दस मिनट के लिए ईंधन होता! केवल और दस मिनट के लिए....."

"क्या तुम्हें निश्चित रूप से विश्वास है कि इतने से काम चल जायगा, लेनी ? क्या तुम निश्चयपूर्वक कह सकते हो ?" डैन के बातचीत करने के ढंग में केवल उत्सुकता थी और उसके प्रश्नों का स्वर उसी प्रकार का था, जैसा वह किसी भी सामान्य उड़ान के समय होता। वह लियोनार्ड से किसी बेसबाल टीम के सम्बन्ध में भी प्रश्न पूछ सकता था। जब वह वहाँ खड़ा हो कर धीरे-धीरे अपने गालों में पड़े हुए गड्ढों पर उंगलियाँ फेर रहा था, तब उसकी शांति का कुछ प्रभाव लियोनार्ड पर भी पड़ा और वह कटुतापूर्वक हँसने लगा।

"जैसा कि उन्होंने पुस्तकों में लिखा है, अब मैंने हम लोगों की ठीक-ठीक स्थिति का पता लगा लिया है। और दस मिनट के लिए ईंधन होने पर हम इस विपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं।"

"इस छोटी-सी बात की पूर्ति के लिए वायु की गति में कितनी वृद्धि होने की आवश्यकता है ?"

"अगले घण्टे में बीस 'नाट' (लगभग चौबीस मील)"।

"यह तो बहुत अधिक है।"

"ऐसा हो नही सकता और इसलिए मै इसकी कामना भी नहीं कर रहा हूँ, किन्तु यदि हमारे विमान के पिछले भाग मे वायु की गति मे थोड़ी-सी वृद्धि हो सकी और प्रतीत होता है कि ऐसा ही हो रहा है...तो हम समुद्र [illegible] पार सकते है।" लियोनार्ड ने एक विस्मृत-सी मुद्रा मे अपने हाथों को अपने घुटनों पर रख दिया। उसने डैन की ओर देखा और अपना सफेद सिर हिला कर बोला—"आह...मेरा अनुमान है कि हमें समुद्र मे बहुत देर तक नही रहना होगा और वे हमे बचा लेगे, किन्तु इससे सूसी निश्चित रूप मे चिन्तित हो जायगी। वह कानून बना देगी। सम्भवतः वह इस बात पर जिद कर बैठेगी कि मै उड्डयन के पेशे का परित्याग कर दूं।"

"क्या तुम इस पेशे का परित्याग कर दोगे ?"

लियोनार्ड ने इस प्रकार तिरछी दृष्टि से देखा, मानो यह प्रश्न उसके लिए पूर्णतया आश्चर्यजनक हो; इस प्रश्न का उत्तर देने में उसे तीव्र पीड़ा का अनुभव होने लगा। वह अपने हाथों को घुटने पर से हटा कर पेट मलने लगा और फिर उन्हें निर्णयात्मक रूप से घुटनों पर ही रख दिया।

"नहीं, परमात्मा की शपथ !"

"दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि तुम अपनी पेन्शन से वञ्चित होने नहीं जा रहे हो ?"

"कुछ-कुछ ऐसा ही समझो।"

"तुम्हें पेन्शन मिलेगी, लेनी। मुझे ऐसा लग रहा है कि वह तुम्हें मिलेगी।"

डैन पुनः कर्मचारियों के कमरे में चला गया। वहाँ आवाज अधिक थी क्योंकि इंजिन कुछ ही फुट की दूरी पर थे, किन्तु वह कुछ मिनटों के लिए अकेला रहना चाहता था और उस समस्या के समाधान के लिए अन्तिम प्रयास करना चाहता था, जो समस्या तटरक्षक विमान के साथ प्रथम [illegible] स्थापित होने के बाद से ही उसे परेशान कर रही थी।

अंधेरे में वह सिर के ऊपर के रोशनदान के नीचे होकर गुजरा। वर्षा के पानी की एक पतली धारा रोशनदान से होकर आ रही थी। उससे उसका चेहरा और गर्दन का पिछला भाग भीग गया। धीमे स्वर में बड़बड़ाता हुआ वह रोशनदान से दूर हट गया और उसने बत्ती जला दी। उसने [illegible] में जाने वाले द्वार पर पर्दा गिरा दिया और कमरे की बत्ती जला दी ! वह दीवार

से सट कर झुक कर बैठ गया। तत्पश्चात् उसने एक सिगरेट सुलगायी और विचार-मग्न होकर रोशनदान से होकर आनेवाली पानी की धारा को देखने लगा। रोशनदान के नीचे डेक पर काफी पानी एकत्र हो गया था।

डैन ने सोचा कि यदि सलीवन के मन की बात हुई, तो बहुत जल्द ही इस कमरे में किसी भी व्यक्ति के डूबने भर के लिए पानी भर जायगा।

उसने जोर से सिगरेट से कश खींची। जब उसने गारफील्ड से पुनः विमान पर नौकरी देने के लिए कहा था, तब उसने इस प्रकार की बात की आशा बिल्कुल नहीं की थी। उसे पहले से ही इस बात का आभास मिल गया था कि छोटी-मोटी कठिनाइयाँ और दिक्कतें पैदा हो सकती हैं और उसने खूब सोच-समझ कर इस प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए अपने आप को तैयार कर लिया था, किन्तु यह स्थिति. . . . ? किसी भी उड़ान में वह सब से अधिक आयु का कर्मचारी होता, और इसलिए उसने अपने आप से कहा था कि पैंतीस वर्षों के उड्डयन के अनुभव से लाभ उठाने का चाहे जो भी आकर्षण हो, उसे बात का ज्ञान होना ही चाहिए कि किस प्रकार खामोश रहा जाता है। यह स्थिति भिन्न थी – या क्या ऐसा नहीं था ? स्थिति को बिगाड़ने के लिए अनेक बातें थीं। फुर्ती और सफाई से सोचने का यही समय था, वल्कि समय व्यतीत हो चुका था।

अधिकार की दृष्टि से, आकाश के कानून भी लगभग समुद्र के कानूनों के ही समान थे। किसी विमान की उडान और उसकी सुरक्षा का सारा उत्तर-दायित्व उसके कप्तान के ही ऊपर होता था। वह स्वतः किसी भी दुर्घटना का दोष अपने ऊपर ले लेता था, चाहे वास्तविक दोष किसी का भी हो। उसके अधिकार भी असीमित थे और विमानों पर विद्रोह इतने कम होते थे कि उन पर विचार करने की आवश्यकता ही नही थी। दस हजार उड़ानों में कभी एक बार कर्मचारी-वर्ग का कोई सदस्य कप्तान के निर्णय पर खुले रूप से आपत्ति प्रकट करता है, किन्तु इस प्रकार के वाद-विवादों का निपटारा, यदि कप्तान किसी वाद-विवाद के लिए अनुमति दे, अनिवार्यतः भूमि पर ही हुआ करता है। ऐसी बात नहीं है कि अधिकांश कप्तान अपने दिमाग को बन्द रखते हैं और किसी प्रकार का सुझाव सुनते ही नहीं। इसके विपरीत कोई भी बड़ा विमान एक अत्यन्त तीव्रगामी और विकट वन-पशु के समान होता है तथा विमान के कर्मचारी स्वयं, सर्वप्रथम, इस बात का अनुभव करते हैं कि विमान पर उनका कोई न कोई सर्वोच्च नेता अवश्य होना चाहिए। दो सौ अथवा तीन सौ मील

प्रति घण्टे की उड़ान में वाद-विवाद के परिणामस्वरूप अनमोल मिनट नष्ट हो जायँगे। ऐसा कभी नहीं सुना गया कि किसी कप्तान ने जान-बूझ कर आत्महत्या का प्रयत्न किया हो और इसलिए व्यावहारिकता की दृष्टि से तर्क-वितर्क होते ही नहीं थे। और अब सलीवन विमान को पानी पर उतारने का विचार कर रहा था। वह अपने विमान को तथा उसके समस्त यात्रियों को रात में भीषण गर्जना करने वाले समुद्र में डाल देने का विचार कर रहा था, जब कि सुरक्षा केवल दस मिनट की दूरी पर थी। क्या वह उचित काम कर रहा था— क्या इसके अतिरिक्त और कुछ किया ही नहीं जा सकता था ?

यह एक ऐसा प्रश्न था, जिसे डैन ने विगत घण्टे में असंख्य बार अपने आप से पूछा था। यदि उसे इस बात का विश्वास हो जाता कि सलीवन का निर्णय ठीक था, तो उसे इस बात की तनिक भी चिन्ता नहीं होती कि क्या होगा— एलिस और टोनी की मृत्यु के बाद से वह किसी बात की चिन्ता नहीं करता था— किन्तु क्या सलीवन का निर्णय ठीक था ? निश्चय ही वह ऐसे समय पानी पर उतरना चाहेगा, जब उसके पास इतना काफी ईंधन बचा हो, जिससे वह कुछ कौशल दिखा सके। और उसका यथासम्भव अधिक से अधिक समय उड़ते रहना बुद्धिमत्तापूर्ण बात थी, जिससे टंकियों के प्राय: खाली हो जाने के कारण पानी के ऊपर विमान अपेक्षाकृत अधिक हल्का रहे। कप्तान की हैसियत से यह उसका कर्त्तव्य था कि वह किसी प्रकार का खतरा न ले। खतरा लेने का काम तो उन व्यक्तियों के लिए है, जो कुछ खो देने की परिस्थिति में हों; किन्तु यहाँ तो केवल वे दस मिनट थे— और जिस प्रकार लियोनार्ड विल्बी ठीक मील तक दूरी नहीं बता सकता था, उसी प्रकार तेल-मापक यंत्र ठीक गैलन तक ईंधन की सूचना नहीं दे सकते थे। अत: सान फ्रांसिस्को विमान-स्थल तक पहुँचने के लिए अब भी अवसर था और यदि उस अवसर का एक भाग भाग्य हो, तो अन्त में सलीवन के विमान को पानी पर उतारने की व्यवस्था करने में भी भाग्य योग प्रदान कर सकता था। ऐसा प्रतीत होता था कि सन्तुलन प्राय: एकदम बराबर है।

यह सलीवन का निर्णय था। प्रत्यक्षत: वह अपना अन्तिम निर्णय पहले ही कर चुका था। और अब उसे निर्णय में परिवर्त्तन करने के लिए राजी करना कठिन एवं खतरनाक, दोनों हो सकता था — विशेषत: उस समय, जबकि राजी करने का प्रयत्न करने वाला व्यक्ति मातहत की स्थिति में था। बहुत कुछ इस

बात पर निर्भर करेगा कि सलीवन अपने ऊपर नियंत्रण कर सकने में कहाँ तक सफल हुआ है। एक समय तो ऐसा प्रतीत हुआ था कि उसके साहस ने पूर्ण रूप से उसका साथ छोड़ दिया है। लक्षण असन्दिग्ध थे; फिर भी, अब वह पुनः शक्तिशाली और कृत-संकल्प प्रतीत होने लगा था।

डैन ने सीटी बजाने का प्रयत्न किया, किन्तु उसके होठों पर जो राग आया, वह शोकपूर्ण था; उसने सीटी बजाना बन्द कर दिया। क्या सलीवन एक ऐसे बूढ़े व्यक्ति की बात सुनेगा, जिसे निकम्मा समझने का उसे पूरा-पूरा अधिकार था? डैन रोमन के लिए—एक खत्म हुए पुराने विमान-चालक के लिए—उसकी दया कितनी गोपनीय थी? आजकल पुराने विमान-चालकों को विनम्रता-पूर्वक सहन करना निर्धारित शालाओं में अत्यन्त उच्च प्रशिक्षण पाये हुए नव-युवक विमान-चालकों के लिए एक प्रथा-सी बन गयी है। वे उनका सम्मान करते है। यह सम्मान उनकी वर्त्तमान कार्य-क्षमता के कारण नही होता क्योंकि बहुधा पुराने विमान-चालक उच्च कोटि की उड़ान की आयु को पार कर गये होते है। यह सम्मान तो उनके द्वारा पहले किये गये कार्यो के लिए प्रकट किया जाता है। उन्होंने एक नये संसार का निर्माण किया था और जिस गति ने इस संसार को जीवन प्रदान किया था, उसी गति पर वह अत्यन्त तीव्रता के साथ उनको छोड़ कर आगे बढ गया था। पुराने विमान-चालक, जिनमे सन् १९३५ से पहले उड़ान करने वाला कोई भी विमान-चालक सम्मिलित था, पुराने फर्नीचर के समान थे, जिनकी प्रशंसा की जाती है और सम्भवतः जिनसे प्रेम भी किया जाता है, किन्तु बहुधा जिनके सम्बन्ध में यह सन्देह किया जाता है कि वे काम देने लायक नहीं रह गये है। और हाल के वर्षों में हवाई उड्डयन के विज्ञान ने इतनी तीव्र गति से प्रगति की है कि नवयुवकों को भी अपने को उसके अनुरूप बना सकने में कठिनाई का अनुभव हो रहा है। फिर भी—भाड़ में जाय यह विज्ञान—यह स्थिति तो विज्ञान नही है। यह भाग्य की एक स्थिति है।

डैन ने प्रयत्नपूर्वक गारफील्ड के शब्दों को याद किया। उसने कहा था—"डैन, तुम्हें पता चल जायगा कि तुम्हारा समय अब गुजर चुका है। अब यह नौजवानों का काम बन गया है....अब तो विमान-चालन ऐसे उत्साही नवयुवकों का काम हो गया है, जो अत्यन्त प्रशिक्षित होते हैं तथा जिनके दिमाग उच्च दबाव वाले पम्पों की भाँति काम करते है। अपने हेल्मेट और चश्मे को खूंटी पर टांग दो और भूल जाओ इस चीज को।" तो फिर?

जिस समय सलीवन में क्षणिक दुर्बलता आ गयी थी, उस समय को छोड़

कर वह ठीक उस नवयुवक की भाँति था, जिसका वर्णन गारफील्ड ने किया था। वह उससे भी कहीं अधिक था। उसे समुद्र के ऊपर उड़ने का पहले से ही बहुत अधिक अनुभव था और उसे ऐसे व्यक्ति की राय को न मानने का अधिकार था, जिसके बारे में वह जानता हो कि उसे मुख्यतः शुष्क धरती पर छोटे-छोटे विमान उड़ाने का अनुभव रहा है। और उसकी दोनों बातें ठीक हो सकती हैं, डैन—तुम्हारे विचारों को मानने से इनकार करना भी और जो निर्णय वह पहले ही कर चुका है, वह निर्णय भी। तुमने वास्तव में इस बात को स्वीकार नही किया है।

उसने अपनी सिगरेट को इस प्रकार पकड़ लिया, जिससे वह रोशनदान के ठीक नीचे हो गयी और वर्षा के पानी से भीग कर बुझ गयी। वह अपने थैले के पास गया, जो हाथ धोने के पात्र के नीचे रखा हुआ था और उसके सामने घुटनों के बल बैठ गया। उसके हाथ विश्वासपूर्वक एक मुस्कराती हुई, सुनहरे बालों वाली लड़की तथा एक छोटे बालक के छोटे, मढ़े हुए चित्र के पास पहुँच गये। एलिस और टोनी। वे सूर्य के चमकते हुए प्रकाश में पलस्तर की एक दीवार पर बैठे थे और डैन को पहले के अनेक अवसरों की भाँति ही इस बात की याद हो आयी कि वह चित्र कैलिफोर्निया में उनके मकान के सामने उस दुर्घटना से ठीक तीन दिन पहले लिया गया था, जिस दुर्घटना के बाद उसके मस्तिष्क को कभी पूर्ण शांति नही प्राप्त हुई थी। एलिस और टोनी की याद इस समय उसकी विचार-धारा को कितना प्रभावित कर रही थी? उसने यह प्रश्न अपने से नहीं, बल्कि चित्र से किया। क्या मेरा यह विश्वास गलत है कि सलीवन को तब तक उड़ान जारी रखनी चाहिए, जब तक टंकियाँ खाली न हो जायँ? क्या मेरा यह विश्वास गलत है कि यदि भाग्य ने साथ दिया, तो हम यात्रा पूरी कर सकते है? क्या मैं उसके निर्णय में परिवर्त्तन के लिए प्रयत्न कर. . . . और सम्भवतः उसमें सफल हो कर एक दूसरा अपराध कर रहा हूँ?

वह उठा और कमरे को पार कर पटरे तक पहुँच गया। वहाँ पहुँच कर उसने तीन जीवन-रक्षक जैकेटों को निकाला। उसने एक जीवन-रक्षक जैकेट का रबर का परिवेष्टन हटाया तथा चित्र पर अन्तिम बार दृष्टिपात करने के बाद उसे परिवेष्टन में सावधानीपूर्वक लपेटा। उसने चित्र को साफ-सुथरे ढंग से लपेटा और तत्पश्चात् उसे अपने पिछले पाकेट में रख दिया। फिर उसने जीवन-रक्षक जैकेट को अपने सिर पर धारण कर लिया। उसने फीतों को अपने

पैरों और सीने पर बाँध लिया। तत्पश्चात् वह जीवन-रक्षक नौका की मजबूत और वजनदार रस्सियों को खोलने के काम मे जुट गया।

अपनी पिचकी हुई दशा मे जीवन-रक्षक नौका एक बहुत बडे बिस्तर के समान दिखायी दे रही थी। वह बहुत वजनदार थी और उसे इस्तेमाल करना झंझट का काम था। बाद में जब विमान समुद्र पर जाकर रुक जायगा, तब वे 'एस्ट्रोडोम' पर संकटकालीन द्वार को खोलेंगे और सम्भवतः उनमे इतनी शक्ति बची रहेगी कि वे नौका को छोटे-से द्वार के बाहर ढकेल सके। उसने जीवन-रक्षक नौका को उड्डयन-कक्ष के द्वार के पास हटा कर उसे तैयार स्थिति मे कर दिया और दो शेष जीवन-रक्षक जैकेटों को लेकर आगे बढ़ गया। उसने एक जैकेट लियोनार्ड को दे दिया।

"सम्भवतः यह रंग तुम्हें पसन्द नहीं आयगा, लेनी... किन्तु आजकल इसी का फैशन है।"

"धन्यवाद।" लियोनार्ड पीले रंग के जीवन-रक्षक जैकेट की ओर विचार-मग्न होकर एक टक देखने लगा। "मैंने कभी नहीं सोचा था कि वास्तव में मुझे इसे पहनना पड़ेगा।"

"अच्छा हो कि कारतूसों की परीक्षा कर लो और इस बात का निश्चय कर लो कि वे ठीक है।"

"हाँ..."

जब लियोनार्ड अपने जीवन-रक्षक जैकेट का परिवेष्टन हटाने लगा, तब डैन आगे बढ़ कर सलीवन के पास पहुँच गया। उसने अन्तिम जीवन-रक्षक जैकेट को उसकी गोद में रख दिया। सलीवन ने धन्यवाद कहा, किन्तु वह अपनी आँखों को यंत्र पर ही गड़ाये रहा।

डैन दाहिनी ओर की कुर्सी पर बैठ गया। उसने अत्यन्त धीरे-धीरे अपनी टाई को ढीली किया, अपनी सुरक्षा-पेटी को कसा और तत्पश्चात् अपने 'हेडफोन' को लगा लिया। तत्पश्चात् उसने नियंत्रण-पटल के पास झुक कर सलीवन से बात करना प्रारम्भ कर दिया।

"हमारी वायु-गति थोड़ी अच्छी दिखायी देती है।"

"थोड़ी-सी।"

"लेनी कहता है कि यदि हमें दस मिनट मिल जायँ, तो हम यात्रा पूरी कर सकते हैं।"

"शायद तुम्हें मालूम नहीं है... लेनी सदा से आशावादी रहा है।" सलीवन

ने अपनी आँखों को यंत्रों पर ही गड़ाये रखा। यन्त्र-पटल से निकलने वाला लाल प्रकाश उसके चेहरे के ऊपरी भाग पर गहरी परछाइयाँ डाल रहा था, मानो शिल्पकार ने उसके अंगों का निर्माण केवल नीचे से किया हो। उसकी मजबूत ठोड़ी और उसका मुँह अस्वाभाविक दिखायी दे रहे थे तथा उसकी आँखें यन्त्रों पर पूर्ण रूप से केन्द्रित होने के कारण अर्द्ध-पाशविक प्रतीत हो रही थी।

"लेनी की बात ठीक हो सकती है।"—डैन ने लापरवाही के भाव से कहा।

"यदि उसकी बात गलत हुई, तो सब कुछ समाप्त ही समझो......... हो सकता है कि हम कुछ पुलों अथवा घरों को नष्ट कर दें। मैं यह खतरा नहीं ले सकता।"

"पानी पर उतरने में भी खतरा ही है। नीचे समुद्र अशांत होगा।"

"मैं जानता हूँ।"

"यदि हम गलत स्थान पर पानी पर उतरे, तो भी सब कुछ समाप्त ही हो जायगा।"

"मै यह भी जानता हूँ।" सलीवन के स्वर में एक नयी तीक्ष्णता आ गयी थी।

डैन उसके मुँह का तनाव कम हो जाने की प्रतीक्षा करने लगा। "सम्भवत: अब. ... हम ईंधन में थोड़ी बचत करने का प्रयत्न कर सकते है।"

"जब तुम वहाँ पीछे थे, तब गारफील्ड का इसी आशय का एक सन्देश आया था। उसने न्यूनतर आर. पी. एम. का सुझाव दिया था।"

"इसको आजमाया क्यों न जाय ?"

"मैंने बहुत पहले इस सम्बन्ध मे विचार किया था; इससे काम नहीं चलेगा। विमान अब मुश्किल से उड़ रहा है।"

"यदि मै प्रयत्न करूँ, तो क्या कोई आपत्ति होगी ?"

सलीवन ने प्रथम बार सीधे डैन की ओर देखा। उसका यह देखना केवल एक सेकण्ड के लिए था, फिर भी डैन ने देखा कि उसकी आँखों में न तो शत्रुता का भाव था और न मित्रता का। वह अपने निर्णय पर अडिग, अटल था।

जब वह दूसरी ओर देखने लगा, तब डैन तीनों 'आपरेटिग प्रापेलर कण्ट्रोलों' की ओर बढ़ा। उसने धीरे-धीरे उन्हें पीछे की ओर खीचना प्रारम्भ किया और तब तक खींचता रहा, जब तक इंजिन केवल सोलह सौ चक्र प्रति मिनट की गति नहीं देने लगे। इंजिनों की आवाज धीमी पड़ गयी, वह इतनी धीमी पड़ गयी कि मालूम पड़ने लगा कि इंजिनों ने काम करना ही बन्द कर दिया है।

डैन ने उस निर्देशक-पट की उपेक्षा कर दी, जिस पर मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा हुआ था कि इतने न्यून आर. पी. एम. पर इंजिनों को नहीं चलाया जाना चाहिए"। ऐसे समय मे कानून को तोड़ना ही पड़ता है। उसने अपने आप से कहा कि कोई चीज टूटेगी नही, कम से कम थोड़े समय के लिए तो नही ही ! वह वायु-गति को देखने लगा। उसमे भी कमी होती जा रही थी। एक सौ तीस. . . . एक सौ पचीस. . . . . . . एक सौ बीस. . . . एक सौ पन्द्रह, किन्तु ईंधन के प्रवाह की सूचना देने वाले यंत्र की सूइयाँ भी नीचे आ गयी। विमान के प्रत्येक इंजिन में अब प्रत्येक घण्टे तीस पौंड कम ईंधन की खपत हो रही थी। काफी है, हो सकता है कि सान फ्रांसिस्को पहुँच जाने के लिए काफी हो !

सलीवन अपनी कुर्सी पर परेशानी के साथ हिला। उसके हाथों ने नियंत्रण-चक्र को इतनी मजबूती के साथ पकड़ रखा था कि वह उसके हाथों और बाँह का एक कठोर भाग बन गया।

"ऐसे काम नहीं चलेगा ! विमान की गति कम होती जा रही है !"

डन ने 'थ्राटलों' को आगे की ओर धक्का दिया, जिससे वे बिल्कुल खुल गये। वह जानता था कि अत्यन्त न्यून आर. पी. एम. और अनेक ओर से पड़ने वाला पूरा दबाव इजिनों के लिए भयंकर बात थी। ईंधन के प्रवाह में केवल थोड़ी-सी वृद्धि हुई, किन्तु विमान की गति पुनः एक सौ बीस मील हो गयी।

"यह बेकार है"– सलीवन ने कहा – "हम टुकड़े-टुकड़े हो जायँगे।"

"इससे फर्क क्या पड़ता ह ? यदि हम पानी पर उतरे, तो वे सभी टुकड़े-टुकड़े हो जायँगे। डटे रहिये। हम पहुँच जायँगे।"

"तुम पागल हो गये हो। हमने इसे आजमा कर देख लिया है और इससे काम नहीं चलेगा। उन प्रापेलरों को पुनः यथास्थान कर दो !" सलीवन का चेहरा पुनः पसीने से तर होने लगा था। पसीने का निकलना अत्यन्त आकस्मिक रूप से प्रारम्भ हो गया, मानो वह एक हजार सोतों से निकल रहा हो। विमान की ऊँचाई जो एक सौ फुट कम हो गयी थी, उसे पुनः प्राप्त करने के लिए संघर्ष करते हुए उसने नियंत्रण-स्तम्भ को क्रोधपूर्वक पीछे की ओर धक्का दिया और अकस्मात् काँपने लगा। यह विमान की गति के कम होने की प्रथम चेतावनी थी। सलीवन ने तुरन्त पुनः नियंत्रण-स्तम्भ को यथास्थान कर दिया।

"उन प्रापेलरों को यथास्थान कर दो !"

"मैं ऐसा कुछ नहीं करूँगा, कप्तान।"

"यह मेरा आदेश है !"

डैन ने अपने हाथों को अपने घुटनों पर रख दिया। सलीवन ने विस्मय-पूर्ण क्रोध के साथ उसकी ओर देखा और तत्पश्चात् स्वयं नियंत्रण-यंत्र की ओर बढ़ा। डैन ने उसकी बाँह को मजबूती के साथ पकड़ लिया। "थोड़ा धैर्य रखो ! इस तरह से हम पहुँच जायँगे ! तुम ऐसा कर सकते हो या केवल डटे रहो। विमान को उड़ाते रहो और मुझे प्रार्थना करने दो।"

"क्या तुम जीवन से ऊब गये हो ? यदि हम सान फ्रांसिस्को पहुँचने का प्रयत्न करेंगे, तो हमारी गैस ठीक बीच में ही समाप्त हो जायगी।"

"हो सकता है कि हमारी गैस बीच में ही समाप्त हो जाय और हो सकता है कि नहीं भी समाप्त हो। अभी निश्चयपूर्वक कुछ नही कहा जा सकता। तीस मिनट तक ऐसा कर के देखो, क्या तुम ऐसा करोगे ? समुद्र में उतरने के लिए इतने अधिक व्यग्र मत हो !"

"यह पागलपन है ! विमान का हिलना पुनः प्रारम्भ हो गया है !" वायु-गति अवश्य कम होकर एक सौ दस मील तक पहुँच गयी थी और सलीवन और एक सौ फुट अमूल्य ऊँचाई को खो बैठा था।

"हिलने दो ! जब तक विमान गिर नहीं पड़ता, तब तक जहन्नुम में जाय उसका हिलना। यदि विमान को और कम ऊँचाई पर ले जाना पड़े, तो ले जाओ। हमारी गैस की खपत की ओर तो देखिये..... केवल एक सौ पचास गैलन प्रति घण्टा ! डटे रहो और उड़ते जाओ, यार !"

सलीवन ने ईंधन का प्रवाह नापने वाले यंत्रों की ओर देखा। उसकी जिन आँखों में आशा के भाव का लेश मात्र भी नहीं रह गया था, वे थोड़ी चमक उठीं। उसने प्रापेलर-कण्ट्रोलों से अपने हाथ को धीरे-धीरे दूर हटा लिया।

"यदि इसमे सफलता नही मिली"—डैन ने कहा—"तो आप को मुझे नौकरी से निकलवाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। मै स्वयं नौकरी छोड़ दूंगा।"

सलीवन ने गहरी सांस ली और एक जोरदार आह भरी।

"यदि इसमें सफलता नहीं मिली........ तो तुम क्या करोगे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।"

तत्पश्चात् सलीवन एक ऐसे व्यक्ति की भाँति, जो एक ऐसी खाईं को पार करने की तैयारी कर रहा हो, जिसको पार करना असम्भव हो, एक ऐसे विमान को उड़ाने के विकट संघर्ष में जुट गया, जो वास्तव में उड़ ही नहीं रहा था।

गारफील्ड अपने जैकेट के बटन खोल कर तथा अपनी पेटी को ढीली कर संचालन कार्यालय के लम्बे काउण्टर के सिरे पर एक तिपाई पर बैठा हुआ था। सिगार उसके मुँह में रखा-रखा बुझ गया था और बहुत देर से उसने उसकी स्थिति में परिवर्त्तन नहीं किया था। वह घड़ी की ओर अपलक नेत्रों से देख रहा था, मानो कोई आलोचक किसी चित्र का निरीक्षण कर रहा हो। वह कभी-कभी अपना सिर घुमा कर घड़ी की सूइयों की बिल्कुल ठीक-ठीक स्थिति देख लिया करता था। उसमें निराशा की एक भावना आ गयी थी। इस प्रकार प्रकाश से जगमगाते कार्यालय में असहाय होकर प्रतीक्षा करते रहने से, जब कि वे व्यक्ति, जिनके साथ उसका अव्यक्त आत्मिक सम्बन्ध था, रात के विरुद्ध संघर्ष कर रहे थे, उसे क्रोध आ रहा था।

उसने सोचा कि वे एक प्रकार से भाग्यशाली हैं। उनके प्रयास सुनिर्धारित थे, वे कम से कम अपने विरोधी के एक स्पृश्य भाग का सामना तो कर सकते हैं, क्योंकि वे संघर्ष मे सम्मिलित हो सकते हैं, शारीरिक क्लान्ति से चूर-चूर होकर अपने आप को समाप्त कर सकते हैं। उसके हाथ के पास सन्देशों का जो ढेर पड़ा हुआ था, उनके सम्बन्ध में ऐसी बात नहीं थी। उनसे किसी प्रकार का सन्तोष नहीं मिल सकता था। कोस्ट गार्ड, सी फ्रांटियर, सी. ए. ए., एयर ट्राफिक कण्ट्रोल, मौसम-विभाग—इन सबके सन्देश निरर्थक ही थे, केवल चार-दो-सिफर नम्बर के विमान से प्राप्त शुष्क सन्देश को छोड़कर, जिससे बचना असम्भव था।

विमान से प्राप्त सन्देश इस प्रकार थे—"एक बज कर तीस मिनट पर पानी पर उतरने का विचार है।"

इसके बाद एक परिवर्तित सन्देश !

"न्यून आर. पी. एम. का प्रयत्न कर रहे हैं। विमान की गति एक सौ दस से एक सौ पन्द्रह तक है। ऊँचाई तेईस सौ फुट।"

एक अनुरोध।

"गोल्डन गेट के जरिये मौसम की सूचना दीजिये। सान फ्रांसिस्को के नवीनतम मौसम और बादलों की सघनता की भी सूचना दीजिये।"

सभी ने तत्काल अनुरोध को पूरा किया। रात्रिकालीन आकाश में शब्द तेजी से यात्रा कर रहे थे। ये ऐसे शब्द थे, जिनका प्रभाव इक्कीस व्यक्तियों के जीवन पर पड़ेगा। ये इक्कीस व्यक्ति आज प्रातःकाल ही अन्य व्यक्तियों की भाँति जागे थे, उन्होंने सूरज की ओर देखा था, किन्तु सम्भवतः उन्हें इस बात

की कल्पना तक नहीं थी कि वे पुनः कभी सूर्य के दर्शन नहीं कर सकगे। यदि वे जानते होते, तो उनके लिए कितना अधिक अन्तर उपस्थित हो जाता ! उनमे से कितनों ने अपने जीवन के अन्तिम क्षणो को सामान्य रीति से व्यतीत किया होता ? कितनों ने अपने इष्ट-मित्रो से मुलाकात की होती, प्रात.कालीन समाचार-पत्रों में संसार के दुर्भाग्यो और संकटों के सम्बन्ध मे पढा होता और दुनिया के घावों से खून बहने पर चिन्ता प्रकट की होती, कितनों ने काफी के गरम न होने की शिकायत की होती अथवा कितनो ने साधारण ध्यान से दाढी बनायी होती अथवा दाँत साफ किया होता ? यह जानते हुए कि मृत्यु सन्निकट है, उनमें से कितने व्यक्ति अमरत्व से औपचारिक परिचय प्राप्त होने की प्रबल आशा के साथ गिर्जाघर गये होते और उनमें से कितने व्यक्तियों ने—सम्भवतः जीवन की वास्तविक प्रणाली मे अन्तिम क्षण डूब जाने के लिए प्रयत्न करते हुए—यह कहा होता कि जहन्नुम मे जाय यह सब ?

गारफील्ड ने सोचा कि उनमें परिवर्त्तन हो जायगा। उनमें से प्रत्येक व्यक्ति में अपने-अपने ढंग से परिवर्त्तन होगा। पहले महत्वपूर्ण प्रतीत होने वाली कतिपय वस्तुएँ अचानक मूल्यहीन बन जायेंगी—क्योकि किसी भी वस्तु को स्पष्टतया देख सकने के पूर्व आपको पूर्ण विनाश के अत्यन्त निकट खड़ा होना पड़ेगा। तभी, केवल तभी मूल्यों का रंगीन मान स्पष्ट दिखायी देने लगता है। लाल लाल हो जाता है और नीला रंग विशुद्ध नीला दिखायी देने लगता है। गारफील्ड इस बात को जानता था, क्योंकि कार्यालय की सीमाओं मे आबद्ध होने से पहले उड्डयन के अपने पुराने दिनों में इस बात को देखने के उसे अनेक अवसर प्राप्त हुए थे। उसने सोचा कि यदि उस सयम मुझ में परिवर्त्तन हो सकता था, तो इस समय उनमें भी परिवर्त्तन अवश्य होगा। यह परिवर्त्तन केवल तब न होगा, जब उन सभी को इस बात का ज्ञान न हो कि अगले घण्टे में क्या होने जा रहा है। और इस बात की कोई सम्भावना नहीं थी। सलीवन ने उन्हें पानी पर उतरने के लिए अवश्य तैयार किया होगा। सौभाग्य की बात यह थी कि उन्हें मृत्यु के लिए तैयार करना उसके कर्त्तव्यों का एक अग नहीं था।

फिर भी उसका अन्तिम सन्देश ? क्या सलीवन अन्ततोगत्वा यात्रा को पूरी करने का प्रयत्न करने जा रहा था ? वह ऐसा नही कर सकता। यदि आंकड़े ठीक थे, तो यात्रा के पूरी होने की सम्भावना केवल हजार में एक थी—सम्भवतः इससे भी बुरी स्थिति थी। समस्त उड़ानों का एक बुनियादी नियम होता

है। आप समय को तब तक रुके रहने के लिए नहीं कह सकते, जब तक आपको छिपने के लिए कोई स्थान न मिल जाय।

एक क्षण के लिए गारफील्ड ने चार-दो-सिफर नम्बर के विमान में ईंधन की टंकियों की कल्पना की। विमान को जीवन-शक्ति प्रदान करने वाला तरल पदार्थ अब टंकियों में केवल कुछ ही इंच गहरा रह गया होगा। उसने अपनी कल्पना में टंकियों के प्रवाह-मार्गों तक ईंधन का अनुकरण किया और उसे पाइपों से होकर कार्बुरेटरों तक जा कर समाप्त होते हुए देखा। वह भयंकर गति से पाइपों में से होकर बह रहा था, भाप के रूप में परिणत हो रहा था तथा भूखे इजिनों में जा कर सदा के लिए समाप्त हो रहा था। प्रत्येक मिनट लगभग तीन गैलन ईंधन समाप्त हो रहा था। चार-दो-सिफर नम्बर के विमान का जीवन-रक्त समाप्त होता जा रहा था। उसकी रक्षा असम्भव थी। अत्यन्त सूक्ष्म कारीगरी से निर्मित विमान शीघ्र ही धातु का एक ढेर मात्र रह जायगा। यह मन को बेचैन कर देने वाली बात थी।

उसने यात्रियों की सूची पर, जो उसके हाथ के पास रखी हुई थी, दृष्टिपात किया। फ्लैहार्टी, डोनाल्ड... राइस, हावर्ड.......राइस, लिडिया .... मैकी, सैली...लोकोटा..., जोस...ब्रिस्को, फ्रैंक.... उसके लिए ये नाम निरर्थक थे, किन्तु उसने सोचा कि वे आदमी थे, वे सभी मानव-प्राणी थे, जिनका प्रातःकाल अन्य मानव-प्राणियों की भाँति ही प्रारम्भ हुआ था और अब वे सामूहिक रूप से अपना दिन एक साथ समाप्त कर देंगे। यह सब इस कारण हो रहा है कि धातु से निर्मित, पूर्णतया त्रुटि-हीन समझी जाने वाली एक वस्तु के कणों ने अलग-अलग हो जाने तथा अलग-अलग रास्तों पर चलने का निर्णय कर लिया था। कणों की विवेकहीन मत-विभिन्नता के कारण कतिपय बालक अजन्मे ही रह जायँगे, अन्य बालकों को अनाथाश्रमों में उपेक्षित जीवन व्यतीत करना पड़ेगा। कतिपय विधवाओं को सदा रिक्त रहने वाली शैय्या की नीरस क्षुधा का अनुभव होगा और उनके गाल भोजन से भी अधिक पुष्टिदायक किसी वस्तु की कामना करते-करते पिचक जायेंगे। दूसरे व्यक्तियों की स्थिति अपेक्षाकृत अच्छी होगी और वे अपने भीतर एक भिन्न ही व्यक्ति के दर्शन करेंगे, जैसा कि चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के यात्री असन्दिग्ध रूप से अनुभव कर रहे थे।

कणों के वर्तमान संघर्ष का प्रभाव दूरगामी था। वह सरलतापूर्वक एक ऐसी पीढ़ी के व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित कर सकता था, जिन्हें गारफील्ड

कभी नहीं जान पायेगा। एक प्रकार से उसे कणों के सम्बन्ध में विचार करने में आनन्द आने लगा। इससे समय काटने में सहायता मिल रही थी। उसने 'काउण्टर' के पार संवाद-प्रेषक को पुकारा।

"क्या तुमने सलीवन की पत्नी को फोन कर दिया ?"

"जी हाँ। वह विमान-स्थल पर आने के लिए रवाना हो चुकी है।"

"तुमने उसे भयभीत तो नहीं कर दिया ?"

"नहीं। मैंने केवल इतना कहा कि उसका पति मार्ग में है तथा आप उससे मिलना चाहते हैं।"

"तब वह जानती है कि कोई गड़बड़ी है।"

"शायद, किन्तु उसका स्वर पूर्णतया शांत था।"

"दूसरों के सम्बन्ध में तुमने क्या किया ?"

"व्हीलर एक दूसरे विमान-चालक के साथ रहता है.....ड्यू प्री उसका नाम है। उसके यहाँ से कोई उत्तर नहीं मिला। विल्बी के यहाँ से भी कोई उत्तर नहीं मिला। मैंने उसके घर पर फोन किया और कोई उत्तर नहीं मिला। फिर मैंने एक मदिरालय में, जिसे मैं जानता हूँ, फोन किया। उसकी पत्नी वहाँ गयी थी, किन्तु लगभग एक घण्टा पहले ही रवाना हो चुकी थी।"

"और परिचारिका ?"

"स्पार्लिंडग की माँ की तबीयत ठीक नहीं है। उसने कहा कि स्पार्लिंडग का पिता व्यवसाय के सिलसिले में नगर से बाहर गया हुआ है।"

"यदि मैं इन लोगों को तुरन्त सब कुछ बता सकूँ, तो अधिक अच्छा होगा। मेरा विचार है कि वे एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं।"

"इस बात का कोई उल्लेख नही किया गया है कि डैन के सम्बन्ध में किसको सूचना दी जानी चाहिए। क्या आप ऐसे किसी व्यक्ति को जानते है ?"

"हाँ, किन्तु मुझे आशंका है कि तुम उसके पास तक नहीं पहुँच सकते। डैन अकेला रहता है।"

गारफील्ड ने पुनः घड़ी की ओर देखा। जब आप नहीं चाहते कि समय गुजरे, तब वह कितनी तीव्र गति से गुजर जाता है। चालीस मिनट और फिर सब कुछ समाप्त हो जायगा।

"मैं इस बात की कल्पना नहीं कर सकता कि इससे लेशमात्र भी अन्तर क्यों पड़े, यद्यपि मैं अभी से यह जानता हूँ कि ऐसा होगा। मैं अपना आत्म-विश्वास खो चुका हूँ......हो सकता है कि मुझे तुम से हाथ धोना पड़ जाय।"

"तुमने पहले ही प्रमाणित कर दिया है कि तुम मेरे बिना भी बहुत अच्छी तरह से रह सकते हो। जरा सोचो तो, अन्य औरतों से मिलने-जुलने के लिए तुम्हें कितनी स्वतन्त्रता मिल जायगी।"

"नहीं....मुझे केवल विश्वास था, सम्भवतः बहुत अधिक...कि तुम कभी मुझे छोड़कर किसी दूसरे व्यक्ति के साथ नहीं जाओगी.....और इस आत्म-प्रवंचना के कारण मैं सरलतापूर्वक किसी भी प्रकार की चिन्ता या...... क्या कहना चाहिए...परेशानी का प्रदर्शन करने से बच जाता था।"

"धत्!" वह हँस पड़ी और उसकी बड़ी भूरी आँखों में एक नयी ज्योति चमक उठी। अचानक उसने उसका हाथ पकड़ कर चूम लिया। "वास्तव में तुम्हारे अन्दर मेरे प्रति सन्देह की भावना रही है? क्या तुम इस बात को स्वीकार करते हो?"

"मैं इस प्रकार की किसी भी बात को स्वीकार नहीं करता। फिर भी..." वह अपनी जीवन-रक्षक जैकेट के ऊपर से सिगरेट की राख के ढेर को झाड़ने के लिए रुक गया। ".....मैं किसी भी परिस्थिति में तुम को खो देने की आशंका से अत्यन्त व्यग्र हो उठता हूँ। यह विचार मात्र मुझे दुखी कर देता है।"

"बेचारा गुस्ताव। कितना दुखी है वह!"

"इस प्रकार सहानुभूति दिखाना बन्द करो और मेरी बात सुनो। क्या तुमने कभी सोचा है कि इस प्रकार का वार्त्तालाप करना मेरे लिए अत्यन्त कठिन कार्य है? मैं अपराध-स्वीकृति करने का प्रयत्न कर रहा हूँ।"

"जरा सम्हल कर गुस्ताव। मैं नहीं चाहती कि तुम कोई ऐसी बात कहो, जिसके लिए तुम्हें ठोस भूमि पर पहुँचने पर पश्चाताप करना पड़े।"

"मेरे विचार थोड़ी भावुकता की ओर अग्रसर होने लगे थे।"

"मैं उसकी परवाह न करने का प्रयत्न कर रही हूँ।"

"क्या तुम सच कहती हो?"

"अवश्य। तुम सदा यही तो चाहते रहे हो।"

"किन्तु तुम बदल गयी हो! थोड़े समय पहले......"

"मैं सदा की भाँति द्वार पर रखी हुई तुम्हारी पैर पोंछने की चटाई के समान

थी और मेरे चेहरे पर बड़े अक्षरों में स्वागत लिखा हुआ था। मैं गुस्ताव पार्डी की पत्नी थी, एक ऐसी छाया थी, जिसे उसी समय देखा जा सकता था, जब तुम्हारी मर्जी हो।"

"किन्तु–"

"वेतन अच्छा था तथा भोजन और निवास-स्थान भी। मुझे कोई शिकायत नहीं है, किन्तु मैं सोचती हूँ कि मैं त्यागपत्र दे दूँगी। मैं थक गयी हूँ।"

"तुमने कहा था कि तुम मुझ से प्यार करती हो।"–उसने तुरन्त अपनी घड़ी की ओर देखा और कहा–"एक घण्टे से भी अधिक नहीं हुआ होगा।"

"यह क्या कह रहे हो, प्रिय।"

"तुम्हें आखिर हो क्या गया है ?"

वह अपने सुन्दर, सुकोमल हाथों को फैला कर मुस्कराने लगी।

"मैं ठीक-ठीक नहीं बता सकती। हो सकता है कि इसका कारण यह उपहासास्पद पहनावा हो। मैंने पहले कभी जीवन-रक्षक जैकेट नहीं पहनी थी और लोगों का कहना है कि यह पहनावा अन्य किसी भी वस्तु की अपेक्षा अधिक तेजी से किसी स्त्री की विचार-धारा मे परिवर्त्तन कर सकता है। यदि स्त्री ने बारीक, मुलायम पायजामा पहन रखा हो, तो वह कामुक और अव्यावहारिक हो जाती है। यदि उसने ट्वीड का सूट पहन रखा हो, तो वह एक बड़ी प्रशासिका बन जाती है और जी-जान से यह प्रमाणित करने का प्रयत्न करने लगती है कि स्त्रियाँ कितनी कुशल होती है। इस समय अपने गले के चारों ओर इस चीज के होने के कारण मैं बहुत अधिक मूलवादी हो गयी हूँ। यदि मैं इस सकट से जीवित बच निकली, तो मैं यह बात कर के छोड़ूँगी कि हमारी लिलियन छायाओं से मुक्त हो जाय। अब समय आ गया है, जब उसे जीवन प्रारम्भ करना चाहिए।"

"यह तो तुमने पूरा भाषण दे डाला। क्या तुम अपने नये जीवन में मुझे भी सम्मिलित करोगी ?"

"पुरानी शर्तों पर नहीं, गुस्ताव। मुझे अब याद आ रहा है कि तुमने एक बार अपने निजी विशेष ढंग से इस बात को बहुत ही उचित प्रकार से प्रस्तुत किया था। तुमने कहा था कि मैं मात्र एक नारी के अतिरिक्त और कुछ भी हूँ... एक ऐसा वाद्य-यंत्र, जिसे उस समय बजाया जाता है, जब तुम्हारी प्रतिभा साहचर्य की कामना करती हो। अब अत्यन्त आकस्मिक रूप से मैं एक वाद्य-यंत्र या विचार होने की परिस्थिति से ऊब और थक गयी हूँ। इसके पहले कि समय निकल जाय, मैं एक नारी बनाना चाहती हूँ। मैं चाहती हूँ कि चालीस

वर्ष की आयु से पहले ही मेरे बच्चे. . . वास्तविक, जीते-जागते बच्चे हों, जिनके लिए मैं श्रीमती जोसेफ के समान ही चिन्ता कर सकूँ। मैं ऐसा पति चाहती हूँ, जो सप्ताह में कम से कम तीन रात घर पर आये और मैं खाना पकाने का ढंग भी सीख सकती हूँ. . . ."

"हे परमात्मा !" गुस्ताव ने धुएँ के बादल में इन शब्दों को साँस के साथ बाहर निकाला। उसने उंगली से अपने होठों को पोंछा और अपना विशाल सिर हिलाया।

"तुम्हें इतना आश्चर्य क्यों हो रहा है ? क्या तुम सचमुच सोचते थे कि तुम अपने निजी नाटक की आवश्यकताओं के अनुसार किसी स्त्री के चरित्र को मोड़ सकते हो ? मैं रंगमंच की कोई सृष्टि नहीं हूँ, गुस्ताव। मेरा दिन का प्रदर्शन प्रत्येक दिन और रात्रिकालीन अभिनय सप्ताह की प्रत्येक रात में होता रहता है। मैं केवल कुछ मिनटों के लिए आकर उस समय तक के लिए मखमली पर्दे के पीछे नही छिप जाती, जब तक नाटक-घर पुनः न भर जाय अथवा तुम यह अनुभव करने लगो कि पूर्वाभ्यास उचित होगा। मैं वास्तविक हूँ। इस क्षण ने. . . . इस विमान ने. . . इस पहनावे ने, जिसे तुम अपने कार्य-क्रमों में स्थान देने की बात भी नहीं सोच सकते. . . . अन्त में मुझे 'पद प्रकाशों' के ऊपर आने का साहस प्रदान कर दिया है।" उसने अपने सुन्दर नंगे पाँवों की ओर देखा और धीरे-धीरे अंगूठों को हिलाने लगी। "मैं समझती हूँ कि इससे सारी बात स्पष्ट हो गयी होगी।"

वे दोनों बहुत देर तक एक-दूसरे से नहीं बोले। वे एक-दूसरे की नजरें बचा रहे थे; गुस्ताव अपनी बगल में खिड़की से बाहर कुछ देखने का प्रयत्न करने का बहाना करने लगा। अन्त मे उसने अपनी सुरक्षा-पेटी को खोल डाला तथा अपनी कुर्सी में खड़ा हो गया। तत्पश्चात् वह कुर्सी की पीठ पर झुक कर श्रीमती जोसेफ के साथ बात करने लगा।

उसने शान्त भाव से कहा—"श्रीमती जोसेफ, यदि मैं आपसे कोई व्यक्तिगत प्रश्न करूँ, तो आप बुरा तो नहीं मानेंगी ?"

"क्यों. . . . नहीं ? हम सभी एक-दूसरे से काफी परिचित हो गये प्रतीत होते हैं, क्योंकि. . . . . ." उन्होंने निराशापूर्वक अपने कन्धे हिलाये तथा बात को अधिक अच्छी तरह से समझाने के लिए अपने पति की ओर देखने लगीं।

"श्रीमती जी यह कहने का प्रयत्न कर रही हैं कि संकट मे फँसे हुए लोग एक-दूसरे से बहुत जल्दी परिचित हो जाते हैं।"—एड जोसेफ ने कहा। उसने

भोंडे ढंग से फूलो की एक माला अपने जीवन-रक्षक जैकेट के ऊपर पहन रखी थी, जिसके फलस्वरूप वह उस बालक के समान प्रतीत हो रहा था, जो यह निश्चय नहीं कर पाता हो कि कौन-सा खेल खेलना चाहिए। उसके उत्सुकतापूर्ण उत्साह का अधिकांश भाग उसका साथ छोड़ चुका था और अब उसने अपनी पत्नी के हाथ को मजबूती के साथ पकड़ रखा था।

"यद्यपि यह समय इसके लिए उपयुक्त नही है, तथापि मैं एक पहेली बुझाना चाहता हूँ, श्रीमती जोसफ। यदि आप को नये सिरे से अपना यौवन प्रारम्भ करने का सुअवसर मिले, तो आप किस वस्तु को बदलेंगी ? मै महसूस करता हूँ कि यह एक कठिन प्रश्न है, किन्तु मै आशा करता हूँ कि आप ईमानदारी से इसका उत्तर देने की कोशिश करेंगी। इस समय यह मेरे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।"

"परिवर्त्तन ?" उन्होंने तुरन्त अपने पति की ओर देखा और उसके और अधिक निकट सरकती हुई प्रतीत होने लगी। "क्यों.... मेरा विश्वास है कि मै किसी वस्तु को परिवर्त्तित नहीं करूँगी।"

"तब क्या आप पूर्णतया प्रसन्न है ? पूर्णतया सन्तुष्ट है ? क्या आपको मनोविश्लेषण के लिए चिकित्सक के पास जाने की विवशता का अनुभव कभी नहीं हुआ है ?"

"श्री पार्डी... आप बड़ी ही विचित्र बातें कह रहे है !"

"मेरा अनुमान है कि आपकी इस उल्लेखनीय मानसिक शांति में जेनिफर और छोटा एडवर्ड बहुत अधिक योग प्रदान करते है ?"

"क्यों, कभी-कभी वे अवश्य ही बहुत अधिक कष्ट देते है.... किन्तु यह तो स्वाभाविक ही है–"

"स्वाभाविक ? मै इस शब्द को पसन्द करता हूँ, श्रीमती जोसेफ। धन्यवाद !"

"मुझे डर है कि मैंने आपके प्रश्न का बहुत ठीक तरह से उत्तर नहीं दिया।"

"आपने ठीक ही तरह से उत्तर दिया। अपने दृष्टिकोण से, श्रीमती जोसेफ। मैं हृदय से आपके प्रति कृतज्ञ हूँ।"

वह अपनी कुर्सी में घूमा और अपनी सुरक्षा-पेटी को पुनः बाँधने के लिए नीचे झुका। वह एक क्षण तक बकलस के साथ खिलवाड़ करता रहा। तत्पश्चात् वह सिर से पाँव तक लिलियन का निरीक्षण करने लगा।

"अब क्या होगा ?"–लिलियन ने व्यग्रता के साथ कहा।

"लिलियन। जब भी हम पुनः भूमि पर पहुँच सके... तब मै इस बात को

पूर्णतया स्वाभाविक समझूँगा कि तुम छोटे-छोटे कपड़े बुनना प्रारम्भ कर दो।"

पार्डी-दम्पति के ठीक सामने की कुर्सी पर बैठे हुए केन चाइल्ड्स ने जीवन-रक्षक जैकेट पहनने में मे होल्स्ट की सहायता करने का कार्य समाप्त किया और ठीक-ठीक देख लिया कि उसकी सुरक्षा-पेटी सुरक्षित है अथवा नहीं। तत्पश्चात् उसने अपने जूते निकाले और स्वय अपनी जीवन-रक्षक जैकेट पहन ली।

"यह एक अजीब भोंडा पहनावा है।"– मे ने अपनी जीवन-रक्षक जैकेट के आगे के फीतों को बारीकी के साथ पुनः बाँधते हुए कहा।

"कफन तो नहीं है—हम इससे निकल जायेंगे।"

"तो हम ऐसा नहीं करेंगे ? मै एक वृद्धा स्त्री बनने के विचार से सदा डरती रही हूँ। वर्षों से किसी ने मुझे देख कर सीटी नहीं बजायी; अपने शेष जीवन भर गुलाब के फूल उगाने के विचार ने मुझे संत्रस्त करना प्रारम्भ कर दिया था। आप जानते है कि भूतपूर्व अभिसारिकाओं के लिए कोई आश्रम नही है, यद्यपि ऐसा घर अवश्य होना चाहिए। हमारे लिए कहीं एक ऐसा आश्रम होना चाहिए, जिसमें शीशे न हो. . . . वह किसी ऐसे दूरस्थ स्थान पर होना चाहिए, जहाँ हमे कोई नौजवान लड़की कभी न दिखायी दे। प्रत्येक समय पीने के लिए 'शैम्पेन' मिलनी चाहिए तथा प्रत्येक कमरे में संगीत की व्यवस्था होनी चाहिए। लोगों ने अविवाहित माताओं के लिए आश्रम बनवाये है, किन्तु उन लड़कियों को प्रत्येक व्यक्ति भूल जाता है, जो कानून का आश्रय कभी नही ले पातीं। यदि अभी यहाँ कोई वकील मिल जाता, तो स्टर्लिंग मेरे लिए जो धन छोड़ गया है, उससे मैं यही करती। मैं निराश वेश्याओं के लिए मे होल्स्ट आश्रम की स्थापना करती। मै इस चीज को पसन्द करती हूँ और आप ?"

केन उसके प्रश्न का उत्तर नहीं दे सका और उसने देखा कि उसके होंठ विचित्र रूप से हिल रहे थे, मानो वह बोलना चाहता हो, किन्तु बोल न पा रहा हो।

"आप को क्या हो गया है ? "

उसने पुनः उत्तर देने का प्रयत्न किया, किन्तु अन्ततोगत्वा जब उसकी आवाज निकली, तब वह केवल लड़खड़ा रही थी और उसमें तनिक भी शक्ति नहीं रह गयी थी।

"मैं. . . "उसने चिन्ता के साथ अंधेरे केबिन में गलियारे के पार मजबूती से एक दूसरे के हाथ पकड़ कर बैठे हुए नवयुवक बक-दम्पति और उनके

ठीक पीछे बैठे हुए राइस-दम्पति की ओर देखा। "मैं. . . मुझे कुछ हो गया है। लन्दन मे जिस समय भयकर आकस्मिक आक्रमण हो रहे थे, उस समय मैं वही था और मै काफी डर गया था. . . किन्तु इतना भयभीत मै उस समय भी नही हुआ था।"

"एक न एक बात के कारण आज का दिन आपके लिए बहुत ही बुरा रहा है।"– मे होल्स्ट ने कहा।

उसने अपने पॉवों को अपने सामने की कुर्सी से मजबूती के साथ टिका दिया, जिससे उसके मोजो के फीतों के ऊपर कई इंचों तक नंगा पाँव दिखायी देने लगा। उसके मोजों के फीते काले रंग के थे और उनकी सुन्दरता के लिए उन पर गुलाब के छोटे-छोटे फूल कढ़े हुए थे। उसने एक फीते को हटा दिया और तीक्ष्ण हँसी हँसने लगी।

"देखते है ? आप जैसे व्यक्ति पर भी, जो इस प्रकार की चीजों की सराहना कर सकते हैं, कोई प्रतिक्रिया नही हुई। जब स्टर्लिंग की मृत्यु हुई, तब मैंने कसम खायी थी कि मै फिर कभी मोजे का दूसरा फीता नही पहनूँगी। इस सारे संसार में पुरानी अभागी अभिसारिकाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। जब बात समाप्त होती है, तो वह समाप्त ही हो जाती है; हमारे मस्तिष्कों का निर्माण कभी एकाकीपन के लिए नहीं हुआ था। अभी तक किसी व्यक्ति ने मेरी जैसी लड़कियों के लिए चिन्ता को दूर रखने वाली सफल गोलियों का आविष्कार नहीं किया है। मैं समाप्त हो चुकी हूँ। मै केवल एक बात के सम्बन्ध में चिन्ता नहीं करती और वह यह है कि इस उड्डयन-यंत्र की क्या गति होगी।"

"मैं. . ." केन ने बोलना प्रारम्भ किया और उसके बाद उसने अकस्मात् अपनी सुरक्षा-पेटी को खोल डाला। वह अपनी कुर्सी पर से उठा और अगले केबिन के द्वार तक की कुछ कदमों की दूरी को बहुत जल्दी तै कर गया। वह दरवाजे को खोल कर, लड़खड़ाते हुए, कर्मचारियों के अंधेरे कमरे में प्रविष्ट हो गया। चूंकि वह चार-दो-सिफर नम्बर के विमान जैसे विमानों की बनावट से परिचित था, इसलिए अन्धकार के कारण कर्मचारियों के शौचालय की उसकी जोरदार तलाश धीमी पड़ गयी। शौचालय का संकरा द्वार मिलते ही वह जल्दी से भीतर घुस गया और कै करने लगा। वह अंधकार में अपने भय के साथ अकेला संघर्ष करता रहा, किन्तु उसकी कै को रुकने में बहुत समय लग गया।

स्पाल्डिंग और हाबी व्हीलर यात्रियों के केबिन के पिछले द्वार के मन्द

प्रकाश में एक साथ प्रतीक्षा करते रहे। विमान के इधर-उधर हिलते रहने से उनके कोमल नवयुवक शरीर इस प्रकार हिल रहे थे, मानो वे रुक-रुक कर नृत्य कर रहे हों; वे विमान के विषम कम्पन के विरुद्ध अपने आप को कुशलतापूर्वक सन्तुलित रख रहे थे।

"क्या हम कोई चीज भूल गये है ?"– स्पाल्डिग ने उससे पूछा।

"मेरे ख्याल से तो कुछ नहीं भूले है। वे लोग पूर्ण रूप से तैयार हो चुके है।" उसने कुर्सियों की पक्तियों की ओर देखा। "मैंने जितनी कठिनाई की आशंका की थी, उससे बहुत कम का सामना हमें करना पड़ा। तुमने बहुत बढ़िया काम किया है।"

"उनमें से अधिकांश लोगों ने बड़े ही आश्चर्यजनक ढंग से व्यवहार किया है; मैं तो इस बात का विश्वास भी नहीं कर सकती थी।"

"लोग विचित्र होते हैं। उनके बारे में कभी भी निश्चित रूप से जाना नहीं जा सकता।"

उनकी ऊँचाई प्राय: बराबर थी, जिससे उसकी आँखों से स्पाल्डिग का सीधा सामना हो जाता था और अब स्पालडिग को ऐसा लगने लगा कि उसकी समस्त नाराज करने वाली चपलता समाप्त हो गयी है। उसके चेहरे पर तथा उसकी आँखों में परेशानी का भाव था, किन्तु उनमे भय का भाव नहीं था। उसने सोचा कि उसमे अत्यन्त आकस्मिक रूप से एक प्रकार की प्रौढ़ता आ गयी है। वह सोचने लगी कि मै उसे पसन्द करती हूँ। वह जिस ढंग से प्रतीक्षा में खड़ा है, उसे मैं पसन्द करती हूँ।

"मेरे पाँवों में सर्दी लग रही है"– स्पाल्डिग ने कहा।

"मेरे पाँवों में भी सर्दी लग रही है। जब हम भूमि पर पहुँच जायँगे, तब हमें फर्श को गर्म रखने की व्यवस्था के सम्बन्ध मे कम्पनी से शिकायत करनी चाहिए। पानी पर उतरने की प्रक्रिया के लिए विमान की डिजाइन कभी नहीं बनायी गयी थी। मै बाजी लगा कर कह सकता हूँ कि कभी किसी व्यक्ति ने इस बात की कल्पना भी नही की होगी कि हमारे पाँवों में कितनी सर्दी लग सकती है।"

"पानी के अन्दर पहुँचने पर ?"

"हाँ।"

"तब तुम्हें विश्वास है कि ऐसा होगा ?"

"अवश्य ! सलीवन इस विमान को अण्डों की टोकरी की भाँति सावधानी

के साथ नीचे उतारेगा और थोड़ा तैर लेने से हम लाभ ही होगा। हममें ताजगी आ जायगी। अच्छा व्यायाम रहेगा।"

"मैं तो तट की गर्म बालू पर लेटना अधिक पसन्द करूँगी।"– स्पार्लिङग ने धीरे से कहा।

"यह भी बहुत अच्छा रहेगा। मैं तुमसे पुनः पूछता हूँ। क्या तुम किसी समय मेरे साथ चलोगी?"

"हाँ, हाबी। अब... मैं चलूँगी।"

उन्होने एक दूसरे को देखा और चूँकि उनकी नजरें काफी समय तक मिली रही, इसलिए उन दोनों को मालूम हो गया कि यह प्रथम विदाई के समय के औपचारिक चुम्बन के सदृश था। उसने अन्तर्प्रेरणावश स्पार्लिङग के हाथ को पकड़ लिया तथा उसकी कोमलता का अनुभव करता हुआ एक क्षण तक उसे थामे रहा। फिर, मानो उसे अचानक किसी बात की याद आ गयी हो, हाबी खाली कुर्सियों के ऊपर के ताखों की तलाश करने लगा। उसे एक तकिया मिल गया और उसने तकिये को सावधानी के साथ अपने दोनों के बीच रख दिया।

"यह किस लिए है?"– स्पार्लिङग ने पूछा।

वह उसकी ओर सतर्कतापूर्वक देखता हुआ रुका। जब वह अन्त में बोला, तब उसकी आवाज प्रायः फुसफुसाहट के समान थी।

"क्या तुम मेरे ऊपर एक कृपा करोगी?"

"अवश्य, हाबी।" उसने अपने हाथ को दूर खींच लेने का विचार किया, किन्तु फिर उसने इसके विपरीत निर्णय किया। हाबी का हाथ गर्म और मजबूत था तथा उसकी मजबूती ने भय तथा एकाकी होने की भावना को दूर भगा दिया था। वह तुरन्त अपने मस्तिष्क में अपने अन्य नवयुवक प्रेमियों की समीक्षा करने लगी और वह सोचने लगी कि क्या वे भी इस प्रकार की परिस्थितियों मे हाबी के समान ही व्यबहार करते। वह इस निर्णय पर पहुँची कि सम्भवतः वे विफल हो जाते।

हाबी ने कहा–"तुमने सब कुछ बहुत अच्छी तरह से किया है। क्या तुम कुछ और अच्छा काम कर सकती हो?"

"मै कोशिश कर सकती हूँ।"

"ठीक है। मेरे ऊपर विश्वास करो, मैं तुम्हें डराने का... अथवा तुम्हें चिन्तित बनाने का... अथवा स्थिति पहले ही जितनी खराब हो चुकी है,

उसकी अपेक्षा उसे अधिक खराब बनाने का प्रयत्न नहीं कर रहा हूँ! बात केवल इतनी है कि मैं तुम्हारे सम्बन्ध में निश्चिन्त हो जाना चाहता हूँ।

"जब मैं तुम से कहूँ, तब तुम यहाँ फर्श पर, इस कुर्सी से पीठ सटा कर बैठ जाना और वहीं रुकी रहना, चाहे और कुछ भी होता रहे। साहसपूर्ण नायिका बनने का प्रयत्न मत करना, क्योंकि उन अन्तिम कुछ मिनटों मे तुम किसी व्यक्ति की सहायता के लिए वास्तव में कुछ भी नहीं कर सकती। मेरे ऊपर तुम्हारा अनुग्रह यह होगा कि. . . तुम इस तकिये से अपने चेहरे को मजबूती से ढके रहो। तुम्हें अपने लिए. . . . मेरे लिए ऐसा करना होगा। कोई तुम से चाहे कुछ भी कहे, इस केबिन में अनेक चीजे उलटे-पलटेंगी। एक क्षण पहले मैंने सोचा था कि तुम्हें न बताना ही उत्तम होगा, किन्तु अब मैं तुम्हारे बारे में भिन्न ही प्रकार से सोचता हूँ. . . . . मैंने अपना विचार बदल दिया है। हवा और समुद्र की हालत देखते हुए, न तो परमात्मा और न सलीवन इस विमान को अण्डों की टोकरी की भाँति धीरे से नीचे उतार सकते हैं। हम पहाड़ से भी टकरा सकते हैं। डैन इस बात को जानता है, मैं इस बात को जानता हूँ, और. . . सलीवन भी इस बात को जानता है।"

स्पाल्डिंग ने एक गहरी साँस ली तथा उसके हाथों के दबाव में थोड़ी वृद्धि का अनुभव करने लगी।

"धन्यवाद, हाबी। मैं तैयार रहूँगी।"

"तुम्हारा चेहरा किसी भी दृश्य में सुधार कर सकता है। मैं उसे वैसा ही रखना चाहता हूँ। हम अब भी बालू पर लेटेंगे।"

अभी तक स्पाल्डिंग का हाथ पकड़े हुए ही, हाबी ने यह जानने के लिए केबिन के दूसरे सिरे तक देखा कि सलीवन ने दस मिनट की चेतावनी देने वाले कुर्सी की पेटी के संकेत को चालू किया है, अथवा नहीं। अंधेरा अभी तक बना हुआ था, किन्तु कुर्सियों की पंक्तियों पर नजर दौड़ाते समय उसके चेहरे पर परेशानी का एक भाव व्यक्त हो उठा। कुर्सियों का दूसरी बार निरीक्षण करने के बाद उसने शान्त स्वर में कहा—"देखो प्रिये, क्या हमारा एक यात्री लापता नहीं है?"

कर्मचारियों के छोटे-से शौचालय के एक ओर विमान का विद्युत-पटल था और केन चाइल्ड्स को इस बात का अनुभव हुआ कि वह सामने के धातु-निर्मित भाग से टिक कर खड़ा हो सकता है तथा इस प्रकार उसे काफी गर्मी मिल सकती है। केवल पटल से सट कर चिपकने से ही वह उस कंपकपी

को खत्म कर सकता था, जिसने उसे दबोच लिया था। उसे ऐसा लग रहा था, मानो उसके हाथों और पावों को उठा कर किसी तेज, ठण्डी हवा में कर दिया गया है और उन्हें तब तक वही रहने के लिए विवश कर दिया गया है, जब तक वे सुन्न न पड़ जाये। और सर्दी हाथों और पावों से हो कर समस्त शरीर में व्याप्त हो गयी थी, उसका खून जम गया था और न जाने किस तरह एक ठोस पदार्थ की तरह गले के निचले भाग तक चढ़ आया था। उसका दम घुटा जा रहा था। छोटे से कमरे मे वह पटल के सहारे झुका हुआ खड़ा था, किन्तु फिर भी वह विद्युत-पटल से प्राप्त होने वाली गर्मी का परित्याग नहीं कर सका।

वह जानता था कि उसकी गर्दन की नसें सूज कर कठोर हो गयी थीं; वह याद नहीं कर पा रहा था कि उसने कब अन्तिम बार निगला था। यह आतंक था और वह एक दूसरे व्यक्ति के रूप में इस अवस्था को देख रहा था—अपने आधे खुले हुए मुँह के एक ओर से लटकी हुई जीभ को और आतक के उन भयंकर दौरों को, जो उसके भारी-भरकम शरीर को झकझोर रहे थे। आतंक! इसको उसने पहले भी दूसरे व्यक्तियों मे देखा था. . . . पाशेनडेल में –१९१७ मे जब वह अग्रेजों के साथ था। किन्तु उस समय केन चाइल्ड्स आतंक का शिकार नहीं हुआ था और उन बेचारों को कम से कम भागने के लिए तो जगह थी। आतंक! इतने लोगों में से केवल तुम्हीं आतंकित हुए! डटे रहो, दोस्त। इन्तजार करो, यह सब कुछ गुजर जायगा!

किन्तु वह गुजरा नहीं। एक निर्लिप्त व्यक्ति की भाँति दूर खड़े रहने तथा उसकी प्रगति का निरीक्षण करने की क्षमता ही एक मात्र ऐसी वस्तु थी, जिसमें कोई परिवर्त्तन नहीं हुआ। हे भगवान्, सहायता करो! मैं मरने से कभी नहीं डरा! फिर यह कैसे हो गया? यह कैसे हो सकता है कि केवल मैं, केन चाइल्ड्स, जिसके पास चार कनाडियन पदक हैं, भयभीत हो जाऊँ? इस समय तो तुम्हारे ऊपर कोई गोलियाँ नहीं चला रहा है। तुम अभी तक जीवित हो। फिर खत्म करो इसको! दूसरों के बारे में सोचो। दूसरों के बारे में निरन्तर सोचते रहो, क्योंकि उन्हें तुमको इस स्थिति में देखने का अवसर कदापि नहीं मिलना चाहिए अन्यथा सारे केबिन मे यह रोग एक तीव्रगामी ताऊन की भाँति फैल जायगा। ऐसा ही होता है! हिम्मत मत हारो!

दूसरों के सम्बन्ध में सोचने के फलस्वरूप धीरे-धीरे कुछ यातना शांत हो गयी। उसके पेट का दर्द समाप्त हो गया और उसमें अपना मुँह बन्द करने की शक्ति आ गयी, यद्यपि वह अभी तक जोर-जोर से चलने वाली अपनी साँस

की आवाज को सुन सकता था। उसने सोचा–"मैं उस कुत्ते के समान आवाज करे रहा हूँ, जो बहुत दूर तक दौड़ा हो। यहाँ से बाहर निकल चलो। इसके पूर्व कि कोई व्यक्ति तुम्हारी इस अपमानजनक स्थिति को देख सके, इस छोटे गर्म कमरे से बाहर निकल चलो।"

उसने दरवाजा खोला और सहारे के लिए दीवार को पकड़ते हुए कर्मचारियों के अंधियारे कमरे मे प्रविष्ट हो गया। उसके खोजते हुए हाथों को द्वार पर टंगा हुआ काला पर्दा मिल गया और कुछ समय तक वह उसको शिथिलता-पूर्वक पकड़ कर खड़ा रहा। अन्त मे उसका ध्यान फर्श पर मन्द प्रकाश के एक टुकड़े की ओर आकृष्ट हुआ और उसे इस बात की कुछ धुंधली-सी अनुभूति हुई कि यह प्रकाश अवश्य ही पर्दे के पार उड्डयन-कक्ष से आता होगा। अब वहाँ आवाजें सुनायी देने लगीं और वह उन आवाजों की ओर उसी प्रकार बढ़ गया, जिस प्रकार कोई डूबता हुआ व्यक्ति लकड़ी के टुकड़े की ओर लालायित हो कर बढता है।

वह बड़ी ही सतर्कतापूर्वक पर्दे से आगे बढ़ा। उसने लियोनार्ड को अपनी मेज पर झुक कर काम करते हुए देखा। यद्यपि वह मुश्किल से एक कदम दूर था, तथापि लियोनार्ड अपने काम में इतना अधिक तल्लीन था कि उसने सिर तक नही उठाया।

केन छायाओं में खड़ा होकर उसे देखता रहा। लियोनार्ड निरन्तर अपनी उंगलियाँ अपने सफेद बालों पर फिराता जा रहा था, जिसका अर्थ केन चाइल्ड्स की समझ मे नहीं आ रहा था। तत्पश्चात् लियोनार्ड के आगे उसने सलीवन और डैन को देखा। उनकी आवाजे इंजिनों की आवाज से थोड़ी ऊँची थीं और वे उसे सुनायी दे रही थीं। सलीवन की आवाज ऊँची और अस्वाभाविक थी, किन्तु केन चाइल्ड्स को जिस वस्तु से धक्का लगा, वह लियोनार्ड की ओर मुड़ा हुआ उसका चेहरा था। उसके चेहरे की ओर देखना स्वयं अपने चेहरे की ओर देखने के समान था! उसका चेहरा विकृत नहीं हुआ था–वह अभी इतना भयभीत नहीं हुआ था–किन्तु उसकी त्रसित आँखों में उसी प्रकार के घोर आतंक का भाव था।

"विल्बी, अपनी अन्तिम स्थिति की जाँच कर लो! मै विमान को पानी पर उतारने जा रहा हूँ।"

और केन ने देखा कि लियोनार्ड ने अपना हाथ इस प्रकार फैला दिया, मानो कोई कैदी सहायता की भीख माँग रहा हो। वह अपना हाथ हवा में

फैलाये रहा। उसकी उंगलियाँ सलीवन की ओर इगित कर रही थीं और वह अपने काम मे उसी प्रकार व्यस्त था।

"कुछ मिनटों तक और इन्तजार कीजिये, कप्तान! मेरा ख्याल है कि... ऐसा लगता है कि हवा–"

"जैसा मै कहता हूँ वैसा करो। जहन्नुम मे जाय वह सब!"

केन ने सोचा कि वह चिल्ला रहा है, उसी प्रकार चिल्ला रहा है, जिस प्रकार मैं चिल्ला-चिल्ला कर रोना चाहता हूँ।

"किन्तु कुछ मिनट और–"

"मै किसी जाल में नहीं फसूँगा! हम पहले ही बहुत देर तक इन्तजार कर चुके है! जल्दी करो!"

तत्पश्चात् सलीवन दूसरी ओर मुड़ा और केन के मस्तिष्क में दो आवाजें इतनी अधिक व्याप्त हो गयीं कि वह और कुछ भी– अपनी साँस को भी, जिसे लेने मे उसे कष्ट हो रहा था– नही सुन सका। एक आवाज तो वह सुपरिचित भारी आवाज थी, जो सदा किसी विमान के नीचे उतरने के समय हुआ करती है और दूसरी आवाज डैन रोमन की थी, जो तीक्ष्ण, स्पष्ट एवं प्रायः धातु के समान कठोर थी।

"नही! तुम विमान को नीचे नही ले जा सकते!"

उसने डैन को अकस्मात् अपनी कुर्सी पर से उठते हुए देखा; उसके चेहरे पर वही गहनता थी, जो बहुत पहले दिखायी दिया करती थी। एक सेकण्ड में ही किसी प्रकार उसके वार्द्धक्य –इन तमाम बीते हुए वर्षों का–लोप हो गया था और उनकी कुर्सियों की बीच की दूरी के पार बहुत दूर तक आगे की ओर झुका हुआ डैन रोमन नवयुवक डैन रोमन की भाँति ही दिखायी दे रहा था। उसने अविश्वसनीय तीव्र गति से सलीवन के दोनों गालों पर इतने जोर से चाँटा लगाया कि चाँटों की आवाज स्पष्ट रूप से सुनायी पड़ी। किसी भी थप्पड़ में दुर्भावना नहीं थी, किन्तु डैन के दूसरी बार बोलने से पहले केन को डैन के इरादों के सम्बन्ध में सोचने का न तो समय मिला और न उसमें सोचने की बुद्धि ही शेष रह गयी थी।

सलीवन को थप्पड़ मारने के बाद डैन ने कहा–"अपने ऊपर काबू रखो, डरपोक कुत्ती के पिल्ले!"

तट-रक्षक विमान में, जो मुश्किल से एक मील की दूरी पर था, लेफ्टिनेण्ट माउब्रे अपने माइक्रोफोन में बोले। उन्होंने चार-दो-सिफर नम्बर के विमान

से बातचीत करने का कई बार प्रयत्न किया, किन्तु उन्हें इसमें सफलता नहीं मिली।

"राडर की सूचना के अनुसार आपकी ऊँचाई कम होती जा रही है, चार-दो-सिफर। क्या आप पानी पर उतरने जा रहे है ?"

उत्तर न मिलने से माउब्रे को आश्चर्य हुआ और उन्होंने माइक्रोफोन को अपनी मुट्ठी से ठोक कर ठीक किया। उन्होंने फिर प्रयत्न किया।

"विमान चार-दो-सिफर.... यह आपका संरक्षक विमान बी–१७ हूँ। आपकी ऊँचाई कम हो गयी है। क्या आप पानी पर उतरने जा रहे है ?"

फिर भी कोई उत्तर नही मिला।

"विमान चार-दो-सिफर ? आप तट पर पहुँचने के लिए आवश्यक न्यूनतम ऊँचाई से भी कम ऊँचाई पर पहुँच गये है। समय बरबाद हो रहा है। अच्छा हो कि या तो आप ऊँचे उठें या पानी पर उतरने का निश्चय करे। हम बिल्कुल आपके साथ है... पानी पर आपके साथ-साथ उतरेंगे। सूचना तत्काल दीजिये।" चिन्ता से व्यग्र होकर माउब्रे ने कीम की ओर देखा।

"क्या तुम्हें कुछ सुनायी दे रहा है ?" कीम ने अपना सिर और कन्धे हिला दिये। उसकी उंगलियाँ उसकी बगल में रखे हुए रेडियो के स्विचों पर प्रयोगात्मक रूप से खिलवाड़ कर रही थीं।

तत्पश्चात् उन्हें एक आवाज सुनायी पड़ी। यह आवाज इतनी कड़ी और स्पष्ट थी कि इससे उनके कान-फट गये ।

"राजर.... तट-रक्षक विमान! हमें आपके सन्देश सुनायी देते रहे हैं, किन्तु हम इतने व्यस्त थे कि उत्तर नही दे सके। रुके रहिये.... हमारी योजनाओं में परिवर्त्तन हो सकता है।"

यह डैन रोमन की आवाज थी।

यात्रियों की पूरी केबिन में सिरों को गिनते हुए हाबी ने अपनी तलाश को जारी रखा और अन्त में वह कर्मचारियो के कमरे में पहुँच गया। अन्धकार में वह केन चाइल्ड्स से टकरा गया। उसने उसे दोनों हाथों से मजबूती के साथ पकड़ लिया।

"आप यहाँ क्या कर रहे हैं, महाशय ?"

"मैं..... मुझे जाने दो!"—केन की आवाज उन्माद के आवेश में ऊँची हो गयी।

"अपने हाथ मेरे शरीर पर से हटा लो!"

"अब घबड़ाइये मत, महाशय–"

"हम सभी मरने जा रहे है ! मैने उनकी बातें सुनी है ! वे लड़ रहे है। डैन... बूढ़ा डैन !... वह पागल हो गया है !" उसके अन्तिम शब्द एक घुटी हुई गिड़गिड़ाहट में गुम हो गये और उसने अपना सिर हाबी के सीने पर इस प्रकार रख दिया, जैसे कोई छोटा बालक संरक्षण के लिए अपने पिता के सीने पर सिर रख देता है। "ओह, मेरी मदद करो...कृपया...मेरी मदद करो !"

और हाबी ने उस व्यक्ति को पकड़ लिया, जिसकी आयु उससे बहुत अधिक थी। उसने केन चाइल्ड्स को मजबूती के साथ पकड़ रखा था, उसके सारे बोझ को सम्हाले हुए तथा अपने हाथों और अपनी युवा वाणी की शक्ति से उसे सान्त्वना देते हुए।

"आप बिल्कुल ठीक हो जायँगे, महाशय.... सब कुछ ठीक हो जायेगा। ....अब घबड़ाइये मत...."

वह केन चाइल्ड्स को हटाता गया ताकि वह उसे पीछे वाली दीवार से ले जा कर टिका सके और जब वह अपने एक हाथ को मुक्त करने की स्थिति में आ गया, तब उसने बत्ती जला दी। उसने अपना रूमाल निकाला और अपने से अधिक आयु वाले व्यक्ति के होठों तथा ठोड़ी से गिरे हुए कै के अवशिष्ट भाग को, जहाँ उसके कारण उसके जीवन-रक्षक जैकेट का अगला भाग गन्दा हो गया था, पोंछ दिया। तत्पश्चात् जब उसकी सिसकी का शान्त होना प्रारम्भ हुआ, तब हाबी ने उसके सफेद बालों को पीछे की ओर फेर दिया तथा उसके गाल को मुलायमियत के साथ थपथपाया। "घबड़ाने से काम नहीं चलेगा.... इतना उत्तेजित होने की कोई आवश्यकता नही है।"

"मै नहीं जानता कि मुझे क्या हो गया था।" केन ने निराशा के साथ अपना सिर हिलाया और हाबी की कमीज को पकड़ लिया। "मैं कभी भयभीत नहीं होता था.........."

"अवश्य। किन्तु अब आप बिल्कुल ठीक हैं। जरा सोचिये तो कि अब आप स्वयं खड़े हो सकते हैं ?"

केन ने अपने घुटनों को सीधा करने का प्रयत्न किया और इस प्रयत्न में उसके मुँह से जोर की एक कराह निकल गयी। यह लज्जा से पीड़ित एक व्यक्ति की अन्तरतम की गहराइयों से निकली हुई निराशा की एक ध्वनि थी, उस आत्मा की दबी हुई, करुण कराह, जो राख की परतों मे से उभरने का प्रयत्न कर रही थी।

"मेरी सहायता करो।"—उसने उस नवयुवक से, जो उसका पुत्र हो सकता था, याचना की।

हावी ने उसके बाल पुनः ठीक किये और तब तक प्रतीक्षा करता रहा, जब तक उसकी साँस अधिक नियमितता के साथ नही चलने लगी। तत्पश्चात अन्तःप्रेरणा से केन के स्वर की विनम्रता के समान ही अपने स्वर मे भी विनम्रता लाने का प्रयत्न करते हुए, जिससे वह सहानुभूति पाकर पुनः स्वस्थ हो सके, हावी ने कहा—"यदि आप अपनी कुर्सी पर चले जायँ और वहाँ शातिपूर्वक बैठे रहे, तो आप हम सभी की बहुत अधिक सहायता कर सकते है।"

अधिक आयु वाले व्यक्ति ने अपना सिर इस प्रकार उठाया, मानो वह सौ पौण्ड का वजन उठा रहा हो। उसने अपनी हथेलियों से अपनी आँखों से आँसुओं को पोंछ दिया।

"मैं कोशिश करूँगा। मुझे एक मिनट का समय दो—कृपया।"

"यदि आप चाहें, तो अधिक समय भी ले सकते हैं। यदि कोई पूछे, तो आप कह सकते है कि आपको हवाई बीमारी हो गयी थी।"

"हाँ...जरूर।" उसने अपने शरीर को सीधा किया और अपने हाथ हावी के शरीर से हटा लिये। "किन्तु मैं स्वयं अपने से क्या कहूँगा..."

वह धीरे-धीरे दरवाजे की ओर मुड़ा और हावी ने देखा कि उसके कन्धे ढीले हो कर झुके जा रहे थे तथा उसके मन में यह विचार उत्पन्न हुआ कि सब से अधिक दयनीय वह अधेड़ व्यक्ति है, जिसका आत्म-सम्मान मर चुका हो।

उसने दरवाजे पर पहुँचते हुए कहा—"क्या मैं आपकी सहायता कर सकता हूँ, महाशय?"

"नहीं.... मेहरबानी है आपकी......मै...मैं अकेला ही चला जाऊँगा।"

१९

डैन के थप्पड़ के प्रहार ने सलीवन को विस्मित कर दिया, किन्तु वह लगभग तत्काल ही पुनः सम्हल गया। उसके इस कार्य के अर्थ पर वह विचार करता रहा तथा उसे इस बात का अनुभव करने में कई मिनट व्यतीत हो गये कि उसके हाथ नियत्रण-चक्र से हट गये थे और अब डैन विमान को उड़ा रहा था।

उसने अत्यन्त महत्वपूर्ण यंत्रों की ओर देखा। वायु-गति अभी तक उड़ने और न उड़ने के बीच की सीमा-रेखा पर थी, किन्तु उसने पानी पर उतरने के अपने संकल्प में तीन सौ फुट की जिस ऊँचाई को बरबाद कर दिया था, उसे पुनः प्राप्त कर लिया गया था। ऊँचाई-मापक यंत्र दो हजार पाँच सौ फुट की ऊँचाई बता रहा था, जो तटवर्ती पहाड़ियों को पार करने के लिए पर्याप्त थी।

उसने डैन की ओर देखा। थप्पड़ों की याद उसे अभी तक स्पष्ट रूप से बनी हुई थी, किन्तु उसे यह याद नहीं आ रहा था कि उसके तत्काल बाद क्या हुआ था। समय की वह क्षुद्र दूरी पूर्णतया रिक्त थी और फिर भी सलीवन जानता था कि उसकी चेतना एक क्षण के लिए भी लुप्त नही हुई थी। उसने इतनी सरलतापूर्वक कमान का परित्याग कैसे कर दिया था? कुछ ऐसा था जो यकायक टूट गया था। जिस प्रकार रबड़ का कोई फीता बहुत अधिक फैलाये जाने पर टूट जाता है, उसी प्रकार अभी और पहले के समय के बीच कोई सम्बन्ध नहीं रह गया था। और उल्लेखनीय बात यह थी कि उड्डयन-कक्ष का वातावरण अब शिकंजे की तरह निरन्तर अन्दर धँसता हुआ नही प्रतीत हो रहा था। तनाव खत्म हो चुका था और अब सामान्य रूप से सोच सकना सम्भव था। अब 'वाल्व' और कण्ट्रोल भी उसे चुभते हुए से नहीं प्रतीत हो रहे थे; और न ऐसा लग रहा था कि यंत्र ही झूठ बोल रहे हैं। सभी यंत्र नियंत्रित थे और 'साइनक्रास कोपों' के अतिरिक्त सभी स्थिर थे। डैन विमान को बहुत अच्छी तरह से उड़ा रहा था—इतनी अच्छी तरह से कि इन परिस्थितियों में कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं कर सकता था।

घड़ी से सलीवन को ज्ञात हुआ कि थप्पड़ लगने और इस क्षण के बीच,

जब प्रत्येक वस्तु इतनी स्पष्टता के साथ दिखायी दे रही थी, दो मिनट व्यतीत हो गये थे। उसने अपनी उंगलियो से अपने जबड़े के पार्श्व-भाग को स्पर्श किया। उसकी त्वचा अभी तक गर्म थी तथा प्रहार के कारण उसमें एक टीस-सी थी। उसने अपनी ठोड़ी के बालों का स्पर्श किया और वह सोचने लगा कि उसने कब से दाढ़ी नहीं बनायी थी। उसने सिगरेट के लिए अपनी कमीज की जेब में हाथ डाला और अपने हाथ की उस स्थिरता पर उसे आश्चर्य हुआ, जिससे उसने सिगरेट जलायी थी। वह सोचने लगा कि अब सब कुछ समाप्त हो गया है। अब मैं इस विमान से अथवा किसी भी विमान से गुप्त रूप से भय-भीत नहीं हूँ। सारा संकट इस रहस्य को छिपाये रखने से ही उत्पन्न हुआ था। यह एक ऐसा जहरीला फोड़ा था, जो महीनों से बढ़ता जा रहा था और अब चूंकि कोई अन्य व्यक्ति भी इसके सम्बन्ध मे जान गया है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे इसके बारे मे जानते हैं...... तब यह ठीक हो गया है क्योंकि अब मैं इसे छिपाने के लिए बाध्य नहीं हूँ। और यह चमत्कार एक पुराने विमान-चालक ने किया, जिसने रोग का नाम बताने तथा मुझे एक डरपोक कुत्ती का पिल्ला कहने का साहस किया। उन शब्दों मे दंश नहीं था– उन्होंने घाव को भर दिया था। उन शब्दों ने आघात पहुँचाया था और सम्भवतः डैन रोमन की भी, जो कभी पुराना नहीं पड़ सकता, यही मंशा थी।

सलीवन सिगरेट पीता हुआ अपनी कुर्सी पर अत्यन्त शाति के साथ बैठा हुआ था। उसे प्रत्येक क्षण अपने लौटते हुए विश्वास का अधिकाधिक ज्ञान होता जा रहा था। उसने सोचा कि वास्तव में मैं विश्वास के इस पुनरागमन को अपने समस्त मस्तिष्क और शरीर मे प्रवाहित होते अनुभव कर सकता हूँ; इस भावना ने एक ऐसे व्यापक सन्तोष को जन्म दिया था जिसका अनुभव उसने बहुत समय से नहीं किया था। अब जब कि वास्तविक विफलता उपस्थित हो गयी थी, तब वे समस्त चिन्ताएँ और भयंकरताएँ समाप्त हो गयी थीं जिनसे विफलता के उत्पन्न होने का खतरा था। उड्डयन की समस्त अन्तः-प्रेरणा अब वापस आ गयी थी तथा वह एक बार फिर अपने जीवन के कार्य की विलक्षण जटिलताओं को तौलने तथा उन्हें संतुलित करने की स्थिति में आ गया था। उसके पेशे के शत्रु भी कभी उसे उसकी भूल के लिए क्षमा नहीं करेंगे, जिस प्रकार वह कभी अपने आप को क्षमा नहीं कर पायेगा। वह जानता था कि उसके ठीक हो जाने का प्रमाण अब उन शत्रुओं पर पूर्ण विजय प्राप्त कर लेने पर ही निर्भर करेगा।

इस बात को पूर्ण रूप से जानते हुए कि यदि उसने तनिक भी भूल की, तो उसका क्या दण्ड भोगना पड़ेगा, सलीवन अपने शत्रुओं का सामना करने के लिए तैयार हो गया। उसने सोचा कि मुझ में साहस के साथ सजगता भी अवश्य होनी चाहिए तथा मेरी कार्य-पद्धति पूर्णतया त्रुटि-हीन होनी चाहिए। उसने ईंधन-मापक यंत्रों का अध्ययन किया तथा युद्ध का मार्ग उसको स्पष्ट दिखायी देने लगा। टंकियों में तीस मिनट के लिए ईंधन शेष बच गया था। एक टंकी में अन्य टंकियों की अपेक्षा कुछ कम ईंधन था। इस टंकी से चार नम्बर के इजिन को ईंधन मिलता था। यह इंजिन को दूसरी टकियों से ईंधन पहुँचाने की सीधी-सादी समस्या थी। चार नम्बर के इजिन में ईंधन के प्रवाह की सूचना देने वाले यंत्र की सुई के प्रथम बार इधर-उधर हिलते ही उसे तीन नम्बर की टंकी से और यदि आवश्यक हो, तो दो नम्बर की टंकी से ईंधन पहुँचाना प्रारम्भ कर दो। डैन को इसे देखते रहना होगा तथा टंकी को पूर्णतया सोखने के लिए 'बूस्टर पम्प' का अधिक से अधिक उपयोग करना होगा। अथवा क्यों न इंजिन को निष्क्रिय हो जाने दिया जाय तथा अन्त में केवल दो इजिनों के सहारे उतरा जाय ?' यह एक दूसरी सम्भावना थी। उसने अभ्यास के समय अनेक बार लगभग वैसी ही परिस्थितियों में केवल दो इंजिनों के सहारे अन्धकार मे विमान को नीचे उतारा था, किन्तु ऐसा उसने सदा उस समय किया था, जब विमान मे कोई यात्री नहीं होता था तथा विमान में 'एयरो-डिनैमिक' विशुद्धता भी होती थी। यहाँ एक अज्ञात स्थिति का सामना करना था। नम्बर एक इंजिन के नीचे लटकते तथा लड़खड़ाते रहने के कारण केवल दो इजिनों से विमान का उड़ सकना सन्दिग्ध ही था। और जैसा कि अभ्यास के समय होता था, उसके विपरीत इस स्थिति में सुरक्षित ईंधन तत्काल नहीं उपलब्ध हो सकता था। नहीं—दो इंजिनों की बात भूल जाओ। भूमि पर तीन इजिनों के सहारे ही उतरना होगा, नहीं तो स्थिति तत्काल पानी पर से अधिक खतरनाक हो जायेगी। तो फिर क्या समय मे बचत की जाय? दूरी के शत्रु से दो मिनेट भी चुराने का प्रयत्न करो। धोखा दो। नियम-पुस्तिका को दूर फेंक दो। एक दूसरे शत्रु—सान फ्रांसिस्को के आस-पास की पहाड़ियों की बगल से चोरी से निकल जाओ। समुद्र की दिशा से उन पहाड़ियों की ओर पहुँचने की न्यूनतम कानूनी ऊँचाई तीन हजार फुट थी। तीन हजार फुट की यह ऊँचाई एक निश्चित सुरक्षित ऊँचाई थी, जो सामान्य स्थितियों के लिए, जब उनका ठोस स्वरूप बादलों से आच्छादित हो, निर्धारित की गयी थी। तीन हजार फुट की ऊँचाई

गलती की गुंजाइश को दृष्टिगत रखकर निर्धारित की गयी थी। आज रात को वे दिखायी भी नहीं देगी, किन्तु कोई गलती कदापि नहीं होनी चाहिए।

सलीवन को यह बात याद थी कि ऊँची से ऊँची पहाड़ी की वास्तविक ऊँचाई साढ़े उन्नीस सौ फुट थी। अतः बाइस सौ फुट की ऊँचाई पर विमान को ले जाते हुए तट पर पहुँचना भी सुरक्षित ही रहेगा। इस बात का ज्ञान बड़ा ही भयानक था कि पहाड़ियों और विमान की ऊँचाई के बीच केवल ढाई सौ फुट का अन्तर होगा – किन्तु फिर भी, पहाड़ियों को पार कर लिया जायगा, बहुत ठीक। लियोनार्ड को अपने विद्युत-ऊँचाई-मापक यंत्र के निकट जमे रहना तथा निरन्तर ऊँचाई की सूचना देते रहना होगा। उसकी सूचनाओं से दबाव द्वारा ऊँचाई नापने वाले यंत्र की, जिसमें पचास फुट तक की त्रुटि की यदि आशा नहीं की जाती थी, तो भी उसे सहन कर लिया जाता था, सूचनाओं की पुष्टि अवश्य होनी चाहिए। यह एक दूसरा संरक्षण होगा ?

तट-रक्षक विमान बी–१७ अपने राडर-यंत्र द्वारा बादलों से हो कर देख सकता है–वह इस विमान के पहाड़ियों तक पहुँचने के मार्ग को देख सकता है। काफी अच्छी बात है। उससे अनुरोध किया जाय कि वह जितना निकट आने का साहस कर सकता है, उतना निकट आ जाय और बिल्कुल समान ऊँचाई पर उड़े। यदि तुम बहुत नीचे हुए, तो वह चेतावनी दे सकता है। यह सम्भव है। और इन सब बातों के पुरस्कार-स्वरूप उड़ान के लिए और दो मिनट का समय मिल सकता है क्योंकि बाईस सौ फुट की ऊँचाई पर जाने का कार्य अभी प्रारम्भ हो सकता है। विमान के नासिका भाग को थोड़ा-सा नीचे कर देने से वह अधिक तेजी के साथ और अधिक अच्छी तरह से उड़ेगा – दूरी के विरुद्ध ईंधन का अधिक कुशलतापूर्वक प्रयोग करो। फिर आगामी बीस मिनटों तक अत्यन्त आसानी के साथ नीचे जाना प्रारम्भ करो तथा जब तक सम्भव हो सके, तब तक क्रमिक रूप से नीचे उतरते जाने की अवधि में वृद्धि करो – एक बार में कुछ ही फुट ! यह काम डैन को ही करना होगा।

उसके बाद ? डैन को अन्तिम कुछ मिनटों तक विमान उड़ाने दो। विमान को अन्तिम रूप से नीचे उतारने के लिए अपनी ताजगी को कायम रखो। इस बीच तट पर पहुँचने के सम्बन्ध में सूचनाएँ देनेवाली पुस्तक का अध्ययन इस प्रकार करो, जिस प्रकार उसका अध्ययन पहले कभी नहीं किया गया था। विमानस्थल पर मौसम की स्थिति के सम्बन्ध में नवीनतम सूचना पूछो और यह अनुरोध करो कि यदि कोई परिवर्त्तन हो, तो उसकी भी सूचना

दी जाय। क्षेत्र को साफ रखने के लिए हवाई यातायात नियत्रण विभाग से कहो और इन सब बातो को करना अभी से प्रारम्भ कर दो। दिशा-सूचक यंत्रों पर प्रारम्भ मे सान फ्रांसिस्को रेंज स्टेशन का पता लगाओ और इस हवा को सदा ध्यान मे रखो। योजना बनाओ। एक बार स्टेशन को पार कर लेने पर विमान को नीचे उतारो। पहुँच के चरण तक न जा कर एक और मिनट की बचत करो। विमान को सीधे नीचे ले जाओ। यात्रियों के कानो की चिन्ता कभी मत करो। अनेक काम करने हैं और उन्हें अत्यन्त शीघ्रता के साथ करना आवश्यक है। उनमें से एक चीज--

"डैन......?"

"हाँ ?" उसका चेहरा एक पुरानी, हवा के थपेड़े खायी हुई चट्टान के समान था। उसने अपनी आँखो को यंत्रों पर ही गड़ाये रखा और सलीवन की ओर केवल एक दृष्टिपात किया।

"धन्यवाद........."

डैन ने अपनी भौहें ऊपर उठायी। उसके होंठ एक कठोर पतली रेखा के समान हो गये; विचार-मग्न होकर उसने उन्हे घुमाया। एक क्षण के बाद उसने अपने होंठों को ऐसा बनाया, मानो वह सीटी बजाने की तैयारी कर रहा हो, किन्तु उनसे कोई आवाज नहीं निकली। अन्त में उसने कहा--"मैं सोचता था कि मैं अपने क्रोध का परित्याग बहुत पहले कर चुका हूँ। अब देखता हूँ कि ऐसा नहीं है। मुझे खेद है।"

"तुम्हें और जोर से थप्पड़ मारना चाहिए था। तुमने मुझे थोड़ी अक्ल दे दी, जिसके लिए तुम्हें धन्यवाद है। किसी दिन यह सब समझाऊँगा। अभी तो समय नहीं है। हम पानी पर उतरने नहीं जा रहे हैं। कठिनाई के साथ ही सही, किन्तु हम सान फ्रांसिस्को अवश्य पहुँचेंगे।"

डैन ने यंत्रों पर से अपनी नजर हटा ली और वह सलीवन के चेहरे का अध्ययन करने लगा। इस समय उसकी आँखें मात्र छेद के समान दिखायी दे रही थीं। उसने प्रयोग के तौर पर कुछ ध्वनियाँ बजायीं और तत्पश्चात् वह मुस्करा पड़ा। सलीवन तुरन्त अपनी कुर्सी पर घूम पड़ा और उसने लियोनार्ड को पुकारा।

"क्या हवा में कोई परिवर्त्तन हुआ है, लेनी ?"

"नहीं, कप्तान........"

"जहन्नुम में जाय वह! मुझे सान फ्रांसिस्को तक पहुँचने का मार्ग बताने

वाला चार्ट दो ! कोई धुन सुनाओ डैन ! सोचने के समय मैं सगीत पसन्द करता हूँ !"

जब उसने प्रथम बार देखा कि उसकी आँखे बन्द हो गयी है, तब डोरोथी चेन ने अपने सिर के ऊपर हाथ बढ़ा कर छोटी-सी बत्ती को बुझा दिया। वह चाहती थी कि यदि फ्रैंक ब्रिस्को सो सके, तो सो जाय; क्योंकि विगत घण्टे में उसकी भयंकर पीड़ा के लक्षण अधिक स्पष्ट हो गये थे और वह उसको आराम पहुँचाने का और कोई उपाय नही सोच सकती थी। उसने कोई शिकायत नहीं की थी, किन्तु बात-चीत के समय उसने बहुधा देखा था कि उसकी मुस्कान में मरोड आ जाती थी तथा उसकी आवाज रुक-रुक कर निकलती थी।

यह व्यक्ति कितना अधिक थका हुआ था—उसकी क्लान्ति को देख कर वह अपने घर के चारों ओर स्थित ह्रासोन्मुख पहाड़ियों के विषय मे सोचने लगती थी। पहाड़ियों के समान ही वह थक कर चकनाचूर हो गया था; फिर भी इस अमरीकी पुरुष में अभी तक उत्साह बना हुआ था। वह उस प्रकार कभी साहस नही खोयेगा, जिस प्रकार आन्तुंग के निकट स्थित कोरियाई पहाड़ियों अथवा उन पर निवास करने वाले व्यक्तियों ने साहस खो दिया था। वह हवा के साथ झुक जाने के स्थान पर उसका तन कर सामना करता था—और इस प्रकार एक पौर्वात्य तथा एक काकेशियन के बीच के, जिसे अभी पीड़ा के दस हजार वर्षों का अनुभव करना था, अन्तर का परिचायक था।

अंधेरे में चुपचाप बैठी हुई उसने एक बार फिर उन पहाड़ियो को देखा, जो अब बहुत दूर प्रतीत हो रही थीं। आह, कितनी दूर ! उसका मकान एक पहाड़ी पर स्थित था और वहाँ से वह पीली पकिल नदी दिखायी देती थी, जो वसन्त ऋतु में भी थकी हुई-सी प्रतीत होती थी। चेन-वंश की कई पीढ़ियाँ उस मकान में पैदा हुई थीं और उसके चारो ओर निर्मित पत्थरों की मोटी दीवार ने सैकड़ों वर्षों तक देहात से आने वाली क्लान्ति के अतिरिक्त प्रत्येक वस्तु से उनकी रक्षा की थी।

मकान के ऊपरी भाग मे खपरैल की छत के ठीक नीचे एक स्थान था, जहाँ एक छोटी-सी लडकी, जिसका वास्तविक नाम ग्रेसफुल प्रिन्सेस था, अकेली छिप कर नदी की समस्त घाटी को देख सकती थी। और उस समय उस स्थान से अनेक उत्तेजनादायक वस्तुओं को देखा जा सकता था। पहाड़ियों मे जीविको-पार्जन करने वाले गरीबों की मिट्टी की झोंपड़ियाँ दूर से स्वच्छ और गर्म दिखायी देती थीं। नीचे स्थित गाव की गलियों मे लोग उत्साहपूर्वक चलते

हुए प्रतीत होते थे और वर्षो पहले रूसियों द्वारा छोड़ी हुई थोड़ी-सी टमटमें भी स्थायी रूप से सुन्दर गाड़ियाँ प्रतीत होती थी। ग्रेसफुल प्रिंसेस, जो उस समय बहुत छोटी थी, अपनी छत से नीचे वस्तुओं को देखा करती थी और उस घाटी में जो जीवन समाया हुआ था, उस पर आश्चर्य किया करती थी। वह उनके सम्बन्ध मे अम्मा से कहती थी और इस सत्य को उसने बिना किसी प्रश्न के स्वीकार कर लिया था कि समस्त दृश्य जगत मे केवल उसी का मकान एक ऐसा मकान था, जिसके ऊपर एक वास्तविक छत थी। किन्तु यह अनभिज्ञता अत्यन्त क्षणिक थी, जैसी कि वह चेन-परिवार के समस्त सदस्यों, कस्बों के व्यापारियों तथा पहाड़ियों के निवासी किसानों के लिए सदा रही थी।

क्योकि एक छोटी-सी लड़की भी रात में कुत्तों को भूकते हुए सुन सकती थी, और तत्पश्चात् क्रोध एवं आतंक की प्रथम आवाजों को भी और उसके बाद सदा ही दीवार के पार दौड़ते हुए पैरों की ध्वनि, तत्पश्चात् प्रथम गोलियों की आवाजे और फिर पिता द्वारा फाटक और मुख्य द्वार का बन्द किया जाना। और इस प्रकार ग्रेसफुल प्रिंसेस बहुत जल्दी सयानी हो गयी तथा डोरोथी चेन बन गयी। उसके जीवन की अल्प अवधि में लुटेरे सर्वप्रथम आये, एक के बाद दूसरे युद्ध-नेता के नेतृत्व मे देश को विध्वस्त करते हुए, उनका एक अनवरत क्रम, एक-दूसरे से अधिक भयंकर और क्रूर। उन्हें चावल चाहिए था, उन्हें औरते चाहिए थी। केवल धन के बल पर उन्हें चेन परिवार से दूर रखा जा सका। फिर जापानी सैनिक आये—नाटे और झुके हुए पैरों वाले सिपाही—जो कानून और व्यवस्था के नाम पर जिसे चाहते थे, उसी को संगीनों और गोलियों से मार डालते थे। और अब पुनः रूसी आ गये थे और ऐसा कौन था जो हतोत्साह हुए बिना बचता, जब कि घाटी के जीवन में केवल एक ही अन्तर हुआ था और वह था और अधिक निराशा और थकावट। अमरीकी श्री ब्रिस्को को इन चीजों का ज्ञान कभी नहीं होगा और इसलिए उनमें अभी तक संघर्ष करने की क्षमता थी। अमरीकी ब्रिस्को की बीमारी शारीरिक थी। यह एक दुखद बात थी, क्योंकि वे एक महान् व्यक्ति थे; किन्तु उनकी बीमारी ने उनके हृदय पर अधिकार नही किया था। यदि ऐसा होता, तो बात और भी दुखद होती। उन्हें इस बात का पता कभी नहीं चलेगा कि तिरछी आँखों वाली एक कोरियाई लड़की पर, जो उनके लिए केवल अजनबी ही हो सकती थी, इस अन्तर का प्रभाव किस प्रकार पड़ा था अथवा किस प्रकार इससे आशा की उत्तेजना

पुनरुज्जीवित हो गयी थी। यदि वे इतने निकट न होते, तो इस जीवन-रक्षक जैकेट का केवल एक अर्थ निकलता. . . . एक स्वप्न भंग होकर चकनाचूर होने ही वाला था। यह प्रत्यक्षतः अनिवार्य था और पूर्वीय पद्धति से इसे स्वीकार कर लिया जाना था। अब भी उनका थका हुआ चेहरा मृत्यु की अवहेलना कर रहा था। उन्होंने जीवन-रक्षक जैकेट को उपेक्षापूर्वक फर्श पर फेंक दिया था।

उसने देखा कि उनकी आँखें खुली हुई थी। और वह जान गयी कि उनकी पीड़ा पुनः प्रारम्भ हो गयी थी।

उन्होने उसकी ओर देखते हुए कहा—"मैं सो नहीं सकता। मेरी आत्मा अवश्य दूषित होगी। आपको कुछ मालूम है, कुमारी चेन? मुझे भूख भी लगी है और जब कोई आदमी सो न सकता हो और उसे भूख लगी हो, तब वह भयंकर झंझट में फँस जाता है।"

"मेरे ख्याल से खाने के लिए कुछ भी नहीं है। मेरा विश्वास है कि हमने सब कुछ समुद्र में फेंक दिया था।"

"ऐसी उतावली नहीं की जानी चाहिए थी। उस भोजन से तो मछलियाँ मोटी हो जायँगी।" एक क्षण तक अपनी कुर्सी में मुड़ने के बाद उन्होंने पूछा—"आपको कुछ मालूम है? मुझे पीड़ा है—पूरी तरह से।"

"मुझे अत्यन्त दुख है, श्री ब्रिस्को। काश मैं आपकी सहायता कर सकती।"

"आप कर सकती हैं सहायता।" उसने अपना सिर घुमाया और उसकी ओर प्रश्न-सूचक दृष्टि से देखा। "क्या विमानस्थल पर आपसे मिलने के लिए कोई आनेवाला है?"

"नहीं. . . किन्तु मेरे बटुए में कई आदेश पड़े हुए हैं। वह मेरे पासपोर्ट और मेरे टिकटों के साथ है। मुझे विमान से उतर कर यात्रियों की प्रतीक्षा में खड़ी बस तक जाना होगा। मुझे बस के इनचार्ज से विनम्रतापूर्वक कहना होगा कि मैं गोल्डन गेट होटल में जाना चाहती हूँ और शुल्क के रूप में उसे सवा अमरीकी डालर देने होंगे। होटल में मेरे लिए स्थान सुरक्षित है और वहाँ मैं कल शाम तक विश्राम करूँगी। तत्पश्चात् मैं न्यूयार्क के लिए अपनी यात्रा जारी करूँगी। मुझे जो आदेश दिये गये हैं, उनमें ये सब बातें बहुत स्पष्ट रूप से बतायी गयी हैं और मैंने उन्हें अनेक बार पढ़ा है।"

"तो आप बिल्कुल अकेली होंगी?"

"हाँ। अवश्य। मुझे इसका पर्याप्त अभ्यास है। मैं इतनी मूर्ख नहीं हूँ कि यह विश्वास कर लूँ कि वास्तव में आपकी सड़कों पर डाकुओं की भरमार

रहती ह।"

जरा-सी हँसी प्रारम्भ होने से ही जो पीड़ा हुई, उससे फ्रैंक ब्रिस्को तिल-मिला उठा। वह अपना हाथ सावधानी के साथ अपनी गर्दन के पीछे ले गया।

"मै एक डाकू को जानता हूँ और मै चाहता हूँ कि आप उससे मिलें। उसकी विशेषता यह है कि वह हर समय गोश्त के मोटे-मोटे टुकड़े खाने को देता है। मेरी कार मेरी प्रतीक्षा कर रही होगी और यदि आप इस डाकू के अड्डे पर मेरे साथ चलेंगी, तो मेरे ऊपर आपका महान अनुग्रह होगा।"

"मुझे ऐसा करने में संकोच होगा।"

"क्यों?"

"क्योंकि मै इस उपहार का प्रतिदान कभी नहीं कर सकूँगी।"

"अमरीका के सम्बन्ध मे जिन बातों का ज्ञान आपको प्राप्त होगा, उनमें से एक यह है कि सुन्दर लड़कियों को कभी किसी वस्तु को लौटाने की आवश्य-कता नहीं होती। अब अपने सिर के ऊपर का बटन दबा दीजिये। मेरा यह विचार प्रति मिनट जोर पकड़ता जा रहा है।" स्पाल्डिग तुरन्त गलियारे में पहुँच गयी। उसकी आँखों में भय का भाव था।

"क्या आपको किसी चीज की आवश्यकता है, श्री ब्रिस्को?"

"हाँ। जल्दी! एक गोश्त का सैण्डविच लाओ।"

"श्री ब्रिस्को.....!" ये शब्द स्पाल्डिग के मुँह से अनिश्चितता के साथ निकले। उसने मानो उसे साफ करने के लिए अपना सिर हिलाया। उसके कन्धे झुक गये और एक प्रशंसात्मक मन्द मुस्कान से उसके मुँह का तनाव दूर हो गया। "मैं निश्चयपूर्वक कह सकती हूँ कि समस्त संसार में आप ही एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो इस समय भोजन की बात सोच सकते हैं। उस जीवन-रक्षक जैकेट को पहन लीजिये।"– उसने कड़ी होने का प्रयत्न करते हुए पुनः कहा।

"यदि मैं जीवन-रक्षक जैकेट को पहन लूं, तो क्या तुम मेरे लिए एक सैण्डविच ला सकती हो?"

"नहीं, श्री ब्रिस्को। सारी की सारी भोजन-सामग्री समुद्र में फेंक दी गयी। अब, कृपया–"

"खूब सेवा होती है यात्रियों की! स्टीवार्डेस सारी भोजन-सामग्री को फेंक देती है, जिससे उसे भोजन देने का कष्ट ही न उठाना पड़े। लेकिन सुनो, मैं एक भूखा व्यक्ति हूँ और मेरा एक प्रस्ताव है। मेरी कार मुझे लेने के लिए इस

विमान पर आयेगी और मैं सोचता हूँ कि यदि तुम भी आ जाओ, तो कुमारी चेन मुझे सान फ्रासिस्को मे उनके लिए गोश्त का टुकड़ा खरीदने की अनुमति दे दे ी। यदि तुम इस बात को स्वीकार कर लो, तो मैं इस निकम्मे जीवन-रक्षक जैकेट को पहन लूंगा। तुम एक बूढ़े व्यक्ति को प्रसन्नता प्रदान करोगी — गोश्त भी अच्छा होता है। क्या ख्याल है ?"

स्पालिंडग ने नीचे झुक कर फर्श पर से जीवन-रक्षक जैकेट को उठा लिया। उसने उसे अत्यन्त सावधानी के साथ फ्रैंक ब्रिस्को की गर्दन के चारों ओर लपेट दिया और उसके कालर के पास उसे मुलायमियत के साथ ढीला कर दिया। उसकी उंगलियाँ बहक कर ब्रिस्को की गर्दन के पिछले भाग पर पहुँच गयीं और उसे सहलाने लगीं।

"श्री ब्रिस्को. . . आपका प्रस्ताव स्वीकार्य है।"

कुहरे से आच्छादित किसी बन्दरगाह की ओर जाने वाला कोई जलपोत अपनी रफ्तार को कम कर सकता है, रुक सकता है और प्रतीक्षा कर सकता है अथवा यदि उसका कप्तान बुद्धिमान हुआ, तो वह दिशा-परिवर्त्तन भी कर सकता है। कोई विमान इनमें से एक बात भी नहीं कर सकता। उसे सीधे अपने गन्तव्य स्थान की ओर उड़ते ही रहना होगा क्योंकि उसका कार्य-समय सीमित होता है।

कैलिफोर्निया-तट पर पहुँचना न तो जल-पोतों के लिए और न विमानों के लिए सरल होता है। वहाँ कोई प्रवेश-द्वार नही है; बल्कि तटवर्ती पर्वत एकदम से समुद्र से बाहर निकल पड़े हैं। सान फ्रांसिस्को के निकट गोल्डेन गेट जल-पोतो के लिए इस अवरोध को पार करने के लिए एक प्रवेश-द्वार का काम करता है और समुद्र के साथ क्षणिक रूप से नीचे होते हुए पहाड़ अपेक्षाकृत कम ऊँचे है। और इस प्रकार सान फ्रांसिस्को की खाड़ी वास्तविक पर्वतों की अपेक्षा पहाड़ियों से अधिक घिरी हुई है। फिर भी, इस भौगोलिक छूट के कारण, तीव्र गति से टकराने पर यह पहाड़ियाँ वास्तविक पर्वतों की अपेक्षा कम नम्र नही होतीं।

गोल्डेन गेट की संकीर्ण खाड़ी में प्रवेश करने के इच्छुक जलपोतों के पथ-प्रदर्शन के लिए प्रकाश-स्तम्भों और कुहरे की सूचना देने वाले भोपुओं आदि की व्यवस्था की गयी है। राडर-यंत्र की सहायता के बिना भी किसी जलपोत का जानकार कप्तान सतर्कतापूर्वक गोल्डेन गेट के मुँह पर पहुँच सकता है और लहरों तथा तीव्र धाराओं को ध्यान में रखते हुए ढालू चट्टानों के गलियारे

से होते हुए अपने जहाज को स्वयं विस्तृत खाड़ी में ले जा सकता है। तत्पश्चात् कप्तान साँस ले सकता है, शांत जल में लंगर डाल सकता है अथवा नगर के पूर्वी तट से बाहर को निकले हुए अनेक बन्दरगाहों में से किसी एक की ओर बढ़ सकता है। दृश्यता के ठीक न होने की स्थिति मे खुले समुद्र से अन्तिम सुरक्षा तक पहुँचने की अपेक्षाकृत अल्प यात्रा के लिए दो घण्टे की या इससे भी अधिक की आवश्यकता हो सकती है। विमानों के लिए आराम का यह मार्ग अपनाना सम्भव नहीं है।

खराब मौसम जब प्रशान्त महासागर से भूमि की ओर बढ़ता है और तट-रेखा को मेघाच्छादित कर देता है, तब सान फ्रांसिस्को पहुँचने में वैमानिकों को सहायता पहुँचाने के लिए प्रकाश-स्तम्भों और कुहरे की सूचना देने वाले भोंपुओं के समान ही कतिपय व्यवस्थाएँ की गयी हैं। सर्वप्रथम फरालोन द्वीप-समूह पर, जो तट से २६ मील दूर चौकियों का काम करते हैं, एक रेडियो-मार्ग-दर्शक है। यह एक शक्तिशाली मार्ग-दर्शक है और जब विमान समुद्र पर काफी दूर पश्चिम में रहता है, तभी से चुम्बक की भाँति दिशा-सूचक यंत्र की सूइयों को निश्चित रूप से आकृष्ट करने लगता है।

एक बार फरालोन द्वीप-समूह को पार कर लेने पर दिशा-सूचक यंत्र की सुई की अर्द्ध-परिक्रमा से स्थिति स्पष्ट हो जाती है और उसके बाद वैमानिकों को और आगे ले जाने के लिए अन्य व्यवस्थाएँ की गयी है। इन व्यवस्थाओं का उपयोग, एक के बाद एक करके, तीव्र गति से किया जाना चाहिए क्योंकि इस स्थिति में बहुत कम समय शेष रह जाता है।

स्वयं विमान-स्थल नगर के दक्षिण में स्थित है। पश्चिम और उत्तर में पहाड़ियाँ प्रायः उसकी सीमाओं को स्पर्श करती हैं, किन्तु पूर्व में और दक्षिण में खाड़ी का पानी और सपाट भूमि है, जिससे पहुँच का मार्ग साफ एवं निष्कंटक हो जाता है। इस प्रकार यदि पर्वत-शृंखला अंधकाराच्छन्न हो, तो सान फ्रांसिस्को जाने वाला कोई भी विमान इन्हीं दिशाओं से उतरने के लिए बाध्य हो जाता हैं।

शीघ्रतापूर्वक एवं सुरक्षित रूप से नीचे उतरने के लिए विमान का कप्तान अपने दिशा-सूचक यंत्र को सान फ्रांसिस्को रेंज स्टेशन की ओर उन्मुख करता है। यह सहायता की एक प्रारम्भिक व्यवस्था है और इसके अनुसार प्रत्येक तीस सेकण्ड पर एस. एफ. ओ. अक्षरों की नीरस पुनरावृत्ति होती रहती है। दिशा-सूचक यंत्र की सुई हिलेगी और स्वयं स्टेशन की ओर, जो विमान-स्थल से बहुत कम दूरी पर स्थित है, सीधे इंगित करेगी, किन्तु स्टेशन के ऊपर

गुजर जाने के बाद सीधे सुई के संकेत की दिशा में आगे बढ़ने से कई जटिलताएँ उत्पन्न हो जायँगी। घटनाएँ इतनी तीव्र गति से घटित होंगी कि निश्चित एवं अन्तिम रूप से नीचे उतरना कठिन हो जायगा। अतः प्रथा यह है कि फरालोन द्वीप-समूह से ही एक अधिक अप्रत्यक्ष मार्ग अपनाया जाता है।

सान फ्रांसिस्को रेडियो रेंज के मिले-जुले सिगनल चार "चरणों" की सृष्टि करते हैं, जो स्टेशन से उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-पश्चिम और उत्तर-पूर्व की दिशा में चक्कर लगाते रहते है। ये ऐसी सड़कों अथवा मार्ग का रूप धारण कर लेते है, जिन्हें सुना जा सकता है और किसी भी मार्ग के ओर 'एन' सिगनल को सुना जा सकता है, जब कि दूसरी ओर 'ए' सिगनल को दुहराया जाता है। इन दोनों सिगनलों के समान मिश्रण से एक स्थिर ऊँचे एवं एकरूप स्वर की सृष्टि होती है। यह एक ऐसा स्वर होता है, जो किसी भी वैमानिक को यह संकेत देता है कि वह मार्ग के बीच से होकर उड़ रहा है। फिर भी, कुशल विमान-चालक मार्ग के मध्य भाग से तब तक बचते रहते हैं, जब तक वे प्रायः स्टेशन के ऊपर नहीं पहुँच जाते। वे एकरूप स्वर को सुनते हुए, फिर भी 'ए' सिगनल अथवा 'एन' सिगनल के अस्पष्ट स्वरों को सुनने की स्थिति में रह कर, मार्ग के क्षीण किनारे पर उड़ना अधिक पसन्द करते है। इस प्रकार उन्हें इस बात का ठीक-ठीक पता चल जाता है कि वे मार्ग के किस बिन्दु पर हैं। यदि ऊपर की हवा जोरदार हुई, तो यह एक कठिन एवं नाजुक कार्य होता है।

जैसे-जैसे विमान स्टेशन के निकट पहुँचता जाता है, वैसे-वैसे मार्ग संकीर्ण होता जाता है और सिगनल की शक्ति तीव्र गति से बढ़ जाती है। पूर्ण अंधकार में किसी संकीर्ण गली में अपने मार्ग को टटोल-टटोल कर चलने वाले व्यक्ति की भाँति अब कुशल विमान-चालक कुछ अंश की कमी कर के मार्ग केन्द्रमध्य मे आ जाता है। एकरूप स्वर अत्यधिक ऊँचा हो जाता है और फिर वह अचानक बन्द हो जाता है। विमान-चालक स्टेशन के ठीक ऊपर मौन के शंकु से हो कर गुजर रहा है। यंत्र-पटल पर हल्की-सी रोशनी चमक उठती है, दिशा-सूचक यंत्र की सुई चारों ओर घूम जाती है और एक क्षण बाद एकरूप स्वर पुनः सुनायी देने लगता है। वह बन्दरगाह में पहुँच गया है, किन्तु लंगर अभी तक नही डाला गया है।

अब घटनाएँ बड़ी तीव्र गति से घटित होने लगती हैं। सर्वोत्तम परिस्थितियों में भी उड्डयन-कक्ष में तनाव बढ़ जाता है, क्योंकि ऐसे समय में गलतियाँ

असह्य होती हैं। अन्तिम पहुँच के लिए जो अनेक कार्य-प्रणालियाँ हैं, उनमें से सर्वाधिक शीघ्रतापूर्ण और सर्वाधिक निश्चित कार्य-प्रणाली 'इन्स्ट्रूमेण्ट लैण्डिग सिस्टम' है। यह प्रणाली अत्यन्त कष्ट-साध्य भी है। विमान-चालक निरन्तर सुनायी देने वाली सहायता-व्यवस्थाओं का परित्याग कर देता है और दिखायी देने योग्य सिगनलों पर अपना ध्यान केन्द्रित कर देता है।

सान फ्रांसिस्को विमान-स्थल के किनारे पर ही एक दूसरा ट्रांसमिटिंग स्टेशन स्थित है। इसके सिगनल केवल दो 'चरणों' की सृष्टि करते हैं, जो पश्चिम में पहाड़ियों तक और पूर्व में खाड़ी तक जाते हैं। ये 'चरण' सुनायी देने वाले नहीं होते; किन्तु वे स्वयं विमान मे लगे हुए एक छोटे गोल यंत्र पर भिन्न-भिन्न प्रकार की प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करते हैं। यह यंत्र एक डायल होता है, जो लगभग अन्य अनेक यंत्रों के ही आकार का होता है। इसके आगे के भाग में दो सफेद छड़ होते हैं, जो एक-दूसरे के साथ समकोण बनाते हैं। यंत्र के निम्न भाग में पीले और नीले रंग से रंगा हुआ एक आंशिक वृत्त होता है। यदि विमान-चालक दृश्य चरण के पीले भाग की ओर जायगा, तो समकोण छड़ पीले विभाग में चला जायगा और यदि विमान-चालक विमान को दूसरी ओर जाने देगा, तो समकोण छड़ नीले विभाग में चला जायगा। यह मार्ग अत्यन्त संकीर्ण होता है और जब विमान-स्थल निकट आ जाता है, तब वह इतना संकीर्ण हो जाता है कि कंकरीट के 'दौड़मार्ग' से तनिक भी अधिक चौड़ा नहीं रह जाता। इस दृश्य मार्ग पर कायम रहना एक कठिन कार्य होता है, क्योंकि मार्ग से तनिक भी विचलित होने से यंत्र पर एक अभियोगात्मक प्रतिक्रिया उत्पन्न हो जायगी। हवा के जोरदार होने पर कठिनाइयाँ और अधिक बढ़ जाती हैं।

साथ का दूसरा छड़ पट होता है। वह नीचे उतरने की गति का, जो सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात होती है, संकेत करता है। एक निःशब्द मन्द गति के मार्ग का निर्माण करके वह एक ऐसे अदृश्य सहारे की व्यवस्था करता है, जिससे कठिनाइयों को पार कर अन्त में विमान बिल्कुल ठीक स्थान पर ठोस भूमि पर उतर सकता है। 'यांत्रिक भूमि-स्पर्श प्रणाली' (Instrument Landing System) द्वारा पूर्णतया शुद्ध रूप से उतरना प्रायः असम्भव होता है। इस प्रणाली के अन्तर्गत विमान-चालक वास्तव में बन्दूक से निशाना लगाता है और किसी बड़े विमान के भूमि पर उतरने की क्रिया में इतनी अधिक अनिश्चितताएँ होती हैं कि छड़ सदा उचित स्थिति में नहीं रह पाते। दृश्य प्रणाली का उपयोग करते हुए अच्छी तरह से और बिना किसी बाधा

के विमान को भूमि पर उतार लाना पेशेवर वैमानिक का गुण होता है। इससे वह किसी भी परिस्थिति में बादल की पेंदी से होकर गुजरता है और सीधे 'दौड़-मार्ग' पर पहुँच जाता है। अच्छे विमान-चालक पूर्ण अंधकार से निकलने के दस सेकण्ड बाद ही अपने विमान के पहियों को कंकरीट पर ला देते हैं।

अब सलीवन ने एक नाविक की भाँति घण्टों की ध्वनि अथवा प्रकाश की किरणों के लिए अपने कानों और आँखों को चौकन्ना रखकर अपनी गोद में रखी हुई पुस्तक का अध्ययन किया। अपनी सहायता-व्यवस्थाओं की बारताओं (Frequencies) और स्थितियों को, जिन सब का उल्लेख पुस्तक में किया हुआ था, ध्यान में रखते हुए, अपने मस्तिष्क की आँखों से बाधाओं और पहाड़ियों की ऊँचाइयों को देखते हुए, मार्गों और मोड़ों को कण्ठस्थ करते हुए तथा समय के शेष रहते हुए ही बचने के लिए सम्भाव्य छोटी दूरी वाले मार्गों पर विधिवत विचार करते हुए एक बार पुनः उसने सान फ्रांसिस्को की हवाई सीमाओं पर विचार किया, क्योंकि वह जानता था कि एक बार अन्तिम प्रयास में जुट जाने पर समझौते के लिए कोई गुंजाइश नही रह जायगी। वह बिना किसी छूट के कार्यारम्भ करने वाला था। उसने अपने आप से बार-बार कहा कि प्रत्येक उपाय, प्रत्येक सेकण्ड अवश्य महत्वपूर्ण होगा।

वह अब यंत्र-पटल के पार ईंधन-मापक यंत्र की ओर नहीं देख रहा था। टंकियाँ प्रायः खाली हो चुकी थीं और यह काफी था। अब से एक इंजिन की मरती हुई आवाजे ही दृढ़तापूर्वक यह घोषणा करेंगी कि एक टंकी पूर्णतया खाली हो गयी है। चलो, ऐसे ही सही।

उसने 'काकपिट' के पास डैन रोमन की ओर देखा। वह सीटी बजा रहा था, यद्यपि सम्भवतः उसके होंठ आदतवश ही सीटी बजाने की स्थिति में हो गये थे, क्योंकि उनसे कोई वास्तविक आवाज नहीं निकल रही थी। अब वह बहुत अधिक आश्वस्त नहीं था और उसकी उड़ान अपेक्षाकृत कम त्रुटिहीन हो गयी थी। उसकी आँखें बहुधा उसके कृत्रिम क्षितिज से हटकर दिशा-सूचक यंत्र की कांपती हुई सुई पर चली जाती थीं और वह मार्ग से कुछ अंश दूर बहक जाता था। डैन भी थकता जा रहा था और उसकी शांति का अन्तिम सुरक्षित कोष समाप्त होता जा रहा था। समय आ गया था। अब सलीवन ने अपने हाथ नियंत्रण-चक्र पर रख दिये।

"थोड़ा सुस्ता लो, डैन।"

"अच्छा।" आह भरते हुए वह ढीला होकर अपनी कुर्सी पर पसर गया

और उसने अपने हाथ फैला दिये। उसने दिशा-सूचक यंत्र की सुई की ओर इंगित किया। वह अधिकाधिक तीव्र गति से हिल रही थी, मानो वह पूरा चक्कर लगाने के लिए व्यग्र हो।

"फरालोन द्वीप समूह"—डैन ने कहा—"किसी भी सेकण्ड आ सकता है।"

"हाँ"।

डैन ने ऊँचाई-मापक यंत्र की ओर देख कर अपना सिर हिलाया। "अच्छा हो कि हम और अधिक नीचे न जायँ।"

"नहीं। मैं इसी ऊँचाई को कायम रखूँगा। हम सीधे सान फ्रांसिस्को के उत्तर-पश्चिमी मार्ग की ओर जायँगे। अब से लगभग आठ मिनट बाद 'टावर' को बुलाना प्रारम्भ कर दो। ओकलैण्ड कण्ट्रोल ने समस्त क्षेत्र को साफ कर दिया है। हम एक प्रकार से भूमि पर ही हैं।"

"तुम जिस ढंग से यह बात कह रहे हो, उसे मैं पसन्द करता हूँ।" डैन अपनी कुर्सी में थोड़ा-सा आगे की ओर झुका और खिड़की से बाहर देखने के लिए मुड़ा। ऐसा वह बिना कुछ सोचे-विचारे कर पड़ा था, किन्तु सलीवन इसका कारण समझ गया। शीशे के अन्धेरे, धुंधले आकार के अतिरिक्त डैन कुछ भी नहीं देख सकता था। वह केवल सर्वाधिक महत्वपूर्ण इंजिनों की दिशा में देख रहा था, उसी तरह जैसे कोई नाविक अपने जहाज के मस्तूलों की ओर यह जानने के लिए देखता है कि वे अभी तक खड़े हैं या नहीं।

लियोनार्ड आगे आकर उनके बीच मौन होकर खड़ा हो गया। उसने अपनी मेज पर की बत्ती बुझा दी थी, क्योंकि इस प्रकार का कार्य समाप्त हो गया था। अब उसे अपने विद्युत-उच्चता-मापक यंत्र की हरी आँख का निरीक्षण करने के लिए तब तक प्रतीक्षा करनी होगी, जब तक वे तट पर नहीं पहुँच जायँगे।

और इस प्रकार यंत्र-पटल को छोड़कर सारा उड्डयन-कक्ष अंधकार-निमग्न हो गया था। वे अंधेरे में प्रतीक्षा करने लगे और दो यंत्रों—दीवार घड़ी की सेकण्ड की सूई और दिशा-सूचक यंत्र—ने उनकी आँखों को आकृष्ट किया।

ईंधन-मापक यंत्र की उपेक्षा करने का प्रयत्न करते हुए वे प्रतीक्षा करते रहे। धूम्रपान करते हुए, कभी-कभी व्यग्रतापूर्वक खाँसते हुए, अपनी दाढ़ी को स्पर्श करते हुए, अपने बालों को तथा हाथों के पिछले भाग को खुजलाते हुए, जीभ चाटते हुए तथा अपनी थकी हुई आँखों को मलते हुए, अपनी चिन्ता में खोये हुए, वे प्रतीक्षा करते रहे।

अन्त में सुई आत्म-महत्व का अन्तिम रूप से प्रदर्शन करती हुई काँप उठी।

फिर उसने धीरे-धीरे चक्कर लगाया और चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के पिछले भाग की ओर इंगित किया। वे फरालोन द्वीप-समूह को पार कर चुके थे।

तट-रक्षक विमान बी—१७ में लेफ्टिनेण्ट माउब्रे और कीम ने स्वयं अपने दिशा-सूचक यंत्र की सूई को गोल चक्कर लगाते हुए देखा। सलीवन के आदेशों के अनुसार वे केवल आधा मील की दूरी पर चार-दो-सिफर के समानान्तर उड़ रहे थे।

"उसने प्रथम अड्डा पार कर लिया है।"—माउब्रे ने कहा।

"बहुत अच्छा है, यदि वह सेकण्डों का बचाव करते-करते फँस न जाय।"

"मैं बाजी लगाकर कहा सकता हूँ कि व्यग्रता और आशंका से वे पसीने-पसीने हो रहे होंगे।"

"क्या आप को ऐसा नहीं होता ?"

"मैं तो इस समय भी उनके लिए पसीने से तर हो रहा हूँ,। परमात्मा ही जानता है कि यदि अगले पन्द्रह मिनटों में उसका ईंधन समाप्त हो गया, तो वह अपने उस विमान को कहाँ उतारेगा।"

"सम्भवतः मार्केट स्ट्रीट के बीच में।"

"मैं राडर से विमान का कप्तान बोल रहा हूँ! चार-दो-सिफर नम्बर के विमान ने नीचे जाना प्रारम्भ कर दिया है!"

"राजर। मुझे सूचित करते रहो। उनके नीचे जाने की रफ्तार कितनी तेज है ?"

"लगभग पन्द्रह फुट प्रति मिनट प्रतीत होती है।"

"राजर।" माउब्रे ने अपने 'स्टेबलाइजर ह्वील' को थोड़ा-सा आगे सरकाया और अपने विमान को अत्यन्त मन्द गति से नीचे ले जाने लगा। उसने अपने होंठों को भींच लिया और अपना सिर हिलाया। "हे ईसा मसीह. . . . बड़ा साहस है उस व्यक्ति में!"

सान फ्रांसिस्को का विमान-स्थल इस समय निष्क्रिय प्रतीत हो रहा था, मानों किसी ने अचानक उसकी साँस को रोक दिया हो। वह निम्न धरातलीय बादलों के नीचे कालिमा और जल से आच्छादित हो कर फैला हुआ था, लम्बें दौड़-मार्ग चमकती हुई नदियों के समान दिखायी दे रहे थे और नियंत्रित दूरी पर पड़े हुए प्रकाश के धब्बे उसकी लम्बाई और चौड़ाई को निर्धारित कर रहे थे। हवा 'सीलिंग मेजरमेण्ट लाइट' के प्रकाशमान छड़ पर निरन्तर

कुहरे और वर्षा का पर्दा डाल रही थी तथा रह-रह कर कण्ट्रोल टावर के ऊपर स्थित हरा प्रकाश देनेवाला स्तम्भ वायुमण्डल मे, जिसने प्रत्येक वस्तु को आच्छादित कर रखा था, एक असम्बद्ध रंग बिखराता जाता था।

इसके अलावा वहाँ जीवन का अन्य कोई सकेत प्रायः नही था। अंधेरे कण्ट्रोल टावर में दो व्यक्ति मौन खड़े थे। वे अपने अनेक रेडियो-यत्रों के वक्ताओ की बातें सुन रहे थे, किन्तु स्वयं कोई शब्द नहीं कर रहे थे। प्रकाश की संग्रहीत चमक बादल के आधार से नीचे की ओर अनिश्चित हो रही थी; उसने उनके टावर को चारों ओर से घेर लिया था, जिससे उन्हें परेशानी हो रही थी, क्योंकि इससे 'यांत्रिक दौड़-मार्ग' के दूरस्थ सिरे को देखने में कठिनाई होती थी और एक मनहूस उत्सुकता उनका ध्यान निरन्तर उसकी ओर आकृष्ट कर रही थी। वे प्रतीक्षा करते रहे।

'कण्ट्रोल-टावर' के नीचे बाहर जाने वाले विमान, जो सामान्यतः सक्रियता और आवाज से सजीव होते हैं, प्रायः रिक्त पड़े हुए थे। कभी-कभी कुछ मिस्त्री पंखों के नीचे से निकल आते थे, किन्तु अपने बरसाती वस्त्रों में वे प्रेतात्माओं की तरह लगते थे। कभी-कभी उनकी हाथ-बत्तियाँ चमक उठती थी। एक सामान ढोने वाली ट्रक, जिसका सामान भीगी हुई तिरपाल से ढका हुआ था, धीरे-धीरे एक विमान के पास जाकर रुक गयी। उस पर से सामान उतारने के लिए कोई भी व्यक्ति आगे नहीं आया। समस्त विमानों को, चाहे उनका गन्तव्य स्थान कुछ भी हो, रोक लिया गया था।

एयर इनकारपोरेशन के रिसीविंग स्टेशन पर पिकरिंग नामक व्यक्ति अपनी खाली पाइप को चूस रहा था और विचार-मग्न होकर पाइप की प्याली में से साँस खींचे जाने की आवाज को सुन रहा था; क्योंकि यह एक मात्र ऐसी आवाज थी, जिसमे उसकी रुचि थी। दूसरे आपरेटर प्रशान्त महासागर के ऊपर दूर के यातायात मे तल्लीन थे। पिकरिंग को केवल चार-दो-सिफर नम्बर के विमान की चिन्ता थी। उसका अन्तिम सन्देश अभी तक उसके सामने टाइपराइटर में लगे हुए कागज पर पड़ा हुआ था।

"फरालोन द्वीप-समूह दो बजकर अड़तीस मिनट दो हजार पाँच सौ फुट। कृपया संकटकालीन भूमि-स्पर्श के लिए तैयार रहिये। सान फ्रासिस्को पहुँचने का प्रयत्न करेंगे।"

पिकरिंग ने अपने रेडियो-पटल में लगी हुई घड़ी की ओर देखा। सन्देश प्राप्त होने के बाद चार मिनट व्यतीत हो गये थे। वे अभी तक पश्चिम में

पहाड़ियों के पार समुद्र के ऊपर होंगे। ईश्वर उनकी सहायता करे। वह प्रतीक्षा करने लगा।

हवाई कम्पनी के संचालन-कार्यालय में गारफील्ड ने भी दीवार-घड़ी की ओर देखा। मानो उसे उस पर विश्वास न हो, इसलिए वह बहुधा अपनी कलाई-घड़ी को भी देख लिया करता था और गुस्से में अपने कोट की आस्तीन को पीछे की ओर खींचता रहता था। दूरमुद्रक यंत्र की निरन्तर खट-खट से वह संत्रस्त हो गया और उसने तीक्ष्ण स्वर में संवाद प्रेषक को बुलाया।

"उस बेहूदी चीज को बन्द कर दो!"

जब संवाद-प्रेषक उसकी आज्ञा का पालन कर चुका, तब गारफील्ड धीरे-धीरे चल कर खिड़की के पास पहुँचा और धक्का देकर उसने उसे खोल दिया। उसने अपने चेहरे पर रात की आर्द्रता का अनुभव किया और उसकी एक गहरी साँस ली। वह इंजिनों की आवाज सुनने का प्रयत्न करने लगा, यद्यपि वह भली-भाँति जानता था कि वह आवाज इतनी जल्दी नहीं सुनायी देगी। "अच्छा.....?" उसने जोर से रात को सम्बोधित कर कहा, यद्यपि उसे यह नहीं मालूम था कि उसने क्यों ऐसा कहा—"अच्छा.......?"

और फिर भी इंजिनों की आवाज नहीं सुनायी पड़ी।

गारफील्ड खिड़की को बन्द कर पुनः कमरे में आ गया। उसने कागज की एक क्लिप संवाद-प्रेषक की डेस्क पर से उठा ली और बड़ी सावधानी से उसे त्रिकोण के आकार में मोड़ दिया। वह देर तक क्लिप को मोड़ता रहा, तार टूट गया और उसने उसे रद्दी की टोकरी में फेंक दिया।

"मैं यह सब और अधिक समय तक सहन नहीं कर सकता"—उसने मानो सारे कमरे से यह बात कही—"मैं टर्मिनल पर जा रहा हूँ। यदि आवश्यकता हुई, तो मैं कण्ट्रोल टावर में चला जाऊँगा।"

उसने अपना हैट अधिक मजबूती से अपने सिर पर रख लिया और तीव्र गति से कमरे के बाहर निकल गया। वह तेजी के साथ सीढ़ियों से नीचे उतरा और बिल्डिंग के सामने के दरवाजे से बाहर निकल गया। प्रायः पूरे एक मिनट तक वह ऊपर आकाश की ओर देखता हुआ तथा वर्षा की बूंदों को अपनी आँखों पर से पोंछता हुआ अपनी कार की बगल में खड़ा रहा। वह गार्ड की कोठरी में रेडियो का बजना सुन सकता था और यह एक ऐसा राग था जिससे उसे कभी आनन्द प्राप्त होता था, किन्तु अभी उस पर उसे क्रोध आ रहा था क्योंकि इंजिनों की आवाज अभी तक नहीं सुनायी दे रही थी।

२०

संकेत-चिन्ह को देखने से पहले ही हाबी व्हीलर जान गया कि विमान का नीचे उतरना प्रारम्भ हो गया है। उसे अपने कानों में दबाव में थोड़े परिवर्त्तन का अनुभव हुआ और यह पर्याप्त था।

"ठीक है"—उसने स्पार्लिंग से कहा—"तो यह बात है।" उसका स्वर अस्वाभाविक रूप से गम्भीर था और वह इसे जानता था। वह अपने स्वर को पसन्द नही करता था, किन्तु उसे अधिक सामान्य बनाने के लिए वह कुछ भी नहीं कर सकता था। "दस मिनट है। आओ, हम लोग एक अन्तिम निरीक्षण कर लें।"

उसने यात्रियों की केबिन में एक सिरे से दूसरे सिरे तक देखा। "उन बड़ी बत्तियों को जला दो। हमें इस स्थान में खुशी का वातावरण लाना चाहिए।"

पढ़ने की छोटी-छोटी बत्तियों की तुलना में केबिन की छत में लगी हुई बत्तियाँ अत्यधिक प्रकाशवान प्रतीत हो रही थीं और मानो यात्रियों का उनके साथ कोई विद्युत-सम्बन्ध हो, वे घबड़ा कर अपनी कुर्सियों पर ऐंठ गये तथा बत्तियों मे उनकी आँखें झपक गयीं। नयी रोशनी में उनके चेहरे चमकने लगे, यहाँ तक कि एड जोसेफ भी पीला और बीमार-सा दिखायी देने लगा। उसकी पत्नी ने कराहना प्रारम्भ कर दिया और एक क्षण के लिए हाबी के मन में यह विचार आया कि केबिन को पुनः अर्द्ध-अन्धकार की स्थिति में ला देना चाहिए। बत्तियों के प्रकाश में उस स्थान का नया ध्वंसावशेष भी दिखायी देने लगा, जहाँ भोजन-सामग्री रखी हुई थी तथा गलियारे के फर्श पर 'गम' के परिवेष्टनों जैसी छोटी-छोटी चीजें एक अजीब बैडौल ढंग से अत्यन्त स्पष्ट दिखायी देने लगीं। पीले रंग के जीवन-रक्षक जैकेट ऐसा भद्दा दृश्य उपस्थित कर रहे थे, मानो सरसों फैला दी गयी हो; कोट और हैट, फूलों की मालाएँ तथा कुर्सियों के ऊपर सामान रखने की पटरियों पर रखे हुए छोटे-छोटे बाक्स ऐसे लग रहे थे, मानो वे किसी नीलामी बिक्री में से छूटी हुई चीजें हों। केबिन की दीवारें टूटी हुई और गन्दी दिखायी दे रही थीं। 'पोर्ट होल' काली घूरती हुई आँखों की दो रेखाओं के समान लग रहे थे।

हाबी और स्पाल्डिंग एक साथ जल्दी-जल्दी चलने लगे; दरवाजे के पास बने हुए 'रैक' से दोनों ने कोट उठा कर बगल के नीचे दबा लिये। फिर वे गलियारे के सिरे से चलकर एक साथ काम करने लगे– लोगों को कोट थमाते, सुरक्षा-पेटियों और जीवन-रक्षक जैकेटों की जाँच करते और मुस्कराने का प्रयत्न करते हुए।

"वह सफेद कोट मेरा है।"–नेल बक ने हाबी से कहा।

"कब तक सम्भावना है ?"–मिलो ने पूछा।

"लगभग दस मिनट बाद आप बिल्कुल सुरक्षित रहेंगे। दरवाजे तक आराम के साथ पहुँचिये। जब तक मैं चिल्लाऊँ नही, तब तक प्रतीक्षा करते रहिये।"

"काश, मैं किसी अन्य स्थान पर होता।"

"मै भी ऐसा ही सोचता हूँ। अपनी पत्नी का ख्याल रखिये।"

"वह तो मैं करूँगा ही।"

स्पाल्डिंग गलियारे के दूसरे सिरे पर केन चाइल्ड्स और मे होल्स्ट से बात कर रही थी।

"क्या आप के पास कोई कोट था, श्री चाइल्ड्स ?"

"नही। मै अन्दर से सर्दी का अनुभव कर रहा हूँ. . . . बाहर नहीं।"

"कृपा करके अपने जीवन-रक्षक जैकेट को फुला लीजिये। आप भी कुमारी होल्स्ट।"

उन दोनों ने चिन्तातुर होकर कारतूस की डोरियों को खोलने का प्रयास किया। जीवन-रक्षक जैकेट फूल कर बाहर निकल आये और मे ने प्रयोगात्मक रूप से अपनी छाती को दबाया।

"यह हुई कुछ चोली ! "–उसने कहा।

"भाग्य आपका साथ दे। अब से सिगरेट मत पीजियेगा।"

"किस्मत तुम्हारा साथ दे, बेटी।"

स्पाल्डिंग दूसरी कुर्सियों की ओर बढ़ गयी और लिलियन पार्डी को उसका कोट दे दिया।

"कुर्सी की पेटी कसी हुई है ?"

"मै सोचती हूँ कि यह बिल्कुल ठीक है। क्या यह वास्तव में पानी पर उतरने की तैयारी है, है न ?"

"मुझे ऐसी ही आशंका है। कृपया अपने जीवन-रक्षक जैकेटों को

फुला लीजिये।"

गुस्ताव पार्डी ने अपने कारतूस की डोर को गम्भीरतापूर्वक खींचा और जब उसका जैकेट हवा से भर गया, तब वह पूर्ण आश्चर्य के साथ देखने लगा। "देखो, देखो!"– उसने खेदपूर्वक कहा– "अब मैं भी पानी पर उतर सकूँगा।"

"इतने प्रसन्नचित्त और साहसपूर्ण होने के लिए आपको धन्यवाद।" –स्पाल्डिग ने शीघ्रता से कहा और चली गयी।

हाबी ने राइस-दम्पति की जॉच की और तत्पश्चात् वह अगली कुर्सियों की ओर चला गया, जिन पर फ्लैहार्टी और सैली मैकी बैठे हुए थे।

"अपनी हिदायतों को याद भर रखिये, फिर आपको कोई वास्तविक कठिनाई नहीं होगी।"–उसने कहा।

"क्या तट-रक्षक विमान अभी तक हमारे साथ है?"–फ्लैहार्टी ने पूछा।

"वह बिल्कुल हमारे पंखों के निकट ही है। वह अन्त तक हमारे साथ रहेगा। कृपा करके अपना सिगरेट बुझा दीजिये।"

"वास्तव में मुझे मेरा थैला मिल जाना चाहिए। हो सकता है कि–"

"मुझे खेद है, महाशय। कुछ नहीं हो सकता। अब अपने जैकेटों को फुला लीजिये।"

सैली मैकी ने निराशा के साथ सिर हिलाया। उसके हाथ उसकी गोद में निश्चल पड़े रहे।

"श्रीमती जी, जिस तरह से बताया गया था, उस तरह से डोरियों को खींच दीजिये।"

"मैं... मैं नहीं खींच सकती। मै डर गयी हूँ। ऐसा प्रतीत होता है कि मै निश्चल हो गयी हूँ।"

हाबी ने फ्लैहार्टी के ऊपर झुक कर सैली मैकी के जैकेट की डोरियाँ खोल दीं। कारतूस खुलने पर एक हल्की-सी आवाज हुई। सैली ने अपनी आँखें बन्द कर लीं। उसका चेहरा एकदम सफेद हो गया था।

"चिन्ता मत कीजिये। भाग्य आपका साथ दे।"

हाबी लोकोटा और एगन्यू के पास पहुँचा।

"हम बिल्कुल तैयार हैं, देखते हैं?"–जोस ने मुस्कराते हुए कहा– उसकी इस मुस्कराहट को देख कर हावी को उससे हाथ मिलाने की इच्छा हुई। उनके जीवन-रक्षक जैकेट फूले हुए थे, उनके कालर खुले हुए थे तथा उनकी कुर्सियों की पेटियाँ कसी हुई थीं।

"बहुत अच्छा याद रखिये। दरवाजे पर इतमीनान से आइयेगा।"

जोस ने अपने हाथ की माला को चूमा और उसे हाबी को देने का प्रस्ताव किया।

"नहीं, धन्यवाद, महाशय। धन्यवाद।"

जोस ने निराश होकर माला को अपनी तीन उंगलियों के चारो ओर लपेटा तथा उसे पुनः अपनी गोद मे रख दिया।

"यदि मुझे कुछ हो गया, तो क्या आप किसी दिन यह सन्देश पहुँचा देंगे?" एगन्यू ने कहा—"होनोललू में मेरी पत्नी से कह दीजिये कि मै उससे प्यार करता था। फोन नबर है—"

"श्रीमान्, आप स्वयं ही कह दीजियेगा। आप बिल्कुल सुरक्षित रहेंगे। मुझे कोई चिन्ता नही है और इस विमान पर से मै सबसे अन्त में उतरूँगा।"

"क्या आपके लिए यह आवश्यक है?"

"मुझे इसीके लिए वेतन मिलता है।" उन्हें जल्दी में छोड़ कर हाबी चला गया। दरवाजे पर टेलिफोन बज रहा था।

जब स्पाल्डिग जोसेफ दम्पति के पास पहुँची, तब उसकी प्रगति मन्द हो गयी। क्लारा जोसेफ प्रायः पागल हो गयी थी। उसने स्पाल्डिग का हाथ पकड़ लिया और उसे कस कर थामे रही। जब उसके पति ने उसे शांत करने का प्रयत्न किया, तब उसका सिसकना और अधिक बढ़ गया।

"मै मरना नहीं चाहती! मै मरना नहीं चाहती।"—वह बार-बार इन शब्दों को दोहराने लगी— "मेरे बच्चे... ओह, कृपा करके मुझे छोड़ो मत ..... एडवर्ड!" उसकी आवाज रोने के रूप मे परिणत हो गयी और फिर वह दयनीय स्थिति में अपने पति के ऊपर गिर पड़ी। स्पाल्डिग ने अपने ब्लाउज से सेकोनाल गोलियों की एक छोटी-सी बोतल निकाली और उसे एड जोसेफ के हाथ मे दे दिया।

"उसे इन्हें दे दीजिये। इनसे राहत मिलेगी।" वह फ्रैंक ब्रिस्को और डोरोथी चेन के पास चली गयी। समय बहुत ही कम शेष रह गया था।

"आप दोनो बिल्कुल तैयार हैं?"

"हम अभी तक भूखे हैं।"

"अब अपने जैकेटों को फुला लीजिये। हमारी गोश्त की तारीख कल रात तक के लिए स्थगित हो गयी है।"

"क्या तुम वचन देती हो?"

उनकी आवाज किसी दूरस्थ घाटी में सुनायी देने वाली मशीनगन की आवाज के समान थी। कुछ क्षण तक मनहूस शांति छायी रही। हाबी ने अपना सिर एक ओर को घुमाया और वह ध्यानपूर्वक सुनने लगा। तत्पश्चात् जब इंजिन में पुनः जान आयी, तब केबिन फिर जोर से हिल उठा। फिर भी, रह-रह कर इंजिन आवाज कर उठता था। हाबी अपने सिर को धीरे-धीरे इधर से उधर हिलाने लगा। "उँह-उँह"—उसकी आवाज मुश्किल से सुनायी दे रही थी—"हम मैदान जीतने ही वाले हैं।"

चिन्तातुर होकर प्रयोग करने के बाद सलीवन इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि दाये पंख को नीचे रख कर विमान को पाँच अंश के तट पर रखने से नम्बर चार इंजिन को चालू रखा जा सकता है।

"टंकियाँ खाली होने के इतना निकट पहुँच चुकी है कि उस इंजिन को दूसरी टंकियों से और पंपों द्वारा ईंधन नहीं पहुँचाया जा सकता!"—डैन ने चिल्ला कर कहा।

"हार्न को उठा लो! उन्हें बता दो कि क्या हो रहा है! किसी दिन किसी व्यक्ति को सहायता मिल सकती है! और हमारा अन्तिम 'क्लीयरेन्स' प्राप्त कर लो!"

विमान के स्तर से थोड़ा-सा दूर हो जाने के कारण सलीवन के लिए विमान को उड़ाने का काम बहुत अधिक कठिन हो गया। नीचे लटके हुए पंख से होने वाली क्षति की पूर्ति के लिए वह विमान को नीचे ले जाने के लिए विवश हो गया और इसके फलस्वरूप न केवल गति में कमी हो गयी, बल्कि यंत्र और कण्ट्रोल भी अस्त-व्यस्त प्रतीत होने लगे। सलीवन ने धैर्य कायम रखा क्योंकि, जैसा कि वह पहले ही समझ गया था, अब उसके लिए दूसरा कोई चारा नहीं रह गया था। कठोर भूमि का प्रथम भाग उनके नीचे कालिमा में आच्छादित था। लियोनार्ड ने अपने विद्युत-चालित उच्चता-मापक यंत्र को अपने हाथों के बीच जोर के साथ इस प्रकार पकड़ रखा था, मानो वह महत्वपूर्ण सूचना को उससे निचोड़ लेना चाहता हो। वह जोर-जोर से चिल्ला कर बता रहा था कि तात्कालिक विपत्ति से चार-दो-सिफर नम्बर के विमान की दूरी कितनी रह गयी है। इस दूरी में निरन्तर परिवर्त्तन होता जा रहा था। उसका उच्चता-मापक यंत्र विमान के ठीक नीचे की गहराइयों को सूचित करता जा रहा था और एक हरी आँख उन सूचनाओं को अंकित कर रही थी।

"पाँच सौ पचास फुट, कप्तान!"

"राजर !"

"चार सौ ! थोड़ा-सा कम !"

"इस पर नजर रखो !"

"तीन सौ तीस....! दो सौ पचास ! जमीन तेजी से निकट आती जा रही है।" यह पहाड़ियाँ हैं— सलीवन ने अपने आप से कहा—सान फ्रांसिस्को के पश्चिम मे स्थित पहाड़ियाँ। एक क्षण मे दूरी और कम हो जायगी और विमान ऐसी स्थिति मे पहुँच जायगा, जब और नीचे जाने की हिम्मत नहीं रह जायगी और उसके बाद जब पहाड़ियाँ और उनके ऊपर स्थित बिल्डिगे पार हो जायेंगी, तब दूरी पुनः बढ़ जायगी तथा वह सह्य हो जायगी। ऐसा ही होगा !

"दो सौ फुट ! कप्तान ! यह अच्छा नही है !"

सलीवन की हथेलियों से पसीना छूट पड़ा—इतना अधिक कि अन्त में उसके लिए नियंत्रण-चक्र को पकड़ना कठिन हो गया। वह एक-एक करके हथेलियों का पसीना अपनी पतलून पर पोंछने लगा।

"एक सौ अस्सी।"—लियोनार्ड भय के मारे चिल्ला उठा।

सलीवन ने अन्तःप्रेरणा से नियंत्रण-दण्ड को पीछे की ओर खीचा। वह तन-मन से ऊपर जाना चाहता था और उसने अपनी कुर्सी की पेटी को कस दिया, मानो वह विमान को अपने शरीर बल से ही ऊपर उठा सकता हो, किन्तु वायु-गति तत्काल कम होकर एक सौ पाँच मील प्रति घण्टा तक पहुँच गयी। विमान काँप उठा। सलीवन ने विमान की नासिका को पुनः नीचे कर दिया। वह गालियाँ बकने लगा। उसे फिर ऐसा कदापि नही होने देना चाहिए। उसे इस बात को अवश्य समझना चाहिए कि 'विण्डशील्ड' पर प्रहार करने वाली वर्षा और बादल वही थे, जो दस हजार फुट की ऊँचाई पर होते। दूरी, कोई भी दूरी सुरक्षा थी। फिर भी, वह इतनी निकट थी। अचानक उसका पेट ढीला हो गया तथा उसे पेट को बहने से रोकने के लिए बहुत प्रयास करना पड़ा।

"हम तटरक्षक विमान बी—१७ से चार-दो-सिफर से बात कर रहे हैं। 'ट्विनपीक्स' लगभग एक मिनट में आपकी बायीं ओर आ रही हैं। उन रेडियो गुम्बजों को याद रखिये !"

"राजर !"—डैन रोमन ने अपने माइक्रोफोन में कहा—"धन्यवाद।"

"इसी मार्ग पर बने रहिये। अब और नीचे मत जाइये और आप बिल्कुल

ठीक रहेंगे।"

"हाँ। धन्यवाद।" डैन अपनी कुर्सी पर तन कर बैठा था। अब वह सलीवन के दो अतिरिक्त हाथ बनने के अलावा और किसी भी प्रकार से सलीवन की सहायता नहीं कर सकता था। उसका समस्त ध्यान ईंधन-प्रवाह-मापक यंत्रो पर केन्द्रित था। किसी इंजिन के ईंधन के अभाव के कारण बेकार हो जाने की वे प्रथम सूचना देंगे। अब ईंधन की टंकियों की स्थिति की सूचना देने वाले यंत्रो की ओर देखने से कोई लाभ नहीं रह गया था। वे सभी टंकियों के खाली हो जाने की सूचना दे रहे थे।

"केवल दो सौ, कप्तान!"

सलीवन ने सोचा कि जब अन्तिम पहाड़ियाँ गुजर जायँगी, तब यह और भी कम हो जायंगी। अब तो इंजिनों का भरोसा रह गया है। यदि वे अगले तीन अथवा चार मिनटों तक ठीक से काम करते रहे, तो वह पहाड़ियों को पार कर सकता था। यदि वे रुक गये, तो—इक्कीस व्यक्ति काल के मुँह में चले जायँगे।

एक नयी बात से उसका तनाव कम हो गया। सान फ्रांसिस्को रेडियो रेंज की आवाज बदल गयी थी। अब 'ए' अक्षर की बारम्बार पुनरावृत्ति होने के बदले एक ऊँचा एकरूप, अपरिवर्तित स्वर आ रहा था। सलीवन आशा से पहले ही उत्तर-पश्चिमी चरण में प्रवेश कर रहा था। स्वय स्टेशन को अब बहुत दूर नहीं होना चाहिए। जब 'ए' की आवाज प्रायः पूर्ण रूप से एकरूप स्वर में विलीन हो गयी, तब सलीवन ने विमान को एक सौ ग्यारह अंशों के एक मार्ग पर मोड़ दिया। यह मार्ग शांति-शंकु का था – भूमि पर पहुँचने का मार्ग। बहुत ठीक। दिशा-सूचक यंत्र की सुई ठीक आगे की ओर संकेत कर रही थी। वह पहले से ही प्रकम्पित हो रही थी। दया करो भगवान, कुछ मिनट और!

खिड़कियों के बाहर बादलों की चमक पीतल के समान पीले रंग की हो गयी। नगर की बत्तियाँ यद्यपि क्षीण प्रकाश दे रही थीं, तथापि वे सम्मिलित रूप से बादल को प्रकाशित करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली थीं। सड़कों पर जलने वाली बत्तियाँ, कारों की बत्तियाँ, फैक्टरियों में जलने वाली बत्तियाँ, इतने व्यक्तियों के, जिनका जीवन अनिश्चित था, रात्रिकालीन आशीर्वाद—इन सबने मिल कर चार-दो-सिफर नम्बर के विमान को एक कोमल सुनहरे प्रकाश से ढक दिया। यहाँ ऊँचाई पर, जीवन की अवधि के सम्बन्ध में भविष्य-

वाणी की जा सकती थी। विमान पर सवार व्यक्ति या तो कुछ ही मिनटों में नीचे के व्यक्तियों से पुनः मिलेगे या अचानक उनका जीवन समाप्त हो जायगा।

"तीन सौ फुट, कप्तान ! यह स्थिति अधिक अच्छी है !"

पहाड़ियाँ दूर होती जा रही थी। उन पर विजय प्राप्त कर ली गयी थी।

"चार सौ फुट।"

ठीक। अब विमान-स्थल शीघ्र ही नीचे आ जायगा, उसके बाद सपाट भूमि आयेगी और उसके पार खाड़ी होगी।

"पाँच सौ ! हम जीवित है !"

सलीवन ने एक लम्बी और जोरदार साँस ली। यह साँस बिना किसी शब्द के उसकी आत्मा की गहराइयों से निकली थी। उसने नियंत्रण-दण्ड को आगे की ओर धक्का दिया। वायु-गति बढ़ कर सहनीय स्थिति में पहुँच गयी और स्वयं उसका उच्चतामापक यंत्र ढीला होने लगा। अब यदि इंजिन रुक जायँ, तो भी कोई बात नहीं, कम से कम एक क्षीण सम्भावना तो थी। यदि अकस्मात् उतरने के बाद अन्धकार में विमान-स्थल मिल सका, तो वह विमान-स्थल पर विपत्तिकालीन भूमि-स्पर्श का प्रयत्न कर सकता है, अथवा खाड़ी में उतर सकता है अथवा खाड़ी के पास सपाट भूमि पर उतर सकता है। इन सभी सम्भावनाओं का एकमात्र परिणाम पूर्ण विनाश ही हो सकता है, किन्तु पहाड़ी से टकराने की अपेक्षा उनसे विनाश कम निश्चित था।

चार नम्बर का इंजिन फड़फड़ाया, एक क्षण तक वह ठीक से चलता रहा और फिर उससे अनेक जोरदार आवाजें निकलीं। डैन ने तुरन्त ही 'क्रास फीड वाल्वों' को दो नम्बर की टंकी से बदल कर तीन नम्बर की टंकी पर कर दिया। उसने 'बूस्टर पम्प' की गति बहुत तेज कर दी। जब इंजिन में फिर भी शक्ति नहीं आयी, तब उसने नीचे झुक कर मिश्र नियंत्रण (Mixture Control) को पूरी तौर पर खींच दिया। इंजिन में पुनः जान आ गयी।

"हमें चार नम्बर के इंजिन को चालू रखने के लिए पूरी शक्ति से काम लेना होगा।"

"ठीक है ! जो कुछ भी करना आवश्यक हो, वह करो ! उस नालायक को चालू रखो !"

"क्या आपने मौसम के बारे में सुना ?"

"नहीं। मैं तो रेंज के साथ उलझा हुआ हूँ।"

"टावर ने हमें एक विशेष विवरण दिया था। तीन सौ फुट। एक मील की दृश्यता। हल्की वर्षा। पश्चिम की ओर हवा बीस से पचीस तक।"

"स्थिति इससे भी बुरी हो सकती है। क्या ऊँचाई उतनी ही है ?"

"हाँ। उनतीस-अठाइस।"

"उनसे कह दो कि हम स्टेशन पर आ रहे हैं। हम 'यांत्रिक भूमि स्पर्श पद्धति' से उतरेंगे। मैं चाहता हूँ कि 'दौड़-मार्ग' की बत्तियाँ पूर्ण रूप से प्रकाशित कर दी जायँ।"

"ठीक है। डटे रहो। हम पहुँच जायँगे, मित्र।"

अब सलीवन के 'ईयरफोन' मे एकरूप स्वर का परिमाण अत्यन्त तीव्र गति से बढ़ गया और वह जोर-जोर से गुर्राने की आवाज के समान प्रतीत होने लगा। छोटा-सा सफेद प्रकाश यंत्र-पटल पर चमक रहा था, दिशा-सूचक यंत्र की सुई पूरा चक्कर लगा गयी और फिर उसके 'ईयरफोन' में शांति छा गयी। चार-दो-सिफर नम्बर का विमान शांति-शंकु से होकर गुजर रहा था।

"यह बहुत तेजी से होने जा रहा है, डैन ! मेरा साथ दो, और फ्लैप तथा गीयर के साथ तैयार रहो।"

"मै बिल्कुल तुम्हारे साथ हूँ, मित्र ! घबराओ मत। हम सकुशल नीचे पहुँच गये हैं।"

सलीवन की आँखें तेजी से वायु-गति से उच्चता-मापक यंत्र की ओर, यांत्रिक भूमि-स्पर्श-निदर्शक यंत्र के पीले और नीले निदर्शक की ओर घूम रही थीं ; उसने विमान को एक ढालू बायें तट पर कर दिया। कम्पास अपने तरल पदार्थ में नाचने लगा और घूमनेवाली संख्याएँ पर्यवेक्षण द्वार के बगल में चक्कर लगाने लगी। तीव्र गति से पन्द्रह सौ फुट की ऊँचाई पर नीचे उतर कर सलीवन अस्थायी रूप से उत्तर की ओर एक मार्ग पर चलने लगा।

"मै उतनी दूर बेलमाण्ट मार्कर तक नहीं जा रहा हूँ।"—सलीवन ने प्रायः अपने आपसे ही कहा। फिर भी उसका स्वर इतना ऊँचा था कि डैन ने उसके निर्णय को सुन लिया। "हमारे पास समय नहीं है।"

"फिर जरा सतर्कता से काम लो। यहाँ किसी स्थान पर दो सौ छः फुट का एक रेडियो टावर है।"—डैन ने स्मृति से ही कहा, क्योंकि खिड़कियों से बाहर कुछ भी नहीं दिखायी देता था। बादल अभी तक अत्यन्त सघन थे और वर्षा का तूफान शीशों पर क्रुद्ध होकर प्रहार कर रहा था।

यांत्रिक भूमि-स्पर्श-निदर्शक यंत्र का शीर्षात्मक छड़ धीरे-धीरे पीले विभाग

से नीले विभाग में पहुँच गया। जिस प्रकार कोई चोर किसी बटुए को चुराने के लिए सावधानी के साथ हाथ बढ़ाता है, उसी प्रकार छड़ की ओर सावधानी-पूर्वक देखते हुए सलीवन ने विमान-स्थल की ओर धीरे-धीरे जाना प्रारम्भ किया। छड़ अकस्मात् मध्य स्थिति के बगल मे घूम गया और नीले विभाग मे चला गया। सलीवन ने उसी समय अपना मार्क ठीक कर लिया और पश्चिम की ओर एक मार्ग पर जाने लगा। उसके पाँवों मे दर्द हो रहा था और उसकी गर्दन का पीछे का भाग पत्थर के समान कठोर हो गया था।

"भीतर के 'मार्कर' को देखो, डैन!"

डैन ने तुरन्त अपनी बगल मे दिशा-सूचक यंत्र को घुमाया। सुई सीधे आगे की ओर संकेत करने लगी।

सिगनलों को सुनते हुए उसने दुहराया—"एम......एम......के......"

"भीतर का 'मार्कर' पहचान लिया गया है, किन्तु तुम 'ग्लाइड' मार्ग के नीचे हो, मित्र।"

"मै जानता हूँ। मैं तनिक भी परवाह नहीं करता। हम ठीक चरण पर हैं और वह टावर अवश्य ही हमारे पीछे होगा!"

सलीवन ने यांत्रिक भूमि-स्पर्श यंत्र के छड़ की ओर इशारा किया। वह डायल के बीच में, नीले और पीले विभागों के ठीक केन्द्र में था। "अब यहाँ से कोई बाधा नहीं है। अपनी आँखे खिड़की से बाहर रखो। जब हम भूमि का स्पर्श करें, तब मुझे बता दो।"

सलीवन ने एक गहरी साँस ली और नियंत्रण-दण्ड को आगे की ओर खींच दिया। जिस समय उसने ऐसा किया, ठीक उसी समय चार नम्बर का इंजिन दो बार फटफटाया और उसका काम करना तुरन्त बन्द हो गया। फलस्वरूप विमान की गति काफी कम हो गयी।

"इसे ठीक कर दो, डैन! जल्दी करो! अब इसके साथ खिलवाड़ करने का समय नहीं रह गया है!"

उसने छत में लगे पटल तक हाथ बढ़ाया और एक लाल बटन को दबा दिया। विमान में प्रकम्पन आ गया तथा चार नम्बर का 'टैचो मीटर' शून्य पर पहुँच गया। विमान तीव्र गति से नीचे जाने लगा।

"मुझे अन्य दो इंजिनों में पूरी शक्ति दो!"

डैन ने प्रोपेलर कण्ट्रोलों और फिर 'थ्राटलों' को पूरा आगे की ओर खींच दिया। दोनों अच्छे इंजिन इस दबाव के कारण शोर मचाने लगे। सलीवन

ने उनकी उपेक्षा कर दी। उसकी नजर शीर्पात्मक छड़ और उसके उच्चता-मापक यंत्र पर, जो अब चार सौ फुट की ऊँचाई बता रहा था, गड़ी हुई थी।

"कुछ दिखायी देता है ?"

"अभी तक नही।" डैन अपना हाथ अपने पैरों के पास एक 'वाल्व' पर ले गया और उसने 'विण्डशील्ड वाइपरो' को चालू कर दिया। वे तीव्र उत्साह के साथ आगे-पीछे होने लगे और शीशों पर का पानी पोछने लगे।

"जमीन अभी तक आयी अथवा नहीं ?"

"नहीं।"

"यह इतना कठिन काम है कि पसीना निकलने लगा !"

"तुम अच्छी तरह काम कर रहे हो !"

"भीतरी 'मार्कर' के पार हो जाने पर मैं विमान को जमीन पर उतार दूँगा, चाहे कुछ भी हो।"

"हाँ।"

अपने चेहरे को विण्डशील्ड के पास ले जाकर डैन अपनी कुर्सी में बहुत आगे की ओर झुका और विमान-स्थल की बत्तियों के लाल प्रकाश की तलाश करने लगा। वह जानता था कि ये बत्तियाँ आगे ही होंगी। उसने नीचे खाड़ी के काले पानी के सम्बन्ध में विचार किया और तत्पश्चात् उसे बत्तियाँ दिखायी पड़ीं।

"विमान-स्थल की बत्तियाँ ठीक सामने है ! सम्भवतः एक मील दूर हैं !"

" 'गीयर' चालू कर दो !"

डैन ने भूमि-स्पर्श के 'गीयर' के 'लिवर' को दबा दिया। पहियों के द्वार खुलने पर तब एक धीमी गर्जना हुई और उसके बाद यंत्र-पटल पर तीन हरी बत्तियाँ चमकने लयीं।

"तीन हरी बत्तियाँ और दबाव !"

"ठीक है। पन्द्रह अंश फ्लैप।"

डैन कण्ट्रोल-लिवर के नीचे गया और पुनः खिड़की के बाहर देखने लगा। भूमि पर पहुँचने के मार्ग की 'नियन' बत्तियों की लम्बी पंक्ति अब स्पष्ट रूप से दिखायी दे रही थी। वे सीढ़ियों के समान लग रही थीं और 'दौड़-मार्ग' के सिर पर तथा अन्तिम सुरक्षा तक जाती थीं।

अकस्मात् वे बत्तियों के ऊपर से गुजरने लगे और उनके अन्त तक पहुँच गये। सलीवन ने 'थ्राटलों' और नियंत्रण-दण्ड को ढीला कर दिया। दौड़

मार्ग की बत्तियाँ जब बगल से होकर गुजरने लगीं तथा उनसे मिलने के लिए पंक्तिबद्ध होकर खड़ी हो गयीं, तब एक क्षण तक विमान धीरे-धीरे तैरने लगा। इंजिनों की हल्की आवाज के विपरीत 'विण्डशील वाइपरों' की आवाज अधिक जोर के साथ सुनायी दे रही थी। कँकरीट पर टायरों के रगड़ने की जोरदार आवाज सुनायी देने लगी और चार-दो-सिफर नम्बर का विमान पुनः भूमि पर पहुँच गया।

२१

'फ्लडलाइट' की रोशनी से दूर गारफील्ड यात्रियों के उतरने की सीढ़ी की परछाईं में खड़ा था और वह दिखायी नहीं दे रहा था। उसनें अपना बरसाती कोट अपने गले के चारों ओर कस कर लपेट रखा था और उसका हैट बहुत अधिक आगे की ओर झुका हुआ था, जिससे उसके सिगार की रक्षा हो सके। उसके पैर भीग गये थे। फिर भी, उसने उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया क्योंकि उसके सामने जो दृश्य था, वह उसी में अधिक तल्लीन हो गया। पत्रों के संवाददाता एक अलग ही दृश्य उपस्थित कर रहे थे। चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के चमकते हुए 'फ्यूजिलेज' पर बल्बों का प्रकाश प्रतिबिम्बित हो रहा था। जब यात्री पिछले दरवाजे से बाहर निकलने लगे—गारफील्ड ने देखा और यह देखकर उसे दुख हुआ कि कुछ यात्री अभी तक जीवन-रक्षक जैकेट पहने हुए थे—तब संवाददाताओं ने उन्हें पकड़ लिया और उनसे प्रश्न पूछना प्रारम्भ कर दिया। बल्बों के निरन्तर प्रकाश में उनके चेहरे रात में बहुत अधिक चमकीले दिखायी दे रहे थे और वह कुछ क्षणों तक वास्तविक यात्रियों की तुलना उन यात्रियों के साथ करने का प्रयत्न करने लगा, जिनकी सृष्टि उसने अनिच्छापूर्वक अपने मस्तिष्क में की थी। उसे ऐसा करने में आनन्द आ रहा था।

उसने एक नवयुवक दम्पति को देखा और वे साथ-साथ की अपेक्षा पृथक् रूप से जिस ढ़ंग से संसार को देख रहे थे, उसको देखने से गारफील्ड को विश्वास

हो गया कि उनका विवाह अभी हाल में ही हुआ था। लड़की के बाल सुनहले और भीगे हुए थे और सम्प्रति वे अस्त-व्यस्त लटों के रूप में उसके भयभीत चेहरे पर इधर-उधर बिखरे हुए थे। वे दोनों परेशानी का अनुभव कर रहे थे और संवाददाताओं ने बहुत थोड़े सवाल पूछ कर ही उन्हें छोड़ दिया। वे दौड़कर सीढी से नीचे उतरे और कई बुजुर्ग व्यक्तियों ने उन्हें अपनी बाँहों में समेट लिया और उन्हें आलिंगन-बद्ध कर लिया। गारफील्ड ने सोचा कि यौवन का कवच बहुत ही मोटा होता है। आप उसमें छेद कर सकते हैं, किन्तु उसके भीतर पहुँचना कठिन होता है। एक वर्ष में या दो वर्षों में वे दोनों सम्भवतः अपनी उड़ान की बात भूल जायँगे। चूँकि उनके लिए प्रत्येक वस्तु उत्तेजना-दायक है, इसलिए कोई भी वस्तु उनके लिए उत्तेजनादायक नहीं होती। अतः एक प्रकार से नवयुवक व्यक्ति सबसे अधिक समझदार होते हैं।

"क्या आप गुस्ताव पार्डी हैं, हैं न?"—गारफील्ड ने एक संवाददाता को पूछते हुए सुना।

"था, किन्तु अब मैं निश्चयपूर्वक नहीं कह सकता। कृपया हमें अकेले छोड़ दीजिये। हम बहुत थके हुए हैं।" थक तो आप गये ही हैं, गारफील्ड ने सोचा, किन्तु आप मेरे विमान पर सवार होने से पहले भी थके हुए थे और अब रंगीन तुला का कम से कम एक भाग देख लेने के बाद आपको इस बात से आश्चर्य हो रहा है कि मृत्यु के समान वास्तविक और निकट भी कोई वस्तु हमेशा ही रहती है। जैसा कि सम्भवतः आपने देखा है, श्री पार्डी, समस्त मनुष्यों को नापने के लिए यह एक अत्यन्त कारगर यंत्र है। इसके उल्लेख मात्र से भागने की आपकी उतावली से प्रतीत होता है कि आपने इसका सामना सराहनीय ढंग से किया। मैं आपको बधाई देता हूँ।

"हमें उड़ान के सम्बन्ध में कुछ बातें बताइये, श्री पार्डी!"

"मैं दस लाख शब्दों में भी उसका वर्णन नहीं कर सकता।"

"आपका अगला नाटक कब तैयार होने जा रहा है, श्री पार्डी?"

"मैं उसके लिए सामान्य से अधिक समय लूँगा। मैं आशा करता हूँ कि वह अगले साल तैयार होगा। अब ..कृपा कीजिये!" उसने उस स्त्री का हाथ पकड़ लिया, जो स्पष्टतः उससे प्यार करती थी और वह अपने भारी भरकम शरीर से भीड़ के बीच उसके लिए रास्ता साफ करने लगा।

गारफील्ड ने उनके पीछे नहीं देखा क्योंकि उसका ध्यान सुनहले बालों वाली एक स्त्री की ओर आकृष्ट हो गया, जो द्वार-मार्ग पर अनिश्चय के साथ

खड़ी थी। वह फोटोग्राफरों से पीछे हट गयी, केवल स्पाल्डिंग के सुखदायक हाथ ने उसे पूर्णतया पीछे हटने से रोके रखा। एक क्षण तक गारफील्ड को यह विश्वास रहा कि उसका भय ऐसा है, जो सदा बना रहता है। उसने परछाई से निकल कर डाक्टर के पास जाने का विचार किया, मृत्यु की गन्ध ने इस स्त्री के मस्तिष्क को विकृत बना दिया था और फिर उसने अनुभव किया कि चाहे जिस वस्तु ने भी उसके साहस को समाप्त कर दिया हो, किन्तु उस वस्तु का इस विमान से कोई सम्बन्ध नहीं था।

भीड़ में से एक व्यक्ति ने जोरदार स्वर में सैली का नाम पुकारा। फाटक के पार एक हलचल हुई और एक विशालकाय व्यक्ति धक्का देता हुआ सीढ़ी के पास पहुँचा। वह बिना हैट के बरसात में दौड़ता हुआ सीढ़ी तक पहुँचा और एक क्षण बाद वह पुनः विमान के द्वार पर पहुँच गया। वह उस स्त्री का हाथ पकड़े हुए था। वे गारफील्ड के बहुत निकट से होकर गुजरे और ज्यों ही उनके सिर उसकी आँखों के स्तर तक पहुँचे, त्यों ही एक बल्ब चमक उठा। काले आकाश में उसका चेहरा बिल्कुल साफ चमक उठा और गारफील्ड ने सोचा कि एक क्षण तक जो आकृति बनी रही, उसके सम्बन्ध मे वह अवश्य गलती में होगा। वह आकृति ऐसी थी, मानो उसके मस्तिष्क पर एक 'निगेटिव' का उद्घाटन कर दिया गया हो। वह औरत मुस्करा रही थी ! वह प्रसन्नता से प्रायः पागल हो रही थी और उसकी आँखों में उसकी वेदना का भाव तनिक भी दृष्टिगोचर नहीं हो रहा था।

वे हाथ में हाथ डालकर भीड़ में से गुजर गये और गारफील्ड विमूढ़-सा हो कर देखता रहा।

फिर क्या विपत्ति के सम्बन्ध में सोचना और उससे पूर्णतया निर्लिप्त रहना सम्भव है ? नहीं। वह औरत तो केवल विमान से यात्रा कर रही थी। उसकी मृत्यु उस समय प्रकट हुई, जब वह द्वार पर आयी—किसी कारण से वह उसका सामना नहीं कर सकती थी। इसके पहले जो कुछ हो चुका था, उस सबकी तुलना उसने अवश्य ही इस क्षण के साथ की होगी और वह उसे सहनीय लगा होगा।

गारफील्ड ने अपने कन्धे हिलाये। इस रात से पहले उसे जिन मापक-यंत्रों पर भरोसा था, उनके द्वारा भूल होने की स्पष्ट गुंजाइश थी। उसने सोचा कि समस्त वस्तुओं को, जिनमें मृत्यु भी सम्मिलित है, तराजू और बाट द्वारा तौलने की मेरी प्रवृत्ति बहुत अधिक है, क्योंकि मैं उन्हें सरलतापूर्वक सम

सकता हूँ। चूंकि उड्डयन त्रुटि-हीन होता है और उसे त्रुटि-हीन ही होना चाहिए, इसलिए मैं सोचता हूँ कि अन्य सभी चीजें भी अवश्य त्रुटि-हीन होंगी। और इस प्रकार अब मैं मूर्ख बन गया हूँ क्योंकि भावना को नापने की कोई निश्चित पद्धति नहीं है। भावना, मनुष्य के हृदय की ऐंठन, जिसका रक्त-प्रवाह के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है, विपत्ति की सम्भावना को अत्यन्त सापेक्षित मात्रा में परिवर्तित कर सकती है।

एक पुरुष और स्त्री विमान की सीढ़ी से नीचे उतरे और उनके व्यवहार से उसके संत्रस्त मस्तिष्क को कुछ सुख मिला। गारफील्ड ने अनुभव किया कि वह उन्हें सरलतापूर्वक समझ सकता है। वे उन व्यक्तियों के समान दिखायी दे रहे थे, जो छुट्टी मना कर आ रहे थे और प्रशान्त महासागर में गिरकर मरते-मरते बचे थे। वे अभी तक अपने जीवन-रक्षक जैकेट पहने हुए थे और कई पुष्पहार लिये हुए थे। उन्होंने संवाददाताओं को अपने नाम श्री जोसेफ और श्रीमती जोसेफ बताये। वे बीमार, थके हुए और परेशान-से दिखायी दे रहे थे। वे प्रायः दौड़ते-दौड़ते सीढ़ी से नीचे आये। गारफील्ड ने सोचा कि इस बात की अत्यधिक सम्भावना है कि जब उन्हें सोचने के लिए समय मिलेगा, तब वे कम्पनी पर मुकदमा चलाने का प्रयत्न कर सकते है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे कितनी सौ बार अपनी कहानी का वर्णन करते हैं और इस पर भी कि यदि उनके श्रोताओं में संयोगवश कोई वकील हुआ।

तत्पश्चात् एक छोटा, पतला व्यक्ति बाहर निकला। उसने उपेक्षापूर्वक कैमरों के बल्बों का सामना किया और संवाददाताओं की ओर तनिक ध्यान नहीं दिया। वह जितनी जल्दी हो सकता था, उतनी जल्दी सीढ़ी से नीचे उतर गया। उतरते ही उसने हवाई कम्पनी के एजेण्ट से निकटतम टेलिफोन के सम्बन्ध में पूछा। गारफील्ड ने उसे यह कहते हुए सुना कि मुझे अपनी पत्नी से तुरन्त बात करनी है। यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

गारफील्ड ने सोचा कि यह तात्कालिक प्रतिदान है। मोती की स्टिकपिन वाले इस व्यक्ति के लिए पृथ्वी के साथ कभी सम्बन्ध नहीं टूटा था और न कभी टूटेगा। बचने का उपाय टेलिफोन था, वह एक सुविधाजनक विद्युत्-जाल था, जिसमें वह अपनी तात्कालिक भावनाओं को बिखेर देगा। यह व्यक्ति अभी-अभी एक भयंकर अनुभव के बीच से होकर सफलतापूर्वक गुजर चुका है, फिर भी गारफील्ड इस बात के लिए शर्त लगाने के लिए तैयार था कि वह टेलिफोन पर इसकी चर्चा नहीं करेगा। नहीं, वह अपनी पत्नी से नहीं,

बल्कि स्वयं अपने से बात करेगा। वह एक आबद्ध बन्दी था, जो अपनी सांसारिक चिन्ताओं में इतना अधिक उलझा हुआ था कि उसके जीवित बचने का चमत्कार पहले ही विस्मृत हो चुका था। वह एक अन्धा व्यक्ति था और गारफील्ड उसके लिए दुखी था।

केन चाइल्ड्स द्वार पर प्रकट हुआ और गारफील्ड ने उसे तुरन्त पहचान लिया। वह उसका अभिवादन करने के लिए परछाइयों में से निकलने ही वाला था—जो स्टाक होल्डर इस प्रकार की उड़ान का अनुभव कर चुका है, वह अवश्य किसी अधिकारी पर अपना गुस्सा उतारना चाहेगा—किन्तु उसने अपना विचार बदल दिया। अब वह निश्चयपूर्वक नहीं कह सकता था कि वह केन चाइल्ड्स को, जो एक प्रसन्नचित्त व्यक्ति था और जिसने एक ऐसे व्यवसाय में पैसा कमाया था, जिसमें धन कमाने की कोई सम्भावना नहीं समझी जाती थी, पहचानता था। उसका चेहरा पहले जैसा ही था, किन्तु वह स्पष्टत: हिल उठा था—गारफिल्ड को विश्वास था कि वह इतनी गहराई तक हिल उठा था कि वह फिर कभी पहले जैसा आदमी नहीं हो सकता। जब वह स्पालिंडग के कन्धे थपथपा रहा था और जब वह सीढ़ी से नीचे उतरने लगा, तब उसकी प्रत्येक गतिविधि विनम्रता का परिचय दे रही थी। और एक विनम्र केन चाइल्ड्स को देखना एक ऐसा दृश्य था कि गारफील्ड अपने स्थान से हटने में असमर्थता का अनुभव करने लगा। उसने सोचा कि यह एक ऐसे व्यक्ति का शव है, जो पहले ही मर चुका है। भगवान् उसकी आत्मा को शांति प्रदान करे। कल मैं उससे मिलने के लिए उसके होटल पर जाऊँगा और उसके लिए शराब खरीदूँगा, क्योंकि अब वह जानने योग्य व्यक्ति होगा।

चाइल्ड् के ठीक पीछे एक औरत आयी। गारफील्ड ने देखा कि वह मोटी थी, चालीस वर्ष की उम्र को पार कर चुकी थी और फोटोग्राफरों को देख कर हँस रही थी। उसको देखकर अपने माप और मूल्यों के सम्बन्ध में उसके विचार कुछ अधिक अच्छे होने लगे। हलो, प्रिये ! तुम्हारी जैसी औरतों में से कोई न कोई औरत सदा ही मिल जाया करेगी, जिससे मन को सुख प्राप्त हो सके। मेरा अनुमान है, तुम सच्ची वीरांगणा हो। तुम केवल एक चीज से डरती हो और वह है पानी में उबाले हुए भोजन के स्वाद के साथ समाप्त होने वाला दिन—जब तक यह स्वाद विद्यमान रहता है, तब तक तुम्हें इस बात की चिन्ता नहीं रहती कि यह स्वाद आया कैसे।

उसे यह देख कर आश्चर्य हुआ कि सीढ़ी के नीचे केन चाइल्ड्स धैर्यपूर्वक

उस महिला की प्रतीक्षा कर रहा था और जब संवाददाताओं ने उसे अनिच्छा-पूर्वक मुक्त कर दिया, तब वे दोनों साथ-साथ चले गये। गारफील्ड ने अपने आप से कहा कि मैं प्रातःकाल उससे मिलने जाऊँगा। तीन आदमियों के साथ पीना और अच्छा होगा।

एक छोटे-से व्यक्ति ने, जिसका हैट उसके सिर पर बिल्कुल ठीक तौर से रखा हुआ था, स्पार्लिडग के सामने सिर झुकाया और शोर मचाने वाले एक समूह के स्वागत के उत्तर में, जो यात्रियों के फाटक की ओर धक्का देकर बढ़ता जा रहा था, हाथ हिलाता हुआ, सीढ़ियों से नीचे उतरने लगा।

"जोस!......पापा!......जोस!"—वे चिल्ला उठे।

एक भारी-भरकम शरीर वाली, मूंछदार महिला ने अपने हाथ का बैंग हिलाया। गारफील्ड ने उसके चारों ओर खड़े बालकों को गिना। आठ! यदि इनमें से प्रत्येक को केवल एक बच्चा हो, तो भी इस छोटे-से व्यक्ति के समुद्र में डूब जाने का प्रभाव सोलह प्राणियों पर पड़ता— वे सोलह प्राणी, जो उपस्थित भी नहीं थे। यहाँ, चहल-पहल से चकाचौंध एक छोटा और तत्पर नायक था, जो उनके जीवनों का केन्द्रबिन्दु था। वह शीघ्रता से सीढ़ी से उतर कर मूंछदार महिला के पास पहुँचा, उसका चुम्बन लिया तथा बालकों को गले लगाया। उसने उन्हें पैदा किया था तथा उनका वह पोषण करता था और किसी भी व्यक्ति के लिए यह एक इतना बड़ा बोझ था कि उसके लिए प्रत्येक बात को परमात्मा पर छोड़ देना आवश्यक हो जाता था।

वह अपने परिवार की भीड़ में प्रायः खो गया था कि मिस्त्री ने गारफील्ड की बाँह का स्पर्श किया। मिस्त्री ने अपनी नाक की नोक पर से पानी की एक बूँद पोंछी और तेल में सना हुआ अपना अंगूठा एक सफेद छड़ी के सिरे के निकट रख दिया।

"तीस गैलन, श्री गारफील्ड। टंकियों में कुल इतना ही ईंधन शेष रह गया था। यह इतना कम था कि वास्तव में इसे नापा ही नहीं जा सकता था।"

गारफील्ड ने बड़बड़ा कर कहा—"तो?"

"आप चाहते हैं कि मैं विमान को यहीं छोड़ दूं . .. अथवा उसे विमानालय में ले जाऊँ।"

"विमानालय में ले जाओ। जब यह भीड़ हट जाय।"

तीस गैलन? चार, शायद पाँच मिनट बाद सलीवन दूसरों को भी मार डालता और स्वयं भी मर जाता। सलीवन ने यह खतरा उठा कर मूर्खता

की थी। गारफील्ड का सारा शरीर क्रोध से काँप उठा और उसने जोर से अपने सिगार से धुआँ खींचा। उसे सदा के लिए भूमि पर ही काम करने के लिए रखना चाहिए।

में उसका लाइसेंस छिनवा लूँगा, चाहे इसके लिए वर्षो तक संघर्ष चले। वह केवल भाग्य के भरोसे विजयी हुआ है, किन्तु सीढ़ियों से नीचे उतरने वाले ये व्यक्ति खेल के मोहरे तो नहीं थे। सलीवन मूर्ख था......किन्तु रुको! तुम, जिसके पैर मजबूती के साथ जमीन पर रुके हुए हैं, यह कहने वाले कौन होते हो कि किसी व्यक्ति को उस समय क्या करना चाहिए था, जब सारी बातें उसके विरुद्ध थीं ? क्या तुम उस समय वहाँ थे, जब प्रोपेलर विमान से अलग हो गया था ? क्या तुमने आग को देखा ? क्या तुम रात में सागर के ऊपर, ईधन को समाप्त होते हुए देखते हुए, पसीने से तर और इसलिए चिन्ता से व्यग्र थे कि परिस्थितियों ने तुम्हें शक्ति प्रदान की थी और इतने अधिक प्राणों का सर्वेसर्वा बना दिया था ?

गारफील्ड का क्रोध अकस्मात् समाप्त हो गया और उसे इस बात से प्रसन्नता हुई कि वह उड्डयन-कक्ष में नही पहुँच गया था, जैसा कि उसने पहले इरादा किया था, बल्कि छाया में ही खड़ा था। नहीं, कभी-कभी ऐसा समय आता है, जब मूर्खता से ही, यहाँ तक कि उड्डयन जैसे मामले मे भी, विजय प्राप्त होती है। सलीवन के विरुद्ध कोई आरोप नहीं लगाये जायँगे, बल्कि वह प्रशंसा का पात्र है।

अब एक लम्बा व्यक्ति एक बहुत ही छोटी-सी स्त्री के साथ सीढ़ी से नीचे उतरा।

अभी तक सलीवन के विचार में तल्लीन गारफील्ड यह कल्पना किये बिना नहीं रह सका कि वे जीवन-रक्षक तख्ते से चिपके हुए कितने भिन्न दिखायी देते। उसका मिंक कोट उसके कन्धे पर इतनी लापरवाही के साथ नहीं लटकता होता और उसका पति इस प्रकार नहीं दिखायी देता, मानो वह ब्रुक्स ब्रदर्स की दूकान से नीचे उतर रहा हो। क्या वे अपने को उस स्थिति में देख सकते थे, जब वे आधे डूबे हुए एवं भयभीत हो कर तख्ते को पकड़े हुए होते और लहर के बाद लहर उनके ऊपर प्रहार करती होती ? नहीं, क्योंकि यह स्पष्ट था कि उनके जीवन का निर्माण कभी इस प्रकार की वस्तु के सम्बन्ध में सोचने के लिए नहीं हुआ था। और इस प्रकार उन्होंने केवल एक ऐसी विमान-यात्रा को पूर्ण किया था, जो असुविधाजनक सिद्ध हुई थी। वे दूसरा विमान छूट

जाने के सम्बन्ध में हवाई कम्पनी के एजेण्ट से पहले से ही शिकायत कर रहे थे। गारफ़ील्ड ने छोटी औरत को कहते हुए सुना—"हावर्ड। इस आदमी से कहो कि कल हमें न्यूयार्क के लिए अवश्य रिजर्वेशन मिल जाना चाहिए। हम एल्विरा की पार्टी में नहीं शामिल हो पायंगे। तुम्हारे लिए वह महत्वपूर्ण है।"

"किन्तु कूली-परिवार का स्लेज गाड़ी के कुत्तों से क्या सम्बध है।"

"सचमुच, प्यारे। बेकार की बात मत करो। जब तक तुम्हें इस बात का विश्वास न हो जाय कि स्थिति किस प्रकार की होने जा रही है, तब तक तुम्हें सुरक्षा की ही बात सोचनी चाहिए।"

"बहुत अच्छा"—पुरुष ने आह भर कहा—"मैं सोचता हूँ कि हमें पार्टी नहीं छोड़नी चाहिए। बहुत अच्छा। बहुत अच्छा....."

यहाँ कोई परिवर्त्तन नहीं था। सुपरिचित भूमि पर पहुँच जाने पर ये दोनों तत्काल सुपरिचित चीजों की तलाश पुनः करने लगे। एजेण्ट को आदेश दिया गया था कि वह उनके लिए फेयरमोण्ट होटल में एक कमरे की व्यवस्था कर दे—यह विमान-कम्पनी की ओर से सम्मान-प्रदर्शन था। जब उन्होंने स्पष्टतः सन्तोष की साँस ली और प्रस्ताव को स्वीकर कर लिया, तब गारफील्ड को कोई आश्चर्य नहीं हुआ।

उनके पीछे के आदमी ने 'फ्लैश बल्बों' को देखकर आँखें मटकायीं। गारफील्ड को क्षण भर के लिए विस्मय हुआ। इतना प्रतिष्ठित दिखायी देने वाले व्यक्ति को इतना निराश क्यों दिखायी देना चाहिए? वह आधी सीढ़ियाँ उतर चुका था कि पुनः विमान में लौट गया और एक क्षण के लिए गायब हो गया। तत्पश्चात् वह एक थैला लेकर क्षमा-याचना-सी करता हुआ वापस आया। गारफील्ड ने सोचा कि वह अभी तक आकाश में ही है। वह उसको छोड़ने के लिए या तो तत्पर नहीं है या समर्थ नहीं है, क्योंकि अभी तक उसने अनुभव का वर्गीकरण नहीं किया है। सम्भवतः उसका विश्लेषण करने से उसे बहुत समय शराब के नशे में चूर रहने के लिए एक आश्चर्यजनक बहाना मिल जायगा।

एक पूर्वीय लड़की आयी और गारफील्ड को याद आया कि वह यात्रियों की सूची में दर्ज की गयी चेन नाम की लड़की होगी। वह दरवाजे से बाहर निकली और उसने देखा कि वह स्पाल्डिग की सहायता से एक नाटे-मोटे आदमी को सहारा दे रही थी, जिसे सीढ़ी से उतरने में बहुत अधिक कष्ट हो रहा था। नीचे एक वर्दीधारी शोफर भीड़ को चीरता हुआ आया और उसने स्पाल्डिग का स्थान ले लिया। स्पाल्डिग ने उस व्यक्ति के गाल का

चुम्बन लिया और उसी समय उसका फोटो खिंच गया।

"हमसे बाहर दरवाजे पर मिलो। हम तुम्हें घर पहुँचा देंगे"—उस पुरुष ने कहा।

"दस मिनट में मैं वहाँ अवश्य पहुँच जाऊँगी, श्री ब्रिस्को"—स्पाल्डिग ने कहा।

भीड़ तितर-बितर होने लगी और फोटोग्राफरों ने वर्षा को गालियाँ देते हुए अपने कैमरों को बन्द कर दिया। गारफील्ड ने प्रायः खाली हो गयी सीढ़ी को पार किया और चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के पंख के नीचे खड़ा होकर प्रतीक्षा करने लगा।

वह नम्बर एक इंजिन की ओर देख रहा था कि उसे इस बात का ज्ञान हुआ कि चार व्यक्ति उसके पास आ गये थे। आंशिक रूप से खुले हुए इंजिन पर से अपनी नजर हटाये बिना ही उसे मालूम हो गया कि वे चारों व्यक्ति कौन होंगे। सलीवन, डैन रोमन, विल्बी और हाबी व्हीलर।

"हलो"—गारफील्ड ने कहा।

"हलो......"

वे पंख से आगे बढ़ गये और उसकी ओर गम्भीरतापूर्वक देखते हुए खड़े रहे, जब कि मिस्त्रियों ने चार-दो-सिफर नम्बर के विमान के अगले पहिये से एक ट्रैक्टर को ले जाकर टिका दिया। वे मौन थे, क्योंकि धातु के पंख पर वर्षा का पानी पड़ने से जो हल्की आवाज हो रही थी, वह एकमात्र सहनीय आवाज थी।

अन्त में जब ट्रैक्टर गुर्राने लगा और घूमता हुआ पंख धीरे-धीरे उनके सिरों के ऊपर जाने लगा, तब गारफील्ड ने उनकी विचारमग्नता को भंग किया। वह सलीवन से बोला और विचित्र रूप से उसकी आवाज में कोई जोर नहीं रह गया था।

"मेरा ख्याल है कि तुम्हारी पत्नी तुम्हारे लिए प्रतीक्षा कर रही है।"—उसने कहा।

"हाँ। मैं नहीं चाहता कि वह बहुत देर तक खड़ी रहे। हमारे बच्चा होने वाला है।"

"आराम कर लेने के बाद मुझ से मिलना। हम तब बात करेंगे।"

"हाँ.... अवश्य।"

सलीवन ने अपना थैला उठाया। उसने अन्य व्यक्तियों से नमस्कार किया

और उनके उत्तर ऐसे थे, मानो वे पहले से ही किसी विचार में तल्लीन हों। तत्पश्चात् वह चला गया। अन्य व्यक्तियों ने चुपचाप एक-दूसरे को नमस्कार किया, मानो सलीवन के चले जाने से वे बिना किसी सहारे के रह गये हों।

"यह क्या कोई स्मृति-चिन्ह है?"—गारफील्ड ने लियोनार्ड की हार्डवुड की तश्तरी की ओर देख कर कहा।

"हाँ। मेरा अनुमान है कि वर्षा से यह खराब नहीं होगी......किन्तु अच्छा यही होगा कि मैं इसे घर लेता जाऊँ।"

"नमस्ते।"

"नमस्ते, डैन। हम शीघ्र ही मिलेंगे।"

"जरूर, मित्र।"

गारफील्ड ने अपने कोट का कालर अपने गले के चारों ओर कस कर लपेट लिया। अब उसे महसूस हुआ कि उसे सर्दी लग गयी थी तथा उसके पाँव बहुत अधिक भीग गये थे। फिर भी, वह डैन रोमन की ओर देखता हुआ, जो पहले से ही वर्षा में एक धूमिल आकृति के समान दिखायी दे रहा था, अनिश्चितता के साथ रुका रहा। जब वह कंकरीट पर चमकते हुए कीचड़ से बचने का सावधानीपूर्वक प्रयत्न करता था, तब दूर से देखने पर उसका थोड़ा-थोड़ा लँगड़ाना बहुत स्पष्ट दिखायी देता था। "नमस्कार......नमस्कार"—उसने आधे जोरदार स्वर में कहा—"नमस्कार......प्राचीन प्राणी......"

तत्पश्चात् जब वह आकाश की ओर अन्तिम बार देखने के लिए मुड़ा तब उसे दूर से एक व्यक्ति द्वारा सीटी बजायी जाने की आवाज सुनायी पड़ी। उसे यह आवाज अत्यन्त सन्तोषदायक लगी।

——o——